



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-25022023-243925  
CG-DL-W-25022023-243925

साप्ताहिक/WEEKLY  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 25—मार्च 3, 2023 (फाल्गुन 6, 1944)  
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 25—MARCH 3, 2023 (PHALGUNA 6, 1944)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	53	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	187	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	477	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	263
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	1
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	583
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्णक.....	*

\*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

## CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	53	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .....	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	187	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .....	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .....	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .....	477	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .....	263
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs .....	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations .....	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .....	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .....	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .....	1
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .....	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .....	583
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi .....	*

\*Folios not received.

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2022

सं. 311-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कर्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मंडला हरि कुमार	सहायक असॉल्ट कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मुर्रे सूर्य तेज	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	पुव्वाला सतीशु	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विशाखापत्तनम ग्रामीण जिले में 23 सितम्बर, 2018 को सीपीआई माओवादियों द्वारा अराकु के विधायक और एक पूर्व विधायक की हत्या के बाद, ग्रेहाउंड्स ने मलकानगिरी और कोरापुट दोनों जिलों में विभिन्न असॉल्ट यूनिटों के साथ व्यापक अभियान शुरू किया।

दिनांक 10 अक्टूबर, 2018 को, मलकानगिरी जिले के कट ऑफ एरिया में माओवादी गतिविधि के संबंध में खुफिया जानकारी मिलने पर, एक संयुक्त विशेष ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें ग्रेहाउंड्स की 6 असॉल्ट यूनिटें और एसओजी ओडिशा की 2 टीमें शामिल थीं। उपर्युक्त टीमों ने गहन अंधेरे में कच्चे रास्ते से होते हुए, दुष्कर पहाड़ी इलाकों, घने जंगलों और पानी के अधिक बहाव वाली नदियों को पार करते हुए लक्ष्य क्षेत्र की ओर 17 किमी. से अधिक की दूरी तय की।

दिनांक 11 अक्टूबर, 2018 को माओवादियों का एक समूह सुरक्षा कर्मियों को चकमा देने में सफल रहा और धाकरहापदार तथा जंत्री गांवों से नावों पर सवार होकर दक्षिण की ओर भाग निकला। इसलिए, 5वीं असॉल्ट यूनिट को आंद्रापल्ली जंगल की ओर मोड़ दिया गया और एक फारवर्ड बेस से काफी अंदर जाने के लिए अतिरिक्त सैन्य सहायता भेजी गई।

5वीं असॉल्ट यूनिट ने डीएसी श्री जी. सीएच. एल. नायडू के कुशल नेतृत्व में फुर्ती से कार्रवाई की। उन्होंने एक अन्य स्थान पर चल रहे ऑपरेशन से अपनी टीम को पुनर्गठित किया। यूनिट बारूदी सुरंगों/बाँबी ट्रैप के खतरे के बावजूद, गहन अंधेरे में, कच्चे रास्ते से होते हुए तथा गोपनीयता और गति बरकरार रखते हुए पिछले ऑपरेशन स्थल से तेजी से आगे बढ़ी। आधी रात के बाद लक्ष्य क्षेत्र में पहुंचने पर, डीएसी श्री जी. सीएच. एल. नायडू ने स्थिति का शीघ्रता से आकलन करके अपनी योजना में आवश्यक बदलाव किया और तलाशी के लिए यूनिट को 4 उप-टीमों में विभाजित कर दिया।

दिनांक 12 अक्टूबर, 2018 को लगभग 0610 बजे, एक उप-यूनिट, जिसमें ओडिशा एसओजी के दो जवान, कमांडो/228 कुमार कर्मी और कमांडो/586 पितावसा पांडे के अलावा सहायक असॉल्ट कमांडर एम. हरि कुमार, जूनियर कमांडो एम. सूर्य तेज तथा पी. सतीशु शामिल थे, को कुछ संदिग्ध आवाजें सुनाई दीं और उन्होंने तुरंत हमला शुरू कर दिया। उन्होंने घनी झाड़ियों के बीच ऑलिव ग्रीन यूनिफॉर्म पहने तथा हथियार लिए हुए एक महिला माओवादी को देखा। इसी बीच, माओवादियों ने सुरक्षा कर्मियों को आगे बढ़ता हुआ देखकर, भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी जवाब दिया गया। तथापि, माओवादी फायदे में थे, क्योंकि पहाड़ी पर होने के कारण वे वर्चस्व वाली पोजीशन में थे।

उपर्युक्त कर्मिकों ने भारी बाधाओं और गोलियों की बौछार के बावजूद, विचलित हुए बिना, पहाड़ी पर धावा बोल दिया, जिससे दुश्मनों का आपसी संपर्क टूट गया और उन्होंने एक महिला कांडर का शव वहीं पर छोड़ दिया, जिसकी पहचान बाद में मीना, डीसीएम, पत्नी गजरला रवि उर्फ उदव, एओबीएसजेडसी के सचिव के रूप में की गई। घटनास्थल से 9 एमएम की एक कार्बाइन और 5 किट बैग बरामद किए गए।

यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि मीना, डीसीएम पर 8 लाख रुपए का इनाम था और वह अपनी क्रूरता तथा निर्दयता के लिए जानी जाती थी। वह 50 से अधिक अपराधों और दो राजनेताओं की हत्या में भी शामिल थी।

संघ ऑपरेशन में, सर्व/श्री मंडला हरि कुमार, सहायक असॉल्ट कमांडर, मुर्रे सूर्य तेज, जूनियर कमांडो और पुब्बाला सतीश, जूनियर कमांडो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/11/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 312-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, असम के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	जॉन दास	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	जीतूमोनी डेका	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बितुपन चुटिया	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अच्युत नाथ	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	संभू रोंगहांग	लांस नायक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	होंडोर सिंग तोकबी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	ग्रेट्सन माराक	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
8	सामबोर रोंगपी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19 जून, 2021 को रात में लगभग 9.30 बजे इस आशय की एक सूचना प्राप्त हुई कि यूपीआरएफ (एम) नामक कुकी-उग्रवादी समूह मांजा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सिंहासन हिल्स में स्थित जवलियां गांव में आया हुआ है और ग्रामीणों से जबरन पैसे की उगाही करने के साथ-साथ जवलियां गांव में तबाही मचाकर उन्हें शारीरिक प्रताड़ना भी दे रहा है। सूचना मिलने के बाद, पुलिस दल ने श्री जॉन दास, एपीएस, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, बोकाजन के नेतृत्व में एक ऑपरेशन शुरू किया और रात में लगभग 11 बजे, ऑपरेशन टीम, जिसमें उप निरीक्षक (यूबी) जीतूमोनी डेका, उप निरीक्षक (यूबी) बितुपन चुटिया, उप निरीक्षक (यूबी) अच्युत नाथ, लांस नायक संभू रोंगहांग, सिपाही होंडोर सिंग तोकबी, सिपाही ग्रेट्सन माराक और सिपाही सामबोर रोंगपी शामिल थे, पैदल जवलियां गांव की ओर खाना हो गई। जंगल के रास्ते, जहां उग्रवादी समूह द्वारा घात लगाकर हमला किए जाने की संभावना थी, सुनियोजित तरीके से 4/5 घंटे चलने के बाद, टीम सुबह जवलियां गांव के आम क्षेत्र में पहुंच गई और उसने वहां पर घात लगा दी। 20 जून को सुबह लगभग 11 बजे, घात दल ने यूपीआरएफ (एम) समूह को अत्याधुनिक हथियारों के साथ देखा और उन्हें अपनी पहचान बताने के लिए कहा। इस पर उग्रवादी समूह ने घात दल को जान से मारने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। घात दल ने आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी करके उपयुक्त जवाब दिया और जवाबी गोलीबारी लगभग 25 मिनट तक चली। कुछ समय के बाद, घात दल ने पूरे क्षेत्र की तलाशी ली और तलाशी ऑपरेशन के दौरान यूपीआरएफ (एम) कैडर के गोलियों से छलनी दो शव बरामद किए गए तथा दो मैगजीनों के साथ दो एके-56 राइफलें, एके के 28 राउंड जिंदा गोलाबारूद, खाली कारतूस, एक मोबाइल हैंडसेट और एक मैगजीन पोस्ट भी बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री जॉन दास, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, जीतूमोनी डेका, उप निरीक्षक, बितुपन चुटिया, उप निरीक्षक, अच्युत नाथ, उप निरीक्षक, संभू रोंगहांग, लांस नायक, होंडोर सिंग तोकबी, सिपाही, ग्रेट्सन माराक, सिपाही और सामबोर रोंगपी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।



ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/06/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1180/03/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 313-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, बिहार के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	विकास कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	वैजनाथ कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	संतोष कुमार सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
4	अंजन कुमार	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	विमलेश कुमार	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	राजेश कुमार	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	इन्द्रदेव कुमार	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

उप निरीक्षक विकास कुमार के नेतृत्व में, एसटीएफ अधिकारियों की एक टीम, जिसमें जूनियर कमांडो के साथ उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह और वैजनाथ कुमार शामिल थे, को विशेष रूप से बिहार के खगड़िया, मधेपुरा और नौगछिया जिलों में सक्रिय, एक बेहद हिंसक और खतरनाक अपराधी दिनेश मुनि को पकड़ने का काम सौंपा गया था, जिसने हत्या, डकैती, अपहरण और जबरन वसूली जैसे कई जघन्य आपराधिक कृत्यों को अंजाम दिया था। अक्टूबर, 2018 में पुलिस दल के साथ एक मुठभेड़ में, उसने पुलिस या प्रशासन को कोई सम्मान न देते हुए, एक दुस्साहसी हत्यारे के रूप में आशीष कुमार सिंह, पुलिस उप निरीक्षक, एसएचओ, पसरहा पुलिस स्टेशन (खगड़िया जिला) को गोली मार दी थी, जिनकी तुरंत मौत हो गयी थी और एक कांस्टेबल को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उस पर बिहार सरकार ने 50,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। उसके विरुद्ध खगड़िया, मधेपुरा और नौगछिया जिलों के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

दिनांक 03.06.2020 की देर रात, पुलिस टीम को नारायणपुर दियारा के जमुनियात धर के खेत में दिनेश मुनि के अपने गिरोह के साथ मौजूद होने के बारे में सूचना प्राप्त हुई। अपर महानिदेशक ऑपरेशन, पुलिस अधीक्षक नौगछिया, एसडीपीओ नौगछिया और एसएचओ भवानीपुर ओपी को सूचित करने के बाद, एसटीएफ की पुलिस टीम रात में करीब 11.30 बजे लक्षित स्थान की ओर रवाना हुई। सरकारी वाहन को मधुरापुर में छोड़कर, अपनी आवाजाही की गोपनीयता बनाए रखते हुए, टीम ने एक लंबी और कठिन दूरी पैदल ही तय की तथा रात में करीब 01.00 बजे अपराधियों के ठिकाने के पास पहुंच गई। जब वे अपने लक्ष्य से मुश्किल से 45-50 फीट की दूरी पर थे, तब वे अपराधियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए, जिन्हें किसी तरह उनकी मौजूदगी की भनक लग गई थी। इस अप्रत्याशित हमले ने एसटीएफ की पुलिस टीमों को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया। उन्हें घेरने और उनके ठिकाने पर छापा मारने के लिए अगली कार्रवाई की योजना बनाते हुए, उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, जूनियर कमांडो विमलेश कुमार और जूनियर कमांडो राजेश कुमार के साथ उप निरीक्षक विकास कुमार उत्तरी छोर से आगे बढ़े और उप निरीक्षक वैजनाथ कुमार को जूनियर कमांडो अंजन कुमार तथा जूनियर कमांडो इन्द्रदेव कुमार के साथ दक्षिणी छोर से आगे बढ़ने का संकेत दिया। अपराधियों तक पहुंचने के लिए दूरी बनाकर रेंगते हुए, पुलिस टीमों ने उन्हें बार-बार गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने हर चेतावनी का जवाब तेज गोलीबारी के साथ दिया। टीमों अंधाधुंध गोलीबारी के बीच फंस गई थीं, जिससे पुलिस कर्मियों की जान और सरकारी हथियार एवं गोलाबारूद को भारी नुकसान होने की संभावना थी। इसके बावजूद, वे इस बात की अनदेखी करते हुए कि हिंसक हमलावरों की ओर से आ रही गोलियां उन्हें लग सकती हैं, आगे बढ़ते रहे और अपराधियों को उनके हथियार के साथ पकड़ने के लिए उनके काफी नजदीक पहुंच गए। अपराधियों ने यह महसूस किया कि उन्हें घेरा जा रहा है, इसलिए उन्होंने अपने हमले के लिए पूरी ताकत झोंक दी। मौजूदा स्थिति की भयावहता को देखते हुए, एसटीएफ की पुलिस टीमों ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत, उन

पर लक्षित और नियंत्रित गोलीबारी के साथ धावा बोल दिया। यह गोलीबारी लगभग 25 मिनट तक चलती रही। पुलिस टीमों की जवाबी कार्रवाई से हमलावरों में हड़कंप मच गया। वे वहां पर एक साथ नहीं टिक सके और उनमें से दो हमलावर पुलिस के घेरे पर भारी गोलीबारी करते हुए अपनी-अपनी पोजीशन से दो अलग-अलग दिशाओं में चले गए। उप निरीक्षक वैजनाथ कुमार अपने साथियों के साथ, दक्षिण दिशा की ओर भाग रहे अपराधियों का पीछा करते हुए उनकी ओर भागे और उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह तथा जूनियर कमांडो के साथ उप निरीक्षक विकास कुमार ने दक्षिण पूर्व दिशा में भाग रहे अपराधी का दृढ़ता से पीछा किया। उनके दृढ़ प्रयास के बावजूद, वहां से भाग रहे अपराधी अंधेरी रात और मक्के की घनी फसल का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए।

तलाशी के दौरान, गोली लगने के कारण एक अपराधी मृत पाया गया। उसके शव के पास एक कार्बाइन पड़ी थी, जिसके चैम्बर में एक 9 एमएम का एक जिन्दा कारतूस और उसकी मैगजीन में 9 एमएम के 3 (तीन) जिन्दा कारतूस भरे हुए थे। मृतक की पहचान उत्तर बिहार के खूंखार आतंकी दिनेश मुनि के रूप में हुई। दिनेश मुनि के शव के पश्चिम से एक प्लास्टिक की थैली में रखे गए 12 बोर के 13 जिन्दा कारतूस बरामद किए गए। उसकी मौत से लोगों ने राहत की सांस ली है और खगड़िया, नौगछिया तथा मधेपुरा जिलों के आतंक और हिंसा से ग्रस्त क्षेत्रों में शांति और सामान्य स्थिति बहाल हुई है।

एक 12 बोर की नियमित डबल बैरल गन मक्के के खेत की पूर्व दिशा में पाई गई, जिसके दाहिने बैरल में एक 12 बोर का खाली एलजी कारतूस और बाएं बैरल में एलजी 12 बोर का एक जिन्दा कारतूस भरा हुआ था। पास में 5 (पांच) खाली कारतूस भी मिले।

इस 30 मिनट की मुठभेड़ के दौरान, नामित कार्मिकों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर, खतरनाक एवं आक्रामक गैंगस्टर्स को सामना करते हुए, अत्यधिक साहस, उच्चतम कर्तव्यपरायणता, अत्यधिक धैर्य और दृढ़ निश्चय का परिचय दिया। अपराधियों की लगातार गोलीबारी के बीच, उन्होंने स्थिति की विकरालता से विचलित हुए बिना, पूरी रणनीति और आपसी समन्वय के साथ, निर्धारित कार्य की ओर दृढ़तापूर्वक ध्यान केंद्रित किया और कार्य को वीरतापूर्वक पूर्ण किया। इस ऑपरेशन में उप निरीक्षक विकास कुमार, उप निरीक्षक वैजनाथ कुमार, उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह और जूनियर कमांडो बिमलेश कुमार घायल हो गए, लेकिन योजना पर पूरी तरह अमल करते हुए, उन्होंने सभी बाधाओं जैसेकि अपर्याप्त सैन्य बल, बैकअप न होने और कम रोशनी के बावजूद, उनकी गिरफ्तारी को लक्ष्य बनाकर सकारात्मक कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक खतरनाक, आक्रामक और क्रूर अपराधी दिनेश मुनि मारा गया और अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री विकास कुमार, उप निरीक्षक, वैजनाथ कुमार, उप निरीक्षक, संतोष कुमार सिंह, उप निरीक्षक, अंजन कुमार, जूनियर कमांडो, बिमलेश कुमार, जूनियर कमांडो, राजेश कुमार, जूनियर कमांडो और इन्द्रदेव कुमार, जूनियर कमांडो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/212/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 314-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मालिक राम	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	अलरिक लकड़ा	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	महेन्द्र पोटाई	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	सुक्क राम नाग	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	स्वजयलाल उईके .	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
6	स्वकनेर उसेंडी .	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.08.2019 को, डीआरजी ने कस्तूरमेता, ओकपाड़, मोहंदी, कुतुल और गुमारका में एरिया डोमिनेशन तथा पेट्रोलिंग के लिए प्रस्थान किया। पुलिस दल दिनांक 24.08.2019 को प्रातः गुमारका गांव पहुंच गया, जहां वर्दी एवं सिविल ड्रेस में लगभग 60-70 सशस्त्र

नक्सलियों ने पुलिस कार्मिकों को मारने और उनके हथियार लूटने के इरादे से अचानक और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने तुरंत कवर ले लिया और नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन नक्सली गोलीबारी करते रहे, जिसके बाद पुलिस दल ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। भयभीत होकर, नक्सली मुठभेड़ स्थल से घने जंगलों और पहाड़ियों की ओर भाग गए। क्षेत्र की तलाशी के बाद, पुलिस दल को 05 सशस्त्र नक्सलियों (04 यूनिफॉर्म में और 1 सिविल ड्रेस में) के शव मिले। बंदूक की भीषण लड़ाई में, हेड कांस्टेबल जयलाल उईके और सिपाही कनेर उसेंडी ने अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर अपनी सेवा के प्रति असाधारण प्रतिबद्धता एवं साहस का प्रदर्शन किया और उन्होंने अपने जीवन का बलिदान दे दिया।

पुलिस दल ने घटना स्थल से 9 एमएम की 01 कार्बाइन मशीन गन, 12 बोर की 03 राइफलें, 7.65 एमएम की 01 देशी पिस्तौल, 03 देशी हैंड ग्रेनेड, गोलाबारूद और अन्य सामग्रियां भी जप्त कीं।

यह सफलता हेड कांस्टेबल जयलाल उईके और सिपाही श्री कनेर उसेंडी की वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान तथा निरीक्षक श्री मालिक राम, उप निरीक्षक श्री महेन्द्र पोटाई, उप निरीक्षक श्री अलरिक लकड़ा एवं हेड कांस्टेबल सुक्क राम नाग के नेतृत्व, व्यक्तिगत बहादुरी एवं वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण संभव हुई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री मालिक राम, निरीक्षक, अलरिक लकड़ा, उप निरीक्षक, महेन्द्र पोटाई, उप निरीक्षक, सुक्क राम नाग, हेड कांस्टेबल, स्व. जयलाल उईके, हेड कांस्टेबल और स्व. कनेर उसेंडी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/02/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 315-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री श्याम किशोर शर्मा	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.05.2020 की शाम को पुलिस स्टेशन-मानपुर, जिला-राजनांदगांव के ग्राम-परधोनी के तालाब के पास स्थित एक घर में सशस्त्र, वर्दीधारी और खूंखार भाकपा-माओवादी कार्यकर्ताओं (08-10) की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय स्रोत से एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। इस विशिष्ट गुप्त सूचना के आधार पर, गांव-परधोनी और आसपास के जंगल क्षेत्र में एक तलाशी अभियान की तत्काल योजना बनाई गई। चूंकि यह क्षेत्र कुख्यात माओवादी नेटवर्क की मौजूदगी, उनसे सहानुभूति रखने वालों की उपस्थिति और चुनौतीपूर्ण इलाके के लिए जाना जाता है, इसलिए नक्सलियों को पकड़ने के लिए पुलिस दल को तीन टीमों में विभाजित किया गया था। उप निरीक्षक श्याम किशोर शर्मा, एसएचओ पुलिस स्टेशन-मदनवाड़ा के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी एसएचओ कोहका, जिला-राजनांदगांव तथा पुलिस स्टेशन-खोका, पुलिस स्टेशन-मदनवाड़ा और पुलिस स्टेशन-मानपुर के पुलिस कर्मियों के साथ यह पुलिस दल लगभग 1930 बजे गांव पहुंचा और परधोनी गांव के चारों ओर घेराबंदी की। लगभग 2030 बजे, अन्य दल भी गांव पहुंच गए और तलाशी अभियान शुरू किया गया। जब उप निरीक्षक श्याम किशोर शर्मा के नेतृत्व वाला दल एक घर विशेष के समीप पहुंचा, जहां माओवादियों के छिपे होने की संभावना थी, तभी माओवादियों ने पुलिस दल पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उप निरीक्षक श्याम किशोर शर्मा के नेतृत्व वाले दल ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और आगे बढ़कर हमला किया। नक्सलियों की भारी गोलाबारी के बावजूद, वे अपने साथी पुलिस बल के साथ निडर होकर आगे बढ़े। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, अनुकरणीय साहस दिखाते हुए, वे उस घर में पहुंच गए और दो खूंखार माओवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में राजनांदगांव कांग्रेस बॉर्डर डिवीजन कमेटी के डीवीसीएम अशोक उर्फ रेणु हुर्रा और कृष्णा नुरेती, एसीएम, मोहला-औंधी ज्वाइंट एरिया कमेटी के रूप में हुई। दोनों ओर से 25 मिनट से अधिक समय तक गोलीबारी चलती रही, जिसके दौरान माओवादी तितर-बितर हो गए और उन्होंने पास के जंगल में भागने की कोशिश की। कवरिंग पार्टियों द्वारा दो और माओवादियों को मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में सविता और परमिला के रूप में हुई, जो मोहला-औंधी ज्वाइंट एलओएस के सदस्य थे। माओवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य लॉजिस्टिक्स बरामद किए गए, जिनमें एके-47 राइफल-01 (02 मैगजीन, 25 जिंदा

कारतूस के साथ), 7.62 एसएल राइफल-01 (01 मैगजीन 23 जिंदा कारतूस के साथ), 08 जिंदा कारतूस के साथ .315 सिंगल शॉट गन-02, 09 एमएम पिस्टल के 07 जिंदा कारतूस और अन्य उपकरण शामिल हैं।

दुर्भाग्यवश, बंदूक की इस भयानक लड़ाई में सामने से नेतृत्व कर रहे उप निरीक्षक श्याम किशोर शर्मा को गोली लग गई और वे शहीद हो गए। उन्होंने माओवादियों का सामना करने में असाधारण साहस, उत्साह और बहादुरी का परिचय दिया। अपने जीवन के लिए गंभीर खतरे का सामना करते हुए, उन्होंने निडर होकर लड़ाई लड़ी। खतरे का सामना करने में उनके व्यक्तिगत उत्साह और नेतृत्व ने दूसरों को प्रेरित किया और इसके परिणामस्वरूप पुलिस को बड़ी सफलता मिली।

इस ऑपरेशन में, स्व. श्री श्याम किशोर शर्मा, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/03/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 316-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	डॉ. अभिषेक पल्लव	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रामअवतार पटेल	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

07 मई 2019 को, डॉ. अभिषेक पल्लव, पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा को उनके मुखबिरों के माध्यम से दरभा डिवीजन की मलंगीर क्षेत्र समिति और सीपीआई (माओवादी) की केरलापल क्षेत्र समिति के 40-50 सशस्त्र माओवादियों (वरिष्ठ माओवादी श्याम उर्फ चैतू, एसजेडसीएम, विनोद, डीवीसीएम और अन्य सहित) की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त हुई थी।

एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई तथा डीआरजी (नफरी 190) और एसटीएफ (नफरी 52) के संयुक्त दलों को 1705 बजे रवाना किया गया। अगली सुबह, जब पुलिस दल पुजारीपाल और गोंडेरस के जंगलों के बीच पहुंचे, तभी घात लगाकर बैठे माओवादियों ने पुलिस बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अचानक गोलीबारी की चपेट में आए डीआरजी ग्रुप-1 ने जोरदार ढंग से जवाबी कार्रवाई की तथा अन्य डीआरजी/एसटीएफ समूहों ने घेराबंदी शुरू कर दी और आत्मरक्षा में गोलीबारी भी शुरू की।

डीआरजी-01 से सहायक उप निरीक्षक रामअवतार पटेल ने प्रचंड रूप से लड़ाई लड़ी। उन्होंने महान नेतृत्व कौशल दिखाया और अपनी टीम का मार्गदर्शन किया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव को मोबाइल के माध्यम से सूचित किया, जो पुलिस स्टेशन-अरनपुर में अतिरिक्त बल के साथ उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव 30 मिनट के भीतर मुठभेड़ स्थल पर अतिरिक्त बल के साथ पहुंच गए।

दोनों ओर से गोलीबारी लगभग 3 घंटे तक चली। समय पर पहुंचे अतिरिक्त बल ने नक्सलियों को जंगलों और पहाड़ की आड़ लेकर मुठभेड़ स्थल से भागने के लिए मजबूर कर दिया। मुठभेड़ स्थल की विस्तृत तलाशी ली गई। महिला माओवादी का एक शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान बाद में राधा रेंगो, पुत्री-स्वर्गीय लखमू, उम्र 24 वर्ष, गांव-दल्ला, पुलिस स्टेशन-बसागुडा, जिला-बीजापुर, केरलापाल एलओएस कमांडर और केरलापाल क्षेत्र समिति के सदस्य के रूप में हुई। मारे गए नक्सली के शव के पास एक इंसान राइफल मैगजीन (08 राउंड जिंदा कारतूस) के साथ बरामद की गई।

डॉ. अभिषेक पल्लव, पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा और सहायक उप निरीक्षक रामअवतार पटेल के बिना यह कार्रवाई सफल नहीं हो सकती थी। राष्ट्र की सेवा में अपने जीवन की परवाह किए बिना उनके अनुकरणीय साहस, बहादुरी और वीरतापूर्ण कार्रवाई ने पुलिस को यह सफलता दिलाई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री डॉ. अभिषेक पल्लव, पुलिस अधीक्षक और रामअवतार पटेल, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/05/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1176/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 317-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.स.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री डिलेश्वर कुमार सोनवानी	प्लाटून कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.07.2019 को, एसटीएफ द्वारा जिला धमतरी क्षेत्र के ग्राम संदबहरा और मडागिरी के पहाड़ी जंगल में एक सर्च ऑपरेशन 08-10 नक्सलियों सहित वहां सक्रिय सत्यम गावड़े मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन कमांड इन चीफ को पकड़ने के लिए शुरू किया गया था। एसटीएफ के खोज दल में टीम नंबर 01 प्लाटून कमांडर श्री डिलेश्वर सोनवानी के नेतृत्व में 01 एपीसी, 02 एचसी, 34 कांस्टेबल के साथ और टीम नंबर 02 प्लाटून कमांडर श्री विनोद राम के नेतृत्व में 07 एचसी, 35 कांस्टेबल के साथ 21.05 बजे एसटीएफ बघेरा, दुर्ग से रवाना हुई।

दिनांक 06.07.2019 को 06.00 बजे से एसटीएफ टीम ने ग्राम-संदबहरा और मडागिरी में तलाशी ली। अचानक, सशस्त्र माओवादी काडरों ने हथियारों से सुरक्षाकर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। प्रतिबंधित सशस्त्र माओवादी काडरों का इरादा सुरक्षा कर्मियों को नुकसान पहुंचाना और उनके हथियार लूटना था। प्लाटून कमांडर डिलेश्वर कुमार सोनवानी ने अपनी टीम को जंगल में उपलब्ध कवर के साथ पोजीशन लेने का निर्देश दिया। बाद में, उन्होंने माओवादी काडरों, जो लगातार टीम पर गोलियां चला रहे थे, को अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। कोई अन्य विकल्प न होने के कारण, कमांडर ने अपनी टीम को आत्मरक्षा में फायरिंग करने और सशस्त्र माओवादियों को पकड़ने के लिए चतुराई से आगे बढ़ने को कहा। जब फायरिंग रुक गई, तब पुलिस दल ने इलाके की पूर्ण रूप से तलाशी ली और उस दौरान चार नक्सलियों के शव मिले तथा 1 मैगजीन के साथ एक 303 राइफल, 05 राउंड, 315 बोर की 03 राइफल, 12 बोर की 02 राइफल, 30 राउंड, 15 राउंड के साथ 01 देसी कट्टा और दैनिक उपयोग वाली वस्तुओं को बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, श्री डिलेश्वर कुमार सोनवानी, प्लाटून कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/07/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1207/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 318-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.स.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री हजारी लाल मौर्य	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

10 जुलाई, 2019 को, एसपी दंतेवाड़ा को मुखबिरों से सीपीआई (माओवादियों) की कटेकल्याण क्षेत्र समिति के 20-25 सशस्त्र माओवादियों की मेसदब्बा के आसपास के गांवों में मौजूदगी होने की एक खुफिया जानकारी प्राप्त हुई, जिसमें कट्टर माओवादी जगदीश (डीवीसीएम), मंगू (एसीएम), कमलेश (एसीएम), हुर्रा (एसीएम) शामिल थे। एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और डीआरजी दलों (नफरी 79) को शाम 5.40 बजे रवाना किया गया। दिनांक 11.07.2019 को कोलेंग दब्बा और पेड्डे दब्बा की पहाड़ी और वन क्षेत्र में गहन गश्त और खोज के बाद, पेड्डे दब्बा पहाड़ी में एल्यूमी लिया गया। जब पुलिस दल तेलम और मेसदब्बा के जंगलों के बीच पहुंच गए, तो घात

लगाकर बैठे माओवादियों ने पुलिस बलों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। डीआरजी सैनिकों ने खुद को 40-40 के समूहों में अलग किया और फायरिंग का जोरदार जवाब दिया। जब फायरिंग रुक गई, तो मुठभेड़ क्षेत्र की विस्तृत तलाशी ली गई, जिसमें एक पुरुष का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान बाद में दरभा डिवीजन के प्लाटून नंबर 24 के सेक्शन कमांडर मदकम हुर्ग, पुत्र-सन्तु मदकम उर्फ मूसा के रूप में की गई। सीआरपीएफ की 111वीं बटालियन से पलनार बाजार में दिनांक 04.09.2015 को लूटा गया 9 एमएम का एक ऑरिजनल हथियार बरामद किया गया। सुरक्षाबलों को कामयाबी दिलाने में सहायक उप निरीक्षक हजारी लाल मौर्य ने अहम भूमिका निभाई थी। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने नक्सलियों को झटका दिया और इससे पुलिस को इलाके में मजबूती से अपने पैर जमाने में मदद मिली।

यह कार्रवाई सहायक उप निरीक्षक हजारी लाल मौर्य की भूमिका के बिना संभव नहीं हो पाती। देश की सेवा में अपने जीवन की परवाह किए बिना उनके अनुकरणीय साहस, बहादुरी और वीरतापूर्ण कार्रवाई ने पुलिस को सफलता दिलाई।

इस ऑपरेशन में, श्री हजारी लाल मौर्य, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/07/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1210/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 319-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कर्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पद
1	सुकू राम नुरेटी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	बलराम उसेण्डी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राजकुमार सलाम	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2018 का सितंबर का महीना था, जब स्थानीय मुखबिर से दिनांक 02.09.2018 की सुबह माओवादी की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त हुई थी और वे सुरक्षा बलों पर हमला करने, आतंक फैलाने की दृष्टि से उनके हथियार लूटने और पास के क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों में बाधा डालने की योजना बना रहे थे। सूचना की पुष्टि के बाद, उप निरीक्षक आकाश मसीह और उप निरीक्षक सुकू राम नुरेटी के नेतृत्व में पचास पुलिस कर्मियों के एक डीआरजी दल को उस स्थान पर भेजा गया, जहां सशस्त्र माओवादी मोटर साइकिल पर सवार होकर पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद, संचार उपकरण और अन्य आवश्यक सामग्री के साथ इकट्ठा हुए थे। जब पुलिस दल करेलघाटी पहुंचा, तो उन्होंने स्थानीय मुखबिर से संपर्क किया और उस जगह को सुनिश्चित किया, जहां सशस्त्र माओवादी इकट्ठा हुए थे तथा इलाके की तलाशी एवं घेराबंदी शुरू कर दी। जंगल से गुजरते हुए ग्राम-गुमियाबेड़ा कोहकापारा के पूर्व दिशा में तकरी की ओर बढ़ते समय वहां घात लगाए बैठे माओवादियों ने पुलिस कर्मियों को मारने और उनके हथियारों को लूटने के इरादे से स्वचालित हथियारों से पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं।

पोजीशन लेने के बाद, पुलिस दल ने बार-बार नक्सलियों को फायरिंग बंद करने और पुलिस दल के समक्ष आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर फायरिंग जारी रखी। इसके बाद, पुलिस दल के पास अपनी जान और हथियारों को बचाने के लिए कोई विकल्प नहीं बचा था, इसलिए उन्होंने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। उप निरीक्षक सुकू राम नुरेटी, उप निरीक्षक बलराम उसेण्डी और हेड कांस्टेबल राजकुमार सलाम ने भी फायरिंग शुरू कर दी तथा अपनी टीमों के साथ घात लगाए बैठे नक्सलियों की ओर बढ़ गए। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करते हुए अनुकरणीय साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने पराक्रम से न केवल अपनी टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित और प्रेरित किया, बल्कि नक्सलियों की गोलीबारी का भी करारा जवाब दिया। बढ़ते दबाव और तत्काल जवाबी कार्रवाई के कारण, नक्सली घने जंगल और पास की पहाड़ी का कवर लेते हुए उस स्थल से भाग गए।

पुलिस और हथियारबंद माओवादियों के बीच फायरिंग करीब एक घंटे तक चली। फायरिंग रुकने पर पुलिस दल ने इलाके की तलाशी ली। इस दौरान, डीआरजी दलों को एक महिला माओवादी समेत चार अज्ञात माओवादियों के शव मिले तथा साथ में एक 303 राइफल मैगजीन, 12 बोर राइफल और एक 12 बोर राइफल की बरामदगी हुई।



उप निरीक्षक सुक्कु राम नुरेटी, उप निरीक्षक बलराम उसेण्डी और हेड कांस्टेबल राजकुमार सलाम, तीनों ने माओवादी विरोधी कई ऑपरेशनों में भाग लिया है। वे अपने प्रयासों से जिले में शांति बनाए रखने में खास तरह से निपुण हो गए थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण माओवादी कैडरों को मार गिराने, आत्मसमर्पण कराने और गिरफ्तार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इसके अतिरिक्त, पुलिस दल को घटना स्थल से 26 जिंदा राउंड और 01 खाली राउंड, 12 बोर गन के 30 राउंड, 04 पिस्ट्रू बेग, 01 कुकर बम, 01 आईईडी स्विच, 04 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर और नक्सल साहित्य मिले। दल ने सभी वस्तुओं को अपने कब्जे में ले लिया और उन्हें जप्त कर लिया।

घने जंगल और पहाड़, जहां से नक्सली छिपकर फायरिंग कर रहे थे, की विषम भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर माओवादियों के माद डिबीजन के उस क्षेत्र में नक्सल खतरे को नियंत्रित करने के प्रयासों में नारायणपुर पुलिस के लिए यह मुठभेड़ एक बड़ी सफलता साबित हुई। मुठभेड़ की खतरनाक परिस्थितियों में, उप निरीक्षक सुक्कु नुरेटी, उप निरीक्षक बलराम उसेण्डी और हेड कांस्टेबल राजकुमार सलाम ने उल्लेखनीय नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया और टीमों के बीच आपसी समन्वय स्थापित किया तथा भारी बरामदगी के साथ चार खूंखार माओवादी कैडरों को मार गिराया। इस सफलता ने सभी टीमों में आत्मविश्वास और साहस का संचार किया तथा इस क्षेत्र को असुरक्षा की भावना से मुक्त किया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री सुक्कु राम नुरेटी, उप निरीक्षक, बलराम उसेण्डी, उप निरीक्षक और राजकुमार सलाम, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की संजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/09/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1211/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 320-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री हरिशंकर प्रताप सिंह कंवर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14 जनवरी, 2018 को ग्राम झिलमिली, पुलिस स्टेशन बकरकट्टा, जिला राजनांदगांव में लगभग 50-60 सशस्त्र और वर्दीधारी माओवादी कैडरों के मौजूद होने के संबंध में एक जानकारी प्राप्त हुई। एसआईबी, राजनांदगांव के प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर प्रताप सिंह कंवर ने इस ठोस जानकारी को पुलिस अधीक्षक, एसआईबी, पुलिस मुख्यालय रायपुर और पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के साथ साझा किया। निरीक्षक हरिशंकर प्रताप सिंह कंवर ने माओवादी कैडरों की गतिविधि और उनकी मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्रदान की, जिससे ऑपरेशन की योजना बनाने में मदद मिली। इस सूचना की पुष्टि की गई और पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव के समग्र मार्गदर्शन एवं समन्वय के तहत एसएचओ बकरकट्टा निरीक्षक अब्दुल समीर, एसएचओ गातापार निरीक्षक लक्ष्मण केवट, एसएचओ साल्हेवारा उप निरीक्षक अनिल शर्मा और निरीक्षक कंवर द्वारा आईटीबीपी और एसटीएफ के अधिकारियों के साथ मिलकर एक बहुदलीय अभियान की योजना बनाई गई।

दो ऑपरेशन दलों का गठन किया गया। दल सं. 1 में निरीक्षक अब्दुल समीर के नेतृत्व में डीईएफ के 11, एसटीएफ के 45 और आईटीबीपी के 50 अर्थात् कुल 106 कार्मिक शामिल थे। दल सं. 2 में निरीक्षक लक्ष्मण केवट और निरीक्षक हरिशंकर कंवर के नेतृत्व में डीईएफ के 33 तथा एसटीएफ के 43 अर्थात् कुल 76 कार्मिक शामिल थे। विपरीत दिशाओं से लक्ष्य तक पहुंचने के लिए ऑपरेशन दलों ने सुबह होने से पहले ही अपने-अपने ठिकानों से प्रस्थान किया। लगभग 0815 बजे दल सं. 01 के साथ गोलीबारी शुरू हो गई। कुछ माओवादी कथित रूप से घायल हो गए थे, लेकिन वे भागने में सफल रहे, दल सं. 02 भी सतर्क हो गया। निरीक्षक केवट और निरीक्षक हरिशंकर कंवर ने आपस में विचार-विमर्श करके, माओवादियों को बचकर भागने से रोकने के लिए अपने दलों को तीन टुकड़ों में विभाजित करने की योजना बनाई। निरीक्षक केवट के नेतृत्व में दल 'ए', उप निरीक्षक अनिल शर्मा के नेतृत्व में दल 'बी' और निरीक्षक हरिशंकर कंवर के नेतृत्व में दल 'सी' ने दूरी बनाकर आगे बढ़ना शुरू किया। नक्सल-रोधी ऑपरेशन में रणनीति और युक्ति की गहन समझ के साथ, दल सं. 2 के दोनों निरीक्षकों ने अपने दल के साथ सावधानीपूर्वक उस संभावित लक्ष्य क्षेत्र की ओर बढ़ना शुरू किया, जहां माओवादी जा सकते थे। चूंकि माओवादियों को भी गोलीबारी का सामना करना पड़ा था, इसलिए वे भी अत्यधिक सावधानी के साथ आगे बढ़ रहे थे। तथापि, लगभग 1000 बजे, दल सं. 02 के साथ गोलीबारी शुरू हो गई। चूंकि माओवादी ऊंचाई से आ रहे थे, इसलिए वे वर्चस्व वाली पोजीशन में थे। निरीक्षक केवट के नेतृत्व में दल 'ए'

और निरीक्षक हरिशंकर कंवर के नेतृत्व में दल 'सी' ने क्रमशः बाईं और दाईं ओर से माओवादियों की ओर जाने का निर्णय लिया, जबकि दल 'बी' ने उन्हें गोलीबारी में उलझाए रखा। अत्यधिक जोखिम उठाते हुए, इन दोनों कमांडरों ने अपने-अपने दल का नेतृत्व किया और गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति का इस्तेमाल करके वे माओवादियों की ओर आगे बढ़ते रहे। नक्सलियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन निरीक्षक कंवर और केवट के नेतृत्व में पुलिस दलों के हावी होने के कारण माओवादियों को पीछे हटना पड़ा। इस गोलीबारी के दौरान, निरीक्षक केवट और कंवर ने अनुकरणीय कमान, नियंत्रण, साहस और कर्तव्य की भावना का प्रदर्शन किया। गोलीबारी के बाद तलाशी लेने पर, वहां एक पिस्टल, 315 बोर की एक राइफल, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दैनिक उपयोग के सामान, माओवादी साहित्य आदि के साथ एक वर्दीधारी माओवादी का शव मिला। बाद में उक्त माओवादी कैडर के शव की पहचान जिला दंतवाड़ा के गुंडाधुर उर्फ राजू, निवासी कटेकलयन क्षेत्र और जीआरबी डिवीजन के विस्तार प्लाटून सं. 03 के कमांडर के रूप में हुई, जिस पर 3,00,000/-रुपये का इनाम था।

पूरे ऑपरेशन के दौरान, निरीक्षक हरिशंकर प्रताप सिंह कंवर ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, दल को किसी क्षति के बिना ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए अपने दल को निरंतर प्रेरित और प्रोत्साहित करके उसका मनोबल ऊंचा बनाए रखा। शुरू से अंत तक की पूरी कार्रवाई रणनीति और साहस के सटीक निष्पादन का एक उदाहरण था।

इस ऑपरेशन में, श्री हरिशंकर प्रताप सिंह कंवर, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/01/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/89/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 321-प्रेज2022/—भारत की माननीय राष्ट्रपति, दिल्ली के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री आनंद सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.08.2016 की रात में सेक्टर 5, डीएसआईआईसीसी, बवाना में समोसा चौक के पास झगड़े के संबंध में पुलिस स्टेशन एस.बी. डेयरी को डीडी संख्या 75-बी के तहत एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई और आवश्यक कार्रवाई के लिए इसकी जिम्मेदारी हेड कांस्टेबल सत्य नारायण, 509/ओडी को सौंपी गई। वे मौके पर पहुंच गए और पाया कि सिपाही आनंद सिंह, सं. 1641/ओडी, जिनकी तैनाती पीपी मेट्रो विहार, पुलिस स्टेशन एस.बी. डेयरी पर थी, की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इन तथ्यों को डीडी संख्या 34-ए, दिनांक 19.08.2016 के तहत पुलिस स्टेशन एस.बी. डेयरी में दर्ज कर लिया गया था। सूचना मिलने पर, निरीक्षक अशोक शर्मा, एसएचओ/एस.बी. डेयरी, अपने स्टाफ के साथ घटना स्थल के लिए रवाना हो गए और जब वे रास्ते में थे, तो उन्हें सूचना मिली कि मृतक सिपाही को एस.बी. अस्पताल, पूट खुर्द, दिल्ली ले जाया गया है, जहां सिपाही आनंद सिंह, सं. 1641/ओडी को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक सिपाही के शव का निरीक्षण करने पर, उनके सीने के दाहिनी ओर गोली से चोट लगने का निशान मिला। तदनुसार, क्राइम टीम को अस्पताल बुलाया गया और टीम ने शव का निरीक्षण करके उसकी फोटो खींच ली। बाद में शव को डॉ. बी.एस.ए. अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया।

इसके बाद, एक चश्मदीद गवाह नामतः मीना, पत्नी गोल्ता, निवासी मकान नं. 819, होलंबी खुर्द, मेट्रो विहार, दिल्ली का बयान दर्ज किया गया, जिसमें उसने बताया कि वह "एफ" और "जी" ब्लॉक चौक, सेक्टर 5, डीएसआईआईसीसी, बवाना में एक अंडा रेहड़ी चलाती है। दिनांक 19.08.2016 को रात में लगभग 9:00/9:15 बजे, तीन लड़के मोटरसाइकिल पर आए और उन्होंने कुछ दूरी पर अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर दी। वे सभी उसके पास आए और उनमें से एक ने उस पर पिस्तौल तान दी और उससे कहा कि जो कुछ भी उसके पास है, उन्हें सौंप दें। उन्होंने उससे 2500/-रुपए और सैमसंग का एक मोबाइल फोन लूट लिया। मिट्टू नाम के एक व्यक्ति ने, जो उसका ग्राहक था, पूरी घटना को देखा और उसने शोर मचा दिया। इस बीच, सिपाही आनंद सिंह, संख्या 1641/ओडी, जिन्हें सरकारी डाक बांटने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था और डाक बांटने करने के बाद रात की पिकेट ड्यूटी भी करनी थी, मौके पर पहुंचे और स्थिति पर विचार करने के बाद, उन्होंने दो लुटेरों को पकड़ा, जिनमें से एक लुटेरे के पास पिस्टल थी। हाथ में पिस्टल लिए हुए एक लुटेरा खुद को सिपाही के चंगुल से छुड़ाने में सफल हो गया और उसने हवा में गोली चला दी। उसने सिपाही आनंद सिंह से अपने साथियों को छोड़ने के लिए कहा। फायरिंग करने पर मिट्टू डर गया तथा उसने

पकड़े हुए लुटेरे को छोड़ दिया और इस प्रकार वे दोनों लुटेरे अपने साथी को सिपाही आनंद सिंह से छुड़ाने में कामयाब रहे तथा अपनी मोटरसाइकिल की ओर भागे।

सिपाही आनंद सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना उनका पीछा किया, जिस पर एक लुटेरे ने सिपाही आनंद सिंह पर गोली चला दी, जिसकी वजह से वे घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन एस.बी. डेयरी में आईपीसी की धारा 302/392/394/397/34 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत दिनांक 20.08.2016 की एक मामलागत एफआईआर संख्या 630/16 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, स्व. श्री आनंद सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/08/2016 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/116/2017-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 322-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	हिलाल खालिक भट्ट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	फारूक अहमद मंटू	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3	चैल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.07.2018 को कुलगाम पुलिस को ग्राम खुदवानी में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना प्राप्त होने पर, कुलगाम पुलिस द्वारा 01 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के साथ एक संयुक्त रणनीति बनाई गई। टीम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में कुलगाम जिला पुलिस की सहायता से अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम श्री एजाज जरगर, पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) कुलगाम श्री हिलाल खालिक भट्ट तथा पुलिस कंपोनेंट कुलगाम/मंजगाम के साथ उप निरीक्षक श्रवण राणा, सहायक उप निरीक्षक फारूक अहमद मंटू, हेड कांस्टेबल चैल सिंह, एस.जी.सीटी. बशीर अहमद, एस.जी.सीटी. फयाज अहमद, एस.जी.सीटी. सबजार अहमद, एस.जी.सीटी. कयूम हुसैन थाह, एस.जी.सीटी. नजीर अहमद, एस.जी.सीटी. रमन कुमार, सिपाही अल्ताफ अहमद खान, सिपाही जफर इकबाल, सिपाही मुदासिर हुसैन, एसपीओ सालिक अहमद, एसपीओ मोहम्मद अशरफ गनी, एसपीओ नजीर अहमद, एसपीओ पीर अरशद हुसैन, एसपीओ अब्दुल मजीद खान, एसपीओ रियाज अहमद नजर, एसपीओ मोहम्मद इकबाल चेची, एसपीओ इम्तियाज अहमद पदर, एसपीओ रमन कुमार, एसपीओ मुजफ्फर अहमद वानी, एसपीओ लाडी सिंह और एसपीओ रफीक मोहम्मद डार समेत 01 आरआर एवं सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के अधिकारियों/जवानों के साथ मिलकर ग्राम खुदवानी, कुलगाम की प्रारंभिक घेराबंदी कर दी। अधिकारियों ने घेरे को मजबूत कर दिया और बचकर भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया। आम नागरिकों को बाहर निकालने के लिए प्रारंभिक प्रयास किए गए और लतीफ अहमद वानी, पुत्र अली मोहम्मद वानी, निवासी वानी मोहल्ला खुदवानी के घर में छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए गांव के बुजुर्गों और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से संदेश दिया गया। छिपे हुए आतंकवादियों ने वहां से भागने का प्रयास किया और उन्होंने पुलिस/सेना के जवानों को जान से मारने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। घेराबंदी करने में शामिल अन्य पार्टियों के साथ अधिकारियों ने सृजबूझ से काम लिया और आतंकवादियों को वहां से भागने नहीं दिया तथा उन्हें युद्ध में उलझाए रखा। तदनुसार, आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई मौका न देने के लिए घेरे का विस्तार करके उसे और मजबूत कर दिया गया। भीड़भाड़ वाला इलाका होने के कारण उसे ठीक से मील कर दिया गया और आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए सर्वप्रथम, आसपास के क्षेत्रों में रह रहे सभी आम नागरिकों को वहाँ से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ये आतंकवादी अत्यधिक प्रेरित तथा युद्ध कला में प्रशिक्षित थे और वे पहले भी कई अभियानों में सुरक्षा बलों को चकमा देने में कामयाब रहे थे। श्री हिलाल खालिक भट्ट-जेकेपीएस ने अपने साथियों सहायक उप निरीक्षक फारूक अहमद मंटू और हेड कांस्टेबल चैल सिंह के साथ नेतृत्व किया और अपनी व्यक्तिगत रक्षा/सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादियों के साथ युद्ध करते हुए उन्हें बंदूकों की लड़ाई में उलझाए रखा तथा उन्हें किसी भी आम नागरिक अथवा सुरक्षा कार्मिक को नुकसान पहुंचाने का मौका नहीं दिया। इस बहादुर अधिकारी और उनके साथियों ने पेशेवर तरीके से आतंकवादियों से लड़ने के लिए असाधारण सृजबूझ, उत्कृष्ट ऑपरेशनल कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन किया तथा अपनी तरफ किसी क्षति

और साथ ही किसी भी आम नागरिक की क्षति के बिना सुहैल अहमद डार, पुत्र बशीर अहमद डार, निवासी रेडवानी बाला, अबू माविया विदेशी और मुदासिर अहमद डार, पुत्र अब्दुल सलाम डार, निवासी हरपोरा शालिपोरा कुलगाम का सफाया कर दिया। इसके अलावा, इस सफल ऑपरेशन के दौरान, मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद भी बरामद किया गया और इस संबंध में पुलिस स्टेशन काइमोह में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआरआई संख्या 43/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री हिलाल खालिक भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, फारूक अहमद मंटू, सहायक उप निरीक्षक और चैल सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/07/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/122/2019-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 323-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अतुल कुमार गोयल, आईपीएस	पुलिस उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
2	संजीव देव सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3	गुलाम जिलानी कटारिया	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	गुलजार अहमद शेख	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.01.2020 को, पुलिस स्टेशन त्राल को गांव गुलशनपोरा (गुज्जरबस्ती नागबल) त्राल में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, ऑपरेशन की योजना बनाई गई और 42 आरआर तथा 180 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से उक्त क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी कर दी गई। तत्काल, एक संयुक्त सर्च पार्टी गठित की गई, जिसमें श्री अतुल कुमार गोयल-आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक एसकेआर अनंतनाग, श्री ताहिर सलीम-जेकेपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा, श्री राशिद अकबर-एसडीपीओ अवंतीपोरा, श्री एजाज अहमद, जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक पीसी त्राल, निरीक्षक पीर गुलजार-एसएचओ पुलिस स्टेशन त्राल, उप निरीक्षक संजीव देव सिंह, एसओजी त्राल, एस.जी.सीटी. निसार अहमद, एस.जी.सीटी. अमजिद खान, एस.जी.सीटी. जाविद अहमद, एस.जी.सीटी. मंजूर अहमद, एस.जी.सीटी. मुदासिर अहमद, एस.जी.सीटी. एम. याकूब, सिपाही रेयाज अहमद, सिपाही मुबारक अहमद 795/एडब्ल्यूटी, सिपाही रेयाज अहमद, सिपाही करपाल सिंह, सिपाही निसार खांडे, एस.जी.सीटी. जे. गुलाम जिलानी कटारिया, सिपाही गुलजार अहमद शेख, एसपीओ बिलाल अहमद, एसपीओ जाविद अहमद, एसपीओ संदीप सिंह, एसपीओ मोहम्मद फरीद, एसपीओ आशिक अहमद डार, एसपीओ परवेज अहमद, एसपीओ लियाकत हुसैन और एसपीओ यासिर अरफात शामिल थे।

छिपे हुए आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए, सर्च पार्टी द्वारा लक्षित क्षेत्र की कड़ी घेराबंदी कर दी गई। इसी बीच, छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। तथापि, संयुक्त सर्च पार्टी छिपे हुए आतंकवादियों की ओर सतर्कतापूर्वक आगे बढ़ी, जिन्होंने सर्च पार्टी की गतिविधि को देखने के बाद उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक अतुल कुमार गोयल नेतृत्व में उप निरीक्षक संजीव सिंह, एस.जी.सीटी. गुलाम जिलानी, सिपाही गुलजार अहमद शेख, एस.जी.सीटी. जाविद तथा एस.जी.सीटी. निसार अहमद वाली टीम आतंकवादियों की ओर से बिल्कुल नजदीक से की गई भारी गोलीबारी की चपेट में आ जाने पर बाल-बाल बच गई। तथापि, संयुक्त पार्टी अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आगे बढ़ी और उसने आतंकवादियों को प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप छिपे हुए आतंकवादी घायल हो गए। इसी बीच, आतंकवादियों ने संयुक्त सर्च पार्टी की ओर ग्रेनेड फेंके, परन्तु वे बिना कोई क्षति पहुंचाए फट गए, क्योंकि सर्च पार्टियों ने प्रभावी कवर ले लिया था। पुलिस उप महानिरीक्षक अतुल कुमार गोयल के नेतृत्व में उप निरीक्षक संजीव देव सिंह, एस.जी.सीटी. गुलाम जिलानी कटारिया और सिपाही गुलजार अहमद शेख की सर्च पार्टी तेजी से आगे बढ़ी और तदनंतर वहां पर दिन भर चली बंदूक की लड़ाई में टीम ने तीन खूंखार आतंकवादियों का सफाया कर दिया, जिनकी पहचान बाद में उमर फयाज लोन उर्फ हम्मद खान, पुत्र फयाज अहमद लोन, निवासी सीर त्राल (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) का स्वयंभू डिवीजनल कमांडर) (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन की क-श्रेणी) और फैजान हामिद, पुत्र अब्दुल हामिद भट्ट, निवासी मंडूरा त्राल (जैश-ए-

मोहम्मद (जेईएम) संगठन की ग-श्रेणी) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन त्राल में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 01/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अतुल कुमार गोयल, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक, संजीव देव सिंह, उप निरीक्षक, गुलाम जिलानी कटारिया, एस.जी.सीटी. और गुलजार अहमद शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/07/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 324-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ताहिर सलीम खान	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार
2	फ़याज़ अहमद शेख	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	रमन कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.02.2020 को, पुलिस स्टेशन त्राल को गांव शेराबाद त्राल के निकट एक बगीचे में हिजब-उल-मुजाहिदीन (एचएम) के स्वयंभू कमांडर जहांगीर अहमद वानी के नेतृत्व में प्रतिबंधित संगठन हिजब-उल-मुजाहिदीन (एचएम), अंसार-उल-गजवातुल हिंद (एजीएच) और इस्लामिक स्टेट ऑफ जम्मू एंड कश्मीर (आईएसजेके) के आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई।

इस सूचना के आधार पर, रात्रि के दौरान, अवंतीपोरा पुलिस ने 42 आरआर और 180 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से उक्त क्षेत्र में एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई और इसे शुरू किया। तत्काल एक टीम गठित की गई, जिसमें श्री एजाज अहमद, एसडीपीओ त्राल, उप निरीक्षक अब्दुल रहमान, हेड कांस्टेबल फ़याज़ अहमद शेख, हेड कांस्टेबल शबीर अहमद, हेड कांस्टेबल रमन कुमार, एस.जी.सीटी. परवेज अहमद, एस.जी.सीटी. फिदा हुसैन, एस.जी.सीटी. एजाज अहमद, एस.जी.सीटी. हरजीत सिंह, एसपीओ आमिर हमीद, एसपीओ रजा समीर, एसपीओ ररनीज रजा, एसपीओ फारूख अहमद तथा एसपीओ आमिर हुसैन शामिल थे, जिसका नेतृत्व श्री ताहिर सलीम खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा द्वारा किया गया।

उक्त टीम लक्षित क्षेत्र के निकट पहुंची और उसने आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और टीम की ओर एक ग्रेनेड फेंका, जो उक्त पार्टी को कोई क्षति पहुंचाए बिना फट गया। टीम ने तुरंत पोजीशन ले ली और गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप सभी तीनों आतंकवादी घायल हो गए। मौजूदा टीम में से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ताहिर सलीम खान, हेड कांस्टेबल फ़याज़ अहमद शेख और हेड कांस्टेबल रमन कुमार को शामिल करके एक छोटी टीम बनाई गई, जो आतंकवादियों के निकट पहुंची और उसने बिल्कुल नजदीक से आतंकवादियों पर गोलीबारी की, जिसके फलस्वरूप उन्हें तत्काल मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जहांगीर अहमद वानी, पुत्र मोहम्मद रफीक, निवासी अमीराबाद त्राल (एचएम संगठन की ग-श्रेणी), राजा उमर मगबूई भट्ट, पुत्र मोहम्मद मकबूल, निवासी लुरगाम त्राल (जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) की ग-श्रेणी, बाद में एजीयूएच में शामिल) और सादात अहमद थोकर, पुत्र फारूख अहमद थोकर, निवासी वघामा बिजबेहरा (आईएसजेके संगठन की ग-श्रेणी) के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन त्राल में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 13/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री ताहिर सलीम खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, फ़याज़ अहमद शेख, हेड कांस्टेबल और रमन कुमार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/02/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/19/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 325-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अल्ताफ अहमद शाह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	जैल सिंह	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23-24.09.2020 को, एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, अवंतीपोरा पुलिस द्वारा सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180 बटालियन की सहायता से किसी शकील अहमद कार, पुत्र गुलाम मोहम्मद, निवासी बगदर माचमा ताल के घर पर एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखने के लिए, एक संयुक्त ऑपरेशनल पार्टी को सुबह लगभग 02 बजे गैर-परंपरागत मार्गों से होकर लक्षित घर तक पहुंचने का काम सौंपा गया। दक्षिणी दिशा में घनी झाड़ियां और पहाड़ी/वन क्षेत्र होने के कारण उपर्युक्त घर की लोकेशन सुरक्षा बलों के लिए अनुकूल नहीं थी, जबकि उत्तरी दिशा में एक निर्जन क्षेत्र था। इन सभी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, संयुक्त ऑपरेशनल पार्टी ने जान के लिए खतरनाक मार्गों को पार करने के बाद घेराबंदी कर दी।

जब घेराबंदी की जा रही थी, तब वहां पर छिपे हुए आतंकवादी ने घेराबंदी करने वाली पार्टी को चोट पहुंचाने के इरादे से उनके ऊपर ग्रेनेड फेंके और गोलीबारी की तथा उसने अंधेरे का लाभ उठाते हुए घेराबंदी को तोड़ने का निष्फल प्रयास किया। तथापि, आतंकवादी ने घेराबंदी को तोड़ने के लिए जिस स्थान को चुना था, उसी क्षेत्र में सहायक उप निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह और एस.जी.सीटी. जैल सिंह के नेतृत्व वाली घेराबंदी ऑपरेशनल पार्टी ने धैर्य बनाए रखा और वे जवाबी गोलीबारी करके घेराबंदी को अक्षुण्ण बनाए रखने के कार्य में लगे रहे। सहायक उप निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह और एस.जी.सीटी. जैल सिंह के नेतृत्व वाली घेराबंदी ऑपरेशनल पार्टी की सतर्कता को देखते हुए, आतंकवादी वापस लक्षित घर के अन्दर चला गया। ऐसी विषम परिस्थिति में आम नागरिकों अर्थात् लक्षित घर के निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इसलिए, श्री एजाज अहमद-एसडीपीओ ताल, निरीक्षक गुलाम मोहम्मद राथर-एसएचओ पुलिस स्टेशन ताल, उप निरीक्षक मंजूर अहमद, सहायक उप निरीक्षक अल्ताफ अहमद, हेड कांस्टेबल शाबिर अहमद, एस.जी.सीटी. फिदा हुसैन, एस.जी.सीटी. जैल सिंह, एस.जी.सीटी. मुदासिर अहमद खान, एस.जी.सीटी. एम.याकूब और सिपाही जहीर अब्बास वाली टीम, जो पहले से घेराबंदी में मौजूद थी, के स्थान पर सहायक उप निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह और एस.जी.सीटी. जैल सिंह को लाया गया, जिन्होंने स्वेच्छा से आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का निर्णय लिया। इसलिए, एक संयुक्त ऑपरेशनल पार्टी का गठन किया गया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह तथा एस.जी.सीटी. जैल सिंह शामिल थे और वे वायरलेस सेटों का उपयोग करके एक दूसरे के साथ गहन समन्वय बनाए हुए थे तथा उक्त पार्टी को सेना/सीआरपीएफ द्वारा भी सहायता प्रदान की गई। उक्त टीम ने सर्वप्रथम, लक्षित घर की उत्तरी दिशा में स्थित निकटवर्ती घरों से सभी आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के कार्य को प्राथमिकता प्रदान की। निकटवर्ती घरों से आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के बाद, इस छोटी हमलावर/बचाव टीम का दूसरा काम लक्षित घर से आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना था। इसलिए, ऑपरेशनल पार्टी अपनी जान को आसन्न खतरे के बावजूद, अपेक्षित एहतियाती उपाय करते हुए सुनियोजित तरीके से लक्षित घर के नजदीक पहुंचने के लिए आगे बढ़ी। लक्षित घर के नजदीक पहुंचने के बाद, उक्त ऑपरेशनल पार्टी ने घर के निवासियों को घर से बाहर आने के लिए घोषणाएं कीं। तत्पश्चात उक्त टीम द्वारा घर के सभी निवासियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। तथापि, आतंकवादी को भी हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, परन्तु उसने विरोध करना जारी रखा, क्योंकि जब घोषणा की जा रही थी, तब आतंकवादी ने गठित की गई उपर्युक्त बचाव/हमलावर पार्टी पर गोलीबारी की। हमलावर पार्टी ने गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया और वहां पर हुई बंदूक की लड़ाई में एक आतंकवादी मारा गया। उक्त पार्टी ने मारे गए आतंकवादी का शव लक्षित घर के वाशरूम से बरामद किया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल-बदर के इरफान-उल-हक डार, पुत्र मोहम्मद अमीन डार, निवासी गद्दीकल चुरसू अवंतीपोरा के रूप में की गई।

इस आशय का एक आपराधिक मामला पुलिस स्टेशन ताल में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 18, 20, 38 एवं 39 के तहत एफआईआर सं. 84/2020 के रूप में दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।



मारा गया आतंकवादी अत्यधिक प्रेरित था और दिनांक 26.06.2019 को सूमो स्टैंड अवंतीपोरा के निकट घटित ग्रेनेड हमले की घटना के संबंध में पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत दर्ज मामलागत एफआईआर सं. 54/2019 में भी शामिल था। वह युवाओं को आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित भी कर रहा था।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अल्लाफ अहमद शाह, सहायक उप निरीक्षक और जैल सिंह, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/121/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 326-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक पीएमजी)) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रमेश कुमार अंगराल	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	खालिक हुसैन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अनिल कुमार शर्मा	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	कस्तूरी लाल	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.11.2020 को जिला पुंछ में बीजी के निकट थुराया सेट के सक्रिय होने के संबंध में प्राप्त एक सूचना के आधार पर, मेंटर पुलिस और 49 आरआर द्वारा उक्त सक्रिय क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। इस संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन को पांच दिन के बाद बिना किसी सफलता के बंद कर दिया गया और सभी स्टैकहोल्डरों के साथ सूचना साझा की गई तथा उन्हें कुछ सार्थक जानकारी जुटाने के लिए अपने स्वयं के स्रोतों को सक्रिय करने के लिए कहा गया।

दिनांक 07.12.2020 को, किसी तालिब हुसैन, पुत्र गुलाम हसन, निवासी चाई बेहरामगल्ला, जो बेहरामगल्ला नदी से निर्माण सामग्री अर्थात् रेत, बजरी आदि लादने का काम कर रहा था, का तीन अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा अपहरण कर लिया गया। उसके पुत्र द्वारा पीपी बेहरामगल्ला में इस आशय की एक रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। बर्फीले और दुर्गम क्षेत्र में 3/4 घंटे पैदल चलने के बाद श्री रमेश कुमार अंगराल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ के समग्र पर्यवेक्षण में और पुलिस उपाधीक्षक सूरनकोट के नेतृत्व में तत्काल एक पुलिस टीम गठित की गई, जिसमें पुलिस घटक सूरनकोट, एसपीओ, सेना की 16 आरआर की नफरी के साथ एसएचओ पुलिस स्टेशन सूरनकोट भी शामिल थे। राष्ट्र-विरोधी तत्वों का खात्मा करने और अपहरण किए गए आम नागरिक को बरामद करने के लिए सरियां, पाटन खोर, पोशाना, राता छम्ब और चत्ता पानी क्षेत्र, पीर की गली (पीकेजी) में एक घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। काफी प्रयास करने के बाद, उक्त आम नागरिक को दिनांक 11.12.2020 की शाम को पोशाना के बर्फीले क्षेत्र से बरामद कर लिया गया और इस ऑपरेशन को दिनांक 12.12.2020 की शाम तक आगे बढ़ा दिया गया। अंधेरा होने के कारण, अपनी ओर किसी भी क्षति से बचने के लिए इस ऑपरेशन को रोक दिया गया और आवश्यकता के अनुसार पुलिस/सेना की 16 आरआर की सहायता से संयुक्त घेराबंदी की गई।

दिनांक 13.12.2020 को, यह ऑपरेशन दोबारा शुरू किया गया, जिसके दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ और 16 आरआर के सैन्य दल समेत उनकी टीम ने एक निर्जन धारा (कच्ची झोपड़ी) में आतंकवादियों की गतिविधि देखी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ ने अपनी तरफ किसी क्षति के बिना आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई मौका न देने के लिए पुलिस/सेना की पार्टियों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया। बाद में, श्री विवेक गुप्ता-आईपीएस उप महानिरीक्षक आरपी रेंज भी इस ऑपरेशन में शामिल हो गए और आतंकवादियों का सफाया करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ तथा सेना की 16 आरआर के कमान अधिकारी के साथ एक रणनीति तैयार की गई। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र, भारी बर्फ से ढंकी पहाड़ियों और घने वन क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए, उस चिह्नित स्थान की घेराबंदी करने के लिए, जहां आतंकवादियों ने शरण ले रखी थी, पुलिस/सेना को शामिल करके तत्काल चार टीमों गठित की गईं, जिनमें से (1) पहली टीम श्री रमेश कुमार अंगराल-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ के नेतृत्व में गठित की गई, जिसमें पीएसओ एस.जी.सीटी. कस्तूरी लाल, एस.जी.सीटी. बलवीर सिंह, सिपाही परवेज अहमद और सिपाही गुलाम मुस्तफा शामिल थे, (2) दूसरी टीम पुलिस उपाधीक्षक खालिक हुसैन के नेतृत्व में गठित की गई, जिसमें हेड कांस्टेबल मोहम्मद

मारुफ तथा फॉलोवर मुस्ताक अहमद शामिल थे, (3) तीसरी टीम अनिल कुमार शर्मा, एसएचओ पुलिस स्टेशन सूरनकोट के नेतृत्व में गठित की गई, जिसमें एस.जी.सीटी. जमीर अहमद शामिल थे और (4) चौथी टीम उप निरीक्षक मोहम्मद शब्बीर के नेतृत्व में गठित की गई, जिसमें एस.जी.सीटी. जाहिद महमूद, फॉलोवर अशफाक अहमद और एसपीओ शामिल थे। ये सभी टीमों बर्फ से ढंके क्षेत्र और दुर्गम इलाके के बावजूद अपनी जान की परवाह किए बिना चिह्नित स्थान पर पहुंचने के लिए सर्जिकल तरीके से रेंगते हुए आगे बढ़ीं। उन सुरक्षा बलों, जिनका नेतृत्व श्री रमेश कुमार अंगराल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ सामने से कर रहे थे, की गतिविधि को देखकर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी पोजीशन ले ली और आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की, परन्तु उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा बलों (सेना/पुलिस) और आतंकवादियों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई, जिसके दौरान स्वचालित हथियारों से लैस दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया और उनके एक सहयोगी आतंकवादी को ज़िंदा पकड़ लिया गया। पुलिस और सेना की पार्टियों ने चिह्नित स्थान पर जीवन के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना साहस एवं दृढ़ निश्चय के साथ किया और आतंकवादियों को बिलकुल नजदीक से उलझाए रखा।

सर्च ऑपरेशन के दौरान, पुलिस/सेना की पार्टियों ने भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद के साथ-साथ मारे गए दो आतंकवादियों के शव भी बरामद किए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन से जुड़े पाक अधिकृत कश्मीर के साजिद भाई और बिलाल भाई के रूप में की गई तथा एक सहयोगी, जिसे ज़िंदा पकड़ा गया था, ने अपनी पहचान मुबारक अहमद, पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला, निवासी रामनगरी, जिला शोपियां के रूप में बताई। स्पष्ट और सतत खतरे के बीच उच्चकोटि की पेशेवरता तथा साहस के फलस्वरूप ही पुलिस और सेना की पार्टियां (16 आरआर) अपनी तरफ किसी क्षति के बिना दो आतंकवादियों का सफाया करने में सफल हुईं। तदनुसार, इस संबंध में पुलिस स्टेशन सूरनकोट में आईपीसी की धारा 307, 120-ख, 121, 122 एवं 123, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25, 26 एवं 27 तथा विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16/18, 19, 21, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 190/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस सम्पूर्ण ऑपरेशन को श्री रमेश कुमार अंगराल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ द्वारा प्रदर्शित असाधारण कमान और नियंत्रण के फलस्वरूप अपनी तरफ किसी क्षति के बिना अंजाम दिया गया, जिसके दौरान सामान्य रूप से पुलिस टीम के अन्य सदस्यों और विशेष रूप से श्री खालिक हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक सूरनकोट, निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, एसएचओ पुलिस स्टेशन सूरनकोट और कस्तूरी लाल ने उच्चकोटि के साहस तथा ऑपरेशनल कौशल का प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट पेशेवरता के साथ विलक्षण बहादुरी और अत्यधिक कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री रमेश कुमार अंगराल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, खालिक हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक, अनिल कुमार शर्मा, निरीक्षक और कस्तूरी लाल, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/129/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 327-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सैयद मजीद मोसावि	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	शम्मी कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	तौसीफ अहमद मीर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	मुजफ्फर अहमद बानी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.03.2020 को, फयाज अहमद डार, पुत्र अली मोहम्मद डार, निवासी वात्रीगाम डैलगाम अनंतनाग के आवासीय घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूत्रों से इस आशय की विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादी एक आपराधिक षडयंत्र रच रहे हैं। इस सूचना के आधार पर, 19 आरआर, 40 बटालियन सीआरपीएफ और 164 बटालियन के सैन्य दस्तों के साथ एसओजी अनंतनाग की एक संयुक्त टीम ने लगभग 0400 बजे उक्त क्षेत्र

की घेराबंदी कर दी। सर्च ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और वहां से बचकर भागने के इरादे से अपने अवैध स्वचालित हथियारों से सर्च/घेराबंदी पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग और पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन अनंतनाग की कमान और नियंत्रण में अनंतनाग पुलिस की पुलिस पार्टी, 19 आरआर और 40/164 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा इस चुनौतीपूर्ण काम को बड़े रणनीतिक ढंग से अंजाम दिया गया।

स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन अनंतनाग ने सैन्य दस्तों को सतर्क कर दिया और उन्हें रणनीतिक ढंग से तैनात कर दिया। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के उद्देश्य से, जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए थे, उसमें प्रवेश करने के लिए एक टीम गठित की गई और पुलिस अधीक्षक अनंतनाग द्वारा इसका उचित एवं सूक्ष्म रूप से पर्यवेक्षण किया गया। घेराबंदी करने के बाद, आतंकवादियों के सामने आत्मसमर्पण करने की पेशकश की गई, परन्तु उनकी ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं हुई और इसकी बजाय उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग, श्री परवीत सिंह पुलिस अधीक्षक, सैयद मजीद मोसावि, पुलिस उपाधीक्षक पीसी दूरु/एसडीपीओ दूरु, शम्मी कुमार, पुलिस उपाधीक्षक पीसी श्रीगुफवाड़ा, निरीक्षक तौसीफ अहमद मीर, हेड कांस्टेबल जावीद अहमद खान, हेड कांस्टेबल बाबा समीम अहमद, एस.जी.सीटी. गुलाम हसन, एस.जी.सीटी. मुदासिर अहमद, एस.जी.सीटी. फिरदौस अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी. तारिक अहमद, सिपाही मुजफ्फर अहमद वानी, सिपाही जावेद अहमद, सिपाही परवेज अहमद, सिपाही जाविद अहमद, सिपाही अरशद हुसैन, सिपाही सिकन्दर अहमद, एसपीओ सुरजीत सिंह, एसपीओ सुनील कुमार, एसपीओ रियाज अहमद, एसपीओ आबिद हुसैन, एसपीओ बिलाल अहमद, एसपीओ जसवीर सिंह, एसपीओ सज्जाद अहमद, एसपीओ शाहिद अहमद, एसपीओ सबजार अहमद, एसपीओ इम्तियाज अहमद, एसपीओ शाकिर अहमद और एसपीओ आशिक हुसैन वाली सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सर्च पार्टी ने बड़ी बहादुरी से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी पीछे हट गए। अत्याधुनिक अवैध हथियारों/गोलाबारूद से लैस आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया और उन्होंने सर्च पार्टियों पर ग्रेनेडों की बौछार कर दी तथा वहां पर तैनात अन्य सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, परन्तु उपर्युक्त अधिकारियों और उनकी पार्टियों ने अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना बड़े प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप चार आतंकवादियों का सफाया हो गया, जिनकी पहचान बाद में गुलजार अहमद भट्ट (एचएम संगठन), पुत्र अब्दुल सलाम भट्ट, निवासी हरपोरा तारीगाम, सज्जाद अहमद भट्ट (एलईटी संगठन), पुत्र मोहम्मद सुभान ईट्ट, निवासी तेंगवल फ़िसल, मुजफ्फर अहमद भट्ट उर्फ अबु तल्हा (एलईटी संगठन), पुत्र मोहम्मद अमीन भट्ट, निवासी सोपत तेंगपोरा और उमर अमीन भट्ट (एलईटी संगठन), पुत्र मोहम्मद अमीन भट्ट, निवासी सोपत तेंगपोरा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन अनंतनाग में भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 56/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री सैयद मजीद मोसावि, पुलिस उपाधीक्षक, शम्मी कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, तौसीफ अहमद मीर, निरीक्षक और मुजफ्फर अहमद वानी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/03/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/132/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 328-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	तनवीर अहमद डॉर	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	मोहम्मद रफ़ी मलिक	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
4	मोहम्मद मुजफ्फर भट्ट	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.06.2020 को लगभग 0514 बजे, श्री आशीष कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक पुलवामा को गांव कंगन, पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, यह सूचना श्री तनवीर अहमद डॉर, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, सेना की 55 आरआर, 182 तथा 183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा की गई और लक्षित स्थान पर संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया

गया। पीसी पुलवामा की पुलिस पार्टियों के साथ पुलिस अधीक्षक पुलवामा और अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा अधिक समय लिए बिना तत्काल लक्षित स्थान की ओर चल पड़े। लक्षित स्थान पर पहुंचने के बाद, संदिग्ध क्षेत्र की कड़ी घेराबंदी कर दी गई और उस लक्षित क्षेत्र, जहां आतंकवादियों के छिपे होने की संभावना थी, में तलाशी करने के लिए श्री आशीष कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में और श्री तनवीर अहमद डॉर अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफी मलिक और एस.जी.सीटी. मोहम्मद मुजफ्फर भट्ट की सहायता से सेना की 55 आरआर और 182 एवं 183 बटालियन सीआरपीएफ को शामिल करके एक समर्पित टीम गठित की गई।

उक्त गठित टीम 55 आरआर, 182 और 183 बटालियन सीआरपीएफ की पार्टी के साथ आगे बढ़ी और लक्षित क्षेत्र में स्थित घरों की तलाशी शुरू कर दी। किसी अब्दुल गनी डार, पुत्र अब्दुल अजीज डार, निवासी कंगन, पुलवामा के घर की तलाशी करते समय, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ रही पुलिस/सुरक्षा बलों की पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और यदि उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेटें नहीं पहनी होती, तो काफी बड़ी क्षति हो सकती थी। तथापि, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने अपनी पार्टी पर पकड़ बनाए रखते हुए अपने सहयोगियों को प्रोत्साहित किया और समर्पण के साथ गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे आतंकवादी रक्षात्मक होने के लिए मजबूर हो गए। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने अपनी पार्टी को लक्षित घर से रणनीतिक ढंग से बाहर आने और आतंकवादियों के साथ दृढ़ता से लड़ने के लिए भीतरी घेराबंदी में पोजीशन लेकर पुलिस/सुरक्षा बल की पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए कहा।

इसी बीच, यह देखा गया कि घेराबंदी किए गए क्षेत्र में स्थित आवासीय घरों में कई आम नागरिक फंसे हुए हैं और उनको बचाकर बाहर निकालना आवश्यक था। इन आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने इस प्रयोजन के लिए अपने पर्यवेक्षण में एक संयुक्त टीम गठित की। यद्यपि, पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व वाली बचाव टीम आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई, तथापि, इस टीम ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अपनी तरफ किसी क्षति के बिना बचाव कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद, वहां छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और वहां से बचकर भागने के लिए सैन्य दस्तों पर लगातार गोलीबारी की। परन्तु आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई रास्ता नहीं मिला, जिससे वे पास में स्थित एक गौशाला में शरण लेने के लिए विवश हो गए। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर (पुलिस अधीक्षक पुलवामा) ने लक्षित स्थान की सभी दिशाओं से आतंकवादी की गोलीबारी का दृढ़तापूर्वक/प्रभावकारी ढंग से जवाब देने और अपनी तरफ किसी क्षति के बिना वहां घिरे हुए आतंकवादियों का सफाया करने के लिए पुलिस/सुरक्षा बलों की चार समर्पित संयुक्त टीमों गठित कीं। पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में एक टीम ने उत्तरी दिशा में पोजीशन ले ली। अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में और एस.जी.सीटी. मोहम्मद मुजफ्फर भट्ट की सहायता से दूसरी टीम को पूर्व दिशा की ओर पोजीशन लेने के लिए कहा गया, जबकि निरीक्षक मसरत अहमद मीर और सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफी मलिक के नेतृत्व में तीसरी और चौथी टीम ने लक्षित स्थान की क्रमशः उत्तरी और दक्षिणी दिशाओं में अपनी पोजीशन ले ली।

इसी बीच, घिरे हुए आतंकवादियों ने उत्तरी दिशा में तैनात पुलिस/सुरक्षा बल की संयुक्त पार्टी की ओर ग्रेनेड से हमला किया और उसके बाद भारी गोलीबारी की, जिसमें पुलिस अधीक्षक पुलवामा और उनकी टीम बाल-बाल बच गई, तथापि, पुलिस अधीक्षक पुलवामा एवं उनकी टीम ने अपनी एकाग्रता खोए बिना तत्काल कार्रवाई की और वे अपनी जान की परवाह किए बिना आगे रहकर बहादुरी से लड़े तथा गौशाला के निकट दो आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि तीसरे आतंकवादी ने दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में तैनात पुलिस/सुरक्षा बल की पार्टियों को क्षति पहुंचाने और घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने के इरादे से उनके ऊपर गोलीबारी की। तथापि, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, निरीक्षक मसरत अहमद मीर और सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफी मलिक की कमान में इन दिशाओं में तैनात पुलिस पार्टियों ने तत्काल कवर ले लिया और आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब देते हुए उसका सफाया कर दिया। मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान निम्नलिखित रूप में की गई:-(1) फौजी भाई, निवासी पाकिस्तान, उक्त आतंकवादी आईईडी एक्सपर्ट था और वह आईईडी विस्फोटों, स्थानीय युवाओं को कट्टरवादी बनाने, भर्ती किए गए स्थानीय लोगों को सुसाइड बम्बर के रूप में काम करने के लिए प्रेरित करने और राजनीतिक कार्यकर्ताओं/आम लोगों के सामने खतरा पैदा करने सहित विभिन्न विध्वंसकारी गतिविधियों में संलग्न था। वह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन का "क+" श्रेणी का आतंकवादी था, (2) मंजूर अहमद कार, पुत्र मोहम्मद सुल्तान कार, निवासी सिरनू दिनांक 22.07.2017 से सक्रिय था और वह अनेक आतंकवादी मामलों में पुलिस द्वारा वांछित था। वह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन का "क" श्रेणी का आतंकवादी था और (3) जावेद अहमद जरगर, पुत्र बशीर अहमद, निवासी रंगमुल्ला पुलवामा, जो जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन का एक ओजीडब्ल्यू था और वर्ष 2019 में आतंकवादी रैंक में शामिल हुआ था। वह "ग" श्रेणी का आतंकवादी था और आतंकवाद से जुड़े अनेक कृत्यों में संलग्न था।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 131/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, तनवीर अहमद डॉर, अपर पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद रफी मलिक, सहायक उप निरीक्षक और मोहम्मद मुजफ्फर भट्ट, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/171/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 329-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	विकार यूनुस	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	मुख्तार अहमद खांडे	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.09.2020 को, गांव कावूसा खालिसा, जिला बडगाम के एक आवासीय घर में प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर, 02 आरआर एवं 44 बटालियन सीआरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित करके एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। ऑपरेशन की योजना तैयार करने के दौरान, घेराबंदी और तलाशी के लिए पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों गठित की गईं।

पहली टीम का नेतृत्व श्री आमोद अशोक नागपुरे-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक बडगाम ने किया, जिसमें एस.जी.सीटी. जाविद अहमद, सिपाही जुगल किशोर, सिपाही अब्दुल हामिद, एसपीओ जावीद अहमद, एसपीओ मुदासिर अली खान, एसपीओ शौकत अहमद, एसपीओ सैयद अब्बास और अन्य शामिल थे। दूसरी टीम का नेतृत्व श्री विकार यूनुस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी बडगाम ने किया, जिसमें हेड कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन, एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद खांडे, एस.जी.सीटी. मनमीत सिंह, एस.जी.सीटी. गुलजार अहमद नायक और अन्य शामिल थे।

दोनों संयुक्त टीमों ने लगभग 1400 बजे घेराबंदी कर दी और जब तलाशी की जा रही थी, तब यह सुनिश्चित हो गया कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का 01 आतंकवादी घेराबंदी वाले क्षेत्र में छिपा हुआ है। श्री विकार यूनुस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी बडगाम ने अपनी तरफ किसी भी क्षति से बचने के लिए हेड कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन, एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद खांडे, एस.जी.सीटी. मनमीत सिंह, एस.जी.सीटी. गुलजार अहमद नायक और अन्य कार्मिकों के साथ मिलकर लक्षित घर तथा इसके आस-पास स्थित अन्य घरों से आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू कर दिया। आतंकवादी से आत्मसमर्पण कराने के लिए लाउडस्पीकरों पर बार-बार घोषणाएं की गईं, तथापि, आतंकवादी ने आत्मसमर्पण करने की बजाय, घेराबंदी को तोड़ने और उस घेरे गए क्षेत्र से भागने के प्रयास में घेराबंदी पार्टी पर गोलीबारी की।

श्री विकार यूनुस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी बडगाम के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन, एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद खांडे, एस.जी.सीटी. मनमीत सिंह और एस.जी.सीटी. गुलजार अहमद नायक वाली ऑपरेशन पार्टी ने भाग रहे आतंकवादी का पीछा किया। पीछा करते समय, पुलिस उपाधीक्षक विकास यूनुस और एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद खांडे ने भाग रहे आतंकवादी पर सटीक गोलीबारी की, जिससे वह आतंकवादी मारा गया, परन्तु वह एक नाले (मुखनाग नाला) में गिर गया। लगातार 04 दिन तक तलाशी की गई और ए-02-आरआर तथा बी-44 बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से बडगाम पुलिस द्वारा किए गए भरसक प्रयासों से मृत आतंकवादी का शव नाले से बाहर निकाल लिया गया।

बंदूक की लड़ाई के दौरान, एक स्थानीय आतंकवादी का सफाया हो गया, जिसकी पहचान बाद में अकीब अहमद लोन (एलईटी), पुत्र गुलाम मोहम्मद लोन, निवासी अगलार कांडी राजपोरा पुलवामा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारुद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन मगाम में भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 133/2020 दर्ज है। इस मामले की जांच के दौरान, 02 ओजीडब्ल्यू नामतः 1-आदिल अहमद पंडित, पुत्र गुलाम हसन, निवासी कावूसा खलीसा तथा 2-दानिश फयाज शेख, पुत्र फयाज अहमद, निवासी कावूसा खलीसा को भी गिरफ्तार किया गया। उक्त

आतंकवादी का मारा जाना लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के लिए एक बड़ा आघात है। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा की गई त्वरित एवं शौर्यपूर्ण कार्रवाई से एक बड़ी/विनाशकारी त्रासदी टल गई, जिसे उस आतंकवादी द्वारा अंजाम दिया जा सकता था।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री विकार युनुस, पुलिस उपाधीक्षक और मुख्तार अहमद खांडे, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/216/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 330-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित पुलिस कर्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक(पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	पृथ्वी राज	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	गुलाम हसन माग्ने	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	फिरदौस अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.10.2020 को, शोपियां पुलिस को इस बात की पुख्ता सूचना मिली कि प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के कुछ आतंकवादी गांव मेलहुरा, जैनपोरा में छिपे हुए हैं। इस पर, पुलिस शोपियां द्वारा 55आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से क्षेत्र के एक संयुक्त सीएएसओ की योजना बनाई गई और इसे लॉन्च किया गया तथा तलाशी शुरू की गई। सर्च पार्टी जैसे ही संदिग्ध इलाके के पास पहुंची, इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर उनकी हत्या करने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

तथापि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की कमान में सर्च पार्टियां जिसमें, श्री मोहम्मद अशरिफ, उप पुलिस अधीक्षक पीसी इमामसाहिब, सहायक उप निरीक्षक पृथ्वी राज, हेड कांस्टेबल गुलाम हसन माग्ने, हेड कांस्टेबल अनिल धर, हेड कांस्टेबल शाबिर अहमद, एस.जी.सीटी. फिरदौस अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी. तारिक हुसैन, एस.जी.सीटी. जहूर अहमद, कांस्टेबल विनोद कुमार, एसपीओ सोनु शर्मा, एसपीओ जुवैर अहमद, एसपीओ मेहराज अहमद, एसपीओ सुब्जर अहमद और 55 आरआर, सीआरपीएफ की 178 वीं बटालियन के सैन्य दल शामिल थे, ने तुरंत कवर ले लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों और पुलिस/सुरक्षा बलों के बीच एक बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की कमान के तहत सर्च पार्टियों ने सबसे पहले घेराबंदी वाले इलाके में फंसे हुए नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई अतिरिक्त क्षति न हो। निकासी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इंकार कर दिया, और इसके बजाय उन्होंने ऑपरेशनल पार्टियों पर भारी मात्रा में गोलाबारी करना जारी रखा।

ऑपरेशन को सफलतापूर्वक शुरू करने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र कमान के तहत सर्च पार्टियों को दो समूहों में बांटा गया। श्री मोहम्मद अशरिफ, उप पुलिस अधीक्षक पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में पहले दल को संदिग्ध क्षेत्र की भीतरी घेराबंदी करने के लिए कहा गया। श्री औमेर इकबाल, उप पुलिस अधीक्षक पीसी जैनपोरा के नेतृत्व में दूसरे दल को संदिग्ध क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। जैसे ही असॉल्ट पार्टियों ने तलाशी शुरू की, गांव में छिपे आतंकवादियों ने संयुक्त दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और भागने का प्रयास किया। सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों को घेराबंदी के अंदर फंसा लिया। आतंकवादियों और पुलिस, आरआर एवं सीआरपीएफ के सैन्य दलों के बीच एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी हुई। तत्काल, अतिरिक्त पुलिस कर्मियों, 55 आरआर और सीआरपीएफ के सैन्य दलों को घेराबंदी एवं तलाशी अभियान में शामिल किया गया। आतंकवादियों को फिर से आत्मसमर्पण करने की पेशकश की गई, जिसे उन्होंने फिर से अस्वीकार कर दिया और उन्होंने एक घर के पीछे से संयुक्त दलों की ओर कुछ हथगोले फेंके और एक नाले (ड्रेनेज) में कूद गए। हथगोलों के छरों से टीम बाल-बाल बची।

आतंकवादियों ने साधारण ऊंचाई के पीछे पोजीशन ले रखी थी और उन्होंने घेराबंदी दल पर भारी गोलीबारी का सहारा लेकर घेराबंदी वाले इलाके से भागने का प्रयास किया। तथापि, सैनिकों ने खुद को चतुराई से पोजीशन किया और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादियों ने रेंगकर नाले से भागने की कोशिश की। जब वे नाला में एक घुमाव के दूसरी तरफ गए, तभी घेराबंदी दल ने उन पर प्रभावी ढंग से



गोलियां चलाई, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरा आतंकवादी नाले के दूसरी तरफ पीछे हट गया और उसने सुरक्षित पोजीशन ले ली। उसने घायल सहयोगी आतंकवादी को अपनी तरफ खींच लिया और सैनिकों पर हमला करने के लिए उसका हथियार भी ले लिया। चूंकि, घेराबंदी करने वाले दलों को आतंकवादियों की स्थिति ज्ञात थी, इसलिए पुलिस शोपियां/आरआर और सीआरपीएफ के सैनिकों के पहले दल को संदिग्ध क्षेत्र की आंतरिक घेराबंदी करने के लिए कहा गया। दूसरे दल ने आतंकवादियों पर भारी गोलाबारी की और दोनों आतंकवादियों को गोली मारकर ढेर कर दिया।

आपसी गोलीबारी के बाद, अत्यधिक सावधानी के साथ इलाके की तलाशी ली गई और दो आतंकवादियों के शव उनके हथियारों के साथ बरामद किए गए। शोपियां पुलिस/सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय ने इस सफल ऑपरेशन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो बिना किसी अतिरिक्त क्षति के पूरा हुआ। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में तौसीफ अहमद खांडे, पुत्र-अब्दुल सलाम खांडे, निवासी-हंगुलबुच कुलगाम (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन) और उमर गुलजार थोकर, पुत्र गुलजार अहमद थोकर, निवासी-शिगनपोरा कुलगाम (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन जैनपोरा में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 138/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

संयुक्त टीमों, विशेषतः सहायक उप निरीक्षक पृथ्वी राज, हेड कांस्टेबल गुलाम हसन माग्ने, एस.जी.सीटी. फिरदौस अहमद भट्ट, जिन्होंने अपने वेशकीमती जीवन की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी, उनकी पेशेवरता और उनके द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले इलाके में फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकाला और इस तरह सूझबूझ एवं अच्छी पुलिस व्यवस्था से नागरिकों को हताहत होने से बचाया। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें ये सभी पुलिस कार्मिक बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता और ऑपरेशनल कुशाग्रता को गंवाए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक मंसूबे को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री पृथ्वी राज, सहायक उप निरीक्षक, गुलाम हसन माग्ने, हेड कांस्टेबल और फिरदौस अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/217/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 331-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद अशरिफ	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	तारिक हुसैन नजर	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राजेश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.10.2020 को पुलिस स्टेशन शोपियां के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत गांव चकूरा, हमें में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक पुख्ता सूचना मिलने पर, शोपियां पुलिस ने 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से गांव में छिपे हुए आतंकवादियों को पकड़ने/उनका खात्मा करने के लिए उपयुक्त रणनीतिक योजना के तहत इलाके की घेराबंदी कर ली और तलाशी अभियान शुरू किया। छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने में दल के सामने सबसे बड़ी चुनौती उस घर की पहचान करना था, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे और उक्त स्थान पर चारों ओर से नियंत्रण में लेने की थी, ताकि आतंकवादियों को मौके से भागने से रोका जा सके।

ऑपरेशन को सफलतापूर्वक शुरू करने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां की समग्र कमान में दो असॉल्ट ग्रुप बनाए गए। श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में पहले दल, जिसमें 34आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी सहित एस.जी.सीटी. तारिक हुसैन नजर, सिपाही राजेश कुमार शामिल थे, को संदिग्ध क्षेत्र की आंतरिक

घेराबंदी करने के लिए कहा गया। श्री औमेर इकबाल-केपीएस, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी जैनपोरा के नेतृत्व में दूसरे दल, जिसमें 34आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी सहित हेड कांस्टेबल फारूक अहमद, हेड कांस्टेबल रईस अहमद, हेड कांस्टेबल तेजिंदर सिंह और एसपीओ पुनीत खजूरी शामिल थे, को संदिग्ध क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने को कार्य सौंपा गया।

असॉल्ट पार्टियों ने योजना के अनुसार खुद को पोजीशन कर लिया और हर संभव दिशाओं से तलाशी अभियान शुरू किया गया और जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए थे, उसका पता लगाया गया। लक्ष्य को निर्धारित करने के बाद, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में पहले असॉल्ट दल ने लक्षित घर के सामने पोजीशन ले ली, जबकि श्री औमेर इकबाल, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी जैनपोरा के नेतृत्व में दूसरी असॉल्ट पार्टी, ने तुरंत घने बाग में पोजीशन ले ली, ताकि घेराबंद किए गए आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बच निकलने का कोई मौका न मिले। मजबूती से घेराबंदी डालने के बाद, आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की पेशकश की गई, लेकिन उन्होंने संयुक्त दलों की हत्या करने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। संयुक्त सर्च पार्टियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे एक भीषण बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई। छिपे हुए आतंकवादी अपनी सटीक स्थिति का खुलासा होने से बचने के लिए बार-बार अपना स्थान बदलते रहे। सर्च पार्टी ने तुरंत कवर ले लिया और रणनीति एवं सटीकता के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने का कोई मौका नहीं मिला। किसी भी नागरिक के हताहत होने से बचने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां) ने दलों को घेराबंदी वाले इलाके में फंसे लोगों को निकालने के लिए कहा। जब निकासी चल रही थी, तभी श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व वाले असॉल्ट दलों पर आतंकवादियों द्वारा भारी मात्रा में गोलीबारी की गई। लेकिन, उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना निकासी की प्रक्रिया को जारी रखा।

इसी बीच एक आतंकवादी ने घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने की कोशिश की और घर की छिड़की से छलांग लगा दी। श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में असॉल्ट पार्टी ने अच्छी पोजीशन ली हुई थी और उन्होंने अलग-अलग दिशाओं से गोलियों की भारी बौछार की और इस प्रकार, उस आतंकवादी को लक्षित घर के बाहर गोली से मार गिराया। हालांकि, दूसरा आतंकवादी लगातार कड़ी टक्कर दे रहा था और वह बार-बार अपनी पोजीशन को बदल रहा था। इसी बीच, उपद्रवियों ने घेराबंदी को तोड़ने की संथा से अलग-अलग दिशाओं से जवानों पर भारी पथराव शुरू कर दिया, ताकि फंसे हुए आतंकवादियों को इलाके से भागने का मौका मिल सके। तथापि, इस उद्देश्य के लिए क्षेत्र में तैनात कानून और व्यवस्था में जुटे घटकों ने अधिकतम संयम बरतते हुए चतुराईपूर्वक स्थिति को संभाल लिया।

संदिग्ध घर के आसपास लक्षित घर के बागों, नालों और गलियों में अन्य आतंकवादियों की तलाश काफी देर तक जारी रही। तलाशी के दौरान, घेराबंद किए गए आतंकवादी, जिसने लक्षित घर के पीछे प्राकृतिक ऊंचाई के पीछे पोजीशन ली हुई थी, ने असॉल्ट पार्टियों पर कुछ ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में असॉल्ट पार्टी, जिसमें एस.जी.सीटी. तारिक हुसैन नजर और सिपाही राजेश कुमार शामिल थे, बाल-बाल बच गई। तथापि, श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब ने अपने दल का सामने से नेतृत्व करते हुए और अपने जीवन की परवाह किए बिना सूझ-बूझ और उत्कृष्ट समन्वय के साथ जवाबी कार्रवाई की। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर गोलीबारी काफी देर तक चलती रही और आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंककर और अंधाधुंध गोलीबारी करके हर-एक संभव कोशिश कर भागने का प्रयास किया। तथापि, दूसरे दल ने आतंकवादियों को भागने नहीं दिया। बंदूक की इस लंबी लड़ाई के दौरान, असॉल्ट पार्टियों ने अनुकरणीय साहस/धैर्य का प्रदर्शन किया और दूसरे आतंकवादी का खात्मा करने में सफल रहे। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में खुर्शीद अहमद शाह (जैश-ए-मोहम्मद संगठन), पुत्र-गुलाम मोहम्मद शाह, निवासी-रंगर चाडूरा, बडगॉम और सैयद रईस अहमद (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन), पुत्र-गुलाम हसन सैयद, निवासी-नौगाम वेहिल शोपियां के रूप में हुई।

इन खूंखार आतंकियों के खात्मे से सामान्य रूप से दक्षिण कश्मीर रेंज के भीतर और विशेष रूप से जिला शोपियां में आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। शांतिप्रिय नागरिकों ने इन आतंकवादियों का सफाया करके क्षेत्र में सामान्य स्थिति लाने के लिए पुलिस/सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की है। यह उल्लेख करने योग्य है कि मानव जीवन अथवा संपत्ति की किसी भी अतिरिक्त क्षति के बिना इस ऑपरेशन को पेशेवर तरीके से पूरा किया गया। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 336, 353, 332 और 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20, 38 एवं 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 277/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

श्री मोहम्मद अशरिफ, उपाधीक्षक के साथ-साथ एस.जी.सीटी. तारिक हुसैन नजर और सिपाही राजेश कुमार, जिन्होंने अपने बेशकीमती जीवन की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी, द्वारा दर्शाई गई पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस, उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले इलाके में फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकाला तथा इस तरह सूझबूझ और अच्छी पुलिस-व्यवस्था से नागरिकों को हताहत होने से बचाया।

इस ऑपरेशन में, सर्वश्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, तारिक हुसैन नजर, एस.जी.सीटी. और राजेश कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/218/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 332-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद अयोब मीर	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मोहम्मद इम्तियाज खान	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	योगेश सिंह	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.04.2021 को पुलिस स्टेशन जैनापोरा के टोंगरी, सतराजन-चित्रगाम क्षेत्र के बागों में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता सूचना के बाद, 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

त्वरित कार्रवाई करते हुए, 34 आरआर, शोपियां पुलिस और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीमों ने चित्रगाम और रेबन के बीच गैर-आवादी वाले क्षेत्र से बाग में प्रवेश किया, जबकि संयुक्त टीम, जिसमें श्री रैज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी जैनापोरा, उप निरीक्षक, नईम राशिद, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयोब मीर, हेड कांस्टेबल मोहम्मद इम्तियाज खान, हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद, एस.जी.सीटी. वसीम अहमद, एस.जी.सीटी. योगेश सिंह, सिपाही संजय दत्त, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और 34 आरआर के कार्मिक शामिल थे, बंदपावा की तरफ से लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़े। लक्ष्य के पास एक मारुति ऑल्टो कार मिली और कुछ लोग अपने बागानों में छिड़काव करने में व्यस्त थे। इन लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और घेराबंदी टीम ने सेब के फल के भंडारण के लिए टोंगरी नाले के किनारे पर एक छोटे से कंक्रीट ढांचे को घेर लिया। यह टिन शीट की तिरछी छत के बिना एक कंक्रीट का ढांचा था और बाहर की ओर से स्थित था। वहां काम कर रहे लोगों में से एक को उस ढांचे में झाँकने के लिए भेजा गया। ताला काटकर वापस आने के बाद, स्थानीय व्यक्ति ने अंदर संदिग्ध व्यक्तियों की मौजूदगी की पुष्टि की। एक तालाबंद कमरे/स्टोर के भीतर आदमियों का होना इतना संदेहास्पद था कि अंदर छिपे हुए आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की जा सके। टीम को सतर्क किया गया और स्टोर को उसके चारों ओर उपलब्ध सीमित कवर के साथ घेर लिया गया। आतंकवादियों ने बलों की गतिविधि को भांपते हुए स्टोर से घेराबंदी करने वाली टीम पर भारी गोलीबारी की। श्री अमृतपाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां अतिरिक्त जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया और घेराबंदी को और मजबूत किया गया। छिपे हुए आतंकवादियों ने शुरुआती घेराबंदी तोड़ने के प्रयास में घेराबंदी करने वाली टीम पर भारी गोलीबारी करते हुए बाहर आने की कोशिश की। मामूली से कवर की उपलब्धता के बीच जवाबी कार्रवाई करना वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस जवाबी गोलीबारी में, एक आतंकवादी को स्टोर के गेट के पास मार गिराया गया और अन्य दो आतंकवादी वापस स्टोर में घुस गए। आंतरिक घेराबंदी में तैनात टीम के उपर्युक्त संयुक्त ऑपरेशनल दलों को एक अन्य कंक्रीट ढांचे के पीछे और आसपास अच्छी तरह से तैनात किया गया, क्योंकि यह ढांचा लक्षित स्टोर के पास था। इसी बीच गोलियां चलने की आवाज सुनकर और चित्रगाम से स्थानीय आतंकवादियों के फंस जाने के बारे में पता चलने पर, आसपास के गांवों-चित्रगाम, रेबन और खोजपोरा आदि से बड़ी संख्या में उपद्रवी इकट्ठा हो गए, जिन्होंने ऑपरेशन को बाधित करने के लिए मुठभेड़ स्थल पर पहुंचने की कोशिश की। ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां ने सैनिकों को सतर्क किया और पथराव करने वालों को रोकने के लिए संयुक्त टीमों को आंतरिक घेराबंदी के साथ-साथ तैनात किया। न्यूनतम बल और गैर-घातक हथियारों के प्रयोग के साथ, पथराव करने वालों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से दूर धकेल दिया गया। इस बीच छिपे हुए आतंकवादियों को अंदर ही रोके रखने के लिए रुक-रुक कर गोलीबारी की जाती रही।

चूंकि अंधेरा हो रहा था, रात भर घेराबंदी बनाए रखने और उजाला होते ही ऑपरेशन फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया। अत्यंत सावधानी के साथ, लक्षित घर/स्टोर के चारों ओर कॉर्डन लाइटें और कंसर्टिना तार लगाए गए। इस बीच, फैसल अहमद गनी (अंदर फंसे हुए आतंकवादियों में से एक) के माता-पिता को लक्षित क्षेत्र में बुलाया गया और उनके साथ-साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां द्वारा आत्मसमर्पण के लिए बार-बार अपील की गई, लेकिन लाउडहेलर के माध्यम से बार-बार अपील करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। आतंकवादियों की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने के लिए, छिपे आतंकवादियों वाले स्टोर के चारों ओर कॉर्डन लाइटें और कंसर्टिना कॉइल की डबल लेयर लगाई गई थी। पूरी रात घेराबंदी टीम अपनी पोजीशन में डटी रहीं। उजाला होते ही, स्टोर में कुछ एमजीएल शॉट दागे गए और उसके बाद, स्वचालित छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। एमजीएल ग्रेनेडों के विस्फोट से सेब की पैकिंग के लिए रखी गई सूखी घास

के ढेर में आग लग गई। अचानक, आतंकवादियों ने घेराबंदी टीम पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और दो आतंकवादी दो अलग-अलग खिड़कियों से कूद पड़े। दोनों आतंकवादी आग में फंस गए थे और दोनों आतंकवादियों ने अपनी अंतिम लड़ाई के रूप में सुरक्षा बलों को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए, घेराबंदी टीमों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। लेकिन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां के नेतृत्व में उपर्युक्त सतर्क घेराबंदी टीम ने आपसी क्षणिक गोलीबारी में उन्हें मार गिराया। बचे हुए इन दोनों आतंकवादियों को मार गिराने के बाद, सेब के पेड़ों पर छिड़काव के लिए घेराबंदी वाले क्षेत्र के पास रखे गए एक पंप से आग पर काबू पाया गया। गहन तलाशी में, तीन आतंकवादियों (लश्कर-ए-तैयबा/अल-बद्र संगठन) के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में आसिफ बशीर गनी, पुत्र-बशीर अहमद गनी, निवासी-चित्रगाम, जैनापोरा, शोपियां, ओबैद अहमद वागे, पुत्र-फारूक अहमद वागे, निवासी-गनापोरा-अर्शीपोरा, शोपियां और फैसल गुलजार गनी, पुत्र-गुलजार अहमद गनी, निवासी-चित्रगाम-जैनापोरा, शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन जैनापोरा में आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 353 एवं 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20, 23 एवं 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 29/2021 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

ऑपरेशनल दलों, विशेष रूप से सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयोब मीर, हेड कांस्टेबल मोहम्मद इम्तियाज खान और एस.जी.सीटी. योगेश सिंह, जिन्होंने अपने वेशकीमती जीवन की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी, द्वारा दर्शाई गई पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घर के लोगों को बाहर निकालने में साहस का परिचय दिया। हालांकि, आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें सभी बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सूझ-बूझ का प्रयोग करते हुए बहादुरी से लड़ाई लड़ी और उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री मोहम्मद अयोब मीर, सहायक उप निरीक्षक, मोहम्मद इम्तियाज खान, हेड कांस्टेबल और योगेश सिंह, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/04/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/219/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 333-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद अशरिफ	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अब्दुल हमीद रेशी	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	तारिक रसूल वानी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.03.2021 को, शोपियां पुलिस ने 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से गांव सुदर्शनपोरा वांगम, जिला-शोपियां में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। हमले को अंजाम देने के लिए, श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में ऑपरेशनल टीम, जिसमें सहायक उप निरीक्षक लतीफ अहमद, सहायक उप निरीक्षक अब्दुल हमीद रेशी, हेड कांस्टेबल जतिंदर सिंह, सिपाही तारिक रसूल वानी और सिपाही मोहम्मद अब्बास के साथ-साथ 34आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी शामिल थी, ने मोहम्मद लतीफ देवा, पुत्र-अब्दुल हमीद देवा के मकान नंबर 37 सहित संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू की। किसी भी नागरिक के हताहत होने से बचने के लिए, लक्षित घरों में रहने वालों को उस समय निकालना सबसे प्रमुख कार्य था। उक्त टीम ने नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। लक्षित घर को निर्धारित करने के बाद, उपर्युक्त असॉल्ट पार्टी ने लक्षित घर से सटे हुए मकान नंबर 82 में पोजीशन ले ली। सहायक उप निरीक्षक लतीफ अहमद के नेतृत्व में दूसरी असॉल्ट पार्टी, जिसमें एस.जी.सीटी. राजिंदर कुमार, सिपाही तारिक रसूल वानी, सिपाही मोहम्मद अब्बास, एसपीओ मंजूर अहमद, एसपीओ तनवीर अहमद, एसपीओ रिजवान-उल-हक, एसपीओ रौफ अहमद शामिल थे, वीपी बंकर में पोजीशन लिए हुए थे और इस पार्टी ने लक्षित घर से सटी एक गली को ब्लॉक कर रखा था। भागने के रास्तों को बंद करने के लिए बाकी संयुक्त टीमों को गलियों/उप-गलियों में तैनात किया गया था। आसपास की अन्य इमारतों और महत्वपूर्ण स्थलों को पुलिस और 34आरआर की संयुक्त टीमों द्वारा कवर किया गया था।

घेराबंदी को सुदृढ़ करने के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें आरआर 34 के 02 जवान गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और 34 आरआर की संयुक्त टीमों ने दोनों घायल जवानों को बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद, उन्हें 92 बेस अस्पताल श्रीनगर में स्थानांतरित कर दिया गया। दुर्भाग्य से, घायल जवान हवलदार पिकू कुमार ने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया और वे शहीद हो गए। तथापि, संयुक्त सर्च पार्टियों ने अपना साहस खोए बिना आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और इस प्रकार एक भीषण बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई। भारी गोलीबारी के बीच, छिपे हुए आतंकवादी अपने सटीक स्थिति का खुलासा होने से बचने के लिए अपनी स्थिति को बदलते रहे। लेकिन इस मौके पर, असॉल्ट पार्टियों ने अपनी-अपनी पोजीशन से उस आतंकवादी की ओर भारी गोलीबारी की, जो कि अवैध परिष्कृत हथियारों से पूर्णतः लैस था और लक्षित घर में वापस जाने की कोशिश कर रहा था। इस आतंकवादी को डेढ़ साल से अधिक समय तक पाकिस्तान में अत्यधिक प्रशिक्षित किया गया था, लेकिन असॉल्ट टीमों ने उसे लक्षित घर में वापस नहीं जाने देने के लिए दृढ़ संकल्प लिया हुआ था। आतंकवादियों द्वारा एम-4 जैसे अत्याधुनिक हथियार से अंधाधुंध गोलीबारी किए जाने के बावजूद, उपर्युक्त असॉल्ट दलों ने अपने वेशकीमती जीवन की परवाह किए बिना आतंकवादी पर गोलियां चलाना जारी रखा। इसके कारण, आतंकवादी को घेराबंदी वाले क्षेत्रों से भागने अथवा लक्षित घर में वापस घुसने का कोई मौका नहीं मिला और इस प्रक्रिया के दौरान असॉल्ट टीम द्वारा एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराया गया।

बंदूक की इस भीषण लड़ाई के बाद, यहां तक कि आतंकवादियों की ओर से भी गोलीबारी रुक गई। इस प्रक्रिया में दूसरा आतंकवादी खुद को लक्षित घर में छिपाने में कामयाब हो गया। लक्षित घर में दूसरे आतंकवादी की तलाश काफी देर तक चलती रही। उसकी स्थिति का पता लगाने के लिए, सर्च लाइट के साथ एक ड्रोन उड़ाया गया और कुछ मिनटों के बाद, दूसरा आतंकवादी गली में लेटा हुआ पाया गया। आतंकवादी को निशाना बनाने के लिए, तुरंत, उस दिशा में आंतरिक घेराबंदी टीम को तैनात कर दिया गया। असॉल्ट टीम की गतिविधि को देखते हुए, घेराबंद हुए आतंकवादी ने संयुक्त असॉल्ट दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और अंधेरे में छिप गया। लेकिन ड्रोन की सर्च लाइट की रोशनी में दूसरे खूंखार आतंकी को भी गोली मारकर ढेर कर दिया गया। सतर्कता को कम किए बिना, लक्षित घर और आस-पास के क्षेत्र की गहन तलाशी ली गई, जिसमें हथियारों/गोला-बारूद के साथ 02 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के अनायतुल्लाह शेख उर्फ अबू हमजा, पुत्र-मोहम्मद अमीन शेख, निवासी-रामनगरी शोपियां और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आदिल अहमद मलिक उर्फ अबू दाऊद, पुत्र-नजीर अहमद मलिक, निवासी-धन्वथपोरा, कोकरनाग, जिला-अनंतनाग के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 एवं 23 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 59/2021 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

ऑपरेशनल दलों, विशेष रूप से मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, अब्दुल हमीद रेशी, सहायक उप निरीक्षक और तारिक रसूल बानी, सिपाही, जिन्होंने कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी और खुद को बड़े जोखिम में डाला, द्वारा दर्शाई गई पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र से लोगों को निकालने में साहस का परिचय दिया। हालांकि आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें सभी बाल-बाल बचे।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, अब्दुल हमीद रेशी, सहायक उप निरीक्षक और तारिक रसूल बानी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/03/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/221/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 334-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	पीर परवेज अहमद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	समीर सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

### उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08/09.04.2021 की मध्यरात्रि के दौरान, अवंतीपोरा पुलिस को जिला पुलवामा में अमीराबाद और नईबुग ताल के सामान्य क्षेत्र (खुले मैदान) में एक छिपने के ठिकाने में प्रतिबंधित अंसार गजवातुल हिंद (एजीयूएच) आतंकवादी संगठन से संबद्ध एक आतंकवादी समूह की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता सूचना मिली। श्री मोहम्मद युसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा, सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन के सीओ और 42 आरआर के सीओ ने सभी संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए सूचना का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करके एक कार्रवाई की योजना तैयार की। बेहतर ऑपरेशनल समन्वय और संचार के लिए, विभिन्न ऑपरेशनल घटकों ने एक दूसरे के साथ अपने-अपने वायरलेस उपकरणों का आदान-प्रदान किया और संयुक्त ऑपरेशनल घटक तैयार करने के अलावा एक दूसरे का मार्गदर्शन किया।

तैयार रणनीति के अनुसार, 09 अप्रैल, 2021 को तड़के आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकाने की घेराबंदी कर ली गई। सीओ 42 आरआर के नेतृत्व में सेना 42 आरआर तथा अवंतीपोरा पुलिस, जिनमें श्री मोहम्मद युसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा, उप निरीक्षक संजीव देव सिंह, सिपाही पीर परवेज अहमद, सिपाही समीर सिंह शामिल थे, को मिलाकर बनाई गई संयुक्त पार्टियां गैर-परंपरागत दुर्गम मार्गों से होकर संदिग्ध ठिकाने तक पहुंच गई और उन्होंने गैप-फ्री (नजदीक से) घेराबंदी पूरी कर लेने तक उच्च स्तर के आश्चर्य को बनाए रखा। आतंकवादियों द्वारा घेराबंदी को तोड़कर भाग निकलने के सभी संभावित मार्गों को चतुराईपूर्वक और गुप्त रूप से बंद कर दिया गया। घनी वनस्पति और बिना फायरबेस क्षेत्र वाले सरसों के खेत होने के कारण, आगे बढ़ने के दौरान स्थिति प्रतिकूल और बदतर हो गई थी तथा ऑपरेशनल पार्टियां गोलीबारी से अत्यधिक खतरे में थीं। सफलतापूर्वक घेराबंदी करने के बाद, अगला कदम आतंकवादियों के छिपने के ठिकाने का पता लगाना और उनका खात्मा करना था। भोर होने के बाद, पहले से तैयार योजना के अनुसार गठित संयुक्त सर्च पार्टियों ने क्वाड-कॉप्टरों द्वारा निरंतर हवाई निगरानी की मदद से संदिग्ध मैदान क्षेत्र की तलाशी शुरू की।

सेना 42 आरआर, पुलिस कंपोनेंट ताल और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की संयुक्त सर्च टीमों ने छिपने के ठिकाने का पता लगा लिया। जैसे ही छिपने के ठिकाने का पता चला, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा के नेतृत्व वाली ऑपरेशनल पार्टी के एक संयुक्त घटक ने छिपने के ठिकाने की सबसे भीतरी पूर्वी फ्लैंक को और सुदृढ़ कर दिया, जबकि उप निरीक्षक संजीव देव सिंह, आई/सी एसओजी ताल के नेतृत्व वाले एक अन्य ऑपरेशनल घटक ने सेना/सीआरपीएफ के दल के साथ छिपने के ठिकाने के पश्चिमी फ्लैंक पर इसके चारों ओर सबसे अंदर की घेराबंदी कर ली। पूरी तरह से उजागर हो जाने पर, छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी को हताहत करने और घेराबंदी को तोड़कर भागने के उद्देश्य से उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाई और ग्रेनेड फेंके। लेकिन सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के अत्यंत दृढ़ संयुक्त दलों ने आतंकवादियों के हमले का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिससे उनके भागने की कोई गुंजाइश नहीं रही। इस बीच, खुले मैदान में काम कर रहे कुछ नागरिक चल रही गोलीबारी में फंस गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा और सीओ सेना 42 आरआर के नेतृत्व में पुलिस/सेना की एक संयुक्त टीम ने कर्तव्य के प्रति उल्लेखनीय निःस्वार्थ समर्पण का परिचय देते हुए, भारी गोलाबारी के बीच से होकर गुजरते हुए परिणाम की परवाह किए बिना नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसके अलावा, कानून और व्यवस्था की समस्या को बहुत प्रभावी और समन्वित तरीके से संभाला गया, जिसके परिणामस्वरूप लक्षित क्षेत्र को बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रखा जा सका। विभिन्न ऑपरेशनल पार्टियों के साथ अत्यंत तालमेल का प्रदर्शन करके, संयुक्त असॉल्ट पार्टी ने सामरिक रूप से उपयुक्त स्थान पर खुद को पुनः पोजीशन किया और नजदीक से आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई आरंभ करके दो आतंकवादियों को मार गिराया। ऑपरेशन बिना किसी क्षति के पूरा हुआ। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, इम्तियाज अहमद शाह (स्वयंभू चीफ ओपीआर. कमांडर एजीयूएच ए-श्रेणी), पुत्र-अब्दुल अहद शाह, निवासी-रतमुना ताल और जाहिद अहमद कोका, पुत्र-अब्दुल हामिद कोका, निवासी-मल्हूरा शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन ताल में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18, 20 38 एवं 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 23/2021 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री पीर परवेज अहमद, सिपाही और समीर सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/04/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/222/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव



सं. 335-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	गुलाम रसूल भट्ट	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	जतिंदर सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	फैज़ मोहम्मद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अल्लाह दीन खटाना	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.03.2021 को, गांव बाटापोरा मनिहाल, शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पुख्ता इनपुट के आधार पर, शोपियां पुलिस द्वारा 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से उक्त गांव के एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। शुरुआत में घरों के समूह (क्लस्टर) की घेराबंदी कर ली गई और अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए घरों से परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। इन निवासियों से थोड़ी बहुत पूछताछ में इरशाद अहमद वानी, पुत्र-मोहम्मद युसूफ वानी, निवासी-बाटापोरा-मनिहाल के घर में चार आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। घर एक मंजिला था, लेकिन चाहरदीवारी के साथ वह बड़े आकार का था। इस बीच, ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां ने 34 आरआर के कर्नल और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के कमांडेंट के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद, दो संयुक्त ऑपरेशन दलों का गठन किया, पहले दल का नेतृत्व श्री मोहम्मद अशरिफ-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब कर रहे थे जिसमें, उप निरीक्षक गुलाम रसूल भट्ट, हेड कांस्टेबल जतिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल फैज़ मोहम्मद, सिपाही अल्लाह दीन खटाना, एसपीओ परवेज अहमद खान, एसपीओ मुजामिल हुसैन शेख, एसपीओ आमिर युसुफ लोन, एसपीओ रईस अहमद रेशी और 34 आरआर एवं सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआर टीमें शामिल थीं और इस दल ने लक्ष्य के चारों ओर आंतरिक घेराबंदी में पोजीशन ले ली। दूसरे दल का नेतृत्व श्री रैज अहमद-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक, पीसी जैनापोरा कर रहे थे जिसमें, पीएसआई-जावेद मकबूल वानी, एस.जी.सीटी. मनोज कुमार, सिपाही मसरूर अली, सिपाही जाविद अहमद, एसपीओ शाबिर अहमद, एसपीओ औदिल हुसैन लोन, एसपीओ आदिल गनी, एसपीओ आकिब हुसैन तांत्रे और 34 आरआर एवं सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी शामिल थी तथा इस दल को लक्षित घर के पीछे के घरों में पोजीशन लेने का कार्य सौंपा गया।

पुलिस, आरआर और सीआरपीएफ के संयुक्त क्यूआर टीमें को तैनात करके भागने के सभी संभावित रास्तों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया। कानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर, उससे निपटने के लिए संयुक्त घटकों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया था। फायर बेस स्थापित करने और भागने के सभी रास्तों को बंद करने के बाद, गली-दर-गली आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई। आतंकवादियों को उनके आत्मसमर्पण के लिए भावनात्मक रूप से प्रेरित करने के लिए, अर्शीपोरा के एक छिपे हुए आतंकवादी आकिब अहमद मलिक के परिवार को मौके पर बुलाया गया, उसके 4 साल के बेटे और 7 साल की बेटी ने मेगाफोन के माध्यम से आत्मसमर्पण करने की अपील की, लेकिन आतंकवादी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। फिर आकिब अहमद मलिक के परिवार को घेराबंदी क्षेत्र से बाहर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। जैसे ही, यही अपील सुरक्षा बलों की आंतरिक घेराबंदी टीमें द्वारा की गई, तुरंत ही लक्षित घर से गोलीबारी की एक बौछार शुरू हो गई। आंतरिक घेराबंदी टीमें द्वारा रणनीतिक तरीके से गोलीबारी का जवाब दिया गया। पहली किरण तक चारों आतंकियों के जिंदा होने की पुष्टि हो गई थी। श्री अमृतपाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां ने 34 आरआर के कर्नल, 178वीं बटालियन के कमांडेंट और सेक्टर कमांडर 02 के साथ रणनीति की समीक्षा की और लक्षित घर के सभी वेंट को एक साथ निशाना बनाया गया, ताकि उन्हें लक्षित घर के किसी भी कोने में छिपने का मौका न मिले। एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी के परिणामस्वरूप लक्षित घर में आग लग गई। जलने से बचने के लिए आतंकवादी सुरक्षित स्थानों की तलाश में चल पड़े और लक्षित घर की अलग-अलग दिशाओं में फैल गए।

एक आतंकवादी, भागने के लिए खिड़की से बाहर कूदने के लिए आया, लेकिन पुलिस उपाधीक्षक, इमाम साहब के नेतृत्व में सर्तक ऑपरेशनल दल यथा उप निरीक्षक गुलाम रसूल, हेड कांस्टेबल जतिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल फैज़ मोहम्मद, सिपाही अल्लाह दीन खटाना, आरआर और सीआरपीएफ की 21वीं क्यूआरटी ने अपने वेथकीमती जीवन की परवाह किए बिना चतुराई से गोलीबारी की, जिसके कारण आतंकवादी को भागने का कोई मौका नहीं मिला और वह डेर हो गया। आतंकवादियों ने टीम पर भारी गोलाबारी की, लेकिन उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और आतंकवादियों पर गोलीबारी करना जारी रखा। हालांकि, आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की, जो कि बाल-बाल बचे, लेकिन अपनी दुर्गति के रूप में एक और आतंकवादी, ऑपरेशनल टीम द्वारा डेर कर दिया गया। एक अन्य आतंकवादी घर के दूसरे कोने में चला गया और उसने आंतरिक घेराबंदी टीम पर भारी गोलीबारी की।

केवल एक एके-47 होने के बावजूद आतंकवादी गोलीबारी कर रहे थे और एके-47 राइफल को अपने दूसरे साथियों की तरफ उछाल रहे थे, लेकिन श्री रैज अहमद-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक, पीसी जैनापोरा के नेतृत्व में सर्तक और दृढ़ संयुक्त टीम, जिसमें पीएसआई जावेद मकबूल वानी, एस.जी.सीटी. मनोज कुमार, सिपाही मसरूर अली, सिपाही जाविद अहमद, एसपीओ शाबिर अहमद, एसपीओ आदिल हुसैन

लोन, एसपीओ आदिल गनी, एसपीओ आकिब हुसैन तांत्रे, और 34आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी शामिल थी, ने एक-दूसरे के साथ बंदूक की थोड़ी देर चल लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराया। इस तरह, लम्बे समय तक चली आपसी गोलीबारी में तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। लेकिन चौथा आतंकवादी कड़ी टक्कर दे रहा था। वह अलग-अलग जगहों से गोलीबारी करता रहा और भारी गोलीबारी के बीच 34आरआर के सिपाही सचिन को गोली लगी, जो कि दीवार से टकराकर मुड़ गई थी। उसकी सुरक्षित निकासी के लिए आतंकवादी की ओर से की जाने वाली गोलीबारी को बंद कराना जरूरी था। आतंकवादी पर भारी गोलाबारी की गई और 34 आरआर के घायल सैनिक को तुरंत निकाल लिया गया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे विशेष उपचार के लिए 92 बेस अस्पताल ले जाया गया। चूंकि, आग ने पूरे लक्षित घर को अपनी चपेट में ले लिया था, इसलिए आतंकवादी ने बाहर आने की कोशिश की और उसने आंतरिक घेराबंदी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन टीम इसी मौके का इंतजार कर रही थी, और इससे पहले कि वह बाहर आ पाता तथा कोई अतिरिक्त नुकसान कर पाता, टीम ने उसे ढेर कर दिया।

इस बीच आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में उपद्रवी जमा हो गए और उन्होंने सुरक्षा बलों पर पथराव शुरू कर दिया और उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हालांकि, कानून और व्यवस्था की संयुक्त टीमों को उन सभी स्थानों पर तैनात कर लिया गया था, जहां स्थानीय लोग एकत्र हुए थे। इन टीमों ने अत्यधिक सहनशीलता का परिचय दिया और उपद्रवियों को दूर रखा। इस प्रक्रिया में, कानून और व्यवस्था टीम के कुछ लोगों को मामूली चोटें आ गईं। गहन तलाशी के बाद, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के 04 आतंकवादियों के शव और उनके हथियार/गोला-बारूद घटनास्थल से बरामद किए गए तथा ऑपरेशन को बंद कर दिया गया। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान आमिर शफी मीर, पुत्र-मोहम्मद शफी मीर, निवासी-वाटपोरा-पालपोरा, शोपियां, आकिब अहमद मलिक, पुत्र-गुलाम रसूल मलिक, निवासी-गनौपोरा-अर्श, शोपियां, आफताब अहमद वानी, पुत्र-गुलाम मोहम्मद वानी, निवासी-दाचीपोरा, शोपियां और रईस अहमद भट्ट, पुत्र-मोहम्मद सुल्तान भट्ट, निवासी-डी. के. पोरलमामसाहिब, शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री गुलाम रसूल भट्ट, उप निरीक्षक, जर्तिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल, फैज़ मोहम्मद, हेड कांस्टेबल और अल्लाह दीन खटाना, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/03/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/223/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 336-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रमेश लाल	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	इरशाद अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अंजुम जावेद	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.03.2021 को, गांव रावलपोरा शोपियां में अत्याधुनिक हथियारों से लैस 02-03 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, जो उस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इस सूचना के आधार पर, शोपियां पुलिस ने 34 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से उक्त क्षेत्र में संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया। योजना के अनुसार, श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब की कमान में 34 आरआर की क्यूआरटी, 14वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी और शोपियां पुलिस की क्यूआरटी वाली प्रारंभिक घेराबंदी पार्टी, जिसमें निरीक्षक रमेश लाल, हेड कांस्टेबल इरशाद अहमद, हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद, हेड कांस्टेबल सुदर्शन कुमार और एस.जी.सीटी. अंजुम जावेद शामिल थे, बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद करने के लिए गांव की ओर आगे बढ़ी, ताकि यह सुनिश्चित जा सके कि गांव में छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई मौका न मिले। इस कार्रवाई के दौरान, गांव में सैन्य दस्तों की मौजूदगी का पता चलने पर गांव के शरारती तत्व हिंसक हो गए और उन्होंने सैन्य दस्तों पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में 34 आरआर,

14वीं बटालियन सीआरपीएफ और शोपियां पुलिस की अतिरिक्त पार्टियां भी लक्षित गांव में पहुंच गई और उन्होंने पत्थरबाजों को लक्षित क्षेत्र से दूर खदेड़ दिया तथा उक्त गांव की समुचित रूप से घेराबंदी कर दी। संपर्क सड़कों पर कट-ऑफ प्वाइंट लगा दिए गए और लक्षित क्षेत्र के चारों ओर रणनीतिक ढंग से बीपी वाहन तैनात कर दिए गए। चूंकि, घेराबंदी के भीतर आतंकवादियों की मौजूदगी सुनिश्चित हो गई थी, इसलिए तदनुसार, घेराबंदी करने वाली सभी टीमों को सतर्क कर दिया गया तथा घेराबंदी/कट-ऑफ को सुदृढ़ कर दिया गया, ताकि आतंकवादी इसके भीतर ही फंसे रहें।

मजबूत घेराबंदी करने के बाद, घोषणाएं की गईं और आतंकवादियों से बार-बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु घिरे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी पार्टी को जान से मारने तथा घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब, निरीक्षक रमेश लाल, हेड कांस्टेबल इरशाद अहमद, हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद, हेड कांस्टेबल सुदर्शन कुमार और एस.जी.सीटी. अंजुम जावेद तथा 34 आरआर एवं 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के सैन्य दस्तों वाली संयुक्त एडवांस पार्टी बाल-बाल बच गई। तथापि, घेराबंदी पार्टी ने तत्काल कवर ले लिया और प्रभावी रूप से जवाबी कार्रवाई की तथा उनके बचकर भागने के प्रयास को विफल कर दिया। आतंकवादियों की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी, क्योंकि उन्होंने दो मंजिला और एक मंजिला पक्के भवन में अच्छी तरह से पोजीशन ले रखी थी। भारी गोलीबारी के बीच, एक आतंकवादी ने बचकर भागने का प्रयास किया और उस घर से छलांग लगा दी। उसने भीतरी घेराबंदी में तैनात संयुक्त सैन्य दस्तों की ओर भागने का प्रयास किया और घेराबंदी को तोड़ने तथा बचकर भागने के लिए लगातार गोलीबारी की। संयुक्त घेराबंदी पार्टियों ने भी रणनीतिक लाभ उठाते हुए प्रभावी रूप से जवाबी गोलीबारी की और अपनी जान को जोखिम में डालकर आतंकवादियों पर भारी/सटीक गोलीबारी करके एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। यह देखा गया कि कुछ परिवार घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए हैं।

संयुक्त पार्टियां उन्हें बचाने के लिए स्वेच्छा से आगे आईं और पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर के नेतृत्व वाली दूसरी टीम के द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की सहायता से कुछ ही प्रयासों में आस-पास के घरों के परिवारों (सिविलियन) को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया, ताकि अपनी तरफ किसी भी प्रकार की क्षति से बचा जा सके।

घेराबंदी वाले क्षेत्र में छिपे हुए अन्य आतंकवादियों की तलाशी शुरू की गई, परन्तु अंधेरे में कम दृश्यता के कारण अगले दिन सुबह तक इंतजार करने का निर्णय लिया गया और तलाशी रोक दी गई तथा घेराबंदी को और अधिक सुदृढ़ कर दिया गया। कानून और व्यवस्था विगड़ने की समस्या का अनुमान लगाते हुए, सीआरपीएफ/पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियां बुलाई गईं और उन्हें रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया गया। दिनांक 14.03.2021 को सुबह जब लक्षित घर पर ध्यान केंद्रित करते हुए तलाशी तेज कर दी गई, तब हथियारों के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया।

इसी बीच, आस-पास के क्षेत्र के शरारती तत्व मुठभेड़ स्थल की ओर आगे बढ़े और उन्होंने लोगों को मुठभेड़ स्थल की तरफ चलने तथा चालू ऑपरेशन में बाधा पहुंचाकर वहां घिरे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने का अवसर प्रदान करने के लिए उकसाया। तथापि, आतंकवादियों से पुनः आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और वे पुलिस/सुरक्षा बलों को हताहत करने के इरादे से तथा वहां से बचकर भागने के प्रयास में उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। जैसे ही, तलाशी पार्टी लक्षित घर के निकटवर्ती भवन की ओर आगे बढ़ी, वह आतंकवादी की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई, परन्तु बाल-बाल बच गई। इसी बीच, घेराबंदी वाले क्षेत्र के आस-पास भारी भीड़ एकत्र हो गई और उसने घिरे हुए आतंकवादियों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के इरादे से पुलिस/सुरक्षा बलों पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। तथापि, कानून एवं व्यवस्था संभालने वाली संयुक्त पार्टियों ने अत्यधिक संयम और पेशेवरता से उन्हें दूर रखा।

इसी दौरान, दूसरे आतंकवादी, जिसने पक्के घर में अच्छी तरह से पोजीशन ले रखी थी, ने सर्च पार्टी पर फिर से गोलीबारी की और वह भीड़-भाड़ वाले घरों का लाभ उठाकर लगातार अपनी पोजीशन बदल रहा था। मुठभेड़ के दौरान कुछ घरों में आग लग गई, इसलिए आग बुझाने के लिए फायर टेंडर्स को बुलाया गया और एक बार फिर सुबह तक ऑपरेशन को रोक दिया गया तथा रात के दौरान घेराबंदी को अधिक सुदृढ़ कर दिया गया। बचकर भागने के सभी संभावित रास्तों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया।

दिनांक 15.03.2021 को सुबह फिर से तलाशी तेज कर दी गई। लक्षित क्षेत्र के दो मंजिला भवन में छिपे आतंकवादी ने पुलिस/सुरक्षा बलों की मौजूदगी को भांप लिया तथा उसने संयुक्त पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और उसके बाद ग्रेनेड तथा आग फैलाने वाले अन्य विस्फोटक फेंके, जिसके परिणामस्वरूप उक्त भवन में आग लग गई। फायर टेंडर ने आग बुझाई तथा जले हुए घरों के अवशेषों को हटाने के लिए उपयुक्त सुरक्षा कवर के साथ जेसीबी का प्रयोग किया गया। इस कार्रवाई के दौरान घर के एक छोटे से शेड में छिपे हुए एक आतंकवादी ने सैन्य दस्तों की मौजूदगी को भांप लिया गया और उसने सैन्य दस्तों पर एक यूबीजीएल राउंड से हमला किया तथा लगातार गोलीबारी की। तथापि, संयुक्त पार्टियों ने एक रणनीतिक पोजीशन से और ऑपरेशनल कमांडर के सक्रिय नेतृत्व की सहायता से सटीक एवं तीव्र गोलीबारी करके उपयुक्त रूप से जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण वह आतंकवादी बचकर भागने में सफल नहीं हो सका और अंततः उसे मार गिराया गया। चूंकि, आतंकवादी की ओर से कोई और गोलीबारी नहीं हुई, इसलिए संयुक्त सैन्य दस्तों ने घरों और आसपास के क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी, जिसके दौरान वहां पर हथियारों के साथ दूसरे आतंकवादी का शव भी पाया गया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के “क+” श्रेणी के लिए संस्तुत शोपियां के जिला कमांडर विलायत हुसैन लोन उर्फ सज्जाद अफगानी, पुत्र अब्दुल हामिद लोन, निवासी रावलपोरा शोपियां और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के

जहांगीर अहमद वानी, पुत्र अब्दुल रहमान वानी, निवासी राख-नरपोरा शोपियां के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 एवं 23 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 41/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री रमेश लाल, निरीक्षक, इरशाद अहमद, हेड कांस्टेबल और अंजुम जावेद, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/03/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/224/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 337-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अनायत अली चौधरी	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	शरद	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	जाहिद इकबाल खान	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	खुर्शीद अहमद शेख	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.06.2020 को, पुलिस घटक श्रीनगर को विश्वसनीय स्रोत से जिला श्रीनगर के पजवालपोरा जूनीमार क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में और श्री मुलेमान चौधरी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर के समग्र पर्यवेक्षण में पुलिस घटक श्रीनगर के सैन्य दल, श्री सुधांशु वर्मा, पुलिस अधीक्षक हजरतबल जोन के नेतृत्व में हजरतबल जोन श्रीनगर की पुलिस पार्टी और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के कार्मिकों ने पुलिस स्टेशन जडिबल श्रीनगर के क्षेत्राधिकार में आने वाले श्रीनगर के पजवालपोरा जूनीमार क्षेत्र में एक घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस और क्यूएटी सीआरपीएफ की पार्टी ने उक्त क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया और अंततः किसी वशीर अहमद भट्ट, पुत्र गुलाम नबी भट्ट, निवासी पजवालपोरा जूनीमार (पुलिस स्टेशन जडिबल) के आवासीय घर को चिह्नित करने में सफलता प्राप्त की, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे। इसी बीच, घेराबंदी पार्टियों द्वारा उस चिह्नित लक्षित घर को घेर लिया गया। छिपे हुए आतंकवादियों को किसी तरह उक्त क्षेत्र में सर्च पार्टियों की मौजूदगी के बारे में पता चल गया, जिस पर उन्होंने वहां से बचकर भागने के लिए पुलिस पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उनकी ओर ग्रेनेड भी फेंके। घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन चलाने वाली पार्टियों द्वारा गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया गया और साथ ही उन्होंने लक्षित घर की ओर जाने वाले सभी प्रवेश मार्गों/गलियों, उप-गलियों को बंद कर दिया। श्री सुधांशु वर्मा, पुलिस अधीक्षक हजरतबल के साथ श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर के नेतृत्व में उनके सहयोगी श्री अनायत अली चौधरी, अनुमंडल पुलिस अधिकारी जडिबल, पुलिस उपाधीक्षक सुरिन्दर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद उस्मान, पुलिस उपाधीक्षक शरद, पुलिस उपाधीक्षक राहुल नागर, निरीक्षक कुलदीप कुमार कौल, उप निरीक्षक जोनेश कुमार, हेड कांस्टेबल मोहम्मद इकबाल मल्ल, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ डार, एस.जी.सीटी. मोहम्मद कासिम, एस.जी.सीटी. जावेद अहमद, एस.जी.सीटी. विजय कुमार, एस.जी.सीटी. जाहिद इकबाल खान, एस.जी.सीटी. खुर्शीद अहमद शेख, एस.जी.सीटी. शाहिद हुसैन, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद, एस.जी.सीटी. रेयाज अहमद, एस.जी.सीटी. रेयाज अहमद शेख, एस.जी.सीटी. फयाज अहमद मापनू, सिपाही वसीम हसन खांडे, सिपाही एजाज अहमद मीर, सिपाही मिर्जा जाहिद अब्बास, सिपाही यशपाल, सिपाही अरमान अहमद और सिपाही उमर जान सहित ऑपरेशनल पार्टियां, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल के समग्र पर्यवेक्षण में, पुलिस घटक श्रीनगर की अन्य पुलिस पार्टियों/हजरतबल जोन श्रीनगर की वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के साथ सभी दिशाओं से लक्षित घर की ओर आगे बढ़ीं। छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने रूक-रूक कर गोलीबारी की तथा बीच-बीच में ग्रेनेड भी फेंके। छिपे हुए आतंकवादियों को बार-बार सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उन्होंने इनकार कर दिया और पुलिस पार्टियों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। अंततः, सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हुए और ऑपरेशनल एसओपी के

अनुसार, श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर की कमान में सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी के साथ समन्वय करके उक्त घर के प्रत्येक कक्ष में प्रवेश करने की योजना बनाई गई और इस कार्य को शुरू किया गया, जिसके दौरान, पुलिस पार्टी अपनी जान की परवाह किए बिना उस आवासीय घर के भीतर छिपे हुए आतंकवादियों की गतिविधि का पता लगाने और उन्हें अपना निशाना बनाने में सफल हो गई, जिसके परिणामस्वरूप पहले प्रयास में ही 02 आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया। 02 आतंकवादियों के सफाए के बाद, सर्च पार्टी ने तलाशी करने का कार्य जारी रखा, क्योंकि आवासीय घर के भीतर तीन आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। घिरे हुए आतंकवादी ने सर्च पार्टी को देखने के बाद पुलिस पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सर्च पार्टी द्वारा भी अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावी रूप से जवाब दिया गया, जिसके, परिणामस्वरूप तीसरे आतंकवादी का भी सफाया हो गया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में शकूर फारूक लांगू, पुत्र फारूक अहमद, निवासी बरथना कमरवाड़ी श्रीनगर, मोहम्मद मोहसिन खांडवा, पुत्र गुलाम नबी, निवासी डार मोहल्ला अंचार सौरा श्रीनगर और शाहिद अहमद भट्ट, पुत्र गुलाम मोहम्मद भट्ट, निवासी सेमथान बिजवेहरा अनंतनाग के रूप में की गई। इन आतंकवादियों का सफाया दक्षिण और मध्य कश्मीर रेंज में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम)/जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठनों के आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बहुत बड़ा झटका था। मारे गए दो आतंकवादी दक्षिण और मध्य कश्मीर रेंज में आतंकवाद संबंधी निम्नलिखित घटनाओं/एफआईआर में शामिल थे। शकूर फारूक लांगू, पुत्र फारूक अहमद, निवासी बरथना कमरवाड़ी श्रीनगर और मोहम्मद मोहसिन खांडवा, पुत्र गुलाम नबी, निवासी डार मोहल्ला अंचार सौरा श्रीनगर दिनांक 20.05.2020 को पंडाच सौरा श्रीनगर में वीएसएफ पार्टी पर हमला करने में शामिल थे, जिसमें वीएसएफ के 02 कार्मिकों ने शहादत प्राप्त की थी। इस संबंध में पुलिस स्टेशन सौरा श्रीनगर में आईपीसी की धारा 302 एवं 392, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 23 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 48/2020 दर्ज है। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया, जिसका व्यौरा संलग्न है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन जडिबल में आईपीसी की धारा 307 एवं भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 40/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अनायत अली चौधरी, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, शरद, पुलिस उपाधीक्षक, जाहिद इकबाल खान, एस.जी.सीटी. और खुर्शीद अहमद शेख, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/225/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 338-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मसरूर अली वानी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	शीराज़ अहमद कुमार	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	शब्बीर अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.12.2020 को, बारामूला पुलिस को गांव वानीगम पाईन में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद, बारामूला पुलिस ने सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन और सेना की 29 आरआर के साथ गांव वानीगम पाईन में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सर्च ऑपरेशन के दौरान, सर्च पार्टी को एक घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की भनक लग गई। तदनुसार, मौके पर ही एक सतर्क रणनीति तैयार की गई। आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगाया गया और संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर कड़ी घेराबंदी कर दी गई।

कड़ी घेराबंदी करने के बाद, मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बारामूला के पर्यवेक्षण में एक रेस्क्यू टीम गठित की गई और उसे आस-पास के घरों तथा निकटवर्ती बगीचों से आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम सौंपा गया और उप निरीक्षक मसरूर अली वानी, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट तथा एस.जी.सीटी. शीराज़ अहमद कुमार इस टीम का हिस्सा बनने के लिए स्वेच्छा से आगे आए।

बचाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला की कमान में एक हमलावर टीम गठित की गई और उप निरीक्षक मसरूर अली वानी, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट तथा एस.जी.सीटी. शीराज़ अहमद कुमार जीवन के प्रति इस खतरनाक कार्य के लिए एक बार फिर स्वेच्छा से आगे आए। तत्पश्चात्, मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला ने उप निरीक्षक मसरूर अली वानी, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट और एस.जी.सीटी. शीराज़ अहमद कुमार के साथ पेड़ों और जमीन पर बने मिट्टी के टीलों का कवच के रूप में प्रयोग करते हुए युद्ध की रणनीति अपनाकर रेंगते हुए आगे बढ़ना शुरू किया और वे दक्षिण दिशा अर्थात् उक्त घर के सामने की ओर से संदिग्ध स्थान के निकट पहुंच गए। छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन इसके बजाय आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने के लिए ऑपरेशन पार्टी की ओर ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी भी की, तथापि, वे भीतरी घेराबंदी की कवर सहायता के साथ वहां पर डटे रहे और उन्होंने उनकी गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे आतंकवादी अपने नापाक इरादे को अंजाम नहीं दे सके।

चूंकि, आतंकवादी एक पक्के घर में सुरक्षित स्थान (हमाम) में छिपे हुए थे, इसलिए ऐसे घर में प्रवेश करना अनिवार्य हो गया। तदनुसार, मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला ने उप निरीक्षक मसरूर अली वानी, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट और एस.जी.सीटी. शीराज़ अहमद कुमार को घर के दायाँ ओर पहुंचने और सुरक्षित पोजीशन लेकर वहां फंसे हुए आतंकवादियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने का निदेश दिया।

तत्पश्चात्, श्री मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला और एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट ने सामने की ओर से उक्त घर में प्रवेश किया और उन्होंने प्रत्येक कक्ष की तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान, उन्हें घर के पीछे स्थित एक कमरे (हमाम) में आतंकवादी की मौजूदगी का आभास हुआ। मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला ने दरवाजे पर अपनी पोजीशन ले ली और उनके सहयोगी एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट ने हमाम कक्ष के सामने स्थित रसोई में पोजीशन ले ली। बंदूक की लड़ाई के दौरान, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट की सर्विस राइफल ने काम करना बंद कर दिया, क्योंकि उसमें गोली फंस गई थी। मुकेश कुमार कक्कड़, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला, जो संदिग्ध कमरे के काफी नजदीक थे, ने आतंकवादी को मारने के लिए कुछ राउंड गोलियां चलाई और उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट को बचा लिया। एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट ने अपनी सर्विस राइफल के बैरल में फंसी हुई गोली को बाहर निकालने के बाद कमरे में दोबारा पोजीशन ले ली और दरवाजे पर तेजी से लात मारी। मुकेश कुमार कक्कड़ ने आतंकवादी की ओर गोलीबारी की बौछार कर दी, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी का सफाया हो गया तथा दूसरा आतंकवादी पीछे की खिड़की से बाहर कूद गया और उसने मौके से भागने का प्रयास किया। उक्त आतंकवादी ने हेंड ग्रेनेड फेंके और अंधाधुंध गोलीबारी भी की, तथापि, सतर्क उप निरीक्षक मसरूर अली वानी और एस.जी.सीटी. शीराज़ अहमद कुमार, जो घर के पीछे की ओर तैनात थे, ने हार नहीं मानी तथा अपनी कीमती जीवन की परवाह किए बिना मौके पर डटे रहकर, आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन के उमर उर्फ अबरार उर्फ हाजी उर्फ लांगू, निवासी पाकिस्तान, "क" श्रेणी और आमिर सिराज भट्ट, पुत्र सिराज-उद-दीन भट्ट, निवासी ख्वाजा गिलगित बाटापोरा सोपोर के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन क्रीरी में आईपीसी की धारा 307 एवं भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 125/2020 दर्ज है। वे कश्मीर में विभिन्न आतंकी घटनाओं में शामिल थे और अनेक मुठभेड़ स्थलों से बचकर भागने में सफल हो गए थे। वे जिला बaramूला में आतंकवादी गतिविधियां शुरू करने और जिला बaramूला में आतंक का साम्राज्य फैलाने के उद्देश्य से युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करके आतंकवादी संगठन को मजबूत करने हेतु क्रीरी बaramूला क्षेत्र में आ गए थे।

उक्त ऑपरेशन का क्षेत्र घनी आबादी वाला था/सेव के बगीचों, अखरोट के बड़े पेड़ों और खुवानी के पेड़ों से घिरा हुआ था, जो सदैव आतंकवादियों की गतिविधि/मौजूदगी का केंद्र रहा है और इस प्रकार के एक कठिनाई भरे क्षेत्र में अपनी तरफ किसी क्षति के बिना आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन चलाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन, उप निरीक्षक मसरूर अली वानी, एस.जी.सीटी. शीराज़ अहमद कुमार और एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट द्वारा प्रदर्शित अदम्य वीरता, पेशेवरता, कुशल नेतृत्व और अतुलनीय दृढ़ निश्चय के कारण उक्त ऑपरेशन अपनी तरफ किसी क्षति के बिना जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादी संगठन के 02 खुंखार आतंकवादियों के सफाए के साथ समाप्त हुआ और उन्होंने भारत की सुरक्षा/सम्प्रभुता एवं अखण्डता को बनाए रखने के लिए इस ऑपरेशन में अपनी जान को दांव पर लगा दिया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री मसरूर अली वानी, उप निरीक्षक, शीराज़ अहमद कुमार, एस.जी.सीटी. और शब्बीर अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/226/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 339-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	तनवीर अहमद डार	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	नज़ीर अहमद बिजरान	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अंकुश शर्मा	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मंजूर अहमद लोन	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.10.2020 को, पुलवामा पुलिस ने एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से गांव ददूरा पुलवामा में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। तत्काल कार्रवाई करते हुए, प्रवेश/निकास के सभी मार्गों, गलियों/उप-गलियों समेत पगडंडियों को बंद कर दिया गया। घेराबंदी को सुदृढ़ करने के बाद, श्री तनवीर अहमद डार, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में और सहायक उप निरीक्षक नज़ीर अहमद बिजरान, एस.जी.सीटी. अंकुश शर्मा तथा एस.जी.सीटी. मंजूर अहमद लोन की सहायता से पीसी पुलवामा की एक टीम को 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के घटकों के साथ लक्षित स्थान की तलाशी करने के लिए कहा गया और उपर्युक्त सर्च पार्टी को सहायता एवं कवर प्रदान करने के लिए श्री साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक पीसी पुलवामा के नेतृत्व में और हेड कांस्टेबल अर्शद अहमद डार, एस.जी.सीटी. सज्जाद अहमद बानी, एस.जी.सीटी. अरशद अहमद बाबा तथा एस.जी.सीटी. हफीजुल्लाह बाबा की सहायता से 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के घटकों के साथ एक अन्य टीम गठित की गई। जैसे ही, सर्च पार्टी किसी गुलजार अहमद शेख, पुत्र गुलाम अहमद शेख, निवासी ददूरा के संदिग्ध घर के निकट पहुंची, उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और वहां से बचकर भागने के इरादे से सर्च पार्टी की ओर भारी मात्रा में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस पर, श्री तनवीर अहमद डार, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा अपनी एकाग्रता/पार्टी पर पकड़ खोए बिना तत्काल हरकत में आए और गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिससे आतंकवादी रक्षात्मक होने के लिए विवश हो गए। श्री साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक पीसी पुलवामा स्थल पर उपलब्ध पुलिस/सुरक्षा बल पार्टी के साथ प्रारंभिक सर्च पार्टी की सहायता के लिए तत्काल मौके पर पहुंचे तथा साहस के साथ आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब दिया और छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई मौका नहीं दिया।

चूंकि, उक्त ऑपरेशन सेब के घने बगीचों से घिरे हुए एक रिहाइशी क्षेत्र में चलाया गया था और आम नागरिकों के हताहत होने की संभावना थी, इसलिए पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल पार्टियों के प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया कि घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे आम नागरिकों के सुरक्षित रूप से बाहर निकाला जाए। तदनुसार, सभी आम नागरिकों को अपनी तरफ किसी क्षति के बिना सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को पूरी तरह बंद कर दिया गया। अंतिम हमला करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसकी बजाय उन्होंने वहां तैनात सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की तथा घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने के अनेक प्रयास किए, परन्तु सफल नहीं हुए। घिरे हुए आतंकवादियों का सफाया करने के लिए, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त पार्टियों को उपयुक्त पोजीशन लेने तथा आतंकवादी को दृढ़तापूर्वक जवाब देने का निदेश दिया। निदेशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री तनवीर अहमद डार, सहायक उप निरीक्षक नज़ीर अहमद बिजरान, एस.जी.सीटी. अंकुश शर्मा, एस.जी.सीटी. मंजूर अहमद लोन और पुलिस उपाधीक्षक पीसी पुलवामा श्री साकिब गनी ने अपनी पुलिस/सुरक्षा बल पार्टियों के साथ तत्काल लक्षित क्षेत्र के चारों ओर उपयुक्त स्थानों पर पोजीशन ले ली और अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना सामने से जवाबी कार्रवाई की तथा दो आतंकवादियों का सफाया कर दिया। तत्पश्चात, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से तीसरे आतंकवादी को सुरक्षा बलों के सामने अपने हथियार डाल देने के लिए कहा, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। इस प्रकार, इस ऑपरेशन में 02 आतंकवादी मारे गए और 01 आतंकवादी को ज़िंदा गिरफ्तार कर लिया गया। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के मारे गए/गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जाहिद नाजिर भट्ट उर्फ टाइगर उर्फ फाहेद, पुत्र नाजिर अहमद भट्ट, निवासी दुबगाम वाला पुलवामा (मृत), सैफुल्ला उर्फ इरुतुगुल (एफटी), निवासी पाकिस्तान (मृत) और फिरदौस अहमद टाक उर्फ उमर, पुत्र अब्दुल गनी टाक, निवासी दादापोस्ता जिला डोडा (गिरफ्तार) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारी वरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विश्वविरोद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 232/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री तनवीर अहमद डार, अपर पुलिस अधीक्षक, नज़ीर अहमद बिजरान, सहायक उप निरीक्षक, अंकुश शर्मा, एस.जी.सीटी. और मंजूर अहमद लोन, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/229/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 340-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अमित वर्मा	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	गुलाम मोहम्मद राथर	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	यार मोहम्मद	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.08.2020 को लगभग 0140 बजे, पुलवामा पुलिस को गांव जदूरा, पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में बडगाम पुलिस से सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने श्री नागपुरे आमोद अशोक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम, श्री तनवीर अहमद, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, श्री अमित वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम, श्री नवाज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी काकापोरा और श्री मंजूर अयाज, पुलिस उपाधीक्षक पीसी चदूरा के साथ एक आपात बैठक आयोजित की और उक्त गांव की लोकेशन तथा स्थलाकृति के अनुसार कार्रवाई करने की योजना पर चर्चा की गई/उसे अंतिम रूप प्रदान किया गया। तत्पश्चात, सेना की 50 आरआर और 183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ मिलकर सूचना की पुष्टि की गई/योजना बनाई गई और उन्हें संदिग्ध क्षेत्र में ऑपरेशन शुरू करने के लिए अपनी पार्टियां भेजने के लिए कहा गया। तैयार की गई योजना के अनुसार, सेना/सीआरपीएफ के घटकों के साथ जिला पुलवामा/बडगाम की पुलिस टीमों लक्षित स्थान की ओर गई और उन्होंने लक्षित स्थान के चारों ओर घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

सभी भीतरी सड़कों, गलियों और पगडंडियों को पूरी तरह से बंद करने के बाद, संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी करने के लिए दो संयुक्त टीमें गठित की गईं, जिनमें से पहली टीम श्री नागपुरे आमोद अशोक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व में गठित की गई और 50 आरआर तथा सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की पार्टी के साथ-साथ श्री नवाज अहमद पुलिस उपाधीक्षक पीसी काकापोरा, सहायक उप निरीक्षक गुलाम मोहम्मद राथर, सहायक उप निरीक्षक यार मोहम्मद और एस.जी.सीटी. गालिब भट्ट द्वारा इस टीम को सहायता प्रदान की गई। दूसरी पार्टी अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री अमित वर्मा के नेतृत्व में गठित की गई और 50 आरआर तथा सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की पार्टी के साथ-साथ पुलिस उपाधीक्षक मंसूर अयाज, सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार, हेड कांस्टेबल गुलाम मोहम्मद और सिपाही शाहनवाज इबन मजीद द्वारा इस टीम को सहायता प्रदान की गई। जैसे ही पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व में सर्च पार्टी ने किसी मोहम्मद यूसुफ सोफी, पुत्र गुलाम मोहम्मद सोफी, निवासी जदूरा पुलवामा के घर में प्रवेश किया, तो उक्त घर के भीतर मौजूद आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और मौके से बचकर भागने के इरादे से, अपने समीप पहुंच रही पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, सर्च पार्टी ने तत्काल कवर ले लिया और आतंकवादी की गोलीबारी का समर्पण के साथ जवाब दिया, जिसके कारण वहां घिरे हुए आतंकवादी को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई रास्ता नहीं मिला। अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व में दूसरी सर्च पार्टी भी मौके पर पहुंच गई और उसने गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी गोली लगने से घायल हो गया। मानव क्षति से बचने के लिए, पुलिस अधीक्षक पुलवामा के पर्यवेक्षण में एक पुलिस टीम ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए सभी आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने लक्षित घर के भीतर मौजूद दोनों पार्टियों को उक्त घर से बाहर आने की सलाह दी, जिसमें हेड कांस्टेबल तनवीर मोहम्मद भट्ट, हेड कांस्टेबल मोहम्मद मुस्तफा डार, एस.जी.सीटी. फयाज अहमद डूंड, एस.जी.सीटी. परवेज हुसैन भट्ट, एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद पीरजाल गाखर, एस.जी.सीटी. सुनील जी सप्रू, एस.जी.सीटी. मोहम्मद अलयास खोजा, सिपाही दाऊद हसन नजर और सिपाही तौसीफ अहमद डार शामिल थे। एसपीओ नईम अहमद, एसपीओ इश्फाक अहमद, एसपीओ मंजूर अहमद, एसपीओ अब्दुल रहमान, एसपीओ मोहम्मद फरीद, एसपीओ मुश्ताक अहमद, एसपीओ आशिक हुसैन, एसपीओ फयाज अहमद, एसपीओ आशिक हुसैन और एसपीओ तनवीर हुसैन को कमरे में प्रवेश करने वाली पार्टियों (रूम इन्टरवेशन पार्टी) को कवर फायरिंग प्रदान करने का निर्देश दिया गया, ताकि वे लक्षित घर से सुरक्षित रूप से बाहर आ सकें।

जब दोनों पार्टियां लक्षित घर से बाहर आ गईं, तब श्री आशीष कुमार मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से घोषणा की और बार-बार आतंकवादियों से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु आतंकवादियों ने इस



पेशकश को स्वीकार करने की वजाय, पहली घेराबंदी के भीतर मौजूद सैन्य दस्तों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पार्टियों ने तत्काल कवर ले लिया और समर्पण एवं साहस के साथ सामने से जवाबी कार्रवाई की। वहां पर हुई गोलीबारी के दौरान, जो लगातार कई घंटों तक चली, हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के 03 आतंकवादियों का सफाया हो गया, जिनकी पहचान बाद में आदिल हाफिज, पुत्र हबीबुल्लाह हाफिज, निवासी डालीपोरा पुलवामा, अर्शद अहमद डार, पुत्र गुलाम हसन डार, निवासी दुबगाम पुलवामा और रऊफ अहमद मीर, पुत्र गुलाम मोहिउद्दीन मीर, निवासी मुचपोना पुलवामा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 195/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है। उपर्युक्त आतंकवादियों की मृत्यु आतंकवादी कैडरों, विशेष रूप से हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के लिए बहुत बड़ा आघात है और कश्मीर प्रांत, विशेष रूप से दक्षिणी कश्मीर में सुरक्षा बलों/आम नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत है।

अमित वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, गुलाम मोहम्मद राथर, सहायक उप निरीक्षक और यार मोहम्मद, सहायक उप निरीक्षक ने इस ऑपरेशन में शुरू से अंत तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने के बाद, वे अपने कीमती जीवन की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी के साथ लड़े और घिरे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई अवसर नहीं दिया। उनकी सतर्कता, समर्पण और साहस के कारण ही यह ऑपरेशन सफल हुआ।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अमित वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, गुलाम मोहम्मद राथर, सहायक उप निरीक्षक और यार मोहम्मद, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/230/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 341-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	नईम रशीद	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अमनप्रीत सिंह	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अमित शर्मा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.12.2020 को, शोपियां पुलिस को गांव केनीगाम, शोपियां में अवैध हथियारों/गोलाबारूद से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय स्रोतों के माध्यम से विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। यह विशिष्ट सूचना प्राप्त होने के बाद, शोपियां पुलिस ने 44 आरआर एवं 178वीं बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से उक्त गांव की घेराबंदी कर दी और आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी शुरू कर दी। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के पर्यवेक्षण में पुलिस, आरआर और सीआरपीएफ की दो संयुक्त टीमों गठित की गईं, ताकि आतंकवादियों की वास्तविक लोकेशन/छिपने के ठिकाने का पता लगाया जा सके और उसके बाद अपनी तरफ किसी क्षति के बिना उनका सफाया किया जा सके। घेराबंदी वाला क्षेत्र एक दुर्गम भू-भाग था, जिसमें छिट-पुट आवासीय घर, घने बगीचे, ऊंटे स्थान और गहरे नाले थे। उक्त क्षेत्र को सील कर दिया गया और बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों, बगीचों की पगडंडियों, भीतरी सड़कों एवं गलियों/उप-गलियों को पूरी तरह बंद कर दिया गया।

ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, नफरी को 44 आरआर और 178वीं बटालियन सीआरपीएफ के पूर्ण समन्वय के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में दो पार्टियों में बांट दिया गया। श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में पुलिस/44 आरआर और 178वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी वाली पहली पार्टी, जिसमें उप निरीक्षक नईम रशीद, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद यूसुफ, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास, हेड कांस्टेबल सुनील रैना, एस.जी.सीटी. नजीर अहमद, सिपाही ओबैद मकबूल, एसपीओ बिलाल अहमद और एसपीओ मकसूद अहमद शामिल थे, को उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी दिशाओं से संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी करने के लिए कहा गया। निरीक्षक रमेश लाल के नेतृत्व में 44 आरआर/178वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी वाली दूसरी पुलिस पार्टी, जिसमें एस.जी.सीटी. अमनप्रीत सिंह, सिपाही अमित शर्मा, सिपाही नासिर हुसैन, सिपाही मुनीर अहमद, एसपीओ सुरिन्दर पाल और एसपीओ आमिर अहमद शामिल थे, ने उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशाओं से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी की।

हमलावर पार्टियों ने योजना के अनुसार अपनी-अपनी पोजीशन ले ली और छिपे हुए आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी शुरू कर दी। तथापि, ऑपरेशनल पार्टियों की गतिविधि को देखकर उक्त क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने और घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से सैन्य दस्तों पर विभिन्न दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। छिपे हुए आतंकवादी बार-बार अपनी लोकेशन बदल रहे थे, ताकि उनकी विशिष्ट लोकेशन का पता न चल सके। सर्व पार्टी ने तत्काल कवर ले लिया और उपयुक्त रणनीति के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई मौका नहीं मिला। किसी भी आम नागरिक को हताहत होने से बचाने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां) ने पार्टियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को बचाकर बाहर निकालने के लिए कहा। जब लोगों को बाहर निकाला जा रहा था, तब हमलावर समूह आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना लोगों को बाहर निकालने का कार्य जारी रखा।

इसी बीच, शरारती तत्वों ने घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से घेराबंदी में तैनात सैन्य दस्तों पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी, ताकि फंसे हुए आतंकवादियों को उक्त क्षेत्र से भागने का मौका मिल सके। तथापि, इस उद्देश्य के लिए उक्त क्षेत्र में तैनात कानून एवं व्यवस्था संभालने वाले घटकों ने अत्यधिक संयम बरतते हुए स्थिति को रणनीतिक ढंग से नियंत्रित किया।

चूंकि, अंधेरा हो गया था और इस बात की पूरी संभावना थी कि घिरे हुए आतंकवादी अंधेरे में घेराबंदी से बचकर भागने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए घेराबंदी को सुदृढ़ करने का निर्णय लिया गया और सैन्य दस्तों को घेराबंदी एवं सर्व ऑपरेशन सशक्त रूप से जारी रखने के लिए कहा गया, ताकि फंसे हुए आतंकवादी को रात के दौरान भागने का कोई भी अवसर न मिल सके। लगभग 2000 बजे, आतंकवादियों ने हमलावर पार्टियों पर ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी की तथा घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का प्रयास किया। ऑपरेशनल कमांडर श्री अमृतपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां पुलिस पार्टियों के साथ, जिसमें निरीक्षक रमेश लाल, उप निरीक्षक नईम रशीद, एस.जी.सीटी. अमनप्रीत सिंह, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास, हेड कांस्टेबल मुनील रैना और सिपाही अमित शर्मा शामिल थे, अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना सामने से समर्पण और साहस के साथ लड़े तथा वे एक खूंखार आतंकवादी का सफाया करने में सफल रहे। तथापि, दूसरा आतंकवादी एक अन्य घर में छिपने में सफल हो गया।

दूसरे आतंकवादी की तलाश रात में 2200 बजे तक चलती रही, जिसके दौरान संदिग्ध घरों की पूरी तरह तलाशी की गई। चूंकि, अंधेरा हो गया था, इसलिए ऑपरेशनल कमांडर ने तलाशी का कार्य सुबह तक स्थगित करने का निर्णय लिया। तथापि, अगले दिन सुबह, आतंकवादी ने सैन्य दस्तों पर कुछ ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 44 आरआर का एक जवान नामतः हवलदार अनिल कुमार तोमर घायल हो गया। घायल जवान को उपचार के लिए तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। बाद में, उन्होंने शहादत प्राम की। आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उसने इनकार कर दिया और उसकी बजाय वह सैन्य दस्तों पर गोलीबारी करता रहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में हमलावर पार्टी ने उपयुक्त रूप से जवाबी कार्रवाई की और दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के आसिफ अहमद लोन, पुत्र गुलाम मोहम्मद लोन, निवासी तुर्कवांगाम शोपियां और ओवैस फारूक अली उर्फ अबू हुरैराह (अल-वदर संगठन), पुत्र फारूक अहमद अली, निवासी कादेलबल अवंतीपोरा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन इमामसाहिब में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 100/2020 दर्ज है और इसकी जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री नईम रशीद, उप निरीक्षक, अमनप्रीत सिंह, एस.जी.सीटी. और अमित शर्मा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/233/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 342 प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कर्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/ श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	शब्बीर अहमद खान	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अब्दुल रहीम शेख	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस हंदवाड़ा द्वारा दिनांक 14.05.2017 को वारीपोरा हंदवाड़ा में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एकत्र की गई विशेष जानकारी पर, पुलिस हंदवाड़ा, 21 आरआर और सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन ने गांव-वारीपोरा हंदवाड़ा और उसके आसपास एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया गया और उनके चारों ओर कड़ी घेराबंदी कर दी गई। सर्च ऑपरेशन के दौरान, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे घेराबंदी इलाके के अंदर रह रहे नागरिकों में अफरातफरी मच गई। सभी नागरिकों को सुरक्षित जगह पर ले जाने के लिए, बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया और हेड कांस्टेबल अब्दुल रहीम शेख सहित एसडीपीओ हंदवाड़ा शब्बीर अहमद खान के नेतृत्व में पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी ली। इस कार्य में जोखिम शामिल होने के बावजूद, उन्होंने अपनी जान की परवाह किये बिना, गोलीबारी के बीच नागरिकों को निकाला। नागरिकों को सुरक्षित निकालने के बाद, बिना किसी क्षति के खूंखार आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए मौके पर हमलावर टीमों का गठन किया गया। एसडीपीओ हंदवाड़ा ने हेड कांस्टेबल अब्दुल रहीम शेख के साथ फिर से इसके लिए खुद जिम्मा उठाया और विभिन्न दिशाओं में छिपे आतंकवादियों की ओर मार्च किया। चूंकि, यह लक्षित क्षेत्र पास के वन क्षेत्र से सटा हुआ एक खुला बाग था, इसलिए, ऑपरेशन टीम को अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए आतंकवादियों ने पहले ही लाभप्रद पोजीशन ले ली थी। हमलावर टीम को आगे बढ़ते देख, आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और कई ग्रेनेड भी दागे। एसडीपीओ हंदवाड़ा और हेड कांस्टेबल अब्दुल रहीम शेख ने इस हमले का सूझ-बूझ के साथ जवाब दिया और हमलावर टीम को किसी प्रकार की क्षति से बचने के लिए सेब के पेड़ों के पीछे पोजीशन लेने का निर्देश दिया। आतंकवादियों के अचानक इस हमले से हमलावर टीमों के लिए आगे बढ़ना काफी मुश्किल हो गया था। एसडीपीओ हंदवाड़ा और हेड कांस्टेबल अब्दुल रहीम शेख ने सुरक्षित स्थानों का लाभ उठाते हुए, आतंकवादी हमले का जवाब दिया और आतंकवादियों की ओर चतुराई से आगे बढ़ते हुए उन्हें आत्मरक्षा की स्थिति में ला दिया। जवाबी फायरिंग के बीच, एसडीपीओ हंदवाड़ा के नेतृत्व में हमलावर टीम और उनका साथी अपनी जान की परवाह किए बिना और हिम्मत का प्रदर्शन करते हुए, खूंखार आतंकवादियों की ओर बढ़ गये और उनके करीब पहुंच गये। इस दौरान दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कवर फायरिंग दी। आतंकवादियों के करीब पहुंचने पर, हमलावर टीम ने छिपे हुए आतंकवादियों पर अंतिम हमला शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप दो खतरनाक फिदायीन विदेशी आतंकवादी मारे गए, जो दिनांक 27.04.2017 को पंजगाम सेना शिविर कुपवाड़ा पर हमला करने वाले फिदायीन समूह का हिस्सा थे। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा में आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और आईपीसी की धारा 307 के तहत दिनांक 14.05.2017 को मामलागत एफआईआर संख्या 102/2017 दर्ज की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री शब्बीर अहमद खान, पुलिस उपाधीक्षक और अब्दुल रहीम शेख, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/05/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/92/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 343 प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/ वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद हसीब मुगल	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	शाज़ाद अहमद सलारिया	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	सैयद सज्जाद हुसैन	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
4	सुरिंदर सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	मुसीर असगर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	संदीप खजूरिया	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.10.2020 को, श्रीनगर पुलिस को एक सूचना मिली कि हथियार/गोला-बारूद से लैस कुछ आतंकवादी पुलिस स्टेशन सदर के अधिकृत क्षेत्र श्रीनगर के ओल्ड बरजुल्ला क्षेत्र में छिपे हुए हैं। उक्त क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक श्रीनगर के समग्र पर्यवेक्षण के अधीन पुलिस अधीक्षक सिटी वेस्ट जोन श्रीनगर के नेतृत्व में जिला श्रीनगर की एक पुलिस टीम का गठन ठिकाने की पहचान करने और बाद में बिना किसी क्षति के आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए गठित किया गया। इस टीम में पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर, पुलिस अधीक्षक सिटी साउथ जोन श्रीनगर, एसडीपीओ पंथा चौक/सदर श्रीनगर, एसएचओ पुलिस स्टेशन-नौगाम/पंथा चौक/सदर, आईसी पीपी रंगरेथ/चनापोरा और सीआरपीएफ की घाटी क्यूएटी कर्मी सहयोग कर रहे थे। इस प्रकार गठित टीम ने उक्त क्षेत्र में तलाशी तेज कर दी और टीम उस स्थान का पता लगाने में सफल रही, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। ऑपरेशन शुरू करने से पहले, किसी भी प्रकार की क्षति से बचने और वृत्तिरहित ऑपरेशन के लिए घाटी क्यूएटी सीआरपीएफ का सहयोग लेने का निर्णय लिया गया।

सभी नफरी को दो पार्टियों में बांटा गया। पहली पार्टी को उत्तर पश्चिम और दक्षिण पश्चिम की ओर से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने का काम सौंपा गया, जबकि दूसरी पार्टी को उत्तर पूर्व और दक्षिण पूर्व की ओर से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने का काम सौंपा गया, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे और साथ ही यदि आवश्यक हो, तो अन्य सुरक्षा बलों के पूर्ण समन्वय के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर की देखरेख में इंटरवेंशन का कार्य किया जाना था।

सभी पार्टियों ने उपयुक्त योजना के अनुसार खुद को तैनात किया। चूंकि, क्षेत्र बहुत भीड़भाड़ वाला था, इसलिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर ने घेराबंदी पार्टियों के प्रभारी होने के नाते आसपास के घरों के निवासियों को निकालने के लिए पुलिस की छोटी-छोटी टीमों का गठन किया। टीमों ने बहुत ही चतुराई और बहादुरी से आसपास के घरों से निवासियों को निकाला और उन्हें पास के सुरक्षित स्थान में स्थानांतरित किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें कोई क्षति न हो। पहली बार में दो आतंकवादी उस ठिकाने में देखे गए, जिसका पहले ही पता लगा लिया गया था। साथ ही, उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए भी कहा गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। आतंकवादियों ने सरेंडर करने की बजाय, ऑपरेशन पार्टियों पर फायरिंग शुरू कर दी। छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ने वाली पार्टियों पर फायरिंग की और हथगोले फेंके। इस दौरान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर ने ऑपरेशन की निगरानी करते हुए, दो छोटी-छोटी पार्टियों का गठन किया और उन्हें आतंकवादियों की गतिविधियों को नोटिस करने/देखने के लिए कहा। इन एसपीओ ने एक साथ मिलकर काम किया और आतंकवादियों की गतिविधि पर नजरें गड़ाए रखीं और अंततः श्रीनगर शहर के बीचों-बीच सुरक्षा बलों को निशाना बनाए जाने से संबंधित आतंकवादियों की गतिविधियों और सनसनीखेज योजनाओं के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया, जिसके आधार पर पुलिस पार्टियों ने उन जगहों की पहचान की, जहां आतंकवादी मौजूद थे। पहली पार्टी ने दक्षिण पूर्व की ओर से लक्ष्य क्षेत्र में प्रवेश करने का निर्णय लिया और दूसरी पार्टी ने दक्षिण पश्चिम की ओर से लक्ष्य क्षेत्र में प्रवेश करने का निर्णय लिया, लेकिन छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर ग्रेनेड दागे, हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि पार्टियाँ चतुराई से आगे बढ़ रही थी। तब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर पहली पार्टी का नेतृत्व करते हुए दक्षिण पूर्व की ओर से लक्ष्य क्षेत्र के करीब पहुँचे, जहाँ से आतंकवादियों ने घेरा तोड़ने और भागने के प्रयास में अंधाधुंध गोलियाँ चलाई, लेकिन ऑपरेशनल पार्टियों ने बिना अपना आपा खोये आतंकवादियों को निशाना बनाया और अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया और एक आतंकवादी को मार गिराया। एक अन्य आतंकवादी बचने के लिए, उक्त क्षेत्र के दूसरी ओर छिप गया और घेरा तोड़ने के लिए दक्षिण पश्चिम की ओर से अंधाधुंध गोलीबारी करने लगा, लेकिन दूसरी ऑपरेशन पार्टी, जिसने पहले ही पोजीशन ले ली थी, ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और इस प्रकार दूसरा आतंकवादी भी मारा गया, बाद में जिसकी पहचान सैफुल्ला उर्फ दनियाल, निवासी-पाकिस्तान (एलईटी, ए-श्रेणी) और इरशाद अहमद डार, पुत्र-मोहम्मद यूसुफ डार, निवासी-त्रिचल पुलवामा (ए-श्रेणी) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सदर में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 243/2020 आगे की जांच के लिए दर्ज की गई।

इस ऑपरेशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद हसीब मुगल, पुलिस अधीक्षक शाज़ाद अहमद सलारिया, एसडीपीओ सैयद सज्जाद हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक सुरिंदर सिंह, निरीक्षक मुसीर असगर, हेड कांस्टेबल संदीप खजूरिया और जिला श्रीनगर के अन्य अधिकारियों द्वारा निभाई गई भूमिका और नेतृत्व अनुकरणीय था। उन्होंने ऑपरेशन की समाप्ति तक पुलिस और घाटी क्यूएटी सीआरपीएफ की संयुक्त ऑपरेशनल पार्टियों के बीच समन्वय स्थापित करने में एक अहम भूमिका निभाई। इन अधिकारियों ने ऑपरेशनल रणनीति जैसे कि आस-पास के नागरिकों को निकालने, सर्वोत्तम संभव ऑपरेशनल योजना तैयार करने, ऑपरेशनल पार्टियों के जीवन को प्राथमिकता देने और बिना किसी क्षति के आतंकवादियों पर हमला करने आदि को अपनाकर ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री मोहम्मद हसीब मुगल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शाज़ाद अहमद सलारिया, पुलिस अधीक्षक, सैयद सज्जाद हुसैन, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, सुरिंदर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, मुसीर असगर, निरीक्षक और संदीप खजूरिया, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/94/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 344-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रमीज राजा	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	विकार यूनुस	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	रियाज़ अहमद गनार्ई	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	शब्बीर अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.03.2019 को, बरामूला पुलिस को विश्वसनीय स्रोत के माध्यम से गांव बंदी-पाईन में निंगली नाला के किनारे पर स्थित एक परित्यक्त सरकारी भवन में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त हुई। यह भी पता चला कि आतंकवादी चुनावी प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने और उसे पटरी से उतारने की योजना बना रहे हैं। विभिन्न स्रोतों से इस खुफिया सूचना की तत्काल पुष्टि की गई। बरामूला पुलिस, सेना की 52 एवं 29 आरआर और सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन द्वारा एक विस्तृत और निर्णायक ऑपरेशन की योजना तैयार की गई। लक्षित क्षेत्र की तुरंत घेराबंदी कर दी गई।

छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और ऑपरेशनल पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों द्वारा फेंके गए ग्रेनेड के परिणामस्वरूप सेना का एक अधिकारी और 29 आरआर का एक जवान घायल हो गया।

आतंकवादियों का सफाया करने के लिए पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया। टीम "ए" का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक रमीज राजा ने किया, जिसमें उप निरीक्षक रियाज़ अहमद गनार्ई, हेड कांस्टेबल नासिर अहमद, एस.जी.सीटी. इचपाल सिंह, एस.जी.सीटी. आशिक हुसैन, एस.जी.सीटी. मुजफ्फर अहमद, एसपीओ परमीत सिंह, एसपीओ मोहम्मद अफजल, एसपीओ राजा मजीद, एसपीओ गुलाम हसन और एसपीओ सफीर अहमद शामिल थे। टीम "बी" का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) पट्टन जफर मेंहदी और पुलिस उपाधीक्षक विकार यूनुस ने किया, जिसमें एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी. मुबाशिर जहूर, सिपाही जावेद अहमद, सिपाही कुर्शीद अहमद, सिपाही उजैर अहमद, एसपीओ शब्बीर अहमद, एसपीओ हिलाल अहमद और एसपीओ फयाज अहमद शामिल थे। इन दोनों टीमों को शुरू में आस-पास के घरों और अस्पताल में फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम सौंपा गया।

सफल निकासी के बाद, टीम "ए" सेना की टीम के साथ दक्षिण की ओर से लक्षित भवन के करीब पहुंच गई, जबकि टीम "बी" उत्तर की तरफ से लक्षित भवन के करीब पहुंची। टीम "ए" ने अपनी व्यक्तिगत जान की परवाह किए बिना कमरे में धावा बोल दिया और एक आतंकवादी को मार गिराया, जबकि दूसरा आतंकवादी बचकर बगल वाले कमरे में चला गया। टीम "बी" ने टीम "ए" और बाहरी घेरे को मजबूती प्रदान करने वाले बलों के साथ उच्च स्तरीय समन्वय बनाए रखा और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना उक्त कमरे में प्रवेश किया तथा आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, अमीर रसूल काबू, पुत्र गुलाम रसूल काबू, निवासी आरामपोरा सोपोर बरामूला (एलटी) और साबिर भाई उर्फ कारी, निवासी पाकिस्तान जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादी संगठन के रूप में की गई। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन चंदूसा में आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 04/2019 दर्ज है। यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि मारे गए ये आतंकवादी काफी लंबे समय से बरामूला जिले में सक्रिय थे और उन्होंने वहां पर आतंक फैला रखा था। वे अत्यधिक प्रशिक्षित थे और आईईडी बनाने में माहिर थे।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री रमीज राजा, पुलिस उपाधीक्षक, विकार यूनुस, पुलिस उपाधीक्षक, रियाज़ अहमद गनार्ई, उप निरीक्षक और शब्बीर अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शामिल करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/95/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 345-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	गुरिंदरपाल सिंह, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	समीर हुसैन डॉर	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मंजूर अली खान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.05.2020 को कुलगाम पुलिस को ग्राम खुद हंजीपोरा डी.एच. पोरा में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में एक विशेष सूचना प्राप्त हुई। कुलगाम पुलिस ने 34 आरआर और 18वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ मिलकर उक्त गांव की घेराबंदी कर दी और घर-घर की तलाशी करने का ऑपरेशन शुरू किया। श्री गुरिंदरपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में अन्य साथियों के साथ प्रारंभिक पार्टी लक्षित घर में पहुंची। निरीक्षक विशाल शूर और उप निरीक्षक अब्दुल रशीद, एसएचओ मंजूरगाम के नेतृत्व में एक अन्य पार्टी ने 34 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के एस्काई/समकक्ष अधिकारियों के साथ मिलकर उस क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। प्रारंभिक घेराबंदी कर लेने और इस बात की पुष्टि हो जाने पर कि आतंकवादी लक्षित घर में छिपे हुए हैं, उक्त गांव में घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। लक्षित घर को घेर लिया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। तलाशी के दौरान, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टी को जान से मारने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आगे बढ़ रही सर्च पार्टियों द्वारा गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया गया। भयंकर लड़ाई शुरू हो गई, जो काफी देर तक चलती रही। रणनीतिक योजना कारगर साबित हुई, तथापि रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। लेकिन, ऑपरेशनल पार्टी मौके पर ही डटी रही और उसने अलग-अलग दिशाओं से लक्षित क्षेत्र में घुसकर दो आतंकवादियों को मार गिराया।

पुलिस अधीक्षक कुलगाम की समग्र कमान में पुलिस घटक, विशेष रूप से एस.जी.सीटी. समीर हुसैन डॉर और सिपाही मंजूर अली खान ने सामंजस्य बनाए रखते हुए अपने व्यक्तिगत जीवन की सुरक्षा और संरक्षा की परवाह किए बिना 02 खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने में अनुकरणीय भूमिका निभाई, जिनकी पहचान बाद में आदिल अहमद वानी (ए-श्रेणी), पुत्र अब्दुल हमीद वानी, निवासी जामनगरी, शोपियां और शाहीन अहमद थोकर (सी-श्रेणी), पुत्र बशीर अहमद थोकर, निवासी पांडुशन, शोपियां के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन मंजूरगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25 एवं 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 19, 20, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 25/2020 दर्ज है और जांच चल रही है।

ये आतंकवादी स्थानीय ओजीडब्ल्यू के समर्थन से एक साथ मिलकर कार्य कर रहे थे और सुरक्षा बलों पर हमला करने की योजना बना रहे थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन आतंकवादियों में युवाओं को आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की क्षमता थी। इन दोनों आतंकवादियों की मृत्यु, संबंधित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की संरचनात्मक और कार्यात्मक इकाई के लिए एक बड़ा झटका थी, जिनके कारण दक्षिण कश्मीर में रह रहे सेवार्त पुलिस अधिकारियों और अन्य सुरक्षा बल कर्मियों पर दबाव बना हुआ था। ये दोनों आतंकवादी कई आपराधिक मामलों में शामिल थे।

इस ऑपरेशन के दौरान कुलगाम पुलिस द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय है। ऐसी परिस्थितियों में, जब पूरे देश में लॉकडाउन लगा हुआ था और सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा था, प्रभावी ढंग से घेराबंदी करने में कमान, नियंत्रण और ऑपरेशनल कौशल एक बड़ी चुनौती थी। जमीनी स्तर पर कानून एवं व्यवस्था तंत्र भी प्रभावी था, जिसने किसी भी तरह की भीड़ को उमड़ने नहीं दिया।

लगातार सफल ऑपरेशनों ने आतंकवादियों को अपनी जान बचाने के लिए बैक फुट पर डाल दिया है। उपर्युक्त अधिकारियों के साथ-साथ जिला कुलगाम के अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों से अपनी तरफ किसी क्षति के बिना 02 खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ इस विशेष ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री गुरिंदरपाल सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, समीर हुसैन डॉर, एस.जी.सीटी. और मंजूर अली खान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/97/11/2022-पीएमए)

एस. एस. समी  
अवर सचिव

सं. 346-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	शब्बीर अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	सदाम हुसैन शाह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सरताज अहमद डॉर	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.11.2020 को, गांव लालपोरा चटलाम पंपोर में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में प्राप्त एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर, अवंतीपोरा पुलिस द्वारा सेना की 50 आरआर, सीआरपीएफ की 110वीं और 185वीं बटालियन की सहायता से उक्त गांव में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। उक्त गांव की दक्षिणी दिशा में एक झील है और अन्य तीन दिशाओं से यह गांव घनी आबादी से घिरा हुआ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा, श्री ताहिर सलीम, सीओ 50 आरआर, सीओ 110वीं बटालियन और 185वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा सूचना का विश्लेषण करने के बाद और सभी प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक कार्रवाई योग्य योजना तैयार की गई। स्थिति के सभी पहलुओं का विश्लेषण करने के बाद, लगभग 1700 बजे घेराबंदी कर दी गई।

जब घेराबंदी की जा रही थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ताहिर सलीम खान, हेड कांस्टेबल शब्बीर अहमद, हेड कांस्टेबल सदाम हुसैन शाह और एस.जी.सीटी. सरताज अहमद डॉर के नेतृत्व वाली एक छोटी घेराबंदी पार्टी को चोट पहुंचाने और घेराबंदी को तोड़कर वहां से भागने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उपर्युक्त घेराबंदी/हमलावर पार्टी द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिससे आतंकवादी घेराबंदी को नहीं तोड़ सके और उन्हें वापस घेराबंदी वाले क्षेत्र में धकेल दिया गया। तथापि, छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी के दौरान, दो आम नागरिक घायल हो गए। वहां पर चल रही मुठभेड़ के दौरान खुद को आसन्न खतरे में डालकर ऑपरेशनल/हमलावर पार्टी अंधेरे में आगे बढ़ी तथा घायल आम नागरिकों को बाहर निकाला और उन्हें उप-जिला अस्पताल पंपोर में शिफ्ट कर दिया, जहां उनकी हालत स्थिर थी। घायल आम नागरिकों की पहचान 1) अबिद अहमद मीर, पुत्र अब्दुल हमिद, निवासी मीज पंपोर और 2) किरफायत अहमद भट्ट, पुत्र गुलजार अहमद, निवासी चटलाम पंपोर के रूप में की गई। अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करके लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। अंधेरा होने के कारण तलाशी रोक दी गई, तथापि लाइटिंग की समुचित व्यवस्था की गई और ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी गई, ताकि आतंकवादी अंधेरे में भाग न सकें। रात के समय आतंकवादियों ने ऑपरेशनल/घेराबंदी पार्टी पर गोलाबारी करके घेराबंदी को तोड़ने और वहां से भागने के लिए दो बार प्रयास किया, तथापि उपर्युक्त अधिकारियों के नेतृत्व में उसी टीम ने उनकी गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप लक्षित घेराबंदी वाले क्षेत्र से आतंकवादियों को भागने से रोक दिया गया। अगले दिन 06 नवंबर, 2020 को लगभग 0600 बजे तलाशी फिर से शुरू की गई। सर्च/हमलावर पार्टी ने लक्षित क्षेत्र के आस-पास के घरों से आम नागरिकों को बाहर निकालने के कार्य को प्राथमिकता दी। उपर्युक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के नेतृत्व वाली पार्टी ने किसी परिणाम की परवाह किए बिना, अपने आप को आसन्न खतरे में डालते हुए, लक्षित क्षेत्र के आस-पास के घरों के सभी निवासियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। छिपे हुए आतंकवादियों को भी अपने हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया। लेकिन, इसके बजाय झाड़ियों में छिपे हुए आतंकवादी ने सर्च/हमलावर पार्टी पर गोली चला दी, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप वहां पर छिपा हुआ एक आतंकवादी मौके पर ही मारा गया।

ऑपरेशनल/हमलावर पार्टी आगे बढ़ी और देखा कि एक आतंकवादी लक्षित क्षेत्र में स्थित एक घर के बाहर वांशरूम में छिपा हुआ है। उसे बार-बार घोषणाओं के माध्यम से आत्मसमर्पण करने का एक बार पुनः अवसर दिया गया, जिसका उसने जवाब दिया और एक सावधानीपूर्वक सुरक्षा ड्रिल के बाद, वहां छिपा हुआ आतंकवादी वांशरूम के अंदर अपना हथियार/गोला-बारूद डालने के बाद वांशरूम से बाहर आया और उसने ऑपरेशनल/हमलावर पार्टी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादी की पहचान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के ख्वा र सुल्तान मीर, पुत्र मोहम्मद सुल्तान मीर, निवासी दंगवल पंपोर के रूप में की गई। तलाशी जारी रहने के दौरान, ऑपरेशनल/हमलावर पार्टी द्वारा घेराबंदी/लक्षित क्षेत्र की दलदली भूमि में छिपे हुए आतंकवादी की एक संदिग्ध गतिविधि देखी गई। फिर से घोषणाएं की गईं और उसे अपने हथियार/गोला-बारूद डालने और आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया। लेकिन, आत्मसमर्पण करने के बजाय, आतंकवादी ने ऑपरेशनल/हमलावर पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, तथापि, उपर्युक्त अधिकारियों के नेतृत्व में हमलावर पार्टी सुनियोजित तरीके से आगे बढ़ी और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की तथा बंदूक की एक संक्षिप्त लड़ाई के बाद दूसरे आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में (1) विदेशी आतंकवादी उमर भाई, निवासी पाकिस्तान, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन (श्रेणी-ए+) और (2) विदेशी आतंकवादी हुजैफा, निवासी पाकिस्तान (एलईटी) (श्रेणी-ए) के रूप में की गई। इस प्रकार, 24 घंटे तक चली बंदूक की लड़ाई अपनी तरफ किसी क्षति के बिना समाप्त हुई। मारे गए/आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। इस आशय का एक आपराधिक मामला पुलिस स्टेशन पंपोर में आईपीसी की धारा

307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 एवं 38 के तहत एफआईआर संख्या 90/2020 के रूप में दर्ज है और जांच चल रही है।

दो विदेशी आतंकवादियों की मृत्यु और अन्य स्थानीय आतंकवादियों का आत्मसमर्पण/गिरफ्तारी पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। विदेशी आतंकवादियों के खात्मे से विशेष रूप से पंपोर बेल्ट में विदेशी आतंकवादियों के आतंकी ढांचे को काफी हद तक क्षति पहुंची।

इस ऑपरेशन में, सर्व/ श्री शब्बीर अहमद, हेड कांस्टेबल, सदाम हुसैन शाह, हेड कांस्टेबल और सरताज अहमद डॉर, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शामिल करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/98/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 347-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	नवाज़ अहमद	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	साकिब गनी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	जहूर अहमद	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	खुर्शीद अशरफ लोन	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.10.2020 को एक विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद, पुलवामा पुलिस ने 50 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन की सहायता से गांव हकरीपोरा पुलवामा में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। तेजी से कार्रवाई करते हुए, सभी आंतरिक सड़कों, गलियों और पगडंडियों को बंद कर दिया गया। हमले को अंजाम देने के लिए, संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी हेतु दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया, जिसमें से एक टीम का नेतृत्व श्री नवाज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी काकापोरा और दूसरी टीम का नेतृत्व श्री साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक पीसी पुलवामा द्वारा किया गया और सहायक उप निरीक्षक जहूर अहमद, एस.जी.सीटी. खुर्शीद अशरफ लोन तथा 50 आरआर की पार्टी/सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन द्वारा उन्हें सहायता प्रदान की गई।

जैसे ही श्री नवाज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी काकापोरा के नेतृत्व में सर्च पार्टी ने किसी मुश्ताक अहमद वानी, पुत्र गुलाम कादिर वानी, निवासी हकरीपोरा के घर में प्रवेश किया, तभी उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और वहां से बचकर भागने के लिए सर्च पार्टी पर एक ग्रेनेड फेंका और उसके बाद अंधाधुंध गोलाबारी की। तथापि, सर्च पार्टी ने तुरंत कवर ले लिया और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादी रक्षात्मक होने के लिए मजबूर हो गए। श्री साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक पीसी पुलवामा के नेतृत्व में एक अन्य सर्च पार्टी तुरंत हरकत में आई और उसने प्रारंभिक सर्च पार्टी को सुरक्षित कवर प्रदान करने के लिए आंतरिक घेराबंदी में पोजीशन ले ली। आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा के पर्यवेक्षण में एक पुलिस दल ने घेराबंदी क्षेत्र में फंसे सभी आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने शुरुआती सर्च पार्टी को लक्षित घर से बाहर आने के लिए कहा और आंतरिक घेराबंदी में मौजूद दूसरी पार्टी को उन्हें कवर फायरिंग देने का निर्देश दिया गया, ताकि वे लक्षित घर से सुरक्षित बाहर निकल सकें।

लक्षित घर से बाहर आने के बाद, प्रारंभिक सर्च पार्टी के प्रभारी ने आंतरिक घेराबंदी में तैनात संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल पार्टियों को लक्षित घर के अंदर आतंकवादियों की मौजूदगी/गतिविधि के संबंध में जानकारी प्रदान की। इसके बाद, ऑपरेशनल कमांडर (पुलिस अधीक्षक पुलवामा) ने छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय सैन्य दस्तों पर ग्रेनेड फेंके तथा उसके बाद भारी गोलीबारी भी की, जिसमें उपर्युक्त पुलिस पार्टियां बाल-बाल बच गईं। तथापि, उपर्युक्त संयुक्त पार्टियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना, गोलीबारी का सामना रहकर प्रभावी ढंग से जवाब दिया और वे वहां छिपे हुए एलईटी संगठन के



आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहीं, जिनकी पहचान बाद में तुराब उर्फ छोदू (एफटी), निवासी पाकिस्तान, अनवर हमजा (एफटी), निवासी पाकिस्तान और नाजिम अहमद राथर, पुत्र स्वर्गीय अब्दुल अहद राथर, निवासी हकरीपोरा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 243/2020 दर्ज है और जांच चल रही है।

इस ऑपरेशन में पुलिस उपाधीक्षक नवाज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक साकिब गनी, सहायक उप निरीक्षक जहूर अहमद और एस.जी.सीटी. खुशीद अशरफ लोन ने शुरू से अंत तक अहम भूमिका निभाई। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद, उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना सामने रहकर बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई मौका नहीं दिया। उनकी सतर्कता, समर्पण और साहस के कारण ही इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री नवाज़ अहमद, पुलिस उपाधीक्षक, साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक, जहूर अहमद, सहायक उप निरीक्षक और खुशीद अशरफ लोन, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/99/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 348-ग्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	फुरकान कादिर	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	सरफराज अहमद डॉर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	ओबैद अहमद	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	फयाज़ अहमद डूंड	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.12.2020 को, श्री आशीष मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा को गांव टिकेन बटपोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष सूचना प्राप्त हुई और 55 आरआर तथा 182वीं बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। तेजी से कार्रवाई करते हुए, पुलिस अधीक्षक पुलवामा की कमान में और अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, एसडीपीओ लिट्टर, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) पुलवामा, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय पुलवामा और पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा की सहायता से पुलवामा पुलिस, 55 आरआर और 182वीं बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीम तत्काल गांव टिकेन बटपोरा की ओर चल पड़ी। लक्षित स्थान पर पहुंचने के बाद, सभी प्रवेश/निकास स्थलों पर पार्टियों द्वारा संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया तथा रास्तों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। इसी बीच, श्री अतुल कुमार गोयल, पुलिस उप महानिरीक्षक एसकेआर अनंतनाग भी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंच गए। इसके बाद, लक्षित स्थान की तलाशी करने के लिए श्री फुरकान कादिर, पुलिस उपाधीक्षक एसडीपीओ लिट्टर के नेतृत्व में निरीक्षक सरफराज अहमद डॉर, एस.जी.सीटी. ओबैद अहमद, एस.जी.सीटी. फयाज़ अहमद डूंड और 55 आरआर तथा 182वीं बटालियन सीआरपीएफ की टुकड़ियों को शामिल करके एक पुलिस दल का गठन किया गया। जैसे ही संयुक्त तलाशी दल ने टिकेन बटपोरा के मोहम्मद सादिक लोन, पुत्र अब्दुल गफ्फार लोन के आवासीय घर में प्रवेश किया, उसमें छिपे हुए आतंकवादियों ने एक ग्रेनेड फेंका और उसके बाद घेरे को तोड़ने तथा वहां से बचकर भाग निकलने के लिए उन्होंने सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी की। तलाशी दल ने अपनी एकाग्रता खोए बिना तुरंत कवर ले लिया और समर्पण के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादी रक्षात्मक होने के लिए मजबूर हो गए। दोनों ओर से हो रही गोलीबारी के दौरान, किसी जमीर सादिक लोन, पुत्र मोहम्मद सादिक लोन, निवासी टिकेन बटपोरा के पैर में गोली लग गई, तथापि, उन्हें इलाज के लिए सैन्य दस्ते द्वारा तत्काल जिला अस्पताल पुलवामा में शिफ्ट कर दिया गया।

जब सेब के बागानों से घिरे हुए घनी आवादी वाले क्षेत्र में ऑपरेशन शुरू हुआ, तब वहां आम नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी। किसी भी नागरिक को हताहत होने से बचाने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को

बाहर निकालने के उद्देश्य से एक पुलिस टीम का गठन किया। निर्देशों के अनुसार, गठित टीम ने अपनी तरफ किसी क्षति के बिना सभी आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को ठीक तरह से बंद कर दिया गया। निर्णायक हमला शुरू करने से पहले, वहां छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बदले वहां पर तैनात सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी और इस प्रकार उन्होंने मौके से भागने का एक और प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

घिरे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने पुलिस, सीआरपीएफ तथा सेना की 04 संयुक्त टीमों का गठन किया और उन्हें पुलिस अधिकारियों के प्रभार में रखा। श्री तनवीर अहमद, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में पहली टीम को लक्षित घर के उत्तरी हिस्से में पोजीशन लेने के लिए कहा गया, श्री फुरकान कादिर, पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में दूसरी टीम को पूर्वी दिशा में पोजीशन लेने के लिए कहा गया, जबकि निरीक्षक सरफराज अहमद डॉर के नेतृत्व में तीसरी टीम और श्री साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक पीसी पुलवामा के नेतृत्व में चौथी टीम को क्रमशः लक्षित घर के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में पोजीशन लेने का निर्देश दिया गया। सभी चारों संयुक्त टीमों ने पुलिस उप महानिरीक्षक एसकेआर अतंतनाग और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के निर्देश पर मोर्चा संभाल लिया। स्थिति का जायजा लेने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का एक बार फिर अवसर प्रदान किया, जिससे उन्होंने पूरी तरह से इनकार कर दिया और पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी तथा बचकर पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र के बीच में से भागने का प्रयास किया, तथापि, श्री फुरकान कादिर, पुलिस उपाधीक्षक और निरीक्षक सरफराज अहमद डॉर के नेतृत्व में संयुक्त पार्टियां तुरंत हरकत में आईं और सामने से बहादुरी के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए, जबकि एक अन्य आतंकवादी अत्यधिक घबराहट में वापस लौट गया और बचकर उत्तर-पश्चिम दिशा के बीच में से भागने का प्रयास किया, लेकिन वहां तैनात सतर्क संयुक्त पार्टियां तुरंत हरकत में आईं और उन्होंने तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। मारे गए आतंकवादी अल-बदर आतंकी संगठन से जुड़े हुए थे, जिनकी पहचान बाद में, मेहराज-उद-दीन लोन, पुत्र बशीर अहमद लोन, निवासी अरिगम पुलवामा, उमर अली मीर, पुत्र स्वर्गीय अली मोहम्मद, निवासी ददसारा त्राल पुलवामा और उमर फारूक नजर, पुत्र फारूक अहमद, निवासी सुगन, जिला शोपिया के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, आईपीसी की धारा 302 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 289/2020 दर्ज है और जांच चल रही है।

पुलिस उपाधीक्षक फुरकान कादिर, निरीक्षक सरफराज अहमद डॉर, एस.जी.सीटी. ओबैद अहमद और एस.जी.सीटी. फयाज अहमद टूंड ने इस ऑपरेशन में शुरू से अंत तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद, उन्होंने अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी और घिरे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई मौका नहीं दिया। उनकी सतर्कता, समर्पण और साहस के कारण ही यह ऑपरेशन सफल हुआ।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री फुरकान कादिर, पुलिस उपाधीक्षक, सरफराज अहमद डॉर, निरीक्षक, ओबैद अहमद, एस.जी.सीटी. और फयाज अहमद टूंड, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/101/11/2022-पीएमए)

एस. एस. समी  
अवर सचिव

सं. 349-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सज्जाद अहमद शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	सैयद सज्जाद हुसैन	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	साहिल महाजन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
4	कुलवंत सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	जाकिर हुसैन	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.08.2020 को लगभग 2125 बजे, स्कूटी सवार 03 आतंकवादियों ने श्रीनगर के पंथा चौक पर पुलिस/सीआरपीएफ की संयुक्त नाका पार्टी पर गोलीबारी की और हमले के तुरंत बाद, आतंकवादियों ने मौके से भागकर डोभी मोहल्ला, पंथा चौक, श्रीनगर में शरण ले ली। पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर के नेतृत्व में पुलिस/सुरक्षा बलों द्वारा तत्काल उक्त क्षेत्र में घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया, जिसमें डॉ. एम. हसीब मुगल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर की समग्र निगरानी में पुलिस उपाधीक्षक साहिल महाजन और पुलिस उपाधीक्षक श्री शरद तथा उनकी ऑपरेशनल पार्टियां, श्री सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक, साउथ जोन श्रीनगर के नेतृत्व में साउथ जोन सिटी श्रीनगर की पुलिस पार्टी, पुलिस उपाधीक्षक सैयद सज्जाद हुसैन, एसडीपीओ पंथा चौक के नेतृत्व में वेस्ट जोन सिटी श्रीनगर की पुलिस पार्टी और पुलिस स्टेशन पंथा चौक/नौगाम श्रीनगर के क्षेत्राधिकार में आने वाली अन्य पुलिस पार्टियां शामिल थीं। पुलिस/वैली क्यूएटी सीआरपीएफ पार्टी और सेना (20 आरआर) की नफरी ने उक्त क्षेत्र में घर-घर तलाशी शुरू की और अंत में वे मोहम्मद यूसुफ डार, पुत्र अब्दुल करीम डार, निवासी डोभी मोहल्ला पंथा चौक, श्रीनगर के आवासीय घर को चिह्नित करने में सफल रहे, जिसमें पंथा चौक श्रीनगर में नाका पार्टियों पर हमला करने के बाद आतंकवादियों ने शरण ले रखी थी। इस बीच, चिह्नित लक्षित घर को घेराबंदी पार्टियों द्वारा घेर लिया गया।

डॉ. एम. हसीब मुगल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला श्रीनगर के समग्र पर्यवेक्षण में, श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर द्वारा ऑपरेशनल एसओपी के अनुसार तत्काल एक ऑपरेशनल योजना तैयार की गई और तदनुसार पूरी नफरी को दो पार्टियों में बांट दिया गया। पहली पार्टी में पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर (एसओजी कार्गो श्रीनगर) शामिल था, जिसका नेतृत्व श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर ने किया और पीसी श्रीनगर/वैली क्यूएटी की अन्य ऑपरेशनल पार्टियों, सीआरपीएफ श्रीनगर, सेना (20 आरआर) की पर्याप्त नफरी के साथ पुलिस उपाधीक्षक शरद तथा अन्य कार्मिकों ने इस पार्टी को सहायता प्रदान की और इसे लक्षित घर की आंतरिक घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। दूसरी पार्टी में साउथ जोन/वेस्ट जोन श्रीनगर शहर की पुलिस पार्टियां और श्री सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक साउथ जोन श्रीनगर के नेतृत्व में जिला श्रीनगर की ऑपरेशनल क्यूएटी और साउथ/वेस्ट जोन/जिला श्रीनगर की अन्य पुलिस पार्टियां तथा वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ श्रीनगर एवं सेना (20 आरआर) की पर्याप्त नफरी शामिल थी और इसे लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

छिपे हुए आतंकवादियों ने हथगोले फेंके और आगे बढ़ रही पार्टी की ओर गोलीबारी की तथा आतंकवादियों और सुरक्षा बलों/पुलिस पार्टियों के बीच हुई भारी गोलीबारी में, पुलिस घटक श्रीनगर के सहायक उप निरीक्षक बाबू राम नामक पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्होंने शहादत प्राप्त की।

बाद में, इंटरवेंशन पार्टी को पीछे की ओर से और साथ ही साथ सामने की ओर से भी लक्षित घर की ओर भेजने का निर्णय लिया गया। जैसे ही पहली पार्टी ने पीछे की ओर से घर में घुसने की कोशिश की, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने एक खिड़की से ग्रेनेड फेंके, लेकिन इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि उनकी ओर जा रही पार्टी चतुराई से आगे बढ़ रही थी। श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर तथा पीसी श्रीनगर के पुलिस उपाधीक्षक साहिल महाजन और पुलिस उपाधीक्षक शरद अपनी टीमों के साथ रेंगते हुए उस घर की खिड़की के पास पहुंचे, जहां से आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंके थे/गोलीबारी की थी। आतंकवादियों ने पहली मंजिल की पिछली खिड़की खोली और घेराबंदी को तोड़कर लक्षित घर के पीछे की ओर से भागने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस समय, श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर तथा पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर के पुलिस उपाधीक्षक साहिल महाजन, पुलिस उपाधीक्षक शरद, हेड कांस्टेबल सलीम यूसुफ खान, एस.जी.सीटी. लक्ष्मण चंद, एस.जी.सीटी. सुशील बाली, एस.जी.सीटी. अमर जामवाल एवं सिपाही जावेद-उन-नबी बानी रेंगते हुए लक्षित घर के करीब पहुंचे और उन्होंने अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से जवाबी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए। तीसरा आतंकवादी, बचने के लिए, उक्त लक्षित घर की पहली मंजिल में छिप गया और उसने घेराबंदी को तोड़ने के लिए लक्षित घर की पहली मंजिल की गैलरी से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन दूसरी पार्टी, जिसमें श्री सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक साउथ जोन श्रीनगर, पुलिस उपाधीक्षक सैयद सज्जाद हुसैन, एसडीपीओ पंथा चौक, निरीक्षक रफीक अहमद भट्ट, निरीक्षक मुसीर असगर खान, सहायक उप निरीक्षक कुलवंत सिंह, हेड कांस्टेबल जाकिर हुसैन और वेस्ट जोन श्रीनगर के अन्य कार्मिक शामिल थे, ने गोलीबारी का बहादुरी से जवाब दिया और दोनों ओर से हुई गोलीबारी में तीसरा आतंकवादी भी मारा गया। बाद में, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के मारे गए आतंकवादियों की पहचान साकिब बशीर खांडे, पुत्र बशीर अहमद खांडे, निवासी द्रंगबल पंपोर, पुलवामा, उमर तारिक भट्ट, पुत्र तारिक अहमद भट्ट, निवासी द्रंगबल पंपोर, पुलवामा और जुबैर अहमद शेख, पुत्र अब्दुल मजीद शेख, निवासी द्रंगबल पंपोर, पुलवामा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन पंथा चौक में आईपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 47/2020 दर्ज है।

इन आतंकवादियों का सफाया दक्षिण/मध्य कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त खूंखार आतंकवादी दक्षिण/मध्य कश्मीर के क्षेत्रों में सक्रिय थे और वे इन क्षेत्रों में विभिन्न विध्वंसक गतिविधियों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार थे। यहां यह भी उल्लेख करना है कि उपर्युक्त आतंकवादी स्थानीय युवाओं को आतंकवादी रैंकों में भर्ती करने के लिए मास्टर प्लानर/प्रेरक थे। उन्हें उनके आकाओं द्वारा शांतिप्रिय, पुलिस के हितैषी लोगों/राजनीतिक कार्यकर्ताओं को धमकाकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने, लोगों को क्षति पहुंचाने के लिए ग्रेनेड फेंकने और शांतिप्रिय लोगों में दहशत एवं आतंक पैदा करने का निर्देश दिया गया था।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक, सैयद सज्जाद हुसैन, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, साहिल महाजन, पुलिस उपाधीक्षक, कुलवंत सिंह, सहायक उप निरीक्षक और जाकिर हुसैन, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/116/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 350-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	गुरिंदरपाल सिंह, आईपीएम	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अरविंद कुमार बड़गाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	फारूक अहमद	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मंजूर अहमद मलिक	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.04.2020 को कुलगाम पुलिस को इस आशय की विशेष सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हर्दमंदगुरी में गुलाम मोहम्मद लोन, पुत्र अब्दुल खालिक लोन, निवासी हर्दमंदगुरी डी.एच. पोरा के आवासीय घर में कुछ अज्ञात आतंकवादी छिपे हुए हैं। इस सूचना के आधार पर तेजी से कार्यवाई करते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम की निगरानी में और पुलिस अधीक्षक कुलगाम की समग्र कमान/नियंत्रण में दो विशेष घेराबंदी/सच टीमें गठित की गईं, जिनका नेतृत्व श्री अरविंद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक पीसी कुलगाम, श्री आशक हुसैन डार, श्री शफात मोहम्मद नजर, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय कुलगाम, श्री जोहैब हसन, पुलिस उपाधीक्षक पीसी हातीपोरा और निरीक्षक अब्दुल अहद नजर द्वारा किया गया। इसके बाद क्षेत्र को सील करने और उसकी घेराबंदी करने के लिए एक ऑपरेशनल रणनीति तैयार की गई। प्रारंभिक दलों का नेतृत्व श्री अरविंद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक पीसी कुलगाम और श्री आशक हुसैन डार, पुलिस उपाधीक्षक ने किया, जिसमें आरआर 34 और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के समकक्ष अधिकारियों के साथ संबंधित एस्कॉर्ट भी शामिल थे। प्रारंभिक दलों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को अवरुद्ध/बंद कर दिया। प्रारंभिक घेराबंदी और इस बात की पुष्टि करने के बाद कि आतंकवादी उसी घर में छिपे हुए हैं, उक्त गांव में घेराबंदी को मजबूत करके सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

लक्षित घर के आस-पास के घरों की रणनीतिक और गहन तलाशी ली गई। श्री गुरिंदरपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में उनके सहयोगी हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद मलिक के साथ ऑपरेशनल पार्टी तथा श्री अरविंद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में उनके सहयोगी सहायक उप निरीक्षक फारूक अहमद के साथ दूसरी टीम ने सभी जोखिम उठाते हुए, वहां रह रहे आम नागरिकों को दिन के उजाले में उस जगह से बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। लक्षित घर को घेर लिया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। तलाशी के दौरान, वहां छिपे हुए आतंकियों ने ऑपरेशनल पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आगे बढ़ रही सर्च पार्टियों ने गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप वहां मुठभेड़ हो गई। गोलीबारी की भीषण लड़ाई शुरू हो गई, जो काफी देर तक चलती रही। पुलिस पार्टी ने धैर्य/सहनशीलता दिखाई और अपनी जगह से एक इंच भी पीछे नहीं हटी। इससे आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी का सहारा लेने और कई तरफ से सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए मजबूर हो गए, क्योंकि उनकी संख्या 04 थी। टीमों के बीच तालमेल और पहले की रणनीतिक योजना कारगर साबित हुई। लेकिन, उक्त अधिकारी अपने सहयोगियों के साथ मौके पर डटे रहे और उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए अलग-अलग दिशाओं से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश किया और सभी आतंकवादियों को मार गिराया।

इन अधिकारियों नामतः श्री गुरिंदरपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक कुलगाम, श्री अरविंद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, सहायक उप निरीक्षक फारूक अहमद और हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद मलिक ने हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादियों का सफाया करने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई है, जिनकी पहचान बाद में मोहम्मद अशरफ मलिक उर्फ सद्दाम, पुत्र बशीर अहमद मलिक, निवासी अरवानी बिजवेहरा, जिला अनंतनाग, शाहिद सादिक मलिक, पुत्र मोहम्मद सादिक मलिक, निवासी खुल डी.एच. पोरा, वकार अहमद ईदु, पुत्र फारूक

अहमद ईटू निवासी एचसी गाम कुलगाम और एजाज अहमद नायक, पुत्र मोहम्मद इकबाल नायक, निवासी चिमर डी.एच. पोरा (जिला कमांडर) के रूप में की गई।

मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन डी.एच.पोरा में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/25 एवं 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 18, 20, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 32/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री गुरिंदरपाल सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, अरविंद कुमार बड़गाल, पुलिस उपाधीक्षक, फारूक अहमद, सहायक उप निरीक्षक और संजूर अहमद मलिक, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/118/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 351-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अमृतपाल सिंह, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	मोहम्मद रफीक	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	हिलाल अहमद भट्ट	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मुजफ्फर अहमद नायक	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.04.2021 को, जन मोहल्ला शोपियां में डेरा डाले हुए 05 से 06 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, जो शोपियां शहर के घने आवासीय और आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जिसमें चारों ओर गलियाँ/उप-गलियाँ, दुकानें और फुटपाथ विक्रेता हैं, जिससे यह आवाजाही के लिए अत्यधिक भीड़भाड़ वाला क्षेत्र बन गया है। सूचना मिलने पर, शोपियां पुलिस द्वारा 44 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से एक संयुक्त ऑपरेशन (घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन) की योजना बनाई गई और तदनंतर यह ऑपरेशन शुरू किया गया। योजना के अनुसार, प्रारंभिक घेराबंदी पार्टी, जिसमें 44 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूएटी समेत पुलिस उपाधीक्षक पीसी केलर अपनी क्यूआरटी के साथ शामिल थे, लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ी और उसने शुरूआती घेराबंदी कर दी। घेराबंदी वाले क्षेत्र से बाहर निकाले गए लोगों से घेराबंदी के अंदर आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया गया और लक्षित विल्डिंग की पहचान की गई। इस प्रकार सभी ऑपरेशनल पार्टियों को सतर्क कर दिया गया और घेरा/कट-ऑफ बिंदुओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई, ताकि आतंकवादी इसके अंदर फंसे रहें। घेराबंदी करने वाली पार्टियों की हरकत को भांपते हुए आतंकवादियों ने एक मस्जिद में शरण ले ली। लगभग 1520 बजे, आतंकवादियों ने मस्जिद से बचकर भागने के प्रयास में घेराबंदी करने वाली पार्टियों पर गोलीबारी की और उनसे संपर्क स्थापित हो गया। संपर्क स्थापित होने की सूचना मिलते ही, ऑपरेशनल कमांडर श्री अमृतपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां अपनी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और आंतरिक घेराबंदी को मजबूत कर दिया तथा शोपियां पुलिस, 14वीं बटालियन सीआरपीएफ एवं 44 आरआर की अतिरिक्त टुकड़ियां भी पहुंच गई और उन्हें कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाहरी घेरे में तैनात कर दिया गया।

आतंकवादियों की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी, क्योंकि वे अच्छी पोजीशन में थे और खुद को मस्जिद में सुरक्षित महसूस कर रहे थे। आतंकवादियों की हरकतों और अलग-अलग तरफ से हो रही गोलीबारी से, शुरू में तीन आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पता चला और आंतरिक घेराबंदी वाली पार्टी उनकी पोजीशन का पता लगाने के लिए सतर्क हो गई, ताकि उन्हें मार गिराने का एक अच्छा अवसर मिल सके। लगभग 1715 बजे, एक आतंकवादी को देखा गया, जिसने खिड़की के टूटे हुए शीशे से भीतरी घेराबंदी की ओर गोली चलाई। इस पर, श्री अमृतपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में संयुक्त दल, जिसमें श्री शीजान भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफीक, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास, हेड कांस्टेबल अली मोहम्मद लोन और सिपाही ताहिर अहमद शाह शामिल थे, ने तत्काल उस पर भारी एवं सटीक गोलीबारी की और उसे उसी स्थान पर मार गिराया।

उसके बाद, मस्जिद के अंदर फंसे बाकी आतंकवादियों ने रुक-रुक कर भारी गोलीबारी की। यह महसूस करते हुए कि ऑपरेशन लंबा खिंच रहा है और धार्मिक भावनाओं को भड़काकर जिले में बड़े पैमाने पर अशांति/कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा की जा रही है, आंसू गैस के गोले का उपयोग करके आतंकवादियों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में शीजान भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफीक, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास, हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद भट्ट, हेड कांस्टेबल अली मोहम्मद, सिपाही ताहिर अहमद और सिपाही मुजफ्फर अहमद नायकू वाली घेराबंदी पार्टी ने खिड़की के शीशे से मस्जिद के अंदर लगातार आंसू गैस के गोले फेंकना शुरू कर दिया। इसके परिणामस्वरूप, दो आतंकवादी मस्जिद के गलियारे से बाहर निकल आए और उन्होंने चुपके से बाहर निकलने के प्रयास में सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, तथापि घेराबंदी पार्टी ने भी सटीक और भारी गोलीबारी करके उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसके कारण वे वहां से भाग नहीं सके और बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान दोनों आतंकवादियों को तुरंत मस्जिद के प्रवेश द्वार पर मार गिराया गया।

उसके बाद, मस्जिद के मौलवी और कुछ सम्माननीय व्यक्तियों को आतंकवादियों के कुछ रिश्तेदारों के साथ मस्जिद के अंदर जाने के लिए बुलाया गया, ताकि बाकी आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए समझाया जा सके। लेकिन, उन्होंने मना कर दिया और आतंकवादियों ने उन्हें भगा दिया, तथापि, उनसे आगे यह जानकारी मिली कि मस्जिद के अंदर दो और आतंकवादी हैं तथा उन्होंने भूतल पर सुरक्षित पोजीशन ले रखी है। संयुक्त ऑपरेशनल पार्टियों ने उनके छिपने की दिशा में फिर से आंसू गैस के गोले और चिली ग्रेनेड/शेल दागने शुरू कर दिए, लेकिन दोनों आतंकवादियों ने अलग-अलग खिड़कियों के शीशे से रुक-रुक कर गोलीबारी की। उन्हें मस्जिद से बाहर निकालने और मस्जिद की सुरक्षा के लिए आंसू गैस के गोले तथा चिली शेल के भारी और सतर्क उपयोग के बावजूद, धुंए का गोला फेंकने के उद्देश्य से मस्जिद की सीढ़ी, जो मस्जिद का हिस्सा नहीं है, की तरफ एक छोटा सा छेद बनाने का फैसला किया गया, ताकि इनका प्रभावी उपयोग किया जा सके। लेकिन ग्रेनेड के प्रभावी न दिखाई पड़ने पर, कमरे के अंदर बनाए गए छेद से हैंड ग्रेनेड फेंके गए और उसके बाद आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई।

तत्पश्चात, एक संयुक्त तलाशी दल का गठन किया गया और किसी भी छिपे हुए आतंकवादी के प्रति उचित सावधानी बरतते हुए गहन तलाशी ली गई तथा हथियारों के साथ आतंकवादियों के पांच शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के आदिल अहमद लोन, पुत्र मोहम्मद याकूब लोन, निवासी खासीपोरा शोपियां, एजीयूएच संगठन के मुजम्मिल मंजूर तांत्रे, पुत्र मंजूर अहमद तांत्रे, निवासी रामनगरी शोपियां, हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के बासिक इस्माइल बक्शी, पुत्र मोहम्मद इस्माइल बक्शी, निवासी रामनगरी शोपियां, एजीयूएच संगठन के मोहम्मद युनिस खांडे, पुत्र गुलाम मोहम्मद खांडे, निवासी बोनपोरा रतसुना त्राल और एजीयूएच संगठन के खाशिफ अहमद मीर, पुत्र बशीर अहमद मीर, निवासी मीर मोहल्ला दादासोरा त्राल के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 68/2021 दर्ज है।

श्री अमृतपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफीक, हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद भट्ट और सिपाही मुजफ्फर अहमद नायकू, जो आतंकवादियों के साथ दक्षतापूर्वक और बुद्धिमानी से लड़ाई लड़े और खुद को अत्यधिक जोखिम में डाल दिया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे लोगों को बाहर निकालने का साहस दिखाया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अमृतपाल सिंह, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद रफीक, सहायक उप निरीक्षक, हिलाल अहमद भट्ट, हेड कांस्टेबल और मुजफ्फर अहमद नायकू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/04/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/120/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 352-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री संजीव सिंह	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.11.2020 को, शोपियां पुलिस को गांव कुटपोरा शोपियां में अल-बद्र संगठन के कुछ आतंकवादियों की आवाजाही के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। सूचना के अनुसार, आतंकवादी आम जनता को भयभीत करने के लिए क्षेत्र में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। उक्त गांव, जो अपनी भौगोलिक स्थिति/आतंकवादियों के समर्थन आधार के मद्देनजर आतंकवाद की दृष्टि से बहुत संवेदनशील था, इसलिए ऐसे क्षेत्र में कोई ऑपरेशन चलाना पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक कठिन कार्य था।

इस सूचना को 34 आरआर/178 वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया था और श्री अमृतपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में विभिन्न दिशाओं से लक्षित क्षेत्र को कवर करने के लिए एक संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद, लक्षित क्षेत्र की तलाशी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद भट, एस.जी.सीटी. संजीव सिंह, एस.जी.सीटी. तारिक हुसैन, एस.जी.सीटी. रियाज अहमद, एस.जी.सीटी. जहूर अहमद, एस.जी.सीटी. शब्बीर अहमद, सिपाही रियाज अहमद, सिपाही सज्जाद अहमद, एसपीओ दर्शन लाल, एसपीओ राजिंदर सिंह, एसपीओ राजा रमीज खान, एसपीओ फारूक अहमद, 34 आरआर और 178वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ पुलिस की टीमों का गठन किया गया। तलाशी अभियान के दौरान, तलाशी दलों द्वारा लक्षित क्षेत्र को चिन्हित किया गया/घेर लिया गया।

छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टियों की हरकत को भांपते हुए, उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं, जिसमें वे बाल-बाल बचे। सर्व पार्टियों ने तुरंत कवर लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। तथापि, यह देखा गया कि कुछ नागरिक घेराबंदी वाले इलाके में फंसे हुए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में उपर्युक्त सुरक्षा कर्मियों सहित सर्व पार्टियों ने फंसे हुए नागरिकों को निकालने की जिम्मेदारी ली। कई प्रयासों के बाद, वे फंसे हुए लगभग बीस नागरिकों को बचाने में सफल रहे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले गए।

निर्णायक हमला शुरू करने से पहले, घेराबंद किए गए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था, जिसे उन्होंने मना कर दिया और इसके बजाय उन्होंने भारी गोलीबारी की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुरक्षा बलों की ओर दो हथगोले भी फेंके। उपर्युक्त टीमों ने उन्हें मारने के लिए लक्ष्य की ओर बढ़ीं। उपर्युक्त हमला दल ने रेंगते हुए/चतुराई से आगे बढ़कर सभी दिशाओं से लक्ष्य को कवर किया और अपने जीवन की परवाह किए बिना साहस/बहादुरी के साथ उनकी गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। आमने-सामने की इस मुठभेड़ के दौरान, आतंकवादियों ने उत्तर पूर्व की ओर से भागने की कोशिश की, लेकिन उपर्युक्त हमला टीम ने उनके भागने को विफल कर दिया और इन दोनों आतंकवादियों को मार दिया, जिनकी पहचान बाद में इरफान अहमद थोकर, पुत्र मोहम्मद इशाक थोकर, निवासी-कुटपोरा शोपियां (अल-बद्र संगठन) और उमर अहमद लोन, पुत्र मुश्ताक अहमद लोन, निवासी-नादिगाम शोपियां (अल-बद्र संगठन) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया, जिसका ब्यौरा संलग्न है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20, 38 और 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 313/2020 दर्ज है और जांच चल रही है।

अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना, आतंकवादियों से कुशलतापूर्वक/बुद्धिमानी से लड़ने वाले एस.जी.सीटी. संजीव सिंह द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट साहस और उनकी पेशेवर दक्षता उल्लेखनीय थी, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था।

इस ऑपरेशन में, श्री संजीव सिंह, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1138/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 353-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कर्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/ वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	नागपुरे आमोद अशोक, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	सज्जाद अहमद शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
3	मोहम्मद इरफान मलिक	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
4	सैयद नासिर हुसैन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.10.2020 को लगभग 1400 बजे, बडगाम पुलिस को चदूरा पुलिस स्टेशन के गांव-मोचवा के विशिष्ट क्षेत्र में प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद संगठन के आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर, ऑपरेशन की योजना बनाई गई तथा 50 आरआर और सीआरपीएफ यूनिटें अर्थात् 188, 181 और डी-29 सीआरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित किया गया। योजना बनाने के दौरान, घेराबंदी और तलाशी के लिए पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की 02 संयुक्त टीमों का गठन किया गया था।

पहली गठित टीम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री नागपुरे आमोद अशोक ने किया था, जिसमें श्री लतीफ अहमद खान पुलिस उपाधीक्षक पीसी बडगाम, एस.जी.सीटी. जहांगीर अहमद, सिपाही सैयद नासिर हुसैन और अन्य को शामिल किया गया।

दूसरी गठित टीम का नेतृत्व दक्षिण श्रीनगर के पुलिस अधीक्षक श्री सज्जाद अहमद शाह ने किया, जिसमें निरीक्षक मोहम्मद इरफान मलिक, निरीक्षक आरिफ अहमद शेख, सहायक उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद और अन्य को शामिल किया गया।

दोनों संयुक्त टीमों ने लगभग 1630 बजे घेराबंदी की और जैसे-जैसे तलाशी आगे बढ़ी, यह निश्चित होता गया कि प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद संगठन के 02 आतंकवादी घेरा क्षेत्र में छिपे हुए हैं। पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री नागपुरे आमोद अशोक और उनके साथ श्री लतीफ अहमद खान-जेकेपीएस-185681 पुलिस उपाधीक्षक पीसी बडगाम, एस.जी.सीटी. जहांगीर अहमद, सिपाही सैयद नासिर हुसैन और अन्य ने किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए बच्चों और बुजुर्गों सहित नागरिकों को लक्षित घर और उसके आसपास के घरों से निकालना शुरू कर दिया। आतंकवादियों से सरेंडर करवाने के लिए लाउडस्पीकों पर बार-बार घोषणा की गई। तथापि, आत्मसमर्पण करने के बजाय, आतंकवादियों ने घेराबंदी में तैनात पार्टी पर गोलियां चलाईं, जिसके परिणामस्वरूप सेना 50 आरआर का एक जवान सिपाही राकेश कुमार तिवारी और पुलिस बडगाम के एस.जी.सीटी. गुलजार अहमद घायल हो गए, जिन्हें तुरंत वहां से निकलकर अस्पताल ले जाया गया।

श्री सज्जाद अहमद, पुलिस अधीक्षक दक्षिण श्रीनगर के नेतृत्व में सर्च पार्टी निरीक्षक मोहम्मद इरफान मलिक, निरीक्षक आरिफ अहमद शेख के साथ जैसे ही लक्षित घर की ओर बढ़ी, आतंकवादियों में से एक ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी और घेरा तोड़कर भागने की कोशिश की। तथापि, निरीक्षक मोहम्मद इरफान, निरीक्षक आरिफ अहमद शेख, सहायक उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद के साथ श्री सज्जाद अहमद, पुलिस अधीक्षक दक्षिण श्रीनगर ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, सटीक गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे लक्षित घर के मुख्य द्वार के पास एक आतंकवादी तुरंत मारा गया। तथापि, दूसरे आतंकवादी ने सर्च पार्टी पर गोलियां चलाना जारी रखा। छिपे हुए आतंकवादी से आत्मसमर्पण कराने के लिए फिर से घोषणा की गई, तथापि, आतंकवादी ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। श्री नागपुरे आमोद अशोक, पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व में सर्च पार्टी के श्री लतीफ अहमद खान, पुलिस उपाधीक्षक पीसी बडगाम, जहांगीर अहमद, एस.जी.सीटी., सैयद नासिर हुसैन, सिपाही और अन्य ने आतंकवादियों की हरकतों को भांप लिया और उस पर गोलियों की बौछार कर दी, जिससे दूसरा आतंकवादी भी मारा गया। दोनों सर्च पार्टियां लक्षित घर की ओर बढ़ीं और मारे गए दो जैश आतंकवादियों के शवों को बरामद किया, जिनकी पहचान बाद में जावेद अहमद गनी, पुत्र-गुलाम रसूल गनी, निवासी-वानपोरा पुलवामा और वलीद भाई उर्फ खालिद, निवासी-पीओके के रूप में हुई। ऑपरेशन अगले दिन सुबह सवेरे समाप्त हुआ। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन चदूरा में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20 और 38 के तहत दिनांक 27.10.2022 को एक मामलागत एफआईआर संख्या 193/2020 दर्ज की गई है।

घटना स्थल पर, मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में श्री नागपुरे आमोद अशोक, पुलिस अधीक्षक बडगाम, श्री सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक दक्षिण श्रीनगर, मोहम्मद इरफान मलिक, निरीक्षक और सैयद नासिर हुसैन, सिपाही की भूमिका शुरू से लेकर जैश-ए-मोहम्मद के दोनों आतंकवादियों के मारे जाने तक अनुकरणीय रही।

इस ऑपरेशन में, सर्वश्री नागपुरे आमोद अशोक, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद इरफान मलिक, निरीक्षक और सैयद नासिर हुसैन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/142/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव



सं. 354-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. अजय कुजूर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	स्व. देव कुमार महतो	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	स्व. कुन्दन कुमार सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
4	स्व. अजीत ओडेया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
5	स्व. परमानन्द चौधरी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
6	स्व. कृष्ण प्रसाद न्यौपाने	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.06.18 को लातेहार जिले के वारेसाड पुलिस स्टेशन के गांव-कुजुरुम के वन क्षेत्र में पुलिस और प्रतिबंधित सीपीआई-माओवादी संगठन के नक्सलियों के बीच एक मुठभेड़ हुई। यह सूचना मिलने पर, एक संयुक्त ऑपरेशन चलाने के लिए पुलिस अधीक्षक लातेहार/गढ़वा से निर्देश प्राप्त हुए। इसके आलोक में, दिनांक 25.06.18 को एक टीम का गठन किया गया और खुफिया जानकारी जुटाकर, यह दल करमडीह पुलिस पिकेट से लाटू के वन क्षेत्र से होते हुए आसन-पानी पहुंच गया। दिनांक 26.06.18 को लगभग 14:00 बजे एक भयानक विस्फोट की आवाज आई। घटनाओं के इस क्रम में टीम में शामिल पुलिस अधिकारियों और शहीद हुए सैनिकों ने उग्रवादियों द्वारा लगाई गई घात को तोड़ दिया और जोरदार जवाबी कार्रवाई करने के बाद, वे खपरी महुआ गांव की ओर चल पड़े। वहां पर उग्रवादियों ने पूर्व की ओर से घात लगाकर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप बारूदी सुरंग फटने से टीम में शामिल अधिकारी फिर से घायल हो गए। इस घटना में, अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना, पुलिस अधिकारियों ने आईईडी धमाके में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, मोर्चा नहीं छोड़ा और जोरदार जवाबी कार्रवाई की। इसके कारण माओवादियों को उस जगह को छोड़ना पड़ा और पीछे हटना पड़ा। इस ऑपरेशन में आईईडी धमाके में 06 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और कर्तव्य का निष्ठापूर्वक से निर्वहन करते हुए उन्होंने अंततः शहादत प्राप्त की।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री स्व. अजय कुजूर, सिपाही, स्व. देव कुमार महतो, सिपाही, स्व. कुन्दन कुमार सिंह, सिपाही, स्व. अजीत ओडेया, सिपाही, स्व. परमानन्द चौधरी, सिपाही, और स्व. कृष्ण प्रसाद न्यौपाने, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26/06/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/209/2019-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 355-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक(पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री सुशील दुडू	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सदर, जोरी, हंटरगंज और इटखोरी पुलिस स्टेशन के वन क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) नक्सल संगठन के सदस्यों नामतः गौतम पासवान उर्फ अरुण, जोनल कमांडर इंदल गंजू सहित उनके 25-30 सशस्त्र दस्तों की आवाजाही के संबंध में एक खुफिया इनपुट प्राप्त हुआ था। इस टीम से जुड़े अन्य स्थानीय गोरिल्ला दस्तों के सदस्यों की मौजूदगी के संबंध में भी सूचना प्राप्त हुई थी और ये लोग झारखंड-बिहार सीमा क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। ठेकेदारों और व्यापारियों से वसूली करने की मंशा से अपने संगठन के नाम पर नक्सली पोस्टरों/बैनरों के माध्यम से दहशत का माहौल बनाने में इन नक्सली सदस्यों की संलिप्तता होने के संबंध में लगातार सूचना प्राप्त हो

रही थी। उक्त सूचना के मद्देनजर, इन माओवादी दस्तों को गिरफ्तार करने के लिए दिनांक 03.01.2019 को 203 कोबरा बटालियन की दो टीमों का गठन किया गया, जिसमें टीम संख्या-01 में निरीक्षक राजेंद्र कुमार सरोज, उप निरीक्षक शिव कुमार, कोबरा बटालियन के बल और प्रशिक्षु उप निरीक्षक सुशील दुडू शामिल थे तथा टीम संख्या-02 में सहायक कमांडेंट भानु प्रसाद मीणा, सीआरपीएफ की 190वीं बटालियन के उप निरीक्षक कुणाल कुमार और सहायक उप निरीक्षक भोला शर्मा शामिल थे। दिनांक 03.01.2019 को मोक्तमा कारी और बारियो नाला के वन क्षेत्र में एक एलआरपी और तलाशी अभियान चलाया गया। दिनांक 04.01.2019 को सुबह लगभग 6:45 बजे आसनापानी वन क्षेत्र में एक तलाशी अभियान के दौरान, नक्सलियों ने अचानक पुलिस कार्मिकों पर गोलीबारी कर दी। सर्वोच्च दर्जे की वीरता, लग्न और कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस कार्मिकों द्वारा ऊंची आवाज में नक्सलियों को हथियारों के साथ आत्मसमर्पण के लिए चेतावनी संदेश दिया गया। चेतावनी के बावजूद, नक्सलियों ने पुलिस कार्मिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। आत्मरक्षा में, पुलिस कार्मिकों ने जवाबी गोलीबारी की और अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलियों द्वारा लगातार की जा रही गोलीबारी के बीच, वे नक्सलियों की ओर बढ़ गए। जंगल और पहाड़ का फायदा उठाकर नक्सली भागने लगे। सर्वोच्च दर्जे की वीरता का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस बलों ने नक्सलियों को पकड़ने के प्रयास में लंबी दूरी तक उनका पीछा किया, लेकिन नक्सली बचकर निकलने में सफल रहे। मुठभेड़ स्थल पर तलाशी अभियान के दौरान, एक नक्सली का शव बरामद किया गया। नक्सली के शव के पास बट संख्या-157/एनएलडी और बाँड़ी संख्या-16840712 के साथ एक इंसास राइफल मिली, जिसकी मैगजीन में 03 राउंड जिंदा कारतूस लोड थे और उसे अनलोड करने के बाद चेंबर में एक जिंदा कारतूस मिला। मृतक नक्सली की पहचान चंदर सिंह भोक्ता पुत्र-स्वर्गीय बूटा सिंह, गांव-जौगीर, पुलिस स्टेशन-बाराचट्टी, जिला-गया, बिहार (वर्तमान पता:- गांव-बिरलूतुडग, पुलिस स्टेशन-राजपुर, जिला-चतरा, झारखंड) के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, श्री सुशील दुडू, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/111/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 356-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड पुलिस के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	के. विजय शंकर, आईपीएस	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	प्रभात रंजन राय	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रंजीत कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	छोटे लाल कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

रामगढ़ पुलिस स्टेशन के क्षेत्राधिकार के तहत आने वाले चोरहाट गांव की सीमा से लगे अछूते सेमार्टनर जंगल, जो कि झारखंड के पलामू जिले का हिस्सा है, में दिनांक 24 फरवरी, 2021 को पुलिस टीम और भारी मात्रा में हथियारों से लैस खूंखार झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेपीएम) के कैडरों के बीच मुठभेड़ हुई।

जेजेपीएम एक प्रतिबंधित उग्रवादी गैरकानूनी समूह है, जो पूरे झारखंड राज्य में फैला हुआ है और जिसे स्थानीय निवासियों के मन में एक भय की मनोवृत्ति पैदा करने और उन्हें आतंक से डराने के लिए जाना जाता है। इस तथ्य की पुष्टि इस बात से भी होती है कि यह संगठन (जेजेएमपी) संदिग्ध तरीकों से अत्याधुनिक हथियारों की खरीद करके और चोरहाट-बरवाडीह धुरी, जो कि अपने लहरदार इलाके, घने जंगल और भौगोलिक रूप से अलग-थलग होने की वजह से नक्सल गतिविधियों के लिए एक उपयुक्त क्षेत्र है, में संवेदशील युवाओं को जबरदस्ती भर्ती करके अपनी शस्त्र क्षमता को मजबूत करता रहा है। सहानुभूति रखने वाले स्थानीय लोगों की मौजूदगी और अच्छी सड़कों के न होने के कारण सेमार्टनर जंगल का सामान्य क्षेत्र अलग-थलग पड़ जाता है, जो इसे पुलिस बलों के लिए वितरित परिस्थिति वाला बना देता है, और इस बात की बहुत संभावना रहती है कि उन्हें अपने लिए वहां बैकअप और अतिरिक्त बलों की जरूरत पड़े। उपर्युक्त परिस्थितियों को देखते हुए, घटनाओं का जो क्रम सामने आया, वह आसानी से एक आपदा में परिवर्तित हो सकता था और जिसके परिणामस्वरूप उक्त ऑपरेशन में शामिल पुलिस कार्मिकों की जान जा सकती थी।

पलामू पुलिस की यह टीम, जिसका नेतृत्व श्री के. विजय शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) पलामू एवं एसडीपीओ सदर मेदिनीनगर कर रहे थे और उनकी सहायता प्रभात रंजन राय, उप निरीक्षक, रंजीत कुमार, सिपाही और छोटे लाल कुमार, सिपाही कर रहे थे, न केवल नक्सलियों से लड़ने और जेजेएमपी की योजनाओं को विफल करने में सफल रही, बल्कि संगठन के खूंखार एरिया कमांडर, महेश भुइयां को मार गिराने में भी सफल रही।

दृढ़ निश्चय, अचूक योजना और चतुराई एवं परिश्रम के साथ पूरी योजना को अंजाम देने में पूरी टीम की यह वीरतापूर्ण और साहसी कार्रवाई श्री के. विजय शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) पलामू एवं एसडीपीओ सदर मेदिनीनगर, प्रभात रंजन राय, उप निरीक्षक, रंजीत कुमार, सिपाही और छोटे लाल कुमार, सिपाही द्वारा सर्वोच्च दर्जे के नेतृत्व और पेशेवरता को प्रदर्शित करती है। इस प्रयास ने न केवल हमारी तरफ किसी को हताहत होने से रोका, बल्कि नक्सलियों के दिलों पर ठीक उस जगह के बीचों-बीच आघात किया, जिसे वे अपना गढ़ मानते थे। इस प्रकरण को आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307, 353, 504, 506 आईपीसी, आयुध अधिनियम की धारा 25(1-ए), 25(1बी)ए, 26, 27, 35, सीएलए अधिनियम की धारा 17 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 10, 13 के तहत दर्ज रामगढ़ पुलिस स्टेशन के दिनांक 24 फरवरी 2021 के मामला संख्या 07/2021 में पूर्ण रूप से वर्णित किया गया है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री के. विजय शंकर, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, प्रभात रंजन राय, उप निरीक्षक, रंजीत कुमार, सिपाही और छोटे लाल कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/02/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/239/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 357-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री फागु होरो	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.01.19 को 15.00 बजे इस संबंध में अत्यंत पुख्ता सूचना प्राप्त हुई कि घातक हथियारों से लैस प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के जोनल कमांडर तलाडा उर्फ सहदेव राय और जोनल कमांडर विजयदा उर्फ नंदलाल और उनके सहयोगी आगामी चुनाव में पुलिस कर्मिकों को भारी नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहे हैं, धन की वसूली कर रहे हैं और ग्रामीणों में आतंक फैला रहे हैं।

इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस अधीक्षक दुमका और संजय कुमार गुप्ता, द्वितीय कमान अधिकारी 35वीं बटालियन एसएसबी, दुमका ने दिनांक 13.01.2019 को कोर कमांडर के साथ बैठक बुलाई, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), कमान अधिकारी 35वीं बटालियन, एसएसबी, उप कमांडेंट ललित साह एसएसबी दुमका, सहायक कमांडेंट 35वीं बटालियन एसएसबी दुमका नरपत सिंह, प्रभारी अधिकारी जामा पुलिस स्टेशन, उप निरीक्षक फागु होरो और अन्य टीम शामिल किए गए। जिला पुलिस और एसएसबी 35वीं बटालियन के अधिकारियों और जवानों को शामिल करते हुए नक्सल विरोधी एक विस्तृत अभियान की योजना बनाई गई। अधिकारियों को हमला टीम का नेतृत्व करने के लिए कहा गया और वे लगभग 04.30 बजे चतुपारा जंगल क्षेत्र पहुंच गए और उस क्षेत्र में कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह 06:55 बजे, अधिकारी को सीपीआई माओवादियों द्वारा उन पर भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा गया। अधिकारी ने चिल्लाकर उग्रवादियों को पुलिस के रूप में अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। आत्मसमर्पण करने के बजाय, उग्रवादियों के एक संतरी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों पर उनकी हत्या करने के लिए फिर से नवीनतम अत्याधुनिक हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। उसकी इस हरकत को उसके साथियों ने भी दोहराया और उन सभी ने पुलिस बल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस अधिकारियों ने फिर से चिल्लाते हुए उग्रवादियों को गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन विद्रोही और हठी उग्रवादी नाले की ओर भागते हुए गोलियां चलाते रहे।

परिस्थिति से मजबूर होकर, नेता उप निरीक्षक फागु होरो ने सरकारी हथियारों और गोला-बारूद की रक्षा करने और उग्रवादियों को पकड़ने के इरादे से पुलिस बल को आत्मरक्षा में गोलीबारी करने का निदेश दिया। नतीजन, गोलीबारी का सहारा लिया गया। निस्संदेह, पुलिस अधिकारियों ने असाधारण वीरता और जोश का प्रदर्शन किया, जबकि उनके सिर के ऊपर से गोलियां पार हो रही थीं। उन्होंने गोलियों की भारी बौछार की परवाह नहीं की और दुस्साहसी तरीके से, चतुराईपूर्वक उन उग्रवादियों की ओर आगे बढ़े, जो लगातार पुलिस पर गोलीबारी कर रहे थे। इस बीच, एक-दूसरे द्वारा प्रदान की गई गोलीबारी की आड़ लेकर उग्रवादी नाले के सहारे जंगल के अंदर के हिस्से में भागने में सफल

हो गए। इलाके को सेनिटाइज करने के बाद, तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक उग्रवादी का शव बरामद हुआ, जिसके दाहिने हाथ में एक लोडेड एके-47 हथियार था। इसके अलावा, क्षेत्र की तलाशी में एक और लोडेड इंसास, एक एआर-41, एके-47 के 175 कारतूस, इंसास के 201 कारतूस, 45 खाली कारतूस, 1,03,000/- रुपये (एक लाख तीन हजार रुपये) की वसूली एकत्र करने की रसीदों वाला लेटर-पैड, मोबाइल सेट, वायरलेस सेट, ट्रांजिस्टर, चार्ज के साथ लाइव राउंड, कुछ खाने-पीने का सामान, पिट्टू, आदि सामान बरामद हुआ। आगे जांच करने पर, मृतक उग्रवादी की पहचान तलदा, एक जोनल कमांडर के रूप में हुई, जिसने दिनांक 02.07.2013 को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पाकुर श्री अमरजीत बलिहार पर बेरहमी से घात लगाकर हमला किया था। आमतौर पर इस तरह के ऑपरेशन के दौरान मारे गए उग्रवादी का शव बरामद नहीं होता है, लेकिन यह एक दुर्लभ अवसर था, कि जब न केवल एक उग्रवादी का शव बल्कि कई हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया, जो कि केवल पुलिस कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित साहस और सूझ-बूझ वाले नेतृत्व के कारण संभव हुआ।

इस घटना के संबंध में दिनांक 13.01.2019 को आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307 एवं 353, आयुध अधिनियम की धारा 25(1-ए), 27/35, सी.एल.ए अधिनियम की धारा 17 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16/17 के तहत मामला संख्या 06/2019 दर्ज किया गया था।

उप निरीक्षक फागु होरो ने अत्यंत जोखिम भरे ऑपरेशन में समीप से हुई लड़ाई में अनुकरणीय साहस, सूझ-बूझ और बहुत कम जनशक्ति के साथ रणनीति को अपनाने की क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी इस साहसिक उपलब्धि से पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाने पर बहुत प्रभाव पड़ा और इससे उग्रवादियों के मनोबल पर उनको तोड़ देने वाला प्रभाव पड़ा।

इस ऑपरेशन में, श्री फागु होरो, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/241/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 358-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	लिलेश्वर महतो	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रामेश्वर भगत	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

नवंबर 2000 में अपनी स्थापना के बाद से ही, झारखण्ड माओवादियों और आतंकवादियों के लिए एक प्रयोगशाला बन गया है—एक ऐसा स्थान जहां शासन की एक समानांतर प्रणाली स्थापित करने के विचार पर प्रयोग किया जाता है। हालांकि रामगढ़ जिला माओवादियों अथवा इसी तरह के अन्य उग्रवादी संगठन से बुरी तरह प्रभावित नहीं था, लेकिन यह कार्यकर्ता के प्रभाव वाले क्षेत्र यथा हजारीबाग, बोकारो, रांची और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्से से कवर है। अन्य के साथ, रामगढ़ जिले के अंतर्गत मांडू पुलिस स्टेशन क्षेत्र भी इस तरह की गतिविधियों से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है। इस क्षेत्र में वह इलाका शामिल है, जहां प्रतिबंधित संगठन की केंद्रीय कमान आमतौर पर अपने वरिष्ठ कैडरों की बैठकें आयोजित करती हैं, प्रशिक्षण शिविर स्थापित करती हैं और उन्हें संचालित करती हैं, नई भर्ती करती हैं और सबसे बड़ी बात कि सरकारी अवसंरचना एवं सुरक्षा बलों पर हमले करती हैं। इसके अलावा, उक्त क्षेत्र उनके संगठन के फैलाव के मामले में सबसे बड़े उग्रवादी उप-क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रों में चल रहे पीएलएफआई के वरिष्ठ उग्रवादी नेताओं की गतिविधि को ट्रैक करते हुए, दिनांक 27.02.2019 को लगभग 1700 बजे उग्रवादी बाजी राम महतो, जोनल कमांडर पीएलएफआई और उसकी टीम के सदस्यों की गतिविधि के बारे में एक महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि वे किसी बड़ी घटना के इरादे से मांडू पुलिस स्टेशन और रजरप्पा पुलिस स्टेशन के कुजु ओपी के सीमा क्षेत्र के पास चामरियाडोरा जंगल में एकत्र हो रहे हैं। उक्त रिपोर्ट की सूचना तत्काल पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ सहित उच्चाधिकारियों को दी गई। खुफिया रिपोर्ट को गंभीरता से लिया गया, क्योंकि उक्त बाजी राम महतो क्षेत्र के लिए एक आतंक बन गया था। पुलिस ने गौर किया था कि वह निरंतर अपहरण, हत्या जैसे आपराधिक कृत्यों में संलिप्त था और वह क्षेत्र के लिए खतरा बन गया था। ऐसे में प्राधिकारियों द्वारा एक विशेष कार्रवाई टीम गठित की गई, जिसमें पुलिस निरीक्षक लिलेश्वर महतो, प्रभारी अधिकारी, रामगढ़ पुलिस स्टेशन, पुलिस निरीक्षक कमलेश पासवान और पुलिस लाइन, रामगढ़ के उप निरीक्षक रामेश्वर भगत सहित कई पुलिस सिपाही शामिल थे, ताकि उक्त बाजी राम महतो को उसके द्वारा कोई अपराध करने से पहले पकड़ा जा सके।

लक्ष्य पर हमला करने के लिए, एक "विशेष ऑपरेशन" की योजना बनाई गई और पुलिस निरीक्षक लिलेश्वर महतो के नेतृत्व में एक विशेष कर्वाई टीम (सैट) का गठन किया, जिसमें उनके साथ पुलिस निरीक्षक कमलेश पासवान, उप निरीक्षक रामेश्वर भगत और अन्य पुलिस कार्मिक शामिल किए गए। उक्त पुलिस दल लगभग 19.00 बजे कुजू ओपी के अंतर्गत गुल डुंडी चौक पहुंच गया, जहां एक खुफिया रिपोर्ट प्राप्त हुई कि दो मोटरसाइकिलों पर बाजी राम महतो अपनी टीम के तीन या चार सदस्यों के साथ चामरियाडैरा वन मार्ग से होकर गुजरने वाला है। पुलिस दल तुरंत चामरियाडैरा वन क्षेत्र में पहुंचा और गन्तव्य पर पहुँचने के बाद इसे दो टीमों में बांटा गया। एक टीम का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक जलेश्वर महतो कर रहे थे और उनकी सहायता उप निरीक्षक रामेश्वर भगत कर रहे थे तथा दूसरी टीम का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक कमलेश पासवान कर रहे थे। पुलिस निरीक्षक जलेश्वर महतो और उनकी टीम के सदस्यों ने गांव की सड़क के दोनों ओर अपनी पोजीशन ले ली, जबकि दूसरी टीम पहली टीम से करीब 500 मीटर आगे दूसरी सड़क पर नजर रखने चली गई और गतिविधि होने का इंतजार करने लगी। लगभग 2100 बजे पुलिस टीम ने देखा कि लोहसिंघना गांव की ओर से दो मोटरसाइकिलें आ रही हैं और जब वे पुलिस दल के करीब पहुंचीं, तो उन्हें टॉर्च की रोशनी चमकाकर रुकने को कहा गया। जब मोटरसाइकिल सवारों ने पुलिस दल को अपने सामने देखा, तो सामने वाली मोटरसाइकिल के पीछे सवार व्यक्ति ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और दूसरी मोटरसाइकिल यू-टर्न लेकर भाग निकली। जब उग्रवादियों ने पुलिस दल पर गोलियां चलाई, तो पुलिस निरीक्षक लिलेश्वर महतो ने ऊंची आवाज में कहा कि वे पुलिस दल हैं तथा वे गोलीबारी न करें, लेकिन उन्होंने गोलीबारी जारी रखी। नतीजतन पुलिस निरीक्षक लिलेश्वर महतो ने जवाबी हमला किया और अपनी एके-47 से गोलीबारी की, जबकि उप निरीक्षक रामेश्वर ने अपनी 9 एमएम की पिस्तौल से गोलीबारी की। पुलिस निरीक्षक लिलेश्वर महतो ने 03 (तीन) राउंड और उप निरीक्षक रामेश्वर भगत ने अपनी 9 एमएम पिस्तौल से 02 (दो) राउंड दागे। इसी बीच, अंधेरे का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल चला रहा व्यक्ति जंगल की ओर भाग निकला।

जब पुलिस दल ने देखा कि विरोधी पक्ष द्वारा गोलीबारी बंद कर दी गई है, तो वे आगे बढ़े और टॉर्च की रोशनी में देखा कि एक व्यक्ति मृत पड़ा है और उसके दाहिने कान के पास गंभीर चोट लगी है। हमला करने वाले दल द्वारा मृत व्यक्ति की पहचान पीएलएफआई जोनल कमांडर बाजी राम महतो उर्फ रंजीत उर्फ विशाल, पुत्र स्वर्गीय चोला महतो, गांव-लायो, पुलिस स्टेशन-मांडू (पश्चिम बोकारो), जिला रामगढ़ के रूप में की गई। पुलिस दल ने घटनास्थल के पास तलाशी अभियान शुरू किया और वहां से दो देसी पिस्तौल, दो बैग, एक मोटरसाइकिल, दो दागे हुए कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किए और उसके बाद घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ को दी, जिन्होंने आवश्यक कार्यवाही हेतु तत्काल मामले की जानकारी उपायुक्त, रामगढ़ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दी। उपायुक्त, रामगढ़ ने मामले की जांच करने और जांच रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया। कुछ ही घंटों के भीतर, कार्यकारी मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ अधिकारियों और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और मौके से सामग्री एकत्र की तथा उसे आगे की जांच के लिए एफएसएल को भेज दिया।

शत्रुतापूर्ण वातावरण में मिशन को पूरा करने के लिए अटूट प्रतिबद्धता एक सच्चे साहस और गौरव की कहानी है। बहुत कम संख्या में उत्साही सैनिकों ने आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। चुनौतीपूर्ण कार्य के समक्ष वीरता और अनुकरणीय नेतृत्व की यह असाधारण कहानी, वामपंथी उग्रवाद और इसी तरह के समूहों द्वारा उत्पन्न गंभीर आंतरिक सुरक्षा के खतरों से निपटने के लिए भविष्य की रणनीतियाँ अपनाने में हमेशा हॉलमार्क का कार्य करेगी। पुलिस टीम द्वारा दिए गए जोरदार और निर्णायक संदेश ने माओवादियों के प्रभाव वाले क्षेत्र में कार्रवाई कर रहे सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाया है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री लिलेश्वर महतो, निरीक्षक और रामेश्वर भगत, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1213/12/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 359-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक(पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	यशपाल सिंह राजपूत, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सुशील पटेल	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अंशुमान सिंह चौहान	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
4	अतुल कुमार शुक्ला	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

अपर पुलिस महानिदेशक, बालाघाट के.पी. वेंकटेश्वर राव को आसूचना प्राप्त करने के उद्देश्य से लगाये गए मुखबिरों से एक खुफिया सूचना दिनांक 12.02.2021 को मिली थी कि बड़ी संख्या में सशस्त्र माओवादी उस रात गांव लालपुर में अपनी माओवादी विचारधारा को प्रचारित करने के लिए ग्रामीणों की बैठक आयोजित करने और दैनिक उपयोगी की राशन सामग्री एकत्र करने के लिए एकत्र होने वाले हैं। माओवादी लालपुर गांव के पुलिस मुखबिर की हत्या करने की भी योजना बना रहे थे। यह सूचना पुलिस अधीक्षक, मंडला और सीओ हाँक बालाघाट को दी गई, जिन्होंने आगे मोतीनाला, मावाई, बिछिया के एसएचओ और हाँक बलों तक इस सूचना को पहुंचाया और उन्हें सतर्क किया। उन सभी को ऑपरेशन शुरू करने के उद्देश्य से गांव किकराटोला पुलिस स्टेशन मोतीनाला पहुंचने का निर्देश दिया गया।

अपर पुलिस महानिदेशक बालाघाट, के.पी. वेंकटेश्वर राव ने हाँक और पुलिस बलों को जानकारी दी और उन्हें चार पुलिस दलों में विभाजित किया। इसके अलावा, इन दलों को घात के खतरों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें माओवादियों की गोलीबारी क्षमता, उनके पास मौजूद हथियारों और गोला-बारूद आदि के बारे में जानकारी दी गई।

कुछ देर बाद चारों दल सावधानीपूर्वक और सतर्कता के साथ लगभग 21:55 बजे लालपुर गांव चौराहे पर पहुंच गए। पुलिस टीमों ने पटेराटोला (गांव) से सराय पानी जंगल ग्रामीण सड़क तक घात लगाने और नक्सल विरोधी ऑपरेशनों के उद्देश्य से लालपुर गांव के बाहरी ग्रामीण इलाके में पहुंचने से पहले अपने वाहनों को छोड़ दिया।

इसके बाद लगभग 22:30 बजे, लगभग 8-10 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सली गांव-लालपुर पटेराटोला की ओर से आते देखे गए, जिन्होंने थैले उठाए हुए थे, जो संभवतः राशन और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के थैले थे। सभी नक्सली अपने हाथों में राइफल/हथियार लिए हुए थे और सराय पानी जंगल के अभयारण्य की ओर बढ़ रहे थे। उन्हें देखने पर, बल ने ऊंची आवाज में चेतावनी दी और चिल्लाकर कहा कि उन्हें पुलिस ने घेर लिया है और उन्हें हथियार डाल देने चाहिए और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। लेकिन, नक्सलियों ने पुलिस बलों की हत्या करने की नीयत से अपने हथियारों से पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

पुलिस अधीक्षक मंडला ने माओवादियों की ओर आगे बढ़कर असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और उनके दल ने पुलिसकर्मियों के जीवन की रक्षा के लिए आत्मरक्षा में संतुलित और प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद नक्सली नाले के दाहिनी ओर भाग गए, जहां हाँक बल मौजूद था। नक्सलियों ने हाँक दल पर अपनी गोलीबारी जारी रखी। हाँक बल ने आगे बढ़कर उच्च नैतिक और शारीरिक साहस का प्रदर्शन किया और पुलिसकर्मियों के जीवन की रक्षा के लिए आत्मरक्षा में संतुलित और प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी। बाद में अंधेरी रात और घने जंगलों के कारण नक्सली फैन अभयारण्य की ओर भाग गए, जहां अन्य नक्सली मौजूद थे। नक्सलियों के दूसरे समूह ने भी पुलिस दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ पूरी रात चलती रही।

सुबह तड़के मुठभेड़ स्थल की तलाशी ली गई। पुलिस दलों को मुठभेड़ स्थल पर एक पुरुष नक्सली का शव मिला। बाद में नक्सली की पहचान मैनु उर्फ दुल्ला होदी (सोदी), उम्र 25 वर्ष, निवासी-ग्राम कोनगुडा, पुलिस स्टेशन-चिंतननार, जिला-सुकमा, सीजी के रूप में हुई। उसके शव के साथ, एक एसएलआर राइफल भी मिली, साथ ही कुछ ही दूरी पर एक और नक्सली महिला का शव मिला। बाद में जिसकी पहचान गीता उर्फ सुक्की मडकम, उम्र 24 वर्ष, निवासी-ग्राम गडीगुडा, पुलिस स्टेशन-पामेड, जिला-बीजापुर सीजी के रूप में हुई। शव के साथ एक .303 सिंगल शॉट राइफल और चावल के पांच प्लास्टिक बैग और दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे कि नोटबुक, बनियान, ब्रा, अंडरवियर, मोजे, लुंगी, छोटा दर्पण, साबुनदानी, गुड, चीनी भी मिलीं। पुलिस ने आत्मरक्षा में करीब 300 राउंड गोलीबारी की। दोनों नक्सली मैनु उर्फ दुल्ला होदी, 25 वर्ष और महिला नक्सली गीता उर्फ सुक्की मडकम, उम्र 24 वर्ष, खतरनाक और हार्डप्रोफाइल नक्सली थे, जो विस्तार प्लाटून की प्लाटून संख्या 3 में सक्रिय कैडर थे।

श्री यशपाल सिंह राजपूत, पुलिस अधीक्षक मंडला ने अत्यंत साहस, नेतृत्व की भावना, त्वरित सोच का परिचय देकर सफल नक्सल विरोधी ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिलकुल भी परवाह नहीं की। पुलिस अधीक्षक मंडला ने माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन माओवादियों ने सीधे उन पर और उनके दल पर गोलीबारी जारी रखी। पुलिस अधीक्षक मंडला ने अपना संयम बनाए रखा और बहादुरी से अपनी टीम का नेतृत्व किया तथा नियंत्रित और प्रभावी गोलीबारी की, जबकि इसमें अधिकारी के जीवन के लिए गंभीर खतरा था। उन्होंने माओवादियों पर एक प्रभावी जवाबी गोलीबारी हमला शुरू किया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने माओवादियों की ओर से हो रही घातक गोलीबारी का जवाब देने के लिए केवल न्यूनतम आवश्यक गोलीबारी क्षमता का उपयोग करने में सावधानी और संयम बरतते हुए अत्यंत साहस, अनुशासन, पेशेवरता, कमान और अपनी टीम पर नियंत्रण का परिचय दिया। सच्ची वीरता और पेशेवरता के इस कृत्य के परिणामस्वरूप घातक और सशस्त्र नक्सलियों को मार गिराया गया।

श्री अंशुमान सिंह चौहान, उप निरीक्षक, श्री सुशील पटेल, उप निरीक्षक और श्री अतुल कुमार शुक्ला, सिपाही ने असाधारण साहस, कर्तव्य और नेतृत्व की भावना, सूझ-बूझ और त्वरित सोच का परिचय दिया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिलकुल भी परवाह नहीं की। नक्सलियों ने पुलिस दलों के खिलाफ अंधाधुंध गोलीबारी की और जब उन्होंने माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, तो उन्होंने

सीधे उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सामने से हुई गोलीबारी के समक्ष उन्होंने अपना संयम बनाए रखा। वे रेंगने की पोजीशन में आगे बढ़े और नियंत्रित गोलीबारी की। अधिकारी के खिलाफ भारी गोलीबारी ने उनके जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। तथापि, गंभीर खतरे के बावजूद उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना माओवादियों के खिलाफ भारी जवाबी गोलीबारी हमला किया। वीरता और पेशेवरता के इस कृत्य के परिणामस्वरूप घातक और सशस्त्र नक्सलियों को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री यशपाल सिंह राजपूत, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, सुशील पटेल, उप निरीक्षक, अंशुमान सिंह चौहान, उप निरीक्षक और अतुल कुमार शुक्ला, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/02/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/237/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 360-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	आदित्या मिश्रा, आईपीएस	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अब्दुल सलीम खान	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री अभिषेक तिवारी को आसूचना मिली कि खाटिया मोचा दलम और विस्तार प्लाटून संख्या 2 के नक्सलियों की एक संयुक्त टीम मलखेड़ी गांव, पुलिस स्टेशन बैहर में सीताराम आदिवासी के घर आई हुई है। आसूचना से पता चला कि नक्सली बड़ी संख्या में एकत्र हुए हैं और वे गांव में निर्दोष नागरिकों को पुलिस मुखबिर बताकर उनकी हत्या करने की योजना बना रहे हैं। नक्सली पुलिस को झूठी सूचना भेजने और पुलिसकर्मियों की हत्या करने और सुरक्षा बल के हथियार लूटने के लिए घात लगाकर हमला करने की भी योजना बना रहे हैं। जानकारी से यह भी संकेत मिला कि इस संयुक्त नक्सली दल में वे नक्सली भी शामिल हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले 19 सितंबर, 2020 को बंधाटोला गांव, पुलिस स्टेशन-मलजखंड में पुलिस दल पर उस समय हमले को अंजाम दिया था, जब पुलिस टीम ने विस्तार प्लाटून संख्या-2 के एक खूंखार नक्सली कैडर नामतः बादल को गिरफ्तार किया और उसे जंगल से सुरक्षित थाने ले जाने की कोशिश कर रही थी।

यह सूचना मिलने पर, श्री अभिषेक तिवारी, पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने बल को ऑपरेशन के लिए तैयार होने के लिए सतर्क कर दिया और खुद पुलिस स्टेशन-बैहर पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री अभिषेक तिवारी ने सभी पुलिसकर्मियों को प्राप्त आसूचना, मलखेड़ी गांव में आए हुए नक्सली कैडर की संभावित संख्या, उनके पास मौजूद गोलीबारी की संभावित क्षमता और कुछ निर्दोष ग्रामीणों को पुलिस मुखबिर बताकर उनकी हत्या की उनकी योजना के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री अभिषेक तिवारी ने पुलिस टीम को विशेष रूप से नक्सलियों द्वारा पुलिस दल पर घात लगाकर हमला करने की वास्तविक संभावना के बारे में जानकारी दी और इसलिए उन्होंने आदेश दिया कि पुलिस टीम मलखेड़ी पहुंचने से काफी पहले अपने वाहनों को छोड़ दे और शेष दूरी को सामरिक तरीके से कवर करे, ताकि नक्सलियों द्वारा घात लगाकर हमला करने की किसी भी संभावना से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को इलाके की सावधानीपूर्वक घेराबंदी करने और सुरक्षित रहते हुए नक्सलियों को गिरफ्तार करने की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री अभिषेक तिवारी ने पुलिसकर्मियों को दो पुलिस दलों में विभाजित कर दिया। पुलिस दल संख्या-1 का नेतृत्व उन्होंने खुद किया और पुलिस दल संख्या-2 का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक बैहर, श्री एस.के. मरावी ने किया। दोनों दलों ने अपने वाहन शैला गांव के बाहर छोड़ दिए और वहां से सामरिक तरीके से पैदल चलकर गांव मलखेड़ी तक की शेष दूरी तय की। दोनों दल अंधेरी रात में गांव मलखेड़ी के बाहरी इलाके में पहुंचे। दल संख्या-1 ने नाले और जंगल के बीच एक हिस्से पर पोजीशन ले ली, जो कि सीताराम आदिवासी के घर से जंगल की ओर लौटते समय नक्सलियों के लिए सबसे संभावित मार्ग था। दल संख्या-2 को नाले के दूसरी तरफ तैनात किया गया, जहाँ से नक्सली दल संख्या-1 की घेराबंदी करने के बाद भाग सकते थे। दोनों पुलिस दलों ने अपनी निर्धारित पोजीशन ले ली। लगभग 21:45 बजे, जंगल की तरफ से सीताराम के घर की ओर एक फ्लैश लाइट का संकेत दिया गया और जंगल में एक पटाखा/बम फोड़ा गया, जो संभवतः जंगल में इंतजार कर रहे नक्सली दलम द्वारा गांव में गए अपने नक्सली कैडर को वापस बुलाने के लिए संकेत था। विस्फोट की आवाज सुनकर,

नक्सली सीताराम आदिवासी के घर से बाहर निकलने लगे और तेजी से वापस जंगल की ओर चल पड़े। रात में अंधेरा था, लेकिन चांदनी में उनकी काया दिखाई दे रही थी। कुछ नक्सली बैग लिए हुए थे, जिसमें वे निश्चित रूप से राशन और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं ले जा रहे थे, जबकि कुछ अपने हाथों में राइफल लिए हुए थे और गोली चलाने के लिए तैयार थे। विस्फोट से अलर्ट हुए नक्सलियों ने अपने वापसी के मार्ग की सावधानीपूर्वक जांच की और पुलिस की मौजूदगी को भांपते हुए दल संख्या-1 की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दल संख्या-1 के सभी पुलिसकर्मियों ने कवर ले लिया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने नक्सलियों को ऊंची आवाज में चेतावनियां दीं, कि उन्हें पुलिस ने घेर लिया है और उन्हें हथियार डाल कर आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। लेकिन नक्सलियों ने गोलीबारी जारी रखी और सीधे चेतावनी के स्रोत को अपनी गोलीबारी का निशाना बनाया। कुछ गोलियां से पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री अभिषेक तिवारी बाल-बाल बचे। नक्सली अपने हथियार, जिसमें एके-47, इंसास, एसएलआर और 12 बोर की बंदूकें जैसे स्वचालित हथियार शामिल थे, से लगातार गोलीबारी करते हुए पुलिस दल की ओर बढ़ने लगे। दल संख्या-1 पर जानलेवा गोलीबारी हो रही थी और नक्सलियों के इस घातक हमले ने पूरे दल को लाचार बना दिया था। इस निर्णायक मोड़ पर पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री अभिषेक तिवारी ने अपनी ओर आती हुई भारी गोलाबारी के बावजूद रेंगते हुए नक्सलियों की ओर आगे बढ़कर असाधारण साहस का परिचय दिया और नक्सली गोलीबारी से पुलिसकर्मियों की जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू कर दी। उनके नेतृत्व में, निरीक्षक श्री अब्दुल सलीम खान ने भी रेंगते हुए आगे बढ़ना शुरू कर दिया और नक्सलियों पर गोलीबारी की। शेष पुलिस दल संख्या-1 ने भी नियंत्रित गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री अभिषेक तिवारी और निरीक्षक श्री अब्दुल सलीम खान एक पेड़ के पास आगे एक स्थान पर पहुंचे, जहां उन्होंने भारी गोलीबारी से कवर लिया और जवाबी गोलीबारी की। पुलिस दल संख्या-1 के बाकी पुलिसकर्मियों ने भी प्रभावी ढंग से उनका साथ दिया और उन सभी ने नक्सलियों द्वारा अपने जीवन पर घातक हमले का जवाब देने के लिए प्रभावी ढंग से नियंत्रित गोलीबारी का इस्तेमाल किया। अगर पुलिस ने आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी का सहारा नहीं लिया होता, तो नक्सली पुलिसकर्मियों को मारने तथा उनके हथियार और गोला-बारूद लूटने में सफल हो जाते।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अभिषेक तिवारी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए सामने से पुलिस टीम का नेतृत्व किया और नियंत्रित एवं प्रभावी जवाबी गोलीबारी की। निरीक्षक अब्दुल सलीम खान ने पूरी ताकत एवं वीरता से उनका साथ दिया और उन्होंने गंभीर खतरे के समक्ष अनुकरणीय साहस का भी प्रदर्शन किया। कुछ गोलियां उस पेड़ में लगीं, जिसके पीछे उन्होंने कवर लिया हुआ था। दोनों अधिकारी फिर से कुछ गोलियों से बाल-बाल बचे। लेकिन दोनों अधिकारियों ने आगे बढ़ने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और प्रभावी जवाबी गोलीबारी की। अचानक नक्सलियों की ओर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दीं, जिससे संकेत मिला कि आपसी गोलीबारी में कुछ नक्सली घायल हुए होंगे। पुनः पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अभिषेक तिवारी ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन पुलिस दल संख्या-1 की ओर गोलीबारी करते हुए नक्सली दूसरी दिशा में भाग गए।

अपने भागने के दौरान उनकी एक बार फिर गोलीबारी पुलिस दल संख्या-2 के साथ हुई, जो कि नक्सलियों के भागने के लिए उस मार्ग का उपयोग करने की प्रत्याशा में नाले के दूसरी तरफ तैनात था। इसी समय नक्सलियों को पुलिस कार्मिकों की मौजूदगी का आभास हुआ और घेराबंदी के डर से उन्होंने दल संख्या-2 की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। इस समय श्री आदित्या मिश्रा, अनुमंडल पुलिस अधिकारी वैहर, जो कि घेराबंदी में आगे थे, ने चिल्लाकर नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। लेकिन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करने की बजाय श्री आदित्या मिश्रा की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई करने और अन्य पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए, आदित्या मिश्रा, अनुमंडल पुलिस अधिकारी वैहर ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए नाले में नक्सलियों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। उनके नजदीक पहुंचकर और जंगल में पर्याप्त कवर लेने के बाद, उन्होंने नियंत्रित तरीके से नक्सलियों की ओर गोलीबारी करते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस जवाबी गोलीबारी के बाद ही नक्सलियों को पुलिस टीम के किसी भी सदस्य को नुकसान पहुंचाए बिना दूसरी तरफ से नाले में पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा। आत्मरक्षा में इस नियंत्रित गोलीबारी ने नक्सलियों को अंधेरी रात और घने जंगल का फायदा उठाकर जंगल की ओर भागने पर मजबूर कर दिया। लेकिन नक्सलियों ने रात भर रुक-रुक कर जंगल से पुलिस दल की ओर गोलीबारी जारी रखी। पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री अभिषेक तिवारी ने सभी पुलिसकर्मियों का हालचाल जाना और पूरी पुलिस टीम को गोलीबारी रोककर कवर लेने का आदेश दिया। अंततः सुबह तक नक्सलियों की गोलीबारी बंद हो गई।

सुबह जब आसपास के इलाके की तलाशी ली गई, तो उस स्थान पर एक महिला नक्सली का शव मिला, जहां से नक्सलियों ने पुलिस दल संख्या-1 पर खतरनाक गोलीबारी करके हमला किया था। बाद में महिला नक्सली की पहचान शारदा उर्फ पुज्जे के रूप में हुई, जो पहले डारे-कासा दलम में, फिर विस्तार प्लाटून संख्या-2 में सक्रिय नक्सली कैडर थी और वर्तमान में नवगठित खाटिया-मोचा दलम की सक्रिय सदस्य थी। वह वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ पुलिस के उप-निरीक्षक की हत्या में शामिल थी, जिसमें छत्तीसगढ़ पुलिस का एक उप-निरीक्षक शहीद हो गया था। उस पर मध्य प्रदेश की ओर से 3 लाख रुपये और छत्तीसगढ़ की ओर से 5 लाख रुपये (कुल इनाम 8 लाख रुपये) का इनाम था। उनके पिछले अपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि 6 नवंबर, 2020 को भी खूंखार नक्सलियों के इस समूह ने ऑपरेशन में शामिल पुलिसकर्मियों के जीवन को घातक चोट पहुंचाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। पुलिस टीम ने अपने सच्चे साहस और वीरता के बल पर ही नक्सली दलम पर जवाबी कार्रवाई करने और उसे खदेड़ने में सफलता हासिल की।

श्री आदित्या मिश्रा, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, वैहर ने जीवन के प्रति खतरनाक स्थिति का सामना करने में अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल विपरीत परिस्थितियों के समक्ष अपना संयम बनाए रखा, बल्कि साथ ही अपनी टीम के अन्य सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नक्सलियों की ओर आगे बढ़ने और उनके हमले का सामना करने का साहस भी दिखाया। यह श्री आदित्या मिश्रा की समय पर की गई वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण ही सम्भव हुआ कि, नक्सलियों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा और अन्य पुलिस



कार्मिकों को हताहत होने से रोका जा सका। नाले में नक्सलियों की ओर बढ़ने और फिर नियंत्रित तरीके से जवाबी कार्रवाई करने के उनके निडर कृत्य ने उनकी अपनी टीम के सदस्यों के जीवन की रक्षा की। यदि श्री आदित्या मिश्रा ने यह वीरतापूर्ण कार्य न किया होता, तो निश्चय ही नक्सलियों ने पुलिस टीम को हताहत कर दिया होता।

हाँक बल के निरीक्षक श्री अब्दुल सलीम खान ने कर्तव्य का पालन करते समय अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए, उच्च स्तर के साहस, कर्तव्य के प्रति निष्ठा की भावना और टीम भावना का परिचय देकर इस सफल ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे निडर होकर अपनी ओर आती नक्सलियों की भीषण गोलाबारी की ओर आगे बढ़े और उन्होंने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को कवर गोलीबारी प्रदान की। महत्वपूर्ण मोड़ पर उनके द्वारा की गई यह वीरतापूर्ण कार्रवाई एक प्रभावी जवाबी हमला करने में बहुत महत्वपूर्ण साबित हुई। वे अपनी सुरक्षा के बारे में सोचे बिना नक्सलियों की आग उगलती बंदूकों की ओर रेंगकर आगे बढ़ने लगे। उन्होंने अपनी पूरी टीम की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी, जो कि अन्यथा नक्सली गोलियों से हताहत हो सकती थी। उनकी साहसी कार्रवाई के परिणामस्वरूप पुलिस को किसी भी तरह की जान के नुकसान के बिना यह सफलता हासिल हुई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री आदित्या मिश्रा, आईपीएस, अनुमंडल पुलिस अधिकारी और अब्दुल सलीम खान, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1204/15/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 361-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	महारुद्र बबन परजने	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	राजरत्न भिमसेन खेरनार	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राजु जोगा कांदो	पुलिस नायक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अविनाश विजय कुमरे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	गोंगलु लच्चु तिम्मा	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.04.2016 को 1015 बजे, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित करने के लिए 18 पुलिस कर्मियों वाली एक पुलिस पार्टी एओपी ताडगांव से गांव कुडकेली की ओर रवाना हुई। इस पुलिस पार्टी में पुलिस उप-निरीक्षक महारुद्र बबन परजने और एओपी ताडगांव के नौ पुलिसकर्मी; पुलिस उप-निरीक्षक राजरत्न भिमसेन खेरनार तथा क्यूआरटी भामरागढ़ के सात पुलिसकर्मी शामिल थे। जब पुलिस पार्टियां बांदेनगर के जंगल में नक्सल-रोधी ऑपरेशन चला रही थीं, तो उन्हें आस-पास के क्षेत्र में परमिली दलम की लोकेशन के बारे में सूचना प्राप्त हुई। इसलिए, तत्काल पुलिस की दो टीमों गठित की गईं। पहली पार्टी में पुलिस उप-निरीक्षक परजने के नेतृत्व में नौ पुलिसकर्मी शामिल थे और दूसरी पार्टी में पुलिस उप-निरीक्षक खेरनार के नेतृत्व में सात पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस उप-निरीक्षक परजने के नेतृत्व में एक समूह पूर्व की ओर आगे बढ़ा और पुलिस उप-निरीक्षक खेरनार के नेतृत्व में दूसरा समूह जंगल में तलाशी करते हुए बांदे नदी की पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ा।

लगभग 1400 बजे, कुडकेली के वन क्षेत्र में पुलिस उप-निरीक्षक परजने के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी पर 25 से 30 सशस्त्र नक्सलवादियों ने अचानक घात लगाकर हमला कर दिया। नक्सलवादियों ने पुलिस को मारने और उनके हथियार एवं गोलाबारूद छीनने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस कर्मियों ने तुरंत वन में उपयुक्त कवर के पीछे पोजीशन ले ली। पुलिस उप-निरीक्षक परजने ने ओलिव ग्रीन यूनिफॉर्म में कुछ सशस्त्र लोगों को देखा, जो उन पर गोलीबारी कर रहे थे। तब वे पुलिस नायक राजु जोगा कांदो और पुलिस कांस्टेबल अविनाश विजय कुमरे के साथ जमीन पर रेंगते हुए सावधानीपूर्वक आगे बढ़े। इस बात की पुष्टि करके कि नक्सलवादी कुछ ही दूरी से गोलीबारी कर रहे हैं, उन्होंने उनसे पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की अपील की। परन्तु, नक्सलवादियों ने कोई ध्यान नहीं दिया और वे पुलिस पार्टी पर गोलीबारी करते रहे। शीघ्र ही, नक्सलवादियों को आपस में जोर से यह कहते हुए सुना गया, "सरिता, पुलिस आ गई है,

उन्हें बचकर जाने मत देना, बहादुरी से गोलीबारी करो और उन्हें एक-एक करके निशाना बनाओ।" यह भी सुना गया, "साईनाथ, लता तुम पुलिस को बायीं ओर से कवर करो।" साथ ही, वे पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी भी कर रहे थे।

स्थिति की गंभीरता को महसूस करते हुए, पुलिस उप-निरीक्षक परजने ने तुरंत वॉकी-टॉकी सेट पर पुलिस उप-निरीक्षक खेरनार से संपर्क स्थापित किया और उन्हें इस घटना की जानकारी दी। उसी समय, पुलिस उप-निरीक्षक परजने ने पुलिस नायक राजु जोगा कांदो, पुलिस कांस्टेबल अविनाश विजय कुमरे, पुलिस नायक बापू नेताम और पुलिस कांस्टेबल अर्जुन भोजने के साथ नियंत्रित गोलीबारी करते हुए नक्सली हमले का जवाब देना शुरू कर दिया। नक्सलवादियों ने पुलिस पार्टी को घेर लिया था और वे अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। पुलिस उप-निरीक्षक परजने ने अपनी पार्टी के कार्मिकों नामतः पुलिस नायक राजु जोगा कांदो और पुलिस कांस्टेबल अविनाश कुमरे को निडरतापूर्वक कार्रवाई करने के लिए कहा और वे स्वयं अपनी जान को जोखिम में डालकर नक्सलवादियों का सामना करते हुए आगे बढ़े।

कुछ देर बाद, पुलिस उप-निरीक्षक खेरनार सहायता के लिए अपनी क्यूआरटी पार्टी के साथ वहां पहुंच गए। इस पार्टी ने विपरीत दिशाओं से नक्सलवादियों को घेर लिया और गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस उप-निरीक्षक खेरनार अपने एक पुलिसकर्मी पुलिस कांस्टेबल गोंगलु लच्चु तिम्मा के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवादियों की गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़े। इसके बाद, उपयुक्त पोजीशन लेकर, पुलिस उप-निरीक्षक खेरनार और गोंगलु लच्चु तिम्मा नक्सलवादियों पर गोलीबारी करने लगे और उन पर हावी हो गए। नक्सलवादियों की घात को तोड़कर बच निकलने के लिए दोनों पार्टियों ने समन्वय स्थापित किया और एक-दूसरे की सहायता की। दोनों ओर से पुलिस के बढ़ते हुए दबाव को भांपकर, नक्सलवादी घने जंगल की आड़ लेते हुए जंगल में भाग गए। तत्पश्चात मुठभेड़ लगभग आधे घंटे से पैंतालीस मिनट तक चली। गोलीबारी रूक जाने के बाद, पुलिस ने उक्त क्षेत्र की तलाशी की। तलाशी के दौरान, पुलिस को एक महिला नक्सलवादी जमीन पर बेहोश पड़ी हुई मिली। उसके बगल में मैगजीन के साथ एक एसएलआर राइफल मिली। इनके अलावा, घटना स्थल से एसएलआर राइफल की 2 मैगजीन, 36 जिंदा राउंड, 1 क्लेमोर माइन, 1 डेटोनेटर, 11 पिट्टू, नक्सली साहित्य, तार का बंडल, 2 रेडियो सेट आदि भी बरामद किए गए।

उपयुक्त नक्सल-रोधी ऑपरेशन को प्राप्त खुफिया जानकारी और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार कुडकेली-बांदे नदी के जंगल में सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में शामिल पुलिस कर्मियों ने एक नक्सलवादी कैडर का सफाया करने और एसएलआर हथियार, गोलाबारूद आदि बरामद करने में अनुकरणीय साहस और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया। पुलिस उप-निरीक्षक महारुद्र बबन परजने और पुलिस उप-निरीक्षक राजरत्न भिमसेन खेरनार के साथ-साथ पुलिस कांस्टेबल गोंगलु लच्चु तिम्मा, पुलिस नायक राजु जोगा कांदो और पुलिस कांस्टेबल अविनाश विजय कुमरे ने असाधारण साहस एवं ड्यूटी के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया और एक सबसे कठिन ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री महारुद्र बबन परजने, पुलिस उप-निरीक्षक, राजरत्न भिमसेन खेरनार, पुलिस उप-निरीक्षक, राजु जोगा कांदो, पुलिस नायक, अविनाश विजय कुमरे, पुलिस कांस्टेबल और गोंगलु लच्चु तिम्मा, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/04/2016 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/83/2017-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 362-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	संदीप रमेश भांड	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मोतीराम बक्काजी मडावी	सहायक पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	दामोदर चनय्या चित्तुरी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राजकुमार पांडुरंग भलावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	सागर मनोहर मुल्लेरवार	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
6	शंकर बक्काजी मडावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	रमेश शंकर असम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	महेश किसन सयाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	साईकृपा यशवंतराव मुरकुटे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	रत्नय्या बुचम गोरगुंडा	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्रत्येक वर्ष, सीपीआई (माओवादी) गुट के नक्सलवादी अपने संगठन की स्थापना के उपलक्ष्य में 02 दिसम्बर से 08 दिसम्बर तक गढ़चिरोली जिले में पीएलजीए सप्ताह मनाते हैं। इस अवधि के दौरान, नक्सलवादी अपनी हिंसक गतिविधियों को तेज कर देते हैं और सरकारी सम्पत्ति को अधिक-से-अधिक क्षति पहुंचाने का प्रयास करते हैं। इसलिए, पुलिस नक्सलवादियों के किसी भी दुस्साहस को विफल करने के लिए क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित करने की कवायद करती है और नक्सल-रोधी ऑपरेशनों को तेज कर देती है।

इस संबंध में, 03 दिसम्बर, 2017 को गढ़चिरोली जिले के दक्षिणी भाग में सिरकोंडा, लोहा और कल्लेड के वन क्षेत्र में घूम रहे कई नक्सलवादियों की लोकेशन के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। तत्काल, उपर्युक्त क्षेत्रों में ऑपरेशन चलाने के लिए एक योजना तैयार की गई, ताकि किसी बड़े विध्वंस को रोका जा सके। तदनुसार, श्री संदीप रमेश भांड, सहायक पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पार्टी कमांडर मोतीराम बक्काजी मडावी से संबद्ध 23 कमांडो की एक टीम गठित की गई। दिनांक 03.12.2017 को उपर्युक्त पुलिस टीम निजी वाहनों में सिरकोंडा जंगल के किनारे पहुंची और वाहन से नीचे उतर गई। तत्पश्चात, योजना के अनुसार, वे जंगल में तलाशी करते हुए पैदल आगे बढ़े और उन्होंने रात में जंगल में विश्राम किया। अगले दिन अर्थात् दिनांक 04.12.2017 को, पुलिस टीम ने लोहा और कल्लेड के जंगल में तलाशी की और वे रात में लोहा के जंगल में ठहरे। तत्पश्चात, दिनांक 05.12.2017 को, सहायक पुलिस निरीक्षक भांड को विश्वसनीय सूत्रों से यह पता चला कि नक्सलवादी कल्लेड के जंगल में चले गए हैं। इस लिए, पुलिस टीम ने स्वयं को दो समूहों में बांट लिया तथा कल्लेड के जंगल में एक ऑपरेशन चलाया, परन्तु नक्सलवादियों का पता नहीं चल सका। लगातार ऑपरेशनों से थक जाने के कारण, पुलिसकर्मियों ने रात को कल्लेड के जंगल में विश्राम किया। अगले दिन अर्थात् दिनांक 06.12.2017 को लगभग 0715 बजे, जब पुलिस पार्टी दोबारा जंगल की तलाशी कर रही थी, तो उन पर अचानक भारी संख्या में सशस्त्र नक्सलवादियों के एक समूह ने हमला कर दिया।

तत्काल, सहायक पुलिस निरीक्षक भांड ने सहायक उप निरीक्षक मोतीराम मडावी और कुछ कार्मिकों को नक्सलवादियों को एक ओर से घेरने का निर्देश दिया, जबकि उन्होंने स्वयं अन्य कार्मिकों के साथ नक्सलवादियों को दूसरी ओर से घेरा। चूंकि, नक्सलवादियों ने बड़ी चट्टानों और पेड़ों के पीछे पोजीशन ले रखी थी; इसलिए उन्होंने पुलिस कर्मियों की दिशा में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और पुलिस टीम के तीन सदस्यों को घायल करने में सफल रहे। तथापि, सहायक पुलिस निरीक्षक भांड और सहायक उप निरीक्षक मोतीराम मडावी के सक्षम नेतृत्व में, पुलिसकर्मियों ने अपनी जान को अत्यधिक जोखिम में डालते हुए डटकर जवाबी कार्रवाई की। सहायक पुलिस निरीक्षक भांड और सहायक उप निरीक्षक मोतीराम मडावी के कुशल नेतृत्व तथा नायक पुलिस कांस्टेबल दामोदर चनय्या चिंतुरी, नायक पुलिस कांस्टेबल राजकुमार पांडुरंग भलावी, नायक पुलिस कांस्टेबल सागर मनोहर मुल्लेरवार, नायक पुलिस कांस्टेबल शंकर बक्काजी मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल रमेश शंकर असम, नायक पुलिस कांस्टेबल महेश किसन सयाम, पुलिस कांस्टेबल साईकृपा यशवंतराव मुरकुटे और पुलिस कांस्टेबल रत्नय्या बुचम गोरगुंडा द्वारा प्रदर्शित साहस के कारण इस मुठभेड़ में सात नक्सलवादियों को मार गिराया गया और कमांडो द्वारा भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्वश्री संदीप रमेश भांड, सहायक पुलिस निरीक्षक, मोतीराम बक्काजी मडावी, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, दामोदर चनय्या चिंतुरी, नायक पुलिस कांस्टेबल, राजकुमार पांडुरंग भलावी, नायक पुलिस कांस्टेबल, सागर मनोहर मुल्लेरवार, नायक पुलिस कांस्टेबल, शंकर बक्काजी मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल, रमेश शंकर असम, नायक पुलिस कांस्टेबल, महेश किसन सयाम, पुलिस कांस्टेबल, साईकृपा यशवंतराव मुरकुटे, पुलिस कांस्टेबल और रत्नय्या बुचम गोरगुंडा, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/12/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/169/2020-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 363-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मनिष कलवानिया, आईपीएस	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	भाऊसाहेब कैलास ढोले	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	संदीप पुंजा मंडलिक	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	मोतीराम बक्काजी मडावी	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
5	दयानंद विजय महाडेश्वर	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	जिवन चन्नु उमंडी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	राजेंद्र गुन्वी मडावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	विलास तुळशिराम पदा	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	मनोज एकनाथ इस्कापे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.10.2020 को, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री मनिष कलवानिया को एओपी ग्यारापट्टी, पुलिस स्टेशन कोरची के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत किस्नेली के वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में सशस्त्र नक्सलवादियों द्वारा शिविर लगाने के बारे में एक गुप्त और विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। सूचना के अनुसार, काफी बड़ी संख्या में प्लाटून 15, कम्पनी 4, तिपागढ़ एलओएस और कोरची एलओएस के सशस्त्र नक्सलवादियों ने उक्त स्थान पर शिविर लगा रखा था तथा वे एक बड़ी विध्वंसकारी कार्रवाई को अंजाम देने और इस प्रकार लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने के लिए षडयंत्र रच रहे थे। ये सशस्त्र नक्सलवादी सीधे तौर पर सीपीआई (माओवादी) गुट, जो केंद्र सरकार द्वारा घोषित एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, के शीर्ष कैडरों के इशारे पर कार्य कर रहे थे। तत्काल, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), गढ़चिरोली ने पुलिस अधीक्षक गढ़चिरोली के पर्यवेक्षण में पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) श्री भाऊसाहेब कैलास ढोले की सहायता से एक ऑपरेशन की योजना तैयार की। तदनुसार, श्री मनिष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), गढ़चिरोली के नेतृत्व में सी-60 पार्टी के 9 अधिकारियों और 148 कमांडों की एक टीम गठित की गई।

इसके बाद, दिनांक 18.10.2020 को प्राप्त खुफिया जानकारी की गंभीरता को समझते हुए, पुलिस की टीमों 1030 बजे निजी वाहनों में सवार हुई और किस्नेली के जंगल में नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाने के लिए गढ़चिरोली से रवाना हुई। लगभग 1245 बजे किस्नेली के वन क्षेत्र के नजदीक पहुंचने पर, पुलिसकर्मी वाहनों से नीचे उतरे और योजना के अनुसार पैदल आगे बढ़े। ऑपरेशन की दृष्टि से, पुलिसकर्मियों को इसके बाद तीन समूहों में बांट दिया गया। पहले समूह का नेतृत्व मनिष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने किया, जिसमें पुलिस उप निरीक्षक मोतीराम बक्काजी मडावी, पुलिस उप निरीक्षक राहुल नामदेव तथा सुभाष वाढई की पार्टी और मोतीराम मडावी की पार्टी के कमांडो शामिल थे। दूसरे समूह का नेतृत्व सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप पुंजा मंडलिक ने किया और इसमें पुलिस उप निरीक्षक दयानंद विजय महाडेश्वर, पुलिस उप निरीक्षक राहुल अवहद नामक सदस्य और जगदेव मडावी की पार्टी तथा गोपाल उमंडी की पार्टी के कमांडो शामिल थे। तीसरे समूह का नेतृत्व भाऊसाहेब कैलास ढोले, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन), गढ़चिरोली ने किया और इसमें पुलिस उप निरीक्षक रोहित फेम, पुलिस उप निरीक्षक प्रेम कुमार दांडेकर तथा नागेश टेकम एवं उनकी पार्टी के सदस्य तथा किशोर अतरम नामक पुलिसकर्मी और उनकी पार्टी के सदस्य शामिल थे। तत्पश्चात, पुलिस कार्मिकों के इन तीनों समूहों ने अपने बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए नक्सल-रोधी ऑपरेशन शुरू किया और जंगल की तलाशी करते हुए आगे बढ़े।

तत्पश्चात, किस्नेली के जंगल में तलाशी करने के बाद, जब उपर्युक्त तीनों समूह एक पहाड़ी की ओर आगे बढ़ रहे थे, तभी लगभग 40 से 50 सशस्त्र नक्सलवादियों ने पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी करके और बम फेंक कर बीच वाले समूह पर अचानक हमला कर दिया।

सशस्त्र नक्सलवादी, जिन्होंने पहाड़ी की चोटी पर रणनीतिक पोजीशन ले रखी थी, बड़ी चट्टानों के पीछे उपयुक्त कवर के साथ लाभकारी पोजीशन में थे, जिससे उनके लिए पुलिसकर्मियों पर हमला करना सुगम हो गया था। पुलिसकर्मियों ने भीषण हमले से बचने के लिए तुरंत जमीन पर पोजीशन ले ली और नक्सलवादियों से अपने हथियार डाल देने तथा पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। परन्तु, नक्सलवादियों ने इस अपील पर कोई ध्यान नहीं दिया और उन्होंने पुलिसकर्मियों पर हमला करना जारी रखा। इसलिए, पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में नक्सलवादियों की दिशा में नियंत्रित गोलीबारी करके जवाबी कार्रवाई की। नक्सलवादियों को आपस में ऊंची आवाज में यह कहते हुए सुना जा सकता था कि सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दो और उन्हें बचकर मत जाने दो।

सहायक पुलिस निरीक्षक मंडलिक के नेतृत्व वाले समूह, जो बीच में था, पर अत्यधिक भीषण गोलीबारी की गई। शीघ्र ही यह महसूस किया गया कि इस समूह पर नक्सलवादियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया है। तत्काल यह सूचना वायरलेस सेट पर अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) और पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) को दी गई और अतिरिक्त सहायता मांगी गई। जैसे ही श्री कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), जो अपनी टीम के सदस्यों के साथ बायीं दिशा में कुछ ही दूरी पर मौजूद थे, को यह पता चला कि एक समूह नक्सलवादियों के मारक क्षेत्र में फंस गया है, तो वे सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल चल पड़े। उस दिशा से रेस्क्यू पार्टी के आने की संभावना का अनुमान लगाते हुए, नक्सलवादियों ने पहाड़ी पर रणनीतिक पोजीशन लेने की योजना पहले से ही बना रखी थी और उन्होंने रेस्क्यू पार्टी की दिशा में भारी गोलीबारी शुरू कर दी। रणनीतिक दृष्टि से कमजोर पोजीशन में होने के बावजूद, श्री कलवानिया ने अपने समूह के पुलिस कार्मिकों के साथ अपनी जान को अत्यधिक जोखिम में डालते हुए, नक्सलवादियों की दिशा में तीव्र गोलीबारी शुरू कर दी और घात में फंसी पार्टी के बचाव के लिए आगे बढ़ना शुरू कर दिया। आगे बढ़ते समय, इस समूह को नक्सलवादियों की ओर से गोलियों की बौछार का सामना करना पड़ा और उन नक्सलवादियों ने रेस्क्यू पार्टियों को घात में फंसी पुलिस पार्टी की ओर आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। इस समय अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री कलवानिया पुलिस उपनिरीक्षक मोतीराम बक्काजी मंडावी और पुलिस कांस्टेबल मनोज एकनाथ इस्कापे के साथ आगे बढ़ते हुए अचानक शेष पार्टी से अलग हो गए और वे थोड़ी देर तक नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करते हुए बहुत तेजी से आगे बढ़े और उन्होंने एक चट्टान के पीछे लाभकारी पोजीशन ले ली तथा नक्सलवादियों की ओर भारी गोलीबारी की। नक्सलवादियों को इस जोखिमपूर्ण कार्रवाई की उम्मीद नहीं थी, इसलिए उन्हें अपनी पोजीशन बदलनी पड़ी और उन्हें अपने समूह पुनः गठित करने पड़े। नक्सलवादियों पर आक्रामक गोलीबारी करते हुए, श्री कलवानिया ने नक्सलियों के विरुद्ध साहसिक और शौर्यपूर्ण कार्रवाई करके अपनी टीम के सदस्यों को कवर गोलीबारी प्रदान की, जिससे वे रणनीतिक पोजीशन और उपयुक्त कवर प्राप्त कर सकें साथ ही और उन्होंने सैन्य बल का मनोबल भी ऊंचा बनाए रखा। श्री कलवानिया, मोतीराम मंडावी और पुलिस कांस्टेबल मनोज इस्कापे द्वारा की गई इस शौर्यपूर्ण कार्रवाई से शेष पार्टी को आगे बढ़ने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ, जिससे नक्सलवादियों की घात में फंसे कार्मिकों की जान बच गई।

इसी दौरान, श्री भाऊसाहेब कैलास ढोले, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) ने घात में फंसी पार्टी की दायीं दिशा में सी-60 कमांडो के एक समूह का नेतृत्व किया। यह समूह भी फंसे हुए कार्मिकों के बचाव हेतु घात वाले स्थान की ओर आगे बढ़ रहा था। जैसे ही इस समूह ने आगे बढ़ना शुरू किया, तभी नक्सलवादियों ने इस समूह पर भी भारी गोलीबारी शुरू कर दी। आगे बढ़ने और गोलियों की बौछार से बचने के दौरान, इस समूह के पुलिस कांस्टेबल विलास तुळशिराम पदा का संतुलन बिगड़ गया और वे फिसल गए तथा नीचे गिर गए, जिससे उनका हथियार उनके हाथ से छूट गया। यह देखते हुए, नक्सलवादियों ने उन्हें मारने और उनका हथियार छीनने के इरादे से उनके ऊपर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। परन्तु, उक्त पार्टी भारी गोलीबारी के बावजूद पीछे नहीं हटी। इस अवसर पर, श्री ढोले और नायक पुलिस कांस्टेबल राजेन्द्र गुन्ची मंडावी ने अनुकरणीय वीरता का प्रदर्शन किया तथा अपनी जान को अत्यधिक जोखिम में डालते हुए अपनी कवर से बाहर निकलकर, विलास पदा की ओर आगे बढ़े और उन्हें कवर गोलीबारी प्रदान की। उनकी कवर गोलीबारी के कारण, विलास पदा ने अपनी पोजीशन पुनः संभाल ली और अपना हथियार भी प्राप्त कर लिया। श्री ढोले और नायक पुलिस कांस्टेबल राजेन्द्र मंडावी के वीरतापूर्ण प्रयासों की वजह से विलास पदा की जान बच गई। श्री ढोले ने अपने समूह को वीरतापूर्ण नेतृत्व प्रदान किया, जिसके बाद वे भारी गोलीबारी करते हुए घात में फंसी पार्टी की ओर आगे बढ़े। इस समूह की सहायता के कारण घात में फंसी पार्टी पर नक्सलवादियों का हमला कमजोर पड़ गया।

सहायक पुलिस निरीक्षक मंडलिक के नेतृत्व वाली पार्टी, जो नक्सलवादियों की घात में फंसी हुई थी, पीछे नहीं हटी तथा अपनी पोजीशन पर डटी रही और नियंत्रित गोलीबारी करती रही, जिसके दौरान सहायक पुलिस निरीक्षक मंडलिक, पुलिस उप निरीक्षक दयानंद विजय महादेश्वर और जिवन उमेंडी ने अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। उन्होंने सामने की ओर पोजीशन ले ली और अपनी जान को खतरे में डालकर भारी गोलीबारी करते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिससे उनके साथी पुलिसकर्मियों की जान बच गई तथा नक्सलवादियों को आगे बढ़ने से भी रोक दिया। इन तीनों कार्मिकों ने अपनी टीम के सदस्यों की जान बचाने के एक मात्र और निःस्वार्थ इरादे से, नक्सलियों की गोलीबारी का निःस्वार्थ रूप से सामना करते हुए अत्यधिक साहस और वीरता का प्रदर्शन किया।

पुलिस द्वारा विभिन्न दिशाओं से किए गए इस आक्रामक हमले और रणनीतिक कार्रवाई की वजह से, सशस्त्र नक्सलवादी कैडरों ने भी अपने हमले को तेज करने का प्रयास किया, परन्तु पुलिस टीम उनके दबाव के आगे नहीं झुकीं और उन्होंने अपनी रणनीतिक फार्मेशन को बनाए रखा। श्री मनिष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) द्वारा प्रदान किए गए वीरतापूर्ण नेतृत्व और अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवादियों पर आक्रामक गोलीबारी करते हुए बहादुरी से आगे बढ़ने की साहसपूर्ण निःस्वार्थ कार्रवाई की वजह से, नक्सलवादियों को अपने स्थान से हटना पड़ा और इससे अन्य सदस्य भी पुरजोर तरीके से लड़ने के लिए प्रेरित हुए, जिससे साथी कार्मिकों की जान बच गई। इसी प्रकार, स्वयं पार्टी का नेतृत्व करके अपनी टीम के सदस्यों का मनोबल बढ़ाते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना विलास पदा को बचाने और घात में फंसी पार्टी की ओर आगे बढ़ने में भाऊसाहेब कैलास ढोले, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) ने अत्यधिक साहस तथा नेतृत्व गुण का प्रदर्शन किया। पुलिस उप निरीक्षक मोतीराम मंडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल राजेन्द्र मंडावी, पुलिस कांस्टेबल मनोज इस्कापे और पुलिस कांस्टेबल विलास पदा ने गोलियों का सामना करके और साथी कार्मिकों की जान को बचाने के निःस्वार्थ उद्देश्य से आगे बढ़कर अत्यधिक बहादुरी का प्रदर्शन किया। सहायक पुलिस निरीक्षक मंडलिक, पुलिस उप निरीक्षक महादेश्वर और जिवन उमेंडी ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने कार्मिकों के साथ जबरदस्त बचाव का प्रदर्शन किया और घातक आक्रमण का सामना किया, ताकि वे अपने पार्टी के सदस्यों की जान बचा सकें। एओपी ग्यारापट्टी के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत किस्नेली के घने जंगल में पुलिस और नक्सलवादियों के बीच बंदूक की यह भीषण लड़ाई लगभग 30 से 40 मिनट तक चली। पुलिस द्वारा की गई साहसिक पहल, रणनीतिक कार्रवाई और जवाबी हमलों की वजह से नक्सलवादियों को पहाड़ी

की चोटी पर अपनी पोजीशन से हटना पड़ा। चूंकि, नक्सलवादी पुलिस कार्मिकों के हाथों हताहत होने लगे थे, इसलिए उन्होंने धीरे-धीरे जंगल के भीतर पीछे हटना शुरू कर दिया। इसके बाद, पुलिस की प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई का और अधिक सामना करने में सक्षम न होने के कारण, नक्सलवादी पहाड़ी क्षेत्र की कवर का लाभ उठाते हुए वहां से भाग गए।

पुलिसकर्मियों के इस असाधारण साहस और वीरतापूर्ण कार्रवाई के परिणामस्वरूप नक्सलवादियों के सीपीआई (माओवादी) समूह के पांच खूंखार नक्सलवादियों का सफाया हो गया। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने घटना स्थल से 01 ईसास राइफल, दो .303 राइफल, 12 बोर की 02 गन, काफी मात्रा में गोलाबारूद, मल्टीमीटर, पिटू, नक्सली यूनिफार्म, बर्तन, पटाखे, नक्सली साहित्य, नक्सलवादियों की अन्य वस्तुएं तथा दैनिक उपयोग की सामग्रियां भी बरामद कीं।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री मनिष कलवानिया, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, भाऊसाहेब कैलास ढोले, पुलिस उपाधीक्षक, संदीप पुंजा मंडलिक, सहायक पुलिस निरीक्षक, मोतीराम बक्काजी मंडावी, पुलिस उप निरीक्षक, दयानंद विजय महाडेश्वर, पुलिस उप निरीक्षक, जिवन चतुर्सेडी, नायक पुलिस कांस्टेबल, राजेंद्र गुन्वी मंडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल, विलास तुळशिराम पदा, पुलिस कांस्टेबल और मनोज एकनाथ इस्कापे, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/91/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 364-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	समीर अस्लम शेख	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मनोज नारायण गज्जमवार	पुलिस नायक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अशोक पाडु मज्जी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	देवेंद्र ग्यानिराम फाकमोडे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गांव मोरचुल के निकट पहाड़ी पर डेरा डाले हुए कोरची लोकल ऑर्गेनाइजिंग स्क्वैड (एलओएस), टीपागढ़ लोकल ऑर्गेनाइजिंग स्क्वैड (एलओएस), प्लाटून सं. 15, कम्पनी सं. 4 और कसनसुर लोकल ऑर्गेनाइजिंग स्क्वैड (एलओएस) के नक्सलवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। इस दुर्गम क्षेत्र में और इस अवधि के दौरान सफलता मिलने से सुरक्षा बल इस क्षेत्र में मजबूत स्थिति में होंगे।

श्री समीर अस्लम शेख ने बिना हिचकिचाए अथवा संभलने एवं सतर्क होने की प्रतीक्षा किए बिना, एक लीडर के रूप में यह महसूस करते हुए तत्काल जमीनी स्तर पर ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया कि एक वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी से सैन्य बलों का मनोबल बढ़ेगा और इससे बेहतर समन्वय हो सकेगा तथा प्रभावकारिता भी बढ़ेगी। वे उपर्युक्त कार्यों को ध्यान में रखते हुए अपने सैन्य बलों के साथ तत्काल उक्त स्थान पर पहुंचे। इसमें शामिल प्रत्येक पार्टी को अपेक्षित जानकारी प्रदान करने के बाद, उन्होंने उनके मिशन के महत्व पर बल देते हुए अगले कार्य के लिए मानसिक रूप से तैयार होने में उनकी सहायता की। जहां तक उक्त लोकेशन का संबंध है, वहां पर नजर में आए बिना पहुंचना कठिन था और साथ ही उक्त क्षेत्र, पहाड़ी प्रकृति का होने के साथ-साथ, रात के घने अंधेरे की वजह से भी विशेष रूप से एक दुर्गम क्षेत्र था।

पार्टियां भोर होते ही पहाड़ी की तलहटी में पहुंच गईं और श्री समीर अस्लम शेख के निर्देशानुसार, सर्च पार्टियों को दो समूहों में बांट दिया गया। पहले समूह का नेतृत्व श्री समीर अस्लम द्वारा किया गया और दूसरे समूह का नेतृत्व श्री विजय द्वारा किया गया। योजना के अनुसार, श्री समीर अस्लम शेख ने दोनों समूहों को पहाड़ी की तलहटी में फैल जाने का निर्देश दिया। इसलिए पार्टियों ने पूर्ण गोपनीयता और सतर्कता बनाए रखते हुए पहाड़ी पर चढ़ना शुरू कर दिया। चूंकि, उस समय तक नक्सलवादियों की वास्तविक पोजीशन का पता नहीं चल सका था, इसलिए सटीक लोकेशन का पता लगाने के लिए, श्री समीर अस्लम शेख ने एक छोटी टीम को, नजर में आए बिना, उनकी लोकेशन तक पहुंचने का निर्देश दिया। दो कमांडो आगे बढ़े और उन्होंने नक्सलवादियों की लोकेशन का पता लगाया और यह पाया कि वहां पर

लगभग 40-50 नक्सलवादी मौजूद हैं। पुलिस बलों की तुलना में नक्सलवादी एक ऊँचे स्थान पर मौजूद थे और वे रणनीतिक दृष्टि से लाभप्रद पोजीशन में थे। श्री समीर अस्लम शेख इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि नक्सवादियों की रणनीतिक दृष्टि से लाभप्रद पोजीशन के कारण, वहां पर नजर में आए बिना ठहरना मुश्किल है। उनकी योजना नक्सलवादियों को पीछे की दिशा से घेरने की थी तथा उक्त निर्णय का दूसरा उद्देश्य नजर में आए बिना आगे बढ़ना था और यदि वे नजर में आ भी जाएं, तो नक्सवादियों को पीछे की दिशा से बचकर भागने से रोका जा सके। लगभग 0600-0630 बजे, चारों ओर सूरज की रोशनी फैलने पर, जब पहला समूह उक्त स्थल के बीच रास्ते तक ही पहुंचा था, तभी नक्सलवादियों के संतरी ने पुलिस पार्टियों की गतिविधि को देख लिया और तत्काल उनके ऊपर गोलीबारी करना तथा विस्फोटक फेंकना शुरू कर दिया। वहां पर घनी झाड़ियां और बड़े-बड़े शिलाखंड भी थे, जिनके पीछे छिपकर नक्सलवादी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे और विस्फोटक भी फेंक रहे थे। नक्सलवादियों से गोलीबारी रोकने तथा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। परन्तु उन्होंने इनकार कर दिया।

माओवादी ग्रेनेडों का इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे सैन्य बलों के लिए पहाड़ी के ऊपर चढ़ना मुश्किल हो रहा था। जब पहला समूह धीरे-धीरे ऊपर की ओर आगे बढ़ रहा था, तभी नक्सलवादियों द्वारा एक विस्फोटक फेंका गया, जिससे दो जवान घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, देवेंद्र ग्यानिराम फाकमोडे, पुलिस कांस्टेबल ने अपनी पोजीशन नहीं छोड़ी और उन्होंने नक्सलवादियों की ओर गोलीबारी जारी रखी। इससे नक्सलवादी न तो आगे बढ़ सके और न ही उनके अथवा दूसरे घायल जवानों के नजदीक पहुंच सके।

जैसे ही घायल जवान खतरे के क्षेत्र से बाहर निकले, तभी श्री समीर शेख ने अपने सैन्य बल को एकजुट करना और नक्सलवादियों की दिशा में गोलीबारी करना शुरू कर दिया, जिसके दौरान एक घायल पुरुष नक्सलवादी बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। अपने लीडर द्वारा प्रदर्शित साहस को देखते हुए, उक्त समूह ने गोलीबारी करते हुए अधिक बहादुरी के साथ आगे बढ़ना शुरू कर दिया। अचानक किए गए इस जोरदार हमले ने नक्सलवादियों के हमलावर समूह को पीछे हटने के लिए विवश कर दिया और उन्होंने इस समूह को छोड़कर उनकी तरफ आगे बढ़ रहे दूसरे समूह पर हमला करना शुरू कर दिया।

नक्सलवादियों ने श्री विजय चव्हाण के नेतृत्व वाले समूह पर काबू पाने और उसे ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए गोलियों और विस्फोटकों की बौछार की। चूंकि, नक्सलवादी अधिक ऊंचाई पर थे, इसलिए उन्होंने पुनः गोलियों और विस्फोटकों की बौछार करना शुरू कर दिया, जिनमें से एक इस समूह के एक जवान के नजदीक गिरी, जिसके स्प्लिंटर लगने से वह जवान घायल हो गया। यह महसूस करते हुए कि उक्त जवान फंस गया है, श्री अशोक पांडु मज्जी और श्री मनोज नारायण गज्जमवार कुछ जवानों के साथ अपनी निजी सुरक्षा अथवा जान की परवाह किए बिना अपने हथियारों से कवर फायरिंग प्रदान करने के लिए तेजी से आगे बढ़े। ऐसा करते समय, उन्हें कवर से मिली हुई सुरक्षा छोड़नी पड़ी और नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़ना पड़ा, ताकि वे घायल जवान की जान बचा सकें। श्री अशोक पांडु मज्जी और श्री मनोज नारायण गज्जमवार ने कुछ जवानों के साथ मिलकर घायल जवान को बचाने तथा कवर लेने हेतु उसकी सहायता करने में सफल रहे और इस सबके दौरान वे नक्सलवादियों के विरुद्ध लगातार जवाबी कार्रवाई भी करते रहे। परिणामी जवाबी गोलीबारी में एक घायल महिला नक्सलवादी एक छोटी घाटी में गिर गई और वहां पर बेहोश हो गई।

यह मुठभेड़ लगभग 40-50 मिनट तक चली, लेकिन पार्टियों ने अत्यधिक जोश के साथ जवाबी कार्रवाई की। इसके परिणामस्वरूप, नक्सलवादी भाग गए और घने जंगल में गायब हो गए। सर्च ऑपरेशन के दौरान, अचेत अवस्था में दो नक्सलवादी (एक पुरुष और एक महिला) मिले, जिन्हें बाद में मृत घोषित कर दिया गया तथा उनकी पहचान राजा उर्फ रामसाई नोहरु मडावी, टीपागढ़ एलओएस के कमांडर और रनीता उर्फ पुनीता चिप्लूराम गावडे, कासनसुर एलओएस की प्लाटून सदस्य के रूप में की गई। तलाशी के दौरान 1 एसएलआर राइफल, 1 एसएलआर मैगजीन, 30 एसएलआर गोलाबारूद, 12 बोर के 8 क्षतिग्रस्त गोलाबारूद आदि भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री समीर अस्लम शेख, अपर पुलिस अधीक्षक, मनोज नारायण गज्जमवार, पुलिस नायक, अशोक पांडु मज्जी, पुलिस कांस्टेबल और देवेंद्र ग्यानिराम फाकमोडे, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/05/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1193/16/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 365-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	हर्षल सुरेश जाधव	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2	स्व. जगदेव राजमथा मडावी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	सेवकराम गांजु मडावी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	सुभाष आनंदराव वाढई	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	रोहित जनार्दन गोंगले	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.10.2018 को, एओपी मालेवाडा, पुलिस स्टेशन कोरची के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कुमदपार के जंगल में भारी संख्या में नक्सलवादियों के शिविर लगाने के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। इस खुफिया जानकारी के अनुसार, नक्सलवादियों के समूह में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) गुट के गणपति, भूपति, मिलिंद तेलतुम्बडे, प्रभाकर जैसे शीर्ष कैडर शामिल थे और वे समाज में असंतोष पैदा करने के लिए एक बड़ी विध्वंसकारी कार्रवाई को अंजाम देने तथा लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को सत्ता से हटाने की योजना बना रहे थे।

इसलिए, पुलिस अधीक्षक गढ़चिरोली के आदेश पर, उक्त वन क्षेत्र में एक नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाने के लिए डॉ. हरि बालाजी, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) द्वारा एक योजना तैयार की गई। उसके तुरंत बाद, कमांडो की एक टीम गठित की गई, जिसमें 47 पुलिसकर्मी थे। इस टीम में हेड कांस्टेबल जगदेव राजमथा मडावी की कमान में सी-60 दस्ते के 24 पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस उप निरीक्षक दयानंद महादेश्वर और नायक पुलिस कांस्टेबल बच्चू हलामी की कमान में सी-60 दस्ते के 20 पुलिसकर्मी पुलिस उप निरीक्षक हर्षल सुरेश जाधव के साथ शामिल थे। इसके बाद, पुलिसकर्मियों की टीम नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाने और अपराधियों को पकड़ने के लिए दिनांक 15.10.2018 को 2200 बजे निजी वाहनों से गढ़चिरोली के लिए रवाना हुई। उनका काफिला दिनांक 16.10.2018 को 0200 बजे काटेजरी के जंगल में पहुंच गया और फिर वे एक स्थान पर वाहनों से उतर गए। उसके बाद, 0500 बजे सुबह होने पर, उन्होंने ऑपरेशन को सुगम बनाने की दृष्टि से छोटे-छोटे समूहों में ऑपरेशन शुरू किया।

दो दस्ते, एक पार्टी कमांडर हेड कांस्टेबल जगदेव राजमथा मडावी के नेतृत्व में और दूसरा बच्चू हलामी के नेतृत्व में, एक दूसरे के समानांतर जंगल में तलाशी कर रहे थे। लगभग 1100 बजे, बच्चू हलामी की कमान वाले दस्ते पर नक्सलवादियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया। नक्सलवादी एक पहाड़ी की चोटी से गोलियों की बौछार कर रहे थे और कमांडो को हमलों के प्रति असुरक्षित बना रहे थे। पुलिस उप निरीक्षक हर्षल जाधव और उप कमांडर सुभाष वाढई के नेतृत्व वाली पार्टी भी नक्सलवादियों के हमले की चपेट में आ गई।

इसलिए, पुलिस कांस्टेबल रोहित जनार्दन गोंगले, पुलिस कांस्टेबल दुर्गेश मेशराम, पुलिस कांस्टेबल दीपक मडावी, पुलिस कांस्टेबल रामलाल कोरेती और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ पार्टी कमांडर हेड कांस्टेबल जगदेव मडावी नक्सलवादियों द्वारा घेरे गए पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए चल पड़े। पुलिस कांस्टेबल राजू ठाकरे, नायक पुलिस कांस्टेबल राजकुमार सयाम, पुलिस कांस्टेबल पिताम्बर राउत तथा पुलिस कांस्टेबल जयसिंह हिदामी के साथ पुलिस उप निरीक्षक दयानंद महादेश्वर ने उन नक्सलवादियों को घेरना शुरू कर दिया, जिन्होंने बच्चू हलामी के दस्ते को घेर रखा था। यद्यपि नक्सलवादी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे, तथापि, सात पुलिसकर्मियों के साथ जगदेव मडावी और रोहित गोंगले अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चू हलामी के दस्ते की सहायता करने के लिए पहाड़ी की ओर से आगे बढ़े।

इस वीरतापूर्ण जवाबी कार्रवाई ने उन नक्सलवादियों को पीछे हटने के लिए विवश कर दिया, जो दायीं दिशा से उनकी ओर भारी गोलीबारी कर रहे थे। इस पर, पुलिस उप निरीक्षक हर्षल जाधव और सुभाष वाढई ने फंसे हुए पुलिसकर्मियों से बाँकी-टाँकी सेट पर बात की और उन्हें बताया कि वे नक्सलवादियों की घात को तोड़ने में सफल हो गए हैं। तत्पश्चात, सभी कमांडो ने प्रभावकारी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिससे नक्सलवादी नुकसान उठाते हुए जंगल में पीछे हटने के लिए विवश हो गए। इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी नामतः पुलिस कांस्टेबल राजू ठाकरे घायल हो गए थे और बाकी अन्य लोग सुरक्षित थे।

पुलिस पार्टियां एक नक्सलवादी का सफाया करने और दलम के कई अन्य सदस्यों को घायल करने में सफल रहीं। इसके साथ-साथ, कमांडो भारी गोलाबारूद और नक्सली साहित्य के साथ 5.56 एमएम की एक इंसास राइफल बरामद करने में भी सफल रहे।

इस ऑपरेशन में, सर्वश्री हर्षल सुरेश जाधव, पुलिस उप निरीक्षक, स्व. जगदेव राजमथा मडावी, हेड कांस्टेबल, सेवकराम गांजु मडावी, हेड कांस्टेबल, सुभाष आनंदराव वाढई, नायक पुलिस कांस्टेबल और रोहित जनार्दन गोंगले, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/171/2020-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव



सं. 366-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	योगिराज रामदास जाधव	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	स्वर्गीय धनाजी तानाजी होनमाने	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	दसरू देवु कुरसामी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	दिपक वृकलु विडपी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	सुरज पोशेट्टी गंजीवार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	स्वर्गीय किशोर लक्ष्मण आत्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
7	गजानन रामदास आत्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	योगेश्वर गजानन सडमेक	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	अंकुश माधव खंडाळे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15/05/2020 को एओपी कोठी, पुलिस स्टेशन भामरागढ़ के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कोपारशी-पोयारकोठी के वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में सशस्त्र नक्सलियों के डेरा डालने की जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में सशस्त्र नक्सली उक्त स्थल पर डेरा डाले हुए थे और एक बड़ी विध्वंसक कार्रवाई करने और इस तरह से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को सत्ता से हटाने के लिए अपराधिक साजिश रच रहे थे। इसके अलावा, सशस्त्र नक्सली सीधे सीपीआई (माओवादी) समूह के शीर्ष कैडरों, नामतः बसवाराज, भूपति, मिलिंद तेलतुंबाडे, प्रभाकर, भास्कर, कोपा उमंडी, शंकरप्पा, तारक्या, देवजी और अन्य के इशारे पर काम कर रहे थे। तत्काल उक्त क्षेत्र में ऑपरेशन चलाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा एक नक्सल विरोधी ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

योजना के अनुसार, पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव, नायक पुलिस कांस्टेबल महेश मिच्छा के नेतृत्व वाले दल के 20 पुलिसकर्मी और पार्टी कमांडर नायक पुलिस कांस्टेबल सरजू वेलाडी के नेतृत्व वाले पुलिस दल के 23 पुलिसकर्मी और पुलिस उप निरीक्षक अविनाश गवडी (प्रां.व.) के साथ दिनांक 15/05/2020 को 2220 बजे प्राइवेट वाहन में पनहिता से निकले और भामरागढ़ के वन के पास पहुंच गए। पुलिस कांस्टेबल गजानन रामदास आत्राम के नेतृत्व में एक क्रिक रिप्लेशन टीम (क्यूआरटी) दल और पुलिस उप निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने, पुलिस उप निरीक्षक (प्रां.व.) किरण शिवाजी उगाडे और 15 पुलिसकर्मी भी भामरागढ़ से पैदल चल पड़े और नक्सल विरोधी ऑपरेशन चलाने के लिए 2215 बजे तक उक्त भामरागढ़ वन क्षेत्र में पहुंच गए। इसके बाद, क्यूटीआर टीम पूर्व निर्धारित स्थल पर पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव से मिली।

इसके बाद, पुलिस कार्मिकों को दो समूहों में बांट दिया गया। एक समूह में क्यूआरटी के कुछ कमांडो और पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव के नेतृत्व वाले दल के कुछ लोग शामिल किए गए थे और दूसरे समूह में नायक पुलिस कांस्टेबल सरजू वेलाडी के नेतृत्व में शेष पुलिस कार्मिक शामिल किए गए थे। फिर उन्होंने कोपर्शी के वन में तलाशी लेनी (कांविंग) शुरू कर दी और हिंदुर के वन की ओर चल पड़े। हिंदुर के वन में नक्सल विरोधी ऑपरेशन चलाने के बाद, उन्होंने दिनांक 16/05/2020 को पोयारकोठी के वन में प्रवेश किया और फिर वन में रात्रि का विश्राम किया।

अगले दिन दिनांक 17/05/2020 को लगभग 0500 बजे, पुलिस कार्मिकों ने फिर से नक्सल विरोधी ऑपरेशन शुरू किया और वे सिंगल लाइन फॉर्मेशन में पोयारकोठी के वन से होकर आगे बढ़ रहे थे। पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम पायलट के रूप में कार्य कर रहे थे और उनके पीछे पुलिस उप निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और उनके पीछे नायक पुलिस कांस्टेबल दसरू देवु कुरसामी और उनके पीछे पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव और उनके पीछे पुलिस टीम के बाकी सदस्य थे। लगभग 0600 बजे, जब वे एक पहाड़ी पर चढ़ रहे थे, पायलट पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम ने देखा कि जैतून हरे रंग की बर्दी में कुछ लोग उनके आगे के रास्ते पर कुछ दूरी पर छिपे हुए हैं। उन्होंने फौरन टीम के बाकी सदस्यों को सावधानी बरतने का इशारा किया। कुछ ही समय में, वे पहाड़ी की ओर की तीनों दिशाओं से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की चपेट में आ गए। पुलिस दल ने तुरंत जमीन पर पोजीशन ले ली और बड़ी चट्टानों और पेड़ों का उपयोग करके अपनी रक्षा की। पुलिस टीम ने महसूस किया कि वे जैतून हरे रंग की बर्दी पहने महिलाओं सहित 80-100 सशस्त्र नक्सलियों द्वारा 'यू' टाइप फॉर्मेशन में लगाई गई घात में फंस गए हैं। पुलिस उप निरीक्षक जाधव ने चिल्लाकर नक्सलियों से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की अपील की। लेकिन, नक्सलियों ने की गई अपील को अनसुना कर दिया और पुलिस टीम की ओर ताबड़तोड़ गोलीबारी करते रहे। अतः, पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी का सहारा लिया।

पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम, पायलट और पुलिस उप निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने ने असाधारण वीरता और युद्धकौशल का प्रदर्शन करते हुए नक्सली हमले का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। उपर्युक्त दो कार्मिकों द्वारा की गई प्रभावी जवाबी कार्रवाई ने

नक्सलियों की ओर से आ रही गोलीबारी की तीव्रता को कम कर दिया। इस प्रकार, पुलिस कार्मिकों को उपयुक्त ढाल (शील्ड) के पीछे पोजीशन लेने का अवसर मिल गया। घात लगाकर बैठे हुए नक्सलियों ने पुलिस उप निरीक्षक होनमाने और पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम को निशाना बनाते हुए इन दोनों कार्मिकों की ओर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। नतीजतन, पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम को एक गोली लगी और वे घायल हो गए। यह देखकर पुलिस उप निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने ने घायल पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम को बचाने के लिए नक्सलियों की ओर गोलीबारी की और उसी के साथ वे उनकी ओर दौड़ पड़े। जैसे ही किशोर लक्ष्मण आत्राम को सहायता प्रदान करने के लिए पुलिस उप निरीक्षक होनमाने उनकी ओर बढ़े, ठीक उसी समय, उन्हें भी एक गोली लगी और वे भी घायल हो गए। पुलिस उप निरीक्षक धनाजी होनमाने और पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम, दोनों को गोली लगने के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह नहीं की और जवाबी कार्रवाई जारी रखी। पुलिस उप निरीक्षक होनमाने ने उस घायल अवस्था में, पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव से बाँकी-टाँकी पर संपर्क किया और उन्हें सूचित किया कि "नक्सलियों ने हम दोनों को घेर लिया है और वे अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे हैं; हम नक्सलियों को जवाब दे रहे हैं; आप भी गोलीबारी करके और सुरक्षा उपाय करके जवाबी कार्रवाई करो।" जैसे ही बाँकी-टाँकी सेट पर सूचना प्राप्त हुई, इसकी सूचना नायक पुलिस कांस्टेबल दसरू कुरसामी, पुलिस कांस्टेबल दिपक विडपी, नायक पुलिस कांस्टेबल नंदू विडपी और नायक पुलिस कांस्टेबल गोंगलू ओकसा को भी दी गई। अतः, फंसे हुए उपर्युक्त दो पुलिस कार्मिकों को बचाने के लिए, नायक पुलिस कांस्टेबल दसरू कुरसामी ने अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ अपनी जान को अत्यंत जोखिम में डाला और उन नक्सलियों की दिशा में भारी गोलीबारी करके सामरिक तरीके से आगे बढ़े। जब पुलिसकार्मिकों का यह दल आगे बढ़ रहा था, उन्हें क्लेमोर माइंस में विस्फोट करके भी निशाना बनाया गया। लेकिन, पुलिस कार्मिकों ने दृढ़ निश्चय किया हुआ था और उन्होंने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई जारी रखी, जिससे नक्सली जंगल में पीछे हट गए।

बाद में, पुलिस दल जब पुलिस उप निरीक्षक होनमाने और पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम के पास पहुंचा, तो दोनों घायल अवस्था में जमीन पर पड़े हुए मिले। यह भी पता चला कि नक्सलियों ने पुलिस कांस्टेबल किशोर आत्राम के कब्जे से एक एसजी राइफल, एक बाँकी-टाँकी सेट, एक मैगजीन पाउच, गोला-बारूद आदि छीन लिया था।

यह सुनिश्चित करने के बाद कि गोलीबारी पूरी तरह से बंद हो गई है, पुलिस कार्मिक, उपयुक्त एहतियाती बरतते हुए एक स्थान पर जमा हो गए। तत्पश्चात, पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव ने सभी सदस्यों से जमीनी स्थिति के बारे में पृष्ठताछ की और पाया कि दो कार्मिकों, नायक पुलिस कांस्टेबल गोंगलू ओकसा और नायक पुलिस कांस्टेबल राजू पुसाली को मामूली चोटें आई थीं।

बाद में, पुलिस उप निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और पुलिस कांस्टेबल किशोर लक्ष्मण आत्राम ने अपनी गोली की चोटों के कारण दम तोड़ दिया और वे शहीद हो गए। इन दोनों कार्मिकों ने युद्ध के मैदान में नक्सलियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। इसके अलावा, पुलिस कार्मिकों नामतः, पुलिस उप निरीक्षक योगिराज रामदास जाधव, नायक पुलिस कांस्टेबल दसरू देवु कुरसामी, पुलिस कांस्टेबल दिपक बुकलु विडपी, पुलिस कांस्टेबल सुरज पोशेट्टी गंजीवार, पुलिस कांस्टेबल गजानन रामदास आत्राम, पुलिस कांस्टेबल योगेश्वर गजानन सडमेक और पुलिस कांस्टेबल अंकुश माधव खंडाळे ने नक्सलियों से लड़ते हुए युद्ध के मैदान में वीरता का प्रदर्शन किया। इन कार्मिकों के संयुक्त प्रयासों ने नक्सलियों के भयानक मंसूबे को नाकाम कर दिया। वास्तव में, इन कार्मिकों ने पूरे गढ़चिरौली पुलिस बल के लिए बहादुरी और पेशेवरता की मिसाल कायम की है। इन जवानों ने अपनी जान अत्यंत जोखिम में डालकर बहादुरी से नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। नतीजतन, नक्सलियों को घने जंगल और पहाड़ी इलाके का कवर लेकर युद्ध के मैदान से भागना पड़ा।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री योगिराज रामदास जाधव, पुलिस उप निरीक्षक, स्वर्गीय धनाजी तानाजी होनमाने, पुलिस उप निरीक्षक, दसरू देवु कुरसामी, नायक पुलिस कांस्टेबल, दिपक बुकलु विडपी, पुलिस कांस्टेबल, सुरज पोशेट्टी गंजीवार, पुलिस कांस्टेबल, स्वर्गीय किशोर लक्ष्मण आत्राम, पुलिस कांस्टेबल, गजानन रामदास आत्राम, पुलिस कांस्टेबल, योगेश्वर गजानन सडमेक, पुलिस कांस्टेबल और अंकुश माधव खंडाळे, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/97/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 367-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, ओडिशा के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	कुमार कर्मी	कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2	पितवास पाण्डे	कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.10.2018 को, मलकानगिरी जिले (ओडिशा) की चित्रकोंडा पुलिस स्टेशन सीमा के तहत अद्रापल्ली पंचायत क्षेत्र के घने जंगल में सरकारी संपत्ति और सुरक्षा बलों के खिलाफ अपराध करने की योजना बना रहे माओवादियों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय इनपुट के आधार पर, इलाके को छानने और किसी भी अपराध को रोकने के लिए संदिग्धों को पकड़ने हेतु आंध्र पुलिस के ग्रेहाउंड्स, ओडिशा पुलिस के एसओजी के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। दिनांक 12.10.2018 की सुबह लगभग 0800 बजे, क्षेत्र में तैनात पुलिस कार्मिकों से रेडियो संचार के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि, ग्रेहाउंड्स और एसओजी का एक पुलिस दल अद्रापल्ली गांव के आसपास गश्त कर रहा था। जब उक्त दल गश्ती झूटी पर था, अचानक अद्रापल्ली गांव के उत्तर में पहाड़ियों से अत्याधुनिक हथियारों से ताबडतोड गोलीबारी के रूप में उन पर अकारण गोलीबारी हुई। इस बात का प्रबल संदेह था कि प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के सदस्य इस हमले को अंजाम दे रहे हैं। अपने पर गोली चलने के बाद, पुलिस कर्मिकों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत कवर ले लिया और एक सुसंगत एवं ऊंची आवाज में आत्मसमर्पण करने की अपील की। लेकिन, प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) ने अपील को नजरअंदाज किया तथा वे चट्टानों और घने जंगल का कवर लेकर पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। कोई अन्य विकल्प न बचने पर, पुलिस दल ने सामरिक पोजीशन ले ली और आत्मरक्षा में नियंत्रित जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) और पुलिस दल के सशस्त्र कैडरों के बीच करीब 20 मिनट तक एक-दूसरे पर गोलीबारी जारी रही। इसके बाद सीपीआई (माओवादी) की ओर से गोलीबारी बंद हो गई। पुलिस दल करीब एक घंटे तक चुप-चाप इंतजार करता रहा। इसके बाद, पुलिस दल सावधानीपूर्वक उस स्थान पर पहुंचा जहां से गोलीबारी हो रही थी और वहां पर उन्हें ऑलिव ग्रीन रंग की पोशाक पहने एक महिला के शव के साथ 9 एमएम कार्बाइन और 21 राउंड्स तथा 01 किट बैग मिला और ऑपरेशन को आगे जारी रखा गया। इस घटना के संबंध में, चित्रकोंडा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 120-बी/21/121-ए/124/307/149, आयुध अधिनियम की धारा 25/27, दांडिक विधि (संशोधन) अधिनियम की धारा 17 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 की धारा 16(1)(बी)/18/20 के तहत दिनांक 13.10.2018 की मामलागत संख्या 99 के रूप में एक एफआईआर दर्ज की गई है। मारी गई महिला माओवादी की पहचान एक खूंखार माओवादी, नामतः मीना उर्फ निदिगिंडा प्रमीला (डीसीएम), पत्नी गजराला रवि उर्फ उदय (सीसीएम), गांव-पंचनापेटा, पुलिस स्टेशन-बचनापेटा, जिला-वारंगल (तेलंगाना) के रूप में हुई। वह एओबीएसजेडसी के तहत गुम्मा एसी की मंडल समिति सदस्य के रूप में कार्यरत थी। ओडिशा सरकार ने उसके खिलाफ 5,00,000/-रुपये (पांच लाख रुपये मात्र) का नकद इनाम घोषित किया था तथा अन्य पड़ोसी राज्यों ने भी उस पर और अधिक इनाम रखा था। यहां यह उल्लेख करना संगत होगा कि, इस ऑपरेशन के दौरान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (ओडिशा) की टीम और ग्रे हाउंड्स (आंध्र प्रदेश) की टीमों द्वारा अनुकरणीय समन्वित टीम वर्क के उच्चतम मानक निर्धारित किए गए।

नक्सलियों के साथ इस मुठभेड़ में कमांडो कुमार कर्मी और पितवास पाण्डे ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने जीवन की परवाह किए बिना, दूसरों के लिए व्यक्तिगत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, सामने से नेतृत्व किया। इस ऑपरेशन में मिली भारी सफलता में उनका बड़ा योगदान है। ऑपरेशन के एक चरण में, माओवादी हमारे मुख्य फायरिंग समूह को पछाड़ सकते थे। उस वक्त कोई भी गलत फैसला हमारे दल के लिए घातक साबित हो सकता था। तथापि, एसओजी एटी संख्या 40 के श्री कुमार कर्मी और श्री पितवास पाण्डे ने मौके के अनुसार कार्रवाई करते हुए गोलीबारी शुरू कर दी, जबकि इस प्रक्रिया में समूह का कोई भी सदस्य शहीद हो सकता था।

उसके बाद भी, टीम के दोनों सदस्य अत्यधिक जोखिम के बावजूद खुले में आ गए और अपनी जान दांव पर लगा दी। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान कई बार अपनी जान जोखिम में डाली।

इस ऑपरेशन में, सर्वश्री कुमार कर्मी, कमांडो और पितवास पाण्डे, कमांडो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/12/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 368-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, असम राइफल्स के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री बीरेन्द्र सिंह	वारंट अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

स्व. श्री वीरेन्द्र सिंह, वारंट अधिकारी एक अत्यधिक प्रेरित और साहसी सैनिक थे। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में विद्रोहियों से लड़ते हुए असाधारण वीरता और सच्चे साहस का परिचय दिया है।

04 अक्टूबर, 2020 को जयरामपुर और न्यू डोगकपी के बीच वाहन आधारित एरिया डोमिनेशन गश्त लगाई जा रही थी। स्व. श्री वीरेन्द्र सिंह, वारंट अधिकारी एक वाहन में सह-चालक थे। लगभग 0940 बजे न्यू डोगकपी के रास्ते में, गांव तेंगमो जीआर (एमवाई 390710) के पास काफिले की संयोग से मुठभेड़ अज्ञात विद्रोहियों के साथ हो गई। प्रारंभ में, विद्रोहियों ने सड़क के पार से काफिले पर लाठीचार्ज से हमला किया। इसके बाद, छोटे हथियारों से एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी हुई, जिसमें वारंट अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। चोटों के बावजूद, वे डटे रहे और उन्होंने तुरंत जवाबी गोलीबारी की। उन्होंने विद्रोहियों को गोलाबारी में उलझा लिया, जिससे संख्या के मामले में कमजोर गश्ती दल की ओर उनका बढ़ना रुक गया। उनके इस विलक्षण निस्वार्थ कृत्य ने उनके गश्ती दल के अन्य सदस्यों की जान बचाई, जबकि उन्होंने स्वयं अपने प्राणों की आहुति दे दी।

इस ऑपरेशन में, स्व. श्री वीरेन्द्र सिंह, वारंट अधिकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/179/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 369-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व श्री किशन कुमार दूबे .	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 5 जुलाई, 2015 से नियंत्रण रेखा के पार से दुश्मन (पाकिस्तान) के सैनिकों द्वारा संघर्ष विराम के उल्लंघन के कारण, 17 वीं इनफैंट्री ब्रिगेड, नौगाम, जिला कुपवाड़ा, जम्मू और कश्मीर के सेना ऑपरेशन नियंत्रणाधीन सभी एफडीएल को हार्ड अलर्ट पर रहने और पोजीशन पर बने रहने के लिए कहा गया था। यह क्षेत्र मोटे और घने देवदार के पेड़ों से आच्छादित है, और उस दिन कोहरा होने की वजह से दृश्यता सीमित थी।

दिनांक 9 जुलाई, 2015 को, बीएसएफ की 119वीं बटालियन के सिपाही किशन कुमार दूबे और 03 कुमाऊं राइफल (सेना) के एक सिपाही नरेंद्र कुमार को 091200 बजे से 091800 बजे तक एफडीएल करम में दो स्तरीय एलएमजी मोर्चे में झूटी करने के लिए तैनात किया गया था। सिपाही किशन कुमार दूबे ने बीपी जैकेट एवं हेलमेट पहना हुआ था और वे मोर्चे के ऊपरी स्तर पर झूटी दे रहे थे तथा सेना के सिपाही नरेंद्र कुमार मोर्चे के निचले स्तर पर झूटी दे रहे थे।

लगभग 091515 बजे, पिछले संघर्ष विराम उल्लंघनों से हटकर, पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के पार से अकारण गोलीबारी की और एफडीएल करम के ऊपरी एलएमजी मोर्चे के लूप होल को निशाना बनाते हुए स्नाइपर गन से 02 शॉट दागे, जिसमें से एक स्नाइपर शॉट सिपाही किशन कुमार दूबे की बायीं भौंह से छेद करते हुए सिर के पिछले हिस्से से बाहर निकल गया। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया और तुरंत 319 एडवांस ट्रेसिंग स्टेशन फील्ड अस्पताल, कैयान बावल ले जाया गया, जहां सेना के डॉक्टर ने लगभग 1720 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिपाही किशन कुमार दूबे अदम्य साहसी थे, उन्हें डराया अथवा व्याकुल नहीं किया जा सकता था और वे ऑपरेशन झूटी करते समय हमेशा अपने झूटी प्वाइंट पर बने रहते थे, जबकि वहां न केवल पाकिस्तानी सेना द्वारा नियमित संघर्ष विराम उल्लंघन/गतिरोध हमले/बैट कार्रवाई के कारण खतरा मंडराता रहता था, बल्कि इलाका और मौसम की स्थिति भी प्रतिकूल थी। उन्होंने, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की जरा सी भी परवाह किए बिना, कठिन परिस्थितियों में युद्ध के साहस और अनुकरणीय वीरता का प्रदर्शन किया और नियंत्रण रेखा के पार से दुश्मन (पाकिस्तानी सैनिकों) द्वारा अकारण गोलीबारी के समय सक्रिय कर्तव्य के निर्वहन में राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस ऑपरेशन में, स्व. श्री किशन कुमार दूबे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/07/2015 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/129/2019-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 370-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्वाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्वर्गीय महेन्द्र यादव	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	स्वर्गीय चन्द्रपाल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	स्वर्गीय बबन साहा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
4	हरिकेश	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

7/8 अगस्त 2016 के बीच की रात को खराब मौसम का फायदा उठाकर लगभग 8-10 आतंकवादियों का एक दल पाकिस्तानी गांव-हिफाजत/जनवाई से नियंत्रण रेखा पार करके भूरीवाला नार से होकर एफडीएल भूरीवाला के वाटर प्वाइंट तक आ गया और हेलीपैड की दक्षिणी तरफ रुक गया। 08 अगस्त 2016 को भोर के समय, समूह बंट गया और उसने एफडीएल के पूर्वी हिस्से में और हेलीपैड के दक्षिणी हिस्से में पोजीशन ले ली।

8 अगस्त, 2016 को लगभग 0545 बजे, आतंकवादियों ने झूटी पर तैनात संतरियों और निवासीय संरचनाओं पर स्वचालित हथियारों से भारी मात्रा में गोलीबारी की। साथ ही पाकिस्तानी एफडीएल हसन ने भी एफडीएल पर गोलीबारी की। झूटी पर तैनात संतरियों नामतः सिपाही हरिकेश और सिपाही तपस पॉल ने स्थिति को समझते हुए तुरंत जवाबी गोलीबारी की और एफआरपी में रहने वाले अन्य कार्मिकों को सतर्क कर दिया। सतर्क किए जाने पर, बीएसएफ के बाकी कार्मिक और 17 सिख एफआरपी से बाहर आए और उन्होंने जवाबी गोलीबारी की। उप निरीक्षक महेन्द्र यादव और सहायक उप निरीक्षक सुरेन वरुआ भी अपने स्टील पीडी से बाहर आए और उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना जवाबी गोलीबारी की। एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी के कारण सिपाही बबन साहा, हेड कांस्टेबल चन्द्रपाल सिंह और उप निरीक्षक महेन्द्र यादव को गोलियों की घातक चोटें आईं और उन्होंने दम तोड़ दिया तथा सिपाही गुरमेल सिंह, सिपाही हीरा राम लोल और सिपाही रामवीर सिंह को छर्रे की मामूली चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलने पर, श्री बीएस परिहार, उप कमांडेंट/कंपनी कमांडर, ई-कंपनी 8 अगस्त 2016 को 0630 बजे अतिरिक्त बल के साथ तुरंत एफडीएल भूरीवाला पहुंचे और उनके दल ने आतंकवादियों पर प्रभावी ढंग से गोलीबारी की, जिसके कारण आतंकवादी वाटर प्वाइंट की तरफ से नियंत्रण रेखा की ओर भाग गए। अतिरिक्त बल का दल भी साथ ही वहां पहुंच गया था और उसने उस दिशा में गोलीबारी की, जिधर आतंकवादी भागे थे।

इलाके की तलाशी लेने पर एफडीएल भूरीवाला के गेट से करीब 10 मीटर दूर एक आतंकवादी का शव मिला। आतंकवादी के कब्जे से एके-47 राइफल, ग्रेनेड, मैगजीन, एके-47 के लाइव राउंड और अन्य हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया।

जब पोस्ट पर हमला हुआ, तब उप निरीक्षक महेन्द्र यादव अपने स्टील के पक्के सुरक्षित ढांचे में सुरक्षित थे, लेकिन पोस्ट कमांडर के रूप में अपने कर्तव्यों को महसूस करते हुए, वे अपने स्टील पीडी बंकर से बाहर आए और उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादियों के पोस्ट के अंदर घुसने को विफल करने के लिए पूर्वी तरफ एक ग्रेनेड फेंका और भारी मात्रा में गोलीबारी के बावजूद एमएमजी मोर्चे की ओर बढ़ गए तथा कार्मिकों को आतंकवादियों पर एमएमजी और एलएमजी से गोलीबारी करने का निदेश दिया। ऐसा करते समय, उन्हें आतंकवादी की गोली से घातक चोट लगी, लेकिन उन्होंने एफडीएल की पूर्वी तरफ फिर से एफडीएल में घुसने का प्रयास कर रहे आतंकवादियों की तरफ दूसरा ग्रेनेड फेंक दिया। वे सांस लेते रहे और कार्मिकों को तब तक प्रेरित करते रहे, जब तक कि उन्होंने कर्तव्य के पथ में राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान नहीं दे दिया। उनका सच्चा साहस, भाईचारा और अंतिम सांस तक कर्तव्य के प्रति समर्पण अनुकरणीय है और उनकी कमान के तहत कार्मिकों के लिए अनुकरण योग्य है।

जब हेड कांस्टेबल चन्द्रपाल सिंह ने देखा कि सिपाही बबन साहा को गोली लगी है, तो वे अपनी जान की परवाह किए बिना, एफआरपी से बाहर आए और उन्होंने इंसाम राइफल से उन आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जो हेलीपैड के दक्षिण की तरफ से

आतंकवादियों के दूसरे समूह की कवर गोलीबारी की आड़ में पूर्वी तरफ से एफडीएल में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। हेड कांस्टेबल चन्द्रपाल सिंह ने उनके हमले को विफल करने के लिए अपनी इंसास राइफल से दोनों समूहों पर प्रभावी ढंग से गोलीबारी की, लेकिन इस कार्रवाई में, उनकी छाती के बाईं ओर एक गोली लग गई और उन्होंने चोट के कारण दम तोड़ दिया और कर्तव्य के पथ पर राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। उन्होंने अपनी इंसास राइफल से 24 राउंड गोलीबारी की। उनकी साहसिक कार्रवाई से एफआरपी में अन्य कार्मिकों को बाहर निकलने, पोजीशन लेने और आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब देने का समय मिल गया। इस प्रकार, हेड कांस्टेबल चन्द्रपाल सिंह के साहसिक कृत्य ने उनके कई साथियों की जान बचाई, जबकि उन्होंने पोस्ट और अपनी कमान के तहत कर्मियों के अनमोल जीवन की रक्षा में अपनी खुद की जान दे दी।

सिपाही बबन साहा, जो कुक हाउस जाने के लिए तैयार हो रहे थे, ने अपने ऊपर गोली चलने पर तुरंत मोर्चे में रखे एक प्राइमड ग्रेनेड को उठाया और एफडीएल की पूर्वी तरफ फेंक दिया, जिससे आतंकवादी पीछे हट गए। जब वह एफआरपी के अंदर कवर ले रहे थे, तो उनके माथे पर एक गोली लगी और घातक चोट के कारण उनकी मृत्यु हो गई। एक सिपाही/रसोइया होने के बावजूद, वे हिचके नहीं और उन्होंने न केवल पोस्ट और एफआरपी पर आतंकवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करने में अपनी सूझ-बूझ और साहस को दर्शाया, बल्कि आतंकवादियों की ओर एक ग्रेनेड भी फेंका और ऐसा करते हुए, वे शहीद हो गए और उन्होंने कर्तव्य के पथ पर राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। उनके साहसिक कृत्य ने अन्य कार्मिकों को साहसपूर्वक और बिना किसी भय के आतंकवादियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया।

सिपाही हरिकेश मीणा, 'ई' कंपनी, 156वीं बटालियन बीएसएफ अपनी ड्यूटी पर सतर्क थे, उसी समय उन पर भारी गोलीबारी की गई, इसके बावजूद, उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और न केवल गोलीबारी का जवाब दिया, बल्कि एफआरपी में अन्य कार्मिकों को सतर्क भी किया। बाद में, वे भारी मात्रा में गोलीबारी के बावजूद फॉरवर्ड मोर्चों की ओर आगे बढ़े और आतंकवादियों को उलझा लिया। उन्होंने एक आतंकवादी को देखा, जो पोस्ट की ओर गोलीबारी कर रहा था और एफडीएल में प्रवेश करने के इरादे से एफडीएल गेट की ओर बढ़ रहा था। उन्होंने आतंकवादी पर गोली चलाई और उसे मार गिराया। उन्होंने अपनी इंसास एलएमजी से कुल 95 राउंड गोलीबारी की। आतंकवादी ने सबसे पहले उन पर गोलियां चलाई थीं, लेकिन वे घबराए नहीं और उन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा में एक सच्चे सैनिक का साहस दिखाया। आतंकवादियों के खिलाफ उनकी तत्काल जवाबी कार्रवाई अनुकरणीय थी, क्योंकि आतंकवादियों को इस गोलीबारी की उम्मीद नहीं थी और उन्होंने शुरुआती चरण में ही आतंकवादियों को उनकी पोजीशन पर रोक दिया। उन्होंने अपनी जान को गंभीर जोखिम में डालकर सामने से आ रहे आतंकवादियों को उलझा लिया। उनकी साहसिक कार्रवाई ने न केवल एक आतंकवादी को मार गिराया, बल्कि अन्य आतंकवादियों को उसका शव ले जाने से भी रोक दिया। उनके अनुकरणीय साहस, समर्पण भावना और कर्तव्य के प्रति समर्पण ने अन्य कार्मिकों को प्रेरित किया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री स्वर्गीय महेन्द्र यादव, उप निरीक्षक, स्वर्गीय चन्द्रपाल सिंह, हेड कांस्टेबल, स्वर्गीय बबन साहा, सिपाही और हरिकेश, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/08/2016 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/98/2021-पीएमए)

एस. एस. समी  
अवर सचिव

सं. 371-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. राकेश डोभाल	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	नसीब सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	एस राजेश कन्नन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13 नवंबर, 2020 को लगभग 12:05 बजे, पाक सेना ने विभिन्न स्थानों से छोटे हथियारों, मोर्टार और तोपों से भारी मात्रा में गोलीबारी करके संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) करना शुरू कर दिया, जिसका बीएसएफ के सैनिकों द्वारा भी जवाब दिया गया। उप निरीक्षक/जीडी राकेश डोभाल उस समय हेड कांस्टेबल (जीडी)/टेक. असिस्टेंट नसीब सिंह और सिपाही (जीडी)/ओआरए एस राजेश कन्नन के साथ ओपी ऑफिसर (ऑब्जर्वेशन पोस्ट ऑफिसर) की ड्यूटी पर तैनात थे। सेना के अधिकारियों ने बीएसएफ आर्टिलरी से गोलीबारी की

सहायता लेने का निर्णय लिया, जो ताज गन पोजीशन पर तैनात थी। 1011 बीएसएफ आर्टिलरी की ताज बटालियन ने दुश्मन के ठिकानों पर गोलीबारी की और उप निरीक्षक राकेश डोभाल, हेड कांस्टेबल नसीब सिंह एवं सिपाही एस राजेश कन्नन वाली ओपी पार्टी ने एफडीएल (फॉरवर्ड डिफेंडेड लोकैलिटी) आत्मा से, जो नियंत्रण रेखा से केवल 50 गज की दूरी पर स्थित है, अपनी बंदूकों से गोलीबारी करना शुरू कर दिया। उन्होंने दुश्मन के विभिन्न ठिकानों पर यथोचित एवं प्रभावी रूप से सटीक गोलीबारी की और दुश्मन के इलाके में कई लक्ष्यों जैसे कि यदूरी गन पोजीशन, जबी मोर पोजीशन और पाक सेना के एक ईंधन डंप को नष्ट कर दिया, जिससे जान-माल की भारी क्षति हुई।

बीएसएफ आर्टिलरी की ओर से भारी गोलीबारी होने पर, दुश्मन ने खापी मोर्टार पोजीशन से गोलीबारी की। दुश्मन की खापी मोर्टार पोजीशन से मोर्टार की भारी गोलीबारी देखकर, उप निरीक्षक राकेश डोभाल की टीम ने बीएसएफ आर्टिलरी की फायरिंग को इस लक्ष्य की ओर डायवर्ट कर दिया और खापी मोर्टार पोजीशन की ओर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। कार्रवाई के दौरान, लगभग 131215 बजे, एफडीएल चांद पर, जो अपनी एफडीएल आत्मा (ओपी लोकेशन) से लगभग 175 गज की दूरी पर स्थित है, दुश्मन के स्नाइपर्स ने ओपी अधिकारी उप निरीक्षक राकेश डोभाल पर गोलीबारी की। दुश्मन के स्नाइपर्स की एक गोली लकड़ी की दीवार और उनके हेलमेट को भेदते हुए उनके सिर के बाईं ओर लगी। गोली उनके हेलमेट को भेदते हुए, कान के ठीक ऊपर उनके सिर के बाईं ओर से होते हुए हेलमेट के दूसरी तरफ से बाहर निकल गई। यद्यपि उप निरीक्षक राकेश डोभाल सिर में गोली लगने से घायल हो गए थे, तथापि उन्होंने अपने कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय प्रतिबद्धता दिखाई और ओपी बंकर के फर्श पर गिरने तक उन्होंने लक्ष्य पर बीएसएफ आर्टिलरी की नियंत्रित गोलीबारी जारी रखी। उप निरीक्षक राकेश डोभाल को सेना के डॉक्टर द्वारा तुरंत प्राथमिक चिकित्सा उपचार प्रदान किया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्होंने लगभग 131315 बजे शहादत प्राप्त की।

स्थिति तब और खराब हो गई, जब ओपी अधिकारी घायल हालत में नीचे गिर गए थे तथा स्वयं अपनी आर्टिलरी की फायरिंग और दुश्मन की खापी मोर्टार पोजीशन से फायरिंग को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी ओपी पार्टी के बाकी सदस्यों पर आ गई। हेड कांस्टेबल नसीब सिंह और सिपाही एस राजेश कन्नन ने अपने उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए, अपनी आर्टिलरी की फायरिंग को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया और घायल उप निरीक्षक राकेश डोभाल के शहादत प्राप्त करने तक उनकी देखभाल भी की।

यह स्व. उप निरीक्षक राकेश डोभाल और उनकी टीम की बहादुरी और वीरतापूर्ण कार्रवाई का एक उदाहरण था। उन्होंने अत्यधिक साहस, कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय प्रतिबद्धता और प्रशिक्षण के उच्च मानकों का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप शत्रु की चौकियों को प्रभावी रूप से निष्प्रभावी और नष्ट कर दिया गया। बाद में उप निरीक्षक राकेश डोभाल ने दुश्मन की भीषण बमबारी का करारा जवाब देते हुए 'सर्वोच्च बलिदान' दिया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/ श्री स्व. राकेश डोभाल, उप निरीक्षक, नसीब सिंह, हेड कांस्टेबल और एस राजेश कन्नन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/55/47/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 372-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. बिपुल बोरा	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	स्व. तुमेश्वर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	स्व. इसरार खान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
4	स्व. सीलम रामाकृष्णा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
5	योगेश कुमार	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	गोवू कुमार जर्नादन	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	गोपाल रांग	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
8	नरेन्द्र	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	काजल शेख	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04 अप्रैल, 2019 को लगभग 1000 बजे, निरीक्षक गोपाल रांग के नेतृत्व में सीओबी महिला एक्स-114 बीएसएफ की एक ऑपरेशन पार्टी ने जीपीई-2019 और महिला-कटगाँव के निकट सड़क निर्माण सुरक्षा की ड्यूटी के संबंध में सीओबी महिला से एरिया डोमिनेशन के लिए प्रस्थान किया। पार्टी घने जंगल से घिरी सड़क के दोनों किनारों पर "वाई" फॉर्मेशन को अपनाते हुए तीन समूहों में चतुराई से आगे बढ़ रही थी।

जब पार्टी सीओबी महिला के एक किलोमीटर उत्तर पूर्व में पहुंची, तभी घात लगाए बैठे माओवादियों के पीएलजीए और उनके जन मिलिशिया द्वारा श्रृंखलाबद्ध आईईडी विस्फोट एवं विभिन्न प्रकार के हथियारों से भारी मात्रा में गोलीबारी करके उनके ऊपर घात लगाकर हमला किया गया। पार्टी ने तुरंत माओवादियों की दिशा में भारी मात्रा में गोलीबारी करके प्रभावी रूप से जवाबी कार्रवाई की। माओवादियों ने एक बड़े क्षेत्र में उल्टे "यू" आकार में घात लगा रखी थी। यद्यपि, माओवादियों की संख्या अधिक थी और बीएसएफ की पार्टी तीन दिशाओं से घिरी हुई थी, तथापि, उक्त पार्टी ने धैर्य, साहस और दृढ़ संकल्प के साथ वीरतापूर्वक लड़ाई जारी रखी। पार्टी कमांडर ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और कंपनी कमांडर को माओवादियों द्वारा लगाई गई घात के बारे में सूचित किया।

घात की सूचना मिलने पर, श्री योगेश कुमार, सहायक कमांडेंट और श्री गोबू कुमार जर्नादन, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में दो पार्टियां सैन्य दलों को मजबूत करने के लिए माओवादियों की ओर से गोलीबारी के बावजूद दो अलग-अलग दिशाओं से तत्काल घात स्थल पर पहुंच गईं। अतिरिक्त सैन्य दल ने भी जवाबी कार्रवाई की और नक्सलियों पर प्रभावी रूप से गोलीबारी की। मुठभेड़ दो घंटे तक चली। बीएसएफ के जवानों ने अत्यधिक वीरता का प्रदर्शन किया और शुरुआती विस्फोटों में हताहत होने के बावजूद वे छोटे हथियारों, 51 एमएम के मोर्टार और यूबीजीएल से प्रभावी और नपी-तुली गोलीबारी करके वीरतापूर्वक लड़े। बीएसएफ पार्टी के कड़े प्रतिरोध को देखते हुए, माओवादी घने जंगल और ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र का फायदा उठाकर वहां से बचकर भाग निकले।

इस भीषण मुठभेड़ के दौरान, सहायक उप निरीक्षक विपुल बोरा, सिपाही तुमेश्वर, सिपाही सीलम रामाकृष्णा और सिपाही इसरार खान गोली/स्प्लेंटर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, वे अपने सहयोगियों का साथ देने के लिए वीरतापूर्वक लड़े और शहादत प्राप्त की। यद्यपि, श्री गोबू जर्नादन, सहायक कमांडेंट और निरीक्षक गोपाल रांग भी माओवादियों से लड़ते हुए गोली/स्प्लेंटर लगने से घायल हो गए थे, लेकिन वे मौके पर डटे रहे और सामने से नेतृत्व करते हुए साहस के साथ और वीरतापूर्वक लड़े। श्री योगेश कुमार, सहायक कमांडेंट, उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह और सिपाही काजल शेख निर्भीकता से लड़े और अपनी जान की परवाह किए बिना 150 से 200 माओवादियों के साथ कड़ा मुकाबला किया, जिससे माओवादी अपने हताहत लोगों के साथ वहां से भागने के लिए मजबूर हो गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री स्व. विपुल बोरा, सहायक उप निरीक्षक, स्व. तुमेश्वर, सिपाही, स्व. इसरार खान, सिपाही, स्व. सीलम रामाकृष्णा, सिपाही, योगेश कुमार, सहायक कमांडेंट, गोबू कुमार जर्नादन, सहायक कमांडेंट, गोपाल रांग, निरीक्षक, नरेन्द्र, उप निरीक्षक और काजल शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/04/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/63/47/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 373-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कर्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. भूरू सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	स्व. राजकुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)



## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.08.2021 को लगभग 05.30 बजे, आरओपी पार्टी के 08 कार्मिकों और उप निरीक्षक भूरू सिंह तथा सिपाही राजकुमार वाली 01 बाइ चेकिंग पार्टी के साथ 10 कार्मिकों वाली एक पार्टी गश्त करने और साथ ही सैनिकों को उनके आरओपी प्वाइंट्स पर तैनात करने के लिए बीएसएफ की 64वीं बटालियन की बीओपी आर सी नाथ से रवाना हुई।

सभी आरओपी पार्टियों की उनके संबंधित प्वाइंट्स पर तैनाती के बाद, उप निरीक्षक भूरू सिंह और सिपाही राजकुमार के नेतृत्व में बाइ चेकिंग पार्टी ने आईबीवी की जांच शुरू की। लगभग 06.30 बजे आरओपी प्वाइंट 07 से आरओपी प्वाइंट 06 की ओर लौटते समय, बीओपी आर सी नाथ से लगभग 1.8 किलोमीटर दूर, बीपी नम्बर 2285/एमपी के साथ-साथ पिकेट नंबर 431 के निकट, आईबीवी रोड पर एक बॉक्स पुलिस के पास बाइ चेकिंग पार्टी पर घात लगाकर हमला किया गया। भारी हथियारों से लैस लगभग 10-12 अज्ञात विद्रोहियों ने बीएसएफ की पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। विद्रोहियों की संख्या अधिक होने और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उप निरीक्षक भूरू सिंह तथा सिपाही राजकुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप एक से अधिक विद्रोही गंभीर रूप से घायल हो गए। घात लगाकर किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल हुए उप निरीक्षक भूरू सिंह और सिपाही राजकुमार ने भी गोली लगने से घायल होने के कारण मौके पर ही दम तोड़ दिया। विद्रोही आनन-फानन में मृतक उप निरीक्षक भूरू सिंह और सिपाही राजकुमार के हथियार अर्थात् एक 9 एमएम बेरेटा एसएमजी और एक 7.62 एमएम की एके-47 राइफल तथा उसकी मैगजीन और गोला-बारूद ले जाने में कामयाब रहे। विद्रोही अपने घायल कैडर (कैडरों) को भी शीघ्रतापूर्वक अपने साथ ले जाने और बचकर बांग्लादेश की ओर भागने में सफल रहे।

सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त सूचना के अनुसार, विक्रम बहादुर जमातिया उर्फ बोमटॉम और उसके करीबी सहयोगियों रोमोनी कोलोई उर्फ सालचक, रंगिया रियांग उर्फ चंपई के नेतृत्व में एनएलएफटी (बीएम) की एक टीम ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर, 3 अगस्त, 2021 को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास बीएसएफ कर्मियों पर हमला कर दिया था और इस हमले के दौरान इस समूह के कम से कम 2-3 सदस्य घायल हो गए थे। घायल एनएलएफटी विद्रोहियों में से एक विद्रोही नामतः विकी देवबर्मा उर्फ बवक्फा (19 वर्ष), पुत्र श्यामल देवबर्मा गांव-लठियाचेरा, पुलिस स्टेशन-विश्रामगंज, जिला सिपाहीजला (त्रिपुरा), जो उप निरीक्षक भूरू सिंह और सिपाही राजकुमार द्वारा की गई जवाबी गोलाबारी में गंभीर रूप से घायल हो गया था, की अत्यधिक खून बहने के कारण उसी दिन मृत्यु हो गई और उसे बांग्लादेश के रंगमती जिले के मसलॉग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एनएलएफटी (बीएम) के उज्जनचैरी कैंप के पास दफना दिया गया। उग्रवादियों द्वारा बिलकुल नजदीक से अचानक की गई भारी गोलीबारी से आश्चर्यचकित होने के बावजूद, उप निरीक्षक भूरू सिंह और सिपाही राजकुमार ने गोली लगने से गंभीर रूप से घायल होने के कारण अपनी जान गंवाने से पहले प्रभावी रूप से जवाबी कार्रवाई करके अद्वितीय बहादुरी एवं वीरता का प्रदर्शन किया। सहायक निरीक्षक भूरू सिंह और सिपाही राजकुमार ने एनएलएफटी विद्रोहियों से लड़ते हुए राष्ट्र की सेवा में अपना बहुमूल्य जीवन न्यौछावर कर दिया और बल की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखते हुए शहादत प्राप्त की।

इस ऑपरेशन में, स्व. श्री भूरू सिंह, उप निरीक्षक और स्व. श्री राजकुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/08/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/77/47/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 374-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	लुगुन जोसेफ	उप कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	दसाय पुर्ती	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बजरंगी यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक सिमडेगा, झारखंड से पुलिस स्टेशन वानो, जिला सिमडेगा, झारखंड के अंतर्गत उर्मु, रायबेराटोली, तेनेंदाटोली, सेतसोया, होलोगदाटोली, केवेटांग और उसके आस-पास के क्षेत्रों में पीएलएफआई कैडरों की आवाजाही के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने

पर, उग्रवादियों को पकड़ने के लिए 94 सीआरपीएफ एवं राज्य पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया। प्राप्त सूचना से यह पता चला कि समूह स्वचालित हथियारों से पूरी तरह लैस है। योजना के अनुसार, उप कमांडेंट श्री लुगुन जोसेफ के नेतृत्व में ए/94 सीआरपीएफ का सैन्य दल सिविल पुलिस के घटकों के साथ 19 जून, 2019 को लगभग 1730 बजे उर्मू गांव के पास पहुंच गया।

लक्षित क्षेत्र में पहुंचने के बाद, ए/94 सीआरपीएफ के सैन्य दल ने चतुराई से घने जंगल में तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान, सैन्य दल ने उर्मू गांव के पास एक पहाड़ी के ऊपर एक सशस्त्र समूह की गतिविधि देखी। तत्काल कार्रवाई करते हुए, उप कमांडेंट श्री लुगुन जोसेफ ने सैन्य दल को सतर्क कर दिया और उक्त समूह को रोकने के लिए एक योजना बनाई। शत्रु द्वारा पहचाने जाने से बचने के लिए, वे अपने साथ निडर सैनिकों का एक छोटा समूह लेकर पहाड़ी की ओर आगे बढ़े। अन्य सैनिकों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश के साथ उन्हें वहीं छोड़कर, जैसे ही छोटे समूह ने ऊंचाई पर चढ़ना शुरू किया, तभी वह अचानक गोलाबारी की चपेट में आ गया। कमांडर को यह समझने में देर नहीं लगी कि उन्हें घात में फंसा लिया गया है। छोटी टीम ने तुरंत युद्ध कौशल का इस्तेमाल किया और पोजीशन लेने के लिए, टीम रेंगते हुए वहां पर उपलब्ध सीमित कवर के पीछे पहुंच गई। सैन्य दल को भारी नुकसान पहुंचाने की अपनी योजना में विफल होने पर, उग्रवादियों ने गोलीबारी तेज कर दी। गोलाबारी के विरुद्ध पर्याप्त कवर न होने के कारण, सैन्य दल के लिए अपनी पोजीशन पर डटे रहना और जवाबी हमले के लिए नक्सलियों की ओर आगे बढ़ना मुश्किल हो रहा था। नक्सली अत्याधुनिक स्वचालित हथियारों से गोलाबारी कर रहे थे।

ऐसी नाजुक स्थिति में, उप कमांडेंट श्री लुगुन जोसेफ ने नक्सलियों पर जवाबी हमला करने और अपने सैन्य दल की जान को आसन्न खतरे को रोकने का फैसला किया। गोलियों की बौछार के बीच, उप कमांडेंट श्री लुगुन जोसेफ ने सैन्य दल को नक्सलियों की ओर नियंत्रित गोलीबारी करने का आदेश दिया। इसके बाद, उन्होंने सिपाही दसाय पुर्ती एवं बजरंगी यादव को रेंगते हुए अपनी ओर आने का आदेश दिया और तत्पश्चात वे तीनों नक्सलियों के बायीं ओर चले गए, ताकि उन पर जवाबी हमला किया जा सके। चारों ओर से हो रही गोलियों की बौछार और नजदीक जमीन पर भी टकराती हुई कुछ गोलियों की परवाह किए बिना, चमत्कारिक रूप से बचते हुए, वे तीनों एक वर्चस्व वाली स्थिति में आ गये और उन्होंने नक्सलियों पर प्रभावी गोलीबारी की। जैसे ही उन तीनों ने एक नया युद्ध क्षेत्र खोला, तभी टीम के बाकी सदस्यों को थोड़ा सा मौका मिल गया और वे भी खतरे के क्षेत्र से बाहर निकल गए। दो तरफा हमले का लाभ यथाशीघ्र प्राप्त हुआ और उन तीनों ने उनमें से एक नक्सली को मार गिराया। अपनी योजना में विफल होने पर, नक्सलियों ने युद्ध क्षेत्र से भागना ही सुरक्षित समझा। सैन्य दल ने उनका पीछा किया, लेकिन नक्सलियों ने घने जंगल और उस क्षेत्र की जानकारी होने का फायदा उठाया और वहां से भाग निकले।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से 01 एके-47 राइफल के साथ 01 नक्सली का शव बरामद किया गया। मारे गए नक्सली की पहचान बाद में पीएलएफआई कमांडर बागरे चंपिया, पुत्र बोयसया चंपिया, गांव बालो, पुलिस स्टेशन मुरहू, जिला खूंटी, झारखंड (राज्य सरकार द्वारा दो लाख रुपये का नकद इनाम घोषित) के रूप में की गई। इसके अलावा, घटना स्थल से एके 47 की तीन मैगजीनें, 7.62 X 39 एमएम के 30 गोला-बारूद और अन्य विविध सामान भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री लुगुन जोसेफ, उप कमांडेंट, दसाय पुर्ती, सिपाही और बजरंगी यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/06/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/224/2020-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 375-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	साधु सरन यादव	द्वितीय-कमान-अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	राजु डी नाईक	द्वितीय-कमान-अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मिजराब हामिद सिद्दीकी	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अवनीश यादव	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	प्रमोद कुमार झा	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	महाती कालुन्डिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
7	सुनील कन्डुलना	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	लालु बाउरी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन तेबो, जिला पश्चिमी सिंहभूम के अंतर्गत मनमरुबेरा गांव के पास नक्सलियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में पुलिस अधीक्षक चाईबासा से विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर, 60 सीआरपीएफ और राज्य पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

योजना के अनुसार, 28 मई, 2020 की रात में द्वितीय-कमान-अधिकारी श्री राजु डी नाईक के नेतृत्व में 21 कार्मिकों वाली 60 सीआरपीएफ की क्यूएटी ने लक्षित क्षेत्र के लिए प्रस्थान किया। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सैन्य सहायता के लिए, श्री साधु सरन यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी को उनकी टीम के साथ तैयार रखा गया। श्री मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहायक कमांडेंट की कमान में 60 सीआरपीएफ की "डी" कंपनी के अतिरिक्त सैन्य दस्ते, बंदगांव के राज्य पुलिस घटक के साथ रास्ते में कोपा पुल के पास, 60 सीआरपीएफ की क्यूएटी में शामिल हो गए। श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी द्वारा संक्षिप्त ब्रीफिंग के बाद, सैन्य दस्ते हेडलाइट्स को बंद करके हल्के वाहनों में लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। वे वाहनों को लमतार गांव में छोड़कर वहां से आगे बढ़े। घने जंगल, भारी झाड़-झंखाड़ वाले पहाड़ी क्षेत्र, नालों और गहरे झरनों को पार करते हुए, सैन्य दस्ते लक्षित क्षेत्र के निकट पहुंच गए।

पार्टी कमांडर श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी ने फील्ड कमांडरों के साथ स्थिति पर चर्चा की और श्री मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में लक्षित क्षेत्र के आस-पास रणनीतिक कट ऑफ तैनात कर दिए। कट-ऑफ टीमों द्वारा निर्दिष्ट स्थानों पर पोजीशन संभाल लेने के बाद, श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी के नेतृत्व में 13 कार्मिकों वाली एक छोटी हमलावर पार्टी पहाड़ी पर लक्षित क्षेत्र के निकट पहुंच गई।

लगभग 0445 बजे, जब सैन्य दस्ते चतुराई से ऊंचाई पर चढ़ रहे थे, तभी अचानक उन पर भारी गोलीबारी हुई। सैन्य दस्तों ने तुरंत पोजीशन ले ली और जवाबी गोलीबारी करने से पहले, पार्टी कमांडर ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। नक्सली अच्छी तरह तैयार थे और अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे। उन्होंने सैन्य दस्ते की ओर गोलीबारी तेज़ कर दी। कोई अन्य विकल्प न होने पर, सैन्य दस्तों ने भी नक्सलियों की ओर जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। नीचे की ओर होने के कारण, सैन्य दस्तों को अपनी पोजीशन पर डटे रहने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। पार्टी कमांडर श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी और उप निरीक्षक अवनीश यादव नक्सलियों की भारी गोलीबारी में बुरी तरह फंसे गए थे।

श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी ने देखा कि नक्सली उन्हें घेरने की कोशिश कर रहे हैं और बहुत जल्द ही उनकी हमलावर टीम के सदस्यों की संख्या कम पड़ सकती है। सैन्य दस्तों के लिए यह करो या मरो का क्षण था। ऐसी नाजुक स्थिति में, श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी एक सच्चे लीडर की भांति अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए, हरकत में आ गए और नक्सलियों की ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। साथ ही, उन्होंने उप निरीक्षक अवनीश यादव को रेंगते हुए पास के एक लाभप्रद ऊंचाई वाले स्थान की ओर जाने का आदेश दिया। भारी गोलीबारी के बीच, उप निरीक्षक अवनीश यादव नक्सलियों की ओर भारी गोलीबारी करते हुए अपने कवर से बाहर निकलकर रणनीतिक दृष्टि से एक लाभप्रद ऊंचाई वाले स्थान पर पहुंच गए। वे नक्सलियों की ओर गोलीबारी करते रहे, जिससे कुछ देर के लिए उनका हमला रूक गया। इस अवसर का फायदा उठाते हुए, श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी और फंसे हुए अन्य जवान मारक क्षेत्र से बाहर आ गए और उन्होंने उप निरीक्षक/जीडी अवनीश यादव के साथ पोजीशन संभाल ली।

श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी ने एक लीडर की भांति अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए, अपने जवानों को प्रेरित करने के लिए एक जोरदार युद्ध का आह्वान किया और उप निरीक्षक अवनीश यादव के साथ नक्सलियों पर धावा बोल दिया। नक्सलियों को अपनी किलेबंद पोजीशन से हटाना पड़ा और वे हड़बड़ी में वहां से भागने के लिए मजबूर हो गए। श्री राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी और उप निरीक्षक अवनीश यादव ने वहां से भाग रहे नक्सलियों का पीछा किया। उन दोनों ने झाड़ियों में छिपे हुए एक नक्सली को देख लिया और चुपके से उसके पास पहुंच गए। उस नक्सली ने उन दोनों की मौजूदगी को भांप लिया और उनकी ओर गोलीबारी करते हुए उसने वहां से भागने की कोशिश की। तथापि, इन दोनों ने सभी सावधानियों को दरकिनार करते हुए, उस नक्सली की ओर छलांग लगा दी और उसे घेर लिया तथा एक हथियार के साथ उसे पकड़ लिया।

इसी बीच, श्री मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहायक कमांडेंट ने कट-ऑफ के नजदीक भाग रहे कुछ नक्सलवादियों को देखा। उन्होंने उन नक्सलवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परंतु उन्होंने सैन्य दस्तों की ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और वहां से भागने का प्रयास किया। श्री मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहायक कमांडेंट ने सहायक उप निरीक्षक श्री प्रमोद कुमार झा और सिपाही श्री महाती कालुन्डिया के साथ तत्काल नक्सलवादियों पर धावा बोल दिया। ये तीनों सैन्य कर्मी गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति का उपयोग करते हुए नक्सलवादियों की ओर आगे बढ़े। दोनों पक्षों के बीच बिलकुल नजदीक से एक भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। इन तीनों सैन्य कर्मियों द्वारा किए गए साहसिक जवाबी हमले ने नक्सलवादियों की रैंक को तोड़ दिया और वे अपने मृत तथा घायल कैदरों को छोड़कर घटना स्थल से भाग गए। नक्सलवादियों का पीछा करते समय, इन तीनों सैन्य कर्मियों ने एक हथियार के साथ नक्सलवादी का एक शव बरामद किया और एक घायल

कैडर को गिरफ्तार किया। सच्ची मानवता का प्रदर्शन करते हुए, सैन्य दस्तों ने उसे तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की और उसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया।

लगभग उसी समय, करीब 0450 बजे, मुठभेड़ के बारे में सूचना प्राप्त होने पर, श्री साधु सरन यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी अपनी टीम के साथ लक्षित क्षेत्र की ओर चल पड़े।

बीच रास्ते में, उन्हें यह सूचित किया गया कि नक्सलवादी मुठभेड़ स्थल “मनमरुवेरा” से लगभग 2.5 किमी. दूर केनताई पहाड़ी क्षेत्र की ओर भाग गए हैं।

तदनुसार, श्री साधु सरन यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी ने अपना मार्ग बदल दिया और जाराकेल गांव में पहुंच गए तथा वाहनों को वहीं पर छोड़ दिया। उन्होंने उक्त सूचना की स्थानीय स्रोतों से भी पुष्टि की और पैदल ही समानांतर फॉर्मेशन में केनताई क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। केनताई पहाड़ी के नजदीक पहुंचने पर, उन्होंने अपनी टीम को तीन समूहों में बांट दिया। उन्होंने दो समूहों को किनारे की ओर से पहाड़ी की चोटी की पर पहुंचने का निर्देश दिया, जबकि उन्होंने स्वयं कुछ सैनिकों के साथ सीधे ही चढ़ाई पर चढ़ना शुरू कर दिया। जैसे ही श्री साधु सरन यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी लगभग 0825 बजे अपनी छोटी हमलावर टीम के साथ पहाड़ी की चोटी पर पहुंचे, तभी नक्सलवादियों ने उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

सैन्य दस्तों ने तत्काल पोजीशन ले ली और आत्मरक्षा में जवाबी हमला किया। यह जवाबी हमला प्रभावकारी साबित नहीं हो रहा था, क्योंकि नक्सलवादी लाभपूर्ण और अत्यधिक सुरक्षित पोजीशन से गोलीबारी कर रहे थे। नक्सलवादी सैन्य दस्तों पर आक्रामक गोलीबारी कर रहे थे। ऐसी स्थिति में, सच्चे नेतृत्व गुण का प्रदर्शन करते हुए, श्री साधु सरन यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी ने नक्सलवादियों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ने का एक निर्भीक और साहसिक निर्णय लिया। बरसती हुई गोलियों के बीच, उन्होंने सिपाही श्री सुनील कन्डुलना और सिपाही श्री लालु बाउरी के साथ नक्सलवादियों पर सामने से हमला किया। इन तीनों बहादुर सैन्य कर्मियों द्वारा किए गए भीषण जवाबी हमले ने नक्सलवादियों की सुरक्षा को तोड़ दिया और उनके बीच भय उत्पन्न कर दिया। नक्सलवादियों ने रुक-रुक कर गोलीबारी करते हुए घटना स्थल से भागना शुरू कर दिया। इन तीनों सैन्य कर्मियों ने वहां से भाग रहे नक्सलवादियों का पीछा किया, परंतु वे जंगल और ज्ञात मार्गों का लाभ उठाते हुए घटना स्थल से भागने में सफल हो गए। तत्पश्चात्, सैन्य दस्तों ने उक्त क्षेत्र की पूरी तरह से तलाशी की और 01 एके-47 राइफल, 03 मैगजीनों, 107 जिंदा गोला-बारूद और विविध अन्य सामग्रियों के साथ 02 नक्सलवादियों के शव बरामद किए।

पूरे ऑपरेशन के दौरान, सैन्य दस्तों द्वारा 03 नक्सलवादियों को मार गिराया गया और 02 नक्सलवादियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री साधु सरन यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी, राजु डी नाईक, द्वितीय-कमान-अधिकारी, मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहायक कमांडेंट, अवनीश यादव, उप निरीक्षक, प्रमोद कुमार झा, सहायक उप निरीक्षक, महाती कालुन्डिया, सिपाही, सुनील कन्डुलना, सिपाही और लालु बाउरी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/54/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 376-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	राम प्रकाश यादव	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सुनील धुल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राजेश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	चौहान चन्द्रभाई मानसिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05 मई, 2020 को लगभग 1920 बजे, पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा, जिला पुलवामा के अंतर्गत गांव बेघपोरा में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के शीर्ष कमांडर रियाज अहमद नायक की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त होने पर, 130/185 सीआरपीएफ, 55 आरआर और एसओजी/जेकेपी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, संयुक्त सैन्य दस्तों ने लक्षित गांव में पहुंचकर आतंकवादियों को बचकर भागने से रोकने के लिए संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर मजबूत घेराबंदी कर दी।

सुबह होते ही, सभी आम नागरिकों को अपने घरों से बाहर निकलने और सुरक्षित स्थानों पर चले जाने के लिए घोषणाएं की गईं। इसी बीच, सीटीटी 130 सीआरपीएफ तथा रेंज क्यूएटी एसकेओआर भी वहां पहुंच गई और उन्होंने घेराबंदी को मजबूत कर दिया।

आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद, सैन्य दस्ते ने सभी संदिग्ध घरों की तलाशी लेने का फैसला किया। इस प्रक्रिया के दौरान, जब सैन्य दस्ते घर संख्या 192 की तलाशी ले रहे थे, तब वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका उन्होंने तुरंत जवाब दिया। आस-पास में स्थित घर सं. 190, 191 तथा 192 के चारों ओर घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। रेंज क्यूएटी एसकेओआर ने 55 आरआर के सैन्य दस्ते के साथ घर सं. 190 के सामने पोजीशन ले ली, जबकि सीटीटी 185 सीआरपीएफ ने घर सं. 190 और 191 की ओर जाने वाली पास की गली में पोजीशन ले ली।

प्रारंभिक संपर्क के बाद रियाज अहमद नायक, हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) कमांडर और आदिल अहमद भट्ट क्रमशः घर सं. 190 और 191 में घुसने में सफल हो गए। रेलवे ट्रैक के साथ-साथ खेतों से भी भारी भीड़ मुठभेड़ स्थल की ओर बढ़ रही थी। सीआरपीएफ/जेकेपी की एक टीम को घेराबंदी के बाहर भीड़ को नियंत्रित करने का कार्य सौंपा गया। इसी बीच, आरआर के सैन्य दस्ते ने एमजीएल और आरएल के राउंड फायर किए, लेकिन भवन की मजबूत कंक्रीट संरचना के कारण सभी राउंड बेकार हो गए। इसलिए, उस भवन को गिराने के लिए एक आईईडी लगाई गई। तथापि, यह भी कम प्रभावी रहा, क्योंकि विस्फोट से भवन का केवल एक हिस्सा ही नीचे गिर पाया। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर से बगल वाले भवन में जाने की कोशिश की। लेकिन सैन्य दस्ते ने जवाबी कार्रवाई की और उनके प्रयास को विफल कर दिया। चूंकि, गोलीबारी रुक-रुक कर कुछ देर तक लगातार होती रही, इसलिए एक और आईईडी लगाने का फैसला किया गया। इस बात की संभावना का अनुमान लगाते हुए कि आतंकवादी दूसरे घर में घुस सकते हैं, गली के पास तैनात 185 सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते को सतर्क कर दिया गया।

दूसरे आईईडी विस्फोट के बाद, एक आतंकवादी मलबे से बाहर निकला और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए तथा उसके बाद सैन्य दस्तों की ओर ग्रेनेड फेंकते हुए टेढ़ा-मेढ़ा होकर गली की ओर भागा। पहले से ही गली में तैनात 185 सीआरपीएफ के एचसी/जीडी राम प्रकाश यादव और सीटी/जीडी सुनील धुल ने बचकर भाग रहे आतंकवादी को घेर लिया और उस पर जवाबी हमला किया। आमने-सामने की लड़ाई में, इन दोनों ने आतंकवादी को बिलकुल करीब से मार गिराया। इसी बीच, एक अन्य आतंकवादी, जो अभी भी मलबे के अंदर था, बाहर निकला और घटना स्थल से भागने के उद्देश्य से उसने सुरक्षा बलों की ओर गोलीबारी की। लक्षित घर के सामने तैनात रेंज क्यूएटी एसकेओआर के सीटी/जीडी राजेश कुमार और सीटी/जीडी चौहान चन्दूभाई मानसिंह ने आतंकवादी को देख लिया और इससे पहले कि वह बचकर भाग पाता, उन्होंने उस पर हमला कर दिया। वहां पर हुई बंदूक की भीषण लड़ाई में, इन दोनों जवानों ने उस आतंकवादी को भी मार गिराया।

तलाशी के दौरान, घटनास्थल से 01 एके 56 राइफल, 01 एके 47 राइफल, मैगजीन, मिश्रित गोला-बारूद, 02 मोटोरोला रेडियो सेट और अन्य विविध आपत्तिजनक वस्तुओं के साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। इन आतंकवादियों की पहचान बाद में रियाज अहमद नायक, ए++ श्रेणी, हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के ऑपरेशनल चीफ कमांडर और हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आदिल अहमद भट्ट के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री राम प्रकाश यादव, हेड कांस्टेबल, सुनील धुल, सिपाही, राजेश कुमार, सिपाही और चौहान चन्दूभाई मानसिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/113/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 377-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	एस लोगनाथन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नजीर अहमद अन्दू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
3	लोनबले खुशाबराव उपासराव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29 अगस्त, 2020 को लगभग 0010 बजे, पुलिस स्टेशन एवं जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत गांव जदूरा (जमींदार मोहल्ला) में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा से प्राप्त एक सूचना के आधार पर, 183 सीआरपीएफ, 50 आरआर और एसओजी/जेकेपी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्व ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया।

लक्षित घर मुख्य जदूरा गांव के लगभग 500 मीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। यह अलग शौचालय वाला एक पृथक घर था और पास में एक गौशाला भी थी। लगभग 0040 बजे, जब 50 आरआर के सैन्य दस्ते लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी कर रहे थे, तब वे पास की गौशाला से हुई भारी गोलाबारी की चपेट में आ गए। उन्होंने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, तथापि, दोनों ओर से हुई गोलीबारी के दौरान, आरआर का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया। इसी बीच 183 सीआरपीएफ और एसओजी जेकेपी के संयुक्त सैन्य दस्ते भी उस स्थान पर पहुंच गए और उन्होंने सुरक्षा बलों की स्थिति को मजबूत किया। सीआरपीएफ, एसओजी और आरआर के संयुक्त दलों का गठन करके सैन्य दस्ते को फिर से संगठित किया गया और आंतरिक तथा बाहरी दोनों घेरों को मजबूत किया गया। वहां से बचकर भागने के सारे रास्ते बंद कर दिए गए।

आरआर के घायल जवान को 92 बेस हॉस्पिटल (बीएच) श्रीनगर ले जाया गया, जहां बाद में घायल होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। कुछ देर की शांति के बाद, लगभग 0240 बजे दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी पुनः शुरू हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने लक्षित घर से बचकर भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने उनकी सारी कोशिशें नाकाम कर दीं।

गौशाला में छिपे हुए आतंकवादी अच्छी पोजीशन में थे और वे कंक्रीट की दीवारों के कारण सुरक्षित थे। पुलिस ने आतंकवादियों से आत्मसमर्पण कराने के लिए कई घोषणाएं कीं, लेकिन ये सभी घोषणाएं बेकार गईं, क्योंकि उन्होंने सुरक्षा बलों की ओर गोलीबारी जारी रखी। इस स्थिति में, 183 सीआरपीएफ के सीटी/जीडी लोनबले खुशाबराव उपासराव, सीटी/जीडी नजीर अहमद अन्दू और सीटी/जीडी एस लोगनाथन के साथ श्री विनोद कुमार राव, सहायक कमांडेंट अपने कवर से बाहर चले गए और आतंकवादियों की पोजीशन की ओर चतुराईपूर्वक आगे बढ़े। उन्होंने सड़क पार की और सड़क से सटी एक दुकान की दीवार का फायदा उठाकर आगे बढ़ते रहे और आतंकवादियों के करीब एक रणनीतिक पोजीशन लेने में सफल रहे।

उन्होंने देखा कि एक आतंकवादी खिड़की से गोलीबारी कर रहा है। एक पल भी गँवाए बिना, सिपाही लोनबले खुशाबराव उपासराव, सिपाही नजीर अहमद अन्दू और सिपाही एस लोगनाथन ने उस आतंकवादी पर गोलियां चलाई और उसे मार गिराया। तथापि, बाकी बचे आतंकवादियों ने अपना हमला जारी रखा और मौके से बचकर भागने की कोशिश की। गोलीबारी रात भर चलती रही। सुबह, गौशाला के मुख्य द्वार के पास पोजीशन लिए हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई और अपनी पोजीशन बदलने की कोशिश की। इस हरकत को भांपते हुए,

सिपाही नजीर अहमद अन्दू, सिपाही एस लोगनाथन और सिपाही लोनबले खुशाबराव उपासराव, जिन्होंने पहले से ही गौशाला के सामने एक मजबूत पोजीशन ले रखी थी, ने आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की और एक अन्य आतंकवादी को मार गिराया।

एक आतंकवादी अभी भी जीवित था और वह सुरक्षा बलों की ओर गोलीबारी कर रहा था। अचानक, वह गौशाला से बाहर निकला और जिहादी नारे लगाते हुए, मौके से बचकर भागने की कोशिश की। संयुक्त सैन्य दस्ते ने आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे घटना स्थल पर ही मार गिराया।

लगभग 0610 बजे, गोलीबारी रुकने के बाद, पूरे क्षेत्र की सघन तलाशी ली गई, जिसके दौरान 2 पिस्टल, 1 एके 56 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद के साथ 3 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के श्रेणी-"ए" आदिल हाफिज, हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के श्रेणी-"सी" अरशद अहमद डार और हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के श्रेणी-"सी" रऊफ अहमद मीर के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री एस लोगनाथन, सिपाही, नजीर अहमद अन्दू, सिपाही और लोनबले खुशाबराव उपासराव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/115/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 378-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रहलाद सहाय चौधरी	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	सतेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	राम स्वरूप यादव	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	शेख महम्मद रफी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	सुभाष चंद्र हेमब्रम	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक पश्चिम सिंहभूम से खुफिया सूचना प्राप्त हुई कि सीपीआई (माओवादी) का एक समूह पुलिस स्टेशन-रानिया/गुदरी, जिला-खूंटी/पश्चिम सिंहभूम, झारखंड के अंतर्गत कोरंगकेल, डकुदिटोली, चिरुंग, सिमको, बेरहा लुमिन और उसके आसपास के क्षेत्र में घूम रहा है। तदनुसार, 94वीं बटालियन ने एक इंटर बटालियन ऑपरेशन (60,94,174 बटालियन) ("बी" लेवल) की योजना, दो दिन और एक रात अर्थात् दिनांक 03.04.2020 से 04.04.2020 तक के लिए बनाई, जिसमें एफ/94वीं बटालियन भी शामिल थी, जिसका नेतृत्व प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट ने किया।

03 अप्रैल 2020 को, ऑपरेशन योजना के अनुसार, एफ/94वीं बटालियन, नक्सलियों की पूर्व चेतावनी प्रणाली को नाकाम करके, ऊबड़-खाबड़ जमीन, बोल्टर, घनी वनस्पति और झाड़-झंखाड़ को पार करते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ गई। रास्ते के गांवों में तलाशी लेने के बाद, एफ/94वीं बटालियन की ऑपरेशन पार्टी डकुदिटोली पहुंची और पार्टी ने पहाड़ी पर एल्यूमी लिया। एल्यूमी के दौरान, प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट को रेडा टोला में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली। 04 अप्रैल 2020 को, एफ/94वीं बटालियन की ऑपरेशन पार्टी ने सुबह-सुबह एल्यूमी छोड़ दी और गांव चिरुंग की तलाशी के बाद, यह सैन्य दस्ता लगभग 0710 बजे रेडा टोला के पास पहुंचा। रेडा टोला पर नक्सलियों की मौजूदगी का वास्तविक स्थान ज्ञात नहीं था और ग्रामीणों की मौजूदगी के कारण यह बहुत जोखिम भरा कार्य था, लेकिन यह प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट का उत्साह और सामरिक दृष्टिकोण था, कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का विश्लेषण करने के बाद अंतिम योजना बनाई जा सकी। उप निरीक्षक/जीडी नवीन चंद्रा और उप निरीक्षक/जीडी राजेंद्र सिंह की कमान में दो फ्लैंकिंग टीमों का गठन गांव को क्रमशः दाएं और बाएं तरफ से कवर करने के लिए किया गया था तथा प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट की कमान में एक टीम रेडा टोला में तलाशी करने के लिए बनाई गई थी।

योजना के अनुसार, सभी तीनों टीमों अपने निर्धारित कार्य के लिए चतुराईपूर्वक आगे बढ़ीं। गांव के पास डेरा डाले हुए नक्सलियों ने पहले हमारी दाहिनी ओर की टीम पर और उसके बाद तलाशी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तुरंत, हमारे सैनिकों ने पोজیشن ली तथा नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी। चेतावनी को अनसुना करते हुए, वे घातक स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। कोई विकल्प उपलब्ध न रहने पर, हमारे सैनिकों ने आत्मरक्षा में हमले का जवाब दिया। नक्सलियों ने घरों, पेड़ों के पीछे कवर लेकर और पहाड़ी की तरफ से हमारे जवानों पर गोलीबारी जारी रखी। तत्पश्चात, प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट ने सीटी/जीडी सतेन्द्र कुमार को पहाड़ी की ओर से हमारे सैनिकों पर गोलीबारी करने वाले नक्सलियों पर यूवीजीएल फायर करने का आदेश दिया। यूवीजीएल फायर के दौरान, सिपाही सतेन्द्र कुमार के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल होने के बावजूद, सिपाही सतेन्द्र कुमार नक्सलियों के ठिकाने पर गोलीबारी करते रहे। हमारी पार्टी के तमाम प्रयासों के बावजूद, नक्सली पार्टी अत्याधुनिक हथियारों से हमारे सैनिकों पर लगातार गोलीबारी कर रही थी।

ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर, प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट ने हमारे सैनिकों के जीवन पर आसन्न खतरे को विफल करने के उद्देश्य से नक्सलियों पर जोरदार हमला करने का फैसला लिया। गोलियों की वीछार के बीच, ऑपरेशन कमांडर ने नक्सलियों की ओर आगे बढ़ने के लिए बाईं और दाईं पार्टी द्वारा कवर फायर देने का आदेश दिया। नक्सलियों की ओर से भारी गोलीबारी के बावजूद, प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट के साथ एचसी/जीडी राम स्वरूप यादव, सीटी/जीडी सतेन्द्र कुमार, सीटी/जीडी शेख महम्मद रफी और सीटी/जीडी सुभाष चंद्र हेमब्रम अपनी जान की परवाह किए बिना खुले मैदान में रेंगते हुए नक्सलियों की ओर बढ़े और नक्सलियों के पास पहुंचने के बाद उन्होंने नक्सलियों पर राइफल और यूवीजीएल से प्रभावी फायरिंग शुरू कर दी। इस प्रयास से मुठभेड़ पर और मजबूत पकड़ हो गई। हमारे सैनिकों के वीरतापूर्ण और प्रभावी जवाबी कार्रवाई ने नक्सलियों को घने जंगल और पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर भागने के लिए मजबूर कर दिया। मुठभेड़ के बाद की तलाशी के दौरान, हमारे सैनिकों ने काली बर्दी पहने 03 महिला भाकपा (माओवादी) कैडरों के शव बरामद किए और बाद में उनके नामों की पहचान सोना माही उर्फ सोन माई, पुत्री मुंगरू गोप, निवासी गांव-कंसुआ, पीएस-गोयलकेरा, जिला-पश्चिम सिंहभूम, सुनिका चंपिया उर्फ सुबानी, पुत्री चुनू चंपिया, निवासी गांव-लिपुंगा, पुलिस स्टेशन-गुवा, जिला-पश्चिम सिंहभूम और शांति पूर्ति उर्फ गुरुवारी, पुत्री गुरुचरण पूर्ति (स्वर्गीय) निवासी गांव-काशीजोड़ा बिपी, थाना-गोएलकेरा, जिला-पश्चिम सिंहभूम के रूप में की गई तथा साथ ही

मुठभेड़ स्थल से एक .303 पुलिस राइफल और दो देशी भरमार गन की बरामदगी हुई। उपर्युक्त के अलावा, मुठभेड़ स्थल से एक .303 मैगजीन, 9 एमएम कार्बाइन की एक मैगजीन, 7.62 एमएम वाले 135 (एक सौ पैंतीस) जिंदा कारतूस, .303 राइफल के 139 (एक सौ उनतीस) जिंदा कारतूस, 9 एमएम के 195 (एक सौ निन्यानवे) जिंदा कारतूस, 12 बोर के 23 (तेईस) जिंदा कारतूस और अन्य खाली कारतूस तथा विविध सामान भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट, सतेन्द्र कुमार, सिपाही, राम स्वरूप यादव, हेड कांस्टेबल, शेख महम्मद रफी, सिपाही और सुभाष चंद्र हेमब्रम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/117/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 379-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अजय मलिक	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रिकल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	कृष्ण मुरारी कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	सुभाष चन्द्र	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

28 सितंबर, 2019 को लगभग 0745 बजे, एक सूचना प्राप्त हुई थी, कि भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद ले जा रहे तीन आतंकवादियों ने एनएच-44 पर 159 टीए (टेरिटरियल आर्मी) के एक सैन्य दस्ते (पार्टी) पर हमला कर दिया है और वे चकवा नाला जंगल की ओर भाग गए हैं। तुरंत ही, सीआरपीएफ, जम्मू और कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बल की संयुक्त टीमों ने, पूरे इलाके की तलाशी ली। लगभग 1130 बजे, यह पता चला कि तीनों आतंकवादी बटोटे नगर में श्री विजय कुमार नाम के एक व्यक्ति के घर में जबरदस्ती घुस गए हैं और उसे बंधक बना लिया। संयुक्त सुरक्षा बल लक्षित क्षेत्र की ओर दौड़ पड़ा और उक्त मकान को घेर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामवन ने आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने और बिना किसी शर्त के बंधकों को छोड़ने की अपील की। लगभग 1515 बजे, लक्षित घर के अंदर खिड़की के माध्यम से आंसू गैस के गोले/चिली ग्रेनेड दागने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, 84 सीआरपीएफ के एचसी/जीडी रिकल सिंह, सीटी/जीडी सुभाष चन्द्र, और सीटी/जीडी कृष्ण मुरारी कुमार लक्षित घर के पीछे की ओर बढ़े और उन्होंने लंबी दूरी के गोले/आंसू गैस/चिली ग्रेनेड खिड़की से दागे। आंसू गैस से परेशान होकर आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। तीनों सैनिक चतुराई से बैक साइड से पीछे हट गए और बाकी टीम में शामिल हो गए।

करीब 1530 बजे, आतंकवादियों ने मुख्य दरवाजे से हेंड ग्रेनेड फेंकने शुरू किए और घर से भागने की कोशिश की। श्री अजय मलिक, सहायक कमांडेन्ट इस तरह की घटना के लिए पहले से ही सतर्क और तैयार थे। उन्होंने एचसी/जीडी रिकल सिंह, सीटी/जीडी सुभाष चन्द्र और सीटी/जीडी कृष्ण मुरारी कुमार के साथ मिलकर आतंकवादियों के प्रयासों को विफल कर दिया और उन पर सतर्कतापूर्वक हमला किया, जिससे सांसें थमा देने वाली मुठभेड़ शुरू हुई।

दोनों ओर से हुई भीषण गोलीबारी में, तीन आतंकवादी मारे गए और हथियार एवं गोला-बारूद के साथ उनके शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में ओसामा बिन जावेद, पुत्र जावेद अहमद, निवासी-सौंदर दखन किशतवाड़; जाहिद हुसैन, पुत्र गुलाम मोहम्मद, निवासी-सौंदर दखन किशतवाड़ और बिलाल अहमद उर्फ मोइन-उल-इस्लाम, पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला, निवासी-तुर्कू तेंगवानी शोपियां के रूप में की गई। ये सभी हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन से संबंध रखते हैं। ओसामा 'ए++' श्रेणी का खूंखार आतंकवादी था, जिस पर 12.50 लाख रुपये का इनाम था और जाहिद 'ए' श्रेणी का आतंकवादी था, जिस पर 5 लाख रुपये का इनाम था।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अजय मलिक, सहायक कमांडेन्ट, रिकल सिंह, हेड कांस्टेबल, कृष्ण मुरारी कुमार, सिपाही और सुभाष चन्द्र, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।



ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/09/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/185/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 380-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	राजवीर शर्मा	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नावा ज्योति दास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राज इटौरिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	नरेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.01.2021 को लगभग 1530 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीडी अवंतीपोरा से पुलिस स्टेशन-त्राल, जिला-पुलवामा (जम्मू और कश्मीर) के अंतर्गत गांव-मंडूरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 180वीं बटालियन, सीआरपीएफ, 42 आरआर और एसओजी/जेकेपी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (कामो) की योजना बनाई गई थी। संयुक्त सैन्य दस्ते ने बशीर अहमद भट्ट, पुत्र अब्दुल समद भट्ट (वानी मोहल्ला, मंडूरा में) के संदिग्ध घर की घेराबंदी कर दी। गांव-मंडूरा तीन तरफ (उत्तर, पूर्व और दक्षिण) पहाड़ियों से घिरा हुआ है। श्री राम कुंवर जाट, सहायक कमांडेंट, सीटी/जीडी नावा ज्योति दास, सीटी/जीडी राज इटौरिया और सीटी/जीडी नरेन्द्र कुमार और अन्य को दक्षिण-पश्चिम दिशा से आंतरिक घेरा में तैनात किया गया। श्री संजीव सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन), सीटी/जीडी अरिंदम तालुकदार, एचसी/जीडी राजवीर शर्मा और सीटी/जीडी अंकित कुमार को आंतरिक घेराबंदी के उत्तर-पश्चिम फ्लैंक को कवर करने के लिए पश्चिमी दिशा में तैनात किया गया। श्री संजीव सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन) और उनके सहयोगी ने लक्षित घर के पिछले हिस्से से बचने के रास्तों को कवर करते हुए दो मंजिला भट्ट होटल की ऊपरी मंजिल पर पोजीशन ली। हेड कांस्टेबल राजवीर शर्मा और सिपाही अंकित कुमार ने उसी बिल्डिंग के भूतल पर लक्षित घर के पिछले भाग के सामने काफी नजदीक पोजीशन ली। लक्षित घर के उत्तर-पूर्व-दक्षिणी हिस्से को भी सीआरपीएफ, 42 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) के शेष सैनिकों द्वारा संयुक्त रूप से कवर किया गया था।

टारगेट हाउस के आसपास कुछ संदिग्ध हरकत देखकर, सभी संयुक्त टीमों को सतर्क कर दिया गया और श्री राम कुंवर जाट, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में सी/180वीं बटालियन के सिपाही नावा ज्योति दास, सिपाही नरेन्द्र कुमार और सिपाही राज इटौरिया को शामिल करके एक संयुक्त तलाशी दल का गठन किया गया। 180वीं बटालियन सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल राजवीर शर्मा और उनके साथ एक सहयोगी को लक्षित घर के पीछे की तरफ रणनीतिपूर्वक तैनात किया गया। अन्य संयुक्त टीमों के साथ आंतरिक घेराबंदी में तैनात सैन्य दस्ते ने भाग निकलने के सभी मार्गों को बंद कर दिया।

लगभग 1625 बजे तलाशी के दौरान, लक्ष्य घर के अंदर छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी तथा सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाने और स्वयं के बच निकलने के इरादे से एक ग्रेनेड फेंका। सैनिकों पर भारी गोलीबारी करते हुए, आतंकवादी तेजी से एक-एक करके घर से बाहर निकल आए। पहले से तैनात सिपाही नावा ज्योति दास, सिपाही राज इटौरिया और सिपाही नरेन्द्र कुमार ने आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की, जिससे वे बचकर भाग नहीं सके और वे पूर्व दिशा की ओर दौड़ते हुए लक्षित घर के पास गौशाला में छिप गए एवं सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने लगे। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर भी दिया गया, लेकिन वे सुरक्षा बलों पर लक्षित घर से बच निकलने के लिए गोलीबारी करते रहे। आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी और ग्रेनेड हमले के बावजूद, सीआरपीएफ जवानों ने हिम्मत नहीं हारी, बल्कि उन्होंने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। श्री राम कुंवर जाट, सहायक कमांडेंट के निर्देश पर, सिपाही नावा ज्योति दास अपने युद्ध कौशल और रणनीति का उपयोग करते हुए एक आतंकवादी की ओर आगे बढ़े तथा उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, प्रभावी गोलीबारी की, जिससे खुले में और आमने-सामने की गोलीबारी में पहला आतंकवादी मारा गया।

बाकी 02 आतंकवादी सर्च ऑपरेशन टीमों पर गोलीबारी करते रहे। सिपाही राज इटौरिया और सिपाही नरेन्द्र कुमार युद्ध नीति और चालों का उपयोग करते हुए आगे बढ़े और उन्होंने आतंकवादियों को प्रभावी गोलीबारी में उलझा लिया। उसके बाद, दोनों आतंकवादियों ने लगातार गोलीबारी करके लक्षित घर के पीछे से उत्तरी दिशा से भागने की कोशिश की, लेकिन वहां तैनात राजवीर शर्मा और उनके सहयोगी

आतंकवादियों से भिड़ गए और उनके भागने की कोशिश को उन्होंने नाकाम कर दिया। इसी बीच, सिपाही राज इटौरिया और सिपाही नरेन्द्र कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना, सामने से प्रभावी गोलीबारी की तथा खुले में और सामने से दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दूसरे आतंकवादी को मारने में सफल रहे। उसी समय, तीसरा आतंकवादी अपने स्वचालित हथियार से भारी गोलीबारी करते हुए भागने के उद्देश्य से लक्षित घर के पिछले हिस्से की ओर बढ़ गया। आतंकवादी को आगे बढ़ते देख, राजवीर शर्मा अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादी से भिड़ गए और आगे-आगे की लड़ाई में उन्होंने प्रभावी गोलीबारी कर तीसरे आतंकवादी को मार गिराया।

इस संयुक्त ऑपरेशन के दौरान, 03 आतंकवादियों को मार गिराया गया और जिनकी पहचान बाद में वारिस अहमद भट्ट, पुत्र गुलाम हसन भट्ट, निवासी-गांव-नाइबुग, पुलिस स्टेशन-त्राल, जिला-पुलवामा, आरिफ बशीर शेख, पुत्र बशीर अहमद शेख, निवासी-मोंगामा, पुलिस स्टेशन-त्राल, जिला-पुलवामा और अहतशामुल हक, पुत्र मुश्ताक अहमद शाह, निवासी-चक नूरपोरा, पुलिस स्टेशन-अवंतीपोरा, जिला-पुलवामा के रूप की गई। हथियार/गोला-बारूद जैसे कि एके-56-एक, मैगजीन (एके-56)-02, गोला-बारूद (एके कारतूस)-22 राउंड, पिस्टल-02, मैगजीन पिस्टल-02 और गोला-बारूद (पिस्तौल कारतूस)-10 कारतूस आदि भी घटनास्थल से बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री राजवीर शर्मा, हेड कांस्टेबल, नावा ज्योति दास, सिपाही, राज इटौरिया, सिपाही और नरेन्द्र कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/01/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/199/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 381-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुशील कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	नरेन्द्र यादव	द्वितीय-कमान-अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राहुल माथुर	उप कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	लौकराकपम डबोमचा सिंह	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
5	कृष्णेन्दु दत्ता	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	शिवा कांत	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	सरोज कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	सोनू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 मई, 2020 को लगभग 2300 बजे, कनी मजार, नवाकदल, पुलिस स्टेशन सफाकदल, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, वैली क्यूएटी द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया। वैली क्यूएटी की 4 एचआईटी (हाउस इंटरवेंशन टीम) को लक्षित क्षेत्र की तलाशी करने का काम सौंपा गया।

सैन्य दस्तों ने अगले दिन लगभग 0130 बजे प्रारंभिक घेराबंदी कर दी। लगभग 0235 बजे, जब टीमें संदिग्ध घरों की तलाशी ले रही थीं और आम नागरिकों को बाहर निकाल रही थीं, तभी आतंकवादियों ने बचकर भागने के प्रयास में, श्री राहुल माथुर, उप कमांडेन्ट और श्री लौकराकपम डबोमचा, सिंह सहायक कमांडेन्ट की टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी और उसके बाद ग्रेनेड भी फेंके। अचानक किए गए इस हमले में, ग्रेनेड के स्प्लेंटर लगने से वैली क्यूएटी के सिपाही/जीडी सोनू घायल हो गए। सैन्य दस्तों ने तुरंत पोजीशन ले ली और जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकवादियों को घर में वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। इसी बीच, सिपाही/जीडी सोनू को वहां से निकालकर 92 बेस अस्पताल पहुंचाया गया।

आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। वे पुनः अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए अचानक लक्षित घर से बाहर आ गए और बगल वाले घर में घुस गए। वौली क्यूएटी और आतंकवादियों के बीच अंधाधुंध गोलीबारी शुरू हो गई। इस दौरान, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ गई। तब, बिना किसी देरी के घर में घुसकर तीन मंजिला भवन की तलाशी करने का निर्णय लिया गया। सिपाही/जीडी शिवा कांत के साथ श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी, सिपाही/जीडी कृष्णन्दु दत्ता के साथ श्री राहुल माथुर, उप कमांडेन्ट और सिपाही/जीडी सरोज कुमार के साथ श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट वाली एचआईटी ने घर में प्रवेश किया। चतुराई से आगे बढ़ते हुए, उन्होंने भूतल की तलाशी की और पहली मंजिल की ओर बढ़ गए। जैसे ही द्वितीय-कमान-अधिकारी श्री नरेन्द्र यादव अपने साथी के साथ कमरे में दाखिल हुए, आतंकवादी ने उन पर एक ग्रेनेड फेंका और गोलियां चलाई। सैन्य दस्तों ने तुरंत कवर ले लिया और जवाबी कार्रवाई की। इस प्रक्रिया में, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी स्प्लिंटर लगने से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, उन्होंने जवाबी हमला जारी रखा। इस बीच, श्री राहुल माथुर, उप कमांडेन्ट, सिपाही/जीडी शिवा कांत और सिपाही/जीडी कृष्णन्दु दत्ता भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने जवाबी हमले को तेज कर दिया। समन्वित जवाबी हमले के परिणामस्वरूप आतंकवादी का सफाया हो गया।

तथापि, इस बीच दूसरा आतंकवादी लक्षित घर से बचकर भाग गया। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट और श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने अपने साथियों सिपाही/जीडी सुशील कुमार और सिपाही/जीडी सरोज कुमार के साथ, खून के निशानों का अनुसरण करते हुए आतंकवादी का पीछा किया। पीछा करने के दौरान, सैन्य दस्ते ने एक गेट के हैंडल पर खून के कुछ धब्बे देखे। उन्होंने तुरंत घर को घेर लिया और तलाशी शुरू कर दी। जैसे ही सिपाही/जीडी सरोज कुमार ने भूतल पर एक बाथरूम का दरवाजा खोला, आतंकवादी ने उन पर एक ग्रेनेड फेंका, जिसके परिणामस्वरूप श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट और सिपाही/जीडी सरोज कुमार स्प्लिंटर लगने से घायल हो गए। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट और सिपाही/जीडी सुशील कुमार, जो ठीक उनके पीछे थे, ने तुरंत पोजीशन लेते हुए आतंकवादी पर गोली चला दी।

आतंकवादी ने एक और ग्रेनेड फेंका, जो सैन्य दस्ते के बिल्कुल निकट जाकर फट गया, जिससे वहां पर धूल उड़ी और दृश्यता कम हो गयी। इसका लाभ उठाते हुए, आतंकवादी ने फिर से बचकर भागने की कोशिश की, लेकिन श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने घायल होने के बावजूद, उस पर बिल्कुल नजदीक से गोली चलाई, जिससे वह भागने में सफल नहीं हुआ। खुद को घिरा हुआ पाकर, आतंकवादी ने अंतिम प्रयास में एक और ग्रेनेड फेंका। कुछ ही दूरी पर होने के कारण, श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट एक बार फिर स्प्लिंटर की चपेट में आ गए। तथापि, श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने अपनी गंभीर चोटों के बावजूद, सिपाही/जीडी सरोज कुमार के साथ आतंकवादी को उलझाए रखा। इसी बीच, श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट और सिपाही/जीडी सुशील कुमार ने भी आतंकवादी पर गोलियां चलाई। इन प्रतिबद्ध सैनिकों द्वारा की गई प्रभावी गोलीबारी के परिणामस्वरूप आतंकवादी का सफाया हो गया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, एक एके 47 राइफल, 4 पिस्तौल, मैगजीन और गोला-बारूद के साथ 2 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के जुनैद अहमद सेहराई, डिवीजनल कमांडर, श्रेणी "ए" और तारिक अहमद शेख के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री सुशील कुमार, सिपाही, नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी, राहुल माथुर, उप कमांडेन्ट, लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट, कृष्णन्दु दत्ता, सिपाही, शिवा कांत, सिपाही, सरोज कुमार, सिपाही और सोनू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/200/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 382-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अमित कुमार	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	किशुन पाल सिंह जादौन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	भम्मर वासुरभाई लखाभाई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
4	राजीव कुमार पुनियाँ	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02 जुलाई, 2020 को लगभग 2100 बजे, एसओजी जखूरा से मालबाग (नसीम बाग) क्षेत्र, हजरतबल, पुलिस स्टेशन निगीन, जिला श्रीनगर में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। कथित तौर पर, भारी हथियारों से लैस आतंकवादी एक निर्माणाधीन दो मंजिला भवन में छिपे हुए थे। तदनुसार, "वैली क्यूएटी" की 04 एचआईटी (हाउस इंटरवेंशन टीम) ने लक्षित क्षेत्र की ओर प्रस्थान किया तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। लगभग 2220 बजे, सैन्य दस्तों ने संदिग्ध घर की घेराबंदी करके उसकी तलाशी शुरू कर दी।

वैली क्यूएटी के टीम कमांडर द्वारा दिए निर्देश के अनुसार, सिपाही/जीडी विवेक कुमार तिवारी और सिपाही/जीडी राजीव कुमार पुनियाँ गेट को खोलने के लिए लक्षित घर की चारदीवारी के अंदर कूद गए। तथापि, वहां छिपे हुए आतंकवादी ने उनकी मौजूदगी को देख लिया और उनकी ओर अंधाधुंध गोलाबारी शुरू कर दी। बिना किसी कवर के खुले क्षेत्र में होने के बावजूद, इन दोनों जवानों ने अत्यधिक साहस एवं बहादुरी का प्रदर्शन किया और उन्होंने मौके पर डटे रहकर आतंकवादी की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। अपने साथियों की सहायता करने के लिए, एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन ने अहाते के अंदर छलांग लगा दी और आतंकवादी की ओर गोलीबारी करके उसे पीछे हटने के लिए विवश कर दिया। लेकिन, इस प्रक्रिया के दौरान, वे आतंकवादी की सीधी गोलीबारी की चपेट में आ गए और उन्हें एक गोली लग गई। एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन ने अपनी चोटों की परवाह किए बिना आतंकवादी से मुकाबला करना जारी रखा।

जवाबी हमले को झेल पाने में असमर्थ होकर, आतंकवादी लक्षित घर में वापस चला गया। तत्काल, एक टीम, जिसमें श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट, एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन, सिपाही/जीडी भम्मर वासुरभाई लखाभाई, सिपाही/जीडी किशुन पाल सिंह जादौन और सिपाही/जीडी राजीव कुमार पुनियाँ शामिल थे, को घर में घुसने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। जब टीम लक्षित घर में प्रवेश करने वाली थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादी ने गोलाबारी शुरू कर दी और उनकी ओर ग्रेनेड भी फेंके। टीम ने इसका अनुमान लगा लिया था और चतुराई से आगे बढ़ रही थी, जिससे उसे कोई क्षति नहीं पहुंची। गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति अपनाते हुए, वे लक्षित घर में घुस गए। भूतल की तलाशी करने के बाद, सैन्य दस्ता सीढ़ियाँ चढ़ते हुए पहली मंजिल की ओर आगे बढ़ा। सिपाही/जीडी राजीव कुमार पुनियाँ को अपने साथी के साथ क्षेत्र को कवर करने के उद्देश्य से सीढ़ियों के नीचे रुकने के लिए कहा गया।

जैसे ही सैन्य दस्ता पहली मंजिल पर पहुंचा, उन्होंने एक-एक करके कमरों की तलाशी करना शुरू कर दिया। जब एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन और सिपाही/जीडी भम्मर वासुरभाई लखाभाई एक कमरे में दाखिल हुए, तभी एक कोने में पोजीशन लिए हुए आतंकवादी ने उनकी ओर गोलीबारी शुरू कर दी। बिल्कुल नजदीक से हुई बंदूक की लड़ाई में, एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन ने आतंकवादी को घायल कर दिया, लेकिन कई गोलियाँ उन्हें भी लगीं। इसी बीच, श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट और सिपाही/जीडी किशुन पाल सिंह जादौन भी कमरे में दाखिल हुए और आतंकवादी पर गोलियाँ चलाईं। आतंकवादी ने उस कमरे के अंदर से जुड़ी हुई सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हुए बचकर भूतल की ओर भागने की कोशिश की। जैसे ही वह भूतल पर पहुंचा, सिपाही/जीडी राजीव कुमार पुनियाँ ने उस पर गोली चला दी, जिससे वह पहली मंजिल पर वापस जाने के लिए मजबूर हो गया। दहशत में आतंकवादी सर्च टीम की ओर अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए वापस पहली मंजिल पर चला गया। श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट, एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन, सिपाही/जीडी भम्मर वासुरभाई लखाभाई और सिपाही/जीडी किशुन पाल सिंह जादौन ने आतंकवादी को कोई और मौका दिए बिना, उस पर लक्षित गोलीबारी की और उसे मौके पर ही मार गिराया।

एचसी/जीडी कुलदीप कुमार उरावन को तुरंत 92 बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां अपनी चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया और शहादत प्राप्त की। उन्होंने बल की सर्वोच्च मार्शल परंपराओं को बनाए रखते हुए, कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया। लक्षित घर की तलाशी के दौरान, एक एके 56 राइफल, मैगज़ीन और गोला-बारूद के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान एचएम/आईएसजेके के जाहिद अहमद दास, पुत्र गुलाम मोहम्मद दास, निवासी दासपोरा वाघमा विजवेहरा, जिला अनंतनाग के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट, किशुन पाल सिंह जादौन, सिपाही, भम्मर वासुरभाई लखाभाई, सिपाही और राजीव कुमार पुनियाँ, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/201/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 383-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	नरेन्द्र यादव	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अमित कुमार	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अनिरुद्ध प्रताप सिंह	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राहुल सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5	सुशील कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
6	राजीव राभा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	संतोष कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	सजाद अहमद लोन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	पंकज कुमार चौधरी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 जून, 2020 को लगभग 2300 बजे, एसओजी श्रीनगर से जूनीमार के मोहल्ला गिलिकादल, पुलिस स्टेशन जैदीबल, जिला श्रीनगर में 03 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, वैली क्यूएटी और एसओजी की 04 एचआईटी लक्षित क्षेत्र में पहुंच गई और उन्होंने एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

योजना के अनुसार, लक्षित घर (तीन मंजिल + अटारी) को वैली क्यूएटी की टीम तथा एसओजी द्वारा घेर लिया गया और उन्होंने लगभग 0230 बजे तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान, एक संदिग्ध ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए, घर के पिछले हिस्से से, घेराबंदी से चुपके से भागने का प्रयास किया। घेराबंदी के लिए तैनात सहायक कमांडेन्ट श्री अमित कुमार की टीम द्वारा चुनौती दिए जाने पर, वह घर के अंदर वापस चला गया। मकान मालिक से घटना स्थल पर ही पूछताछ की गई और उन्होंने स्वीकार किया कि घर के अंदर 03 हथियारबंद आतंकवादी मौजूद हैं।

पुष्टि हो जाने पर, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। इस समय तक, एक आतंकवादी की पहचान शकूर फारूक लांगू, निवासी कमरवाड़ी, श्रीनगर के रूप में हो चुकी थी। तदनुसार, उसके माता-पिता को बुलाया गया, जिन्होंने अपने बेटे को आत्मसमर्पण करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

लगभग 0930 बजे, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सैन्य दस्ते पर अंधाधुंध गोलाबारी शुरू कर दी। इसके बाद, एमजीएल का उपयोग करने का निर्णय लिया गया और इसके परिणामस्वरूप लक्षित घर के भूतल की दीवार में एक छेद बनाया गया। विचार-विमर्श के बाद, भवन के अंदर प्रवेश करने का निर्णय लिया गया।

श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए वैली क्यूएटी की दो छोटी टीमों का गठन किया। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में पहली टीम ने सीटी/जीडी सजाद अहमद लोन, श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट और सीटी/जीडी राहुल सिंह के साथ भूतल के सामने की ओर से घर में घुसने का फैसला किया और श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट के नेतृत्व में दूसरी टीम ने सीटी/जीडी राजीव राभा, श्री लौकराकपम डबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट, सीटी/जीडी सुशील कुमार, सीटी/जीडी संतोष कुमार और सीटी/जीडी पंकज कुमार चौधरी के साथ ऊपर से नीचे की ओर (भवन के) जाने का फैसला किया।

जब श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, सीटी/जीडी सजाद अहमद लोन, श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट और सीटी/जीडी राहुल सिंह लक्षित घर के गेट पर पहुंचे, तभी आतंकवादियों ने उन पर गोलियों की बौछार की और साथ ही ग्रेनेड भी फेंके। यद्यपि, टीम चमत्कारिक रूप से बच गई, तथापि वे अडिग रहे और चतुराई से पीछे हट गए।

श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और श्री लौकराकपम डबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने अपने साथियों के साथ, सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हुए, दूसरी मंजिल से भवन में प्रवेश किया। इसी बीच, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में पहली टीम भूतल में प्रवेश करने में सफल हो गई और पहले कमरे की तलाशी की। जब वे दूसरे कमरे में प्रवेश करने वाले थे, तभी अंदर छिपे हुए एक आतंकवादी ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। कोई कवर न होने के बावजूद, अपनी जान की परवाह किए बिना, टीम आगे बढ़ती रही। सीढ़ियों की ओर भागते हुए आतंकवादी ने वहां से बचकर भागने और टीम को हताहत करने के एक हताश प्रयास में, उनके ऊपर ग्रेनेड फेंके और अंधाधुंध गोलाबारी की। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी उस समय चमत्कारिक रूप से बच गए, जब ग्रेनेड के कुछ स्प्लेंडर जाकर उनके हेलमेट पर लगे। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट और उनके साथियों सीटी/जीडी सजाद अहमद लोन और सीटी/जीडी राहुल कुमार के साथ टीम मौके पर डटी रही और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए, भूतल पर बिलकुल नजदीक से हुई बंदूक की भीषण लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराया।

इसके बाद, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी अपने साथियों के साथ दूसरी टीम की मदद करने के लिए पहली मंजिल की ओर चले गए और श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट एवं उनके साथियों को लक्षित घर के बाहर पोजीशन लेने का निर्देश दिया।

इसी बीच, श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट के नेतृत्व वाली दूसरी टीम, जो दूसरी मंजिल में प्रवेश कर चुकी थी, को एक कमरे की तलाशी करते समय दो आतंकवादियों ने उलझा दिया। एक आतंकवादी सीढ़ियों से नीचे उतरकर पहली मंजिल पर भाग गया। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने अपने साथी सीटी/जीडी सुशील कुमार, सीटी/जीडी संतोष कुमार और सीटी/जीडी पंकज कुमार चौधरी के साथ नीचे की ओर उसका पीछा किया। दूसरा आतंकवादी दूसरी मंजिल पर श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और उनके साथी सीटी/जीडी राजीव राभा के साथ गोलाबारी में फंस गया। उस आतंकवादी ने श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और उनके साथी पर एक ग्रेनेड फेंका और गोलियां भी चलाई, परंतु वे मौके पर डटे रहे और आतंकवादी को बिल्कुल नजदीक से मार गिराने में सफल रहे।

अंत में, श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट की टीम ने सीटी/जीडी सुशील कुमार, सीटी/जीडी संतोष कुमार और सीटी/जीडी पंकज कुमार चौधरी के साथ श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी की सहायता से तीसरे आतंकवादी को पहली मंजिल पर घेर लिया और आमने-सामने की लड़ाई में उसे मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, जेईएम के शकूर फारूक लांगू (श्रेणी-बी), मोहसिन खंडवा (श्रेणी-बी) और शाहिद अहमद भट्ट (श्रेणी-सी) के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट, अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट, राहुल सिंह, सिपाही, सुशील कुमार, सिपाही, राजीव राभा, सिपाही, संतोष कुमार, सिपाही, सजाद अहमद लोन, सिपाही और पंकज कुमार चौधरी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/44/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 384-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अनिल कुमार सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मोहित सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बिपिन कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से पुलिस स्टेशन जैनापोरा, जिला-शोपियां, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत गांव सुगन में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्ति सूचना के आधार पर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन, 44 आरआर तथा एसओजी/जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा दिनांक 06/10/2020 को लगभग 1700 बजे एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (ऑपरेशन) के नेतृत्व में, सीटीटी 178वीं बटालियन, ई/178वीं बटालियन और 44 आरआर के सैन्य दस्ते श्री अनिल कुमार वृक्ष, कमांडेन्ट 178वीं बटालियन की समग्र कमान में सुगन गांव के लिए रवाना हो गए। लक्षित क्षेत्र में पहुंचने के बाद, सुगन गांव के बसीर अहमद डार, पुत्र अली मोहम्मद डार के घर सं. 262 और उसके आस-पास के घरों की घेराबंदी कर दी गई और कट-ऑफ लगाकर वहां से बचकर भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया गया।

घेराबंदी के अंदर से बाहर निकाले गए कुछ लड़कों ने बताया कि उन्होंने 2 या 3 लोगों को हथियारों के साथ जियारत की ओर से गांव के अंदर, लक्षित क्षेत्र की ओर आते हुए देखा था। श्री अनिल कुमार वृक्ष, कमांडेन्ट 178वीं बटालियन को उनके सुरक्षा दल के साथ और सीओ 44 आरआर को लक्षित घर के सबसे नजदीक स्थित घर में तैनात कर दिया गया और उन्होंने इसका इस्तेमाल कमांड पोस्ट के रूप में करना शुरू कर दिया। कमांड पोस्ट हाउस की खिड़कियां काफी बड़ी थीं, जिन्हें बीपी शील्ड से हर तरफ से सुरक्षित कर दिया गया और लक्षित घर को निगरानी में रख दिया गया। श्री संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (ऑपरेशन) के नेतृत्व में यूनिट सीटीटी को अगले घर में तैनात कर दिया गया और एसओजी, जैनापोरा तथा आरआर के सैन्य दस्ते को पास में स्थित अन्य घरों एवं लक्षित घर के पास खुले क्षेत्र में तैनात कर दिया

गया। इसके अलावा, बाहरी घेराबंदी में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए ए/178 के सैन्य दस्ते को मालडेरा की दिशा में और डी/178 को चित्रगाम की दिशा में तैनात कर दिया गया।

टीमों को युक्तिपूर्वक तैनात करने के बाद, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण कराने के लिए घोषणाएं की गईं। घोषणा किए जाने के तुरंत बाद, अचानक लक्षित घर से सुरक्षा बलों की तरफ एक हथगोला फेंका गया, जिससे वहां पर जबरदस्त धमाका हुआ। इसके बाद आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी भी की गई। सुरक्षा बलों की सभी टीमों ने जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों ने कुछ देर के लिए गोलीबारी रोक दी। इसके बाद, आतंकवादियों ने फिर से गोलीबारी शुरू कर दी और वहां से बचकर भागने के लिए लक्षित घर के मेन गेट के पास पोजीशन ले ली। आतंकवादियों की इस गतिविधि को ड्रोन से देखने के बाद, कमांडेंट 178वीं बटालियन और उनके साथी सहायक उप निरीक्षक/जीडी अनिल कुमार सिंह ने आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसकी वजह से आतंकवादी वापस लक्षित घर के अंदर चले गए। एचएचटीआई और ड्रोन की मदद से आतंकवादियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई।

आतंकवादी वहां से बचकर भागने की कोशिश में रात भर सुरक्षा बलों पर रुक-रुक कर गोलीबारी करते रहे, लेकिन सुरक्षा बलों ने उनकी सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया।

अगले दिन सुबह लक्षित घर के पास रखे सेव के बक्सों के पास दो आतंकवादियों की गतिविधि देखी गई। श्री अनिल कुमार वृक्ष, कमांडेंट 178वीं बटालियन के साथी और श्री संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (ऑपरेशन) के साथी की पोजीशन से एक आतंकवादी की पोजीशन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। इस अवसर का लाभ उठाते हुए और कमांडर के निर्देशानुसार, सहायक उप निरीक्षक/जीडी अनिल कुमार सिंह, सिपाही/जीडी मोहित सिंह और सिपाही/जीडी बिपिन कुमार अपनी जान की परवाह किए बिना अपनी पोजीशन से बाहर आ गए और उन्होंने आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी तथा उन्हें कोई मौका दिए बिना सेव के बक्सों के बीच में मार गिराया।

दोनों आतंकवादियों के मारे जाने के बाद गोलीबारी रोक दी गई। लक्षित घर की तलाशी लेने का निर्णय लिया गया। लक्षित घर के अंदर एक आम नागरिक को भेजा गया, जिसने बताया कि अंदर कोई आतंकवादी नहीं है। इसके बाद, डी/178 और आरआर की एक टीम को लक्षित घर की तलाशी के लिए तैयार किया गया, लेकिन जब टीम लक्षित घर की बाउंड्री के पास पहुंची, तभी अंदर से एक हथगोला फेंका गया और सर्च टीम पर गोलीबारी शुरू हो गई। पिन बाहर न निकलने के कारण हथगोला नहीं फटा। तथापि, अचानक हुए इस हमले के बाद, सभी टीमों में सतर्क हो गई और उन्होंने अपनी पोजीशन को सुदृढ़ कर लिया।

लक्षित घर पर तुरंत भारी गोलीबारी के साथ यूबीजीएल के ग्रेनेड दागे गए। लगभग आधे घंटे तक गोलीबारी का सिलसिला चलता रहा। काफी देर तक आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी न होने पर, सैन्य दस्ते द्वारा लक्षित घर की तलाशी शुरू की गई तथा लक्षित घर के पास रखे सेव के बक्सों के बीच में दो आतंकवादियों के शव मिले तथा तीसरा आतंकवादी लक्षित घर के किचन के अंदर मिला।

इस ऑपरेशन के दौरान, 03 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में वसीम हुसैन माग्ने, पुत्र नजीर अहमद माग्ने, निवासी चकूरा, पुलवामा, सजाद अहमद मल्ल, पुत्र शकील अहमद मल्ल, निवासी मलदेरा शोपियां और जुनैद अहमद वानी, पुत्र अब्दुल रशीद वानी, निवासी तोमलुहाल, पुलवामा के रूप में की गई। घटना स्थल से हथियार/गोला-बारूद अर्थात् 01 स्लिंग के साथ एके-56 राइफल, 01 स्टार पिस्टल, 01 यूएसए 32 टी एमएम पिस्टल, 02 एके मैगजीन, 01 स्टार पिस्टल मैगजीन, 01 यूएसए 32 एमएम पिस्टल मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 एके राउंड, 05 स्टार पिस्टल राउंड, 05 यूएसए 32 एमएम राउंड, 07 चीनी हैंड ग्रेनेड, 03 कॉम्बैट पाउच, 03 टैली काउंटर और 02 जप माला भी बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अनिल कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक, मोहित सिंह, सिपाही और बिपिन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/45/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 385-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री सतपाल सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

### उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16 जून 2020 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां द्वारा गांव तुर्कवांगम, पुलिस स्टेशन जैनापोरा, शोपियां के बगीचे वाले क्षेत्र में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना साझा की गई। तदनुसार, 178 सीआरपीएफ, एसओजी और 44 आरआर द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) चलाया गया। वहां पर घेराबंदी कर दी गई और दुतरफा गोलीबारी से बचने के लिए, सुबह के समय तलाशी शुरू करने का निर्णय लिया गया। लक्षित क्षेत्र की ओर जाने वाले सभी मार्गों को बंद करने के लिए, अतिरिक्त सैन्य दस्तों को तैनात किया गया, ताकि शरारती तत्वों को दूर रखा जा सके।

लगभग 0440 बजे, तलाशी के दौरान, रामबियारा नदी से सटे गाँव के किनारे पर तैनात घेराबंदी टीम के एक दल ने दो लोगों को गाँव की ओर आते हुए देखा। वे अपने सिर पर घास की गठरी लेकर आ रहे थे। एक अन्य व्यक्ति उनके पीछे-पीछे आ रहा था। जैसे ही वे करीब आए, घेराबंदी टीम ने उनसे अपनी पहचान बताने के लिए कहा। उन अजनबियों ने घास की गठरी को नीचे रख दिया और अपनी पहचान स्थानीय व्यक्ति के रूप में बताई। जब इन अजनबियों को अपनी फेरन उठाने के लिए कहा गया, तो उन्होंने फेरन के नीचे छिपाकर रखे हुए अपने हथियारों को बाहर निकाल लिया और वहां से बचकर भागने के लिए सुरक्षा बलों की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। चूंकि अजनबी/आतंकवादी घेराबंदी से बाहर थे, इसलिए उन्हें बचकर भागने से रोकने के लिए तुरंत घेराबंदी में बदलाव किया गया। आतंकवादियों ने रामबियारा नदी के शिलाखंडों के पीछे कवर ले लिया और सुरक्षा बलों की ओर रुक-रुक कर गोलीबारी करते रहे।

गोलीबारी के बीच, 178 सीआरपीएफ की एक टीम 44 आरआर के सैन्य दस्ते के साथ, प्रभावी रूप से गोलीबारी करते हुए आतंकवादियों की ओर आगे बढ़ी और वहां पर हुई बंदूकों की भीषण लड़ाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया, तथापि इसी बीच, तीसरा आतंकवादी एक छोट्टे से गड्ढे में कूद गया। इसके बाद, सुरक्षा बलों द्वारा कुछ यूवीजीएल ग्रेनेड दागे गए, जिससे छिपा हुआ आतंकवादी घायल हो गया। सुरक्षा बलों के हमले को झेल पाने में असमर्थ होकर, आतंकवादी वहां से बचकर भागने की फिराक में सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए गड्ढे से बाहर निकल आया। लेकिन सुरक्षा बलों द्वारा की गई प्रभावी जवाबी कार्रवाई के कारण, उसे सीटी/जीडी सतपाल सिंह से कुछ ही मीटर की दूरी पर, एक टीले के पीछे छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह सीटी/जीडी सतपाल सिंह के लिए एकमात्र शेष आतंकवादी को उलझाने एवं मार गिराने और ऑपरेशन को उपयुक्त समय पर समाप्त करने का एक अच्छा अवसर था। वे एक क्षण भी गँवाए बिना और उत्कृष्ट युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हुए, अपनी कवर से रेंगकर बाहर आए तथा आतंकवादी पर धावा बोल दिया। बिलकुल नजदीक से हुई बंदूकों की लड़ाई में, वे वीरतापूर्वक लड़े और तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, दो एके 56 राइफल, एक इंसास राइफल, यूवीजीएल, अठारह हैंड ग्रेनेड, मिश्रित गोला-बारूद आदि के साथ 3 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान जुबैर अहमद वानी, कामरान जहूर मनहास और मुनीब-उल-हक के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, श्री सतपाल सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/46/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 386-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अनिल कुमार यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	ऐजाज अहमद चोपान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

### उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.10.2020 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से पुलिस स्टेशन और जिला-शोपियां, जम्मू-कश्मीर के अंतर्गत चकूरा गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी/छिपने के बारे में प्राप्त एक सूचना के आधार पर, 178वीं बटालियन सीआरपीएफ, 34 आरआर और एसओजी/जेकेपी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। लगभग 1235 बजे, जी/178वीं बटालियन का सैन्य दस्ता श्री मुन्ना प्रसाद, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में, एसओजी इमामसाहिब के साथ चकूरा के लिए रवाना हुआ। इसी बीच, 34 आरआर की टीम भी सिविल वाहन द्वारा नागिथरण और मातुयुग से चकूरा के लिए रवाना हुई। लक्षित क्षेत्र में पहुंचने पर आरआर, सीआरपीएफ और



जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) की संयुक्त टीमों ने लक्षित क्षेत्र की अलग-अलग दिशाओं से घेराबंदी कर दी। लक्षित घर और उसके आस-पास के घरों को दो तरफ से घेर लिया गया था, अर्थात् नागिशरण की तरफ से और मातृयुग की तरफ से। लक्षित घर सं. 118 (आदिल अहमद थोकर, पुत्र अब्दुल खालिक थोकर, निवासी-चकूरा के स्वामित्व वाले) और घर सं. 118ए (उनके भाई जावेद अहमद थोकर के स्वामित्व वाले) तथा उसके आस-पास के घरों को घेर लिया गया। 178वीं बटालियन के श्री मुन्ना प्रसाद, सहायक कमांडेन्ट, सीटी/जीडी अनिल कुमार यादव और सीटी/जीडी ऐजाज अहमद चोपान को लक्षित घर के सामने लगभग 60 से 70 मीटर की दूरी पर स्थित एक घर में तैनात किया गया और इस घर को फायर बेस बनाया गया।

चूंकि, अधिकांश ग्रामीण सेव के बाग में अपने-अपने कामों में व्यस्त थे, वहां पूरी तरह सन्नाटा था तथा लक्षित घरों 118 और 118ए की सभी खिड़कियां और दरवाजे खुले थे। वहां किसी आतंकवादी की मौजूदगी के संकेत नहीं मिले। तथापि, नागरिकों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। पूछताछ के दौरान, सभी नागरिकों ने, यहां तक कि लक्षित घरों के मालिकों और उनके परिवार के सदस्यों ने आतंकवादी की मौजूदगी से इनकार किया। निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और आस-पास के मकान/क्षेत्र में फायर बेस बनाने के बाद तलाशी के लिए दो टीमों का गठन किया गया और सबसे पहले, लक्षित घरों के आसपास तलाशी ली गई। पुलिस उपाधीक्षक, एसओजी इमाम साहिब ने देखा कि घर सं. 118 के सामने टिन की बाउंड्री के पास टिन की चादर मुड़ी हुई थी। जब श्री मुन्ना प्रसाद, सहायक कमांडेन्ट, सीटी/जीडी अनिल कुमार यादव और सीटी/जीडी ऐजाज अहमद चोपान तथा डीएसपी, एसओजी इमामसाहिब अपने सहयोगियों के साथ मुड़ी हुई टिन शीट की ओर बढ़े, तभी टिन शीट के दूसरी तरफ छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे आतंकवादियों की पोजीशन का पता चल गया। इसके चारों ओर फायर बेस में तैनात संयुक्त टीमों ने आतंकवादियों पर जवाबी कार्रवाई की। इसी बीच, पहले से सतर्क श्री मुन्ना प्रसाद, सहायक कमांडेन्ट जी/178वीं बटालियन और पुलिस उपाधीक्षक, एसओजी इमामसाहिब की टीम ने भी आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की और उनमें से एक को मार गिराया।

पहले आतंकवादी को मार गिराने के बाद, दूसरा आतंकवादी सैन्य दस्ते पर गोलीबारी करते हुए लक्षित घर की बाउंड्री फांद कर समीप स्थित एक घर सं. 121 में घुस गया। यह देखते ही, सीटी/जीडी अनिल कुमार यादव और सीटी/जीडी ऐजाज अहमद चोपान ने बचकर भाग रहे आतंकवादी का पीछा किया। आतंकवादियों ने उस घर के गलियारे में बने खंभों की आड़ में उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। जैसे ही आतंकवादियों की पोजीशन का पता चला, सीटी/जीडी अनिल कुमार यादव और सीटी/जीडी ऐजाज अहमद चोपान ने अपनी जान की परवाह किए बिना ही, थोड़ी देर की गोलीबारी के बाद, दूसरे आतंकवादी को मार गिराया और दूसरे आतंकवादी के मरने के बाद गोलीबारी बंद हो गई।

चूंकि, पांच आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, इसलिए पूरी सावधानी के साथ घेराबंदी की गई और घेराबंदी के बीच के घरों की तलाशी फिर से शुरू की गई। लेकिन, पूरे घेराबंदी क्षेत्र की पांच घंटों की तलाशी के बाद भी, किसी अन्य आतंकवादी का कोई पता नहीं चला और यह मुनिश्चित करने के बाद कि कोई आतंकवादी अब मौजूद नहीं है, ऑपरेशन को बंद करने का निर्णय लिया गया। लगभग 2005 बजे, सभी दल अपने-अपने शिविरों में सुरक्षित लौट गए।

इस संयुक्त ऑपरेशन के दौरान, 02 आतंकवादियों को मार गिराया गया और उनकी पहचान बाद में सैयद रईस अहमद, पुत्र गुलाम हसन सैयद, निवासी-वेहिल, शोपियां और खुर्शीद अहमद शाह, पुत्र-गुलाम मोहम्मद शाह, निवासी-रेंजर चंद्रा, बडगाम के रूप में की गई। घटना स्थल से हथियार/गोला-बारूद अर्थात् एके-47-01, मैगजीन (एके-47)-03, एएमएम एके-47-90 राउंड, 9 एएमएम पिस्टल-01, 9 एएमएम पिस्टल मैगजीन-02 और 9 एएमएम पिस्टल कारतूस-14 भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अनिल कुमार यादव, सिपाही और ऐजाज अहमद चोपान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/47/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 387-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	नरेन्द्र यादव	द्वितीय-कमान-अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2	अमित कुमार	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	लौकराकपम डबोमचा सिंह	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार
4	संतोष कुमार त्रिपाठी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	राज कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	फिदा हुसैन डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
7	विवेक कुमार तिवारी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	भदारका घनाभाई मधुभाई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29 अगस्त, 2020 को करीब 2115 बजे श्रीनगर के पंथा चौक पर 61 सीआरपीएफ की नाका पार्टी पर आतंकवादियों ने गोलीबारी कर दी। गोलीबारी पर जवाबी कार्रवाई की गई तथा 29 और 61 सीआरपीएफ के उपलब्ध सैन्य दस्ते द्वारा क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया। हमले की सूचना मिलते ही, वैली क्यूएटी की 4 टीमें मौके पर पहुंच गई। अंधेरे का फायदा उठाकर, आतंकवादी पास के घरों में घुस गए। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने के बाद, कुछ संदिग्ध घरों की घेराबंदी की गई तथा वैली क्यूएटी और एसओजी द्वारा तलाशी शुरू की गई।

जब लौकराकपम डबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट के नेतृत्व में एक छोटा तलाशी दल एक घर के अंदर गया, तो उन्होंने कुछ ताजा तैयार भोजन देखा, लेकिन कोई वहां मौजूद नहीं था। अचानक, घर में छिपे आतंकवादियों ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्ते ने तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में एसओजी के एक जवान को गोली लगी और उसे 92 बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां घायल होने के कारण उसने दम तोड़ दिया।

इसी बीच, एक आतंकवादी की पहचान, साकिब अहमद खांडे, पुत्र वशीर अहमद खांडे, निवासी कदलीबल, पंपोर के रूप में पुलिस द्वारा की गई और उसके माता-पिता को मुठभेड़ स्थल पर बुलाया गया। उन्होंने अपने बेटे से आत्मसमर्पण करने का अनुरोध किया, लेकिन वह बेकार गया। अचानक, एक आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंकते हुए और घेराबंदी पार्टी पर गोलीबारी करते हुए घर के पिछले हिस्से से घुसने की कोशिश की, लेकिन वह श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी और उनकी टीम की गोलीबारी से घायल हो गया। जब घायल आतंकवादी परिसर की दीवार को फांदने की कोशिश कर रहा था, तभी एचसी/जीडी संतोष कुमार त्रिपाठी और सीटी/जीडी विवेक कुमार तिवारी के साथ अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट ने उस पर गोलियां चलाई और उसे मार गिराया।

बाकी आतंकवादी बेहतर पोजीशन और कवर में होने के कारण अभी भी घर के अंदर घूम रहे थे और गोलीबारी निरंतर जारी थी। उनकी लगातार गतिविधि को देखने के लिए घर की खिड़कियां तोड़ दी गईं, तथापि मजबूत दीवारें अभी भी आतंकवादियों को छिपने के लिए पर्याप्त कवर दे रही थीं। रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी का सिलसिला सुबह तक चलता रहा। सुबह होते ही, घर में प्रवेश करने और आतंकवादियों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया।

प्रारंभ में, श्री नरेन्द्र यादव, 2 आईसी, और श्री लौकराकपम डबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने अपने साथियों के साथ, एक खिड़की से भूतल में प्रवेश किया। एक आतंकवादी ने उन्हें देख लिया और उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद ग्रेनेड फेंके गए। सैन्य दस्ते ने दीवार के पीछे कवर लिया तथा सीटी/जीडी फिदा हुसैन डार और सीटी/जीडी भदारका घनाभाई मधुभाई से कवर फायरिंग की सहायता से जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादी दूसरे कमरे में जाने को विवश होना पड़ा। इसी बीच, दूसरा आतंकवादी सीढ़ियों की तरफ भागा और बगल के कमरे में घुस गया। दोनों ओर से गोलीबारी और ग्रेनेड विस्फोटों का सिलसिला जारी रहा तथा सैनिक आगे-पीछे होते रहे। जब कमरा धुंआ और धूल से भर गया, तभी 2 आईसी श्री नरेन्द्र यादव अपनी टीम के साथ आगे बढ़े और उन्होंने आतंकवादी पर हमला किया तथा उसे मार गिराया।

इस बीच, दूसरी ओर, एचसी/जीडी राज कुमार सिंह के साथ श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट ने भी घर में प्रवेश किया और वे सीढ़ी का उपयोग करते हुए पहली मंजिल पर पहुंच गए। जैसे ही वे आगे बढ़ रहे थे, आतंकवादी ने उनकी ओर एक ग्रेनेड फेंका। दोनों बाल-बाल बचे, क्योंकि उनकी सामरिक ढाल और सीढ़ियों पर लगी लोहे की ग्रिल ने ग्रेनेड के प्रभाव को झेल लिया। बंदूक की नजदीकी लड़ाई में दोनों ने आतंकवादी को मार गिराया।

घटनास्थल से तीन आतंकवादियों के शव के साथ एक-एक 56 राइफल, दो पिस्तौल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में साकिब अहमद खांडे, उमर तारिक भट्ट और जुबैर अहमद शेख के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी, अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट, लौकराकपम डबोमचा सिंह, सहायक कमांडेन्ट, संतोष कुमार त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल, राज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, फिदा हुसैन डार, सिपाही, विवेक कुमार तिवारी, सिपाही और भदारका घनाभाई मधुभाई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/62/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 388-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	हिमांचल प्रसाद चौधरी	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सुमेश एस	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	इरसाद हुसैन कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	राजु थापा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.06.2020 को लगभग 0700 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से पुलिस स्टेशन जैनापोरा, जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत गांव रेबन में 5-6 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। 178वीं बटालियन, सीआरपीएफ, 01 आरआर और एसओजी जैनापोरा द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री अनिल कुमार वृक्ष, कमांडेंट 178वीं बटालियन ने ए/सी/डी 178वीं बटालियन के श्री संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (ऑपरेशन), श्री राम गोपाल, सहायक कमांडेंट, श्री हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहायक कमांडेंट और श्री मुन्ना प्रसाद, सहायक कमांडेंट को अपनी-अपनी टीम के साथ गांव रेबन पहुंचने का निर्देश दिया। 01 आरआर की एक छोटी टीम ने लक्षित घर और उसके आस-पास के घरों की प्रारंभिक घेराबंदी कर दी।

श्री अनिल कुमार वृक्ष, कमांडेंट 178वीं बटालियन, सुरक्षा दल तथा सीटीटी, "ए" एवं "एफ"/178वीं बटालियन के साथ रेबन गांव की ओर चल पड़े और 01 आरआर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के साथ एक योजना पर चर्चा की गई। इसके बाद, श्री संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (ऑपरेशन) को अपनी पार्टी के साथ और सीटीटी 178वीं बटालियन के साथ श्री हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहायक कमांडेंट को 01 आरआर तथा एसओजी जैनापोरा के सैन्य दस्ते के साथ आंतरिक घेराबंदी को मजबूत करने के लिए तैनात किया गया। उपर्युक्त के अलावा, ए/178वीं बटालियन और एफ/178वीं बटालियन के सैन्य दस्ते को रेबन-यारीपोरा मार्ग और रेबन-जैनापोरा मार्ग पर तैनात किया गया, ताकि आतंकवादियों को बचकर भागने से रोकने के लिए क्षेत्र के मार्ग को बंद किया जा सके और कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। सीटीटी 178वीं बटालियन की एक टीम को लक्षित क्षेत्र के करीब बहने वाले नाले के पास बाहरी घेराबंदी और कट ऑफ टीम के रूप में तैनात कर दिया गया।

श्री अनिल कुमार वृक्ष, कमांडेंट 178वीं बटालियन अपने सुरक्षा दल के साथ नजदीकी घर सं. 24 (मो. ज़बर रेशी, पुत्र गुलाम मोहम्मद रेशी) की पहली मंजिल पर आंतरिक घेराबंदी में तैनात थे, जबकि सीटीटी के एक भाग के रूप में श्री हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहायक कमांडेंट और संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (ऑपरेशन) 178वीं बटालियन ने अहमद रेशी के स्वामित्व वाली एक गौशाला के पीछे स्थित एक घर में पोजीशन ले ली। 01 आरआर और एसओजी जैनापोरा ने शेष क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। संयुक्त सुरक्षा बलों द्वारा लक्षित क्षेत्र में एक मजबूत/रणनीतिक घेराबंदी कर दी गई। लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करते समय, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर से हुई पहली गोलीबारी के बाद, आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी पूरी तरह से बंद हो गई। यह संदेह हुआ कि छिपे हुए आतंकवादी लक्षित क्षेत्र के बिल्कुल करीब में स्थित बगीचे में चले गई। इसी बीच, आतंकवादियों की लोकेशन/पोजीशन का पता लगाने के लिए एक ड्रोन का उपयोग किया गया। ड्रोन के माध्यम से कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई पड़े, जिससे इस बात की पुष्टि हो गई कि आतंकवादी गौशाला में छिपे हुए हैं। चूंकि गौशाला तीन खंडों वाले दो हिस्सों में बंटी हुई थी, इसलिए आतंकवादियों ने अपने समूह को विभाजित करके अलग-अलग खंडों में पोजीशन ले ली। स्थानीय पुलिस ने आतंकवादियों से आत्मसमर्पण कराने के लिए घोषणा की। लेकिन, जब आतंकवादियों की ओर से कोई जवाब नहीं मिला, तो इन खंडों में आरआर टीम द्वारा यूबीजीएल का राउंड फायर किया गया। दोनों ओर से हुई गोलीबारी के कारण, गौशाला में रखी घास में आग लग गई और उस खंड में छिपे दो आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करके वहां से भागने/अपनी पोजीशन बदलने की कोशिश की। लेकिन, उसी दिशा में तैनात सतर्क योद्धा सीटीटी/जीडी सुमेश एस और सीटीटी/जीडी इरसाद हुसैन कुमार अपनी पोजीशन से बाहर आ गए तथा अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने आतंकवादियों पर तुरंत प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी और उन्हें मार गिराया।

दो अन्य आतंकवादी बचकर भाग निकलने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए गौशाला से बाहर निकल आए, लेकिन सुरक्षा बलों की लगातार गोलीबारी के कारण वे वहां से बचकर भाग नहीं सके। इसलिए, उन्होंने गौशाला और चिनार के पेड़ के बीच में पोजीशन ले ली, जहां सुरक्षा बलों की गोलीबारी प्रभावी नहीं थी। दोनों आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी और अपनी पोजीशन बदल दी। इसके बाद, उनकी पोजीशन थोड़ी बहुत पता चल गई। इस मौके का फायदा उठाने के लिए, गौशाला के पास स्थित एक भवन की दूसरी मंजिल पर तैनात सीटीटी के श्री हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहायक कमांडेंट और सीटी/जीडी राजु थापा ने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करके उन्हें मार गिराया। आखिरी आतंकवादी गौशाला के पास बहने वाले एक नाले/ड्रेनेज में चला गया। उस दिशा में तैनात सुरक्षा बलों ने उस पर गोलियां चलाईं, जिसके दौरान एक गोली उसके पैर में लगी, फिर भी वह नाले के और अंदर चला गया। तथापि, यूवीजीएल और छोटे हथियारों से की गई गोलीबारी के कारण वह भी मारा गया।

संयुक्त बलों द्वारा एक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 05 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में, इश्फाक अहमद ईटू, पुत्र मोहम्मद यूसुफ ईटू, निवासी हंगलबुश कुलगाम, ओवैस अहमद मलिक, पुत्र मोहम्मद यूसुफ मलिक, निवासी अरवानी, शोपियां, आदिल अहमद मीर, पुत्र मोहम्मद यूसुफ मीर, निवासी हंगलबुश कुलगाम, सजाद अहमद वागे, पुत्र मोहम्मद शफी वागे, निवासी हंगलबुश कुलगाम और बिलाल अहमद भट्ट, पुत्र गुलाम मोहम्मद भट्ट, निवासी सच कुलगाम के रूप में की गई। इसके अतिरिक्त, ऑपरेशन स्थल से 01 एके-47 राइफल (क्षतिग्रस्त), 01 एके-56 राइफल (क्षतिग्रस्त), 9 एमएम की 03 पिस्टल (चीनी) (क्षतिग्रस्त), एके-47 की 01 मैगजीन (क्षतिग्रस्त), एके-56 की 01 मैगजीन (क्षतिग्रस्त), 9 एमएम की 03 पिस्टल मैगजीन (क्षतिग्रस्त) और एके-47 के 40 राउंड भी बरामद किए गए।

सुरक्षा बलों को किसी भारी क्षति के बिना, 5 आतंकवादियों को मार गिराया गया। आंतरिक घेराबंदी की अलग-अलग दिशा में तैनात श्री हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहायक कमांडेंट, सीटी/जीडी राजु थापा, सीटी/जीडी सुमेश एस और सीटी/जीडी इरसाद हुसैन कुमार ने सहयोगी एजेंसियों के साथ-साथ आपस में भी घनिष्ठ और सराहनीय समन्वय स्थापित करते हुए अत्यधिक धैर्य तथा ऑपरेशनल कौशल के साथ सामने से नृत्व किया और तीनों आतंकवादियों को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहायक कमांडेंट, सुमेश एस, सिपाही, इरसाद हुसैन कुमार, सिपाही और राजु थापा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/64/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 389-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	संदीप ढौंडियाल	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नायकी सोरेन	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	वी शंकर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	प्रताप पॉल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5	संदीप कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	रणजीत कुमार चौहान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17 जुलाई, 2020 को, एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, 18 सीआरपीएफ, 9 आरआर और एसओजी द्वारा गांव नागनाड, चिम्मर, पुलिस स्टेशन डी.एच. पोरा, जिला कुलगाम, जम्मू और कश्मीर में एक संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया।

संयुक्त सैन्य दस्ता लगभग 0410 बजे लक्षित गांव में पहुंच गया। संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर त्रिस्तरीय घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। जैसे ही सैन्य दस्ते ने क्षेत्र की घेराबंदी शुरू की, तभी लक्षित घर की पहली मंजिल पर छिपे एक आतंकवादी ने उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तुरंत कार्रवाई करते हुए, 18 सीआरपीएफ के एचसी/जीडी नायकी सोरेन और उनके सहयोगी सीटी/जीडी प्रताप पॉल ने पोजीशन ले ली और आतंकवादी के हमले का जवाब दिया। दोनों ओर से हुई भीषण गोलीबारी में, इन दोनों जवानों ने पहले आतंकवादी को मार गिराया।

पहले आतंकवादी के मारे जाने के बावजूद, लक्षित घर से रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही, जिससे यह संकेत मिल रहा था कि कुछ और आतंकवादी मौजूद हैं। गोलीबारी के बीच, अचानक एक आतंकवादी पूर्व की ओर तैनात सैन्य दस्ते की ओर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर से बाहर निकला। आतंकवादी की वहां से बचकर भाग निकलने की योजना को भांपते हुए, अनंतनाग ऑपरेशन रेंज क्यूएटी (सीआरपीएफ) के एचसी/जीडी वी शंकर और उनके सहयोगी सीटी/जीडी रणजीत कुमार चौहान ने उस पर धावा बोल दिया। इन दोनों ने अपनी जान की परवाह किए बिना, वहां से भाग रहे आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और उसे मौके पर ही मार गिराया।

लक्षित घर में एक तीसरा आतंकवादी भी छिपा हुआ था और वह सैन्य दस्ते पर गोलीबारी कर रहा था। जब वह उत्तर पश्चिम की ओर की गई घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहा था, तभी निरीक्षक/जीडी संदीप ढौंडियाल ने अपने सहयोगी सीटी/जीडी संदीप कुमार के साथ पोजीशन संभाल ली और आतंकवादी को बचकर भागने से रोक दिया। सक्रिय कार्रवाई करते हुए, वे दोनों अपनी पोजीशन से बाहर आ गए और अपनी जान की परवाह किए बिना, पेड़ों की आड़ लेते हुए लक्षित घर की ओर आगे बढ़े तथा आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी करके उसे मौके पर ही मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, एक एम 4 कार्बाइन, एक एके 47 राइफल, एक यूवीजीएल, मिश्रित गोला-बारूद और विविध वस्तुओं के साथ 3 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के वलीद उर्फ नुमान उर्फ अबू बक्र उर्फ अबू माविस, निवासी पाकिस्तान, श्रेणी 'ए+', रऊफ अहमद डार, श्रेणी 'बी' और रईस अहमद नायक, श्रेणी 'सी' के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री संदीप ढौंडियाल, निरीक्षक, नायकी सोरेन, हेड कांस्टेबल, वी शंकर, हेड कांस्टेबल, प्रताप पॉल, सिपाही, संदीप कुमार, सिपाही और रणजीत कुमार चौहान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/65/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 390-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री सुनील कलिता	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

रांची-सरायकेला के सीमावर्ती क्षेत्रों में 70-75 सशस्त्र कैडरों के समूह के साथ खूंखार सीपीआई माओवादी कमांडरों, अनल उर्फ पातीराम मांझी और महाराज प्रमाणिक की मौजूदगी के संबंध में प्राप्त सूचना के आधार पर, 209 कोबरा द्वारा एक संयुक्त "सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन (एसएडीओ)" शुरू किया गया। सौंपे गए कार्य को रायसिंद्री पहाड़ के किनारे से पूरा करने के लिए दो हमलावर दलों का गठन किया गया, जिनमें से प्रत्येक में 02 कोबरा टीमें शामिल थीं।

इन टीमों ने 27 मई, 2019 को 2150 बजे, मुख्यालय 209 कोबरा से प्रस्थान किया। अगले दिन लगभग 0310 बजे, सैन्य दस्ते ने अत्यधिक नमी वाले मौसम में, ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र और घनी/कटीली झाड़ियों से होते हुए, लक्षित क्षेत्र की ओर एक खड़ी पहाड़ी पर चढ़ना शुरू किया। लगभग 0455 बजे, अचानक माओवादियों द्वारा आईईडी के श्रृंखलाबद्ध विस्फोट किए गए और उसके बाद भारी गोलीबारी भी की गई। टीम सं. 17 का मध्य भाग आईईडी विस्फोट की चपेट में आ गया, जिससे कई जवान गंभीर रूप से घायल हो गए।

फंसे हुए जवानों द्वारा जवाबी हमले को तेज करने के लिए तुरंत अन्य जवान भी चल पड़े। जैसे ही ये जवान सामने, बाएँ और दाएँ किनारों को सुरक्षित करने के लिए आगे बढ़े, उन पर नजदीकी ऊँचाई वाले स्थानों से भारी गोलीबारी की गई। दोनों पक्षों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। मुठभेड़ के बीच, एचसी/जीडी दुलाल दास ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, अपने सहयोगियों को अपनी पोजीशन पर डटे रहने और हमले का जवाब देने के लिए प्रेरित किया। अपने सेक्शन कमांडर से संकेत मिलने पर, सीटी/जीडी कुलजीत सिंह, सीटी/जीडी सतीश कुमार एस, सीटी/जीडी सुनील कलिता और अन्य घायल जवानों ने अपनी पोजीशन को सुरक्षित बना लिया और जवाबी हमला शुरू कर दिया। स्वयं उत्कृष्ट परिचर/प्राथमिक चिकित्सा प्रदाता के रूप में सीटी/जीडी सुनील कलिता आईईडी और भारी गोलीबारी के सभी खतरों को दरकिनार करते हुए और अपनी गंभीर चोटों को नजरअंदाज करते हुए, रेंगकर अन्य घायल जवानों के पास पहुंचे और एक-एक करके उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया।

माओवादियों के विरुद्ध जवाबी हमला कारगर साबित नहीं हो रहा था, क्योंकि वे पहाड़ी की चोटी पर, सामरिक दृष्टि से लाभप्रद पोजीशन में थे। इस स्थिति में, सीजीआरएल का उपयोग अपरिहार्य हो गया, क्योंकि फ्लैट ट्रेजेक्टरी के हथियार माओवादियों को उनकी मजबूत पोजीशन से हटाने में असमर्थ थे। तथापि, सीजीआरएल रियर सेक्शन के पास था। जरूरत पड़ने पर, सीटी/जीडी सतीश कुमार एस, सीजीआरएल को लेने के लिए पीछे हटे और रेंगते हुए सीटी/जीडी सुनील कलिता की पोजीशन तक गए। लेकिन, इस प्रक्रिया में, सीटी/जीडी सतीश कुमार एस दोबारा स्प्लिन्टर लगने से घायल हो गए और उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, जवानों ने हिम्मत नहीं हारी। कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते हुए, सीटी/जीडी कुलजीत सिंह, एक पैर गंवाने (आईईडी विस्फोट में) के बावजूद, पास में कवर लेने के लिए उनके पास रेंगते हुए गए और सीजीआरएल को पकड़ लिया। सीटी/जीडी सुनील कलिता ने उन्हें सीजीआरएल को आगे ले जाने के लिए कहा। सीटी/जीडी कुलजीत सिंह सीजीआरएल के साथ रेंगते हुए आगे बढ़े, जबकि एचसी/जीडी दुलाल दास और सीटी/जीडी सुनील कलिता ने उन्हें कवर फायर प्रदान किया।

गोलियों की बौछार के बीच, सीटी/जीडी कुलजीत सिंह आगे पहुंच गए और वैनगार्ड को सीजीआरएल सौंप दिया। जैसे ही मुख्य कम्पोनेंट ने सीजीआरएल को पकड़ा, उन्होंने माओवादी पोजीशन पर एक भयंकर जवाबी हमला शुरू कर दिया। सीजीआरएल के प्रभाव ने माओवादियों की रैंक तोड़ दी और उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। अनुकरणीय साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए, सीटी/जीडी कुलजीत सिंह ने दूसरे जवानों को न केवल अपने हथियार हासिल करने में मदद की, बल्कि अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए अपने 'पटका' का उपयोग करके प्राथमिक उपचार भी प्रदान किया।

इसी बीच, घायल जवानों को सुरक्षित और त्वरित निकासी की सुविधा प्रदान करने के लिए अतिरिक्त सैन्य बल रायसिंद्री पहाड़ की तलहटी में पहुंच गया। सीटी/जीडी सुनील कलिता, 13 जून, 2019 को लगभग 1940 बजे, एम्स ट्रॉमा सेंटर, नई दिल्ली में अपने जीवन की सबसे बड़ी लड़ाई हार गए और सीटी/जीडी कुलजीत सिंह, सीटी/जीडी सतीश कुमार एस और एचसी/जीडी दुलाल दास को अपने शरीर के महत्वपूर्ण अंग गंवाने पड़े। अपनी जान को जोखिम के बावजूद, इन बहादुर जवानों ने सीआरपीएफ की समृद्ध परंपराओं को बनाए रखा।

इस ऑपरेशन में, स्व. श्री सुनील कलिता, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/05/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/68/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 391-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. शर्मा लवकुश सुदर्शन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	स्व. खुर्शद खान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	नौनिहाल सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राजेश कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	नरेन्द्र कुमार पाण्डे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17 अगस्त, 2020 को, 119 सीआरपीएफ की 'एफ' कंपनी की एक टुकड़ी को पुलिस स्टेशन क्रीरी, बारामूला, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत नवां मोड़ में एरिया डोमिनेशन झूटी के लिए भेजा गया। इस टुकड़ी को तीन टीमों में बांट दिया गया और वे एक सेमी बुलेटप्रूफ (बीपी) वाहन में नवां मोड़ के लिए रवाना हो गईं।

लगभग 0915 बजे, उक्त वाहन नवां मोड़ से लगभग 300 मीटर पहले रुक गया और उप निरीक्षक/जीडी सुरेन्द्र बहादुर, सहायक उप निरीक्षक/जीडी आनन्द सिंह और सिपाही/जीडी शर्मा लवकुश सुदर्शन वाली पहली टीम सड़क के दायीं ओर आगे बढ़ी। सहायक उप निरीक्षक/जीडी नौनिहाल सिंह, हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार सिंह और सिपाही/जीडी नरेन्द्र कुमार पाण्डे वाली दूसरी टीम सेब के बगीचे की तलाशी करने के लिए सड़क के बायीं ओर आगे बढ़ी तथा तीसरी टीम, जो गाड़ी के पास रुक गई थी और जिसमें सिपाही/चालक खुर्शद खान, कांस्टेबल/जीडी उज्ज्वल कुमार तथा कांस्टेबल/जीडी शामिल थे, नवां मोड़ की ओर आगे बढ़ी।

लगभग 0930 बजे, जब सिपाही शर्मा लवकुश सुदर्शन ने एक परित्यक्त निर्माण स्थल के पास पोजीशन ले ली और सिपाही खुर्शद खान गाड़ी के सामने खड़े हुए थे, तभी आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करने हुए उन पर हमला कर दिया, जिसमें वे दोनों घायल हो गए। दोनों कार्मिकों ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, वीरतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादी बचकर बगीचे की ओर भागने के लिए मजबूर हो गए।

गोलीबारी की आवाज सुनकर, दूसरी टीम घटना स्थल की ओर चल पड़ी। उन्होंने आतंकवादियों को बगीचे की ओर जाते हुए देखा और उन्हें उलझा दिया, जिसमें एक आतंकवादी घायल हो गया। तथापि, पेड़-पौधों और ऊबड़-खाबड़ भूमि का लाभ उठाते हुए, आतंकवादी बचकर भागने में सफल हो गए और बगीचे में छिप गए।

तदनंतर, 176 सीआरपीएफ की "जी" कंपनी की सीटीटी से अतिरिक्त सैन्य बल पहुंच गया, जिसको बाद में एसओजी क्रीरी और सीआरपीएफ की विभिन्न यूनिटों तथा आरआर के सैन्य दस्तों द्वारा मजबूती प्रदान की गई। घायल कार्मिकों को एसडीएच क्रीरी तथा उसके बाद बारामूला ले जाया गया।

आतंकवादियों की खोज करने और उनका पता लगाने के लिए, 176 सीआरपीएफ की यूनिट क्यूएटी के एक ट्रैकर डॉग और एक ड्रोन की सहायता ली गई। फिरन और खून के धब्बों को सूंघने के बाद, उक्त ट्रैकर डॉग पुलिस पार्टी को 100 गज दूर एक अन्य स्थान पर ले गया, जहां उन्हें फिरन, एक टी-शर्ट, खून से सना हुआ एक रूमाल और खून के गहरे धब्बे मिले, जिससे बिलकुल आस-पास में ही आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। 176 सीआरपीएफ की क्यूएटी द्वारा की गई तलाशी के दौरान, एक आतंकवादी, जो पेड़ पर चढ़ा हुआ था, ने गोलीबारी शुरू कर दी और दो ग्रेनेड भी फेंके। सैन्य दस्ते ने उसे उलझा दिया और मार गिराया।

तत्पश्चात, एक पेड़ के पीछे एक अन्य आतंकवादी दिखाई दिया और उसे भी मार गिराया गया। दृश्यता कम होने के कारण, तलाशी रोक दी गई और घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया गया।

अगले दिन, जब तलाशी पुनः शुरू की गई, तब लगभग 1350 बजे, एक गुफा में छिपे हुए आतंकवादी ने गोलियों की बौछार की, जिसका संयुक्त सैन्य दस्तों द्वारा प्रभावी रूप से जवाब दिया गया। आतंकवादी की पोजीशन का पता लगने पर, छिपे हुए आतंकवादी का सफाया करने के लिए विस्फोटक सामग्री का प्रयोग किया गया। तलाशी और आतंकवादी के शव की बरामदगी के बाद, लगभग 1915 बजे ऑपरेशन को रोक दिया गया।

सिपाही शर्मा लवकुश सुदर्शन और सिपाही खुर्शद खान ने आतंकवादियों की गोलीबारी की पहली बौछार का सामना किया तथा बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और दो आतंकवादियों को घायल कर दिया तथा स्वयं गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने सीआरपीएफ की सर्वोत्तम परम्परा का प्रदर्शन करते हुए शहादत प्राप्त की। दूसरी टीम के सैनिकों अर्थात् सहायक उप निरीक्षक नौनिहाल सिंह, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार सिंह और सिपाही नरेन्द्र कुमार पाण्डे ने भी उच्चकोटि के साहस का प्रदर्शन किया तथा अपनी प्रभावकारी गोलीबारी से आतंकवादियों को उलझाए रखा।

उक्त ऑपरेशन के दौरान, लश्कर के तीन आतंकवादियों, पाकिस्तान निवासी सज्जाद अहमद मीर उर्फ हैदर लश्करी; अनायतुल्लाह मीर उर्फ हमद लश्करी और उस्मान भाई को मार गिराया गया। दो एके47 राइफलें, तीन पिस्तौल, एक एचई हैंड ग्रेनेड, चार एके 47 मैगजीनें, 60 एके47 राउण्ड और पिस्तौल की तीन मैगजीनें बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में, सर्वश्री स्व. शर्मा लवकुश सुदर्शन, सिपाही, स्व. खुर्शद खान, सिपाही, नौनिहाल सिंह, सहायक उप निरीक्षक, राजेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल और नरेन्द्र कुमार पाण्डे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/79/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 392-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	परमजीत कुमार	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	राकेश कुमार वर्मा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	आलोक कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 जून, 2020 को, पेट्रो फाल्स, पुलिस स्टेशन सतगवां, जिला कोडरमा, झारखंड के वन क्षेत्र के निकट महावर पहाड़ पर दस्ता सदस्यों के साथ मगध जोन के जोनल सेक्रेटरी प्रद्युम्न शर्मा के नेतृत्व में सशस्त्र माओवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, 22 सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

सैन्य दस्ते लक्ष्य की ओर आगे बढ़े और वे लगभग 1355 बजे मुख्य क्षेत्र के निकट पहुंच गए। पार्टी को दो समूहों में बांट दिया गया। क्षेत्र का तत्काल विक्षेपण करने के बाद, श्री परमजीत कुमार, सहायक कमांडेंट ने सशस्त्र माओवादियों को बचकर भागने से रोकने के लिए बनाए गए एक समूह का नेतृत्व किया। श्री परमजीत कुमार, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व वाला समूह सिपाही/जीडी राकेश कुमार वर्मा और सिपाही/जीडी आलोक कुमार के साथ युक्तिपूर्वक और गुप्त रूप से मुख्य क्षेत्र की ओर आगे बढ़ा, जो ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी भूभाग वाला एक घना वन क्षेत्र था। जब सैन्य दस्ते अपने लक्ष्य के निकट स्थित पहाड़ी पर पहुंच रहे थे, तभी स्काउट सिपाही/जीडी राकेश कुमार वर्मा ने ऊपर की ओर कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने कवर ले लिया और आगे खतरे के बारे में अन्य जवानों को सिग्नल दे दिया। इसी बीच, माओवादियों के एक संतरी ने सैन्य दस्तों की गतिविधि को भांप लिया तथा अपने साथियों को सतर्क कर दिया। अचानक, माओवादियों ने अत्यंत सुरक्षित पोजीशन से सैन्य दस्तों पर अंधाधुंध गोलीवारी की। एक गोली सनसनाती हुई श्री परमजीत कुमार, सहायक कमांडेंट के सिर के बगल से निकल गई, जिससे उनकी टोपी फट गई।

माओवादियों की गोलियों से बाल-बाल बचने के बाद और अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में होने के बावजूद, श्री परमजीत कुमार, सहायक कमांडेंट ने सिपाही/जीडी राकेश कुमार वर्मा और सिपाही/जीडी आलोक कुमार के साथ तत्काल पोजीशन ले ली तथा माओवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु इसका कोई फायदा नहीं हुआ। तत्पश्चात, तीनों जवान अपने ऊपर गोलीवारी होने के बावजूद, अपनी जान की परवाह किए बिना, पहाड़ी पर ऊपर की ओर आगे बढ़े। जैसे ही वे अत्यंत सुरक्षित पोजीशन लिए हुए माओवादियों के निकट पहुंचे, उन्होंने उन पर धावा बोल दिया और वे वहां पर हुई आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में उनमें से एक माओवादी का सफाया करने में सफल रहे।

अपने एक कैडर के मारे जाने पर, अन्य माओवादियों ने अपनी किलेबंद पोजीशन को छोड़कर, घने पेड़-पौधों और ऊबड़-खाबड़ जमीन का लाभ उठाते हुए वहां से भागना शुरू कर दिया। सैन्य दस्तों ने पुनः संगठित होने और मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान, एक एकेएम और एक यूएस निर्मित एम30 राइफल तथा गोलाबारूद एवं विविध सामग्रियों के बड़े जखीरे के साथ एक शव बरामद किया। मारे गए माओवादी की पहचान बाद में श्रवण मांझी, जो प्रद्युम्न शर्मा, जोनल सचिव का मुख्य सहायक था, के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री परमजीत कुमार, सहायक कमांडेंट, राकेश कुमार वर्मा, सिपाही और आलोक कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/81/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 393-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुभाश चन्द्र बगडिया	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	एबी थोमस	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	सुनील कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक



क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
4	बिनय बोरो	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अनिरुद्ध प्रताप सिंह	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01 नवम्बर, 2020 को रंगरेथ क्षेत्र, पुलिस स्टेशन सदर, जिला श्रीनगर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त होने पर, वैली क्यूएटी और एसओजी द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। तदनुसार, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी के नेतृत्व में श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट के साथ 03 टीमों गठित की गईं।

सैन्य दस्ते लक्षित क्षेत्र में पहुंच गए और उन्होंने एक मजबूत घेराबंदी कर दी। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी और श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने उक्त क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। तथापि, प्राप्त नवीनतम सूचना से लगभग 800 मीटर दूर स्थित एक घर में आतंकवादियों की मौजूदा लोकेशन की पुष्टि हुई और तदनुसार, सैन्य दस्ते संदिग्ध घर की ओर आगे बढ़े। इसी बीच, उत्तरी रेंज क्यूएटी के सहायक कमांडेन्ट श्री एबी थोमस भी इस ऑपरेशन में शामिल हो गए।

नजदीकी घरों की तलाशी करने के बाद, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी एक टीम के साथ बायीं दिशा को कवर करते हुए; श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट एक टीम के साथ उक्त घर के सामने और दायीं दिशा को कवर करते हुए तथा श्री एबी थोमस, सहायक कमांडेन्ट अपने सहयोगी के साथ पीछे की दिशा को कवर करते हुए संदिग्ध घर के पास पहुंचे। उक्त घर के निवासियों से एक सशस्त्र आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में पुष्टि होने पर, घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया गया।

आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, परन्तु इसका कोई फायदा नहीं हुआ। वहां से बचकर भागने के एक निराशाजनक प्रयास में, आतंकवादी ने घेराबंदी की ओर गोलीबारी की, परन्तु जवाबी कार्रवाई के कारण उसे शीघ्र ही पीछे हटना पड़ा। प्रारंभिक गोलीबारी के दौरान, पीछे की ओर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। आतंकवादी को लगातार उलझाए रखते हुए, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी ने श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट, हेड कांस्टेबल/जीडी सुभाश चन्द्र बगड़िया और सिपाही/जीडी बिनय बोरो को उस आतंकवादी को पकड़ने का काम सौंपा। भीषण गोलीबारी के बीच, वे उसे पकड़ने में सफल रहे।

ऑपरेशन को ज्यादा लम्बा खिंचता हुआ देखकर, समन्वित तरीके से एमजीएल का प्रयोग करने और उसके बाद घर के भीतर प्रवेश करने का निर्णय लिया गया। एमजीएल/एक्सआरजीएल ग्रेनेडों ने लक्षित घर के पीछे और आगे की ओर दीवारों में छेद बना दिए, जिससे आतंकवादियों की बार-बार आवाजाही कम हो गई। घर के भीतर प्रवेश करने के लिए श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी के नेतृत्व में श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट, हेड कांस्टेबल/जीडी सुभाश चन्द्र बगड़िया और सिपाही/जीडी बिनय बोरो को शामिल करके एक टीम गठित की गई। इस टीम ने श्री एबी थोमस, सहायक कमांडेन्ट और उप निरीक्षक/जीडी सुनील कुमार की कवर गोलीबारी में रणनीतिक ढंग से घर के भीतर प्रवेश किया। इस टीम की मौजूदगी को भांपते हुए, पहली मंजिल पर छिपे हुए आतंकवादी ने उनकी ओर कई ग्रेनेड फेंके और उसके बाद लक्षित गोलीबारी भी की, जिसमें श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय-कमान-अधिकारी गोली से बाल-बाल बच गए। गोलीबारी की भारी बौछार और आस-पास ग्रेनेडों के विस्फोट से विचलित हुए बिना, भीतर प्रवेश करने वाली टीम ने अपनी जान और सुरक्षा की परवाह किए बिना, असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी पर धावा बोल दिया तथा आमने-सामने की लड़ाई में उसका सफाया कर दिया।

मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के सैफुल्ला मीर उर्फ डॉक्टर, ए++ श्रेणी के आतंकवादी के रूप में की गई, जो 6 वर्ष से अधिक समय से सक्रिय था और कश्मीर घाटी में हिजबुल मुजाहिदीन का प्रमुख ऑपरेशनल कमांडर था।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री सुभाश चन्द्र बगड़िया, हेड कांस्टेबल, एबी थोमस, सहायक कमांडेन्ट, सुनील कुमार, उप निरीक्षक, बिनय बोरो, सिपाही और अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/82/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 394-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. रमेश रंजन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	राजशेखर नायडू वी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
3	हेम बहादुर राय	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राहुल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	टोटन राँय	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05 फरवरी, 2020 को लगभग 1110 बजे, 73 सीआरपीएफ की क्यूएटी को नाका ड्यूटी के लिए एनएच 44 पर यतीम खाना के नजदीक लवायपोरा, पुलिस स्टेशन परिमपोरा, जिला श्रीनगर में तैनात किया गया था।

लगभग 1140 बजे, एक स्कूटी पर तीन संदिग्ध व्यक्ति नरवल की तरफ से श्रीनगर की ओर आते हुए दिखाई दिये। उनको क्यूएटी द्वारा रोक लिया गया और जब सिपाही/जीडी रमेश रंजन ने संदिग्ध व्यक्तियों को तलाशी हेतु नीचे उतरने के लिए कहा, तभी उनमें से एक व्यक्ति ने अपनी फिरन के नीचे से पिस्तौल निकाल ली और सिपाही/जीडी रमेश रंजन पर गोली चला दी। चोट लगने की परवाह किए बिना, सिपाही/जीडी रमेश रंजन ने तत्काल अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी पर जवाबी गोलीबारी करके उसे घायल कर दिया। यह देखकर कि सिपाही/जीडी रमेश रंजन घायल हो गए हैं, सिपाही/जीडी राजशेखर नायडू वी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए, आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी और उनमें से एक आतंकवादी को मार गिराया।

इसी बीच, दूसरे आतंकवादी ने सिपाही/जीडी रमेश रंजन की एके47 को छीनने का प्रयास किया, परन्तु क्यूएटी के अन्य कार्मिकों की त्वरित कार्रवाई के कारण वह सफल नहीं हो सका। उक्त आतंकवादी घटना स्थल से बच निकलने के प्रयास में, सड़क के उस पार भाग गया। सिपाही/जीडी हेम बहादुर राय और सिपाही/जीडी राहुल ने उस आतंकवादी का पीछा किया और इन दोनों कार्मिकों ने आमने-सामने की लड़ाई में बिलकुल नजदीक से उसका सफाया कर दिया।

जब सैन्य दस्ते पहले दो आतंकवादियों का सफाया करने में लगे हुए थे, तभी तीसरा आतंकवादी बचकर स्कूटी से श्रीनगर की ओर भाग गया। सिपाही/जीडी टोटन राँय ने उस आतंकवादी का पीछा किया और उसे गोली मार दी। तथापि, छाती में गोली लगने के बावजूद, आतंकवादी बचकर भागने में सफल हो गया। उस आतंकवादी को बाद में कुछ आम नागरिकों द्वारा जेव्हीसी अस्पताल, बरनिना में भर्ती कराया गया और तत्पश्चात उसे एसएमएचएस अस्पताल में रेफर कर दिया गया। इसी बीच, सिपाही/जीडी रमेश रंजन को बचाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया और इस प्रकार उन्होंने शहादत प्राप्त की।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जिया-उर-रहमान और खतीब अहमद दास के रूप में की गई तथा एक अन्य आतंकवादी उमर फयाज भट्ट घायल हो गया था और बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया था। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से दो पिस्तौल और दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री स्व. रमेश रंजन, सिपाही, राजशेखर नायडू वी, हेड कांस्टेबल, हेम बहादुर राय, सिपाही, राहुल, सिपाही और टोटन राँय, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/02/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/86/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 395-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	राजेन्द्र प्रसाद बोरान	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नरेश रामचन्द्र म्हात्रे	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	ठाकुर दास किस्कू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	गणेश पाल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अवतार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 नवंबर, 2020 को, एक सिविलियन ट्रक में संदिग्ध आतंकवादियों के सांबा से कश्मीर की ओर जाने के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर बन टोल प्लाजा, पुलिस स्टेशन नगरोटा पर उक्त ट्रक को रोकने के लिए एसओजी के साथ 160 सीआरपीएफ की सीटीटी को तैनात कर दिया गया।

दिनांक 19 नवंबर, 2020 को लगभग 0500 बजे, सीटीटी 160 सीआरपीएफ और एसओजी ने बन टोल प्लाजा पर उस संदिग्ध सिविलियन ट्रक को रोका, जो श्रीनगर की ओर जा रहा था। जब उन्होंने उक्त वाहन की तलाशी करने का प्रयास किया, तभी उसके भीतर छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्तों ने भी तत्काल इस हमले का जवाब दिया। निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र प्रसाद बोरान की कमान में सीटीटी 160 सीआरपीएफ ने सहायक उप निरीक्षक/जीडी नरेश रामचन्द्र म्हात्रे और सिपाही/जीडी ठाकुर दास किस्कू के साथ, कोई कवर न होने के बावजूद और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादियों को प्रभावी रूप से उलझा दिया।

चूंकि, आतंकवादी ट्रक के भीतर ही छिपे हुए थे, इसलिए उनको आगे उलझाए रखने के लिए एक वीपी बंकर तैनात किया गया। हेड कांस्टेबल/चालक अवतार सिंह द्वारा चलाए जा रहे वीपी बंकर पर गोलियों की बौछार की गई। इससे विचलित हुए बिना, हेड कांस्टेबल/चालक अवतार सिंह चतुराई से आगे बढ़े, जबकि बंकर के क्यूपोला पर गोली लगने पर भी सिपाही/जीडी गणेश पाल मौत से बाल-बाल बच गए।

बंदूक की यह भीषण लड़ाई तीन घंटे तक चली, जिसमें भारी हथियारबंद आतंकवादी, सैन्य दस्तों को ट्रक की ओर आगे बढ़ने से रोकने के लिए, उनके ऊपर लगातार गोलीबारी कर रहे थे। अंततः, निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र प्रसाद बोरान, सहायक उप निरीक्षक/जीडी नरेश रामचन्द्र म्हात्रे, सिपाही/जीडी ठाकुर दास किस्कू और हेड कांस्टेबल/चालक अवतार सिंह, बिना किसी कवर के और अपनी निजी सुरक्षा को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए वीपी बंकर से बाहर आकर ट्रक के चारों ओर पोजीशन ले ली तथा आतंकवादियों को मार गिराने में सफल हो गए। मारे गए सभी चार आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश के पाकिस्तानी आतंकवादियों के रूप में की गई, जिन्होंने हाल ही में घुसपैठ की थी। 11 एके 47 राइफलों, 23 एके मैगजीनों, 440 एके गोलियों, 3 पिस्तौलों, 1 यूबीजीएल, 7 यूबीजीएल राउण्ड, 29 चाइनीज हैंड ग्रेनेड और 6.5 किग्रा. आरडीएक्स सहित हथियार एवं गोलाबारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री राजेन्द्र प्रसाद बोरान, निरीक्षक, नरेश रामचन्द्र म्हात्रे, सहायक उप निरीक्षक, ठाकुर दास किस्कू, सिपाही, गणेश पाल, सिपाही और अवतार सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/87/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 396-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सतेन्द्र प्रताप सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अरूण कुमार आर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	संदीप एम	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

## उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.06.2018 को, इस आशय की एक सूचना प्राप्त हुई कि माओवादियों ने गांव-खपरीमहूआ (बूढ़ापहाड़), पुलिस स्टेशन भंडरिया, जिला-गढ़वा के वन क्षेत्र में राज्य पुलिस, जेजे एवं 112 बटालियन, सीआरपीएफ की एक संयुक्त पार्टी पर घात लगाकर हमला किया है, जिसमें झारखंड जगुआर के 06 कार्मिक शहीद हो गए हैं और 05 कार्मिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। तत्काल, अतिरिक्त सहायता पहुंचाने, प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, फंसे हुए/घायल कार्मिकों और शहीदों के शवों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए अत्यंत सावधानीपूर्वक एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। तदनुसार, कमांडेंट-209 कोबरा के समग्र पर्यवेक्षण में 02 हमलावर दलों; श्री जिया-उल-हक, उप कमांडेंट की कमान में हमलावर दल-I और श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट की कमान में हमलावर दल-II तथा 01 विशेष कार्रवाई टीम को यह साहसिक एवं चुनौतीपूर्ण कार्य करने का काम सौंपा गया।

तत्काल कार्रवाई करते हुए, 209 कोबरा के सैन्य दस्ते बटालियन मुख्यालय से खाना हो गए और 0300 बजे तक मुरगीडीह में बी/112 बटालियन, सीआरपीएफ की लोकेशन पर पहुंच गए। स्थिति का आकलन करते हुए और विलम्ब से बचने के लिए, कमांडेंट-209 कोबरा ने सैन्य दस्तों को उक्त मिशन का लक्ष्य हासिल करने के लिए आरओपी (रोड ओपनिंग पार्टी) तैनात करने का निर्देश दिया। सबसे पहले श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट की कमान में दल सं. 11 अगुवाई करते हुए आगे बढ़ा। मंडल क्षेत्र में मोबिलाइजेशन का कार्य लगातार बारिश के बीच और क्षतिग्रस्त मार्ग पर पूरा किया गया। तमाम बाधाओं के बावजूद, उक्त दलों ने एक बार में लगभग 15 किमी. की यात्रा की। गांव-पोलपोल में पहुंचने पर, इन दलों ने पहाड़ी क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित किया, हवाई एम्बुलेंस के लिए उचित लैंडिंग ग्राउंड तैयार किया और घायल सैनिकों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। उपचार के दौरान, एक हवाई एम्बुलेंस उतरी और घायल सैनिकों को वहां से सुरक्षित बचाकर ले जाया गया। कमांडरों को जेजे, 112 बटालियन, सीआरपीएफ एवं सिविल पुलिस घटकों के साथ-साथ शहीदों के शव नजदीकी सीआरपीएफ कैंप में सुरक्षित रूप से पहुंच जाने के बाद वहां से तत्काल वापस आने के निर्देश दिए गए थे। इसी बीच, कोबरा के सैन्य दस्तों को यह सूचना दी गई कि शहीद/घायल हुए सैनिकों के कुछ हथियार लापता हैं।

तदनुसार, लापता हथियारों को ढूंढने के लिए, कोबरा के सैन्य दस्तों को मुठभेड़ स्थल की तलाशी करने का एक नया काम सौंपा गया। लम्बी यात्रा और नींद रहित रात की सारी थकान को दरकिनार करते हुए, कमांडरों द्वारा तत्काल जमीनी स्तर पर एक कार्य-योजना तैयार की गई। योजना के अनुसार, कोबरा के दलों ने उक्त क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी, जिसके दौरान प्रत्येक हमलावर दल की 01 टीम को अतिरिक्त सैन्य दल के रूप में पीछे रखा गया। श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट द्वारा इसका नेतृत्व किया गया। रणनीतिक रूप से आगे बढ़ते हुए, उन्होंने अपने दल के साथ उक्त क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। अपनी रणनीतिक दक्षता का प्रयोग करते हुए, उन्होंने सर्वप्रथम घटना स्थल के आस-पास के ऊंचाई वाले स्थानों पर नियंत्रण स्थापित करने का निर्णय लिया। उन्होंने रणनीतिक ढंग से पिकेट स्थापित कर दिए और गुप्त रूप से मुख्य क्षेत्र में घुसना शुरू कर दिया। घने पेड़-पौधे, नम भूमि एवं घनी झाड़ियां उक्त ऑपरेशन में बाधा पहुंचा रही थीं। जब श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सैन्य दस्ते एक ऊंचाई वाले स्थान पर चढ़ रहे थे, तभी उन पर पहाड़ी के ऊपर से भारी गोलीबारी की गई। श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह और स्काउट सिपाही अरूण कुमार आर तथा सिपाही संदीप एम माओवादियों की सीधी गोलीबारी की चपेट में गए। तत्काल कार्रवाई करते हुए, इन तीनों व्यक्तियों ने न केवल स्वयं को भयंकर हमले से बचाया, बल्कि कवर लेकर जवाबी हमला भी किया। वहां पर दोनों पक्षों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई।

माओवादी अपने किलेबंद सुरक्षित स्थान के पीछे छिपे हुए थे और अत्याधुनिक हथियारों से गोलीबारी कर रहे थे। बंदूक की गोलीबारी की गूंज ने अन्यथा शांत जंगल को एक भीषण युद्ध क्षेत्र में बदल दिया और मौत किसी भी क्षण अपना शिकार बनाने के लिए आस-पास मंडराने लगी। इसी बीच, पीछे वाले सैन्य दस्तों को दोनों किनारे से माओवादियों को कवर करने के लिए कहा गया। ये तीनों व्यक्ति अभी भी माओवादियों के मारक क्षेत्र में फंसे हुए थे और शत्रु के विरुद्ध बहादुरी से जवाबी कार्रवाई कर रहे थे। श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह यह भली-भांति जानते थे कि उनके साथी सैनिक उन्हें सहायता नहीं पहुंचा सकते, क्योंकि उन्होंने रणनीतिक स्थानों पर पोजीशन ले रखी थी और वहां से हटने पर पूरी टीम की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी। इसलिए विकल्प कम होने और साथ ही समय न होने की वजह से, उन्होंने अपनी कुशल रणनीतिक दक्षता का प्रयोग करते हुए अपना विकल्प चुना और माओवादियों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया। उसी क्षण, वे सभी घातक खतरों को नजरअंदाज करते हुए, अपने कवर से बाहर निकल आए और उन्होंने माओवादियों के ठिकानों पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी। गोलीबारी करते हुए, उन्होंने माओवादियों को घेरने और उनके ऊपर जवाबी हमला करने के लिए अपने स्काउट्स को घेरा बनाते हुए आगे बढ़ने का निर्देश दिया। अपने बहादुर कमांडर के पदचिह्नों पर चलते हुए, ये दोनों स्काउट बरसती हुई गोलियों के बीच निडरता से आगे बढ़े और माओवादियों पर धावा बोल दिया।

जैसा कि कहा गया है, "किस्मत वीरों का साथ देती है", इसलिए इस दिन ये तीनों व्यक्ति पिछले दिन हुई प्रत्येक दुर्घटना का बदला लेने और हर चीज को अपने पक्ष में करने के लिए दृढ़ संकल्प थे। इन तीनों व्यक्तियों के साहसिक जवाबी हमले ने माओवादियों को स्तब्ध कर दिया। इन तीनों व्यक्तियों की कार्रवाई और चारों ओर खतरे को भांपते हुए, माओवादियों ने उनकी ताकत को तोड़ने के लिए उन पर गोलीबारी तेज कर दी। तथापि, ये तीनों व्यक्ति डरने वालों में से नहीं थे। उन्होंने सभी विषम परिस्थितियों को नजरअंदाज करते हुए, अपना जवाबी हमला और आगे बढ़ना जारी रखा। इन तीनों की बहादुरी को देखते हुए, माओवादी भयभीत हो गए, क्योंकि उनकी गोलियों की तीव्रता कम हो गई और वे पीछे हटने की तैयारी करने लगे। माओवादियों की योजना को भांपते हुए और उनके ताबूत में अंतिम कील ठोकने के लिए, इन तीनों व्यक्तियों ने एक जोरदार जवाबी हमला किया।

सिपाही अरूण कुमार आर द्वारा प्रदान किए गए यूबीजीएल कवर फायर की सहायता से, श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह और कांस्टेबल संदीप एम माओवादियों की पोजीशन के नजदीक पहुंच गए और उन पर गोलीबारी की। इन तीनों व्यक्तियों द्वारा किए गए भीषण हमले के परिणामस्वरूप एक माओवादी मारा गया। इससे पहले कि माओवादी अपने हताहत कैडर का शव ले जाते, ये तीनों व्यक्ति गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति अपनाते हुए मृतक कैडर के नजदीक पहुंच गए और एक इंसाम राइफल के साथ-साथ उसका शव भी कब्जे में ले लिया। वे इतने पर ही नहीं रुके। उनकी रक्षा को ध्वस्त करने के बाद, इन तीनों व्यक्तियों ने वहां से भाग रहे माओवादियों का पीछा किया, परन्तु उनको पकड़ नहीं सके, क्योंकि वे उस क्षेत्र का लाभ उठाकर घटना स्थल से बचकर भागने में सफल हो गए। शीघ्र ही, पीछे वाले सैन्य दस्ते भी सभी किनारों को कवर करते हुए उस स्थान पर पहुंच गए और उन्होंने घटना स्थल को सुरक्षित कर दिया।

ऐसे कम ही अवसर रहे हैं, जब सुरक्षा बलों ने क्षति उठाने के बाद इतनी शीघ्रता से प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई की हो। “करो या मरो” की स्थिति में, सभी खतरों को ताक पर रखते हुए, सिपाही अरूण कुमार आर और सिपाही संदीप एम के साथ श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट ने बहादुर सैनिकों की भांति प्रदर्शन किया और माओवादियों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी। उन्होंने न केवल फंसे हुए सैनिकों की सहायता की और घायलों को सुरक्षित बचाया, बल्कि एक माओवादी का सफाया भी किया। माओवादियों को आश्चर्यचकित करने वाली और उनके नापाक इरादों को विफल करने वाली वीरतापूर्ण कार्रवाई, प्रेरणादायक नेतृत्व, अटल दृढ़ निश्चय और असाधारण साहस उच्च कोटि के सम्मान का हकदार है।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट, अरूण कुमार आर, सिपाही और संदीप एम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/06/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/172/2019-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 397-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक(पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	राधे श्याम सिंह	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सबजार अहमद भट	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अजय कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19 मार्च 2019 को, जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बारामूला के इनपुट के आधार पर, दिनांक 20 मार्च 2019 को, श्री राधे श्याम सिंह, कमांडेंट, 176 सीआरपीएफ की समग्र कमान के तहत, 176 सीआरपीएफ, आरआर और एसओजी द्वारा नंबलनार गांव में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

सैनिक लगभग 0515 बजे नंबलनार गांव के पास नियत स्थान पर पहुंच गए। लेकिन, लगातार हो रही बर्फबारी के कारण इलाका फिसलन वाला हो गया था, जिससे सैनिकों के लिए संचालन मुश्किल हो गया था। फिर भी, सैनिकों ने एक घेराबंदी डालने में सफलता हासिल की और लगभग 1030 बजे आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगा लिया। सैनिकों ने लक्ष्य पर नपी-तुली गोलीबारी की और आसपास के इलाकों में तलाशी ली, लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ। चूंकि, सूचना पुख्ता थी, इसलिए नए सिरे से तलाशी लेने का निर्णय लिया गया। तलाशी के दौरान एक एके 47 राइफल, मैगजीन, गोला-बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया।

लगभग 1700 बजे, आतंकवादियों ने सैनिकों की ओर अचानक से गोलीबारी कर दी, जिसपर जवाबी कार्रवाई की गई। 1900 बजे, चूंकि अंधेरा हो गया था, घेराबंदी को मजबूत करने और सुबह फिर से तलाशी शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस बीच, चल रहे ऑपरेशन को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिकों को बुलाया गया।

अगले दिन, लगभग 0900 बजे, तलाशी के दौरान, सैनिकों को एक सूचना मिली कि आतंकवादियों को बांदी पाईन गांव में देखा गया है। तुरंत, सैनिक बांदी पाईन गांव की ओर चल पड़े। 1030 बजे, जब सैनिक संदिग्ध स्थान की घेराबंदी कर रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। गोलियों की वौछार के बीच, श्री राधे श्याम सिंह, कमांडेंट ने अपने एस्कॉर्ट और क्यूएटी के साथ आंतरिक घेराबंदी कर ली। आतंकवादी एक सरकारी मिडिल स्कूल की इमारत में छिपे हुए थे, जिसमें एक अस्पताल और अन्य प्रतिष्ठान भी थे और अंदर बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। कमांडेंट 176 सीआरपीएफ ने सैनिकों को पहले फंसे हुए नागरिकों को निकालने का निर्देश दिया और फिर, आरआर और एसओजी के साथ, भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की सलाह देते हुए एक घोषणा की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

भागने के लिए घेराबंदी में खामियों का पता लगाने और सैनिकों को हताहत करने के लिए आतंकवादी लगातार अपनी पोजीशन बदल रहे थे। उन्होंने भारी गोलीबारी करते हुए, इमारत के उत्तरी हिस्से से भागने की कोशिश की, जहां श्री राधे श्याम सिंह, कमांडेंट, अपने सैनिकों के साथ तैनात थे। सैनिकों ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और उनके इस प्रयास को विफल कर दिया।

अपने एस्कॉर्ट की कवर गोलीबारी की आड़ में, श्री राधे श्याम सिंह, कमांडेन्ट, अपने साथियों सिपाही/जीडी सबजार अहमद भट और सिपाही/जीडी अजय कुमार की जोड़ी के साथ आतंकवादियों की ओर बढ़े और उन्हें उलझा लिया। आतंकवादियों ने निशाना साधते हुए गोलियां चलाई और इसके बाद तीनों की ओर ग्रेनेड फेंके, ताकि उनके आगे बढ़ने को रोका जा सके। अडिग रहते हुए, तीनों ने आगे बढ़ना जारी रखा और इमारत के करीब पहुंच गए। भारी गोलीबारी के बावजूद, तीनों अपने कवर से बाहर आए और आतंकवादियों पर टूट पड़े और उनमें से एक को नजदीक से मार गिराया। इस बीच, आरआर और एसओजी ने दूसरे आतंकवादी को उलझा लिया और उसे मार गिराया। इसके बाद आतंकियों की तरफ से गोलीबारी पूरी तरह बंद हो गई।

मुठभेड़ के बाद की तलाशी के दौरान, सैनिकों ने 03 एके 47 राइफलें, मैगजीन और गोला-बारूद के साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए, जिनकी पहचान बाद में आमिर काबू, पुत्र गुलाम रसूल काबू, निवासी आरामपुरा, सोपौर, बारामूला (स्थानीय आतंकवादी) और साविर उर्फ कारी (जैश-ए-मोहम्मद का पाकिस्तानी आतंकवादी) के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री राधे श्याम सिंह, कमांडेन्ट, सबजार अहमद भट, सिपाही और अजय कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/184/2020-पीएमए)

एम. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 398-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	राजेन्द्र कुमार सरोज	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	शिव कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	शोभा राम	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

चतरा जिले के पुलिस स्टेशन वशिष्ठनगर और पुलिस स्टेशन सदर की सीमा से सटे क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए, नक्सलियों को रोकने के लिए 203 कोबरा की 2 टीमों द्वारा 3 जनवरी, 19 को एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

लगभग 1300 बजे, दोनों कोबरा टीमों सिविल पैटर्न के वाहनों में लक्षित क्षेत्र की ओर चल पड़ीं और लगभग 1510 बजे मख्तमा गांव के वन क्षेत्र में उतर गईं। सैन्य दल लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ा और एल्यूमी (रात का पड़ाव) लिया। 4 जनवरी, 19 को, जैसे ही भोर हुई, दोनों टीमों ने अपना एल्यूमी छोड़ दिया और दोनों टीमों दो दिशाओं में बंट गईं; टीम-1 निर्धारित सामरिक स्थानों पर कट-ऑफ करने के लिए और टीम-2 लक्षित क्षेत्र में तलाशी/हमला करने के लिए।

टीम संख्या-1 लगभग 0645 बजे निर्धारित क्षेत्र में पहुंच गई। उप निरीक्षक/जीडी शिव कुमार ने अपनी दाहिनी ओर कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी और तुरंत टीम कमांडर निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र कुमार सरोज को इसकी सूचना दी। ध्यान से देखने पर, निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र कुमार सरोज ने टीम संख्या-1 के उत्तर में लगभग 80 मीटर की दूरी पर एक गौशाला देखी, जिसमें दो व्यक्तियों ने खुद को गर्म रखने के लिए आग जलाई हुई थी। इस जानकारी को टीम संख्या-2 के साझा किया गया।

निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज ने उप निरीक्षक/जीडी शिव कुमार के साथ मिलकर दो-दो स्प्लिंटर घटक बनाए और गौशाला की ओर आगे बढ़े। इस बीच, टीम संख्या-2 ने अपना रास्ता बदल लिया और दक्षिण की ओर संदिग्ध क्षेत्र अर्थात् गौशाला की तरफ आगे बढ़ी। जैसे ही निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज और उप निरीक्षक/जीडी शिव कुमार अपने घटकों (सेक्शन) के साथ गौशाला की ओर बढ़े, दो और नागरिक/संदिग्ध घूमते हुए देखे गए। जैसे ही कोबरा के सैनिक गौशाला के पास पहुंचे, नागरिकों/संदिग्धों ने उनकी मौजूदगी को देखा और दूर भागने लगे। उनके संदिग्ध व्यवहार को भांपते हुए, निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज ने उनका पीछा करने का फैसला किया। जैसे ही कोबरा के सैनिक तेजी से आगे बढ़े, उन्होंने देखा कि संदिग्ध दो अलग-अलग रास्तों पर भाग रहे हैं, एक गौशाला के उत्तर-पश्चिम की ओर और दूसरा उत्तर

दिशा की ओर। निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज ने अपने सेक्शन के साथ उत्तर दिशा में भागने वाले संदिग्ध का पीछा किया, जबकि उप निरीक्षक/जीडी शिव कुमार ने अपने सेक्शन के साथ उत्तर पश्चिम में दूसरे व्यक्ति का पीछा किया। उप निरीक्षक/जीडी जयदीप के साथ कोवरा सैनिकों का एक छोटा घटक, गौशाला के पास, पीछे रुक गया।

पीछा करने के दौरान, गौशाला के उत्तर में लगभग 120-130 मीटर की दूरी पर, निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज ने जंगल में आगे कुछ असामान्य हलचल देखी। जब वे अपने सेक्शन के साथ संदिग्ध गतिविधियों की जांच करने के लिए आगे बढ़े, तो उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा से गोलियों की भारी बौछार हुई। निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज और हेड कांस्टेबल/जीडी शोभा राम आगे थे और उन्हें गोलीबारी का सामना करना पड़ा। कोवरा के सैनिकों ने तुरंत पोजीशन ले ली और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन वह व्यर्थ रहा। उन्होंने गोलीबारी को और तेज कर दिया। सच्ची बहादुरी और तीक्ष्ण सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज अपने स्थान पर डटे रहे और उन्होंने आत्मरक्षा में अपनी टीम के साथ एक साहसिक जवाबी हमला शुरू कर दिया। गोलीबारी और आगे बढ़ने की रणनीति का इस्तेमाल करते हुए, कोवरा सैनिक जमीन पर नीचे रहे और नक्सलियों की पोजीशन के करीब पहुंचने के लिए कांटेदार झाड़ियों के बीच से रेंगते हुए आगे बढ़े। इस बीच, उप निरीक्षक/जीडी शिव कुमार भी बाईं ओर से आगे बढ़ रहे सैनिकों के साथ मिल गए, जिससे नक्सलियों को घेरने के लिए "यू" फॉर्मेशन बन गया। दोनों पक्षों के बीच भीषण बंदूक की लड़ाई हुई। नक्सलियों के स्थल से भाग निकलने की आशंका को देखते हुए, निरीक्षक/जीडी राजेन्द्र सरोज ने अपनी टीम को उन्हें कवर गोलीबारी देने का निर्देश दिया और वे उप निरीक्षक/जीडी शिव कुमार और हेड कांस्टेबल/जीडी शोभा राम के साथ आगे बढ़े और सटीक गोलीबारी करते हुए नक्सलियों की ओर धावा बोल दिया। तीनों के दुस्साहसिक हमले ने नक्सलियों की रैंक तोड़ दी और उन्हें अपने मृत कैडर को वंदी पर छोड़कर अपनी जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर कर दिया। सैनिकों ने भागते हुए नक्सलियों का पीछा किया और इंसास राइफल के साथ एक शव बरामद किया।

दूसरी ओर, टीम-2 की भी भाग रहे नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। उन्होंने नक्सलियों के हमले का बहादुरी से जवाब दिया, लेकिन उन्हें पकड़ नहीं पाए, क्योंकि वे अनुकूल इलाके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पूरी मुठभेड़ लगभग एक घंटे तक चली।

मुठभेड़ वाले क्षेत्र की व्यापक तलाशी के दौरान, सैनिकों ने नक्सलियों के एक अस्थायी शिविर का पता लगाया और दवा तथा कपड़े सहित विभिन्न सामान बरामद किए। मारा गया नक्सली काली वर्दी में था और इंसास राइफल (चैम्बर लोडेड) के साथ गोला बारूद का पाउच पहने हुए था। बाद में, उसकी पहचान सीपीआई (माओवादी) के एक एरिया कमांडर चंदर सिंह भोक्ता, पुत्र स्वर्गीय बूढासिंह, निवासी-गांव जयगीर, पुलिस स्टेशन-बाराचट्टी, जिला-गया, बिहार के रूप में हुई। हथियार अर्थात् बरामद इंसास राइफल को माओवादियों ने 17 जुलाई, 13 को गोह, औरंगाबाद, बिहार स्थित एसएपी कैंप से लूटा था।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री राजेन्द्र कुमार सरोज, निरीक्षक, शिव कुमार, उप निरीक्षक और शोभा राम, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/228/2020-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 399-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	कुलदीप राज	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	ब्रह्म चन्द	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

14 जनवरी, 2018 को, टीएसी मुख्यालय, आईटीबीपी की 40वीं बटालियन और एसपी (ऑपरेशन) राजनंदगांव से गांव-झिलमिली, पुलिस स्टेशन-बकरकट्टा, जिला-राजनंदगांव में लगभग 50-60 सशस्त्र और वर्दीधारी माओवादी कैडरों की मौजूदगी के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। कंपनी कमांडर 'ए' कंपनी श्री प्रभात मुकुल मिंज, सहायक कमांडेन्ट/जीडी ने सीजीपी, एसटीएफ और डीईएफ के कमांडरों के साथ मिलकर

ऑपरेशन की योजना बनाई। श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज सहायक कमांडेंट/जीडी, निरीक्षक अब्दुल समीर (एसएचओ बकरकट्टा), निरीक्षक लक्ष्मण केवट (एसएचओ गाटापार), उप-निरीक्षक अनिल शर्मा (एसएचओ सालहेवारा), निरीक्षक हरिशंकर कंवर और एसटीएफ अधिकारी द्वारा एक मल्टी पार्टी ऑपरेशन शुरू किया गया।

ऑपरेशन चलाने के लिए 02 दलों का गठन किया गया। एसएचओ बकरकट्टा निरीक्षक अब्दुल समीर की कमान के तहत पहले दल में जिला कार्यकारी बल (डीईएफ)-II, विशेष कार्य बल (एफटीएफ)-45 शामिल थे। 02 आईटीबीपी कार्मिकों अर्थात् सहायक उप निरीक्षक/जीडी कुलदीप राज और सिपाही/जीडी ब्रह्म चन्द को पहले दल के साथ रखा गया। 50 आईटीबीपी कार्मिकों वाले दूसरे दल की कमान श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज, सहायक कमांडेंट/जीडी के पास थी, जिसमें छत्तीसगढ़ पुलिस (सीजीपी) के 03 जवान भी शामिल हुए, ताकि दोनों दलों के बीच घनिष्ठ समन्वय और सहयोग बनाया जा सके। दलों ने दिन निकलने से पहले सीओबी बकरकट्टा से चलना शुरू किया और सामरिक तरीके से लक्षित स्थान की ओर आगे बढ़े। सहायक उप निरीक्षक/जीडी कुलदीप राज और सिपाही/जीडी ब्रह्म चन्द लीड सेक्शन स्काउट्स के रूप में पहले दल के आगे चल रहे थे। मौके पर पहुंचने पर पहले दल के प्रमुख स्काउट अर्थात् सिपाही/जीडी ब्रह्म चन्द ने कुछ हलचल देखी और तुरंत पार्टी कमांडर निरीक्षक अब्दुल समीर को सूचित किया और सामरिक पोजीशन ले ली।

पहले दल के कमांडर निरीक्षक अब्दुल समीर ने माओवादियों की गतिविधि की पुष्टि करने पर तुरंत दूसरे दल को सतर्क कर दिया, जो कि श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज सहायक कमांडेंट/जीडी की कमान में था। माओवादियों की मौजूदगी की पुष्टि होने पर, दूसरे दल के कमांडर ने सुरक्षा बलों के एक अन्य समूह को सतर्क कर दिया, जो उप-निरीक्षक अनिल शर्मा और निरीक्षक हरिशंकर कंवर की कमान में पास के सिंगबोरा के जंगल में कार्रवाई कर रहा था। श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज सहायक कमांडेंट/जीडी ने सभी दलों के साथ समन्वय स्थापित किया और लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करना शुरू कर दिया। माओवादियों और पहले समूह के बीच एक-दूसरे पर गोलीबारी हुई। श्री प्रभात मुकुल मिंज सहायक कमांडेंट/जीडी ने अनुकरणीय नेतृत्व और वीरता का परिचय देते हुए एचटी 0599 की घेराबंदी शुरू कर दी, जहां से माओवादी गोलीबारी कर रहे थे। सुरक्षाबलों की घेराबंदी को देखकर माओवादियों ने पहले समूह पर भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी। माओवादी प्रभुत्व वाली और अनुकूल ऊंचाई पर थे। स्थिति की गंभीरता का आकलन करते हुए श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज, सहायक कमांडेंट/जीडी ने पहले समूह के कमांडर के साथ समन्वय किया और माओवादियों के गढ़ पर गोलाबारी के लिए 51 मिमी मोर्टार का उपयोग करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने दल के बम दागने वाले को लक्षित क्षेत्र में मोर्टार बम दागने का आदेश दिया। मोर्टार के गोले दागने से माओवादी घबरा गए और घटना स्थल से भागने के लिए तितर-बितर हो गए। संभावित जोखिमों की परवाह न करते हुए, गोलाबारी का कवर लेकर, सिपाही/जीडी ब्रह्म चन्द और सहायक उप निरीक्षक/जीडी कुलदीप राज ने माओवादियों पर गोलियां चलाना जारी रखा और सामरिक तरीके से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ते रहे। अपार धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए, श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज सहायक कमांडेंट/जीडी ने माओवादी पर भारी दबाव डाला और पहले समूह को सहायता प्रदान की, जो लक्षित क्षेत्र में आगे बढ़ रहा था। चलते-चलते, पहले दल को खून के धब्बे मिले, जो आपसी गोलीबारी में माओवादियों के घायल होने का संकेत देते थे। सहायक उप निरीक्षक/जीडी कुलदीप राज और सिपाही/जीडी ब्रह्म चन्द को मौके से 315 बोर की राइफल भी मिली। घटनास्थल से भागते समय माओवादियों और सिंगबोरा जंगल में कार्रवाई कर रहे सुरक्षा बलों के दूसरे समूह के बीच एक-दूसरे पर गोलीबारी हुई।

एक-दूसरे पर गोलीबारी बंद होने के बाद, लक्षित क्षेत्र की तलाशी के दौरान, एक वर्दीधारी माओवादी का एक शव मिला, जिसके साथ अन्य सामान अर्थात् मोटोरोला सेट-01, 315 बोर राइफल-01, बिजली के सामान, दैनिक उपयोग की वस्तु, महिलाओं के अंडरगार्मेंट्स, माओवादी साहित्य आदि मिला। मारे गए माओवादी के शव की पहचान बाद में दंतेवाड़ा जिले के कटेकालायन क्षेत्र के निवासी गुंडाधुर उर्फ राजू के रूप में हुई, जो जीआरबी डिवीजन की विस्तार प्लाटून संख्या 03 का उप कमांडर था और उस पर 3,00,000/-रुपये का इनाम था।

ऑपरेशन की इस सफलता का श्रेय श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज, सहायक कमांडेंट/जीडी की सावधानीपूर्वक बनाई गई योजना, योजना के सटीक कार्यान्वयन और अनुकरणीय वीरता को जाता है, जिन्होंने व्यक्तिगत उदाहरण के साथ अपने सैनिकों का नेतृत्व किया, तथा सहायक उप निरीक्षक/जीडी कुलदीप राज और सिपाही/जीडी ब्रह्म चन्द को भी जाता है, जिन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए प्रमुख स्काउट के रूप में समूह का मार्गदर्शन किया हैं और माओवादियों की ओर से करीब से लगातार गोलीबारी का सामना करते हुए बहादुरी से कार्रवाई की। सभी सामरिक अभ्यासों और प्रभावी नियंत्रित गोलीबारी का अनुपालन करते हुए ऑपरेशन को एक पेशेवर तरीके से पूरा गया। टीम ने अपने सैनिकों के हताहत हुए बिना अपार सफलता हासिल की।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री प्रभात मुकुल मार्टिन मिंज, सहायक कमांडेंट, कुलदीप राज, सहायक उप निरीक्षक और ब्रह्म चन्द, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/01/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/208/2021-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव



सं. 400-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अमित कुमार	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	हमेश कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	शक्ति कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

नक्सल सेल राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ पुलिस से दिनांक 30.06.2020 को पुलिस स्टेशन-जाँव, छुरिया के तहत गांव-किदकडी के पास जंगल क्षेत्र में लगभग 7-8 सशस्त्र सीपीआई माओवादी कैडरों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में और दिनांक 30.06.2020 को लगभग 1000 बजे पुलिस स्टेशन-बगनाडी के तहत गांव-सीतागोटा के पास जंगल क्षेत्र में लगभग 7-8 सशस्त्र सीपीआई माओवादी कैडरों के एक और समूह की मौजूदगी के संबंध में एक आसूचना इनपुट प्राप्त हुआ। एक आईएनटी आधारित ऑपरेशन योजना 'नाइट एम्बुश', कोड नाम-'मानसून XXVIII' की योजना बनाई गई।

जमीनी स्थिति और सर्वोत्तम परिणामों की व्यवहार्यता के अनुसार श्री अमित कुमार सहायक कमांडेन्ट/जीडी (घात दल कमांडर) और सीजीपी एसआई मोहर सहाय लाहौर ने दलों को विस्तार से जानकारी दी और तदनुसार, घात दल (एंबुश पार्टी), जिसमें आईटीबीपी जीओ-01, एसओ-08, ओआरएस-21 कुल-30 और सीजीपी जिसमें-एसआई-01 और ओआरएस-03 कुल-04 शामिल थे, 302000 बजे मिशन के लिए निकल पड़े।

रिलीज प्वाइंट पर पहुंचने के बाद, सहायक कमांडेन्ट अमित कुमार ने समन्वित गोलाबारी, मारक क्षेत्र पर औचक और सामरिक प्रभुत्व के लिए एक शानदार योजना बनाई तथा तदनुसार, घात दलों अर्थात् स्काउट दल, स्टॉप दल, कवरिंग दल और रिजर्व दल को एक-एक करके घात स्थल पर उनके संबंधित स्थान पर सामरिक तरीके से तैनात किया गया। घात लगाने से पहले सहायक कमांडेन्ट अमित कुमार ने खुद सभी प्रारंभिक कार्रवाईयों का निरीक्षण किया।

2300 बजे स्काउट दल ने 7-8 नक्सलियों को घात स्थल की ओर आते हुए देखा और अपने कमांडर को नक्सलियों के आने का संकेत दे दिया। सभी दलों को सतर्क कर दिया गया। 02 नक्सली मुख्य समूह से 25 से 30 मीटर आगे चल रहे थे। जैसे ही नक्सलियों का मुख्य दल मारक क्षेत्र में पहुंचने वाला था, अचानक गली का एक कुत्ता आया और घात दल पर भौंकने लगा तथा ऑपरेशन का औचक खत्म हो गया और नक्सलियों ने जवाब में गोलीबारी शुरू कर दी।

सुरक्षाबलों की कड़ी जवाबी कार्रवाई के सामने नक्सली ठहर नहीं पाए और उन्होंने रात का फायदा उठाकर मौके से भागने की कोशिश की। माओवादी कैडरों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़/एक-दूसरे पर गोलाबारी रुक-रुक कर 25-30 मिनट तक चलती रही। हेड कांस्टेबल (सीडी) हमेश कुमार और सिपाही (जीडी) शक्ति कुमार ने अत्यंत साहस का प्रदर्शन किया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की पूरी तरह अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना जारी रखा। सहायक कमांडेन्ट अमित कुमार ने असाधारण सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया और सर्वाधिक सक्षम तरीके से बदलती स्थिति के अनुसार उपयुक्त कार्रवाई की, उन्होंने सामने से अपने सैनिकों का नेतृत्व किया और आगे बढ़कर अपने सैनिकों को प्रेरित किया। उनसे प्रेरणा लेकर ऑपरेशन के सभी सैनिकों ने नक्सलियों के पांव उखाड़ दिए।

उजाला होते ही घात दल ने आगे बढ़कर घात स्थल को घेर लिया और सीजीपी के साथ स्थल की अच्छी तरह से तलाशी ली और उन्होंने 01 वर्दीधारी सीपीआई माओवादी कैडर को देखा, जो गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था और घटनास्थल से भागने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षाबलों ने दौड़कर उसे हिरासत में ले लिया। उसे प्राथमिक उपचार दिया गया और उससे मौके पर ही पूछताछ की गई।

प्रारंभिक पूछताछ में उसने अपना परिचय डेविड उर्फ उमेश उर्फ बालीराम उडके, उम्र-35, निवासी कोटरा, पोस्ट-बेलगांव, पुलिस स्टेशन-कोर्ची, जिला-गढ़चिरौली, कमांडर मिलिट्री प्लाटून संख्या-01, माओवादी संगठन के डिवीजन कमेटी सदस्य (डीवीसीएम) के रूप में दिया। सुरक्षा बलों द्वारा उसके पास से बरामद किए गए शस्त्रों/गोला-बारूद और विविध वस्तुओं का विवरण भाग-ख (5) में दिया गया है। पकड़े गए नक्सली पर 29 लाख रुपये (छत्तीसगढ़ सरकार-08 लाख रुपये, महाराष्ट्र सरकार-16 लाख रुपये और मध्य प्रदेश सरकार-05 लाख रुपये) का इनाम था और वह पुलिस स्टेशन छुरिया, बगनाडी और बोरतालाओ के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय था।

घात दल के कमांडर श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट ने पूरे ऑपरेशन के दौरान अनुकरणीय नेतृत्व, जिम्मेदारी की भावना, साहस, समर्पण, उत्कृष्ट कमान एवं नियंत्रण और कर्तव्य की मांग से ज्यादा वीरता का प्रदर्शन किया। हेड कांस्टेबल हमेश कुमार और सिपाही शक्ति कुमार ने भी ऑपरेशन की पूरी प्रक्रिया के दौरान और विशेष रूप से घायल नक्सली को पकड़ने में अत्यंत साहस, वीरता और समर्पण का प्रदर्शन किया। ऑपरेशन को बिना किसी चोट, सरकारी संपत्ति के नुकसान और क्षति के पूरा किया गया, और इसके परिणामस्वरूप एक घायल

नक्सली डेविड उर्फ उमेश उर्फ बालीराम उडके, कमांडर, मिलिट्री प्लाटून संख्या-01 और डिवीजन कमेटी के सदस्य (डीवीसीएम) की गिरफ्तारी और विभिन्न हथियारों, गोला-बारूद, संचार उपकरणों और विविध सामान की बरामदगी हुई।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट, हमेश कुमार, हेड कांस्टेबल और शक्ति कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/42/51/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 401-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री अरूण कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

घातक हथियारों से लैस प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के एसएसबी सदस्य विजयदा उर्फ नंदलाल मांझी, जोनल कमांडर तलादा उर्फ सहदेव राय और उनके साथियों द्वारा आगामी चुनाव में पुलिस कार्मिकों को भारी नुकसान पहुंचाने की योजना बनाने, पैसे की जबरन वसूली करने और ग्रामीणों के बीच आतंक फैलाने के संबंध में दिनांक 12.01.2019 को अत्यंत पुख्ता सूचना मिलने के बाद दिनांक 13.01.2019 को 0655 बजे सशस्त्र सीमा बल के उपर्युक्त अधिकारी ने वीरतापूर्ण कृत्य को अंजाम दिया।

सूचना मिलने पर, पुलिस अधीक्षक दुमका ने अपर पुलिस अधीक्षक (ओपीएस), कमान अधिकारी 35वीं बटालियन एसएसबी दुमका, ललित साह उप कमांडेंट, 35 वीं बटालियन, नरपत सिंह, सहायक कमांडेंट (अव उप कमांडेंट), 35 वीं बटालियन, प्रभारी अधिकारी जामा पुलिस स्टेशन एस.1 फागु होरो और अन्य सहित कोर कमांडरों के साथ एक बैठक की। एक नक्सल विरोधी अभियान की विस्तृत योजना बनाई गई थी, जिसमें अधिकारी, स्मॉल एक्शन टीम (सैट) (सैट-1 और 2) के सदस्य और जिला पुलिस के जवान शामिल किए गए थे। अधिकारियों को सैट (1 और 2) के साथ हमला टीमों का नेतृत्व करने के लिए कहा गया। सैट-1 की कमान नरपत सिंह, उप. कमांडेंट और सैट-2 की कमान ललित साह, उप. कमांडेंट कर रहे थे और अरूण कुमार सिपाही (जीडी) को सैट-2 का स्काउट बनने के लिए कहा गया। कमांडरों के नेतृत्व में हमला टीम सुबह लगभग 4:30 बजे चतुपारा जंगल के इलाके में पहुंच गई और इलाके में कार्रवाई शुरू कर दी। अंततः सुबह 0655 बजे, सीपीआई माओवादियों ने अधिकारियों पर गोलियों की बौछार कर दी। अधिकारियों ने चिल्लाकर उग्रवादियों को पुलिस के रूप में अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। आत्मसमर्पण करने के बजाय, उग्रवादियों के एक संतरी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों की हत्या करने के इरादे से उन पर फिर से नवीनतम परिष्कृत हथियारों से गोलियों की भारी बौछार शुरू कर दी। उसकी इस हरकत को उसके साथियों ने भी दोहराया और उन सभी ने पुलिस बल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस अधिकारियों ने बार-बार उग्रवादियों को चिल्लाकर गोलीबारी रोकने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन विद्रोही और हठी उग्रवादी एक नाले की ओर भागते हुए गोलियां चलाते रहे।

परिस्थिति से मजबूर होकर, लीडर ललित साह, उप कमांडेंट, 35वीं बटालियन एसएसबी, दुमका ने सरकारी हथियारों और गोला-बारूद की रक्षा करने तथा भागते हुए उग्रवादियों को पकड़ने के लिए पुलिस बल को आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू करने का निदेश दिया और नतीजतन गोलीबारी करनी पड़ी। निस्संदेह, उपर्युक्त पुलिस अधिकारी ने असाधारण साहस का परिचय दिया और साथ ही श्री ललित साह, उप कमांडेंट और सिपाही (जीडी) अरूण कुमार ने बहादुरी के अनुकरणीय कृत्य का प्रदर्शन किया और वे अपनी जान की परवाह किए बिना एक-दूसरे को कवर गोलीबारी देकर आगे बढ़े। उन्होंने टीम के सदस्यों के जीवन की रक्षा करने के इरादे से आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं।

नतीजतन गोलीबारी करनी पड़ी थी। निस्संदेह, उपर्युक्त पुलिस अधिकारी ने असाधारण साहस और जोश का प्रदर्शन किया, जबकि गोलियां उनके सिर के ऊपर से गुजर रही थीं, उन्होंने गोलियों की भारी बौछार की परवाह नहीं की और निडर होकर सामरिक तरीके से उन उग्रवादियों की ओर बढ़ गए, जो लगातार सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर रहे थे। दोनों कमांडरों के इस भीषण हमले ने माओवादियों की सुरक्षा को पूरी तरह तबाह कर दिया और उनके सुरक्षित स्थान से उनकी कार्रवाई बंद हो गई। इस बीच, एक-दूसरे द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की आड़ लेकर उग्रवादी नाले के सहारे जंगल के काफी अंदर तक भागने में सफल रहे। इलाके को सेनिटाइज करने के बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दाहिने हाथ में एक लोडेड एके-47 हथियार के साथ एक उग्रवादी का शव बरामद हुआ। क्षेत्र में और तलाशी लेने में एक और लोडेड इंसाम, एक एआर-41, एके-47 के 175 कारतूस, इंसाम के 201 कारतूस, 45 खाली कारतूस, 1,03,000/- (एक

लाख तीन हजार) रुपये की वसूली एकत्र करने की रसीदों के लेटर-पैड, मोबाइल सेट, वायरलेस सेट, ट्रांजिस्टर, लाइव राउंड के साथ चार्जर, कुछ खाने का सामान, पिट्टू (एफ<sup>ए</sup>जे) आदि बरामद हुए। आगे जांच करने पर, मारे गए उग्रवादी की पहचान एक जोनल कमांडर तलादा के रूप में हुई, जिसने दिनांक 02.07.2013 को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पाकुड़ श्री अमरजीत बलिहार आईपीएस पर निर्ममता से घात लगाकर हमला किया था। आमतौर पर इस तरह के ऑपरेशन के दौरान मारे गए उग्रवादी का शव बरामद नहीं होता है, लेकिन, केवल उपर्युक्त पुलिस कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित साहस और सामरिक नेतृत्व के कारण, यह एक दुर्लभ मौका मिला कि जब न केवल एक उग्रवादी का शव, बल्कि कई हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

ऑपरेशन के बाद, स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में जल्दी सूची बनाई गई और दिनांक 13.01.2019 को शिकारीपारा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 307 और 353, आयुध अधिनियम की धारा 25(1-ए), 27/35, सीएलए अधिनियम की धारा 17 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16/17 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 06/2019 दर्ज की गई।

सिपाही (जीडी) अरूण कुमार, 35वीं बटालियन ने करीबी लड़ाई वाले अत्यंत जोखिम भरे ऑपरेशन में अनुकरणीय वीरता, सूझ-बूझ, नेतृत्व के गुणों और बहुत कम बल के साथ रणनीति को नियोजित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी साहसी उपलब्धि ने विशेष बलों (एसएफ) के मनोबल को अत्यधिक ऊपर उठाने वाला प्रभाव डाला और उग्रवादियों के मनोबल को बुरी तरह तोड़ कर रख दिया।

इस ऑपरेशन में, श्री अरूण कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/84/49/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

सं. 402-प्रेज/2022—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक(पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्वर्गीय अमल सरकार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2	सत्य नारायण यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मनीष कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	महेन्द्र यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	विश्वजीत राँय	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मानस आरक्षित वन के सामान्य क्षेत्र में कुमारशाली बीओपी के उत्तर में एनडीएफबी (एस) कैडर के बिदाई और बाथा समूहों की मौजूदगी के बारे में एक खुफिया सूचना के आधार पर, दिनांक 08.05.2017 को दोपहर 1500 बजे 7वीं सिख-लाई आर्मी यूनिट काजलगांव में एक ऑपरेशनल बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय पुलिस, एसएसबी और सेना द्वारा संयुक्त ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन योजना के अनुसार, उजाला होने से पहले ही ऑपरेशन शुरू करने के लिए दिनांक 09.05.2017 को क्रमशः 0100 बजे और 0200 बजे 15वीं बटालियन के बीओपी कुमारशाली और बीओपी धौला में सेना और पुलिस की ऑपरेशनल टीम को केंद्रित करके दो अलग-अलग स्थानों अर्थात् बीओपी कुमारशाली और बीओपी धौला क्षेत्र से संयुक्त ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। ऑपरेशनल बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बीओपी कुमारशाली के एसएसबी कार्मिक और चिरांग की स्थानीय पुलिस बीओपी कुमारशाली के उत्तरी हिस्से से कुकुलंग नाला के तिराहे तक उजाला होने से पहले रोक (स्टाप्स) लगाएंगे और बीओपी धौला के एसएसबी कार्मिक, 7वीं सिख-लाई के सैनिक और चिरांग की स्थानीय पुलिस अगुंग नाला के पूर्व से पश्चिम हिस्से की घेराबंदी और तलाशी का ऑपरेशन चलाएंगे। योजना के अनुसार और उपयुक्त जानकारी दिए जाने के बाद, सैनिकों को निर्धारित स्थानों पर तैनात कर दिया गया, जिसमें एसएसबी के एसटीओपी (स्टॉप) दल की टीम का नेतृत्व ई बिक्रमजीत सिंह, एसी कर रहे थे, जिसमें एसओ-03 और ओआरएस-18, स्थानीय पुलिस और सेना शामिल थे। दिनांक 09.05.2017 को लगभग 0100 बजे से 0230 बजे तक एसी एसएसबी ने जानकारी दी और पांच स्टॉप पार्टियां गठित कीं।

दिनांक 09.05.2017 को लगभग 1440 बजे, अचानक से सिविल ट्रेस में 3-4 हथियारबंद उग्रवादी जंगल से वन बीट लाइन क्षेत्र में बाहर निकले, जहां वे उप निरीक्षक (जीडी) अमल सरकार के नेतृत्व वाले दूसरे स्टॉप दल की नजरों के सामने आ गए। सुरक्षा बल की मौजूदगी को देखकर उग्रवादियों ने इस दूसरे स्टॉप दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दूसरे स्टॉप दल ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। एक-दूसरे पर गोलीबारी लगभग 15 मिनट तक चली। एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान दूसरे स्टॉप दल का नेतृत्व कर रहे उप-निरीक्षक अमल सरकार को दाहिने पैर और छाती में गोली लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उप निरीक्षक अमल सरकार ने अपने जीवन की परवाह किए बिना गोलीबारी जारी रखी और एनडीएफबी(एस) के उग्रवादी को गोली से मार गिराया, जिसकी पहचान एनडीएफबी(एस) की 14वीं बटालियन के कमांडर बीरबल इस्लेरी के रूप में हुई। उक्त ऑपरेशन में 5.56 इंसाम राइफल-01 (एक), मैगजीन-01 (एक), राउंड-03 (तीन) भी बरामद किए गए। उप निरीक्षक अमल सरकार ने अपनी एआर-41 राइफल से 35 राउंड दागे। दूसरे स्टॉप दल में 04 (चार) सिपाहियों, अर्थात् सिपाही (जीडी) सत्य नारायण यादव, सिपाही (जीडी) मनीष कुमार, सिपाही (जीडी) महेन्द्र यादव, सिपाही (जीडी) विश्वजीत राय ने भी बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी और उग्रवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी का बराबर जवाब दिया। जब उन्हें उप निरीक्षक अमल सरकार को गोली से चोट लग जाने के बारे में पता चला, तो वे तुरंत घने जंगल में रेंगते हुए उनके पास पहुंचे और आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना उन्हें बाहर निकाला और इस तरह उन्होंने सर्वोच्च दर्जे की वीरता का परिचय दिया। आपसी गोलीबारी में, उन्होंने दो अन्य उग्रवादियों को भी गोली मारी, जो घने जंगल का फायदा उठाकर किसी तरह भागने में सफल हो गए।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री स्वर्गीय अमल सरकार, उप निरीक्षक, सत्य नारायण यादव, सिपाही, मनीष कुमार, सिपाही, महेन्द्र यादव, सिपाही और विश्वजीत राय, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/05/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं.-11020/1148/49/2022-पीएमए)

एस. एम. समी  
अवर सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the, 15th August 2022.

No. 311-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Andhra Pradesh :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mandla Hari Kumar	Assistant Assault Commander	PMG
2	Murrey Surya Teja	Junior Commando	1st BAR TO PMG
3	Puvvala Satishu	Junior Commando	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

In the aftermath of assassination of MLA Araku and an ex MLAbY CPI Maoists on 23 Sep 18 in Vizag Rural Distt., Greyhounds launched extensive operations with multiple Assault Units in both Malkangiri and Koraput Distts.

On 10 Oct 18, on receipt of intelligence, pertaining to Maoist movement in the cut off area in Distt Malkangiri, a Joint Special Op was launched, comprising 6 Greyhounds Assault Units and 2 teams of SOG Odisha. The aforementioned teams navigated, in pitch darkness, over 17 km. towards the target area, cross country, across tough hilly terrain, dense vegetation and over flowing water bodies.

On 11 Oct 18, a group of Maoists managed to evade our personnel and escaped, on boats, from Dhakarhapadar and Jantri villages, southwards. 5B

Assault Unit was, therefore, diverted towards Andrapalli forest and reinforcements were dispatched, for deep insertion, from a forward base.

5B Assault Unit, under the able leadership of DAC Sh G CH L Naidu, acted swiftly. He reorganized his team from an ongoing operation, in another location. The unit quickly moved, maintaining surprise and speed, from the previous op site, cross country in pitch darkness, despite risk of landmines/boby traps. On reaching the target area, post midnight, DAC Sh G CH L Naidu, quickly appreciated the situation and made necessary changes in his plan and divided the unit into 4 sub teams, for combing.

On 12 Oct 18, around 0610 h, a sub unit comprising of Assistant Assault Commander M Hari Kumar; Junior Commandos M Surya Teja and P Satishu, besides two Odisha SOG personnel, Commando/228 Kumar Karmi and Commando/586 Pitabasa Pande, heard some suspicious sounds and immediately launched an assault. They spotted a woman Maoist, wearing olive green uniform, and carrying a weapon in the thick foliage. Meanwhile, the Maoists observing the advance of our personnel, opened heavy fire, which was retaliated. The Maoists, however, had the advantage as they were at a dominating position, on the hill.

The above personnel, charged uphill, without being deterred, despite heavy odds and fusillade of bullets, forcing the enemy to break contact, leaving behind the dead body of a female cadre, who was later identified as Meena, DCM. W/o Gajarla Ravi @ Udav. Secretary of AOBSCZC. A 9 mm carbine and 5 kit bags were recovered from the scene.

It is pertinent to mention that Meena, DCM, was carrying a reward of Rs 8 lakhs, and was known for her ferocity and brutality. She was involved in over 50 offences and had also participated in the assassination of the two politicians.

In this operation, S/Shri Mandla Hari Kumar, Assistant Assault Commander, Murrey Surya Teja, Junior Commando and Puvvala Satishu, Junior Commando displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/10/2018.

(File No-11020/11/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 312-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Assam :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	John Das	Sub Divisional Police Officer	PMG
2	Jitumoni Deka	Sub-Inspector	PMG

3	Bitupan Chutia	Sub-Inspector	PMG
4	Achyut Nath	Sub-Inspector	PMG
5	Sambhu Ronghang	Lance Naik	PMG
6	Hondor Sing Tokbi	Constable	PMG
7	Greatson Marak	Constable	1st BAR TO PMG
8	Sambor Rongpi	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19<sup>th</sup> June, 2021 at about 9.30 pm, an information was received that Kuki-extremist group namely UPRF (M) came to Jawllian Village in Singhasan Hills under Manja PS and extorting money from the villagers as well as physically torturing them by creating havoc in Jawllian village. After receiving the information, Police party launched an operation under the leadership of Shri John Das, APS, SDPO, Bokajan and at about 11pm, the operation team including SI(UB) Jitumoni Deka, SI(UB) Bitupan Chutia, SI(UB) Achyut Nath, LNK Sambhu Ronghang, CT Hondor Sing Tokbi, CT Greatson Marak and CT Sambor Rongpi marched towards Jawllian village by foot. After tactical movement of 4/5 hrs. distancing through Jungle path, where there was every possibility of ambush by the extremist group, the party reached the general area of Jawllian in the early morning and laid ambush there. On 20<sup>th</sup> June at about 11 am, the ambush party noticed the UPRF (M) group with sophisticated weapons and challenged them for verification. Then the extremist group started indiscriminate firing upon the ambuss party with the intention to kill. In self-defence, the ambush party retaliated with controlled fire and firing and counter firing lasted at about 25 minutes. After some time, the ambush party searched the whole area and during search operation two bullet ridden UPRF (M) Cadre's body was recovered and two AK-56 series rifles with two magazines, 28 rounds of AK live ammns., empty cartridges, one mobile handset and one magazine post were recovered

In this operation, S/Shri John Das, Sub Divisional Police Officer, Jitumoni Deka, Sub-Inspector, Bitupan Chutia, Sub-Inspector, Achyut Nath, Sub-Inspector, Sambhu Ronghang, Lance Naik, Hondor Singh Tokbi, Constable, Greatson Marak, Constable and Sambor Rongpi Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/06/2021.

(File No-11020/1180/03/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 313-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Bihar:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Vikash Kumar	Sub-Inspector	PMG
2	Baijnath Kumar	Sub-Inspector	2nd BAR TO PMG
3	Santosh Kumar Singh	Sub-Inspector	2nd BAR TO PMG
4	Anjan Kumar	Junior Commando	PMG
5	Bimlesh Kumar	Junior Commando	PMG
6	Rajesh Kumar	Junior Commando	PMG
7	Indradev Kumar	Junior Commando	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Under the leadership of SI Vikash Kumar a team of STF Officers including SIs Santosh Kumar Singh and Baijnath Kumar along with junior commandos, was assigned the task to nab Dinesh Muni, an extremely violent and tough perpetrator, active particularly in Khagaria, Madhepura and Naugachhia districts of Bihar, executor of several heinous criminal acts like murder, dacoity, kidnapping and extortion of levy. In an encounter with a police party in October 2018, nourishing no respect for the Police or administration, he as a reckless killer, shot Ashish kumar Singh Sub Inspector of Police, SHO, Pasraha P.S. (Khagaria distt.) who died instantly, and injured a constable seriously. He was carrying a reward of Rs. 50,000 declared by Govt. of Bihar. Multiple numbers of criminal cases were registered in different police stations of Khagaria, Madhepura and Naugachhia districts against him.

In the late night of 03.06.2020, the police team was tipped of about Dinesh Muni's presence with his gang in field of Jamuniyat Dhar in Narayanpur Diara. Under intimation to Addl. DG Operation, SP Naugachhia, SDPO Naugachhia and SHO Bhawanipur OP, the police team of STF at about 11.30 PM proceeded to the targeted place. Leaving the Govt. vehicle in Madhurapur, the team maintaining secrecy of their movement, covered a long and tough distance on foot and neared the hideout of criminals at about 01.00 AM in the night. As they were hardly 45-50 feet short of their target, they came under intense firing of criminals who somehow got the sniff of their presence. This unforeseen attack forced the police teams of STF into the defensive. Planning next course of action to corner them and raid their hideout. SI Vikash Kumar with SI Santosh Kumar Singh, JC Bimlesh Kumar and JC Rajesh Kumar moved from northern side and signaled SI Bajinath Kumar to advance ahead from southern side along with JCANjan Kumar and JC Indradev Kumar. Crawling on in an extended line to get access to the criminals, the police teams asked them repeatedly to stop firing and surrender but every warning was replied with accelerated shots of firing. The teams were entrapped in indiscriminate firing threatening heavy loss of lives of police personnel and Govt. arms and ammunitions. Despite this, they continued to advance forward and reached closer in order to nab criminals with their arms, ignoring the fact that the bullets coming from the violent attackers might hit them. The criminals, sensing that they are being cornered, extended their attack to the full throttle. Conceiving the enormity of prevailing situation, police teams of STF, under a well thought out strategy, charged at them with aimed and controlled firing. The exchange of firing continued for about 25 minutes. The retaliatory action by the police teams sent the aggressors in a tizzy. They could not hold together and two of them launching heavy firing on police cordon, got away from their positions in two different directions. SI Bajinath Kumar with his colleagues, ran in hot pursuit of the criminals fleeing in south direction and SI Vikash Kumar with SI Santosh Kumar Singh and JCs chased rigorously the criminal fleeing in south east direction. Despite their determined attempts, the fleeing criminals managed to escape taking advantage of dark night and dense maize crops.

During search, a criminal was found shot dead. A carbine was lying beside his dead body, loaded with one 9 MM live cartridge in its chamber and 3(three) live cartridges of 9MM in its magazine. The deceased was identified as Dinesh Muni, a dreaded terror of NorthBihar. To the west of the dead body of Dinesh Muni, 13 live cartridges of 12 bore were recovered in a plastic bag. With his death people have heaved a sigh of relief and peace and normalcy has been restored in terror and violence ridden areas of Khagaria, Naugachia and Madhepura districts.

One 12 bore regular double barrel gun was found in the east direction of maize field loaded with one 12 bore empty cartridge of fired LG in its right barrel and one live cartridge of LG 12 bore in left barrel. 5(five) empty cartridges were found nearby.

During this 30 minutes long encounter, the nominees risking their lives displayed utmost courage, unfettered devotion to duty, extreme patience and conviction while facing turbulent unyielding gangsters. Though under continuous firing of criminals, they focused through resolute approach towards the assigned task with all the tactics and mutual coordination, remaining unnerved by the enormity of the situation and performed the task gallantly. This operation led to injury of SI Vikash Kumar, SI Bajinath Kumar, SI Santosh Kumar Singh and JC Bimlesh Kumar, but following the plan strictly took positive course of action targeting their arrest despite all odds like inadequate force, without backup and poor light, resulting in the death of very tough, unyielding and diabolic crime thriller, Dinesh Muni, and recovery of sophisticated weapons.

In this operation, S/Shri Vikash Kumar, Sub-Inspector, Bajinath Kumar, Sub-Inspector, Santosh Kumar Singh, Sub-Inspector, Anjan Kumar, Junior Commando, Bimlesh Kumar, Junior Commando, Rajesh Kumar, Junior Commando and Indradev Kumar Junior Commando displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/06/2020.

(File No-11020/212/2021-PMA-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 314-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously)/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Malik Ram	Inspector	2nd BAR TO PMG
2	Alrik Lakra	Sub-Inspector	PMG
3	Mahendra Potai	Sub-Inspector	PMG

4	Sukku Ram Nag	Head Constable	PMG
5	Late Jailal Uikey	Head Constable	PMG (Posthu)
6	Late Kaner Usendi	Constable	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21.08.2019, the DRG moved for area domination and patrolling in Kasturmeta, Okpaad, Mohandi, Kutul and Gumarka. The Police party reached village Gumarka in the morning of 24.08.2019, where about 60-70 armed naxals in uniform as well as civil dress opened sudden and indiscriminate firing with the intention to kill police personnel and looting weapons. The Police party immediately took cover and warned the naxals to surrender but the naxals continued firing, after which the police party also retaliated in self-defence. Being over whelmed, naxals fled away from the place of encounter towards dense forests and hillocks. After search of the area, police party found dead bodies of 05 armed naxal (including 04 in uniform and 01 in civil dress). In the fierce gun battle, Head Constable Jailal Uikey and Constable Kaner Usendi displayed extraordinary commitment to the service and valour beyond the call of duty and sacrificed their lives.

Police party also seized 01 No. 9 mm Carbine Machine Gun, 03 Nos. 12 Bore Rifles, 01 No. 7.65mm Country Made Pistol, 03 Nos. Country Made Hand-Grenades, ammunitions and other items from the site.

This success was possible due to bravery, valour and Supreme Sacrifice of Head Constable Jailal Uikey and Constable Shri Kaner Usendi and the leadership, personal bravery and gallant action of Inspector Shri Malik Ram, Sub Inspector Shri Mahendra Potai, Sub Inspector Shri Alrik Lakra and Head Constable Sukku Ram Nag.

In this operation, S/Shri Malik Ram, Inspector, Alrik Lakra, Sub-Inspector, Mahendra Potai, Sub-Inspector, Sukku Ram Nag, Head Constable, Late Jailal Uikey, Head Constable and Late Kaner Usendi, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/08/2019.

(File No-11020/02/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 315-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Shri Shyam Kishor Sharma	Sub-Inspector	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.05.2020 evening, a specific input was received from a reliable source regarding presence of armed, uniformed and dreaded CPI-Maoist cadres (08-10) in a house located near the pond of village Pardoni, PS Manpur, district Rajnandgaon. On this specific tip-off, a search operation was planned immediately in the village Pardoni and nearby jungle area. As the area is known for its notorious Maoist network, presence of sympathizers and the challenging terrain, the police party was split into three teams to nab the naxals. The party under the leadership of Sub-Inspector Shyam Kishor Sharma, SHO PS-Madanwada along with SI Praveen Kumar Dwivedi SHO Kohka, Distt Rajnandgaon and police personnels of PS Khoka, PS Madanwada & PS Manpur rushed to the village immediately at around 1930 hrs and placed cordon around the village Pardoni. At around 2030 hrs, other teams reached the village and search operation was launched. When the party under the leadership of Sub Inspector Shyam Kishor Sharma approached at one particular house, where the Maoists were supposed to be holed up, the Maoists opened indiscriminate firing with automatic weapons on the police team. The party led by Sub Inspector Shyam Kishor Sharma immediately retaliated and charged ahead. In spite of heavy fire from the naxals, he advanced fearlessly along with his fellow police force. Showing exemplary courage with utter disregard to his personal safety, he approached the house and gunned down two dreaded Maoists who were later identified as Ashok alias Renu Hurra, DVCM of Rajnandgaon Kanker Border Division Committee, and Krishnaa Nureti, ACM, Mohla-Aundhi Joint Area Committee. The exchange of firing continued for more than 25 minutes during which the Maoists dispersed and tried to flee to the nearby jungle. Two more Maoists were gunned down by the covering parties who were later identified as Sabita and Parmila, members of Mohla-Aundhi joint LOS. A huge cache of arms, ammunitions and other logistics were recovered from the party which include : AK-47 rifle-01 (with mag-02, with 25 live Rds), 7.62 SL Rifle-01 (with mag-01 with 23 live Rds), 315 Single Shot Gun-02 with 08 live Rds, 07 live Rds of 09 mm Pistol and other equipments.

Unfortunately, in this heavy gun fight Sub-Inspector Shyam Kishor Sharma who was leading from the front received bullet injuries and got martyred. He displayed extraordinary courage, enthusiasm and bravery in facing the Maoists. He



fought fearlessly in face of grave threat to his life. His personal bravery and leadership in face of danger motivated others and resulted in a huge success for the police.

In this operation, Late Shri Shyam Kishor Sharma, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/05/2020.

(File No-11020/03/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 316-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Dr. Abhishek Pallava, IPS	Superintendent of Police	PMG
2	Ramawtar Patel	Assistant Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07<sup>th</sup> May 2019, a specific intelligence input was received by Dr. Abhishek Pallava, Superintendent of Police, Dantewada through his informers regarding presence of 40-50 armed Maoists (including senior Maoists Shyam alias Chaitu, SZCM, Vinod, DVCM and others) of Malangir area committee of Darbha Division and Kerlapal area committee of CPI (Maoists).

A detailed operational plan was made and joint parties of DRG (Strength 190) and STF (Strength 52) was launched at 1705 hours. Next morning, when the police parties reached between forests of Pujaripal and Gonderas, Maoists who were sitting in ambush, started firing indiscriminately on the police forces. DRG group-I which came in immediate firing retaliated strongly and other DRG/STF groups started cordoning and started firing in self defence.

ASI Ramawtar Patel from DRG-01 fought fiercely. He showed great leadership skills and guided his team. He informed Superintendent of Police Dr. Abhishek Pallava, through mobile who was stationed with reinforcement at Police Station Arampur. Superintendent of Police Dr. Abhishek Pallava came with reinforcement at encounter site within 30 minutes.

Exchange of firing continued for about 3 hours. Timely reinforcement forced naxals to flee from the encounter site taking cover of forests and mountain. Detailed search of the encounter site was conducted. One dead body of female Maoists was recovered which was later identified as Radha Rengo D/o Late Lakshmu, age 24 years, Vill. Dalla, PS Basaguda Distt. Bijapur Kerlapal LOS commander and Kerlapal area committee member, One Insas rifle along with magazine (08 Nos of live rounds) was found near the body of killed naxalite.

This action could not have been successful without Dr. Abhishek Pallava, SP Dantewada and Assistant Sub Inspector Ramawtar Patel. Their exemplary courage, bravery and gallant action without caring for their life in service of the nation resulted in success to the police.

In this operation, S/Shri Dr. Abhishek Pallava, IPS, Superintendent of Police and Ramawtar Patel, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/05/2019.

(File No-11020/1176/05/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 317-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Dileshwar Kumar Sonwani	Platoon Commander	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.07.2019, a search operation was launched by STF to apprehend active Satyam Gawade Mainpur Nuapada Joint Division Command in Chief along with 08-10 Naxalites in the middle jungle hill between Village Sandbahara and Madagiri under District Dhamtari area. A search party from STF Team No. 01 under the leadership of the Platoon Commander Shri Dileshwar Sonwani including 01 APC, 02 HC, 34 Constable and STF Team No. 02 under the leadership of the Platoon Commander Shri Vinod Ram including 07 HC, 35 Constable moved at 21.05 hrs from STF Baghera, Durg.

On 06.07.2019 from 06.00 hrs, STF Team searched between Village Sandbahar and Madagiri. Suddenly, armed Maoists cadres opened indiscriminate firing upon the security personnel with weapons. The banned armed Maoists cadres intended to harm the security personnel and loot their weapons. PC Dileshwar Kumar Sonwani instructed his team to take a position with the available cover in the forest. Later, he disclosed his identity to the Maoist cadres, who were continually firing upon the team and asked them to surrender. Left with no other option, the commander asked his team to open firing in self-defence and tactically advance towards the armed Maoists cadres to apprehend them. When the firing stopped, the police party searched the area thoroughly and found four dead bodies of Naxals and recovered 01 No. 303 rifle with Magazine, 05 Nos. round., 03 Nos. 315 Bore rifle, 02 Nos. 12 Bore rifle, 30 Nos. Round, 01 No. Desi Katta with 15 Rounds and daily usable items.

In this operation, Shri Dileshwar Kumar Sonwani, Platoon Commander displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/07/2019.

(File No-11020/1207/05/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 318-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Hajaree Lal Mourya	Assistant Sub-Inspector	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10th July 2019, an intelligence input was received from informers by SP Dantewada regarding presence of 20-25 armed Maoists of Katekalyan area committee of CPI(Maoists) which included hardcore Maoists Jagdish (DVCM), Mangu (ACM), Kamlesh (ACM), Hurra (ACM) in the adjoining villages of team and Mesdabba. A detailed operational plan was made and DRG parties (Strength 79) was launched at 5.40 pm. On 11.07.2019 after intensive patrolling and searching of hill and forest area of Koleng Dabba and Pedde Dabba, LUP was taken in Pedde Dabba hill. When the police parties reached between forests of Telam and Mesdabba, Maoists who were sitting in ambush started firing indiscriminately on the police forces. DRG troops divided themselves into groups of 40 each and responded strongly. When firing stopped detailed search of the encounter area was conducted in which one male dead body was recovered who was identified later on identified as Section commander of Platoon no. 24 of Darbha Division Madkam Hurra S/o Sannu Madkam alias Musa. An original 9 mm weapon looted from 111 IBn. CRPF on 04.09.2015 at Palnar market was recovered. The role of Asstt. Sub Inspector Hajaree Lal Mourya was crucial in security forces getting success. This operational success in den of Maoists gave naxalites a set back and helped police gain strong foothold in the area.

This action could not have been possible without the role of Asstt. Sub Inspector Hajaree Lal Mourya. The exemplary courage, bravery and gallant action without caring for his life, in service of the nation led to the success of the police.

In this operation, Shri Hajaree Lal Mourya, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/07/2019.

(File No-11020/1210/05/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 319-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sukku Ram Nureti	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
2	Balram Usendi	Sub-Inspector	PMG
3	Rajkumar Salam	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

It was the month of September of year 2018, when intelligence inputs were received from Local informer on date 02.09.2018 morning about presence of Maoist and they are planning to attack security forces and loot their weapons to spread terror and obstruct road construction works in nearby area. After confirmation of the information, one DRG party group of fifty police personnel lead by Sub Inspector Akash Masih and Sub Inspector Sukku Ram Nureti was sent to the place where armed Maoist were gathered by Motor Cycle with sufficient arms, ammunition, communication equipments and other essential material. When police party reached karel ghati, they contacted the local informer and cleared the place where armed Maoist were gathered and started searching and cordoning the area. While going through the forest, moving forward towards takari in east direction of gram Gumiyabeda Kohkapara. Maoist who were hiding in ambush there, opened indiscriminate firing over police parties using automatic weapons with intention to kill police personnel and loot their weapons.

After taking positions, police party warned Naxals to stop firing and surrender themselves before the police party repeatedly, but they ignored and continued firing. Then, police party with no option left to save their lives and weapons, opened retaliatory firing in self defence. Sub Inspector Sukku Ram Nureti, Sub Inspector Balram Usendi and Head Constable Rajkumar Salam also started firing and moved tactically towards Naxal ambush with their teams. Putting their own life at risk, displayed exemplary courage while guiding their teams. They with their gallant actions, not only encouraged and motivated their team members, but also gave befitting reply to Naxals' firings. With increased pressures and immediate counter-actions, the Naxals fled away from the spot taking cover of dense forest and nearby hillock.

The firing between police and armed Maoists lasted around one hour. When the firing stopped, the police party searched the area. During, DRG parties found four unidentified dead bodies of Maoists including one female Maoist with a 303 rifle magazine, 12 bore rifle and 01 no of 12 bore rifle.

Sub Inspector Sukku Ram Nureti, Sub Inspector Balram Usendi and Head Constable Rajkumar Salam, three of them have participated in many Anti-Maoists operations. They became instrumental in bringing peace in the district by their efforts. They have played important role in neutralizing, surrenders and arrests of many important Maoists cadres.

A part from it police party found 26 alive round 01 empty, 30 rounds of 12 bore gun 04 piece Pitthu Beg. 01 Nos Cooker Bomb. 01 Nos IED Switch, 04 Nos Electronic Detonator, Naxal Literature's from incident spot. The party took possession of all the items and made proper seizure.

In the odd geographical situation of dense forest and hillock where Naxals were firing taking cover, this encounter turned out to be a major success for Narayanpur police in efforts to control the Naxal threat in that area of Maad Division of Maoists. In the life threatening situations of the encounter, Sub Inspector Sukku Nureti, Sub Inspector Balram Usendi and Head Constable Raj Kumar Salam displayed remarkable leadership quality and made the teams work in mutual coordination and neutralized four dreaded Maoist cadres along with huge recoveries. This success instilled confidence and courage in all the teams, freed the region from the sense of insecurity.

In this operation, S/Shri Sukku Ram Nureti, Sub-Inspector, Balram Usendi, Sub-Inspector and Rajkumar Salam, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/09/2018.

(File No-11020/1211/05/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 320-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh: —

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Harishankar Pratap Singh Kanwar	Inspector	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On January 14, 2018, an input was received regarding about 50-60 armed and uniformed Maoist cadres are present at village Jhilmili, PS Bakarkatta, district Rajnandgaon. Inspector Harishankar Pratap Singh Kanwar, Incharge SIB Rajnandgaon shared this concrete information with SP, SIB, PHQ Raipur and SP Rajnandgaon. Inspector Harishankar Pratap Singh Kanwar provided credible information pertaining to the movement and presence of Maoist Cadres that helped in planning of operation. The information was corroborated and a multiparty operation was planned by SHO Bakarkatta Inspector Abdul Sameer, SHO Gatapar Inspector Laxman Kewat, SHO Salhevara Sub Inspector Anil Sharma and Inspector Kanwar with ITBP and STF Officers, under overall guidance and coordination of SP Rajnandgaon.

Two operation parties were formed. Party number 1 consisted of DEF-11, STF-45 and ITBP-50 ie. Total 106 personal led by Inspector Abdul Sameer. Party number 2 consisted of DEF-33, STF-43 ie. Total 76 Personal led by Inspector Laxman Kewat and Inspector Harishankar Kanwar. Operation parties started off from their respective bases before daybreak to approach towards target from opposite directions. At around 0815 hours, exchange of firing took place with party no. 01. Some Maoists were reportedly injured but they managed to run away, party no. 02 got alerted. Inspector Kewat and Inspector Harishankar Kanwar discussed among themselves and then planned to divide their parties into three segments to prevent the Maoists from escaping. Party A led by Inspector Kewat, Party B led by Sub Inspector Anil Sharma and Party C led by Inspector Harishankar Kanwar started to move in extended line formation. With great sense of strategy and tactics in anti-naxal operation, both Inspector of party no. 2 started moving their parties carefully towards probable target area which Maoists may go to. Since Maoists had faced exchange of firing, they were also moving with extreme caution. However, at around 1000 hrs, exchange of firing took place with party no. 02. Since Maoist were coming from a height, they were at a domination position. Party A led by Inspector Kewat and Party C led by Inspector Harishankar Kanwar decided to approach Maoists from left and right while Party B kept engaged them in firing. Taking extreme risks, both these commanders led their parties and kept approaching Maoists using firing and move tactics. Naxals started firing indiscriminately but with dominating stance of police parties led by Inspector Kanwar and Kewat, Maoist had to back out. During this exchange of firing, Kewat and Kanwar showed exemplary command, control, courage and sense of duty. After exchange of firing, on searching, dead body of one uniformed Maoist was found alongwith one pistol, one 315 bore rifle, electronic items, daily use items. Maoist literature etc. The dead body of the aforesaid Maoist cadre was later identified as that of Gundadhur @Raju r/o Katekalayan area of District Dantewada and Section Dy. Commander of Vistar Platoon No. 03 of GRB Division who was carrying a bounty of RS 3,00,000/-.

Throughout the operation Inspector Harishankar Pratap Singh Kanwar kept the morale of his party high by continuous motivation and inspiration to make the operation successful despite adverse conditions and that too without causing any harm to the party. The whole act from beginning to the end was an example of perfect execution of tactics and courage.

In this operation, Shri Harishankar Pratap Singh Kanwar, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/01/2018.

(File No-11020/89/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 321-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Police Personnel of Delhi:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Late Shri Anand Singh	Constable	PMG (Posthu)

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On the night of 19.08.2016, a PCR call vide DD No. 75-B Police Station S.B. Dairy regarding quarrel at Sec. 5, DSIIDC, Bawana near Samosa Chowk was received and entrusted to HC Satya Narain, 509/OD for necessary action. He reached the spot and found that Const. Anand Singh, No. 1641/OD posted at PP Metro Vihar, PS S.B. Dairy was shot dead. The facts were lodged vide DD No. 34-A dated 19.08.2016 PS S.B. Dairy. On receipt of information, Inspr. Ashok Sharma, SHO/S.B. Dairy alongwith staff rushed to the spot and while he was on the way, was informed that the deceased Const. was taken to M.V. Hospital, Pooth Khurd, Delhi where Const. Anand Singh, No. 1641/OD was declared dead. On inspecting the body of the deceased Const, there was a gunshot injury on the right side of his chest. Accordingly, the crime team was called to the hospital and the team inspected and took photograph of the dead body. The dead body was later on shifted to Dr. B.S.A. hospital mortuary.

Thereafter, the statement of an eye witness namely Meena w/o Golta R/o H. No. 819, Holambi Khurd, Metro Vihar, Delhi was recorded wherein she stated that she runs an egg rehri at F & G Block Chowk, Sec. 5, DSIIDC, Bawana. On 19.08.2016 at about 9:00/9:15 pm, three boys came on a Motorcycle and parked their Motorcycle at some distance. All of them came to her and one out of them pointed a pistol at her and asked her to handover what she had. They robbed Rs. 2500/- and one mobile phone of Samsung from her. One public person namely Mitthu who was her customer saw the whole incident and he raised alarm. In the meantime, Constable Anand Singh, No. 1641/OD who had been deputed to deliver official dak and had to perform night picket duty after delivering the same, reached the spot and after considering the situation, he caught two robbers of which one was with a pistol were caught. One robber having pistol in his hand was able to free himself from the clutches of Const. Anand Singh and fired a shot in the air. He threatened Const. Anand Singh to leave his associates. On firing, Mitthu got scared and released the robber caught by him and in this way both the robber managed to release their associate from Const. Anand Singh and ran away towards their Motorcycle.

Const. Anand Singh without caring of his life, chased them on which one of the robber fired on Const. Anand Singh due to which he sustained gunshot injury and collapsed on the spot. In this regard a case FIR No. 630/16 dated 20.08.2016 u/s 302/392/394/397/34 IPC and 25/27 Arms Act PS S.B. Dairy has been registered.

In this operation, Late Shri Anand Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/08/2016.

(File No-11020/116/2017-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 322-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Hilal Khaliq Bhat	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Farooq Ahmad Mantoo	Assistant Sub-Inspector	3rd BAR TO PMG
3	Chail Singh	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.07.2018, a specific information was received by Police Kulgam regarding presence of a group of terrorists in village Khudwani, a joint strategy was chalked out by Kulgam Police with 1st RR and CRPF 18th Bn. The team was laid the initial cordon of Village Khudwani, Kulgam by district Police Kulgam headed by SSP Kulgam alongwith Addl. SP Kulgam Shri Ajaz Zargar, DySP (Ops) Kulgam Sh. Hilal Khaliq Bhat with Police Component Kulgam/Manzgam alongwith SI Shrawan Rana, ASI Farooq Ahmad Mantoo, HC Chail Singh, SgCt Bashir Ahmed, SgCt Fayaz Ahmed, SgCt Sabzar Ahmed, SgCt Qayoom Hussain Shah, SgCt Nazir Ahmed, SgCt Raman Kumar, Ct. Altaf Ahmad Khan, Ct. Zafer Iqbal, Ct. Mudassir Hussain, SPO Saliq Ahmad, SPO Mohd Ashraf Ganie, SPO Nazir Ahmad, SPO Peer Arshad Hussain, SPO Abdul Majeed Khan, SPO Reyaz Ahmad Najar, SPO Mohammad Iqbal Chechi, SPO Imtiyaz Ahmad Padder, SPO Raman Kumar, SPO Muzaffar Ahmad Wani, SPO Ladi Singh and SPO Rafiq Mohd Dar and officers/troops of 1 RR & CRPF 18th Bn. The officers ensured the strengthening of cordon and plugged the all escape routes. Initial efforts were made to evacuate the civilians and message was passed to terrorists hiding in the house of Lateef Ahmad Wani S/o Ali Mohd Wani R/o Wani Mohalla Khudwani through village elders and public address system to surrender. The terrorists hidden tried to flee and started indiscriminate firing upon police/army personnel with the intention to kill them. The officers alongwith other parties engaged in cordon maintained their presence of mind and did not allow terrorists to flee away and engaged them in battle. Accordingly, cordon was expanded and strengthened further to deny the terrorist any chance to escape. The area, being congested, was properly sealed and in the first instance, all the civilians residing in adjoining areas were evacuated and shifted to safer places to avoid civil casualties. These terrorists were highly motivated and trained in battle craft and managed to give slip to the security forces in many operations before. Sh Hilal Khaliq Bhat-JKPS alongwith his buddies ASI Farooq Ahmad Mantoo and HC Chail Singh took lead and fought with terrorists and engaged them in gun battle without caring for their personal safety/security and did not give terrorists a chance to harm any civilian or security personnel. The brave officer and his buddies showed extra ordinary presence of mind, excellent operational skills and abilities to fight against the menace of terror in a professional manner and eliminated the terrorists namely Suhail Ahmad Dar S/o Bashir Ahmad Dar R/o Redwani Bala, Abu Mawiya Foreigner and Mudassir Ahmad Dar S/o Ab. Salam Dar R/o Herpora Shalipora

Kulgam without collateral damage and loss of civil life. Moreover, during the successful operation, huge quantity of arms and ammunition were recovered from the possession of the slain terrorists and case FIR No. 43/2018 U/S, 307/RPC, 7/27/Arms Act stands registered in P/S Qaimoh.

In this operation, S/Shri Hilal Khaliq Bhat, Deputy Superintendent of Police, Farooq Ahmad Mantoo, Assistant Sub-Inspector and Chail Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/07/2018.

(File No-11020/122/2019-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 323-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/3rd Bar to Police Medal for Gallantry/4th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Atul Kumar Goel, IPS	Deputy Inspector General	4th BAR TO PMG
2	Sanjeev Dev Singh	Sub-Inspector	3rd BAR TO PMG
3	Gh. Jeelani Kataria	SgCT	PMG
4	Gulzar Ahmad Sheikh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.01.2020, Police Station Tral received a specific information regarding presence of terrorists in village Gulshanpora (Gujjarbasti Nagbal) Tral. Accordingly, operation was planned and cordon was established around the said area with the assistance of 42 RR and 180 Bn CRPF. Immediately, a joint search party was constituted comprising Shri Atul Kumar Goel-IPS, DIG SKR Anantnag, Shri Tahir Saleem-JKPSSSP Awantipora, Sh. Rashd Akbar-SDPO Awantipora, Shri Aijaz Ahmed, JKPS Dy.SP PC Tral, Insp. Peer Gulzar-SHO P/S Tral, SI Sanjeev Dev Singh, SOG Tral, SgCt Nisar Ahmad, SgCt Amjid Khan, SgCt Javid Ahmad, SgCt Manzoor Ahmad, SgCt Mudasar Ahmad, SgCt M Yaqoob, Ct Reyaz Ahmad, Ct Mubarak Ahmad 795/Awt, Ct Reyaz Ahmad, Ct Karpal Singh, Ct Nisar Khanday, SgCt J Gh. Jeelani Kataria, Ct. Gulzar Ahmad Sheikh, SPO Bilal Ahmad, SPO Javid Ahmad, SPO Sandeep Singh, SPO Mohd Farid, SPO Ashiq Ah. Dar, SPO Pervaiz Ahmad, SPO Liyaqat Hussain, & SPO Yasir Arfat.

In order to prevent the hiding terrorists from fleeing, the targeted area was closely cordoned off by the search party. In the meantime, the hiding terrorists were asked to surrender which they declined. Nevertheless, the joint search party moved meticulously towards the hiding terrorists who after noticing the movement of search party fired indiscriminately towards them, in which team headed by DIG Atul Kumar Goel and comprising SI Sanjeev Singh, SgCt. Ghulam Jeelani, Const. Gulzar Ahmad Sheikh, SgCt Javid & SgCt Nisar Ahmad had a narrow escape when they came under heavy volume of firing from terrorists from a close range. However, the joint party without caring for their, safely moved forward and retaliated effectively on the terrorists resulting in injuries to the hiding terrorists. Meanwhile, the terrorists lobbed grenades towards joint search party but they exploded without causing any damage as the search parties had taken effective cover. The search party led by DIG Atul Kumar Goel and SI Sanjeev Dev Singh, SgCt. Gh. Jeelani Kataria, Ct. Gulzar Ahmad Sheikh swiftly moved in and in a consequent gunfight that lasted throughout a day eliminated three dreaded terrorists who were later-on identified as Umar Fayaz Lone alias Hammad Khan S/o Fayaz Ahmad Lone R/o Seer Tral (Self-styled Divisional Commander HM) (A-Cat of HM outfit), Adil Bashir Mir S/o Bashir Ahmad R/o Monghama Tral (B-Cat of HM outfit) and Faizan Hamid S/o Ab, Hamid Bhat R/o Mandoora Tral (C-Cat of JeM outfit). Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR NO. 01/2020 U/S 307 IPC, 7/27 A. Act, 16, 18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in Police Station Tral and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Atul Kumar Goel, IPS, Deputy Inspector General, Sanjeev Dev Singh, Sub-Inspector, Gh. Jeelani Kataria, SgCT and Gulzar Ahmad Sheikh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/01/2020.

(File No-11020/07/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 324-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/2nd Bar to Police Medal for Gallantry/5th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Tahir Saleem Khan	Senior Superintendent of Police	5th BAR TO PMG
2	Fayaz Ahmad Shiekh	Head Constable	2nd BAR TO PMG
3	Raman Kumar	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.02.2020, Police Station Tral received a specific information regarding presence of terrorists of proscribed outfit Hizb-ul-Mujahideen(HM), Ansar-ul-GazwatuI Hind(AGH) and Islamic State of Jammu & Kashmir (ISJK) in an orchard near village Sherabad Tral headed by Self styled commander Jahangir Ahmad Wani of Hizb-ul-Mujahedeen.

Upon this information, during night hours, Police Awantipora with the assistance of 42 RR and 180 Bn CRPF planned & launched a joint operation in the said area, immediately a team was constituted comprising Shri Aijaz Ahmad, SDPO Tral, SI Ab. Rehman, HC Fayaz Ahmad Shiekh, HC Shabir Ahmad, HC Raman Kumar, SgCt Pervaiz Ahmad, SgCt Fida Hussain, SgCt. Ajaz Ahmad, SgCt Harjit Singh, SPO Amir Hameed, SpO Raja Sameer, SPO Rameez Raja, SPO Farooq Ahmad, SPO Amir Hussain which was headed by Shri Tahir Saleem Khan, SSP Awantipora

The team moved close to the target area and asked the terrorists to surrender which they declined and lobbed a grenade towards the team which exploded without causing any damage to the said party. The team took position immediately and retaliated the firing effectively which resulted in injury to all the three terrorists. A small team was carved out of the existing team comprising SSP Tahir Saleem Khan, HC Fayaz Ahmad Shiekh and HC Raman Kumar which moved close to terrorists and fired on the terrorists from a close range resulting in their instant killing. The eliminated terrorists were later on identified as Jahaghi Ahmad wani S/o Mohd Rafiq R/o Amirabad Tral (B-Cat of HM outfit), Raja Umar Magbooi Bhat S/o Mohd Maqbool R/o Lurgam Tral (C-Cat of JeM-later joined AGuH) and Sadat Ahmad Thokar S/o Farooq Ahmad Thokar R/o Waghama Bijbehara (C-Cat of ISJK outfit).

Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. For the incident, a case FIR no. 13/2020 U/S 307 IPC, 7/27 A. Act. 16, 18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S tral and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Tahir Saleem Khan, Senior Superintendent of Police, Fayaz Ahmad Shiekh, Head Constable and Raman Kumar, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/02/2020.

(File No-11020/19/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 325-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Altaf Ahmad Shah	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
2	Zail Singh	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23-24.09.2020, based on a specific intelligence input, a joint cordon and search operation was launched by Police Awantipora with the assistance of army 42 RR & CRPF 180 Bn at the house of one Shakeel Ahmad Kar S/O Gh. Mohammad R/O Bagander Machama Tral. To maintain the highest degree of surprise, a joint operational party was tasked to approach the target house through non-traditional routes at about 02 am. Since the location of the house was unfavorable for security forces because of dense foliage and hillock/forest patch at southern side, while as inhabited area falling on northern side. Despite of all these unfavorable conditions, joint operational party laid cordon after traversing life threatening routes.

As the cordon was being laid, the hiding terrorist lobbed grenades and fired upon the operational parties with the intention to inflict injuries to the cordon party and by taking the advantage of darkness, he made aborted attempt to breach the cordon. However, the spot which the terrorist has chosen to break the cordon, in that very area, operational party of cordon led by ASI Altaf Ahmad Shah & SgCt Zail Singh have maintained the nerves and remained engaged to keep the cordon intact by retaliatory firing. Sensing the alertness of the operational party led by ASI Altaf Ahmad Shah and SgCt Zail Singh, the terrorist again managed to sneak back to the target house. It was a challenging situation to evacuate the civilians i.e. house inmates of target house in such hostilities. Therefore, the team comprising Shri Aejaz Ahmad-SDPO Tral, Inspr. Gh.M. Rather-SHO PS Tral, SI Manzoor Ahmad, ASI Mohammad Altaf, HC Shabir Ahmad, SgCt Fida Hussain, SgCt Zail Singh, SgCt Mudasir Ah. Khan, SgCt M.Yaqoob, Ct Zaheer Abass which was initially in the cordon get replaced by ASI Altaf Ahmad Shah & SgCt Zail Singh who voluntarily opted to get engaged themselves in the evacuation of the civilians. Therefore, the joint operational party was constituted that include ASI Altaf Ahmad Shah and SgCt Zail Singh who were in great co-ordination with one another by use of wireless sets and said party was also assisted by Army/CRPF. The said team in the first instance preferred evacuation of all the civilians from the adjoining houses which were located on northern side of the target house to safer places. After evacuation of the civilians of adjoining houses to the safer places, the 2nd task of this small assault/evacuation team was to evacuate the civilians from the target house. Therefore the operational parties, despite of exposing themselves to the imminent threat to their lives, moved in a synchronized manner, after duly taking the required precautionary measures near to the target house. After reaching near the target house, the said operational party made announcements to the house inmates to come out of the house. All the house inmates were then evacuated safely to the secured locations by the said team. However, the terrorist was also given opportunity to lay down arms and surrender but he remained defiant, as the announcement was being made, the terrorist fired upon the above constituted evacuating/assault party. The assault party effectively retaliated the firing and in the ensuing gun battle one terrorist got killed. The dead body of killed terrorist was retrieved by the said party from the washroom of the target house. The slain terrorist was later on identified as Irfan-ul-Haq Dar S/o Mohammad Amin Dar R/o Gadhikhal Chursoo Awantipora, of Al-Badar proscribed terrorist outfit.

A criminal case to this effect stands registered in P/S Tral under FIR No. 84/2020 U/S 307 IPC, 7/27 A.Act, 18,20, 38,39 ULAAct and investigation set into motion.

The killed terrorist was highly motivated and was involved in case FIR No. No.54/2019 U/S 307 RPC, 7/27 A. Act PS Awantipora related to grenade attack incident which took place on 26.06.2019 near Sumo Stand Awantipora. He was also motivating youth to join terrorism.

In this operation, S/Shri Altaf Ahmad Shah, Assistant Sub-Inspector and Zail Singh, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/09/2020.

(File No-11020/121/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 326-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ramesh Kumar Angral	Senior Superintendent of Police	PMG
2	Khaliq Hussain	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Anil Kumar Sharma	Inspector	PMG
4	Kasturi Lal	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.11.2020 based on an input regarding activation of Thuraya set near BG district Poonch, a joint CASO was launched in the activation area by Mendhar police and 49 RR. The CASO was called off after five days without any break through and the information was shared with all the stake holders and asked to activate their own sources to develop some meaningful inputs.

On 07-12-2020, one Talib Hussain S/o Ghulam Hassan R/o Chai Behramgalla who was working for loading construction material i.e, Sand, Baajri from the river Behramgalla was abducted by three unknown gunmen. A report to this effect had also been lodged by his son at PP Behramgalla. Soon after, a police team headed by DySP Surankote accompanied with SHO PS Surankote alongwith nafri of Police Component Surankote, SPOs, Army 16 RR under the overall supervision of Shri Ramesh Kumar Angral SSP Poonch was mobilized after 3/4 hours walking on snow bound area and difficult terrain. A joint CASO was launched in Sariyan, Patan Khor, Poshana, Rata Chamb and Chatta Pani area of Pir Ki Gali (PKG) to hunt the ANEs and recovered the abducted civilian. After making hectic efforts, the civilian was recovered from snowbound area



of Pooshana on 11-12-2020 evening and the operation was further augmented till 12-12-2020 evening. Due to darkness, the operation was stopped to prevent any loss to own side and joint cordon of police/army 16 RR was set in place as per requirement.

On 13.12.2020, the operation was resumed during which movement of terrorists was observed in an abandoned Dhara (Kacha hut) by SSP Poonch and his team including Army party of 16 RR. SSP Poonch placed the Police/Army parties at strategic locations to rule out any chance of escape for terrorists without any collateral damage. Later on, the operation was also joined by Shri Vivek Gupta-IPS DIG RP Range and a strategy with SSP Poonch, CO Army 16 RR was framed to neutralize the terrorists. Keeping in view the difficult hilly terrain, heavy snow clad mountains, thick forest, immediately four teams comprising Police/Army were constituted to cordon the spotted place where the terrorists were taken shelter, teams headed by (1) SSP Ramesh Kumar Angral-SSP Poonch alongwith PSO Sgt Kasturi Lal, Sgt Balbir Singh, Const. Parvaiz Ahmed and Const. Ghulam Mustafa (2) DySP Khaliq Hussain alongwith HC Mohd Maroof, Foll. Mushtaq Ahmed, (3) Inspr. Anil Kumar Sharma SHO PS Surankote alongwith Sgt. Zameer Ahmed and (4) team SI Mohd Shabir alongwith Sgt. Zahid Mehmood, Foll. Ashfaq Ahmed and SPOs. All the teams without caring for their lives, crawled to approach the spotted place in a surgical manner despite snow bound area and difficult terrain. On noticing the movement of security forces which led by Shri Ramesh Kumar Angral SSP Poonch from the front, terrorists started indiscriminate firing to which security forces taken position and appealed the terrorists to surrender but they prefer to volley of fires upon the security forces leading to fierce gun battle between security forces (Army/Police) and terrorists during which two dreaded foreign terrorists fully equipped with automatic weapons were eliminated and one terrorist associate was captured alive. The police and army parties at the spotted place faced life threatening situations with courage and resilience and continued to engage the terrorists from close range.

During the search operation, police/army parties recovered dead bodies of two slain terrorists alongwith huge quantity of arms/ammunition. Later on, killed terrorists were identified as Sajid Bhai, Bilal Bhai of PoK affiliated with LeT outfit and one associate who was captured alive has disclosed his identity as Mubarak Ahmed S/o Mohd Abdullah R/o Ramnagri District Shopian. It was the highest degree of professionalism and courage amid clear and persistent danger that the police, Army parties (16 RR) succeeded in neutralizing the terrorists without any collateral damage. Accordingly, case FIR No. 190/2020 U/S 307,120-B, 121,122,123 IPC, 7/25,26,27 IAA and 16/18,19,21,38,39 UAPA was registered at PS Surankote and investigation taken up.

The whole operation was conducted without collateral damage only because of outstanding command and control exercised by Shri Ramesh Kumar Angral SSP Poonch, conjugated with the display of the rarest of the rare bravery and extreme devotion to duty with highest degree of courage, utmost professionalism exhibiting operational skills, by other members of police team generally and especially Shri Khaliq Hussain DYSP Surankote, Inspr. Anil Kumar Sharma SHO PS Surankote and Kasturi Lal.

In this operation, S/Shri Ramesh Kumar Angral, Senior Superintendent of Police, Khaliq Hussain, Deputy Superintendent of Police, Anil Kumar Sharma, Inspector and Kasturi Lal, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/12/2020.

(File No-11020/129/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 327-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Syed Majeed Mosavi	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Shammi Kumar	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Tousif Ahmad Mir	Inspector	1st BAR TO PMG
4	Muzafar Ahmad Wani	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.03.2020, specific information was received from reliable sources about the presence of terrorists in the residential house of Fayaz Ahmad Dar S/o Ali Mohammad Dar R/o Watrigam Dailgam Anantnag to the effect that terrorists of banned organizations Lashkar-e-Taiba (LeT) and Hizbul Mujahidin (HM) are hatching a criminal conspiracy. On this information, a joint team of SOG Anantnag, alongwith the troops of 19RR, 40 Bn CRPF and 164 BN cordoned off area at

0400 hours. During search operation, terrorists opened indiscriminate firing upon search/Cordon party with their illegal automatic weapons with the intention to break the cordon and escape. The challenging task was dealt very tactfully by the police party of Police Anantnag, 19 RR and 40/164 Bn CRPF under the command and control of SSP Anantnag and SP Ops Anantnag. After analyzing the situation, SP Ops Anantnag alerted the troops and placed them strategically. In order to make the operation successful, a team was formed for house intervention in which the terrorists were hidden properly and minutely supervised by SP Ops Anantnag. After laying cordon, the terrorists were offered to surrender but there was no positive response from them instead they fired indiscriminately upon the search party comprising SSP Anantnag, Shri Perbeet Singh SP, Syed Majeed Mosavi, DySP PC Dooru/SDPO Dooru, Shammi Kumar, DySP PC Srigufwara, Insp. Tousif Ahmad Mir, HC Jaweed Ahmad Khan, HC Baba Sameem Ahmad, Sgct. Gh Hassan, Sgct Mudasir Ahmad, SgCt Firdous Ahmad Bhat, Sgct Tariq Ahmad, Ct. Muzafar Ahmad Wani, Ct Javaid Ahmad, Ct Pervaiz Ahmad, Ct Javid Ahmad, Ct Arshad Hussain, Ct Sikander Ahmad, SPO Surjeet Singh, SPO Sunil Kumar, SPO Riyaz Ahmad, SPO Abid Hussain, SPO Bilal Ahmad, SPO Jasbir Singh, SPO Sajad Ahmad, SPO Shahid Ahmad, SPO Subzar Ahmad, SPO Imtiyaz Ahmad, SPO Shakir Ahmad and SPO Ashiq Hussain retaliated very bravely and the terrorist back-tracked. The terrorists equipped with sophisticated illegal arms/ammunition tried to break the cordon and threw volley of grenades on the search parties and fired indiscriminately on the other deployed forces but the officers and their parties without caring for their precious lives retaliated very effectively with the result, four terrorists were eliminated who were later on identified as Gulzar Ahmad Bhat (HM outfit) S/o Ab Salam Bhat R/o Herpora Tarigam, Sajad Ahmad Bhat (LeT outfit) SIL Mohd Subhan Itoo R/o Tengbal Frisal, Muzafar Ahmad Bhat @ Abu Talha (LeT outfit) S/o Mohd Amin Bhat R/o Sopat Tengpora & Umer Amin Bhat (LeT outfit) S/o Mohammad Amin Bhat R/o Sopat Tengpora. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 56/2020 U/S 7/25 I.A. Act, 16, 18 & 38 ULA (P) Act stands registered in P/S Anantnag.

In this operation, S/Shri Syed Majeed Mosavi, Deputy Superintendent of Police, Shammi Kumar, Deputy Superintendent of Police, Tousif Ahmad Mir, Inspector and Muzafar Ahmad Wani, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/03/2020.

(File No-11020/132/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 328-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ashish Kumar Mishra, IPS	Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Tanweer Ahmad Dar	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Mohd Rafi Malik	Assistant Sub-Inspector	3rd BAR TO PMG
4	Mohammad Muzafar Bhat	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.06.2020 at about 0514 hours, Shri Ashish Kumar Mishra SP Pulwama received an input about the presence of terrorists in Village Kangan, Pulwama. Accordingly, the information was shared with Shri Tanweer Ahmad Dar Addl. SP Pulwama, Army 55 RR, 182 and 183 Bn CRPF and it was decided to lay a joint cordon at the target place. SP Pulwama and Addl. SP Pulwama alongwith Police parties of PC Pulwama without taking much time rushed to the target location. On reaching the target location, the suspected area was put under tight cordon and a dedicated team led by Shri Ashish Kumar Mishra, SP Pulwama assisted by Shri Tanweer Ahmad Dar Addl. SP Pulwama, ASI Mohd Rafi Malik and SgCt. Mohammad Muzafar Bhat along with components of Army 55 RR and 182, 183 BN CRPF was constituted in order to conduct search in the target area where terrorists were supposed to be hiding.

The constituted team alongwith party of 55 RR, 182 and 183 Bn CRPF taking lead and started searching of houses in the target area. While searching a house belonging to one Abdul Gani Dar S/o Abdul Aziz Dar R/o Kangan Pulwama, terrorists hiding started indiscriminate firing upon the approaching police/SF party which could have resulted into a major loss, if bullet proof vests would not have been put in place. However, SP Pulwama without losing grip upon his party encouraged the mates and retaliated the firing with dedication which compelled the terrorists to turn defensive. After establishing the contact with terrorists, SP Pulwama asked his party to come out of the target house tactfully and strengthen the Police/SF party taking position in the inner cordon to fight the terrorists firmly.

In the meantime, it was observed that many civilians got trapped in their residential houses situated in the cordoned area and their evacuation was necessary. In order to ensure safe evacuation of these civilians, SP Pulwama constituted a joint team under his supervision for the purpose. Although, the evacuation team led by SP Pulwama came under heavy firing of terrorists, however, the team without caring for their lives completed the evacuation process successfully without any collateral damage.

After safe evacuation of the civilians from the target area, the hiding terrorists were asked to surrender which they declined and continued firing upon the troops in order to escape. But, the terrorists could not find any escaping gap which compelled them to take shelter in a nearby cowshed. In order to make the operation successful, the operational Commander (SP Pulwama) constituted four dedicated Police/SF's joint teams to retaliate the terrorist fire firmly/effectively from all sides of the target location and to neutralize the hold-up terrorists without any collateral damage. One team led by SP Pulwama took position in Northern side. The 2nd team led by Addl. SP Pulwama assisted by SgCt. Mohammad Muzafar Bhat was asked to take position on Eastern side while 3rd and 4th teams led by Insp. Masrat Ahmad Mir & ASI Mohd Rafi Malik took their positions in Western and Southern sides of the target location respectively.

In the meantime, the holed up terrorists fired rifle grenade followed by heavy firing towards the joint Police/SF party positioned in Northern side in which SP Pulwama and his team had a narrow escape, however SP Pulwama and his team without losing their concentration immediately came into action and fought bravely from the front without caring for their lives and gunned down two terrorists near the cowshed while as the third one fired upon the Police/SF parties positioned in South-East areas with the aim to cause damage to them and to escape from the cordoned area. However, the parties under the charge of Addl. SP Pulwama, Insp. Masrat Ahmad Mir and ASI Mohd Rafi Malik positioned in these directions immediately took cover and retaliated the terrorist firing and neutralized him. The dead bodies of eliminated terrorists were retrieved and were later on identified as (1) Fauji Bhai R/o Pakistan, the said terrorist was an IED expert and was involved in various subversive activities including IED explosions, radicalization of local youth, motivating local recruits to act as suicide bombers and posing threats to Political activists/general public. He was an A+ category terrorist of JeM outfit, (2) Manzoor Ahmad Kar S/o Mohammad Sultan Kar R/o Sirmoo was active since 22.07.2017 and was wanted by Police in number of terrorist cases. He was an A category terrorist of JeM outfit and (3) Javaid Ahmad Zargar S/O Bashir Ahmad R/O Rangmullah Pulwama, was initially an OGW of JeM outfit and joined terrorist ranks in year 2019. He was a "C" category terrorist and was involved in number of terrorist related actions.

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 131/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I. A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in Police Station Pulwama.

In this operation, S/Shri Ashish Kumar Mishra, IPS, Superintendent of Police, Tanweer Ahmad Dar, Additional Superintendent of Police, Mohd Rafi Malik, Assistant Sub-Inspector and Mohammad Muzafar Bhat, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/06/2020.

(File No-11020/171/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 329-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/2nd Bar to Police Medal to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Viqar Younus	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Mukhtar Ahmad Khanday	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.09.2020, specific input was received about presence of terrorist of proscribed LeT in residential house at village Kawoosa Khalisa, District Budgam. Upon this information, the operation was planned and coordinated with 02 RR & 44 Bn CRPF. During operation planning, joint teams of police, Army & CRPF was constituted for cordon and search.

First team was headed by Shri Amod Ashok Nagpure-IPS, SP Budgam alongwith SgCt Javid Ahmad, Ct Jugal Kishore, Ct Abdul Hamid, SPO Javeed Ahmad and SPO Mudasir Ali Khan, SPO Showkat Ahmad, SPO Syed Abas and others. Second team was headed by Shri Viqar Younus DySP PC Budgam alongwith HC Altaf Hussain, SgCt Mukhtar Ahmad Khanday, Sgct. Manmeet Singh, Sgct Gulzar Ahmad Naik and others.

Both joint teams laid the cordon at about 1400 hours and as the search progressed, it was established that 01 terrorist of proscribed outfit LeT is hiding in the cordon area. Shri Viqar Younus DySP PC Budgam alongwith HC Altaf Hussain, SgCt Mukhtar Ahmad Khanday, SgCt. Manmeet Singh, SgCt Gulzar Ahmad Naik and others started evacuation of civilians from the target house and other houses around it to avoid any collateral damage. The repeated announcements were made on the loudspeakers for the terrorist to surrender, however, instead of surrendering, the terrorist fired upon the cordon party with an attempt to break the cordon and flee from the holdup area.

Fleeing terrorist was chased by operation party comprising of HC Altaf Hussain, SgCt Mukhtar Ahmad Khanday, SgCt. Manmeet Singh, SgCt Gulzar Ahmad Naik led by DySP PC Budgam Shri Viqar Younus, while chasing, DySP Viqar Younus, and SgCt Mukhtar Ahmad Khanday fired upon the fleeing terrorist accurately thereby the terrorist got killed but fell down into the stream (Sukhnag Nallah). The search continued for 04 days and with the strenuous efforts of police Budgam supplemented by A-02-RR & B-44 Bn CRPF, the dead body of the killed terrorist was fished out from the nallah.

During the gun battle one local terrorist was eliminated who was later on identified as Aqib Ahmad Lone (LeT) S/o Gh Mohd Lone R/o Aglar Kandi Rajpora Pulwama. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. In this regard, case FIR No. 133/2020 U/S 7/25 I.A. Act stands registered in P/S Magam. During the investigation of the case, 02 OGWs namely, 1-Adil Ahmad Pandith S/o Gh Hassan R/o Kawoosa Khalisa 2-Danish Fayaz Sheikh S/o Fayaz Ahmad R/o Kawoosa Khalisa were also arrested. The eliminated terrorist is a major setback to the LeT outfit. The swift and gallant action displayed by the Police and SFs has averted a major/disastrous tragedy which could have been caused by the terrorist.

In this operation, S/Shri Viqar Younus, Deputy Superintendent of Police and Mukhtar Ahmad Khanday, SgCt displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/09/2020.

(File No-11020/216/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 330-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Prithvi Raj	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
2	Gh. Hassan Magray	Head Constable	PMG
3	Firdous Ahmad Bhat	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.10.2020, Shopian Police received specific information to the effect that some terrorists of proscribed HM outfit are hiding in village Melhura, Zainpora. Upon this, a joint CASO of area was planned and launched by Police Shopian in association with 55RR/178th BN CRPF & searches were started. As soon as search party approached the suspected area, terrorists hiding in area opened indiscriminate firing upon the search party with the intention to kill them.

However, search parties under the command of SSP Shopian including Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib, ASI Prithvi Raj, HC Gh. Hassan Magray, HC Anil Dhar, HC Shabir Ahmad, SgCt Firdous Ahmad Bhat, SgCt Tariq Hussain, SgCt Zahoor Ahmad, Ct. Vinod Kumar, SPO Sonu Sharma, SPO Zubair Ahmad, SPO Mehraj Ahmad, SPO Subzar Ahmad & troops of 55 RR, 178th BN CRPF immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between terrorists and Police/SFs. The search parties under the command of operational commander SSP Shopian in the first instance evacuated the civilians trapped in the cordoned area to safer places to ensure that there is no collateral damage. After completion of evacuation process terrorists were asked to surrender which they refused instead they continued heavy volume of fire upon operational parties.

In order to launch operation successfully, search parties were divided into two groups under the overall command of SSP Shopian. The first party led by Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib was asked to lay the inner cordon of the suspected area. The second party led by Shri Aumer Iqbal, DySP PC Zainpora was tasked to lay outer cordon of suspected area. Soon the assault parties started searches; terrorists hiding in the village fired indiscriminately upon the joint party and made an attempt to escape. The troops retaliated and got terrorists trapped inside the cordon. There was a heavy exchange of firing between the terrorists and troops of Police, RR & CRPF. Immediately, additional Police personnel, troops of 55 RR & CRPF were inducted in cordon and search operation. The terrorists were again offered to surrender which they again denied

and threw few grenades towards the joint parties from the back side of a house and jumped in a Nallah (Drainage). The team had a very narrow escape from splinters of grenades.

The terrorists had taken position behind natural height & made attempts to flee from cordoned area by resorting heavy firing upon the cordon party. However, troops positioned themselves tactfully and retaliated effectively. The terrorists tried to escape through Nallah by crawling. When they crossed over to other side of a curve in Nallah, cordon party could effectively fire on them resulting critical injury to one terrorist. The second terrorist withdrew to other side of Nallah and took safe position. He pulled the injured associate terrorist towards his side and took his weapon too to attack upon troops. Since the position of terrorist was known to cordon parties, First party of Police Shopian/troops of RR & CRPF asked to lay the inner cordon of the suspected area. The second party inflicted heavy fire on the terrorists and gunned down both terrorists.

After the exchange of firing, area was searched with utmost care and bodies of two terrorists were retrieved alongwith their weapons. The better coordination between Police Shopian/SFs remained the key of successful operation which concluded without any collateral damage. The eliminated terrorists were later on identified as Tawseef Ahmad Khanday S/o Abdul Salam Khanday R/o Hangulbuch Kulgam (HM outfit) and Umer Gulzar Thoker S/o Gulzar Ahmad Thoker R/o Shiganpora Kulgam (HM outfit). Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 138/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act & 16 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora and investigation taken-up

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by joint teams especially ASI Prithvi Raj, HC Gh. Hassan Magray, SgCt Firdous Ahmad Bhat who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable as the endeavour to reach the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evaded civil casualties by presence of mind and good policing. Although, terrorists tried their best to cause damage the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these police personnel had a very narrow escape. However, they, without losing their concentration and operational acumen, fought bravely and foiled their nefarious design.

In this operation, S/Shri Prithvi Raj, Assistant Sub-Inspector, Gh. Hassan Magray, Head Constable and Firdous Ahmad Bhat, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/10/2020.

(File No-11020/217/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 331-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Ashrif	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Tariq Hussain Najar	SgCT	PMG
3	Rajesh Kumar	Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.10.2020, on a specific information regarding the presence of armed terrorists in village Chakoora, Hermain under the jurisdiction of P/S Shopian. Shopian Police in association with 34 RR and 178th BN CRPF cordoned off the area under proper strategic plan to nab/eliminate the terrorists hiding in the village and started search operation. The biggest challenge with party was to locate hiding terrorists to identify house in which terrorists were hiding and to dominate the said location from all sides so as to prevent the terrorists fleeing from spot.

In order to launch operation successfully, two assault groups were formed under the overall command of SSP Shopian. The first party led by Shri Mohd Ashrif DySP PC Imamsahib including Sgct Tariq Hussain Najar, Ct. Rajesh Kumar along with QRT of 34RR & 178th BN CRPF was asked to lay the inner cordon of the suspected area. The second party led by Shri Aumer Iqbal-KPS, Dy.SP PC Zainpura including HC Farooq Ahmad, HC Rayees Ahmad, HC Tejinder Singh & SPO Puneet Khajuri alongwith QRT of 34RR/178th BN CRPF was tasked to lay the outer cordon of the suspected area.

The assault parties positioned themselves according to the plan and search operation was started from all the possible sides and house was located in which terrorists were hiding. After zeroing the target, the first assault group led by DySP PC Imamsahib took position in front of the target house whereas 2nd assault party led by Shri Aumer Iqbal, DySP PC

Zainpora immediately took position in the densely orchard side, so that besieged terrorists did not find any chance to escape from the cordoned area. After laying the cordon strongly, the terrorists were offered to surrender, but they fired indiscriminately upon joint parties with the intention to kill them. The joint search parties retaliated in self defence triggering a fierce gun battle. The hiding terrorists kept changing their locations again and again in order to avoid disclosing their specific location. The search party immediately took cover and retaliated with a strategy and precision due to which the terrorists did not find any opportunity to escape from the besieged area. In order to avoid any civilian causality, the operational Commander (SSP Shopian) asked the parties to evacuate the people trapped in the cordoned area. While evacuation was taking place the assault groups headed by Sh. Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib came under heavy volume of firing from terrorists. But, they did not lose their concentration and continued the evacuation process without caring for their personal lives.

In the meantime, one terrorist tried to flee from the cordoned area and jumped from window of house. The assault party led by Sh. Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib were in well position showered bullets heavily from different directions and gunned down him outside the target house. However, the other terrorist was continuously giving a tough resistance and changing his position again and again. In the meantime, miscreants started heavy stone pelting on the troops from different directions with the intention to breakdown cordon so that trapped terrorists can get opportunity to flee from the area. However, the law & order components deployed in the area for the purpose exercising maximum restraint and handled the situation tactfully.

The search for other terrorists continued for long time in the target house, orchards, drains and lanes surrounding the suspected house. During the search, besieged terrorist who had taken position behind the natural heights backside the target house hurled few grenades followed by indiscriminate firing upon the assault parties in which assault party led by Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib including Sgct Tariq Hussain Najar and Ct. Rajesh Kumar had a very narrow escape. However, Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib while leading his group from the front and without caring for their lives retaliated back with the presence of mind and excellent coordination. Exchange of firing from both side continued for long time and terrorist attempted to escape by tried every possible means by throwing grenades and indiscriminately firing. However, the second party did not allowed terrorists to escape. During this long gun battle, assault parties showed exemplary courage/patience and succeeded in elimination of second terrorist. The killed terrorists were later on identified as Khurshid Ahmad Shah (JeM outfit) S/o Gh. Mohammad Shah R/o Rangar Chadoora, Budgam and Syed Rayees Ahmad (HM outfit) S/o Ghulam Hassan Syed R/o Nowgam Vehil Shopian.

With the elimination of these dreaded terrorists, the terrorist network within South Kashmir Range in general and District Shopian in particular have suffered a major setback. Peace loving civilians have hailed the efforts of Police/Security forces for bringing about normalcy in the area by elimination of these terrorists. It is noteworthy to mention that the operation was concluded professionally without any collateral damage to human life or property. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 277/2020 U/S 147, 148, 149, 336, 353, 332, 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Mohd Ashrif, DySP including SgCt Tariq Hussain Najar and Ct. Rajesh Kumar who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives, was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant act. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Mohd Ashrif, Deputy Superintendent of Police, Tariq Hussain Najar, SgCT and Rajesh Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/10/2020.

(File No-11020/218/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 332-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Ayob Mir	Assistant Sub-Inspector	PMG
2	Mohd Imtiyaz Khan	Head Constable	PMG
3	Yogesh Singh	SgCT	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.04.2021 following a credible input about the presence of terrorists in orchards of Tongri, Satrajan-Chitragam area of P/S Zainapora, a joint operation was launched in assistance with 34 RR and 178 Bn CRPF.

Acting swiftly, teams of 34 RR, Police Shopian & 178 BN CRPF entered into orchard from non-inhabited area between Chitragam and Reban whereas joint team comprising Shri Raiz Ahmed, DySP PC Zainapora, SI Naeem Rashid, ASI Mohd Ayob Mir, HC Mohd Imtiyaz Khan, HC Hilal Ahmad, SgCt Waseem Ahmad, SgCt Yogesh Singh, Ct Sanjay Dutt, personnel of 178th BN CRPF & 34 RR moved towards the target area from Bandpawa direction. One Maruti Alto Car was found near the target and few people were busy in spraying their orchards. These guys were moved to safe place and cordon team encircled a small concrete structure on the edge of Tongri Nulla used for storing Apple fruit. It was a concrete structure without slant roof of tin sheet and located from outside. One of the guys working there was sent to peep into that structure. After getting back cutting the lock, the local guy confirmed about the presence of suspected persons inside. A locked room/store with men inside was fishy enough to confirm the presence of terrorists hiding inside. The team was alerted and the store was encircled with limited cover around it. Sensing the movement of the forces, heavy firing came from the store on the cordon team. Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian rushed to the site with additional manpower and took stock of the situation and the cordon was further strengthened. The hiding terrorists tried to come out in a bid to break the initial cordon firing heavily on cordon team. It was really a challenge to retaliate back amidst meager covers. In this retaliatory fire, one of terrorist got neutralized near the gate of store and other two terrorists sneaked back in store. The above joint operational parties of inner cordon team were well placed behind and around another concrete structure, which was near the target store. In the meantime hearing the gunshots and coming to know about local terrorists trapped from Chitragam, miscreants in huge number gathered from nearby villages-Chitragam, Reban and Khojpora etc who tried to reach encounter site to disrupt operation. Operational commander SSP Shopian alerted the troops and deployed joint teams along with the inner cordon to keep the stone pelters at bay. With minimum force and use of non-lethal weapons, stone pelters were pushed away from the cordon area. Meanwhile, intermittent firing was going on to keep the holed up terrorists inside.

As it was getting dark, it was decided to hold the cordon for night and to resume the operation in first light. With utmost precautions, cordon lights and concertina wire were placed around the target house/store. In between, parents of Faisal Ahmed Ganai (one of the terrorists trapped in) were called to the target area and repeated appeal was made by them as well as by SSP Shopian for surrender. But, there was no response despite appealed time and again through loudhailer. To have a watch minutely on the movement of the terrorists, cordon lights and double layer of concertina coil were placed around the store in which terrorists were hiding. Whole night cordon teams remained in their position. In first light, few MGL shots were fired in the store followed by firing with automatic small arms. Blast of MGL grenades resulted in igniting fire in the dry haystack kept for packing of Apples. Suddenly, terrorists started firing heavily on the cordon team and two terrorists jumped out from two different windows. Both the terrorists were caught in fire and in a bid to inflict maximum damage to the security forces as their last fight, both the terrorists had fired recklessly on the cordon teams. But, the aforesaid vigilant cordon team led by SSP Shopian gunned them down in a brief exchange of firing. After neutralizing these two remaining terrorists, fire was extinguished by a pump lying near cordon area, kept for spraying apple trees. In a thorough search, bodies of three terrorists (LeT/AI-Badr outfits) who were later on identified as Asif Bashir Ganie S/o Bashir Ahmad Ganie R/o Chitragam Zainapora Shopian, Obaid Ahmad Wagay S/o Farooq Ahmad Wagay R/o Ganapora-Arshipora, Shopian and Faisal Gulzar Ganie S/o Gulzar Ahmad Ganie R/o Chitragam-Zainapora, Shopian. Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 29/2021 U/S 147, 148, 149, 353, 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20, 23 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by operational parties especially ASI Mohd Ayob Mir, HC Mohd Imtiyaz Khan and SgCt Yogesh Singh who fought terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. They showed courage in evacuating the inmates of the house. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing, in which all had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and good application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Mohd Ayob Mir, Assistant Sub-Inspector, Mohd Imtiyaz Khan, Head Constable and Yogesh Singh, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/04/2021.

(File No-11020/219/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 333-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Ashrif	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Ab. Hamid Reshi	Assistant Sub-Inspector	PMG
3	Tariq Rasool Wani	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.03.2021, Police Shopian in assistance with 34 RR and 178th BN CRPF launched a joint operation in village Sudershanpora Wangam District Shopian. In order to carry out the assault, operational team led by Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib alongwith ASI Lateef Ahmad, ASI Ab Hamid Reshi, HC Jatinder Singh, Ct Tariq Rasool Wani and Ct. Mohd Abass alongwith QRT of 34RR and 178th BN CRPF started search of the suspected houses including house No. 37 belonging to Mohammad Lateef Deva S/o Abdul Hameed Deva. To avoid any civilian causality, evacuation of occupants of the targeted houses was the prime task of the moment. The aforesaid team evacuated the civilians to safer places. After zeroing the target house, assault party as reflected above took position in house number 82 adjacent to the target house. 2nd assault party comprising SgCt Rajinder Kumar, Ct Tariq Rasool Wani, Ct. Mohd Abass, SPO Manzoor Ahmad, SPO Tanveer Ahmad, SPO Rizwan-ul-Haq, SPO Rouf Ahmad led by ASI Lateef Ahmad was positioned in BP bunker, blocking a lane adjoining to the target house. Rest of the joint teams were placed in lanes/by-lanes to plug the escape routes. Other adjoining buildings and important points were covered by joint teams of Police & 34RR.

After strengthening the cordon, hiding terrorists were asked to surrender which they declined and instead fired indiscriminately upon joint parties in which 02 Jawans of RR 34 sustained bullet injuries. Both the injured Jawans were evacuated by the joint teams of Police, 178th BN CRPF and 34 RR. After giving the first aid, they were shifted to 92 Base Hospital Srinagar. Unfortunately, injured Jawan Hav. Pinku Kumar succumbed to his injuries & attained Martyrdom. However, joint search parties without losing their courage retaliated in self-defence triggering a fierce gun battle. Amidst heavy firing, hiding terrorists kept on changing their position in order to avoid disclosing their specific locations. But at this juncture, assault parties fired bullets heavily from their respective positions towards the terrorist who was fully equipped with illegal sophisticated weapons and was trying to sneak back to the target house. This terrorist was highly trained in Pakistan for more than one and half year, but the assault teams were determined not to let him sneak back in the target house. Despite being fired upon indiscriminately by the terrorists with M-4 like sophisticated weapon, the above assault parties kept on firing bullets on terrorist without caring for their precious lives. Due to which, terrorist couldn't find any opportunity to escape from the cordoned areas or sneak back in the target house and during this process one dreaded terrorist was gunned down by assault team.

After this fierce gun battle, the fire was stopped even from terrorist's side. In this process, 2nd terrorist managed to hide himself in target house. The search for 2nd terrorist continued for long time in the target house. To locate his position, a drone with search light was flown and after minutes, 2nd terrorist was located lying in the lane. Immediately, the inner cordon team positioned in that direction to target the terrorist. By noticing the movements of assault team, besieged terrorist started indiscriminately firing upon the joint assault parties & sneaked in the dark. But in the illumination of search light of drone, the 2nd dreaded terrorist was also gunned down. Not letting the guards down, a thorough search of the target house and adjoining area was carried out in which bodies of 02 terrorists alongwith arms/ammunitions were recovered, who were later on identified as Anayatullah Sheikh @ Abu Hamza S/o Mohd Amin Sheikh R/o Ramnagri Shopian of HM outfit and Adil Ahmad Malik @ Abu Dawood S/o Nazir Ahmad Malik R/o Dhanwathpora, Kokernag District Anantnag of LeT outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No. 59/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19, 20 & 23 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian and investigation taken up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by operational parties especially Mohd Ashrif, DySP, Ab. Hamid Reshi and Tariq Rasool Wani, CT who fought terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk was remarkable as the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. They showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape.

In this operation, S/Shri Mohd Ashrif, Deputy Superintendent of Police, Ab. Hamid Reshi, Assistant Sub-Inspector and Tariq Rasool Wani, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/03/2021.

(File No-11020/221/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary



No. 334-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Peer Parvaiz Ahmad	Constable	PMG
2	Sameer Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the intervening night of 08/09.04.2021, a credible input regarding the presence of a terrorist group affiliated with Ansar Gazwatul Hind (AGuH) proscribed terrorist outfit in general area (open field) of Amirabad and Naibugh Tral in a hideout District Pulwama was received by Awantipora Police. Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora, CO180 Bn CRPF and CO 42RR chalked out an actionable plan by meticulously analyzing the input keeping in mind all possible hostilities. For better operational coordination and communication, the diverse operational components exchanged their wireless equipment and guides with each other besides composing composite operational components.

As per evolved strategy, the suspected hideout of terrorists was cordoned during the wee hours of 09 April, 2021. The composite parties of Army 42 RR led by CO 42 RR, Police Awantipora comprising Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora, SI Sanjeev Dev Singh, Ct Peer Parvaiz Ahmad, Ct Sameer Singh approached the suspected hideout by adopting the unconventional treacherous routes and maintaining high level of surprise till complete gap-free cordon. All the possible escape routes were plugged off tactically and clandestinely to negate escape of terrorists by breaking cordon. The situation became hostile and worse during the approach due to dense foliage and mustard field having no firebase area and the operational parties were highly exposed to danger of firing. After the successful laying of cordon, the next step was to detect the hidden place of terrorists and neutralize them. After the dawn, the composite search parties constituted as per already evolved plan, commenced search of suspected field area assisted by continuous aerial surveillance by quad-copters.

The composite search teams of Army 42 RR, Police Component Tral and CRPF 180 Bn discovered the hideout. As the hideout get discovered, one composite component of operational party led by SSP Awantipora tightened the innermost eastern flank of hideout while as another operational component led by Sub Inspector Sanjeev Dev Singh, I/C SOG Tral laid innermost cordon around the hide on its western flank along with Army/CRPF party. On being exposed completely, the hidden terrorists fired indiscriminately and lobbed hand grenades upon the search party with the aim to inflict casualties and to escape by breaking cordon. But the ever-resolute composite parties of Army, Police and CRPF effectively retaliated the assault by terrorists, letting no scope for them to escape. Meanwhile, some civilians working on open field get trapped in the ensuing fire fight. A joint police/army team led by SSP Awantipora and CO Army 42 RR evacuated the civilians to safer places without caring for the repercussions of moving through intense firefight, depicting remarkable selfless devotion to duty. Moreover, the law and order problem get managed in a very effective and coordinated manner, which resulted to keep the targeted area sterile from the extrinsic interference. By exhibiting great synergy with different operational parties, the composite assault party repositioned themselves in the tactically viable position and initiated a face to face close gun battle eliminating two terrorists. The operation concluded without causing any collateral damage. The killed terrorists were later on identified as Imtiyaz Ahmad Shah (self styled Chief Opr.Commander AGuH A-category) S/o Ab. Ahad Shah R/o Ratsuna Tral and Zahid Ahmad Koka S/o Ab. Hamid Koka R/o Malhoora Shopain. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 23/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 18, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Tral and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Peer Parvaiz Ahmad, Constable and Sameer Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/04/2021.

(File No-11020/222/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 335-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ghulam Rasool Bhat	Sub-Inspector	PMG
2	Jatinder Singh	Head Constable	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
3	Faiz Mohd	Head Constable	PMG
4	Allah Din Khatana	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.03.2021, based on specific input about the presence of terrorists in village Batapora Manihal, Shopian, a joint operation was conducted by Shopian Police with the association of 34 RR & 178 BN CRPF of the said village. Initially cluster of houses were cordoned off and families of houses were evacuated to safer place to avoid collateral damage. In brief interrogation of these occupants, presence of four terrorists was confirmed in the house of Irshad Ahmad Wani S/o Mohammad Yousuf Wani R/o Batapora-Manihal. The house was a single storey, but big in size with boundary wall. Meanwhile, operational commander SSP Shopian after thorough deliberation with Colonel 34 RR & Commandant 178th BN CRPF, formed two joint operation parties, first party including SI Ghulam Rasool Bhat, HC Jatinder Singh, HC Faiz Mohd, CT Allah Din Khatana, SPO Parvaiz Ahmad Khan, SPO Muzamil Hussain Sheikh, SPO Aamir Yousuf Lone, SPO Rayees Ahmad Reshi & QRTs of 34RR & 178th BN CRPF was led by Shri Mohd Ashrif-JKPS Dy.SP PC Imamsahib and party took position in inner cordon around the target. The 2nd party including PSI-Javaid Maqbool Wani, Sgct Manoj Kumar, Ct. Masroor Ali, CT Javid Ahmad, SPO Shabir Ahmed, SPO Audil Hussain Lone, SPO Aadil Gani, SPO Aqib Hussain Tantray and QRT of 34RR & 178th BN CRPF was led by Shri. Raiz Ahmed-JKPS Dy.SP PC Zainpora and party was assigned the task to take position in the houses behind the target house.

All the possible escape routes were plugged off properly by deploying joint QRTs of Police, RR & CRPF. Joint components were at strategic locations to deal with law and order problem if arises. After setting the fire base and plugging off all escape routes, lanes-by-lanes an appeal was made to terrorists for their surrender. To drive the terrorists emotionally for their surrender, family of one holed up terrorist Aqib Ahmad Malik of Arshipora was called at the site, his 4 year old son and 7 year old daughter appealed for surrender through megaphone, but there was no response from terrorist's side. Then family of Aqib Ahmed Malik was taken out of cordon area to a safer place. As soon as the same appeal was made by the inner cordon teams of security forces, a volley of firing came from targeted house. The firing was retaliated strategically by the inner cordon teams. Till first light, all four terrorists were confirmed alive. The strategy was reviewed by Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian with Colonel 34 RR, Commandant 178 BN and Sector Commander 02 and all the vents of target house were targeted together, not to let them settle in any nook of the targeted house. The heavy exchange of firing resulted in breaking fire in the targeted house. In a bid to avoid burn, terrorists started moving to explore safe places and scattered in different directions of the target house.

One of the terrorist came for jumping out of a window in a bid to escape, but the alert operational party viz SI Ghulam Rasool, HC Jatinder Singh, HC Faiz Mohd, CT Allah Din Khatana 21st QRT of RR & CRPF led by DSP Imamsahib fired tactfully without caring for their precious lives due to which terrorist did not find any opportunity to escape and got neutralized. The team came under heavy volume of fire of terrorists but they did not lose their concentration and continued firing on terrorists. Though, the terrorists fired back indiscriminately towards operational party who had narrowly escaped, but to his ill fate one more terrorist was neutralized by the said operational team. Another terrorist moved in other corner of house and fired heavily on team of inner cordon.

Despite having only one AK-47, terrorists were firing and tossing AK-47 rifle to other partners. But alert and determined Joint team comprising of PSI Javaid Maqbool Wani, Sgct Manoj Kumar, CT Masroor Ali, CT Javid Ahmad, SPO Shabir Ahmed, SPO Aadil Hussain Lone, SPO Aadil Gani, SPO Aqib Hussain Tantray, and QRT of 34RR/178th BN CRPF led by Shri Raiz Ahmed-JKPS DySP PC Zainpora neutralized the terrorist in a brief exchange of gun battle. In this way, three terrorists were neutralized in a prolonged exchange of firing. But fourth terrorist proved to be a hard nut to crack. He kept firing on from different positions and amidst heavy exchange of fire Sepoy. Sachinof 34RR sustained bullet injury which ricocheted from a wall. For his safe evacuation, it was necessary to silence the barrel of terrorist's gun. A heavy fire was done on terrorist and the wounded soldier of 34 RR was immediately evacuated and after first aid, he was rushed to 92 bases Hospital for specialized treatment. As the fire engulfed the entire targeted house, terrorist tried to come out and started firing indiscriminately on the inner cordon team, but the team was waiting for this opportunity and neutralized him before he could come out and do any further damage.

Meanwhile, huge number of miscreants had gathered from nearby villages and started pelting stones on security forces followed by sloganeering against them. Though, the joint law & order teams were deployed at all the locations, where locals had gathered. These teams displayed utmost tolerance and kept the miscreants at bay. In this process, few men of law & order team got minor injuries. After thorough search, bodies of 04 terrorist of LeToutfit and their arms/ammunition were recovered from the site and the operation was called-off. The slain terrorists were later on identified as Aamir Shafi Mir S/o Mohammad Shafi Mir R/o Batpora-Palpora, Shopian, Aqib Ahmad Malik S/o Gh Rasool Malik R/o Ganowpora-Arsh, Shopian, Aftab Ahmad Wani S/o Gh Mohd Wani R/o Dachipora, Shopian and Rayees Ahmad Bhat S/o Mohd Sultan Bhat R/o D.K Poralmamsahib, Shopian. Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists.

In this operation, S/Shri Ghulam Rasool Bhat, Sub-Inspector, Jatinder Singh, Head Constable, Faiz Mohd, Head Constable and Allah Din Khatana, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/03/2021.

(File No-11020/223/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 336-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ramesh Lal	Inspector	2nd BAR TO PMG
2	Irshad Ahmad	Head Constable	PMG
3	Anjum Javaid	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.03.2021, specific information was received about the presence of 02-03 terrorists equipped with sophisticated weapons in village Rawalpura Shopian, who are planning to carry out the terrorist activities in the area. On this information, Police Shopian in association with 34th RR and 14th BN CRPF launched joint CASO of the area. As per plan, initial cordon party comprising QRT of 34 RR, QRT of 14th BN CRPF and QRT Police Shopian under the command of Shri Mohd Ashrif DySP PC Imamsahib including Inspector Ramesh Lal, HC Irshad Ahmad, HC Ab Hamid, HC Sudarshan Kumar, Sgct Anjum Javaid moved to village to plug-off all possible escape routes to ensure that terrorists hiding in village may not get any chance to escape. During this course of action, the miscreants of the village on getting to know about the presence of troops in village reacted violently and started pelting heavily upon the troops. The additional parties of 34 RR, 14th BN CRPF & Police Shopian headed by operational commander SSP Shopian also reached to the target village pushed the stone pelters away from the target area and laid the cordon of the said village properly. Cut-off points were placed on approach roads and BP vehicles were placed tactfully around the target. The presence of terrorists inside the cordon was ascertained and accordingly, all cordons were alerted and cordon/cut-off were tightened so that terrorists remained trapped inside it.

After laid a strong cordon, announcements were made and the terrorists were repeatedly offered to surrender, but the besieged terrorists fired indiscriminately upon the cordon party with the intention to kill them and to break the cordon, in which joint advance party including Shri. Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib, Inspr. Ramesh Lal, HC Irshad Ahmad, HC Ab Hamid, HC Sudarshan Kumar, Sgct Anjum Javaid and troops of 34RR & 14th BN CRPF had a narrow escape. However, the cordon parties took cover immediately and retaliated effectively and foil their attempt to escape. There was continuous firing from terrorist side as they were well positioned in two double storied and one single storied concrete building. In the midst of heavy firing, one terrorist tried to escape and jumped from the house. He tried to run towards the joint troops positioned in inner cordon and continued with firing to break the cordon and escape. The joint cordon parties retaliated with firing effectively taking tactical advantage and risking their lives put heavy/accurate firing on terrorists and gun down one terrorist on spot. It was noticed that some families have stuck in the cordoned area.

The Joint parties volunteered themselves for evacuation and in few attempts under the cover firing provided by other team led by Dy. SP PC Keller succeeded in evacuating the families (Civilian) of the adjacent houses to safer places to avoid any collateral damage. The search for other hiding terrorists was started in the cordoned area, but due to poor visibility in darkness it was decided to wait till first light next day and search was put on halt and cordon was further strengthened. Expecting much law & order problem, additional contingents of CRPF/Police were inducted and deployed at the strategic locations. In the first light on 14/03/2021 as the search was intensified by focusing on target house and one dead body of terrorist with weapons were recovered.

In the meanwhile, miscreants of the surrounding area moved to encounter site inciting the public to move towards the encounter site and disturb the ongoing operation and to provide opportunity to the besieged terrorists to flee from the cordoned area. However, the terrorists were again asked to surrender which they refused and kept on putting indiscriminate firing upon the Police/Security forces with an intention to cause casualty and in a bid to escape. Soon the search party approached towards the adjacent building of the target house, they came under heavy volume of firing of the terrorist but they had a very narrow escape. In the mean time, a huge mob gathered around the cordon area and started heavy stone pelting upon the Police/SFs with an intention to give safe passage to the besieged terrorists. However, the joint law & order parties with utmost restraint & professionalism kept them at bay.

In the meantime, the second terrorist who was in well positioned in concrete house again fired upon the search party and was frequently changing his position taking the advantage of congested houses. Some houses caught fire during the encounter, fire tenders were called to douse the fire and the operation was again halted till first light and the cordon was further tightened during night. All possible escape routes were plugged off properly.

In the first light on 15/03/2021, search was again intensified, the terrorist hiding in double storied building in the target area felt the presence of Police/SF and fired indiscriminately upon the joint parties followed by grenade and other incendiary explosives with result the said building got fire. Fire tender extinguished fire and JCB was used to clear remains of burnt houses with proper security cover. During this course of action, one terrorist who was hiding in a small shed of the house felt presence of troops fired a UBGL round upon troops and continued firing. However, the joint in a tactical position and with active ground leadership of operational commander, retaliated in a befitting manner with accurate & high fire power, due to which he could not manage to escape ultimately neutralized. Since no more firing came from terrorist side, the joint troops started the search of the houses and periphery in which body of 2nd terrorist was found with weapon.

The slain terrorists were later identified as Villayat Hussain Lone @ Sajad Afghani S/o Ab. Hamid Lone R/o Rawalpura Shopian District Commander JeM for Shopian recommended for A+ category and Jehangir Ahmad Wani S/o Ab. Rehman Wani R/o Rakh-Narpora Shopian of LeT outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 41/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19, 20 & 23 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian.

In this operation, S/Shri Ramesh Lal, Inspector, Irshad Ahmad, Head Constable and Anjum Javaid, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/03/2021.

(File No-11020/224/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 337-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Anayat Ali Chowdhary, IPS	Sub Divisional Police Officer	PMG
2	Sharad	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Zahid Iqbal Khan	SgCT	PMG
4	Khurshed Ahmad Sheikh	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21.06.2020, Police Component Srinagar received information through reliable source regarding the presence of terrorists in Pazwalpora Zoonimar area of District Srinagar. Acting on this information, Police Component Srinagar contingent, headed by Shri Tahair Ashraf, SP and overall supervision of Shri Suleman Choudhary, SSP Srinagar, Police party of Hazratbal Zone Srinagar headed by Shri Sudhanshu Verma, SP Hazratbal Zone and personnel of Valley QAT CRPF, conducted a Cordon & Search Operation at Pazwalpora Zoonimar area Srinagar falling under the J/D of Police Station Zadibal Srinagar. The Police and QAT CRPF party started search operation in the said area and finally succeeded in zeroing of residential house of one Bashir Ahmad Bhat s/o Ghulam Nabi Bhat R/o Pazwalpora Zoonimar (P/SZadibal), wherein the terrorists were hidden. In the meantime, the identified target house was encircled by the cordon parties. The hidden terrorists somehow detected presence of search parties in the locality upon which they opened indiscriminate firing and hurled grenades towards Police parties in order to escape from the area. The firing was retaliated effectively by the CASO parties besides plugging all the entry points/lanes by-lanes approaching to the target house. The operational parties headed by Shri Tahair Ashraf, SP PC Srinagar alongwith Shri Sudhanshu Verma, SP Hazratbal and assisted by Shri Anayat Ali Chowdhary, SDPO Zadibal, DySP Surinder Singh, DySP Mohd Usman, DySP Sharad, DySP Rahul Nagar, Inspr. Kuldeep Kumar Koul, SI Jonesh Kumar, HC Mohd Iqbal Malla, HC Mohd Ashraf Dar, SgCt Mohd Qasim, SgCt Javaid Ahmad, SgCt Vijay Kumar, SgCt Zahid Iqbal Khan, SgCt Khurshed Ahmad Sheikh, SgCt Shahid Hussain, SgCt Shabir Ahmad, SgCt Reyaz Ahmad, SgCt Reyaz Ahmad Sheikh, SgCt Fayaz Ahmad Mapnoo, Const Waseem Hassan Khanday, Const Aijaz Ahmad Mir, Const Mirza Zahid Abbas, Const Yashpal, Const Amran Ahmad and Const Umar Jan with other police parties of Police Component Srinagar/Hazratbal Zone Srinagar Valley QAT CRPF under the overall supervision of SSP Srinagar Dr Mohd Haseeb Mughal approached towards the target house from all sides. The hiding terrorists were asked to surrender

which they categorically denied and instead again hurled grenades amid firing in successions. The hidden terrorists were continuously asked for surrender through public address system as well but they refused and continued indiscriminate firing towards the police parties. Finally, after taking all necessary precautions and as per the operational SOPs, the room-to-room intervention of the house was planned & started in coordination with Valley QAT of CRPF under the command of Shri Tahair Ashraf SP PC Srinagarduring which police party was succeeded in detecting and zeroing the movement of terrorists, who were hiding inside the residential house, without caring for their personal lives and with the result 02 terrorists were eliminated in the first attempt. After the elimination of 02 terrorists, the search party continued their search as there were inputs about three terrorists hiding inside the residential house and finally contact was again established with another hiding terrorist. The holdup terrorist after noticing the searching party, indulged in indiscriminate firing towards the police party, which too was retaliated effectively by searching party without caring for their lives resulting into elimination of 3rd terrorist.

Later on the killed terrorists were identified as Shakoor Farooq Langoo S/o Farooq Ahmad R/o Barthana Qamarwari Srinagar, Mohd Mohsin Khandwa S/o Ghulam Nabi R/o Dar Mohalla Anchar Soura Srinagar and Shahid Ahmad Bhat S/o Ghulam Mohd Bhat R/o Semthan Bijbehara Anantnag. The elimination of these terrorists was a very big jolt to the terrorist network of HM/JeM outfits in the South and Central Kashmir Range. Both the killed terrorists were involved in the following militancy related incidents/FIRs in South and Central Kashmir Range. Shakoor Farooq Langoo S/o Farooq Ahmad R/o Barthana Qamarwari Srinagar and Mohd Mohsin Khandwa S/o Ghulam Nabi R/o Dar Mohalla Anchar Soura Srinagar were involved in the attack on BSF party at Pandach Soura Srinagar on 20/05/2020 in which 02 BSF personnel attained martyrdom. Case FIR No. 48/2020 U/S 302, 392 IPC, 7/27 Arms Act and 16,18, 23 ULA (P) Act was registered in Police Station Soura Srinagar. Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists, details of which are enclosed. In this regard, case FIR No. 40/2020 U/S 307 IPC & 7/27 I.A. Act stands registered in P/S Zadibal.

In this operation, S/Shri Anayat Ali Chowdhary, IPS, Sub Divisional Police Officer, Sharad, Deputy Superintendent of Police, Zahid Iqbal Khan, SgCT and Khurshed Ahmad Sheikh, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/06/2020.

(File No. 11020/225/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 338-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Masroor Ali Wani	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
2	Sheeraz Ahmad Kumar	SgCT	PMG
3	Shabir Ahmad Bhat	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.12.2020, Police Baramulla received credible information regarding presence of some militants in the village Wanigam Payeen. After this Police Baramulla along with CRPF 176 Bn and 29 RR Army launched search operations in village Wanigam Payeen. During search operation, searching party sensed the presence of militants in a house. Accordingly, a meticulous strategy was chalked out onspot. The location of the militants was identified and watertight cordon has been laid round the suspected area.

After lying of watertight cordon, a rescue team under the supervision of Mukesh Kumar Kakkar SP (OPS) Baramulla was framed and assigned the task of evacuation of civilians from the adjacent houses and nearby orchards, SI Masroor Ali Wani, Sgct Shabir Ahmad Bhat and Sgct Sheeraz Ahmad Kumar volunteered themselves to the part of this team.

After completion of evacuation process, an assault Team was constituted under the command of Mukesh Kumar Kakkar SP OPS Baramulla and SI Masroor Ali Wani, Sgct Shabir Ahmad Bhat and Sgct Sheeraz Ahmad Kumar again volunteered themselves for this life threatening act. Thereafter, Mukesh Kumar Kakkar SP (OPS) Baramulla along with SI Masroor Ali Wani, Sgct Shabir Ahmad Bhat and Sgct Sheeraz Ahmad Kumar started advancing by crawling, adopting the field tactics using trees and land dunes as shield and came closer to the suspected site from the southern side i.e front side of the house. The hiding terrorists were asked to surrender, instead the militants hurled hand grenades towards operation party followed by indiscriminate firing to break the cordon, however they with covering support of inner cordon, remained committed and retaliated the firing which did not allow the militant to execute their nefarious design.

Since the terrorists were hiding in a concrete house at safer place (Hamam) as such house intervention became imperative. Accordingly Mukesh Kumar Kakkar SP OPS Baramulla directed SI Masroor Ali Wani, Sgct Shabir Ahmad Bhat and Sgct Sheeraz Ahmad Kumar to approach right side of the house and take safer positions and will kept eagle eye on the movements of trapped terrorists.

Thereafter, Shri Mukesh Kumar Kakkar SP (OPS) Baramulla and Sgct Shabir Ahmad Bhat entered into the house from front side and started room by room search. During search, they sensed the presence of militant in a room (Hamam) situated back side of the house Mukesh Kumar Kakkar SP OPS Baramulla took his position at the door and his buddy Sgct Shabir Ahmad Bhat took position in kitchen which was opposite to Hamam room. During gun battle, Service rifle of Sgct Shabir Ahmad Bhat stopped working due to squib load. Mukesh Kumar Kakkar SP OPS Baramulla who was closer to the suspect room fired some round to pin down the militant and rescued Sgct Shabir Ahmad Bhat without caring for his life. Sgct Shabir Ahmad Bhat after pushing out wedged bullet from the barrel of his service rifle took Position again in the room and swiftly kicked the door. Mukesh Kumar Kakkar stormed the volley of firing towards the militant which resulted in the elimination of one terrorist and another terrorist jumped out from a window backside and tried to flee from the spot. Said terrorist hurled hand grenades and fired indiscriminately, however alert SI Masroor Ali Wani and Sgct Sheeraz Ahmad Kumar who were positioned at the back side of the house did not give up and without carrying for their precious lives remained committed, fired upon the terrorist and gunned down him. The slain terrorists were later-on identified as Umer @ Abrar @ Haji @ Langoo R/o Pakistan "A" category and Amir Siraj Bhat S/o Siraj-ud-din Bhat R/o Khawaja Gilgit Batapora Sopore of JeM outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 125/2020 U/S 307 IPC & 7/27 I.A. Act stands registered in P/S Kreeri. They were involved in various terror incidents in Kashmir and have managed to escape from various encounter sites. They have moved to Kreeri Baramulla area to resort terrorist activities in District Baramulla and to strengthen militant outfit by motivating the youth to join militant ranks in order to leash the reign of terror in District Baramulla.

The area of operation was densely populated/covered by apple orchards, big walnut trees and apricot trees which always remained hot bed for the militants movement/presence and it was a big challenge for the security forces to launch an anti-militancy operation in such a problematic area without any collateral damage, but it was conspicuous bravery, professionalism, immense leadership and matchless resilience exhibited by SI Masroor Ali Wani, Sgct Sheeraz Ahmad Kumar and SgCt. Shabir Ahmad Bhat that the operation was concluded with the elimination of 02 dreaded terrorists of JeM terror outfit without any collateral damage by putting their lives on stake in the instant operation to uphold the security/sovereignty and integrity of the India.

In this operation, S/Shri Masroor Ali Wani, Sub Inspector, Sheeraz Ahmad Kumar, SgCT and Shabir Ahmad Bhat, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/12/2020.

(File No. 11020/226/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 339-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Tanweer Ahmad Dar	Additional Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Nazir Ahmad Bijran	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Ankush Sharma	SgCT	PMG
4	Manzoor Ahmad Lone	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.10.2020, Pulwama Police in assistance with 55 RR and 182/183 Bns CRPF following a credible lead, launched a joint operation in village Dadoora, Pulwama. Acting swiftly, all the entry/exit points, path ways including lanes/by-lanes were plugged off. After strengthening cordon, a team of PC Pulwama headed by Shri Tanweer Ahmad Dar, Addl.SP Pulwama and assisted by ASI Nazir Ahmad Bijran, SgCt Ankush Sharma, SgCt Manzoor Ahmad Lone alongwith components of 55 RR and 182/183 Bn CRPF was asked to went for search of the target place and another team headed by Shri Saqib Ghani, DySP PC Pulwama and assisted by HC Arshid Ahmad Dar, SgCt Sajad Ahmad Wani, SgCt Arshad Ahmad Baba, SgCt Hafizullah Baba alongwith components of 55 RR and 182/183 Bns CRPF was formed to augment and

provide cover to above said search party. As soon as the search party approached, the suspected house belonging to one Gulzar Ahmad Sheikh S/o Ghulam Ahmad Sheikh R/o Dadoora, terrorists hiding in the said house opened heavy volume of firing indiscriminately towards the search party with the intention to break the cordon and make their escape good. Upon this, Shri Tanweer Ahmad Dar, Addl. SP Pulwama without losing concentration/grip over his party, swiftly came into action and retaliated the firing effectively which forced the terrorists to turn defensive. Shri Saqib Ghani, DySP PC Pulwama alongwith Police/SF party available at the site immediately rushed to the spot for assistance of initial search party, retaliated the terrorist firing with courage and did not provide any escaping chance to hiding terrorists.

Since the operation broke out in an inhabited area covered with thick apple orchards and there was apprehension of civilian casualty as such SP Pulwama directed the heads of joint Police/SF parties to ensure safe evacuation of the civilians trapped in the cordoned area. Accordingly, all the civilians were shifted to safer places successfully without any collateral damage. After successful evacuation of the civilians from the target area, cordon was further tightened and all possible escaping routes were plugged strongly. Before starting the final assault, holed-up terrorists were asked to surrender which they declined and instead fired indiscriminately upon the deployed forces and made several attempts to escape from the cordoned area but could not succeed. In order to neutralize the holed-up terrorists, SP Pulwama directed the joint parties to take positions properly and retaliate the terrorist firmly. As per the directions, Addl. SP Pulwama Shri Tanweer Ahmad Dar, ASI Nazir Ahmad Bijran, SgCt Ankush Sharma, SgCt Manzoor Ahmad Lone and DySP PC Pulwama Shri Saqib Ghani alongwith their Police/SF parties immediately took positions at appropriate places around the target house and retaliated from the front without caring for their precious lives and neutralized two terrorists. Thereafter, SP Pulwama through PA system motivated the 3rd terrorist to lay down his arms before the forces which he agreed. In this way 02 terrorists were, killed and 01 terrorist was apprehended alive in this operations. The killed/arrested terrorists of LeT outfit were lateron identified as Zahid Nazir Bhat @Tiger @ Fahaid S/o Nazir Ahmad Bhat R/o Drubgam Bala Pulwama ( Killed ) @ Saifullah @ Eurtugrul (FT) R/o Pak ( Killed) and Firdous AhmadTak @ Umer S/o Abdul Gani Tak R/o Dadaposta District Doda (Arrested). Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of eliminated terrorists. In this regard, case FIR No. 232/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,18& 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Tanweer Ahmad Dar, Additional Superintendent of Police, Nazir Ahmad Bijran, Assistant Sub Inspector, Ankush Sharma, SgCT and Manzoor Ahmad Lone, SgCTdisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from10/10/2020.

(File No.-11020/229/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 340-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Amit Verma	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Gh. Mohd Rather	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Yar Mohammad	Assistant Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.08.2020 at about 0140 hours, Police Pulwama has received information from Police Budgam about the presence of terrorists in village Zadoora, Pulwama. Accordingly, SP Pulwama called an emergency meeting with Shri Nagpure Amod Ashok, SSP Budgam, Shri Tanweer Ahmad, Addl. SP Pulwama, Shri Amit Verma, Addl. SP Budgam, Shri Nawaz Ahmad DySP PC Kakapora, Shri Mansoor Ayaz DySP PC Chadoora and plan of execution was discussed/finalized as per the location and topography of the Village. Thereafter, the information/plan was further developed with Army 50 RR and 183 Bn CRPF who were asked to depute their parties for launching the operation in the suspected area. As per the devised plan, Police teams of District Pulwama/Budgam alongwith Army/CRPF components went towards the target location and launched CASO around the target location.

After plugging all the interior roads, lanes and path ways strongly, two joint teams, one team headed by Shri Nagpure Amod Ashok SSP Budgam and assisted by Shri Nawaz Ahmad DySP PC Kakapora, ASI Gh. Mohd Rather, ASI Yar Mohammad and SgCt Ghalib Bhat along with party of 50 RR and CRPF 183 Bn. Another party headed by Addl. SP Budgam Shri Amit Verma and assisted by DySP Mansoor Ayaz, ASI Ajay Kumar, HC Ghulam Mohammad and

Ct Shahnawaz Ibn Majeed alongwith party of 50 RR and CRPF 183 Bn were formed for conducting searches in the suspected area. As soon as the search party led by SP Budgam entered in the house belonging to one Mohammad Yousuf Sofi S/o Ghulam Mohammad Sofi R/o Zadoora Pulwama, the terrorists present inside the said house started indiscriminate firing upon the approaching police party with the aim to break down the cordon and to escape from the spot. However, the search party immediately took cover and retaliated the terrorist firing with dedication, due to which the besieged terrorist could not find any gap to escape from the cordoned area. Another search party led by Addl. SP Budgam without taking time reached on spot and retaliated firing which has resulted bullet injuries to one of the terrorist. In order to avoid human loss, a Police team under the supervision of SP Pulwama has evacuated all the civilians trapped in the cordoned area to safer places successfully.

After establishing the contact with the terrorists, SP Pulwama advised both the parties who were inside the target house to come out of the house which include HC Tanveer Mohd Bhat, HC Mohd Mustafa Dar, SgCt Fayaz Ahmad Dhoond, SgCt Pervaiz Hussain Batt, SgCt Mukhtar Ahmad Peerzal Gakhar, SgCt Sunil Jee Sapru, SgCt. Mohd Alyass Khoja, Ct. Dawood Hassan Najar and Ct. Touseef Ahmad Dar. SPO Nayeem Ahmad, SPO Ishfaq Ahmad, SPO Manzoor Ahmad, SPO Abdul Rehman, SPO Mohd Fareed, SPO Mushtaq Ahmad, SPO Ashiq Hussain, SPO Fayaz Ahmad, SPO Aashiq Hussain and SPO Tanveer Hussain were directed to give cover firing to room intervention parties so that they could come out from the target house safely.

When both the parties came out of the target house, then Shri Ashish Kumar Mishra, SSP Pulwama announced through PA system and asked terrorists to surrender before Police repeatedly, but the terrorists instead of accepting the offer, fired upon the troops present inside the first cordon indiscriminately. The parties immediately took cover and retaliated from the front with dedication and courage. During the exchange of firing, which continued for hours together the 03 terrorists of HM outfit were neutralized who later on Aadil Hafiz S/o Habibullah Hafiz R/o Dalipora Pulwama, Arshid Ahmad Dar S/o Ghulam Hassan Dar R/o Drubgam Pulwama and Rouf Ahmad Mir S/o Ghulam Mohiudin Mir R/o Muchpona Pulwama. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of eliminated terrorists. In this regard, case FIR No. 195/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama and investigation taken-up. The death of above named terrorists is a huge setback to terrorist cadres especially HM outfit and is a great relief for security forces/civilians in Kashmir province particularly in south Kashmir.

Amit Verma, Addl. SP, Gh. Mohd Rather, ASI and Yar Mohammad, ASI have played a pivotal role in the operation from beginning to the end. After establishing the contact with terrorists, they fought bravely from the front without caring for their precious lives and did not provide any opportunity to the holed up terrorists to escape from the cordoned area. It is due to their alertness, dedication and courage that the operation was made successful.

In this operation, S/Shri Amit Verma, Additional Superintendent of Police, Gh. Mohd Rather, Assistant Sub Inspector and Yar Mohammad, Assistant Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/08/2020.

(File No.-11020/230/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 341-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Naeem Rashid	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
2	Amanpreet Singh	SgCT	PMG
3	Amit Sharma	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.12.2020, Shopian Police received specific information through reliable sources regarding presence of terrorists equipped with illegal arms/ammunition in Village Kenigam, Shopian. After getting this specific information, Police Shopian in association with 44 RR & 178th BN CRPF cordoned off the said village and started search to flush out terrorists. In order to make the operation successful, two Joint teams of Police, RR & CRPF under the supervision of SSP Shopian were constituted to identify actual location/hideout of terrorists and subsequently neutralize them without any collateral damage. The cordoned area was a difficult terrain which included scattered residential houses, dense orchards, heights and deep Nallas. The area was sealed off and all possible escaping routes, path ways for orchards, interior roads & lanes/by-lanes were plugged properly.



In order to make operation successful, nafri was divided into two parties under the overall supervision of SSP Shopian with full coordination of 44 RR and 178th BN CRPF. The First party comprising Police/QRTs of 44 RR and 178th BN CRPF headed by Shri Mohammad Ashrif, DySP PC Imamsahib including SI Naeem Rashid, ASI Mohd Yousuf, HC Mohd Abass, HC Sunil Raina, Sgct Nazir Ahmad, Ct. Obaid Maqbool, SPO Bilal Ahmad, SPO Maqsood Ahmed was asked to lay the cordon of the suspected area from North-West and South-Western sides. The Second Police party with QRTs of 44 RR/178th BN CRPF headed by Inspr Ramesh Lal, Sgct Amanpreet Singh, Ct Amit Sharma, Ct Nasir Hussain, Ct Muneer Ahmad, SPO Surinder Pal, SPO Aamir Ahmad, laid the cordon of the target area from North-East and South Eastern sides.

The assault parties positioned themselves as per plan and started searches to flush out hiding terrorists. However, terrorists hiding in area on noticing the movement of operational parties resorted to indiscriminate firing upon troops from different sides with the intention to cause damage to forces and to break down the cordon. The hiding terrorists kept changing their locations again and again in order to avoid disclosing their specific location. The search party immediately took cover and retaliated with proper strategy due to which terrorists did not find any opportunity to escape from the besieged area. In order to avoid any civilian causality, operational Commander (SSP Shopian) asked the parties to evacuate the people trapped

in cordoned area. While the evacuation process was taking place, assault groups came under heavy volume of firing of terrorists. They did not lose their concentration and continued the evacuation process without caring for their personal lives.

In the meantime, miscreants started heavy stone pelting on the troops engaged in cordon with the intention to breakdown cordon so that the trapped terrorists can get opportunity to flee from the area. However, the law & order components deployed in the area for the purpose exercising maximum restraint and handled the situation tactfully.

Since it was dark and there was every apprehension that the besieged terrorists may attempt to escape from the cordon in the darkness, as such it was decided to reinforce cordon and troops were briefed to hold up CASO strictly so that trapped terrorists may not find any opportunity to flee during the night. At about 2000 hours, terrorists hurled grenades followed by indiscriminate firing upon the parties and tried to escape from cordoned area. The operational Commander Shri Amritpal Singh, SSP Shopian alongwith Police parties including Inspr Ramesh Lal, SI Naeem Rashid, Sgct. Amanpreet Singh, HC Mohd Abass, HC Sunil Raina & Ct Amit Sharma fought with dedication and courage from the front without caring for their precious lives and succeeded in elimination of one dreaded terrorist. However, the second terrorist managed to hide himself in another house.

The search for 2nd terrorist continued till 2200 hours in the night during, the suspected houses were searched thoroughly. As darkness fell, the Operational Commander decided to suspend the search process till first light. However, in the wee hours of next day, terrorist hurled few grenades followed by indiscriminate firing upon troops in which one Jawan of 44 RR namely Havildar Anil Kumar Tomar sustained injuries. The injured Jawan was immediately shifted to nearby Hospital for treatment. Lateron, he got Martyrdom. The terrorist was offered to surrender which he refused and instead keep on firing on troops. The assault party led by SSP Shopian retaliated in befitted manner and gunned down 2nd terrorist. The deceased terrorists were later on identified as Asif Ahmad Lone HM outfit of S/o Gh Mohd Lone R/o Turkawangam Shopian and Owais Farooq Allie @ Abu Hurrerah (Al-Badr outfit) S/o Farooq Ahmad Allie R/o Kadelbal Awantipora. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No. 100/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Imamsahib and investigation taken up.

In this operation, S/Shri Naeem Rashid, Sub-Inspector, Amanpreet Singh, SgCT and Amit Sharma, Constables displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/12/2020.

(File No.-11020/233/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 342-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shabir Ahmad Khan	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Ab. Rahim Sheikh	Head Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On specific information generated by Police Handwara regarding presence of terrorists in Waripora Handwara on 14.05.2017, a joint operation was planned and executed by Police Handwara, 21 RR and 92 Bn CRPF in and around the Village Waripora Handwara. The presence of terrorists was established and cordon around the hiding terrorists was tightened. During the search operation, heavily armed terrorists opened indiscriminate firing on the search party that created a chaos among the resident civilians inside the cordon area. In order to evacuate the entire civilian to safer area, rescue operation was started and joint team of Police & Army headed by SDPO Handwara Shabir Ahmed Khan augmented by HC Ab Rahim Sheikh volunteered themselves to take the responsibility of evacuating the civil population to safer areas. Despite the risk involved, they showed utter disregard to their personal safety, evacuated the civilians amidst volley of firing. After the safe evacuation of civilians, on spot assault teams were constituted to eliminate the dreaded terrorists without any collateral damage. SDPO Handwara alongwith HC Ab Rahim Sheikh again volunteered themselves for the task and marched towards hiding terrorist in various directions. The target area being an open orchard adjacent to nearby forest area, the terrorists had already taken advantageous positions to inflict maximum damage on the operation party. While seeing the assault party moving forward, the terrorists started indiscriminate firing on the assault teams and lobbed several grenades. SDPO Handwara and HC Ab Rahim Sheikh tactfully retaliated this attack and directed assault team to take positions behind apple trees to avoid collateral damage. This abrupt assault of terrorists makes the task more difficult for the assault teams to move forward. Taking the advantage of safer positions, SDPO Handwara and HC Ab Rahim retaliated the terrorist attack, pushed terrorists further in defensive position while moving tactfully towards terrorists. The assault team headed by SDPO Handwara alongwith his buddy, without caring for their own lives and showing nerve of steel, marched towards dreaded terrorists in a firing retaliatory action and reached in close proximity of the hiding terrorists. During this action, they provided cover firing to each other. On reaching very close to the terrorists, a final assault upon the hiding terrorists was launched resulting killing of two dreaded Fidayeen foreign terrorists who were part of Fidayeen group that attacked on Panzgam army camp Kupwara on 27.04.2017. Case FIR No. 102/2017 U/S 307, 7/27 I.A. act dated 14-05-2017 stands registered in PS Handwara.

In this operation, S/Shri Shabir Ahmad Khan, Deputy Superintendent of Police and Ab. Rahim Sheikh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/05/2017.

(File No.-11020/92/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 343-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir : —

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Haseeb Mughal	Senior Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Shazaad Ahmed Salaria	Superintendent of Police	1 st BAR TO PMG
3	Syed Sajad Hussain	Sub Divisional Police Officer	3rd BAR TO PMG
4	Surinder Singh	Deputy Superintendent of Police	PMG
5	Musir Asgar	Inspector	PMG
6	Sandeep Khajuria	Head Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.10.2020, Police Srinagar received an information that some terrorists carrying arms/ammunition are hiding in area of Old Barzulla, Srinagar, under the jurisdiction of P/S Sadder. Immediately, after getting the information about the presence of terrorists in the said area, a police team of District Srinagar headed by SP City West Zone Srinagar, under the overall supervision of SSP Srinagar, assisted by SP PC Srinagar, SP City South Zone Srinagar, SDPOs Panthachowk/Sadder Srinagar, SHOs P/Ss Nowgam/Panthachowk/Sadder, ICs PPs Rangreth/Chanapora and Valley QAT CRPF personnel were constituted to identify the hideout and subsequently neutralize the terrorists without any collateral damage. The constituted team started intensifying search in the said area and the team succeeded in zeroing of location wherein the terrorists were hiding. Before the operation was conducted, it was decided to co-opt. with Valley QAT CRPF in order to avoid any collateral damage and to conduct clean operation.

All the nafri were divided into two parties. First party was tasked to lay the cordon of the target area from North West and South West side, while as the second party was tasked to lay the cordon of the target area from North East and South East side area in which the terrorists were hiding and if required to make an intervention under the supervision of SSP Srinagar with full coordination of other security forces.

All the parties positioned themselves according to the plan as enumerated above. SSP Srinagar being In-charge of the cordon parties formed small teams of Police for evacuation of the inmates of adjoining houses, as the area was very congested. The teams very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining houses and shifted them to a nearby safer place to ensure that there is no collateral damage. In the first instance, two terrorists were seen in the hideout which was already zeroed in who were asked to surrender, but they declined. Instead of surrendering, terrorists opened firing on the operation parties. The holed up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing parties. At this stage, SSP Srinagar while supervising the operation, constituted two small parties and detailed in civvies to notice/watch the movement of the terrorists. These SPOs worked together and made their eyes on the movement of terrorists and ultimately informed the senior

formations about movement and sensational plans of terrorists regarding target of security forces in the heart of the Srinagar City, on the basis of which the police parties were able to identify the area, where the terrorists were present. First party decided to enter the target area from South East side and 2nd party decided to enter the target area from South West side, but the hiding terrorists lobbed grenades however, it caused no damage as the approaching parties were advancing tactically. Then SSP Srinagar while leading the first party reached near the target area from South East side, where from the terrorists lobbed grenades/fired indiscriminately in an attempt to break the cordon and run away, but the operational parties without losing the sense target the terrorists and retaliated the firing effectively without caring for their personal lives and neutralized one terrorist. The another terrorist, who in order to escape hid himself in other side of the said area and opened indiscriminate firing from the South West side to break the cordon but the 2nd operational party, which had already taken position, retaliated the firing bravely and in the exchange of fire, 2nd terrorist also got eliminated and later on identified as Saifullah @ Daniyal R/o Pakistan (LeT, A-Category) and Irshad Ahmad Dar S/o Mohammad Yousuf Dar R/o Trichal Pulwama (A-Category) of LeT outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 243/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act and 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Sadder for further investigation.

The role and the leadership shown by Mohd Haseeb Mughal, SSP, Shazaad Ahmed Salaria, SP, Syed Sajad Hussain, SDPO, Surinder Singh, DySP, Musir Asgar, Inspector, Sandeep Khajuria, HC with other officers of District Srinagar in the instant operation was exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between joint operational parties of Police and Valley QAT CRPF, till the culmination of operation. These officers remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz evacuation of nearby civilians, chalking out best possible operational plan, priority of the lives of operational parties and assaulting on terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/ShriMohd Haseeb Mughal, Senior Superintendent of Police, Shazaad Ahmed Salaria, Superintendent of Police, Syed Sajad Hussain, Sub Divisional Police Officer, Surinder Singh, Deputy Superintendent of Police, Musir Asgar, Inspector and Sandeep Khajuria, Head Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/10/2020.

(File No.-11020/94/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 344-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rameez Raja	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Viqar Younus	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Riyaz Ahmad Ganai	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
4	Shabir Ahmad Bhat	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21.03.2019, Baramulla police received information through reliable source regarding presence of terrorists in an abandoned government building located on the bank of Ningli Nallah in village Bandi-Payeen. It was also learnt that the terrorists were planning to disrupt and derail electoral process. The intelligence input was immediately corroborated and

confirmed from different sources. A detailed and decisive operation plan was prepared by Baramulla police Army 52, 29 RR and CRPF 176 Bn. The target area was immediately cordoned off.

The hiding terrorists were urged to surrender which they refused and resorted to firing on the operational party. One Army Officer and one Jawan of 29-RR sustained injuries as a result of grenade thrown by terrorists.

To neutralize the terrorists, two composite teams of Police, Army and CRPF were constituted. Team A was headed by DySP Rameez Raja and comprising SI Riyaz Ahmad Ganai, HC Nasir Ahmad, SgCt. Ichpal Singh, SgCt Ashiq Hussain, SgCt Muzaffar Ahmad, SPO Parmeet Singh, SPO Mohd Afzal, SPO Raja Majid, SPO Ghulam Hassan, SPO Safeer Ahmad. Team-B was led by Zafar Mehdi, DySP (PC) Pattan, and DySP Viqar Younus comprising SgCt Shabir Ahmad Bhat, SgCt Mubashir Zahoor, Ct. Javaid Ahmad, Ct. Kursheed Ahmad, Ct. Uzair Ahmad, SPO Shabir Ahmad, SPO Hilal Ahmad, SPO Fayaz Ahmad. Both the teams were initially tasked to evacuate the trapped civilians from adjoining houses and hospital to the safer places.

After the successful evacuation, team A approached the target building along with army team from the southern side while team B approached the target building from the northern side. Team A without caring for their personnel lives stormed the room and gunned down one terrorist while as the other terrorist escaped to the adjoining room. Team B maintained highest degree of coordination with team A and the forces fortifying the outer cordon, and entered the said room without caring for their personal safety and eliminated the terrorist. A huge cache of arms/ammunition was recovered from the possession of the slain terrorists. The slain terrorists were later on identified as Amir Rasool Kaboo S/o Gh Rasool Kaboo R/o Arampora Sopore Baramulla (LT) and Sabir Bhai @ Qari R/o Pakistan JeM terrorist outfit. In this connection, case FIR No. 04/2019 U/S 307/RPC, 7/27 I. A. Act stands registered in P/S Chandoosa. Needless to mention that these killed terrorists were active in Baramulla district since a long time and had unleashed a reign of terror. They were highly trained and were specialized in fabricating IEDs.

In this operation, S/ShriRameez Raja, Deputy Superintendent of Police, Viqar Younus, Deputy Superintendent of Police, Riyaz Ahmad Ganai, Sub Inspector and Shabir Ahmad Bhat, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/03/2019.

(File No.-11020/95/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 345-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Gurinderpal Singh, IPS	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Samir Hussain Dar	SgCT	PMG
3	Manzoor Ali Khan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.05.2020, Police Kulgam received an specific information regarding the presence of a group of terrorists in village Khud Hanjipora D.H Pora. Police Kulgam alongwith 34 RR and 18th BN CRPF cordoned off the said village and started door to door search Operation. The initial party led by Shri Gurinderpal Singh, SP Kulgam with buddies reached to target house. Another party led by Inspector Vishal Shoor and SI Ab Rashid SHO Manzgam alongwith respective escorts/counter parts of 34RR and 18th Bn CRPF cordoned the area. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in the target house, the cordon was further strengthened in the said village and search operation was started. The target house was zeroed in and the terrorists were given opportunity to surrender, which they refused. During search, the hiding terrorists started indiscriminate firing upon operational party with the intention to kill them. The firing was effectively retaliated by the advancing search parties. The fierce fight began and continued for a long time. Strategic planning worked effectively; however, the intermittent firing went on. But, the operational party did not leave the spot and entered in target area from different sides and eliminated two terrorists.

The coherence shown by the police component especially Samir Hussain Dar, SgCT, Manzoor Ali Khan, CT under overall command of SP Kulgam, played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring for their personal safety and security who were lateron identified as Adil Ahmad Wani (A-Cat) S/o Ab. Hameed Wani R/o Jamnagri, Shopian & Shaheen Ahmad Thoker (C-Cat) S/o Bashir Ahmad Thoker R/o Pandushan, Shopian.

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No. 25/2020 U/S 307 IPC, 7/25, 7/27 I.A. Act, 13,16,18, 19, 20 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Manzgam and investigation is going on.

The terrorists were operating together due to local OGW support and planning to carry out attack on security forces. Most importantly these terrorists had potential to motivate youth to join terrorism. The death of these two terrorists was a big jolt to structural and functional unit of respective banned terror outfits who were in pursuance to pressurize the serving police officials and other S/F personnel residing in the South Kashmir. Both the terrorists were involved in many criminal cases.

The professionalism coupled with outstanding courage exhibited by the Kulgam Police during the instant operation was remarkable. The command, control and operational skills in laying effective cordon in such circumstances when whole country was under lock down and social distancing was a big challenge, Our law & order gear was also effective on ground and they did not allowed any gathering to swell.

The continuous successful operations have put the terrorist on back foot to save their lives. Due to the strenuous efforts by the officers/officials of district Kulgam along with above mentioned officials the particular operation has been carried out successfully with elimination of 02 dreaded terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Gurinderpal Singh, IPS, Superintendent of Police, Samir Hussain Dar, SgCT and Manzoor Ali Khan, Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/05/2020.

(File No.-11020/97/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 346-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shabir Ahmad	Head Constable	3rd BAR TO PMG
2	Sadam Hussain Shah	Head Constable	PMG
3	Sartaj Ahmad Dar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05.11.2020, based on a credible input regarding presence of terrorists in village Lalpora Chatlam Pampore, a joint cordon and search operation was launched by Awantipora Police with the assistance of Army 50 RR, CRPF 110 Bn and 185 Bn in the said village. The said village has a lake on southern side and on other three sides it is covered with dense population. The actionable plan was chalked out meticulously by SSP Awantipora, Shri Tahir Saleem, CO 50 RR, CO 110 Bn & 185 Bn CRPF by analyzing the input and keeping in mind all hostilities. After analyzing all aspects of the situation, the cordon was laid at about 1700 hours.

As the cordon was being laid, hiding terrorists opened indiscriminate firing upon the cordon party of small team led by SSP Tahir Saleem Khan, HC Shabir Ahmad, HC Sadam Hussain Shah & SgCt Sartaj Ahmad Dar with the intention to inflict injuries to them and flee away by breaking the cordon. The firing was effectively retaliated by the above cordon/assault party and terrorists could not break the cordon and were pushed back into the cordoned area. However, during the firing opened by hiding terrorists, two civilian got injured. The operational/assault party moved forward in darkness, exposed themselves to imminent danger and retrieved the injured civilians during the live encounter and shifted them to Sub District Hospital Pampore whose condition was stable. The injured civilians were identified as 1) Abid Ahmad Mir S/o Ab. Hamid R/o Meej Pampore & 2) Kifayat Ahmad Bhat S/o Gulzar Ahmad R/o Chatlam Pampore. The cordon of target area was further strengthened by deploying additional troops. The search was stopped due to darkness, however, proper lighting arrangements were put in place and observation through drones was maintained so that terrorists could not flee in darkness. During night hours, terrorists made two attempts to break the cordon and flee away by firing upon the operational/cordon party, however the same team led by the above officers effectively retaliated firing thereby preventing escape of terrorists from the target cordon area.

Next day on 6th November 2020 at about 0600 hours, search was resumed. The search/assault party, preferred to evacuate the civilians from the adjoining houses of the target area. The party led by the above officers/officials, without

caring for repercussions, exposing themselves to imminent threat, evacuated all the inmates of houses surrounding the target area to the secured location. The hiding terrorists were also given an opportunity to lay down their arms and surrender. Instead, the terrorist who was hiding in bushes fired upon the search/assault party, which was effectively retaliated thereby killing one of the hiding terrorist on the spot.

The operational/assault party proceeded ahead and witnessed one of the terrorist hiding in a washroom outside one of the houses of the target area. He was again given an opportunity to surrender through repeated announcements, to which he responded and after following a scrupulous security drill, the hiding terrorist came out of the washroom after laying his arms/ammunition inside the washroom and then surrendered before the operational/assault party. The surrendered terrorist was identified as Khawar Sultan Mir S/o Mohammad Sultan Mir R/o Drangble Pampore of LeT outfit. While the search continued, a suspicious movement of the hiding terrorist was observed in the marshy land of the cordon/target area by operational/assault party. Again announcements were made and he was provided an opportunity to lay down his arms/ammunition and surrender. Instead of surrender, the terrorist opened indiscriminate firing upon the operational/assault party, however, the assault party led by the above officers, moved forward in a synchronized manner and effectively retaliated thereby killing the 2nd terrorist on the spot after a brief gun battle. The slain terrorists were later identified as (1) Foreign terrorist Umar Bhai R/o Pakistan of LeT outfit( Cat-A+) & (2) Foreign terrorist Huzaifa R/o Pakistan (LeT)(Cat-A). As such, the 24 hours long gun battle was concluded without causing any collateral damage. Huge quantity of Arms & Ammunition was recovered from the possession slain/surrendered terrorists. To this effect a criminal case stands registered in PS Pampore under FIR No. 90/2020 U/S 307 IPC, 7/27 A. Act, 16,18,20,38 ULA(P) Act and investigation was set into motion.

The killing of two foreign terrorists and surrender/arrest of other local terrorist was a big achievement to Police/SFs. The elimination of foreign terrorists damaged the terror structure of foreign terrorists to considerable extent in Pampore belt in particular.

In this operation, S/Shri Shabir Ahmad, Head Constable, Sadam Hussain Shah, Head Constable and Sartaj Ahmad Dar, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/11/2020.

(File No.-11020/98/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 347-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Nawaz Ahmed	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Saqib Ghani	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Zahoor Ahmad	Assistant Sub Inspector	PMG
4	Khursheed Ashraf Lone	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.10.2020 following a credible input, Pulwama Police in assistance with 50 RR, 182/183 Bns CRPF launched a joint operation in village Hakripora Pulwama. Acting swiftly, all the interior roads, lanes and path ways were plugged tightly. In order to carry out the assault, two joint teams one headed by Shri Nawaz Ahmed, DySP PC Kakapora and another party headed by Shri Saqib Ghani, DySP PC Pulwama and assisted by ASI Zahoor Ahmad, SgCt Khursheed Ashraf Lone, alongwith party of 50 RR/CRPF 182/183 Bn were constituted for conducting searches in the suspected area.

As soon as the search party led by Shri Nawaz Ahmed, DySP PC Kakapora entered into the house of one Mushtaq Ahmad Wani S/o Gh Qadir Wani R/o Hakripora, the terrorists hiding in the said house hurled a grenade followed by indiscriminate firing upon searching party in order to break cordon and make their escape good. However, the search party immediately took cover and retaliated effectively which forced the terrorists to turn defensive. Another search party led by Shri Saqib Ghani, DySP PC Pulwama immediately came into action and took position in inner cordon to provide safe cover to initial search party. In order to avoid civilian casualties, a Police team under the supervision of Addl. SP Pulwama has evacuated all civilians trapped in cordoned area to safer places successfully. After establishing contact with terrorists, SP Pulwama advised initial search party to come out of the target house and 2nd party available in the inner cordon has been directed to give them cover firing so that they can come out from the target house safely.

After coming out of the target house, In-charge initial search party briefed joint Police/SF parties positioned in the inner cordon with regard to presence/movement of terrorists inside target house. Thereafter, the operational commander (SP Pulwama) asked the hiding terrorists to surrender which they declined and instead threw grenades followed by heavy firing upon troops in which the aforesaid Police party had a narrow escape. However, the above joint parties retaliated firing effectively from the front without caring for their lives and succeeded in eliminating the hiding terrorists of LeT outfit who were later on identified as Turaab @ Chotoo (FT) R/o Pakistan, Anwar Hamza (FT) R/o Pakistan and Nazim Ahmad Rather S/o Late Abdul Ahad Rather R/o Hakripora. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of

eliminated terrorists. In this regard, case FIR No. 243/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama and investigation was taken up.

DySP Nawaz Ahmed, DySP Saqib Ghani, ASI Zahoor Ahmad and SgCt Khursheed Ashraf Lone have played a pivotal role in this operation from beginning to end. After establishing contact with terrorists, they fought bravely from the front without caring for their precious lives and did not provide any opportunity to holed up terrorists to escape from the cordoned area. It is due to their alertness, dedication and courage that the operation was culminated successfully.

In this operation, S/Shri Nawaz Ahmed, Deputy Superintendent of Police, Saqib Ghani, Deputy Superintendent of Police, Zahoor Ahmad, Assistant Sub Inspector and Khursheed Ashraf Lone, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/10/2020.

(File No.-11020/99/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 348-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Furqan Qadir	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Sarfaraz Ahmad Dar	Inspector	PMG
3	Obaid Ahmad	SgCT	PMG
4	Fayaz Ahmad Dhoond	SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.12.2020, Shri Ashish Mishra, SSP Pulwama received an specific information about presence of terrorists in village Tiken Batapora and it was decided to launch a joint operation with assistance of 55 RR and 182 Bn CRPF. Acting swiftly, joint teams of Police Pulwama, 55 RR and 182 Bn CRPF under the command of SP Pulwama and assistance with Addl. SP Pulwama, SDPO Litter, DySP (Ops) Pulwama, DySP Hqrs Pulwama and Dy.SP (Ops) Kakapora rushed to Village Tiken Batapora. On reaching the target location, joint CASO was launched by the parties on all entry/exit points, path ways were strictly plugged. In the meantime, Shri Atul Kumar Goel, DIGP SKR Anantnag also reached on spot to take stock of the situation. Thereafter, a Police party headed by Shri Furqan Qadir, DySP SDPO Litter alongwith Insp. Sarfaraz Ahmad Dar, SgCt Obaid Ahmad, SgCt Fayaz Ahmad Dhoond and components of 55 RR and 182 Bn CRPF was constituted to conduct search of the target place. As soon as the joint search party entered into the residential house belonging to Mohammad Sadiq Lone S/o Abdul Gaffar Lone of Tiken Batapora, terrorists hiding in it hurled a grenade followed by heavy volume of firing upon the forces in order to break the cordon and make their escape good. The search party without losing their concentration immediately took cover and retaliated with dedication which compelled the terrorists to turn defensive. During the cross firing, one Zameer Sadiq Lone S/o Mohd Sadiq Lone R/o Tiken Batapora sustained bullet injury in his foot, however, he was immediately shifted to District Hospital Pulwama by the troops for treatment.

As the operation broke out in a thickly inhabited area with apple orchards, there was apprehension of civilian casualty. In order to avoid any civilian causality, SSP Pulwama constituted a Police team with the aim to evacuate the civilians who were trapped in the cordoned area. As per the directions, the constituted team evacuated all the civilians to safer places successfully without any collateral damage. After successful evacuation of the civilians from the target area, the cordon was further strengthened and all possible escaping routes were plugged tightly. Before starting final assault, the hiding terrorists were asked to surrender which they declined and instead continued indiscriminate firing upon the deployed forces thereby made another attempt to escape from the spot but could not succeed.

In order to neutralize the holed-up terrorists, SSP Pulwama constituted 04 joint teams comprising Police, CRPF & Army and put them under the charge of Police Officers. The 1st team headed by Shri Tanveer Ahmad, Addl. SP Pulwama was asked to take position in Northern side of the target house, 2nd team headed by Shri Furqan Qadir DySP was asked to take position on Eastern side, while as the 3rd team headed by Insp. Sarfaraz Ahmad Dar and 4th team headed by Shri Saqib Ghani-DySP PC Pulwamawere directed to took positions in Southern and Western areas of the target house respectively. All the four joint teams took positions as per the directions of DIGP SKR Anantnag and SSP Pulwama. After taking stock of the

situation, SP Pulwama once again provided an opportunity to the holdup terrorists to surrender which they totally denied and continued indiscriminate firing upon the parties and tried to escape in between Eastern and Southern area, however, the joint parties headed by Shri Furqan Qadir, DySP and Insp. Sarfaraz Ahmad Dar immediately came into action and retaliated bravely from the front which has resulted into the elimination of two terrorist while the other one returned back in tremendous confusion and tried to escape in between North-West direction but the alert joint parties deployed there came into action swiftly and gunned down the 3rd terrorists also. The eliminated terrorists were affiliated with Al-Badar Outfit and lateron identified as Mehrj-ud-Din Lone S/o Bashir Ahmad Lone R/o Arigam Pulwama, UmerAli Mir S/o Late Ali Mohd R/o Dadsara Tral Pulwama and Umer Farooq Najar S/o Farooq Ahmad R/o Sujan district Shopian. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of eliminated terrorists. In this regard, case FIR No. 289/2020 U/S 7/27 I.A.Act, 302 IPC, 16, 18, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama and investigation taken-up.

DySP Furqan Qadir, Insp. Sarfaraz Ahmad Dar, SgCt Obaid Ahmad and SgCt Fayaz Ahmad Dhoond have played a pivotal role in this operation from beginning to the end. After establishing the contact with terrorists, they fought bravely from the front without caring for their precious lives and did not provided any opportunity to the holed-up terrorists to escape from the cordoned area. It is due to their alertness, dedication and courage that the operation was made successful.

In this operation, S/Shri Furqan Qadir, Deputy Superintendent of Police, Sarfaraz Ahmad Dar, Inspector, Obaid Ahmad, SgCT and Fayaz Ahmad Dhoond, SgCTdisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/12/2020.

(File No-11020/101/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 349-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/2nd Bar to Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sajjad Ahmad Shah	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Syed Sajad Hussain	Sub Divisional Police Officer	2nd BAR TO PMG
3	Sahil Mahajan	Deputy Superintendent of Police	3rdBAR TO PMG
4	Kulwant Singh	Assistant Sub Inspector	PMG
5	Zakir Hussain	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.08.2020 at about 2125 hours, 03 Scooty-borne terrorists fired upon the joint Naka party of Police/CRPF at Pantha Chowk, Srinagar and soon after the attack, the terrorists while fleeing from the spot took shelter in Dobhi Mohalla, Pantha Chowk Srinagar. Immediately, a cordon and search operation (CASO) was launched in the said area by Police/Security Forces headed by SP PC Srinagar along with DySP Sahil Mahajan, DySP Sharadalongwith their operational parties under the overall supervision of Dr M. Haseeb Mughal, SSP Srinagar and Police party of South Zone City Srinagar headed by Shri Sajjad Ahmad Shah, SP South Zone Srinagarand police party of West Zone City Srinagar headed by DySP Syed Sajad Hussain, SDPO Pantha Chowk alongwith other police parties falling under the jurisdiction of Police Station Pantha Chowk/Nowgam Srinagar. The police/valley QAT CRPF party and nafri of Army (20 RR) started house to house searches in the said area and finally succeeded in zeroing the residential house of Mohd Yousuf Dar S/o Abdul Karim Dar r/o Dobhi Mohalla Pantha Chowk, Srinagar wherein the terrorists had taken shelter after carrying out the attack on Naka parties at Pantha Chowk Srinagar. In the meantime, the identified target house was encircled by the cordoned parties.

Immediately, an operational plan was chalked out as per the operational SOPs by Shri Tahir Ashraf, SP PC Srinagar under the overall supervision of Dr. M. Haseeb Mughal, SSP District Srinagar and accordingly all the nafri was divided into two parties. The first party comprising Police Component Srinagar (SOG Cargo Srinagar) headed by Shri Tahir Ashraf, SP



PC Srinagar and assisted by DySP Sahil Mahajan, DySP Sharad and others alongwith other operational parties of PC Srinagar/Valley QAT, CRPF Srinagar, adequate nafri of Army (20 RR) who were tasked to lay inner cordon of the target house. Second party comprising Police parties of South Zone/West Zone City Srinagar and operational QRT of District Srinagar headed by Shri Sajjad Ahmad Shah, SP South Zone Srinagar along with other police parties of South/West Zone/District Srinagar and Valley QAT, CRPF Srinagar, adequate nafri of Army (20 RR) and it was tasked to lay the outer cordon of the target area.

The holed up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing party and in the heavy exchange of firing between terrorists and security forces/police parties, one police personnel namely ASI Babu Ram, of Police Component Srinagar got seriously injured and attained martyrdom.

Later on, it was decided to move the intervention party towards the target house from the rear side as well as from front side. As soon as the first party tried to enter the house from the rear side, the holed up terrorists lobbed grenades from a window but it caused no damage as the approaching party was advancing tactically. Shri Tahir Ashraf, SP PC Srinagar, DySP Sahil Mahajan, DySP Sharad of PC Srinagar alongwith their teams crawled nearer to the window of the house from where the terrorists lobbed the grenades/fired. The terrorists opened the rear window of the first floor and started firing indiscriminately in an attempt to break the cordon and run away from the back side of the target house. At this moment, Shri Tahair Ashraf, SP PC Srinagar, DySP Sahil Mahajan, DySP Sharad, HC Saleem Yousuf Khan, SgCt Laxhman Chand, SgCt Sushil Bali, SgCt Amar Jamwal and Ct Javaid-un-Nabi Wani of Police Component Srinagar after crawling reached nearer to the target house and retaliated the firing effectively without caring for their personal lives resulting into elimination of two terrorists. The third terrorist, who in order to escape, hide himself in first floor of the said target house and opened indiscriminate firing from the first floor gallery of the target house to break the cordon but the 2nd party comprising Shri Sajjad Ahmad Shah, SP South Zone Srinagar, DySP Syed Sajad Hussain, SDPO Pantha Chowk, Inspector Rafiq Ahmad Bhat, Inspector Musir Asgar Khan, ASI Kulwant Singh, HC Zakir Hussain and others of West Zone Srinagar retaliated the firing bravely and in the exchange of firing, the 3rd terrorist got also killed. Later on, the killed terrorists of Lashkar-e-Toiba (LeT) outfit were identified as Saqib Bashir Khanday S/o Bashir Ahmad Khanday R/o Dranbal Pampore Pulwama, Umar Tariq Bhat S/o Tariq Ahmad Bhat R/o Drangbal Pampore Pulwama and Zubair Ahmad Shiekh S/o Abdul Majeed Sheikh R/o Drangbal Pampora, Pulwama. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 47/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act stands registered in P/S Pantha Chowk for further investigation.

The elimination of these terrorists is a big jolt to the terrorist network of LeT in the South/Central Kashmir. Besides, the above dreaded terrorists were active in the areas of South/Central Kashmir and were responsible for planning of various subversive activities in these areas. It is also to mention here that the above terrorists were master planner/motivator for recruiting of local youth into terrorist ranks. They were directed by their mentors across for carrying terrorist activities by threatening peace-loving police friendly people/political activists, lobbing of grenades for collateral damage and to create panic and terror among the peace-loving people.

In this operation, S/Shri Sajjad Ahmad Shah, Superintendent of Police, Syed Sajad Hussain, Sub Divisional Police Officer, Sahil Mahajan, Deputy Superintendent of Police, Kulwant Singh, Assistant Sub Inspector and Zakir Hussain, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/08/2020.

(File No.-11020/116/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 350-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Gurinderpal Singh, IPS	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Arvind Kumar Badgal	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Farooq Ahmad	Assistant Sub Inspector	PMG
4	Manzoor Ahmad Malik	Head Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.04.2020, Police Kulgam received specific information that at village Hardmandguri, some unknown terrorists are hiding in the residential house of Ghulam Mohd Lone S/o Ab. Khaliq Lone R/o Hardmandguri DH Pora. Acting swiftly upon the information, two special cordon/search teams were constituted headed by Shri Arvind Kumar, DySP PC Kulgam, Shri Ashaq Hussain Dar, Shri Shafat Mohammad Najar, DySP Hqrs Kulgam, Shri Zohaib Hassan, DySP PC Hatipora and

Inspector Ab. Ahad Najar under the supervision of Addl. SP Kulgam and overall command/control of SP Kulgam. Subsequently an operational strategy was chalked out to seal and cordon the area. The initial parties were led by Shri Arvind Kumar, DySP PC Kulgam and Shri Ashaq Hussain Dar, DySP alongwith respective escorts with counterparts of RR34 and CRPF 18th Bn. The initial parties cordoned the area and blocked/plugged all possible escaping routes. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists were hiding in that house, the cordon was strengthened in the said village and search operation started.

The houses surrounding the target house were strategically and thoroughly searched. The inhabiting civilians were evacuated and shifted to safer places during day light taking all risks by the operational party lead by Shri Gurinderpal Singh, SP Kulgam with his buddy HC Manzoor Ahmad Malik and team 2nd lead by Shri Arvind Kumar, DySP PC Kulgam and his buddy ASI Farooq Ahmad. The target house was zeroed in and the terrorists were given opportunity to surrender which they declined. During search the hiding terrorists started indiscriminate firing up on the operational party. The fire was effectively retaliated by the advancing search parties resulting in an encounter. The fierce firing fight began and continued for a long time. The police party showed endurance/forbearance and did not lose an inch on the ground. This forced terrorists to resort to indiscriminate firing and attack the forces from many sides as they were 04 in number. The coherence between teams and earlier strategic planning worked effectively. But, the officers with their buddies did not leave the spot and showed wisdom and entered in the target area from different sides and killed all the terrorists.

The officials namely Shri Gurinderpal Singh, SP Kulgam, Shri Arvind Kumar, DySP, ASI Farooq Ahmad and HC Manzoor Ahmad Malik have played an exemplary role in elimination the HM terrorists who were later on identified as Mohd Ashraf Malik @ Sadam S/O Bashir Ahmad Malik R/O Arwani Bijbehara District Anantnag, Shahid Sadiq Malik S/O Mohammad Sadiq Malik R/O Khull D.H Pora, Waqar Ahmad Itoo S/O Farooq Ahmad Itoo R/O HC Gam Kulgam and Aijaz Ahmad Naik S/O Mohd Iqbal Naik R/O Chimmer D.H Pora (District Commander)

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 32/2020 U/S 307 IPC, 7/25, 7/27 Arms Act, 13, 18, 20, 38, 39 UA (P) Act stands registered in Police Station D.H Pora for further investigation.

In this operation, S/Shri Gurinderpal Singh, IPS, Superintendent of Police, Arvind Kumar Badgal, Deputy Superintendent of Police, Farooq Ahmad, Assistant Sub Inspector and Mazoor Ahmad Malik, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/04/2020.

(File No-11020/118/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 351-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Amritpal Singh, IPS	Senior Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Mohammad Rafiq	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Hilal Ahmad Bhat	Head Constable	PMG
4	Muzaffar Ahmad Naikoo	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.04.2021, a specific input was received about the presence of 05 to 06 terrorists camping in Jan Mohalla Shopian which is one of the thick dwelling and populated area of town Shopian having lanes/by-lanes, shops and foot path sellers all along making it highly congested for movement. On getting the information, a joint operation (CASO) was planned and subsequently launched by Police Shopian in collaboration with 44RR and 14th BN CRPF. As planned, initial cordon party comprising of DySP PC Keller alongwith his QRT and QRTs of 44RR and 14th BN CRPF moved towards the target area and laid initial cordon. The presence of terrorists inside the cordon was ascertained from inmates evacuated from cordoned area and the target building was identified. Thus all operational parties were alerted and the cordon/cut-off points were tightened so that terrorists remain trapped inside it. Terrorists on sensing the movement of cordon parties took shelter in a Mosque. At about 1520 hrs, the terrorists fired upon the cordon party in a bid to escape from the mosque and contact was

established. Immediately on getting information about the contact, operational commander Shri Amritpal Singh, SSP Shopian along with his team reached at the site and reinforced inner cordon and additional troops of Police Shopian, 14th BN CRPF & 44RR were also reached and deployed in outer cordon to maintain law & order.

There was continuous firing from terrorists' side as they were well positioned and feeling themselves secured in the mosque. By the movements of terrorists and firing coming from different sides, initially it was noticed the presence of three terrorists and the inner cordon party became cautious to spot their positions to get a fine opportunity to neutralize them. At about 1715 hrs, one of the terrorist was noticed, who fired through the broken window pane towards the inner cordon. Immediately, Joint party led by Shri Amritpal Singh, SSP Shopian including Shri Sheezan Bhat, DySP, ASI Mohammad Rafiq, HC Mohd Abass, HC Ali Mohd Lone and Ct Tahir Ahmad Shah was in line of sight put heavy and precise firing upon him and neutralized him at the very spot.

After that, the remaining terrorists trapped inside the mosque resorted to intermittent heavy firing. By sensing the operation is getting prolonged and creating a mass unrest/law & order problem in the District by provoking religious sentiments, it was decided to smoke out the terrorists by using tear gas shells and the cordon party comprising Sheezan Bhat, DySP, ASI Mohammad Rafiq, HC Mohd Abass, HC Hilal Ahmad Bhat, HC Ali Mohd, Ct Tahir Ahmad and Ct Muzaffar Ahmad Naikoo and led by SSP Shopian started to pour shells inside the mosque through window panes continuously. Due to that effect, two terrorists came out on the corridor exit of mosque and started heavy firing upon force in a bid to sneak out, the cordon party retaliated in a befitting manner with accurate and high firing power, due to which they could not manage to flee and during fierce gun fight both the terrorists were neutralized at the entrance of the mosque instantly.

After that, Mawlawi of the mosque and some respectable were called to go inside the mosque along with some relatives of the terrorists to conciliate the remaining terrorists for surrender. But, they declined and chased out by the terrorists, however further information got from them that there are two more terrorists inside the mosque and taking safe position on the ground floor. The joint operational parties again started to fire tear smoke shells and Chilli grenades/shell inside the direction of their hiding, but the two terrorists resorted to intermittent firing from different window panes. Despite heavy and cautious use of tear smoke shells and chilly shells to get them out from the mosque and to safe guard the mosque, it was decided to make a small hole on the staircase side of the mosque which is not the part of mosque, to throw smoke shells so that effective use could be made. But grenades were seeing no result, hurled hand grenades through the hole made inside the room and after that the firing from the terrorists stopped.

Then after a joint search team was formed and a thorough search was carried out with due precautions against any hiding terrorists, five dead bodies of terrorists along with their weapons were recovered. The slain terrorists were later on identified as Aadil Ahmad Lone S/o Mohd Yaqoob Lone R/o Khasipora Shopian of LeT outfit, Muzamil Manzoor Tantray S/o Manzoor Ahmad Tantray R/o Ramnagri Shopian of AGuH outfit, Basik Ismail Bakshi S/o Mohd Ismail Bakshi R/o Ramnagri Shopian of HM outfit, Mohd Younis Khanday S/o Ghulam Mohd Khanday R/o Bonpora Ratsuna Tral of AGuH outfit, Khashif Ahmad Mir S/o Bashir Ahmad Mir R/o Mir Mohalla Dadasora Tral of AGuH outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of killed terrorists. In this regard, case FIR-Na. 68/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Amritpal Singh, SSP Shopian, ASI Mohammad Rafiq, HC Hilal Ahmad Bhat and Ct Muzaffar Ahmad Naikoo who fought terrorists efficiently and intelligently and putting themselves in great risk, was remarkable and the endeavour to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. They showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area.

In this operation, S/Shri Amritpal Singh, IPS, Senior Superintendent of Police, Mohammad Rafiq, Assistant Sub Inspector, Hilal Ahmad Bhat, Head Constable and Muzaffar Ahmad Naikoo, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/04/2021.

(File No.-11020/120/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 352-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shri Sanjeev Singh	SgCT	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.11.2020, Shopian Police received a specific input about movement of some terrorists of Al-Badr outfit in village Kutpora, Shopian. As per input, terrorists were in process to carry out major terror act in the area to threaten general public. The said village which had been very vulnerable from terrorism point of view due to its topography/support base to terrorists and conducting an operation in such an area was a daunting task for Police/Security forces.

The input was shared with 34 RR/178th BN CRPF and it was decided to lay a joint cordon to cover the target area from different direction under the overall supervision of Shri Amritpal Singh, SSP Shopian. Thereafter, teams of Police led by SSP Shopian alongwith SI Intiyaz Ahmed Bhat, SgCt Sanjeev Singh, SgCt Tariq Hussain, SgCt Reyaz Ahmad, SgCt Zahoor Ahmad, SgCt Shabir Ahmad, Ct Reyaz Ahmad, Ct. Sajad Ahmad, SPO Darshan Lal, SPO Rajinder Singh, SPO Raja Ramiz Khan, SPO Farooq Ahmad, 34 RR and 178 Bn CRPF were formed to carryout search of target area. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the searching teams.

The hiding terrorists sensing the movement of operational parties opened indiscriminate firing upon them in which they had a narrow escape. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight. However, it was noticed that some civilians were trapped in the cordoned area. The search parties led by SSP Shopian including the above personnel took the responsibility of evacuation of trapped civilians. After multiple attempts, they managed to rescue about twenty trapped civilians and moved them to secure locations.

Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender which they refused and instead opened heavy volume of firing, besides lobbed a couple of grenades towards security forces. In order to neutralize them, above teams advanced towards the target. The aforesaid assault team covered the target from all directions by crawling/moving tactfully forward and retaliated the firing effectively with courage/bravery without caring for their lives. Terrorists tried to escape from North Eastern side during the ensuing face to face gunfight but the aforesaid assault team foiled their escape and eliminated both these terrorists who were lateron identified as Irfan Ahmad Thoker S/o Mohd Ishaq Thoker R/o Kutpora Shopian (Al-Badr outfit) and Umer Ahmad Lone S/o Mushtaq Ahmad Lone R/o Nadigam Shopian (Al-Badr outfit). Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists, details of which are enclosed. To this effect, case FIR No. 313/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian and investigation takenup.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SgCt Sanjeev Singh who fought with terrorists efficiently/intelligently without caring for his precious life was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant.

In this operation, Shri Sanjeev Singh, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/11/2020.

(File No.-11020/1138/11/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 353-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Nagpure Amod Ashok, IPS	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Sajjad Ahmad Shah	Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
3	Mohamad Irfan Malik	Inspector	3rd BAR TO PMG
4	Syed Nasir Hussain	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.10.2020 at about 1400 hrs, information was received by Budgam Police regarding presence of terrorists of proscribed JeM outfit in the specific area of village Mouchwa of police station Chadoora. Upon this information, the operation was planned and coordinated with 50 RR and CRPF Units viz. 188, 181 and D-29 CRPF. During planning, 02 Joint teams of Police, Army and CRPF were formed for cordon and search.

First team constituted was headed by SP Budgam Shri Nagpure Amod Ashok alongwith Shri Latief Ahmad Khan DySP PC Budgam, SgCt Jahangir Ahmad, CtSyed Nasir Hussain and others.

The second team constituted was headed by Shri Sajjad Ahmad Shah SP South Srinagar alongwith Insp. Mohamad Irfan Malik, Insp. Arif Ahmad Sheikh, ASI Intiyaz Ahmad and others.

Both Joint teams established the cordon at about 1630 hrs and as the search progressed, it was established that 02 terrorists of proscribed Outfit JeM are hiding in the cordon area. SP Budgam Shri Nagpure Amod Ashok, SP Budgam alongwith Shri Latief Ahmad Khan-JKPS-185681 DySP PC Budgam, SgCt Jahangir Ahmad, Ct. Syed Nasir Hussain and others started evacuation of the civilians including children and old aged from the target house and houses around it to avoid any collateral damage. The repeated announcements were made on the loudspeakers for the terrorists to surrender. However, instead of surrendering, the terrorists fired upon the cordon party resulting in injuries to one Army Jawan Sep. Rakesh Kumar Tiwary of 50 RR and SgCt Gulzar Ahmad of Police Budgam who were immediately evacuated and shifted to the hospital.

As soon as the search party led by Shri Sajjad Ahmad, SP South Srinagar alongwith Insp. Mohd Irfan Malik, Insp. Arif Ahmad Sheikh moved towards target house, one of the terrorists fired indiscriminately upon the search party and tried to break the cordon and flee. However, Shri Sajjad Ahmad, SP South Srinagar alongwith Insp. Mohamad Irfan, Insp. Arif Ahmad Sheikh, ASI Intiyaz Ahmad without caring for their safety, retaliated with accurate firing thereby killing one of the terrorists instantaneously near the main gate of the target house. The other terrorist however, continued to fire upon the search party. The announcement was made again for the hiding terrorist to surrender, however, the terrorist denied to surrender. The search team led by Shri Nagpure Amod Ashok, SP Budgam alongwith Shri Latief Ahmad Khan DySP PC Budgam, SgCt Jahangir Ahmad, Ct. Syed Nasir Hussain and others observed the movement of the terrorists and fired a volley of firing upon him thereby killing the second terrorist also. Both the search parties proceeded towards the target house and retrieved the dead bodies of the two killed JeM terrorists who were later on identified as Javaid Ahmad Ganie S/o Ghulam Rasool Ganie R/o Wanpora Pulwama and Waleed Bhai @ Khalid R/o PoK. The operation concluded on next day early morning. In this connection, case FIR No. 193/2020, U/S 16, 19, 20, 38 ULA (P) Act stands registered at P/S Chadoora on 27-10-2020.

Huge quantity of Arms/Ammunition was recovered at the encounter site from the possession of killed terrorists.

In the instant operation, the role of Shri Nagpure Amod Ashok, SP Budgam, Shri Sajjad Ahmad Shah, SP South Srinagar, Insp. Mohamad Irfan Malik, CT Syed Nasir Hussain remained exemplary from beginning till elimination of two terrorists of JeM Outfit.

In this operation, S/Shri Nagpure Amod Ashok, IPS, Superintendent of Police, Sajjad Ahmad Shah, Superintendent of Police, Mohamad Irfan Malik, Inspector and Syed Nasir Hussain, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/10/2020..

(File No.-11020/142/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 354-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Ajay Kujur	Constable	PMG(Posthu)
2	Late Deo Kumar Mahto	Constable	PMG(Posthu)
3	Late Kundan Kumar Singh	Constable	PMG(Posthu)
4	Late Ajit Oreya	Constable	PMG(Posthu)
5	Late Parmanand Choudhary	Constable	PMG(Posthu)
6	Late Krishna Prasad Neopane	Constable	PMG(Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.06.18, a Police-Naxalite of a banned CPI-Maoist organization encounter took place in the forest area of village Kujurum of Waresad police station under Latehar district. On receiving this information, instructions were received from the Superintendent of Police Latehar/Garhwa to conduct a joint operation. In the light of which, a team was formed on

25.06.18 and by collecting intelligence, the party moved from Karamdih police picket to Asan-Pani through the forested area of Latu.

On 26.06.18 at around 14:00, there was a sound of a terrible explosion. In this sequence of events, the police officers involved in the team and the martyred soldiers broke the ambush put up by the militants and proceeded towards Khapri Mahua village after taking a forceful retaliation. There, militants ambushed from the east, resulting in the officers involved in the team were injured again by exploding the landmine. By showing indomitable courage and without caring for their lives in this incident, the police officers did not leave the front and retaliated strongly, despite being seriously injured in the IED blast. Due to which, the Maoists had to leave the place and retreat. In this operation, 06 soldiers seriously injured in IED blast and finally attained martyrdom while discharging their duty faithfully.

In this operation, S/Shri Late Ajay Kujur, Constable, Late Deo Kumar Mahto, Constable, Late Kundan Kumar Singh, Constable, Late Ajit Orey, Constable, Late Parmanand Choudhary, Constable and Late Krishna Prasad Neopane, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/06/2018.

(File No.-11020/209/2019-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 355-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shri Sushil Tudu	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received regarding the movement of members of CPI (Maoist) naxal Organization namely Gautam Paswan @ Arun, Zonal Commander Indal Ganjhu along with his 25-30 armed squads in the forest area of Sadar, Jori, Hunterganj and Itkhor police station. Information regarding the presence of other local Gorilla squads members involved with this team was also received; they were planning for some big incident within the territory of Jharkhand-Bihar border. Continuous information was being received regarding the involvement of these naxal members in creating an atmosphere of terror through naxal posters/banners in the name of their organization for the intention of collecting levy from contractors and businessman. In context of the above information, two teams of 203 COBRA Battalion was formed in order to arrest these Maoist Dasta on 03/01/2019, in which team number-01 comprised Inspector Rajendra Kumar Saroj, S.I Shiv Kumar, forces of COBRA Battalion and trainee SI Sushil Tudu and team number-02 comprised assistant commandant Bhanu Prasad Meena, SI Kunal Kumar of CRPF 190 Battalion and ASI Bhola Sharma. On 03.01.2019, LRP and search operation were carried out over the forest area of Moktama Kari and Bariyo Nala. On 04/01/2019 around 6:45 am during a search operation at Aasanapani forest area, the naxalites suddenly opened firing on police personnel. In a show of highest level of courage, perseverance and dedication to duty, a warning message was given to the naxalites for self surrender with arms in a loud volume by police personnel. In spite of warning, the naxalites continued indiscriminate firing on the police personnel. For self defence, the police personnel resorted to retaliatory firing and advanced towards naxalites without caring for their own lives in the midst of continued firing by the naxalites. The naxalites began to flee away taking the advantage of forest and mountain. In a show of highest level of courage the police forces chased naxalites for long distance in an attempt to catch them, but naxalites succeeded in escaping. During search operation at the encounter place a dead body of a naxali was recovered. An INSAS Rifle with Butt Number-157/NLD and Body Number-16840712 was found near the dead body of naxali, with 03 round live cartridge loaded in magazine and after unload a live cartridge was found in chamber. The deceased naxali was identified as Chandar Singh Bhokta son of late Buta Singh, Village Jaugir, P.S-Barachatti, District-Gaya, Bihar (Present Address:-Village-Birlutudag, P.S-Rajpur, District-Chatra, Jharkhand.

In this operation, Shri Sushil Tudu, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/01/2019.

(File No.-11020/111/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 356-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	K. Vijay Shankar, IPS	Additional Superintendent of Police	PMG
2	Prabhat Ranjan Rai	Sub Inspector	PMG
3	Ranjeet Kumar	Constable	1st BAR TO PMG
4	Chhote Lal Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The encounter between the police team and the heavily armed cadres of the dreaded Jharkhand Jan Mukti Parishad (JJMP) took place on the 24th of February, 2021 in the untrodden Semartanr forest bordering Chorhat village, falling within the jurisdiction of Ramgarh Police Station, which is part of the Palamau District of Jharkhand.

JJMP is a banned extremist outlawed group, spread across the state of Jharkhand, known for creating a fear psychosis in the minds of the local inhabitants and overawing them with sheer terror. This is further enhanced by the fact that this outfit (JJMP) has been strengthening its arsenal by procuring state of the art weaponry through dubious means and by forcefully recruiting vulnerable youth in the Chorhat-Barwadih axis which is a fertile area for naxal movement owing to its undulating terrain, dense jungles and geographic isolation. The general area of Semartanr forest is cutoff owing to the presence of local sympathizers and absence of good roads which render it hostile for police forces who are most likely to find themselves in need of backup and reinforcements. Given the above circumstances, the sequence of events which unfolded could have easily turned out to be a disaster, resulting in loss of the lives of police personnel involved in the said operation.

Palamu Police team under the command of Shri. K. Vijay Shankar, ASP(Ops) Palamu cum SDPO Sadar Medininagar and assisted by Prabhat Ranjan Rai, SI, Ranjeet Kumar, CT and Chhote Lal Kumar, CT not only succeeded in fighting off the naxals and thwarting the plans of the JJMP but also succeeded in neutralizing Mahesh Bhuiyan, the dreaded area commander of the outfit.

This heroic and courageous action of the entire team under the steadfast determination, foolproof planning and execution of the entire plan with tact and diligence demonstrates leadership and professionalism of the highest order by Shri K. Vijay Shankar, ASP(Ops) Palamu cum SDPO Sadar Medininagar, Prabhat Ranjan Rai, SI, Ranjeet Kumar, CT and Chhote Lal Kumar, CT. This effort not only prevented any casualty on our side, but also struck a blow in the hearts of the naxals right in the middle of the place they considered their stronghold. This episode is elaborated in its entirety in Ramgarh PS Case No. 07/2021 dated 24th February 2021 registered u/s 147, 148, 149, 307, 353, 504, 506 IPC, 25(1-A), 25(1B)a, 26, 27, 35 Arms Act 17 CLA Act and 10, 13 UAP Act.

In this operation, S/Shri K. Vijay Shankar, IPS, Additional Superintendent of Police, Prabhat Ranjan Rai, Sub Inspector, Ranjeet Kumar, Constable and Chhote Lal Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/02/2021.

(File No.-11020/239/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 357-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shri Phagu Horo	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The most reliable information was received by Y.S. Ramesh, SP, Dumka at 15:00 hrs on 12.01.19 with regard to planning to inflict major damage to police personnel in the upcoming election, extortion of levy money, unleashing terror among villagers by Zonal Commander Talada @ Sahdeo Rai and Zonal Commander Vijayda @ Nandlal and their associates of CPI (Maoist), a banned outfit carrying deadly arms.

In pursuit of the information, SP Dumka and Sanjay Kumar Gupta 2nd in Command 35 Bn SSB, Dumka convened a meeting on 13.01.2019 with core Commander including additional SP (ops), Commanding officer 35th Bn, SSB Deputy Commandant Lalit Sah SSB Dumka, Assistant Commandant 35thBn SSB Dumka Narpat Singh. Officer-in-charge Jama. PS.S.I Phago Horo & other team. A detailed Anti naxal operation was planned involving officers and Jawans of District Police and SSB 35Bn. The officers were asked to lead the striking team and they reached Chatupara Jungle area at around 04.30 am and started operating in that area. Eventually at 06:55 am, officer had to witness serious bullets firing upon them by CPI Maoists. The officer shouted at extremists explaining their identity as police and asked them to surrender. Instead of surrendering, one of the sentries of the extremists again started heavy shower of firing with latest sophisticated arms to kill the police officers and jawans. His action was replicated by his associates and they all resorted to indiscriminate firing on Police force. The Police officers again shouted at extremists asking them to stop firing and surrender, but defiant and determined extremists continued to fire while running towards nullah.

Forced by the situation, the leader SI Phago Horo directed the police force to open firing in self defence intending to protect the government arms and ammunitions and to take the ran sacker extremists in command. Consequently, firing was resorted to. Undoubtedly, police officers exhibits exceptional courage and zeal while bullets were passing over their heads. They defied the heavy shower of bullets and in dare devil manner, tactically moved towards extremists who were incessantly firing at police. Meanwhile, by taking cover of firing provided by each other, extremist managed to escape deep inside the jungle with the help of a nullah. After sanitizing the area, search operation was carried out which resulted into the recovery of the dead body of one extremist with one loaded AK-47 weapon in his right hand. Further, searching of the area led to the recovery of one more loaded Insas, one AR-41, 175 Cartridges of AK-47, 201 Cartridges of Insas, 45 Empty Cartridges, Letter-pads of receipts of collection of levy worth Rs. 1,03,000/- (One lac three thousand Rs.) mobile set, wireless set, transistor, live rounds with charges, some eatables, pittus and etc. On further investigation, the identity of the dead extremist was established as Talada, a Zonal commander who head brutally ambushed the then SP Pakur Shri Amarjeet Baliaron 02.07.2013. Usually dead body of a killed extremist does not get recovered during such operations, but this was a rare occasion when not only the body of an extremist but several arms and ammunition were also recovered only due to courage and tactful leadership exhibited by police personnel.

In this regard, Case No. 06/2019 was registered on 13.01.2019 U/S 147,148,149,307,353 of Indian Panel Code, 25(1-A), 27/35 Arms Act, 17 C.L.A Act. and 16/17 UAP Act.

S.I Phagu Horo, exhibited exemplary valour, presence of mind and ability to employ tactics with very meager force in a highly risky operation involving close battle. Their courageous achievement had a highly elevating effect on morale of police force and a crushing effect on the morale of extremists.

In this operation, Shri Phagu Horo, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/01/2019.

(File No.-11020/241/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 358-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Lileshwar Mahto	Inspector	PMG
2	Rameshwar Bhagat	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Since its inception in November 2000, Jharkhand has become a Laboratory for the Maoists and terrorists-a place for experimenting with the idea of establishing a parallel system of governance. Though Ramgarh district was not badly affected either by the Maoists or other similar militant organization but it was covered by the activist area like Hazaribagh Bokaro, Ranchi and few portion of West Bengal. Amongst other, Mandu Police Station area under Ramgarh district is remained most infested area with such activities. This region encompasses area where banned outfits central command usually organize meetings of their senior cadres, establishes and run training camps, carry out fresh recruitments and above all resort to attack on government infrastructures and Security Forces. Also the said area falls under militant largest sub-zone in terms of spread as per their formation. Following tracks of movement of senior militant leaders operating in these areas like PLFI, a vital intelligence about movement of militant Baji Ram Mahto, Zonal Commander PLFI with his team members was received on



27.02.2019 at about 17 00 hours that they are gathering within Chamariadera Forest near the border area of Kuju OP. of Mandu Police Station and Rajrappa Police Station with intent to some major incident. The said report was immediately communicated to the higher officers including the Superintendent of Police, Ramgarh Intelligence report was taken up seriously because the said Baji Ram Mahto became a terror for the area. His continuous involvement in criminal act like kidnapping, murder was noticed by the police and he became a threat for the area. As such a special action team consisting of the PI Lileshwar Mahto, Officer-in-Charge, Ramgarh Police Station, PI Kamlesh. Paswan and SI Rameshwar Bhagat of Police Lines, Ramgarh along with several police constables was formed by the authorities to apprehend the said Baji Ram Mahto before he could commit any offence.

To strike the target, a "SPL OPS" was planned and a Special ActionTeam (SAT) was formed under leadership of Inspector of Police Lileshwar Mahto along with PI Kamlesh Paswan, SI Rameshwar Bhagat and other Police personnel. The said police party reached Gul Dundi Chawk within Kuju O P at about 19.00 hours where an Intelligence report was received that Baji Ram Mahto along with three or four members of his team are about to cross through Chamarindera Forest road in two motorcyclon. The police party immediately rushed to Chamariadera Foret area and after reaching the destination, divided into two teams. One team was headed by PI Jaleshwar Mahto in support with SI Rameshwar Bhagat and the other team was headed by PI Kamlesh Paswan, P Jaleshwar Mahto and his team members taken their position in both the sides of village road while the another team went to watch the other road at about 500 meters ahead of the first team and started waiting for the activate. At about 21.00 hours, the police team saw that two motorcycles are coming from the side of Lohsinghna village and when they reached closer to the police party, they were asked to stop by flashing torch lights. When the motorcycle riders found the police party in front of them, the pinion rider of the front motorcycle opened firing upon the police party and the second motorcycle took u-turn and fed away. When the activists opened firing upon the police party, PI Lileshwar Mahto loudly announced that they arc police party don't but they continued firing. As a result PI Lileshwar Mahto counter attacked and opened firing from his AK-47, while SI Rameshwar from his 9 mm pistol. PI Lileshwar Mahto fired 03 (three) rounds and SI Rameshwar Bhagat fired 02 (two) rounds from his 9 mm pistol. In the meantime, taking advantage of darkness, the person who was driving the motorcycle, fled away towards the forest.

When the police party noticed that the firing has stopped by the opposite party, they moved forward and found in the torch light that a person is lying dead and sustained grievous injury near his right ear. The dead person was identified as PLFI Zonal Commander Baji Ram Mahto @Ranjit @ Vishal son of Late Chola Mahto of village Layo, P.S. Mandu (West Bokaro), District Ramgarh by the raiding party. The police party launched a search near the place of occurrence and recovered two country made pistols, two bags, one motorcycle, two fired bullets and a live bullet and thereafter informed about the incident to the Superintendent of Police, Ramgarh, who immediately conveyed the matter to the Deputy Commissioner. Ramgarh and other superior officer for necessary action. The Deputy Commissioner, Ramgarh deputed an Executive Magistrate to enquire into the matter and to prepare Inquest Report. Within few hours, the Executive Magistrate, Senior Officers and the Forensic team visited the place of occurrence and collected the materials from the spot to send the same to FSL for further examination.

Unwavering commitment to mission accomplishment in a hostile environment is a tale of sheer courage and glory A very small number of spirited troops stunned and foiled terrorists nefarious design. This extra ordinary tale of heroism and exemplary leadership in the face of daunting task shall always remain hallmark for-future strategies in dealing with gravest internal security threat posed by LWE and similarly situated groups. The thunderous and decisive message generated by police team has elevated moral of the Security Forces operating in Maoists theatre.

In this operation, S/Shri Lileshwar Mahto, Inspector and Rameshwar Bhagat, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/02/2019.

(File No.-11020/1213/12/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 359-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Madhya Pradesh :-

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Yashpal Singh Rajput, IPS	Superintendent of Police	PMG
2	Sushil Patel	Sub Inspector	PMG
3	Anshuman Singh Chauhan	Sub Inspector	PMG
4	Atul Kumar Shukla	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received by Addl DGP Balaghat K.P. Venkateshwar Rao on 12.02.2021 from the informers engaged for the purpose of getting intelligence that a large number of armed Maoists are gathering at village Lalpur tonight to conduct meeting of villagers to prorogate their Maoists ideology and also to collect daily usable ration materials. The Maoists were also planning to kill the police informer of the Lalpur village. This information was passed on to SP, Mandla & CO Hawk Balaghat who in turn conveyed and alerted the SHO's Motinala, Mavai, Bichhiya & Hawk Forces. They all have been instructed to reach the Village Kikratola PS Motinala for the purpose of starting the operation.

ADGP Balaghat, K P Venkateshwar Rao briefed the Hawk & Police forces and divided them into Four Police parties. In addition to this, these parties were briefed about the dangers of ambush. They were briefed about the firing power of the maoists, the weapons & ammunition they carry and so on.

After some time all four parties carefully & cautiously reached the Lalpur village cross-roads at about 21:55 PM. The Police teams left their vehicles before reaching village outskirts of Lalpur village for the purpose of ambush & anti-maoists operations at the Pateratola (Village) to Sarai pani jungle village road.

Thereafter at around 22:30 hrs about 8-10, armed uniformed Naxalites coming from village Lalpur Pateratola were seen with carrying bags, presumably bags of rations & other items of daily use. All the naxals were carrying Rifles/Weapons in their hands & moving towards the Sanctuary of Sarai Pani Jungle. The force on spotting them, loudly warned & shouted at them that they have been surrounded by Police & that they should lay down their arms & surrender to the Police. But, Naxalites started firing indiscriminately against the police with their weapons with the intention of killing the police forces.

SP Mandla demonstrated exceptional courage by advancing towards the Maoists & their party started balanced and effective firing in self-defence to protect the lives of Policemen. Thereafter Naxalites fled towards the right side of nala where Hawk Force was present. Naxals continued their firings on Hawk party. Hawk force demonstrated high moral & physical courage by advancing forwards & started balanced & effective firing in self defence to protect the lives of police man. Later the naxals fled towards Fen Sanctuary due to the dark night & dense forests where other naxals were present. Other group of naxals also started firing on the police parties. The encounter between Naxals & the Police went on & off all night.

In the early morning searching of the encounter site was done. The police parties found one male naxalite body at the encounter site. Later on the naxalite was identified as Mainu @ DULLA HODI (sodi) aged 25 years R/o Gram konanguda PS Chintannar Distt Sukma, CG. Besides his deadbody, one SLR Rifle was found, Also at a short distance one more female body of Naxal was found. It was later on identified as Gita@ Sukki madkam age 24 year R/o gram gadiguda PS Pamed distt Bijapur CG. Along with the body one. 303 Single shot Rifle and five plastic bags with rice & daily use items like notebooks, vests, bra, underwear, socks, lungi, small mirror, sabundani, jaggery, sugar too were found. Police fired approximately 300 rounds in self defence. Both the naxals Mainu@ Dulla Hodi, 25 Year & female naxal Gita@Sukki madkam age 24 years were both dangerous & high profile Naxalites who were active cadres in Platoon No 3 of Vistar Platoon.

Shri Yashpal Singh Rajput SP Mandla played major role in successful anti-naxal operation by showing great courage, sense of leadership, quick thinking and showed utter disregard to his personal safety. SP Mandla warned the Maoists to surrender but they continued firing directly on him and his party. S P Mandla kept his cool and led his team bravely and executed controlled and effective firing even though it posed a grave danger to the life of the officer. He launched an effective counter offensive fire on the Maoists. Most importantly he displayed great courage, discipline, professionalism, command and control over his team by exercising caution and restraint in using only the minimum required fire power to respond to the incoming Maoists deadly fire. This act of sheer valour and professionalism resulted in neutralisation of deadly and armed Naxals.

Shri Anshuman Singh Chauhan, SI, Shri Sushil Patel, SI and Shri Atul Kumar Shukla, CT displayed exceptional courage, sense of duty & leadership, presence of mind & quick thinking & showed utter disregard to their personal safety. The naxals fired indiscriminately against the police parties & when they warned the Maoists to surrender they started firing directly on them. In the face of incoming fire kept their cool. They moved forward in crawling position & executed controlled fire. The heavy fire against the officer posed grave threat to their life. They however notwithstanding the grave danger launched heavy effective counter offensive fire against the Maoists without caring for his own life. This acts of sheer valour and professionalism resulted in neutralization of deadly & armed Naxals.

In this operation, S/Shri Yashpal Singh Rajput, IPS, Superintendent of Police, Sushil Patel, Sub Inspector, Anshuman Singh Chauhan, Sub Inspector and Atul Kumar Shukla, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/02/2021.

(File No.-11020/237/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 360-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Madhya Pradesh:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Aaditya Mishra, IPS	Sub Divisional Police Officer	PMG
2	Abdul Salim Khan	Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received by S.P. Balaghat Shri Abhishek Tiwari that a joint team of Naxalites belonging to Khatia Mocha Dalam and Vistaar Platoon No. 2 have come to the house of Sitaram Adiwasi in Malkhedi village, P.S. Baihar. The intelligence highlighted that the Naxalites have gathered in a large number and they are planning to carry out killings of innocent civilians in the village by labeling them as police informers. The Naxals are also planning to send false information to the police and ambush the security force to kill policemen and loot weapons of the security force. Information also indicated that this joint Naxal party included naxals who carried out the attack on Police party in Bandhatola village, P.S. Malajkhanda a few days back on 19th September, 2020 when police team had arrested a hardcore naxal cadre named Badal of Vistaar Platoon No.2 and were trying to safely get him out of the forest to the police station.

On receiving this input, Shri Abhishek Tiwari, S.P. Balaghat alerted the force to get ready for the operation and himself reached P.S. Baihar. SP Balaghat, Shri Abhishek Tiwari briefed all the policemen about the details of the intelligence received, the expected number of the Naxal cadre who have come to Malkhedi village, the firepower that they are expected to be carrying and their plan of murdering some innocent villagers after labelling them as police informers. SP Balaghat Shri Abhishek Tiwari specifically sensitized the police team about the very real possibility of ambush of police party by naxals and hence he ordered that the police team will leave their vehicles much before reaching Malkhedi and would tactically cover the rest of the distance so as to avoid any chances of an ambush by naxals. SP briefed the police team to carefully cordon the area and safely arrest the Naxalites.

SP Balaghat, Shri Abhishek Tiwari divided the policemen into two Police Parties. He himself led Police Party No. 1 and AdSP Baihar Shri S.K. Marawi led Police Party No.2. Both the parties left their vehicles outside village Shaila and from there they tactically covered the rest of the distance till village Malkhedi on foot. Both the teams reached outskirts of village Malkhedi in the dark night. Party No. 1 took position over a stretch between the Nala and the forest, which was the most probable route naxals were expected to take while returning from Sitaram Adiwasi's house to the forest. Party No. 2 was positioned on the other side of the Nala from where the naxals might flee once they are being cordoned by Party No. 1. Both the police parties took their designated positions. At around 21:45 hrs, a flash light was signalled from the forest side towards Sitaram's house and a cracker/bomb was exploded in the forest, probably by the Naxal dalam waiting in the forest to signal their naxal cadre visiting the village to come back. After hearing the explosion, the Naxals started coming out of the house of Sitaram Adiwasi and hurriedly started back towards the forest. It was dark in the night but their silhouettes were visible in the moonlight. Some of the naxals were carrying bags in which they must be carrying ration and other items of daily use while some were carrying rifles in their hands ready to fire. Being alerted by the explosion naxals scanned their return route carefully and sensing police presence they started firing indiscriminately towards Party No. 1. All the policemen in Party No. 1 took cover. SP Balaghat gave naxals loud warnings that they have been surrounded by the police and should lay down their arms and surrender. But Naxals continued firing and aimed their fire straight at the source of the warning. A few bullets narrowly missed SP Balaghat, Shri Abhishek Tiwari. Naxal started advancing towards police party while continuously firing with their weapon which included automatic weapons like AK-47, Insas, SLR and 12 Bore guns. The Party No. 1 was under deadly fire and the entire party was pinned down by this deadly onslaught by the Naxals. At this crucial point, SP Balaghat Shri Abhishek Tiwari demonstrated exceptional courage by advancing towards the naxals in crawling position, even under heavy incoming fire, and started firing in self-defence to safeguard lives of the policemen from naxal firing. Following his lead, Inspector Shri Abdul Salim Khan also started moving forward in crawling position and fired on naxals. The rest of the Police Party No. 1 also started controlled firing. SP Balaghat, Shri Abhishek Tiwari and Inspector Shri Abdul Salim Khan reached a forward point near a tree where they took cover from the heavy firing and returned fire. They were also supported effectively by the rest of the Policemen in Party No. 1 who all effectively used controlled fire power to respond to a deadly attack on their lives by naxals. Had the Police not resorted to controlled firing in self-defence, the naxals would have succeeded in killing policemen and robbing their arms & ammunition.

SP Balaghat Abhishek Tiwari led the Police team from the very front with utter disregard to his personal safety and returned controlled & effective fire. He was supported in full vigour and valour by Inspector Abdul Salim Khan who also displayed exemplary courage in the face of grave danger. A few bullets hit the tree behind which they took cover. A few bullets again missed the two officers narrowly. But both the officers risked their lives to advanced further and return effective fire. All of a sudden shouting & crying sounds erupted from naxal side which indicated that some of the naxals might have

got injured in the crossfire. Again SP Balaghat, Abhishek Tiwari warned the naxals to surrender but naxals fled in the other direction while firing towards the Police Party No. 1.

During their escape they had another exchange of fire with the Police Party No. 2 which was positioned on the other side of the Nala in anticipation of naxals using the route for their exit. It is at this juncture that naxals sensed the presence of police personnel and because of the fear of being cordoned off started firing towards Party No 2. It is when Shri Aaditya Mishra, SDOP Baihar who was at the front of the cordon shouted at the naxalites to surrender. But instead of surrendering naxals started firing indiscriminately towards Shri Aaditya Mishra. In order to retaliate and protect the other policemen, Aaditya Mishra, SDOP Baihar started moving in the Nala towards the naxals, showing utter disregard to his personal safety. Upon reaching in their close proximity and taking adequate cover in the woods, he retaliated by firing towards the naxals at a controlled rate. It is only upon this retaliatory fire that naxals were forced to retreat in the Nala from the other side without hurting any members of the police team. This controlled firing in self-defence led the Naxals to flee towards the jungle taking advantage of the dark night and dense forest. But the naxals continued to fire from the forest towards Police Party intermittently throughout the night. SP Balaghat, Shri Abhishek Tiwari enquired about well-being of all the policemen and ordered the entire police team to hold their fire and take cover. The firing from the naxals finally stopped by the morning.

In the morning, when the surrounding area was searched, dead body of a female Naxal was found at the spot from which major firing assault was launched by the naxals on the Police Party No. 1. Later, the female naxal was identified as Sharda a.k.a Pujje who had been an active naxal cadre earlier in Darre-Kasa Dalam, then in Vistaar Platoon No. 2 and was currently an active member of newly formed Khatiya-Mocha Dalam. She was involved in murder of Sub-Inspector of CG Police in 2017 in which a Sub-Inspector of Chhattisgarh Police was martyred. She had a reward of Rs. 3 lacs from M.P. and Rs. 5 lacs from C.G. (Total reward Rs. 8 lacs.) Looking at their past criminal records it is very clear that on 6th November 2020 also this group of dreaded naxals had thrown their full force to cause deadly blow to the lives of the policemen involved in the operation. It is through sheer grit and courage that the Police Team was able to retaliate and dispel the naxal dalam.

Shri Aaditya Mishra, SDOP Baihar had shown exemplary courage in the face of a life-threatening situation. He not only maintained his poise in the face of adversity but at the same time had shown courage to move towards the naxals and face their onslaught in order to ensure safety of his other team members. It is because of the timely gallant action of Shri Aaditya Mishra, Naxals were forced to retreat back and hence casualty of other police personnel was prevented. It was his fearless action of moving towards the naxals in the nala and then retaliating in a controlled manner led to safeguarding the lives of members of his team. Had Shri Aaditya Mishra not undertaken this brave action, naxals would have surely caused casualty to the police team.

Hawk Force Inspector Shri Abdul Salim Khan played a key role in this successful operation by displaying a high degree of courage, sense of commitment towards duty and team spirit while showing complete disregard to his own safety when answering the call of duty. He fearlessly advanced towards the heavy incoming naxal fire and gave cover fire to SP Balaghat. His timely gallant action at a crucial juncture proved very valuable in launching an effective counter offensive. He started crawling towards the blazing guns of naxals without giving a second thought for his own safety. He hazarded his life in order to safeguard his entire team which otherwise might have suffered casualty from naxal bullets. His courageous response resulted in achieving this success without suffering any loss of life to the police.

In this operation, S/Shri Aaditya Mishra, IPS, Sub Divisional Police Officer and Abdul Salim Khan, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/11/2020.

(File No.-11020/1204/15/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 361-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Maharudar Baban Parjane	Police Sub Inspector	PMG
2	Rajaratna Bhimsen Khairnar	Police Sub Inspector	PMG
3	Raju Joga Kando	Police Naik	PMG
4	Avinash Vijay Kumre	Police Constable	PMG
5	Gonglu Lachhu Timma	Police Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.04.2016 at 1015 hrs, a police party comprising 18 Police personnel set out from the AOP Tadgaon at the instructions of senior officers for village Kudkeli for organizing a meeting of the villagers. The police party consists of PSI Maharudar Baban Parjane and nine policemen of AOP Tadgaon; PSI Rajaratna Bhimsen Khairnar and seven Policemen of QRT Bhamragad. As the Police parties were conducting anti naxal operation in the forest of Bandenagar, they got information about the location of Permili Dalam in the vicinity. Therefore, two Police teams were immediately formed. One party, consisting of nine Policemen under the leadership of PSI Parjane and another consisting of seven Policemen under leadership of PSI Khairnar. One group led by PSI Parjane proceeded towards the east and another group led by PSI Khairnar proceeded towards the west of river Bande combing through the forest.

At around 1400 hrs, the police party led by PSI Parjane was suddenly ambushed by 25 to 30 armed naxalites in the forest area of Kudkeli. The naxalites opened indiscriminate firing at the police with an intention to kill them and snatch away their arms and ammunition. The Policemen at once took position behind suitable cover in the forest. PSI Parjane noticed armed people in olive green Uniform who were firing on them. Then he along with NPC Raju Joga Kando and PC Avinash Vijay Kumre cautiously moved forward crawling on the ground. Confirming that the naxalites are firing from a distance, he appealed them for surrendering before the police. But, the naxalites did not pay any heed and kept firing at the police party. Shortly, the naxalites were heard prompting among themselves loudly, "Sarita, the police have come, do not let them escape, fire bravely and target one by one". Also it was heard "Sainath, Lata you to cover the police from left side". And they were firing in indiscriminate manner at the police.

Realizing the gravity of the situation, PSI Parjane at once communicated over the walkie-talkie sets to PSI Khairnar and apprised him of the incident. At the time, PSI Parjane along with NPC Raju Joga Kando, PC Avinash Vijay Kumre, NPC Bapu Naitam and PC Arjun Bhojane started responding to the naxal attack by opening controlled firing. The naxalites had surrounded the police party and were firing indiscriminately. PSI Parjane along with his party men namely NPC Raju Joga Kando and PC Avinash Kumre asked them to act fearlessly and he himself putting his life in to risk moved forward countering the naxalites.

After a while, PSI Khairnar along with his QRT party arrived there for assistance. This party flanked the naxalites from the opposite sides and opened firing. PSI Khairnar with his one Policeman PC Gonglu Lachhu Timma without caring for their lives advanced in the firing direction of naxalites. Then by taking the proper position, PSI Khairnar and Gonglu Lachhu Timma kept firing on naxalites and dominated them. Both the parties co-ordinated and helped each other in breaking free from the naxal ambush. Sensing the mounting police pressure from either side, the naxalites escaped into the forest taking cover of dense forest. Then encounter lasted for about half an hour to forty five minutes. After the firing had subsided, the police conducted a search of the area. During the search, the police found a woman naxalite lying unconscious on the ground. A SLR rifle alongwith a magazine was found beside her. Apart from these, SLR rifle magazine-2, live rounds-36, claymore mines-1, detonator-1, pittu-11, naxal literature, wire bundle, radio sets-2, etc were also recovered from the place of incident.

The above anti naxal operation was carried out in the forest of Kudkeli-Bande river as per the intelligence received and planed by senior officers in successful manner. The police personnel involved in this operation have displayed exemplary courage and determination in eliminating a naxal cadre and recovering SLR weapon, ammunitions, etc. PSI Maharudar Baban Parjane and PSI Rajaratna Bhimsen Khairnar along with PC Gonglu Lachhu Timma, NPC Raju Joga Kando and PC Avinash Vijay Kumre, have shown extraordinary valour and dedication towards duty and successfully completed one of the toughest operations.

In this operation, S/Shri Maharudar Baban Parjane, Police Sub Inspector, Rajaratna Bhimsen Khairnar, Police Sub Inspector, Raju Joga Kando, Poice Naik, Avinash Vijay Kumre, Police Constable and Gonglu Lachhu Timma, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/04/2016.

(File No.-11020/83/2017-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 362-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sandip Ramesh Bhand	Assistant Police Inspector	PMG
2	Motiram Bakkaji Madavi	Assistant Police Sub Inspector	1st BAR TO PMG

3	Damodhar Channayya Chinturi	Naik Police Constable	PMG
4	Rajkumar Pandurang Bhalavi	Naik Police Constable	PMG
5	Sagar Manohar Mullewar	Naik Police Constable	PMG
6	Shankar Bakkaji Madavi	Naik Police Constable	PMG
7	Ramesh Shankar Asam	Naik Police Constable	PMG
8	Mahesh Kisan Sayam	Police Constable	PMG
9	Saikrupa Yashvantrao Mirkute	Police Constable	PMG
10	Ratnayya Bucham Gorgunda	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Every year, the Naxalites of CPI (Maoist) groups observe PLGA week in Gadchiroli district from 2nd December to 8th December to commemorate their formation. During this period, the Naxalites step up their violent activities and try to inflict maximum damages to government property. Hence, the police conduct area domination exercises and intensify anti-naxal operations in order to thwart any misadventure from the Naxalites.

In this regard, reliable inputs were received on 3rd December, 2017 about the location of a large number of Naxalites moving in the forest areas of Sirkonda, Loha and Kalled in southern part of Gadchiroli district. Immediately, a plan was called out for conducting an operation in the above areas so as to prevent any major sabotage. Accordingly, a team of 23 commandos attached to party commander Motiram Bakkaji Madavi was formed to be headed by Shri Sandip Ramesh Bhand, API. The above police team reached near the edge of Sirkonda forest on 03/12/2017 in private vehicles and dropped down. Then, as per the planning they moved forward on foot combing through the forest and made a night halt in the forest. The following day that is on 04/12/2017, the police team combed through the forest of Loha and Kalled and made a night halt in the forest of Loha. Thereafter, on 05/04/2017, API Bhand learnt from reliable sources that the Naxalites had moved in to the forest of Kalled. And hence, the police team divided themselves in two groups and conducted an operation in the forest of Kalled but the Naxalites could not be traced. Exhausted by the continuous operations, the police personnel stayed in the forest of Kalled for the night. The next day i.e. on 06/12/2017 at about 0715 hrs, while the police party was again combing through the forest, they were suddenly attacked by a group of large number of armed Naxalites.

Immediately, API Bhand instructed ASI Motiram Madavi and some men to flank the Naxalites from one side while he himself along with other men flanked the Naxalites from another side. Since, the Naxalites had positioned themselves behind big rocks and trees; they opened indiscriminate firing at the direction of police personnel and succeeded in inflicting injuries to three members of police team. Howsoever, under the able leadership of API Bhand and ASI Motiram Madavi, the police personnel strongly retaliated putting their lives into great peril. Because of the tactical leadership of API Bhand and ASI Motiram Madavi and courage shown by NPC Damodhar Channayya Chinturi, NPC Rajkumar Pandurang Bhalavi, NPC Sagar Manohar Mullewar, NPC Shankar Bakkaji Madavi, NPC Ramesh Shankar Asam, PC Mahesh Kisan Sayam, PC Saikrupa Yashvantrao Mirkute and PC Ratnayya Bucham Gorgunda, seven Naxalites could be eliminated in this encounter and a lot of arms and ammunition could be seized by the commandos.

In this operation, S/Shri Sandip Ramesh Bhand, Assistant Police Inspector, Motiram Bakkaji Madavi, Assistant Police Sub Inspector, Damodhar Channayya Chinturi, Naik Police Constable, Rajkumar Pandurang Bhalavi, Naik Police Constable, Sagar Manohar Mullewar, Naik Police Constable, Shankar Bakkaji Madavi, Naik Police Constable, Ramesh Shankar Asam, Naik Police Constable, Mahesh Kisan Sayam, Police Constable, Saikrupa Yashvantrao Mirkute, Police Constable and Ratnayya Bucham Gorgunda, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/12/2017.

(File No.-11020/169/2020-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 363-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Maneesh Kalwaniya, IPS	Additional Superintendent of Police	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
2	Bhausahab Kailas Dhole	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Sandip Punja Mandlik	Assistant Police Inspector	1st BAR TO PMG
4	Motiram Bakkaji Madavi	Police Sub Inspector	2nd BAR TO PMG
5	Dayanand Vijay Mahadeshwar	Police Sub Inspector	PMG
6	Jivan Channu Usendi	Naik Police Constable	PMG
7	Rajendra Gunchi Madavi	Naik Police Constable	PMG
8	Vilas Tulshiram Pada	Police Constable	PMG
9	Manoj Eknath Eskape	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.10.2020, a secret and reliable information was received by Addl. SP (Operations) Shri Maneesh Kalwaniya about the camping of a large number of armed Naxalites in the forest area of Kislani under the jurisdiction of AOP Gyarapatti, PS Korchi. As per the information, a large number of armed Naxalites belonging to Platoon 15, Company 4, Tipagarh LOS and Korchi LOS were camping at the said site and were hatching conspiracy to bring about a major subversive act and thereby undermine the democratically elected government. The armed Naxalites were directly acting at the behest of top cadres of CPI (Maoist) group, a banned terrorist organization as promulgated by the Central Government. Immediately, the Addl. SP (Ops), Gadchiroli chalked out an operation plan with assistance from DySP (Ops) Shri Bhausahab Kailas Dhole under supervision of SP Gadchiroli. Accordingly, a team consisting of 9 officers and 148 commandoes of C60 parties was formed under the leadership of Shri Maneesh Kalwaniya, Addl SP (Ops), Gadchiroli.

Then, acknowledging the gravity of the intelligence received on 18.10.2020 itself at 1030 hrs, the police teams boarded private vehicles and set out from Gadchiroli for conducting anti naxal operation in the forest of Kislani. Having reached the vicinity of Kislani forest area at around 1245 hrs, the police personnel disembarked from the vehicles and proceeded on foot as planned. From the operational point of view, the police personnel were then organized into three groups. The first group was led by Maneesh Kalwaniya, Addl.SP (Ops.) which consisted of PSI Motiram Bakkaji Madavi, PSI Rahul Namdeo and the commandos attached to Subash Wadhai party and Motiram Madavi party. The second group was led by API Sandip Punja Mandlik and it included members namely PSI Dayanand Vijay Mahadeshwar, PSI Rahul Avhad, commandos attached to Jagdev Madavi party and the commandos attached to Gopal Usendi party. The third group was led by Bhausahab Kailas Dhole, Dy.SP (Ops.), Gadchiroli and it included personnel namely PSI Rohit Fame, PSI Premkumar Dandekar, Nagesh Tekam along with his party members, Kishore Atram and his party members. The three groups of police personnel then maintaining safe distance among them began conducting anti-Naxal operation by advancing forward as well as by combing through the forest.

Thereafter, having combed through the forest of Kislani, as the above three groups were approaching a hill, the group in the center was suddenly attacked by around 40 to 50 armed Naxalites by opening indiscriminate firing and hurling bombs at the police. The armed Naxalites who had strategically positioned themselves on the hill-top were at an advantageous position with proper cover behind big rocks which facilitated them in unleashing attacks at the police personnel. The police personnel at once took position on the ground averting the fierce attacks and shouted out to the Naxalites to throw down arms and surrender before the police. But, the Naxalites did not pay any heed to the appeal made and continued to attack the police personnel. Therefore, in self-defense, the police personnel retaliated by opening controlled firing at the direction of Naxalites. The Naxalites could be heard asking aloud among themselves to intensify attacks on the security forces and not to allow them escape away.

The firing was most severe on the group in the center led by API Mandlik. It was soon realized that this group had been ambushed by the naxals. The information was immediately communicated to Addl. SP (Ops.) and Dy.SP (Ops.) over the wireless-set and additional assistance was sought. Shri Kalwaniya, Addl. SP(Ops.) who was at some distance on the left side along with his team members, immediately rushed for rendering help as soon as he learnt that one of the groups had been trapped in the killing zone of Naxalites. Expecting a rescue party from that side, naxals had preplanned to take strategic positions on the hill and started heavy firing in the direction of the rescue party. Despite being in a tactically weaker position, Shri Kalwaniya along with the police personnel in his group inviting great risks to their lives, opened rapid firing at the direction of Naxalites and started advancing for the rescue of the ambushed party. While advancing, this group faced a volley of bullets from the Naxalites who tried to block the rescue parties from approaching towards the ambushed police party. At this time Addl. SP (Ops) Shri Kalwaniya along with PSI Motiram Bakkaji Madavi and PC Manoj Eknath Eskape while advancing suddenly broke away from the rest of the party and advanced very quickly exposing themselves to the heavy firing from Naxalites for a brief period and took advantageous position behind a rock and fired heavily towards the Naxalites. This risky maneuver was unexpected by the naxals and they had to change their positions and regroup. Shri Kalwaniya's courageous and gallant maneuver towards the naxals, while firing at them aggressively, gave cover firing for his team members who could gain tactical positions and proper cover; and also kept the morale of the force higher. This gallant act by

Shri Kalwaniya, Motiram Madavi and PC Manoj Iskape provided the crucial window for the advancement of rest of their party which led to saving of the lives of the men stuck in the naxal ambush.

During the same time, Shri Bhausaheb Dhole, Dy. SP (Ops) led a group of the C-60 commandos on the right side of the ambushed party. This group was also advancing towards the ambush site to provide rescue to the trapped men. As soon as this group started moving, the naxalites started heavy firing on this group also. While advancing and dodging the rain of bullets, PC Vilas Tulshiram Pada of this group lost balance and slipped and fell down losing contact with his weapon. Seeing this, Naxalites opened heavy firing on him in expectation to kill him and snatch his weapon. But, the party did not retreat despite heavy firing. At this juncture, exemplary gallantry was shown by Shri Dhole and NPC Rajendra Gunchi Madavi who taking great risk to their own lives, left their cover, exposed themselves went towards Vilas Pada and gave cover firing. Due to their cover firing, Vilas Pada was able to regain his position and recover his weapon. The valiant efforts by Shri Dhole and NPC Rajendra Madavi led to saving of the life of Vilas Pada. Shri Dhole provided valiant leadership to his group which further advanced towards the ambushed party continuing heavy firing. Due to support of this group naxal attack on the ambush party was weakened.

The party headed by API Mandlik, which was trapped in the naxal ambush, did not retreat, held their positions and resorted to controlled firing, exemplary courage was shown by API Mandlik, PSI Dayanand Vijay Mahadeshwar and Jivan Usendi. They had taken advanced positions, put their own lives in danger and retaliated by resorting to heavy firing, which saved the lives of fellow policemen and stopped the naxals from advancing. The trio displayed immense courage and gallantry by selflessly facing the naxal bullets with the sole and selfless intention of saving lives of their team members.

On this sudden aggression and tactical maneuver by the police from different directions, the armed naxal cadres tried to increase their offensive but the police teams did not yield to the pressure and they maintained their tactical formations. The valiant leadership provided by Maneesh Kalwaniya, Additional SP (Ops) and the selfless act of courage of advancing bravely while firing aggressively at the naxals without caring for his own life, dislodged the naxals and also motivated other members to fight to the hilt, which saved life of fellow men. Similarly, great courage and leadership was shown by Bhausaheb Dhole, Dy. SP (Ops) in saving Vilas Pada and advancing towards the ambushed party, without caring for his own life while keeping morale of his team members high by himself leading the party. Great valour was shown by PSI Motiram Madavi, NPC Rajendra Madavi, PC Manoj Iskape, PC Vilas Pada in exposing themselves to the bullets and moving forward for the selfless aim of saving lives of fellow men. API Mandlik, PSI Mahadeshwar and Jivan Usendi put up tremendous defense along with their men, not caring for their own lives and fought the deadly attack so that they could save the lives of the members of their party. This fierce gun battle between the police and the Naxalites continued for about 30 to 40 minutes in the deep forest of Kiselni under the jurisdiction of AOP Gyarapatti. The bold initiative, tactical maneuver and counter attacks adopted by the police, dislodged the Naxalites from their position on the hill top. As the Naxalites began to suffer casualty at the hands of police personnel, they gradually began to retreat into the forest. Then, unable to withstand the effective police retaliation any more, the Naxalites fled away taking cover of hilly terrain.

This extraordinary courage and valiant act of the police personnel have resulted in the elimination of five hardcore Naxalites of CPI (Maoist) group of Naxalites. Further, the police could recover Insaas rifle-01 Nos., .303 rifle-02 Nos., 12 bore guns-02 Nos., lot of ammunition, multimeter, pittus, naxal uniforms, utensils, firecrackers, naxal literatures, and naxal belongings and items of daily usages from the place of incident.

In this operation, S/Shri Maneesh Kalwaniya, IPS, Additional Superintendent of Police, Bhausaheb Kailas Dhole, Deputy Superintendent of Police, Sandip Punja Mandlik, Assistant Police Inspector, Motiram Bakkaji Madavi, Police Sub Inspector, Dayanand Vijay Mahadeshwar, Police Sub Inspector, Jivan Channu Usendi, Naik Police Constable, Rajendra Gunchi Madavi, Naik Police Constable, Vilas Tulshiram Pada, Police Constable and Manoj Eknath Eskape, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/10/2020.

(File No.-11020/91/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 364-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sameer Aslam Shaikh	Additional Superintendent of Police	PMG
2	Manoj Narayan Gajjamwar	Police Naik	PMG



Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
3	Ashok Pandu Majji	Police Constable	PMG
4	Devendra Gyaniram Pakhmode	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An input was received about the presence of naxals of Korchi Local Organizing Squad (LOS), Tipagad Local Organizing Squad (LOS), Platoon No. 15, Company No. 4 and Kasansur Local Organizing Squad (LOS) camping on the hill near village Morchul. Success in this tough terrain and during this period would give security forces an upper hand in the area.

Without hesitating or waiting to recuperate, Shri Sameer Aslam Shaikh as the leader decided to initiate the operation on ground immediately, realizing that the presence of a senior officer would boost the morale of the forces and lead to better coordination and effectiveness. He rushed to the location with his forces keeping in mind the above tasks. After briefing each party involved, he helped them prepare mentally for the task ahead by reinforcing the importance of their mission. Regarding the location, it was difficult to reach there undetected, further the terrain was especially difficult due to the pitch darkness of the night along with the uphill nature of the terrain.

The parties reached the foothills early morning and as per instructions of Shri Sameer Aslam Shaikh, the search parties were divided into two groups. The first group was led by Shri Sameer Aslam and the other group was led by Shri Vijay. As per plan, Shri Sameer Aslam Shaikh instructed both the groups to split at the foothills. The parties therefore started to ascend the mountain, all the while maintaining absolute secrecy and alertness. As the exact position of naxals could not be gauged by that time and to get pin point location, Shri Sameer Aslam Shaikh instructed a small team to get their location without getting exposed. Two commandos advanced and checked the location of the naxals who found that there were around 40-50 naxals in number. The naxals were at an elevated platform as compared to the police forces and were in a tactically advantageous position. Shri Sameer Aslam Shaikh came to the conclusion that it would be difficult to stay undetected due to the strategically advantageous position of the naxals. His plan was to get naxals encircled from the back side, another motive for the decision was to advance undetected and in case they get detected naxals could be prevented from retreating from the back side. At around 0600-0630 hours, when the Sun had only begun to illuminate the surroundings, first group had advanced midway between the contour when the sentry of naxals caught sight of the movement of the police parties and started firing and hurling explosives immediately. The vegetation was dense along with huge boulders hiding behind which naxals were firing and hurling explosives indiscriminately. Naxals were asked to stop firing and surrender. But, they declined.

The Maoist were using grenades which was making it difficult for the force to advance uphill. While the first group was slowly inching upwards, an explosive thrown by Naxals and injured two jawans. Despite the injuries received, Devendra Gyaniram Pakhmode, PC did not leave his position and kept on firing towards the naxals. This prevented naxals from advancing and coming near him or the other injured jawan. His gallant act saved the rest of the party from the heavy firing of the naxals.

As soon as the injured jawans were out of the danger zone, Shri Sameer Shaikh began to rally his force and fire in the direction of Naxals during which an injured male naxal fell to the ground unconscious. On witnessing the courage displayed by their leader, the group began to fire and marched onwards more vigorously. This sudden burst of energy compelled the charging group of Naxals to retract and they left this group to attack the other group that was closing onto them.

Naxals showered bullets and explosives to over power and cause maximum damage to the group led by Shri Vijay Chavan. Since Naxals were at a greater height, they began to fire another flurry of bullets and explosives, one of which fell near a jawan from this group, injuring him with splinters. On realizing that this jawan was immobilized, Shri Ashok Pandu Majji and Shri Manoj Narayan Gajjamwar along with some jawans rushed to provide cover firing with their weapons without being concerned with their own safety or lives. While doing this, they had to leave the safety of cover and advance amidst heavy firing from naxals in order to save the life of the injured jawan Shri Ashok Pandu Majji and Shri Manoj Narayan Gajjamwar along with some jawans were able to shield the injured jawan and allow him to take cover and all this while continued with their reply against Naxals. In the resultant retaliatory firing an injured female naxal fell in a small valley and lay there unconscious.

This encounter lasted for close 40-45 minutes but the parties replied with utmost vigour. As a result, Naxals ran away and disappeared into the thick cover of the forest. The search operation led to the discover of two Naxals (one male and one female) in an unconscious state and later on, they were declared death and identified as Raja @ Ramsai Nohru Madawi, Commander of Tipagad LOS and Ranita @ Punita Chipluram Gawde, Platoon member of Kasansur LOS. SLR rifle-1, SLR magazine-1, SLR ammunition-30, 12 bore damaged ammunition-8 etc. were found during search.

In this operation, S/Shri Sameer Aslam Shaikh, Additional Superintendent of Police, Manoj Narayan Gajjamwar, Police Naik, Ashok Pandu Majji, Police Constable and Devendra Gyaniram Pakhmode, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/05/2021.

(File No.-11020/1193/16/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 365-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Harshal Suresh Jadhav	Police Sub Inspector	PMG
2	Late Jagdev Rajmsha Madavi	Head Constable	PMG (Posthu)
3	Sevakram Ganju Madavi	Head Constable	PMG
4	Subhash Anandrao Wadhai	Naik Police Constable	PMG
5	Rohit Janardan Gongale	Police Constable	PMG

#### Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15/10/2018, intelligence was received about the camping of a large number of Naxalites in the forest of Kumadpar under the jurisdiction of AOP Malewada, PS Korchi. As per the intelligence, the group of Naxalites included top cadres like Ganpati, Bhupati, Milind Teltumbade, Prabhakar all of whom belonged to banned terrorist organization of CPI (Maoist) group. And they were planning to cause a major sabotage act to create unrest in the society and unseat the democratically elected government.

Hence, at the behest of the Supdt. of Police, Gadchiroli, a plan was chalked out by Dr. Hari Balaji, Addl. S.P.(Ops) for conducting an anti-Naxal operation in the said forest areas. Soon thereafter, a team of commandos was formed comprising 47 police personnel. This included-PSI Dayanand Mahadeshwar along with 24 policemen of C-60 squad commanded by HC Jagdev Rajmsha Madavi; PSI Harshal Suresh Jadhav and 20 men of C-60 squad commanded by NPC Bannu Halami. The team of police personnel then set out on 15/10/2018 at 2200 hrs in private vehicles from Gadchiroli for conducting anti-Naxal operation and nabbing the culprits. The convoy reached the forest of Katezari on 16/10/2018 at 0200 hrs and then they dismounted from the vehicles at a place. Then with the onset of dawn at 0500 hrs, they began conducting operation in small groups from the ease of operational point of view.

Two squads, one piloted by party commander HC Jagdev Rajmsha Madavi and another piloted by Bannu Halami were combing parallel to each other through the forest. At around 1100 hrs., the squad commanded by Bannu Halami was ambushed by the Naxalites. The naxalites were unleashing volley of firing from a hilltop and rendering the commandos vulnerable to attacks. Also, the party headed by PSI Harshal Jadhav and Dy. Commander Subhash Wadhai came under Naxal attack.

Hence party commander HC Jagdev Madavi along with PC Rohit Janardan Gongale, PC Durgesh Meshram, PC Dipak Madavi, PC Ramlal Koreti and other policemen rushed to salvage the policemen surrounded by the Naxalites. While PSI Dayanand Mahadeshwar along with PC Raju Thakre, NPC Rajkumar Sayam, PC Pitamber Raut, PC Jaysing Hidami began to flank the Naxalites which had surrounded Bannu Halami's squad. Though the Naxalites were firing indiscriminately, Jagdev Madavi and Rohit Gongale along with seven policemen without caring their lives advanced from hill side to help Bannu Halami's squad.

This brave retaliation caused the Naxalites to retreat who were firing from right side by opening heavy fire towards them. At this, PSI Harshal Jadhav and Subhash Wadhai communicated over walkie-talkie sets to the trapped policemen that they had succeeded in breaking free the Naxal ambush. Thereafter, all the commandos retaliated in an effective manner causing the Naxalites to retreat into forest at the cost of casualty. In this encounter one policeman named PC Raju Thakare had sustained injuries and the rest others were safe.

The police parties succeeded in eliminating one Naxalite and in inflicting injuries to many other dalam members. Also, the commandos succeeded in recovering one 5.56 MM Insaas rifle along with a lot of ammunition and naxal literature.

In this operation, S/Shri Harshal Suresh Jadhav, Police Sub Inspector, Late Jagdev Rajmsha Madavi, Head Constable, Sevakram Ganju Madavi, Head Constable, Subhash Anandrao Wadhai, Naik Police Constable and Rohit Janardan Gongale, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/10/2018.

(File No.-11020/171/2020-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 366-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Yogiraj Ramdas Jadhav	Police Sub Inspector	PMG
2	Late Dhanaji Tanaji Honmane	Police Sub Inspector	PMG (Posthu)
3	Dasaru Devu Kursami	Naik Police Constable	PMG
4	Dipak Buklu Vidpi	Police Constable	PMG
5	Suraj Poshetti Ganjiwar	Police Constable	PMG
6	Late Kishor Lakshman Atram	Police Constable	PMG (Posthu)
7	Gajanan Ramdas Atram	Police Constable	PMG
8	Yogeshwar Gajanan Sadmek	Police Constable	PMG
9	Ankush Madhav Khandale	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15/05/2020, information was received about the camping of a large number of armed Naxalites in the forest area of Koparshi-Poyarkothi under the jurisdiction of AOP Kothi, PS Bhamragad. As per the information, a large number of armed Naxalites were camping at the said site and were hatching a criminal conspiracy to bring about a major subversive act and thereby unseat the democratically elected government. Further, the armed Naxalites were directly acting at the behest of top cadres of CPI (Maoist) group, namely Baswaraj, Bhupati, Milind Teltumbade, Prabhakar, Bhashkar, Kopa Usendi, Shankaranna, Tarakka, Deoji and others. Immediately, an anti-naxal operation was planned by senior police officers for conducting an operation in the above area.

As per the plan, PSI Yogiraj Ramdas Jadhav along with 20 policemen of the party headed by NPC Mahesh Michha and 23 policemen of police party headed by party commander NPC Sarju Weladi and PSI Avinash Gawadi (prob.) set out from Panhita in private vehicle on 15/05/2020 at 2220 hrs and reached near the forest of Bhamragad. A Quick Reaction Team (QRT) party headed by PC Gajanan Ramdas Atram along with PSI Dhanaji Tanaji Honmane, PSI (prob.) Kiran Shivaji Ughade and 15 policemen had also set out on foot from Bhamragad and had reached the said Bhamragad forest area by 2215 hrs for conducting anti-naxal operation. The QTR team then met PSI Yogiraj Ramdas Jadhav at the pre-decided venue.

Thereafter, the police personnel were divided into two groups. One group consisted of some commandos of QRT and some men from the party headed by PSI Yogiraj Ramdas Jadhav and the second group consisted of the remaining police personnel headed by NPC Sarju Weladi. Then they started combing through the forest of Koparshi and proceeded towards the forest of Hidur. After conducting anti-naxal operation in the forest of Hidur. On 16/05/2020, they entered into the forest of Poyarkothi and then made a night halt in the forest.

The following day on 17/05/2020 at around 0500 hrs, the police personnel again resumed anti-naxal operation and they were advancing in single line formation through the forest of Poyarkothi. PC Kishor Lakshman Atram was acting as the pilot and he was followed by PSI Dhanaji Tanaji Honmane followed by NPC Dasaru Devu Kursami followed by PSI Yogiraj Ramdas Jadhav followed by the rest of the police team members. At around 0600 hrs, as they were climbing up a hill, pilot PC Kishor Lakshman Atram observed some people clad in olive green uniforms hiding on the path ahead of him at some distance. He, at once, gestured to the remaining team members to exercise caution. Within no time, they came under indiscriminate firing that had been unleashed from the three directions of the hill side. The police party immediately took position on the ground and protected themselves behind big rocks and trees that came handy. The police team realized that they had been trapped in an ambush laid in 'U' type formation by 80-100 armed naxalites including women who were clad in olive green uniforms. PSI Jadhav shouted out to the naxalites making appeals for surrendering before the police. But, the naxalites disregarded the appeals made and kept on firing intensely at the direction of police team. Hence, the police team resorted to controlled firing in self-defence.

PC Kishor Lakshman Atram, the pilot along with PSI Dhanaji Tanaji Honmane displaying extraordinary bravery and warfare tactics, effectively returned the naxal attack. The effective retaliation made by the above two personnel reduced the intensity of incoming firing from the side of naxalites. Thus, the police personnel got an opportunity to take position behind suitable shields. The naxalites who had sat in an ambush, targeted PSI Honmane and PC Kishor Lakshman Atram by opening rapid firing at the direction of these two personnel. Consequently, PC Kishor Lakshman Atram was hit by a bullet and he was injured. Seeing this, PSI Dhanaji Tanaji Honmane resorted to firing at the direction of naxalites as a protection to injured PC Kishor Lakshman Atram and at the same time he rushed towards him. As PSI Honmane rushed towards Kishor Lakshman Atram for providing assistance, right then, he was hit by a bullet and he too was injured. Despite the bullet injuries sustained by both PSI Dhanaji Honmane and PC Kishor Lakshman Atram, they did not care about their personnel safety and continued with retaliation. In that injured state, PSI Honmane contacted PSI Yogiraj Ramdas Jadhav over walkie-talkie set and informed that “the naxalites have surrounded both of us and they are unleashing indiscriminate firing; we are responding to the naxalites; you too retaliate by firing and by taking safety measures.” As soon as the information was received over walkie-talkie set, it was also communicated to NPC Dasru Kurchami, PC Dipak Widpi, NPC Nandu Widpi and NPC Gonglu Oksha. Hence, in order to rescue the above two trapped police personnel, NPC Dasru Kursami along with other police personnel exposed their lives to great risk and tactfully advanced unleashing heavy firing at the direction of those naxalites.

While this group of policemen was moving forward, they were also targeted by exploding claymore mines. But, the police personnel were determined and they continued to retaliate effectively causing the naxalites to retreat into the forest.

Later on, when the police party approached PSI Honmane and PC Kishor Lakshman Atram, both of them were found in an injured state lying on the ground. It was also realized that the naxalites had whisked away a SG rifle, a walkie-talkie set, a magazine pouch, ammunition, etc. from the possession of PC Kishor Atram.

After ensuring that the firing had completely stopped, the police personnel, exercising due precautionary measures gathered at one place. Thereafter, PSI Yogiraj Ramdas Jadhav enquired with all the members about the ground situation and found that NPC Gonglu Oksha and NPC Raju Pusali, these two personnel had sustained minor injuries.

Later on, PSI Dhanaji Tanaji Honmane and PC Kishor Lakshman Atram succumbed to their bullet injuries and thus acquired martyrdom. These two personnel have sacrificed their lives while fighting the naxalites on the battle field. Apart from this, the police personnel namely, PSI Yogiraj Ramdas Jadhav, NPC Dasaru Devu Kursami, PC Dipak Buklu Vidpi, PC Suraj Poshetti Ganjiwar, PC Gajanan Ramdas Atram, PC Yogeshwar Gajanan Sadmek and PC Ankush Madhav Khandale have displayed bravery on the battle field while fighting with the naxalites. The combined efforts made by these personnel, foiled the sinister design of the naxalites. In fact, these personnel have set an example of bravery and professionalism to the entire Gadchiroli police force. These personnel have put their lives in great danger and have retaliated the naxalites bravely. Consequently, the naxalites had to flee away from the battle field taking cover of dense forest and hilly terrain.

In this operation, S/Shri Yogiraj Ramdas Jadhav, Police Sub Inspector, Late Dhanaji Tanaji Honmane, Police Sub Inspector, Dasaru Devu Kursami, Naik Police Constable, Dipak Buklu Vidpi, Police Constable, Suraj Poshetti Ganjiwar, Police Constable, Late Kishor Lakshman Atram, Police Constable, Gajanan Ramdas Atram, Police Constable, Yogeshwar Gajanan Sadmek, Police Constable and Ankush Madhav Khandale, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/05/2020.

(File No.-11020/97/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 367-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Odisha:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Kumar Karmi	Commando	PMG
2	Pitabasa Pande	Commando	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.10.2018, upon reliable inputs regarding the presence of a group of Maoists in dense forest of Andrapalli Panchayat area under Chitrakonda PS limits of Malkangiri District (Odisha), who were planning to commit offences against government property and security forces, a joint operation was launched with Greyhounds of Andhra Police, SOG of Odisha Police to comb the area and apprehend the suspects to prevent any offences. On the morning of 12.10.2018 at around 0800 hrs, information received through radio communication from the police personnel on the field, a police party

comprising Greyhounds and SOG was on patrolling duty around the Andrapalli village. While the said party was on patrol duty, they suddenly came under unprovoked firing in the form of burst firing from sophisticated weapons from the hillocks to the north of Andrapalli village. It was strongly suspected that members of banned CPI Maoists were carrying out this attack. Once fired upon, the police personnel immediately took cover to save their lives and appealed in a coherent and high-pitched voice to surrender. But, banned CPI (Maoists) paid a deaf ear to the appeal and continued indiscriminate firing on the police party taking advantage of cover provided by the rocks and dense forest. Finding no other alternative, the Police party took tactical position and started controlled counter firing in self-defence. The exchange of firing between the armed cadres of banned CPI (Maoists) and the Police party continued for about 20 minutes. There after the firing stopped from the CPI (Maoists) side. The Police parties waited in silence for about an hour. Then carefully, the police parties approached the place from where firing was coming and discovered one female dead body in olive green dress along with a 9 MM carbine with 21 rounds of ammunition and 01 kit bag and the operation is being continued. In this connection, an FIR has been registered at Chitrakonda PS Case No. 99, Date. 13.10.2018 U/S-120-B/121/121-A/124/307/149 IPC/R.W. Section 25/27 Arms Act/17 Cr. L.A. Act/16 (1) (b)/18/20 UAP Act 1967. Slain female Maoist has been identified as a dreaded Maoist namely Meena @ Nidiginda Prameela (DCM), W/o-Gajarala Ravi @ Uday (CCM), Village-Panchannapeta, PS-Bachannapeta, Dist-Warangal (Telangana). She was working as Divisional Committee Member of Gumma AC under AOBZC. Government of Odisha had declared a cash reward of Rs.5,00,000/-(Five Lakh only) against her and other neighboring states had also placed higher rewards on her. It is pertinent to mention here that, highest standards of exemplary coordinated team work were set by the team of Special Operation Group (Odisha) and Grey Hounds (AP) teams during this operation.

Commandos Kumar Karmi and Pitabasa Pande have played the key role in this encounter of Naxals. They led from the front without caring for their lives, setting personal example for others. The heavy success in this operation can be contributed to their great contribution. At one stage in the operation, Maoists may have overrun our main firing group. At that moment, any wrong decision could have proved lethal to our party. However, Shri Kumar Karmi and Shri Pitabasa Pande of SOG AT No. 40 rose to the occasion and started firing, though in the process any member of the group would have been martyred. Even after that, both the members of the team came in open, though badly exposed putting their lives on stake. Rather they have jeopardized their lives multiple times during the operation.

In this operation, S/Shri Kumar Karmi, Commando and Pitabasa Pande, Commando displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/10/2018.

(File No.-11020/12/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 368-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Personnel of Assam Rifles:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Shri Birendra Singh	Warrant Officer	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Late Shri Birendra Singh, Warrant Officer was a highly motivated, courageous soldier. He displayed exceptional gallant and raw courage while fighting insurgents in Changlang district, Arunachal Pradesh.

On 04 October 2020, a vehicle based Area Domination Patrol was being conducted between Jairampur and New Dogkpi. Late Shri Birendra Singh, Warrant Officer was co-driver duty one of the vehicle. At approx 0940h while en-route to New Dogkpi, the convoy met with chance encounter with unknown insurgents near village Tengmo GR (MY 390710). Initially, insurgent attacked the convoy across the road with Lathode. Subsequently, heavy exchange of firing of small arms took place, during which the Warrant Officer got grievously injured. In spite of the injuries, he stood his ground and instantly retaliated with firing. He engaged the insurgents in a firefight thereby halting their advance towards own numerically inferior patrol party. This singular selfless act saved the lives of others in his patrol members while he himself laid down his life.

In this operation, Late Shri Birendra Singh, Warrant Officer displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/10/2020.

(File No.-11020/179/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 369-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Shri Kishan Kumar Dubey	Constable	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Due to Cease fire violation by Enemy (Pak) troops from across the Line of Control since 5th July 2015, all the FDLs under Army ops control of 17th Inf Bde, Naugam, Dist Kupwara, J&K were put on high alert and Stand to position. The area is covered with thick and dense pine trees with fog on that day thus restricting the visibility.

On 9th July 2015, No. Constable Kishan Kumar Dubey of 119 Bn BSF and one Army Sepoy namely Narendra Kumar of 03 Kumaon Rifle (Army) were detailed to perform duty in two tier LMG Morcha at FDL Karam from 091200 hrs to 091800 hrs. Ct Kishan Kumar Dubey was on upper tier of Morcha wearing BP Jacket & Helmet and Army Sepoy Narendra Kumar was in lower tier of Morcha.

At about 091515 hrs, in a shift from the previous cease fire violations, Pak troops resorted to unprovoked firing from across the LoC and fired 02 shots from Sniper Gun targeting loop hole of upper LMG Morcha of FDL Karam, out of which, one sniper shot pierced through the left eyebrow and exited from back side of the head of Ct Kishan Kumar Dubey. He was administered First Aid and immediately evacuated to 319 Advance Dressing Station Field Hospital, Kaiyan Bawl, where the Army Doctor declared him dead at about 1720 hrs. Ct Kishan Kumar Dubey possessed indomitable spirit, could not be overawed or overwhelmed and always remained at his duty points while performing ops duties, when threat was looming large not only due to regular Cease fire violation/Standoff Attack/BAT action by Pak Army but also hostile terrain and weather conditions. The braveheart, with scant regard to his personal safety, displayed combat audacity and exemplary courage under trying conditions and made supreme sacrifice for the Nation in performance of active duty due to unprovoked firing by Enemy (Pak troops) from across the Line of Control.

In this operation, Late Shri Kishan Kumar Dubey, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/07/2015.

(File No.-11020/129/2019—PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 370-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Mahendra Yadav	Sub Inspector	PMG (Posthu)
2	Late Chandrapal Singh	Head Constable	PMG (Posthu)
3	Late Baban Saha	Constable	PMG (Posthu)
4	Harikesh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the intervening night of 7/8 Aug 2016, a group of about 8-10 militants having crossed the LC from Pak village Hifajat/Janwai came through the Bhuriwala Nar up to water point of FDL Bhuriwala taking advantage of bad weather and halted on south side of helipad. At dawn on 08th Aug 2016, the group split and occupied position on eastern side of FDL and southern side of Helipad.

On 8th Aug 2016, at about 0545 hrs, the militants brought heavy volume of firing with automatic weapons on the sentries who were on duty and in living structures. Simultaneously, Pak FDL Hassan also fired on the FDL. The sentries on duty namely CT Harikesh & CT Tapas Paul appreciating the situation, immediately retaliated the firing and alerted the other personnel living in the FRP. On being alerted, the remaining personnel of BSF and 17 Sikh came out of the FRP and retaliated the firing. SI Mahendra Yadav and ASI Suren Baruah also came out of their steel PD and without caring for their personal safety, retaliated the firing. Due to heavy exchange of firing, CT Baban Saha, HC Chandrapal Singh and SI Mahendra Yadav received fatal bullet injuries and succumbed and Ct Gurmail Singh, CT Heera Ram lol and CT Ramveer Singh sustained minor splinter.

On being informed about the incident, Shri. B S Parihar, Deputy Commandant/Coy Comdr E Coy immediately rushed to FDL Bhuriwala with reinforcement at 0630 hrs on 8th Aug 2016 and his party fired effectively towards the militants due to which the militants fled away from the side of water point towards LC. The reinforcement party also reached simultaneously and fired in the direction in which the militants had fled.

On search of the area, a dead body of militant was found about 10 mtrs from the gate of FDL Bhuriwala. AK-47 Rifle, Grenades, Magazines, Live rounds of AK-47 and other Arms/Amns were recovered from the possession of the militant.

SI Mahendra Yadav was safe in his steel pucca defence when the post was attacked but realising his duties as post Comdr, he came out of his steel PD Bunker and without caring for his personal safety, threw one Grenade towards eastern side to foil the entry of militants inside the post and moved towards the MMG Morcha despite heavy volume of firing and directed the pers to open firing with MMG and LMG on the militants. While doing so, he was fatally hit by militant's bullet but he threw the second grenade towards the eastern side of FDL towards the militants trying again to force their entry in the FDL. He held on to his life and kept on motivating the personnel till he made supreme sacrifice for the Nation in the Line of duty. His raw courage, comradeship and devotion to duty till his last breath is exemplary and is worth emulating for his under command.

HC Chandrapal Singhon seeing that CT Baban Saha was hit by bullet, without caring for his own life, came out of the FRP and started firing with INSAS Rifle on the militants who were trying to enter the FDL from eastern side under the covering firing from other group of militants on south side of Helipad. HC Chandrapal Singh fired effectively on both the groups of militants with his INSAS Rifle to repulse their attack but in the process, he sustained a bullet injury on left side of his chest and succumbed to his injury and made supreme sacrifice for the Nation in the Line of duty. He fired 24 rounds from his INSAS Rifle. His bold action gave time to other personnel in FRP to come out, take position and retaliate the firing of militants. Thus, the courageous act of HC Chandrapal Singh saved many lives of his colleagues although he lost his own life in safeguarding the post and precious lives of men under his command.

Const Baban Saha, who was getting ready to go to cook house, on being fired upon, he immediately picked up a primed grenade kept at the morcha and threw on the Eastern side of FDL due to which militants retreated. While he was taking cover inside the FRP, he was hit by a bullet on his forehead and died due to fatal injury. Although being a Const/Cook, he did not hesitate and showed his presence of mind and courage not only to face the militant firing heavily on the post and FRP but also lobbed a grenade towards the militants and in doing so, got martyred and made the supreme sacrifice for the Nation in the Line of duty. His courageous act motivated the other personnel to face the militants boldly and without fear.

Ct Harikesh Meena, 'E' Coy 156 Bn BSF was alert on his duty, when he was heavily fired upon, despite this, he kept his presence of mind and not only retaliated the firing but also alerted other pers in the FRP. Later, he advanced to forward Morcha despite the heavy volume of firing and engaged the militants. He saw one of the militants, who was firing towards the post and approaching towards the FDL gate with an intention to enter the FDL. He fired upon the militant and killed him. He fired total 95 rounds from his INSAS LMG. He was first to be fired upon by the militant but he did not panic and showed courage of a true soldier in defending his motherland. His immediate retaliation against the militants was worth emulating as the fire was not expected by the militants and he pegged them to their position in initial stage itself. He engaged the militants leading from the front by putting his own life at grave risk. His bold action not only killed a militant but also prevented other militants from taking away the dead body. His exemplary courage, dedication and devotion towards his duty motivated other personnel.

In this operation, S/Shri Late Mahendra Yadav, Sub Inspector, Late Chandrapal Singh, Head Constable, Late Baban Saha, Constable and Harikesh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/08/2016.

(File No.-11020/98/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 371-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Rakesh Dobhal	Sub Inspector	PMG (Posthu)
2	Naseeb Singh	Head Constable	PMG
3	S Rajesh Kannan	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13th Nov 2020 at about 1205 hours, Pak Army started Cease Fire Violation (CFV) with heavy volume of firing with small arms, Mortars and Artillery from various locations and BSF troops also retaliated the same. SI/GD Rakesh Dobhal was performing the duty of OP Officer (Observation Post Officer) along with HC(GD)/Tech Asstt. Naseeb Singh and CT(GD)/ORA S Rajesh Kannan. Army authorities decided to take firing support of BSF Artillery which was deployed at Taj Gun Position. Taj Bty of 1011 BSF Arty opened Arty firing on enemy locations and the OP party consisting of SI Rakesh Dobhal, HC Naseeb Singh and Ct S Rajesh Kannan started correcting the shells of own guns from FDL (Forward Defended Locality) Atma which is only 50 yards from the Line of Control. They had corrected and adjusted the befitting firing on various enemy locations effectively with an accuracy and destroyed Yadoori Gun Posn, Jabi Mor Posn and One fuel Dump of Pak Army targets in enemy area inflicting heavy losses to men and material. On getting heavy firing from BSF Arty, enemy opened mortar firing from Khapi mortar position. On seeing heavy Mortar shelling from enemy Mortar position Khapi, the team of SI Rakesh Dobhal diverted BSF Arty firing on this target and started adjusting rounds of own guns at Khapi mortar position. During the course of action, at about 131215 hrs, enemy snipers at FDL Chand, which is about 175 yards from own FDL Atma (OP location) fired at OP Officer SI Rakesh Dobhal. One bullet of enemy snipers hit him on the left side of head after penetrating the wooden wall and his helmet. The bullet passed through the left side of his head just above the ear after penetrating his helmet and exited through other side of the helmet. Even though SI Rakesh Dobhal got bullet injury on his head, he showed exemplary commitment to his duty and continued controlling the firing and adjusted rounds of BSF Arty on the target till he fell down on the floor of OP bunker. SI Rakesh Dobhal was immediately provided with the preliminary medical treatment by the Army Doctor but unfortunately at about 131315 hrs he got martyrdom.

In the worst condition where OP Officer was down in injured condition, the responsibility to control own Arty firing and to the firing from enemy Mortar position Khapi came on the remaining members of the OP Party. HC Naseeb Singh and Const. S Rajesh Kannan by showing the excellence in their professional skills and exemplary courage, effectively controlled the own Arty firing and had also looked after the injured SI Rakesh Dobhal till his martyrdom.

It was an example of braveness and gallant action on the part of Late SI Rakesh Dobhal and his team. They displayed raw courage, exemplary commitment to duty and high standards of training; thus effectively neutralized and destroyed enemy posts. Later SI Rakesh Dobhal made 'the supreme sacrifice' while giving befitting reply to intense enemy bombardment.

In this operation, S/Shri Late Rakesh Dobhal, Sub Inspector, Naseeb Singh, Head Constable and S Rajesh Kannan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/11/2020.

(File No.-11020/55/47/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 372-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Bipul Borah	Assistant Sub Inspector	PMG (Posthu)
2	Late Tumeshwar	Constable	PMG (Posthu)
3	Late Ishrar Khan	Constable	PMG (Posthu)
4	Late Seelam Ramakrishna	Constable	PMG (Posthu)
5	Yogesh Kumar	Assistant Commandant	PMG
6	Gobu Kumar J	Assistant Commandant	PMG
7	Gopal Rong	Inspector	PMG
8	Narender	Sub Inspector	PMG
9	Kajal Shaikh	Constable	PMG



## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 4th April 2019 at about 1000 hrs, one Ops Party of COB Mahla Ex-114 BSF led by Inspr Gopal Rong marched from COB Mahla for Area domination in connection with GPE-2019 and road construction protection duty along Mahla-Katgaon axis. The party was moving tactically in three groups adopting 'Y' formation along both sides of the road, flanked by dense forest.

When the party reached one Km North East of COB Mahla, they were ambushed by PLGA of Maoists and their Jan Militia by unleashing series of IED blasts and heavy volume of firing from various types of weapons. The party immediately retaliated effectively with heavy volume of firing in the direction of Maoists. The ambush was laid by the Maoists in inverted 'U' shape covering large area. Though, outnumbered and surrounded from three directions by the Maoists, the BSF Party continued resolute fight with grit, courage & determination. The Party Commander assessed the situation quickly and conveyed to the Coy Comdr regarding the Maoists Ambush.

On receiving the information of the Ambush, two parties led by Sh Yogesh Kumar, AC and Sh Gobu Kumar J, AC immediately approached the ambush site from two different directions to reinforce the troops despite interference from Maoists side. The reinforcement party also retaliated and fired effectively on Naxals. The encounter lasted for two hours. BSF troops displayed great valour and fought bravely with effective and calculative fire power of small arms, 51mm Mortar and UBGL in spite of suffering casualties in the initial bursts. Witnessing the tough resistance from the BSF party, the Maoists escaped by taking advantage of the dense forest and undulating terrain.

During this fierce encounter, ASI Bipul Borah, Ct. Tumeshwar, Ct. Seelam Ramakrishna and Ct. Ishrar Khan sustained grievous bullet/splinter injuries but inspite of serious injuries, they fought bravely to show their comrades & attained martyrdom. Though, Sh Gobu J, AC and Inspr Gopal Rong also sustained bullet/splinter injuries while fighting with the Maoists but undeterred, they led from the front and fought with courage and bravery. Sh. Yogesh Kumar, AC, SI Narendra Singh and CT Kajol Sheikh fought fearlessly and gave tough fight without caring for their own life against 150 to 200 Maoists which forced them to flee with their casualties.

In this operation, S/Shri Late Bipul Borah, Assistant Sub Inspector, Late Tumeshwar, Constable, Late Ishrar Khan, Constable, Late Seelam Ramakrishna, Constable, Yogesh Kumar, Assistant Commandant, Gobu Kumar J, Assistant Commandant, Gopal Rong, Inspector, Narender, Sub Inspector and Kajal Shaikh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/04/2019.

(File No.-11020/63/47/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 373-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Bhuru Singh	Sub Inspector	PMG (Posthu)
2	Late Raj Kumar	Constable	PMG (Posthu)

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.08.2021 at about 0530 hours, party consisting of 10 personnel including ROP party of 08 personnel and 01 fence checking party consisting of SI Bhuru Singh and Ct Raj Kumar left BOP R C Nath of 64 Bn BSF for carrying out patrolling and simultaneously deploying troops at their ROP points.

After deployment of all the ROP parties at their respective points, the fence checking party led by SI Bhuru Singh and CT Raj Kumar started checking the IBB. While returning from ROP point 07 towards ROP point 06 at about 0630 hrs, was ambushed near a box culvert on IBB Road, near picket No. 431 with alignment of BP No. 2285/MP, approx. 1.8 Kms away from BOP R C Nath. The group of about 10-12 heavily armed unknown insurgents, opened heavy firing upon the BSF party. Despite being outnumbered and fatally injured, SI Bhuru Singh and CT Raj Kumar retaliated valiantly without caring for their lives, which resulted in grievous injury to more than one insurgent. SI Bhuru Singh and Ct Raj Kumar, who were also fatally injured in the ambush, succumbed on the spot to their bullet injuries. The insurgents could hurriedly manage to take away the weapons of the deceased SI Bhuru Singh and Ct Raj Kumar i.e. one 9 mm Beretta SMG and one 7.62 mm AK-47 Rifle along with magazines and Ammunition. The insurgents could also manage to quickly carry their injured cadre (s) and escape to Bangladesh side.

As per inputs received from security agencies, that an NLFT (BM) team led by Bikram Bahadur Jamatia @ Bomtom and his close associates Romoni Koloi @ Salchak, Rangia Reang @ Champai along with others had attacked BSF personnel on 3rd August, 2021 near Indo-BD Border in Tripura and at least 2-3 members of this group were injured during the attack. One of the injured NLFT insurgent namely Biki Debbarma @ Bwakfa (19 years) S/o Shyamal Debbarma of Vill-Lathiachera PS-Bishramganj, Distt-Sepahijala (Tripura) who had sustained severe bullet injuries due to retaliatory firing by SI Bhuru Singh and Ct Raj Kumar, succumbed on same day due to excessive blood loss and buried near Ujjancheri Camp of NLFT (BM) under PS-Maslong of Rangamati District, Bangladesh. In spite of being surprised by the sudden heavy firing by the insurgents from a close range, SI Bhuru Singh and Ct Raj Kumar, showed an unparalleled bravery and valiance by retaliating effectively before succumbing to their fatal bullet injuries. SI Bhuru Singh and Ct Raj Kumar while fighting the NLFT insurgents have laid down their precious life in the service of the nation and attained martyrdom while upholding the highest traditions of the force.

In this operation, Late Shri Bhuru Singh, Sub Inspector and Late Shri Raj Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/08/2021.

(File No.-11020/77/47/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 374-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Lugun Joseph	Deputy Commandant	PMG
2	Dasay Purty	Constable	PMG
3	Bajrangi Yadav	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of reliable information from SP Simdega, Jharkhand, about the movement of PLFI cadres in Urmu, Raiberatoli, Tenendatoli, Setasoya, Holongdatoli, Kewetang and its adjoining areas under Police Station Bano, dist. Simdega, Jharkhand. An operation was launched by 94 CRPF and State Police to nab the ultras. The input suggested that the group was heavily armed with automatic weapons. As per the plan, troops of A/94 CRPF under command Shri Lugun Joseph, Deputy Commandant along with Civil Police components reached near to village Urmu at about 1730 h, on 19 June 19.

After reaching the target area, troops of A/94 CRPF tactically started combing the dense forest. While searching, troops noticed the movement of an armed group, atop a hill, close to village Urmu. Acting promptly, Shri Lugun Joseph, Deputy Commandant alerted the troops and chalked out a plan to intercept the group. He took along with him a small group of intrepid soldiers, to avoid being detected by the enemy, and moved ahead towards the hill. Hardly had the small group started scaling the height, leaving behind other troops with an instruction to keep an eye on the suspected movement, it came under a sudden volley of firing. It took no time to understand by the commander that they had been lured into an ambush. The small team immediately used field tactics and crawled behind limited available covers to take positions. Failing in their plan of inflicting heavy loss on the troops, the ultras increased the volley of firing. In absence of sufficient covers against the bullets, it was getting difficult for the troops to hold on to their positions and make advance towards the Naxals, for the counterattack. Naxals were firing from sophisticated automatic weapons.

At such a critical juncture, Shri Lugun Joseph, Deputy Commandant decided to counterattack the Naxals and thwart the impending threats on the lives of his troops. Amid the raining bullets, Shri Lugun Joseph, Deputy Commandant ordered the troops to open controlled firing towards Naxals. He then ordered Ct Dasaypurty and Bajrangi Yadav to crawl towards him and the trio then moved to the left flank of Naxals, to counter-attack them. Without caring for the bullets flying all around and some even thudding on the ground, miraculously missing them, the trio slipped to a position of dominance and poured effective firing on Naxals. As the trio opened a new battlefield, the rest of the team members got some reprieve and they too moved out of danger zone. The two-sided attack soon paid divided when one of the Naxals was gunned down by the trio. Getting defeated in their plan, the Naxals found it safe to flee from the area. The troops chased them but Naxals took advantage of thick vegetation and their familiarity with the terrain.

During the post-encounter search, the dead body of 1 Naxal along with 01 AK-47 rifle was recovered from the encounter site. The slain Naxal was later identified as PLFI Commander Bagray Champiya, S/o Boysaya Champiya, vill Balo, PS Murhu, dist. Khunti, Jharkhand (carrying a cash reward of rupees two lakh, declared by the State Govt.). Besides, three AK 47 Magazines, 30 Nos 7.62 X 39 mm ammunition and other miscellaneous items were also recovered from the site.

In this operation, S/Shri Lugun Joseph, Deputy Commandant, Dasay Purty, Constable and Bajrangi Yadav, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/06/2019.

(File No.-11020/224/2020-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 375-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sadhu Saran Yadav	Second-In-Command	PMG
2	Raju D Naik	Second-In-Command	PMG
3	Mijrab Hamid Siddiqui	Assistant Commandant	PMG
4	Avneesh Yadav	Sub Inspector	PMG
5	Pramod Kumar Jha	Assistant Sub Inspector	PMG
6	Mahati Kalundia	Constable	PMG
7	Sunil Kandulna	Constable	PMG
8	Lalu Bauri	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of reliable information from SP Chaibasa, about the presence of a group of Naxals, near village Manmarubera, under Police Station Tebo, district West Singhbhum, an operation was planned by 60 CRPF and State Police.

As per plan, QAT 60 CRPF, comprising 21 personnel, led by Shri Raju D Naik, 2-IC left for the target area in the night of 28th May 20. Shri Sadhu Saran Yadav, 2-IC along with the team, was kept ready for reinforcement, if required.

Additional troops from D coy of 60 CRPF under command Shri Mijrab Hamid Siddiqui, AC along with State Police component from Bandgaon joined the QAT 60 CRPF, enroute, near the Kopa bridge. After a short briefing by Shri Raju D Naik, 2 IC, troops advanced towards their target area, in light vehicles, with headlights off. They left the vehicle at Lamtar village and moved further. Traversing through the dense forest, hilly area with heavy undergrowth, nalas, and steep falls, troops reached near the target area.

Party Commander Shri Raju D Naik, 2 IC, discussed the situation with field Commanders and placed tactical cut-offs around the target area, under command of Shri Mijrab Hamid Siddiqui, AC. Once the cut-off teams occupied the designated points, a small assault party, of 13 personnel, under command Shri Raju D Naik, 2-IC approached the target area at the hillock.

At about 0445 h, when the troops were tactically scaling the height, suddenly, a heavy volley of firing came upon them. Troops immediately took position and before retaliating the firing, the Party Commander asked the Naxals to surrender, but to no avail. Naxals were well prepared and equipped with sophisticated weapons. They increased the volley of firing towards the troops. With no other option, troops opened retaliatory firing towards the Naxals. Being at downhill, troops were facing difficulties to hold on to their position. Party commander Shri Raju D Naik, 2-IC and SI Avneesh Yadav were badly trapped in the heavy firing of Naxals.

Shri Raju D Naik, 2-IC noticed that Naxals were trying to encircle them, and very soon his assault team may get outnumbered. It was do or die moment for the troops. At such a critical juncture, Shri Raju D Naik, 2-IC, displaying the grit of a true leader, swung into the action, and opened heavy firing towards the Naxals. Simultaneously, he ordered SI Avneesh Yadav to crawl towards the nearby dominating height. Amidst the heavy exchange of firing, SI Avneesh Yadav moved out from his cover, firing heavily towards the Naxals and reached to a tactically dominating position. He kept on firing towards

the Naxals and suppress their attack for a while. Using this opportunity Shri Raju D Naik, 2-IC and other trapped troops moved out from the killing zone and took position along with SI/GD Avneesh Yadav.

Shri Raju D Naik, 2-IC displaying true grit of a leader, made a loud war cry to motivate his troops and charged towards the Naxals along with SI Avneesh Yadav. The Naxals deserted their fortified positions and got compelled to run helter-skelter. Shri Raju D Naik, 2-IC and SI Avneesh Yadav chased the fleeing Naxals. The duo spotted one Naxal, hiding in bushes and stealthily approached. The Naxal sensed the presence of the duo and tried to escape, while firing towards them. However, the duo, throwing all cautions to wind jumped towards the Naxal and pinned him down, and apprehended him, along with a weapon.

Meanwhile, some fleeing Naxals were spotted by Shri Mijrab Hamid Siddiqui, AC near the cut-off. He challenged them to surrender, but they opened heavy firing towards the troops and tried to escape. Shri Mijrab Hamid Siddiqui, AC immediately charged towards the Naxals along with ASI Pramod Kumar Jha and Ct Mahati Kalundia. The trio using firing and move tactics advanced towards the Naxals. A fierce encounter at a close quarter ensued between the two sides. The audacious counter attack by the trio broke the Naxal ranks and they escaped from the site leaving their dead and injured behind. While chasing the Naxals, the trio recovered one dead body of a Naxal, along with a weapon and apprehended one injured cadre. Displaying true Humanity, troops immediately gave him first aid and subsequently evacuated him to hospital.

Around the same time, at around 0450 h, on receiving the information about the encounter, Shri Sadhu Saran Yadav, 2-IC rushed towards the target area, along with his team. Midway, he was informed that Naxals had fled from the encounter site, towards Kentai hill area, approx. 2.5 km away from the encounter site “Manmarubera”.

Accordingly, Shri Sadhu Saran Yadav, 2-IC changed his route and reached Jarakel village and left the vehicles. He corroborated the inputs from the local sources and advanced towards the Kentai area, on foot, in parallel formation. On getting closer to the Kentai hill, he divided his team in three groups. He directed two groups to approach the hilltop from the flanks, while, self, with handful of soldiers started scaling the slope, straight. As Shri Sadhu Saran Yadav, 2-IC along with his small assault team approached the hilltop, at about 0825 h, Naxals opened indiscriminate firing towards them.

Troops immediately took position and retaliated the attack in self-defense. The counter attack was not proving effective as the Naxals were firing from advantageous and well defended positions. Naxals were aggressively firing towards the troops. At this juncture, displaying true leadership qualities, Shri Sadhu Saran Yadav, 2-IC took a bold and courageous decision to take the Naxals in a head-on battle. Amidst the raining bullets, he, along with Ct Sunil Kandulna and Ct Lalu Bauri launched frontal attack on the Naxals. The ferocious counter attack by the trio brave hearts broke the Naxal's defence and created a panic amongst them. Naxals started fleeing from the site, firing intermittently. The trio chased the fleeing Naxals, but they managed to escape from the site, taking advantage of the jungle and familiar routes. Thereafter, troops thoroughly searched the area and recovered dead body of 2 Naxals along with 1 AK47 rifle, 3 Magazines, 107 live ammunition and miscellaneous other items.

During the whole operation, 3 Naxals were neutralized by the troops while 2 were apprehended along with weapons.

In this operation, S/Shri Sadhu Saran Yadav, Second-In-Command, Raju D Naik, Second-In-Command, Mijrab Hamid Siddiqui, Assistant Commandant, Avneesh Yadav, Sub Inspector, Pramod Kumar Jha, Assistant Sub Inspector, Mahati Kalundia, Constable, Sunil Kandulna, Constable and Lalu Bauri, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/05/2020.

(File No.-11020/54/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 376-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ram Prakash Yadav	Head Constable	PMG
2	Sunil Dhull	Constable	PMG
3	Rajesh Kumar	Constable	PMG
4	Chauhan Chandubhai Mansinh	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05 May 20 at about 1920 h, on receipt of an input regarding the presence of Riyaz Ahmad Naikoo, top Commander of HM in Vill Beighpora under PS Awantipora, Distt Pulwama, a CASO was conducted by 130/185 CRPF, 55 RR and SOG/JKP. As per the plan, joint troops reached the target village and placed a strong cordon around the suspected area to prevent the escape of terrorists.

At the first light, the announcements were made to all civilians to come out of their houses and move to safe places. Meanwhile, CTT 130 CRPF and Range QAT SKOR also reached there and strengthened the cordon.

After the evacuation of the civilians, troops decided to search all suspected houses. During the process, while troops were searching house No 192, the hiding terrorists opened firing indiscriminately on the search team, which was promptly retaliated by them. The cordon was further strengthened around house No 190, 191 and 192 which were in close vicinity. The Range QAT SKOR took the position in front of house No 190 along with troops of 55 RR, while CTT 185 CRPF took position in an adjoining lane, leading to house No 190 and 191.

After the initial contact Riyaz Ahmad Naikoo, HM Commander and Adil Ahmad Bhat managed to enter House No 190 and 191, respectively. A huge crowd was moving towards the encounter site from the railway track as well as from the fields. A team of CRPF/JKP was tasked to tackle the crowd outside the cordon. Meanwhile, the RR troops fired MGL and RL rounds, but all went in vain due to the strong concrete structure of the building. Hence, an IED was employed to bring the structure down. However, the impact fell short as the blast could bring only a portion down. The terrorists tried to shift from the target house to the adjacent building, firing indiscriminately towards the SF. Troops retaliated and foiled their attempts. As the intermittent firing continued for some time, it was decided to place another IED. Anticipating the probability of the terrorists entering another house, the troops of 185 CRPF, positioned near the lane, were alerted.

After the 2nd IED blast, one terrorist emerged out from the debris and ran towards the lane in a zigzag manner, firing indiscriminately, followed by lobbing of grenades towards the troops. HC/GD Ram Prakash Yadav and Ct/GD Sunil Dhull of 185 CRPF, who were already in position in the lane, zeroed the escaping terrorist and counter-attacked him. In a head-on battle, the duo neutralised the terrorist at a close quarter. Meanwhile, another terrorist, who was still inside the debris, emerged out and fired towards the SF to escape from the site. Ct/GD Rajesh Kumar and Ct/GD Chauhan Chandubhai Mansinh of Range QAT SKOR, who were positioned in front of the target house, sighted the terrorist and before he could make his escape good, they charged towards him. In an intense gunfight, the duo neutralised the terrorist.

During the search, the dead bodies of two terrorists were recovered from the site along with 1 AK 56 Rifle, 1 AK 47 Rifle, Magazines, assorted ammunition, 2 Motorola Radio Set, and other miscellaneous incriminating items. The terrorists were later identified as Riyaz Ahmed Naikoo, A++ Category, Operational Chief Commander of HM, and Adil Ahmad Bhat of HM.

In this operation, S/Shri Ram Prakash Yadav, Head Constable, Sunil Dhull, Constable, Rajesh Kumar, Constable and Chauhan Chandubhai Mansinh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/05/2020.

(File No.-11020/113/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 377-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	S Loganathan	Constable	PMG
2	Nazir Ahmad Untoo	Constable	PMG
3	Lonbale Khushabrao Upasrao	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29 Aug 20, at about 0010 h, based on an input of SSP Pulwama, about the presence of 3-4 terrorists, in village Zadoora (Zamindar Mohalla) under PS and Distt Pulwama, J&K, a CASO was conducted by 183 CRPF, 50 RR and SOG/JKP.

The target house was located about 500 m southwest of the main Zadoora village. It was an isolated house with separate toilets and a cowshed in the vicinity. At around 0040 h, when troops of 50 RR were placing the cordon around the target house, they came under heavy fire from the adjacent cowshed. They retaliated the attack, promptly, however, during the exchange of fire, one RR jawan received bullet injuries. In the meantime, joint troops of 183 CRPF and SOG JKP also reached that site and augmented the position of SF. The troops were re-organized and both inner and outer cordons were strengthened by forming joint parties of CRPF, SOG and RR. All escape routes were blocked.

The injured Jawan of RR was evacuated to 92 BH Srinagar where he later succumbed to his injuries. After a brief lull, at about 0240 h firing resumed between the two sides. The terrorists, taking advantage of the darkness, tried to escape from the target house, but SF foiled all their attempts.

The terrorists, hiding in a cowshed, were well positioned, and protected by concrete walls. The Police made several announcements to terrorists to surrender, but all in vain as they continued the firing towards the SF. At this juncture, Sh Vinod Kumar Rav, Asst Comdt, along with Ct/GD Lonbale Khushabao Upasrao, Ct/GD Nazir Ahmad Untoo and Ct/GD S Loganathan of 183 CRPF, moved out from their covers and made a tactical advance towards the terrorists' position. They crossed the road and taking advantage of the wall of one shop, adjacent to the road, kept on advancing and succeeded in acquiring a tactical position, close to terrorists.

They noticed that one of the terrorists was firing from the window. Without losing a moment Ct Lonbale Khushabao Upasrao, Ct Nazir Ahmad Untoo and Ct S Loganathan fired at the terrorists and neutralised him. However, the remaining terrorists continued their attack and tried to escape from the site. The firing continued throughout the night. In the morning, the terrorists, who were positioned near the main gate of the cowshed, opened indiscriminate fire on SF and tried to change their position. Sensing this movement, Ct Nazir Ahmad Untoo, Ct S Loganathan and Ct Lonbale Khushabao Upasrao who had already taken a strong position in front of the cowshed, opened effective fire on the terrorists and neutralised another terrorist.

One terrorist was still alive and firing towards the SF. Suddenly, he emerged out from the cowshed and tried to escape from the site, shouting Jihadi slogans. The joint troops fired at the terrorist and neutralised him on the spot.

At around 0610 h, when firing was stopped, the entire area was thoroughly searched, during which dead bodies of 3 terrorists were recovered along with 2 Pistols, 1 AK 56 Rifle, Magazines, and ammunition. The slain terrorists were later identified as Adil Hafiz, Cat A of JeM, Arshad Ahmed Dar, Cat C of HM and Rouf Ahmad Mir, Cat C of HM.

In this operation, S/Shri S Longanathan, Constable, Nazir Ahmad Untoo, Constable and Lonbale Khushabao Upasrao, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/08/2020.

(File No.-11020/115/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 378-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Prahalad Sahay Choudhary	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
2	Satendra Kumar	Constable	1st BAR TO PMG
3	Ram Swarup Yadav	Head Constable	PMG
4	Shaik Mahammad Rafi	Constable	PMG
5	Subash Chandra Hembram	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Intelligence input was received from SP West Singhbhum that a group of CPI (Maoist) moving in the Korangkel, Dakuditol, Chirung, Simko, Berha Lumin and its adjoining area, under P/S Rania/Gudri, Distt-Khunti/West Singhbhum, Jharkhand. Accordingly, an Inter Battalion Ops (60,94,174 BN) ("B" Level) planned by 94 BN, in which F/94 Bn led by Prahalad Sahay Choudhary, Asstt. Comdt. w.e.f. 03/04/2020 to 04/04/2020 for two days and one night.

On 03rd April 2020, as per the ops plan F/94 Bn moved towards the target area, negotiating undulated ground, boulders, thick vegetation and undergrowth, circumventing the early warning system of Naxals. After searching the enroute villages, Ops party of F/94 Bn reached at Dakuditoli and took LUP on the top of the hill. During the LUP, Prahalad Sahay Choudhary, Asstt. Comdt. received an information about the presence of Naxals in Reda Tola. On 04th April 2020, Ops party of F/94Bn left the LUP at early morning and after searching of village Chirung, troops reached near at Reda Tola at around 0710 hrs. The exact location of Naxal's presence on the Reda Tola was not known and due to presence of villagers, it was very risky assignment but it was the zeal and tactical approach of Prahalad Sahay Choudhary, AC which made the final plan after analyzing the topography of the area. Two flanking teams under command of SI/GD Naveen Chandra and SI/GD Rajendra Singh were formed to cover the village from right and left side respectively and one team under command of Prahalad Sahay Choudhary, AC to carry out the search in Reda Tola.

As per the plan, all three teams tactically advanced towards their designated task. Naxals who were camping near the village firstly started indiscriminate firing on our right flank team and after that on searching team. Immediately, our troops took the position and challenged the Naxals to stop firing and surrender. Paying no heed, they kept firing indiscriminately with lethal automatic weapons. With no option left, our troops retaliated the attack in self-defence. Naxals continued carried out firing on our troops after taking the cover behind the houses, trees and from hill side. Then Prahalad Sahay Choudhary, AC ordered to CT/GD Satendra Kumar to carry out UBGL firing on Naxals who were fired on our troops from the hill side. During the UBGL firing CT Satendra Kumar sustained bullet injury on his right leg. Despite being injured CT Satendra Kumar kept on firing on the Naxal's position. Despite being all above efforts from our party, Naxal party were continuously firing from sophisticated weapons on our troops.

At such critical juncture, Prahalad Sahay Choudhary, AC decided for intensive attack on the Naxals to thwart the impending threat on the lives of our troops. Amid the raining bullets, ops commander ordered left and right party to provide the covering firing for advance towards the Naxals. In spite of intensive firing from Naxals side, Prahalad Sahay Choudhary, AC along with HC/GD Ram Swarup Yadav, CT/GD Satendra Kumar, CT/GD Shaik Mohammad Rafi and CT/GD Subash Chandra Hembram were advanced towards Naxals without caring to their life in crawling position in open ground and after reaching near to Naxals, they started effective firing on Naxals with Rifle and UBGL. This effort made more effective for the encounter. The brave and effective retaliation by our troops, forced the Naxals to run away taking the advantage of dense forest and hilly terrain. During the post-encounter search, the dead body of 03 Female CPI(Maoist) cadres wearing black uniform were recovered by our troops and later their names have been identified as Sona Mahi @ Soan Mai D/o Mungru Gope, R/o Village-Kansua, PS-Goelkera, Distt-West Singhbhum, Sunika Champiya @ Subani, D/o Chunu Champiya, R/o Village-Lipunga, PS-Guwa, Distt-West Singhbhum and Shanti Purty @ Guruwari, D/o Gurucharan Purty (Late), R/o Village-Kashijoda Bipee, PS-Goelkera, Distt-West Singhbhum along with one .303 Police Rifle and two Country Made Bharmar Gun were recovered from the encounter site. Besides above, one .303 magazine, One magazine of 9 mm carbine, 135 (one hundred thirty five) live ammunition of 7.62 mm, 139 (one hundred thirty nine) .303 live ammunition, 195 (one hundred ninety five) 9 mm live ammunition, 23 (twenty three) 12 Bore live ammunitions and other empty case and miscellaneous items were also recovered from the encounter site.

In this operation, S/Shri Prahalad Sahay Choudhary, Assistant Commandant, Satendra Kumar, Constable, Ram Swarup Yadav, Head Constable, Shaik Mohammad Rafi, Constable and Subash Chandra Hembram, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/04/2020.

(File No.-11020/117/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 379-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ajay Malik	Assistant Commandant	PMG
2	Rekal Singh	Head Constable	PMG
3	Krishna Murari Kumar	Constable	PMG
4	Subhash Chandra	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28 Sep 19, at about 0745 h, information was received that three terrorists carrying a huge quantity of arms and ammunition had attacked a party of 159 TA (Territorial Army) on NH 44 and escaped towards Chakwa Nallah jungle. Immediately, the entire area was combed by the joint teams of CRPF, J&K Police and other SF. At about 1130 h, it was learnt that all the three terrorists had forcefully entered the house of one Shri Vijay Kumar in Batote town and taken him hostage. Joint SF rushed towards the target area and cordoned the said house.

SSP Ramban appealed to the terrorists to surrender and free the hostage to no avail. At about 1515 h, it was decided to fire Tear Smoke Shells/Chilly Grenades inside the target house through the window. Accordingly, HC/GD Rekal Singh, Ct/GD Subhash Chandra, and Ct/GD Krishna Murari Kumar of 84 CRPF moved towards the rear of the target house and fired Long Range Shells/Tear Smoke/Chilly Grenades into a window. Disturbed by the Tear Smoke, the terrorists fired at them. The three tactically retreated from the backside and joined the rest of the team.

At around 1530 h, the terrorists started lobbing grenades from the main door and tried to escape from the house. Shri Ajay Malik, AC was alert and prepared for such an eventuality. He along with HC/GD Rekal Singh, Ct/GD Subhash Chandra and Ct/GD Krishna Murari Kumar, foiled the attempts of terrorists and audaciously charged towards them, leading to a nerve wracking close quarter gunbattle.

In the fierce exchange of firing, the three terrorists were neutralised and their bodies were recovered along with arms and ammunition. The killed terrorists were identified as Osama Bin Javed S/o Javed Ahmed R/o Saunder Dachhan Kishtwar; Zahid Hussain S/o Gulam Mohammad R/o Saunder Dachhan Kishtwar and Billal Ahmed @ Moin-Ul-Islam S/o Mohammad Abdullah R/o Turkoo Tengwani Shopian. All of them belonged to Hizbul Mujahideen. Osama was a dreaded 'A++' category terrorist, carrying a reward of Rs 12.50 Lakhs and Zahid was an 'A' category terrorist carrying Rs 5 Lakhs reward.

In this operation, S/Shri Ajay Malik, Assistant Commandant, Rekal Singh, Head Constable, Krishna Murari Kumar, Constable and Subhash Chandra, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/09/2019.

(File No.-11020/185/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 380-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rajbeer Sharma	Head Constable	PMG
2	Nava Jyoti Das	Constable	PMG
3	Raj Itauriya	Constable	PMG
4	Narendra Kumar	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29/01/2021 at about 1530 hrs, an input was received from SSP PDAwantipora about presence of terrorists in village Mandoora, under PS-Tral, Distt-Pulwama (J&K). Accordingly, a CASO was planned by 180 Bn, CRPF, 42 RR & SOG/JKP. The joint troops cordoned off the suspected house of Bashir Ahmed Bhat S/o Abdul Samad Bhat (at Wani Mohalla, Mandoora). Village Mandoora is surrounded by hills from three sides (North, East and South). Shri Ram Kunwar Jat, AC, Ct/GD Nava Jyoti Das, Ct/GD Raj Itauriya and Ct/GD Narendra Kumar and others placed in inner cordon from the south-west direction. Shri Sanjeev Singh, 2-I/C (Ops), Ct/GD Arindam Talukdar, HC/GD Rajbeer Sharma and Ct/GD Ankit Kumar placed from the western side covering the NW flank of the inner cordon. Shri Sanjeev Singh, 2-I/C (Ops) and his buddy took position on the upper floor of the two-storied Bhat hotel covering the escape routes through the back side of target house. HC Rajbeer Sharma and Ct Ankit Kumar took position in the ground floor of the same building facing the backyard of the target house from close vicinity. The North-East-South flank of the target house was also jointly covered by the remaining troops of CRPF, 42 RR and JKP.

On seeing some suspicious movement around the target house, all joint teams were alerted and a joint search team u/c Shri Ram Kunwar Jat, AC formed with CT Nava Jyoti Das, CT Narendra Kumar and CT Raj Itauriya of C/180 Bn placed



in the front side of the target house. HC Rajbeer Sharma of 180 Bn CRPF with his buddy was positioned tactically towards back side of the target house. The inner cordon with other joint teams sealed all escape routes.

During the search at about 1625 hrs, the terrorists inside the target house started firing and lobbed a grenade with intention to inflict heavy casualty to the SFs and to escape. The terrorists swiftly came out of the house one by one with heavy firing on the troops. CT Nava Jyoti Das, CT Raj Itauriya and CT Narendra Kumar who were already in position opened effective firing on the terrorists due to which they could not escape and ran towards east direction and hidden in cow shed near target house and started firing on the SFs. The terrorists were also given an opportunity to surrender, but they kept on firing on the SFs with a view to escape from the target house. Despite firing and grenade attack from terrorists, CRPF troops did not deter but retaliated effectively. On the direction of Shri Ram Kunwar Jat, AC, CT Nava Jyoti Das moved forward using field craft and tactic engaged one terrorist and without caring for his life, opened effective firing thereby killing 1st terrorist in an open and frontal exchange of firing.

The remaining 02 terrorists kept firing on search operation teams. CT Raj Itauriya and CT Narendra Kumar moved ahead using field craft and tactics and engaged the terrorists with effective firing. After that, both the terrorists tried to escape from the northern direction behind the target house by relentlessly firing but HC Rajbeer Sharma and his buddy who were on that side engaged the terrorists and foiled the bid to escape. Meanwhile, CT Raj Itauriya and CT Narendra Kumar without caring for their life, opened effective firing from the front and succeeded in killing the second terrorist in an open and frontal exchange of firing. At the same time, the third terrorist with heavy firing from his automatic weapon, moved towards the back of the target house to escape. Seeing the terrorist moving forward, HC Rajbeer Sharma without caring for his life engaged the terrorist and killed the third terrorist by effective firing in a face to face fight.

During this joint operation, 03 terrorists were neutralized and later identified as Waris Ahmad Bhat S/o Ghulam Hassan Bhat, R/o Vill-Naibugh, PS-Tral, Distt-Pulwama, Arif Basir Sheikh S/o Bashir Ahmad Sheikh R/o Monghama, PS-Tral, Distt-Pulwama and Ahtshamul Haq S/o Mushtaq Ahmad Shah R/o Chak Noorpora, PS-Awantipora, Distt-Pulwama. Arms/ammunition i.e. AK-56-01 No., Magazine (AK-56)-02 Nos., Ammunition (AK Rounds)-22 Rounds., Pistol-02 Nos., Magazine Pistol-02 Nos & Ammunition (Pistol Rounds)-10 rounds were also recovered from site.

In this operation, S/Shri Rajbeer Sharma, Head Constable, Nava Jyoti Das, Constable, Raj Itauriya, Constable and Narendra Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/01/2021.

(File No.-11020/199/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 381-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/4th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Susheel Kumar	Constable	1st BAR TO PMG
2	Narender Yadav	Second-In-Command	PMG
3	Rahul Mathur	Deputy Commandant	PMG
4	Loukrakpam Ibomcha Singh	Assistant Commandant	4th BARTO PMG
5	Krishnendu Dutta	Constable	PMG
6	Shiva Kant	Constable	PMG
7	Saroj Kumar	Constable	PMG
8	Sonu	Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18 May 20 at about 2300 h, an input was received about the presence of the terrorists in Kani Mazar, Nawakadal, PS Safakadal, Srinagar, J&K. Accordingly, an operation was launched by Valley QAT. 4 HITs (House Intervention Teams) of Valley QAT were tasked to search the target area.

Troops laid the initial cordon, around 0130 h, the following day. At around 0235 h, when the teams were searching the suspected houses and evacuating civilians, the terrorists opened firing on the team of Sh Rahul Mathur, DC, and Sh Loukrakpam Ibomcha Singh AC, followed by hurling grenades, in a bid to escape. In this sudden attack, Ct/GD Sonu of Valley QAT was hit by grenade splinters. The troops immediately took positions and retaliated, forcing the terrorists to retreat into the house. Meanwhile, Ct/GD Sonu was evacuated to 92 Base Hospital.

The terrorists were asked to surrender, but in vain. They again suddenly came out from the target house, firing indiscriminately and ran into an adjacent house. A fierce exchange of firing ensued between Valley QAT and the terrorists. Meanwhile, the law & order situation erupted. It was, then, decided to clear the three storeyed building, by house intervention, to avoid any further delay. HITs consisting of Sh Narender Yadav, 2 IC, along with Ct/GD Shiva Kant; Sh Rahul Mathur, DC, along with Ct/GD Krishnendu Dutta and Sh Anirudh Pratap Singh, AC, along with Ct/GD Saroj Kumar entered the house. Moving tactically, they cleared the ground floor and moved towards the first floor. As Sh Narender Yadav, 2 IC along with his buddy, entered a room, the terrorist threw a grenade and fired at them. The troops immediately took cover and retaliated. In the process, Sh Narender Yadav, 2 IC, got hit by splinters. Despite injuries, he continued the counter attack. Meanwhile, Sh Rahul Mathur, DC, Ct/GD Shiva Kant and Ct/GD Krishnendu Dutta also reached the spot and augmented the retaliation. The coordinated counter attack resulted in the neutralisation of the terrorist.

However, in between, the second terrorist escaped from the target house. Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, and Sh Anirudh Pratap Singh, AC, along with their buddies Ct/GD Susheel Kumar and Ct/GD Saroj Kumar, chased the terrorist, following the blood trail. During the chase, the troops noticed some blood stains on the handle of a gate. Immediately, they cordoned the house and commenced the search. The moment Ct/GD Saroj Kumar opened the door of one of the bathrooms, on the ground floor, the terrorist lobbed a grenade, resulting in splinter injuries to Sh Anirudh Pratap Singh, AC, and Ct/GD Saroj Kumar. Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, and Ct/GD Susheel Kumar, who were just behind, immediately took positions and fired at the terrorist.

The terrorist hurled another grenade, which exploded in the close proximity of the troops, raised dust, compromising the visibility. Trying to take advantage, the terrorist again tried to escape but Sh Anirudh Pratap Singh, AC, despite being injured, fired at him from a close range, thereby preventing his escape. Finding himself encircled, the terrorist in a last attempt lobbed another grenade. Being at a close distance, Sh Anirudh Pratap Singh, AC, again got hit by splinters. However, Sh Anirudh Pratap Singh, AC, undeterred by his grievous injuries, engaged the terrorist, along with Ct/GD Saroj Kumar. Meanwhile, Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, and Ct/GD Susheel Kumar also fired at the terrorist. The effective firing by these committed soldiers led to the neutralisation of the terrorist.

During the post encounter search, the dead bodies of 2 terrorists were recovered along with, one AK 47 Rifle, 4 Pistols, magazines and ammunition. The slain terrorists were later identified as Junaaid Ahmed Sehrai, Divisional Commander, Cat A and Tariq Ahmed Sheik, both of HM.

In this operation, S/Shri Susheel Kumar, Constable, Narender Yadav, Second-In-Command, Rahul Mathur, Deputy Commandant, Loukrakpam Ibomcha Singh, Assistant Commandant, Krishnendu Dutta, Constable, Shiva Kant, Constable, Saroj Kumar, Constable and Sonu, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/05/2020.

(File No.-11020/200/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 382-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Amit Kumar	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
2	Kishun Pal Singh Jadon	Constable	PMG
3	Bhammar Vasurbhai Lakhbhai	Constable	PMG
4	Rajeev Kumar Poonia	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02 Jul 20 at about 2100 h, an input was received from SOG Zakhura about the presence of heavily armed terrorists in Malbagh (Naseem Bagh) area, Hazratbal, PS Nigeen, Distt Srinagar. Reportedly, heavily armed terrorists were hiding in an under construction two storey building. Accordingly, 04 HITs (House Intervention Teams) of "Valley QAT" rushed the target area and launched a joint cordon and search operation, along with JKP. At around 2220 h, the troops cordoned the suspected house and commenced the search.

As directed by the Team Commander of Valley QAT, Ct/GD Vivek Kumar Tiwari and Ct/GD Rajeev Kumar Poonia jumped inside the boundary wall of the target house, to open the gate. However, the hiding terrorist noticed their presence and opened indiscriminate firing towards them. Despite being caught in the open area, without any cover, the duo displayed raw courage and bravery and they hold the ground and retaliated the terrorist's firing. To aid his colleagues, HC/GD Kuldeep Kumar Urawan jumped inside the compound and fired towards the terrorist, forcing him to retreat. But, in the process; he got into the direct line of the firing of the terrorist and got hit by a bullet. HC/GD Kuldeep Kumar Urawan, ignoring his injuries, continued to counter the terrorist.

Unable to sustain the heat of counter attack, the terrorist retreated into the target house. Immediately, a team, comprising of Sh Amit Kumar, AC; HC/GD Kuldeep Kumar Urawan, Ct/GD Bhammar Vasurbhai Lakhabbhai, Ct/GD Kishun Pal Singh Jadon, and Ct/GD Rajeev Kumar Poonia, was deputed for house intervention. As the team was about to enter the target house, the hiding terrorist began firing and lobbed grenades towards them. The team had anticipated this and was moving tactically and thus did not suffer any injury. Adopting fire and move tactics, they entered the target house. After clearing the ground floor, the troops advanced towards the first floor, taking the stairs. Ct/GD Rajeev Kumar Poonia was asked to stay downstairs to cover the area, along with his buddy.

As the troops reached the first floor, they started clearing the rooms, one by one. When HC/GD Kuldeep Kumar Urawan and Ct/GD Bhammar Vasurbhai Lakhabbhai entered a room, the terrorist, who was positioned in a corner, opened a volley of firing towards them. In a close quarter gun fight, HC/GD Kuldeep Kumar Urawan injured the terrorist but also got multiple bullets hits. Meanwhile, Sh Amit Kumar, AC and Ct/GD Kishun Pal Singh Jadon also entered the room and fired at the terrorist. The terrorist tried to escape towards the ground floor, using the connected stairs from inside that room. As he approached the ground floor, Ct/GD Rajeev Kumar Poonia fired at him, forcing him to retreat to the first floor. The terrorist, in panic, moved back to first floor, firing indiscriminately towards the search team. Sh Amit Kumar, AC; HC/GD Kuldeep Kumar Urawan, Ct/GD Bhammar Vasurbhai Lakhabbhai, and Ct/GD Kishun Pal Singh Jadon, without giving any further opportunity to the terrorist, opened targeted fire, and neutralized him on the spot.

HC/GD Kuldeep Kumar Urawan was immediately taken to 92 Base Hospital, where he succumbed to his injuries and attained martyrdom. He made the supreme sacrifice at the altar of duty, in the highest martial traditions of the force. During the search of the target house, the dead body of one terrorist, identified as Zahid Ahmad Dass S/o Gh Mohammad Dass R/o Dasspora Waghama Bijbehara, District Anantnag, of HM/ISJK was recovered, along with one AK 56 Rifle, magazines, and ammunition.

In this operation, S/Shri Amit Kumar, Assistant Commandant, Kishun Pal Singh Jadon, Constable, Bhammar Vasurbhai Lakhabbhai, Constable and Rajeev Kumar Poonia, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/07/2020.

(File No.-11020/201/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 383-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Narender Yadav	Second-In-Command	1st BAR TO PMG
2	Amit Kumar	Assistant Commandant	PMG
3	Anirudh Pratap Singh	Assistant Commandant	PMG

4	Rahul Singh	Constable	1st BAR TO PMG
5	Susheel Kumar	Constable	2nd BAR TO PMG
6	Rajib Rabha	Constable	PMG
7	Santosh Kumar	Constable	PMG
8	Sajad Ahmad Lone	Constable	PMG
9	Pankaj Kumar Choudhary	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20 Jun 20 at about 2300 h, an input was received from SOG Srinagar about the presence of 03 terrorists, in Mohalla Gillikadal of Zunimar, PS Zaidibal, Distt Srinagar. Accordingly, 04 HITs of Valley QAT and SOG rushed to the target area and launched a joint cordon and search operation.

As planned, the target house (three storeys + attic) was cordoned by Valley QAT team and SOG, who commenced the search around 0230 h. During the search, a suspect taking advantage of the darkness, tried to sneak out of the cordon, from the rear of the house. When challenged by the team of Sh Amit Kumar, AC deployed for cordon, he retreated into the house. The house owner was questioned on the spot and he admitted about the presence of 03 armed terrorists inside the house.

On confirmation, the cordon was further strengthened. By this time, identity of one of the terrorists was established as Shakoor Farooq Langoo, R/o Qamarwari, Srinagar. Accordingly, his parents were called, who tried to convince their son to surrender, but in vain.

At about 0930 h, the hiding terrorists started firing indiscriminately at the troops. Thereafter, it was decided to use MGL and as a result an opening was made on the ground floor of the target house. After deliberations, it was decided to do building intervention.

Sh Narender Yadav, 2 IC formed two small teams of Valley QAT to flush out the terrorists. The first team, led by Sh Narender Yadav, 2 IC, along with Ct/GD Sajad Ahmed Lone, Sh Anirudh Pratap Singh, AC and Ct/GD Rahul Singh decided to undertake house intervention from the front side of the ground floor and the second team, led by Sh Amit Kumar, AC along with Ct/GD Rajib Rabha, Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, Ct/GD Susheel Kumar, Ct/GD Santosh Kumar and Ct/GD Pankaj Kumar Choudhary from top to down (of the building).

When Sh Narender Yadav, 2 IC, Ct/GD Sajad Ahmed Lone, Sh Anirudh Pratap Singh, AC and Ct/GD Rahul Singh, reached the gate of the target house, the terrorists opened a barrage of bullets and lobbed grenades. Although, the team had a miraculous escape, they remained undeterred and tactically retreated.

Sh Amit Kumar, AC, and Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, along with their buddies entered the building from the second floor using ladders. Meanwhile, the first team led by Sh Narender Yadav, 2 IC, managed to enter the ground floor and cleared the first room. While they were about to enter the second room, a terrorist hiding inside opened heavy fire at them. Without caring for their lives, the team kept on advancing, despite lack of any cover. The terrorist, in a desperate attempt to escape and cause casualties, lobbed grenades and fired indiscriminately, while running towards the stairs. Sh Narender Yadav, 2 IC, had a miraculous escape when a splinter of the grenade hit his helmet. The team led by Sh Narender Yadav, 2 IC, along with Sh Anirudh Pratap Singh, AC, and their buddies Ct/GD Sajad Ahmed Lone and Ct/GD Rahul Kumar, persevered, showing nerves of steel and in a fierce close quarter gunbattle eliminated the terrorist, on the ground floor. Thereafter, Sh Narender Yadav, 2 IC, along with his buddy, went towards the first floor to help second team and directed Sh Anirudh Pratap Singh, AC, and his buddy to take positions outside the target house.

Meanwhile, the second team led by Sh Amit Kumar, AC, and Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, which has entered the second floor, while clearing one of the rooms, got engaged by two terrorists. One of the terrorists ran down to the first floor, using the stairs. Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, along with his buddy Ct/GD Susheel Kumar, Ct/GD Santosh Kumar and Ct/GD Pankaj Kumar Choudhary, chased him downstairs. The other terrorist got holed up in a firefight with Sh Amit Kumar, AC, and his buddy Ct/GD Rajib Rabha, on the second floor. The terrorist lobbed a grenade and fired at Sh Amit Kumar, AC and his buddy, who remained steadfast and managed to neutralise him, at close quarters.

Finally, the team of Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, along with Ct/GD Susheel Kumar, Ct/GD Santosh Kumar and Ct/GD Pankaj Kumar Choudhary, with the assistance of Sh Narender Yadav, 2 IC, cornered the third terrorist on the first floor and eliminated him in a veritable dogfight. The slain terrorists were later on identified as Shakoor Farooq Langoo (Category B), Mohsin Khandwa (Category B) and Shahid Ahmad Bhat (Category C), all of JeM.

In this operation, S/Shri Narender Yadav, Second-In-Command, Amit Kumar, Assistant Commandant, Anirudh Pratap Singh, Assistant Commandant, Rahul Singh, Constable, Susheel Kumar, Constable, Rajib Rabha, Constable, Santosh Kumar, Constable, Sajad Ahmad Lone, Constable and Pankaj Kumar Choudhary, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/06/2020.

(File No.-11020/44/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 384-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Anil Kumar Singh	Assistant Sub Inspector	PMG
2	Mohit Singh	Constable	PMG
3	Bipin Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an input received from SSP Shopian about presence of some terrorists in village Sugan under PS Zainapora, Distt-Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 Bn CRPF, 44 RR & SOG/JKP on 06/10/2020 at about 1700 hrs. As per plan, CTT 178 Bn u/c Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (Ops), troops of E/178 Bn & 44 RR left for Sugan village under overall command of Shri Anil Kumar Briksh, Comdt. 178 Bn. On reaching the target area, house No. 262 owned by Basir Ahmed Dar S/o Ali Mohd Dar R/o Sugan village and its adjoining houses were brought under cordon and all escape routes were covered by placing cut off. Some of the boys evacuated from inside the cordon told that they had seen 2 or 3 men with weapons coming inside the village from Ziyarat side to target area. Shri Anil Kumar Briksh, Comdt. 178 Bn with his protection party and CO 44 RR were placed at the nearest house to the target house and started using it as a command post. The windows of the command post house were quite large, which were protected from all sides by BP shields and target house was kept under surveillance. Unit CTT u/c Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (Ops) was placed in the next house, troops of SOG, Zainapora and RR placed in other nearby houses and open area in close vicinity of the target house. Besides, troops of A/178 was deployed in the direction of Maldera and D/178 in the direction of Chitragam to maintain law and order situation in outer cordon.

After placing the teams tactically, announcements were made for terrorist to surrender. Soon after announcement, suddenly a hand grenade was thrown from the target house towards the security forces, due to which there was a tremendous explosion. This was followed with firing from terrorist. All teams of security forces retaliated and terrorists stopped the firing for some time. Thereafter, the terrorists opened firing again and took position near the main gate of the target house with the aim to escape. After seeing this movement of terrorists, from the Drone, Comdt. 178 Bn and his buddy ASI/GD Anil Kumar Singh started firing on the terrorist, due to which the terrorist came back inside the target house. Movements of terrorist were monitored by HHTI and Drones. The terrorists were firing intermittently on security forces throughout the night in an attempt to escape, but all attempts were foiled by the security forces.

In next day morning, the movement of two terrorists was noticed near apple boxes near the target house. The position of one of the terrorists was clearly visible from the position of buddy of Shri Anil Kumar Briksh, Comdt. 178 Bn and buddy of Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (Ops). Taking this opportunity and as per directions of commander, ASI/GD Anil Kumar Singh, Ct/GD Mohit Singh and Ct/GD Bipin Kumar, without caring for their life, came out from their position and opened effective firing on terrorists and neutralized them in the middle of the apple boxes without giving any chance.

The firing was stopped after killing of both the terrorists. It was decided to search the target house. A civilian was sent inside the target house who told that there is no terrorist inside. Thereafter, a team of E/178 and RR was kept ready to search the target house but when the team approached the boundary of the target house, a hand grenade was thrown from inside and firing started on the search team. The hand grenade did not explode as the pin did not come out. However, after this sudden attack, all the teams became alert and strengthened their positions.

UBGL grenades were fired immediately at the target house with heavy firing.

The exchange of firing continued for about half an hour. As there was no firing from the terrorists for a long time, search of target house was started by the troops and dead bodies of two terrorists were found in the middle of apple boxes kept near the target house and the third terrorist was found in the kitchen inside the target house.

During this operation, 03 terrorists were neutralized and later identified as Waseem Hussain Magrey, S/o Nazir Ahmad Magrey, R/o Chakoora, Pulwama, Sajad Ahmad Malla S/o Shakeel Ahmad Malla R/o Maldera Shopian & Junaid Ahmad wani S/o Abdul Rashid Wani R/o Tomluhal, Pulwama. Arms/ammunition i.e. AK-56 Rifle with sling-01 No., Star Pistol-01 No., USA 32t MM Pistol-01 No., AK Magazine-02 Nos., Star Pistol Magazine-01 No., USA 32 MM Pistol

Magazine-01 No., 7.62 MM AK Rounds-60 Nos., Star Pistol Rounds-05 Nos., USA 32 MM Rounds-05 Nos., Chinese Hand Grenade-07 Nos., Combat Pouch-03 Nos., Tally counter-03 Nos., Jap Mala-02 Nos were recovered from site.

In this operation, S/Shri Anil Kumar Singh, Assistant Sub Inspector, Mohit Singh, Constable and Bipin Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/10/2020.

(File No.-11020/45/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 385-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shri Satapal Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16 Jun 20, an input was shared by SSP Shopian, about the presence of 3-4 militants in the orchard area of Turkwangam vill, PS Zainapora, Shopian. Accordingly, a joint CASO was conducted by 178 CRPF, SOG and 44 RR. The cordon was laid, and it was decided to search, in the first light, to avoid any crossfire. Additional troops were deployed, to plug all the approach routes to the target area, to keep the miscreants at bay.

At around 0440 h, during search, two personnel were seen coming towards the village, by a section of the cordon team, deployed at the edge of the village, adjoining Rambiar River. They were carrying grass stacks in their heads. One other person was following them. As they got closer, the cordon team asked for their identity. The strangers put down the grass and disclosed their identity as local. When these strangers were asked to lift their Pheran, they pick out their weapons, hidden under their Pheran and started firing towards the SF, simultaneously running to escape. As the strangers/terrorists were out of the cordon, immediately the cordon was re-positioned to prevent their escape. The terrorists took cover behind the boulders of Rambiar River and kept on firing intermittently towards the SF.

Amidst the exchange of fire, one team of 178 CRPF, along with the troops of 44 RR, advanced towards the terrorists, firing effectively and neutralised two terrorists, in a fierce gun battle, however, in between, the third terrorist jumped into a small pothole. Then, few UBGL grenades were fired by SF, in which the hiding terrorist got injured. Unable to sustain the onslaught of SF, the terrorist, in a desperate attempt to escape, came out from the pothole, firing indiscriminately towards SF. But due to effective retaliation from SF, he was forced to take cover behind a mound, just a few meters away from Ct/GD Satapal Singh. It was a perfect opportunity for Ct/GD Satapal Singh to engage and neutralise the only remaining terrorist and finish the operation at high. He, without losing a moment and displaying sharp battle acumen, crawled out of his cover, and charged towards the terrorist. In a close-quarter gun battle, he fought valiantly and neutralised the third terrorist.

During post-encounter search, dead bodies of 3 terrorists along with two AK 56 Rifles, one INSAS Rifle, UBGL, eighteen hand grenades, assorted ammunition etc were recovered. The slain terrorists were identified as Zubair Ahmad Wani, Kamran Zahoor Manhas, and Muneeb UI Haq.

In this operation, Shri Satapal Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/06/2020.

(File No.-11020/46/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 386-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Anil Kumar Yadav	Constable	PMG
2	Ajaz Ahmad Chopan	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14/10/2020, based on an input from SSP Shopian about presence/hiding of some terrorists in village Chakoora under PS & Distt-Shopian, J&K, a CASO was conducted by 178 Bn CRPF, 34 RR &SOG/JKP. At about 1235 hrs, troops of G/178 Bn u/c Shri Munna Prasad, A/C a/w SOG Imamsahib left for Chakoora. Meanwhile, teams of 34RR also left for Chakoora from Nagisharan and Matruyug in civil vehicle. On reaching the target area, the joint teams of RR, CRPF and JKP cordoned the target area from different directions. The target house and its adjoining houses were cordoned from two sides, one from Nagaisharan side and other from Matribugh side. The target house No. 118 (owned by Adil Ahmed Thokar, S/o Abdul Khalik Thokar, R/o Chakoora) and house No. 118 A (owned by his brother Zaved Ahmad Thokar) and its adjoining houses were brought under cordon. Shri Munna Prasad, A/C, Ct/GD Anil Kumar Yadav and Ct/GD Ajaz Ahmead Chopan 178 Bn were placed in a house at a distance of about 60 to 70 meters in front of the target house and made that house a fire base.

As most of the villagers were busy in the apple orchard, there was complete silence and all the windows and doors of target houses 118 and 118 A were open.

There was no indication of the presence of any terrorist. However, civilians were evacuated and shifted to a safe place. During interrogation, all the civilians even owners of target houses and their families denied the presence of terrorist. After shifting these occupants and making fire base in adjoining house/area, two teams were formed for the search and first of all, surrounding of the target houses was searched. DSP, SOG Imamsahib noticed tin sheet near the tin boundary in front of house No. 118 is folded. When Shri Munna Prasad, A/C, Ct/GD Anil Kumar Yadav and Ct/GD Ajaz Ahmad Chopan and DSP, SOG Imamsahib with his buddies advanced towards the folded tin sheet, the terrorists hiding on the other side of the tin sheet started firing due to which position of the terrorists was revealed. The joint teams positioned in the fire base around it, retaliated on the terrorists. Meanwhile, the team of Shri Munna Prasad, AC G/178 Bn and DSP, SOG Imamsahib who were already in alert also opened effective firing on the terrorists and killed one of them.

After killing of 1st terrorist, second terrorist jumped the boundary of the target house to enter the nearby house No.121 by firing on troops. On noticing this, Ct/GD Anil Kumar Yadav and Ct/GD Ajaz Ahmad Chopan chased the fleeing terrorist. The terrorist started firing on them under the cover of the pillars made in the corridor of the house. As soon as the terrorists' position was detected, Ct/GD Anil Kumar Yadav and Ct/GD Ajaz Ahmad Chopan, without caring for their lives, gunned down the second terrorist after a short exchange of firing and the firing stopped with the killing of second terrorist.

Since, the presence of five terrorists was reported, the Cordon was retained with due diligence and search of the houses in the cordon was resumed. But, even after five hour of search of entire cordon area, no trace of any other terrorist was established and after ensuring that no terrorists were present, it was decided to call off the operation. At around 2005 hrs, all the teams returned to their respective camps safely.

During this joint operation, 02 terrorists were neutralized and later on identified as Syed Rayees Ahmad S/o Ghulam Hassan Syed R/o Vehil, Shopian and Khursheed Ahmad Shah S/o Ghulam Mohammad Shah R/o Ranger Chandoora, Budgam. Arms/ammunition i.e. AK-47-01 No., Magazine (AK-47)-03 Nos., AMM AK-47-90 Rounds. 9 MM Pistol-01 No., 9 MM Pistol Magazine-02 Nos and 9 MM Pistol rounds-14 Nos. were also recovered from site.

In this operation, S/Shri Anil Kumar Yadav, Constable and Ajaz Ahmad Chopan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/10/2020.

(File No.-11020/47/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 387-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry/5th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Narender Yadav	Second-In-Command	2nd BAR TO PMG
2	Amit Kumar	Assistant Commandant	2nd BAR TO PMG
3	Loukrakpam Ibomcha Singh	Assistant Commandant	5th BAR TO PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
4	Santosh Kumar Tripathi	Head Constable	PMG
5	Raj Kumar Singh	Head Constable	PMG
6	Feda Hussain Dar	Constable	1st BAR TO PMG
7	Vivek Kumar Tiwari	Constable	PMG
8	Bhadaraka Ghanabhai Madhubhai	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29 Aug 20, at about 2115 h, terrorists fired at the Naka party of 61 CRPF at Pantha Chowk, Srinagar. The firing was retaliated and the area was immediately cordoned by the available troops of 29 and 61 CRPF. On receipt of information of the attack, 4 teams of Valley QAT reached the spot. Taking advantage of the darkness, the terrorists sneaked into the nearby houses. After analyzing the CCTV footage, a few suspected houses were cordoned and a search commenced by Valley QAT and SOG.

When a small search party, led by Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC went inside one of the houses, they observed some freshly prepared food, but no inmates were there. Suddenly, the terrorists, hiding in the house, opened heavy firing upon them. The troops, immediately, took positions and retaliated. In the ensuing gunbattle, one of the SOG personnel got hit by bullets and was evacuated to 92 Base Hospital, where he succumbed to his injuries.

Meanwhile, identity of one of the terrorists, Saqib Ahmad Khanday, S/o Bashir Ahmad Khanday, R/o Kadlibal, Pampore, was established by the police and his parents were called at the encounter site. They requested their son to surrender, but in vain. Suddenly, one of the terrorists tried to sneak through the rear side of the house, lobbing grenades and firing on the cordon party, but he got injured by the firing of Sh Narender Yadav, 2 IC and his team. As the injured terrorist was trying to scale the compound wall, Sh Amit Kumar, AC along with HC/GD Santosh Kumar Tripathi and Ct/GD Vivek Kumar Tiwari, fired at him and neutralised him.

The remaining terrorists, being in a better position and cover, were still moving inside the house and firing continued unabated. In order to check their frequent movement, the windows of the house were broken, however the strong walls were still giving ample cover to the terrorists to hide. The intermittent exchange of firing continued, till wee hours. At the break of the dawn, it was decided to enter the house and flush out the terrorists.

Initially, Sh Narender Yadav, 2 IC, and Sh Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, along with their buddies, entered the ground floor from a window. One of the terrorists noticed them and opened a volley of firing towards them, followed by lobbing grenades. The team took cover behind the wall and retaliated with the help of cover firing from Ct/GD Feda Hussain Dar and Ct/GD Bhadaraka Ghanabhai Madhubhai, compelling the terrorist to move to another room. Meanwhile, the other terrorist ran towards the stairs and entered the adjacent room. The exchange of firing and grenade blasts continued and the troops kept moving back and forth.

While the room got full of smoke and dust, Sh Narender Yadav, 2 IC along with his team, dashed forward and engaged the terrorist, neutralising him.

Meanwhile, on the other side, Sh Amit Kumar, AC, along with HC/GD Raj Kumar Singh, also entered the house and reached the first floor, using a ladder. As they were moving ahead, the terrorist lobbed a grenade towards them. The duo had a narrow escape, as the tactical shield and iron grill on the stairs took the impact. In a close quarter gunbattle, the duo neutralized the terrorist.

The bodies of the three terrorists, along with an AK 56 Rifle, two pistols, magazines and ammunition, were recovered from the site. The killed terrorists were later identified as Saqib Ahmad Khanday, Umar Tariq Bhat and Zubair Ahmad Sheikh.

In this operation, S/Shri Narender Yadav, Second-In-Command, Amit Kumar, Assistant Commandant, Loukrakpam Ibomcha Singh, Assistant Commandant, Santosh Kumar Tripathi, Head Constable, Raj Kumar Singh, Head Constable, Feda Hussain Dar, Constable, Vivek Kumar Tiwari, Constable and Bhadaraka Ghanabhai Madhubhai, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/08/2020.

(File No.-11020/62/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary



No. 388-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Himanchal Prasad Chaudhry	Assistant Commandant	PMG
2	Sumesh S	Constable	PMG
3	Irshad Hussain Kumar	Constable	1st BAR TO PMG
4	Raju Thapa	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07/06/2020 at about 0700 hours, an input about presence of 5-6 terrorists in village-Reban under PS-Zainpora, Distt-Shopian, J&K was received from SSP Shopian. A joint CASO was conducted by 178 Bn, CRPF, 1st RR and SOG Zainapora. As per plan, Shri Anil Kumar Briksh, Comdt. 178 Bn has directed Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (Ops), Shri Ram Gopal, AC, Shri Himanchal Prasad Chaudhry, AC and Shri Munna Prasad, AC of A/C/D 178 Bn to move with their teams at Village Reben. A small team of 1st RR laid initial cordon the target house and its adjacent houses.

Shri Anil Kumar Briksh, Comdt. 178 Bn with security team a/w CTT, A & F/178 Bn rushed to Reban village and a plan was discussed with 1st RR and SSP Shopian. Thereafter, Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-IC (Ops) with his party and Shri Himanchal Prasad Chaudhry, AC with CTT 178 Bn were deployed with troops of 1st RR and SOG Zainapora to strengthen the inner cordon. In addition to above, troops of A/178 Bn & F/178 Bn were deployed at Reban-Yaripora route and Reban-Zainapora route to plug the area for escape of terrorists and to maintain law and order. A team of CTT 178 Bn was deployed as outer cordon as well as cut off team near nalla flowing close to the target area.

Shri Anil Kumar Briksh, Comdt 178 Bn with his protection positioned in inner cordon on first floor of adjacent House Number 24 (Md Zabbar Reshi, S/o Ghulam Md Reshi) whereas a part of CTT with Shri H. P. Chaudhry A/C, and Shri Sanjeev Kumar Singh, 2 IC (Ops) 178 Bn positioned themselves in a house behind a cowshed owned by Manzoor Ahmad Reshi. Rest of the area was cordoned off by 1st RR and SOG Zainapora. A strong/tactical cordon was laid in target area by the joint SFs. While cordoning the target area, the hidden terrorists opened firing on the SFs. After first exchange of firing, there was a complete lull in firing from terrorist side. It was doubted that holed up terrorists sneaked in the orchard quite close to the target area. Meanwhile, a drone was used to trace out the location/position of terrorists. Some suspects were seen in the feed of the drone, it was confirmed that the terrorists are hiding in the Cowshed. As cow shed was in two parts having three blocks, terrorists split their group and positioned in different blocks. An announcement was made by the local police for the terrorists to surrender. But, when there was no response from the terrorists, UBGL's round was fired by the RR team in these blocks, due to exchange of firing, the grass kept in the cowshed caught firing and two terrorists hidden in that block tried to run out/change their position by firing on SFs. But, alert fighter Ct/GD Sumesh S and Ct/GD Irshad Hussain Kumar deployed in the same direction came out of their position and without caring for their life, immediately opened effective firing on the terrorists and killed them.

Two others terrorists came out from the cowshed firing indiscriminately in an attempt to escape, but the continuous firing of SFs prevented them to escape. So they took position between the cowshed and the poplar tree where firing of the SFs was not effective. Both the terrorists started firing on SFs and changed their positions. After this their position was exposed a bit. To capitalize this opportunity, Shri Himanchal Prasad Chaudhry, AC and Ct/GD Raju Thapa of CTT positioned on the second floor of a building near Cowshed, without caring for their life, opened effective firing on the terrorists and neutralized them. The last terrorist sneaked into a nalla/drainage passing nearby Cowshed. He was fired upon by the security forces deployed in that direction, in which a bullet hit his leg, yet he slid further inside the drain. However, due to the firing from UBGL and small Arms, he was also neutralized.

A search operation was carried out by the joint forces in which dead body of 05 terrorists recovered who were later identified as Ishfaq Ahmad Itoo S/o Mohammad Yousuf Ito R/o Hangalbush Kulgam, Ovais Ahmad Malik S/o Mohammad Yousuf Malik R/O Arwani, Shopian, Adil Ahmad Mir S/o Mohammad Yousuf Mir R/o Hangalbush Kulgam, Sajad Ahmad wagay S/o Mohammad Shafi Wagay R/o Hangalbush Kulgam & Bilal Ahmad Bhat S/o Ghulam Mohammad Bhat R/o Such Kulgam. Besides recovery of AK-47 Rifle-01 No. (damaged), AK-56 Rifle-01 No. (damaged), 9 mm Pistol (Chinese)-03 Nos. (damaged), AK-47 Magazine-01 No. (damaged), AK-56 Magazine-01 (damaged), 9 mm Pistol Magazine-03 Nos. (damaged) and AK-47 rounds-40 Rounds were also made from the operation site.

5 terrorists were neutralized without any heavy casualty to Security Forces. Shri Himanchal Prasad Chaudhry, AC, Ct/GD Raju Thapa, Ct/GD Sumesh S and Ct/GD Irshad Hussain Kumar in the different direction of inner cordon led from the front with raw grit, operational acumen with close and commendable co-ordination with each other and sister agencies in neutralizing three terrorists.

In this operation, S/Shri Himanchal Prasad Chaudhry, Assistant Commandant, Sumesh S, Constable, Irshad Hussain Kumar, Constable and Raju Thapa, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/06/2020.

(File No.-11020/64/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 389-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sandeep Dhoundial	Inspector	PMG
2	Nayki Soren	Head Constable	PMG
3	V Sankar	Head Constable	PMG
4	Pratap Paul	Constable	1st BAR TO PMG
5	Sandeep Kumar	Constable	PMG
6	Ranajeet Kumar Chauhan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17 Jul 20, based on specific information, a CASO was conducted by 18 CRPF, 9 RR and SOG, in vill Nagnad, Chimmer, PS D H Pora, District Kulgam, J&K.

The joint troops reached the target village at about 0410 h. It was decided to place a three-layer cordon around the suspected area. As the troops started cordoning the area, a terrorist, hiding on the first floor of the target house, started firing indiscriminately towards them. Acting promptly, HC/GD Nayki Soren and his buddy Ct/GD Pratap Paul of 18 CRPF, took position and retaliated the terrorist's attack. In a fierce exchange of firing, the duo neutralized the first terrorist.

Despite the neutralization of the first terrorist, intermittent firing continued from the target house, indicating the presence of some more terrorists. Amidst the firing, suddenly, a terrorist came out from the target house, firing indiscriminately towards the troops, positioned on the east. Sensing the plan of the terrorist to escape, HC/GD V Sankar and his buddy Ct/GD Ranajeet Kumar Chauhan of Anantang Ops Range QAT (CRPF), charged towards him. The duo, without caring for their lives, opened effective firing on the fleeing terrorist and neutralized him on the spot.

There was a third terrorist who was hiding in the target house and firing at the troops. While he was trying to break the cordon, placed towards North West, Insp/GD Sandeep Dhoundial along with his buddy Ct/GD Sandeep Kumar, held the position and prevented the terrorist from escaping. In a proactive move, the duo came out of their position and without caring for their lives advanced towards the target house, taking cover of trees, and opened effective firing on the terrorist, neutralizing him on the spot.

During the post-encounter search, the dead bodies of 3 terrorists were recovered along with one M 4 Carbine, one AK 47 Rifle, one UBGL, assorted ammunition and miscellaneous items. The slain terrorists were later on identified as Waleed @ Numan @ Abu Bakr @ Abu Mavis r/o Pakistan, Category 'A+'; Rouf Ahmad Dar, Category 'B' and Rayees Ahmad Naik, Category 'C', all of JeM.

In this operation, S/Shri Sandeep Dhoundial, Inspector, Nayki Soren, Head Constable, V Sankar, Head Constable, Pratap Paul, Constable, Sandeep Kumar, Constable and Ranajeet Kumar Chauhan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/07/2020.

(File No.-11020/65/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 390-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Shri Sunil Kalita	Constable	PMG(Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based upon inputs, regarding the presence of dreaded CPI Maoist commanders, Anal @ Patiram Manjhi and Maharaj Pramanik, along with a group of 70-75 armed cadres, in the bordering areas of Ranchi-Saraikela, a joint search and destroy operation (SADO) was launched by 209 CoBRA. 2 Strikes, consisting of 2 CoBRA teams each, were detailed to carry out the assigned task from Raisindri Pahar axis.

The teams left HQ 209 CoBRA, on 27 May 19, at 2150 h. At about 0310 h, the next day, the troops started scaling a steep hill feature, negotiating broken terrain and thick/thorny bushes, in extremely humid weather conditions, towards the target area. At about 0455 h, suddenly a series of IED were blasted by the Maoists, followed by a heavy volley of fire. The middle part of Team No 17, got trapped in the IED Blast, leaving many seriously injured.

Immediately, other troops rushed to augment the counter attack by the trapped personnel. As these troops advanced to secure the front, left and right flanks, a heavy burst of fire came upon them, from the adjacent heights. An intense gunbattle ensued between the two sides. Amidst the encounter, HC/GD Dulal Das, despite being severely injured, motivated his colleagues to hold on to their positions and retaliate the attack. Taking cue from their Section Commander, Ct/GD Kuljit Singh, Ct/GD Sathish Kumar S, Ct/GD Sunil Kalita and other injured, secured their position and launched a counter attack. Ct/GD Sunil Kalita, most outstanding medic/first aider, putting aside all the threats of IED and heavy firing, and ignoring his grievous injuries, crawled up to the other injured and administered first aid to them, one by one.

The counter attack against the Maoists was not proving effective, as they were at a tactically advantageous position, atop the hill. At this juncture, the use of CGRL became inevitable, as flat trajectory weapons were unable to dislodge the Maoists, from their entrenched positions. However, the CGRL was with the rear Section. In the need of hour, Ct/GD Sathish Kumar S, retreated to grab a CGRL and crawled up to the position of Ct/GD Sunil Kalita. However, in the process, Ct/GD Sathish Kumar S sustained fresh splinter injuries and found it difficult to advance further. Despite severe injuries, the personnel did not loose courage. Responding to the call of duty, Ct/GD Kuljit Singh, with one leg blown (in the IED blast), crawled to them to secure a nearby cover and grabbed the CGRL. Ct/GD Sunil Kalita asked him to take the CGRL ahead. Ct/GD Kuljit Singh crawled with the CGRL, while HC/GD Dulal Das and Ct/GD Sunil Kalita gave him cover fire.

Amidst raining bullets, Ct/GD Kuljit Singh reached the front and handed over the CGRL to the vanguard. As soon as the lead component caught hold of the CGRL, they launched a ferocious counter attack on the Maoist position. The impact of CGRL broke the ranks of Maoists, forcing them to retreat. Displaying exemplary courage and determination, Ct/GD Kuljit Singh not only helped others in securing their weapons but also extended first aid using his 'patka' to stop excessive bleeding.

Meanwhile, the reinforcement team reached the foothills of Raisindri Pahar, to facilitate the safe and quick evacuation of injured troops. Ct/GD Sunil Kalita lost the bravest battle of his life, on 13 Jun 19, at about 1940 h, at AIIMS Trauma Centre, New Delhi and Ct/GD Kuljit Singh, Ct/GD Sathish Kumar S and HC/GD Dulal Das had to undergo amputation. Despite the risk to their lives, these brave personnel upheld the rich traditions of CRPF.

In this operation, Late Shri Sunil Kalita, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/05/2019.

(File No.-11020/68/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 391-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Sharma Lavkush Sudarshan	Constable	PMG (Posthu)
2	Late Khurshid Khan	Constable	PMG (Posthu)

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
3	Naunihal Singh	Assistant Sub Inspector	PMG
4	Rajesh Kumar Singh	Head Constable	PMG
5	Narendra Kumar Pandey	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17 August 20, one section of F Coy of 119 CRPF was detailed for area domination duty in Nawan Mode, under PS Kreeri, Baramulla, J&K. The section was divided into three teams and proceeded to Nawan Mode in a Semi BP vehicle.

At about 0915 h, the vehicle halted approx 300 meters short of Nawan Mode and the 1st team consisting of SI/GD Surendra Bahadur, ASI/GD Anand Singh and Ct/GD Sharma Lavkush Sudarshan, moved towards the right side of the road. The 2nd team, consisting of ASI/GD Naunihal Singh, HC/GD Rajesh Kumar Singh and Ct/GD Narendra Kumar Pandey, moved towards the left side of the road to search the apple orchard and the 3rd team which remained with the vehicle, consisting of Ct/Dvr Khurshid Khan, Ct/GD Ujjwal Kumar and Ct/GD Rakesh Kumar, moved towards Nawan Mode.

At about 0930 h, when Ct Sharma Lavkush Sudarshan was positioned near an abandoned construction site and Ct Khurshid Khan was standing near the front of the vehicle, terrorists attacked them, firing indiscriminately, injuring both. The two personnel, despite the grievous injuries, gallantly retaliated, forcing the terrorists to escape towards the orchard.

On hearing the gunfire, the 2nd team rushed towards the spot. They noticed the terrorists moving towards the orchard and engaged them, injuring one. However, taking advantage of the vegetation and uneven ground, the terrorists managed to escape and hid in the orchard.

Subsequently, reinforcements, from CTT of G Coy of 176 CRPF, arrived, which were subsequently buttressed by SOG Kreeri and troops of various CRPF units and RR. The injured personnel were shifted to SDH Kreeri and thereafter to Baramulla.

To search and locate the terrorists, a tracker dog and a drone of unit QAT 176 CRPF were engaged. The dog, after smelling a Phiran and blood stains, lead the party 100 yards away to another spot, where Phirans, a T Shirt, a blood soaked handkerchief and heavy blood stains were found, confirming the presence of terrorists in close vicinity. During the search by QAT of 176 CRPF, a terrorist, who had climbed a tree, started firing and lobbed two grenades. The troops engaged him and neutralized him.

Thereafter, another terrorist was located, under the cover of a tree, who was also neutralized. Due to poor visibility, the search was stopped and the cordon further strengthened.

Next day, when the search was resumed, at about 1350 h, a terrorist hiding in a cave responded with a volley of fire, which was effectively retaliated by the joint troops. On identifying the position of the-terrorist, explosive charges were blasted to neutralise the hidden terrorist. After the search and recovery of dead body of the terrorist, the operation was called off at about 1915 h.

Ct Sharma Lavkush Sudarshan and Ct Khurshid Khan faced the first wave of firing of the terrorists and gallantly retaliated injuring two terrorists, despite being grievously hurt, they showed the highest traditions of CRPF and attained martyrdom. The troops of the 2nd team, i.e ASI Naunihal Singh, HC Rajesh Kumar Singh and Ct Narendra Kumar Pandey, also, displayed the highest degree of valour and engaged the terrorists with effective fire.

During the operation, three Lashkar terrorists, Sajad Ahmad Mir @ Hyder Laskhari; Anayatullah Mir @ Hamad Lashkari and Usman Bhai of Pakistan were neutralized. Two AK 47 Rifles, three pistols, one HE Hand Grenade, four AK 47 Magazines, 60 AK 47 rounds and three pistol magazines were recovered.

In this operation, S/Shri Late Sharma Lavkush Sudarshan, Constable, Late Khurshid Khan, Constable, Naunihal Singh, Assistant Sub Inspector, Rajesh Kumar Singh, Head Constable and Narendra Kumar Pandey, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/08/2020.

(File No.-11020/79/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 392-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Pramjit Kumar	Assistant Commandant	PMG
2	Rakesh Kumar Verma	Constable	PMG
3	Alok Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18 Jun 20, based on a specific input, about the presence of an armed group of Maoists, led by Pradyuman Sharma, Zonal Secretary of Magadh Zone, along with Dasta members, at Mahawar Pahar, near forest area of Petro Falls, PS Satgawan, Distt Koderma, Jharkhand, an op was launched by 22 CRPF and Jharkhand Police.

The troops advanced towards the target, reaching near the core area, at about 1355 h. The party divided into two groups. After a quick terrain analysis, Sh Pramjit Kumar, AC, led one of the group, which were formed to prevent escape of the armed Maoists. The group led by Sh Pramjit Kumar, AC, along with Ct/GD Rakesh Kumar Verma and Ct/GD Alok Kumar, tactically and stealthily proceeded towards the core area, which was heavily forested with undulating hilly terrain.

When the troops were negotiating a hillock, close to their target, Scout Ct/GD Rakesh Kumar Verma, noticed some suspicious activity atop: he took cover and signaled the other troops about the danger ahead. Meanwhile, a sentry of the Maoists sensed the movement of troops and alerted his comrades. In a flash, the Maoists fired indiscriminately at the troops, from entrenched positions. One of the rounds whizzed past the head of Sh Pramjit Kumar, AC, tearing his cap off.

Undeterred after narrowly escaping being hit from Maoist bullets and in the face of a most adverse situation, Sh Pramjit Kumar, AC, along with Ct/GD Rakesh Kumar Verma and Ct/GD Alok Kumar, immediately, took positions and warned the Maoists to surrender, but in vain. Thereafter, the three advanced uphill, without caring for their lives, despite being fired upon. As they closed towards the entrenched Maoists, they charged at them and in the ensuing face-to-face gun battle succeeded in neutralizing one of the Maoists.

Seeing one of their cadres being hit, the other Maoists deserted their fortified positions and started fleeing, taking advantage of the dense vegetation, and undulating terrain. During re-organization and post encounter search, the troops recovered a dead body along with one AKM and one US made M 30 Rifle, along with huge cache of ammunition, and miscellaneous items. The slain Maoist was later identified as Shravan Manjhi, main aide of Pradyuman Sharma, Zonal Secretary.

In this operation, S/Shri Pramjit Kumar, Assistant Commandant, Rakesh Kumar Verma, Constable and Alok Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/06/2020.

(File No.-11020/81/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 393-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Subhash Chandra Bagaria	Head Constable	PMG
2	Aby Thomas	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
3	Sunil Kumar	Sub Inspector	PMG
4	Binoy Baro	Constable	PMG
5	Anirudh Pratap Singh	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01 Nov 20, on receipt of an input about the presence of terrorists in Rangreth area, PS Sadder, Distt Srinagar, a joint operation was launched by Valley QAT and SOG. Accordingly, 03 teams under the command of Sh Narender Yadav, 2 IC, along with Sh Anirudh Pratap Singh, AC, were formed.

The troops reached the target area and placed a strong cordon. Sh Narender Yadav, 2 IC and Sh Anirudh Pratap Singh, AC, commenced the search of the area. However, latest inputs confirmed the current location of the terrorists in a house approx 800 m away and accordingly, the troops moved towards the suspected house. Meanwhile, Sh Aby Thomas, AC of North Range QAT also joined the operation.

After clearing the adjacent houses, the suspect house was approached by Sh Narender Yadav, 2 IC along with one team, covering the left side; Sh Anirudh Pratap, AC, along with one team, covering the front and right side of the house and Sh Aby Thomas, AC along with his buddy, covering the rear side. On getting confirmation about the presence of an armed terrorist from the occupants of the house, the cordon was tightened.

An appeal was made to the terrorist to surrender but in vain. In a desperate attempt to escape, the terrorist fired at the cordon, but due to retaliation had to beat a hasty retreat. During the initial exchange of firing, a suspect was spotted at the rear. While keeping the terrorist continuously engaged, Sh Narender Yadav, 2 IC tasked Sh Anirudh Pratap Singh, AC; HC/GD Subhash Chandra Bagaria and Ct/GD Binoy Baro, to apprehend him. Amidst the fierce exchange of firing, they managed to apprehend him.

Seeing the operation getting stretched, it was decided to use MGL, in a coordinated way, followed by house intervention. MGL/XRGL grenades created openings at the rear and front sides of the target house, which minimised the frequent movement of the terrorist. A team under the command of Sh Narender Yadav, 2 IC along with Shri Anirudh Pratap Singh, AC; HC/GD Subhash Chandra and Ct/GD Binoy Baro, was formed to undertake house intervention. The team, tactically, entered the house under the cover firing of Sh Aby Thomas, AC and SI/GD Sunil Kumar. Sensing the presence of the team, the terrorist, who was hiding on the first floor, lobbed multiple grenades towards them, followed by targeted firing, in which Sh Narender Yadav, 2 IC, missed getting hit by a whisker. Undeterred by the heavy volley of fire and blasting of grenades, in proximity, the intervention team, without caring for their lives and safety, charged at the terrorist, displaying extraordinary valour and eliminated him in a veritable dogfight.

The slain terrorist was later identified as Saifullah 'Mir @ Doctor, A++ category, of HM, who had been active for more than 6 years and was the Chief Operational Commander of Hizbul Mujahideen, in Kashmir Valley.

In this operation, S/Shri Subhash Chandra Bagaria, Head Constable, Aby Thomas, Assistant Commandant, Sunil Kumar, Sub Inspector, Binoy Baro, Constable and Anirudh Pratap Singh, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/11/2020.

(File No.-11020/82/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 394-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Ramesh Ranjan	Constable	PMG (Posthu)
2	Rajashekhar Naidu V	Head Constable	PMG
3	Hem Bahadur Rai	Constable	PMG
4	Rahul	Constable	PMG
5	Totan Roy	Constable	PMG

## Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05 Feb 2020 at about 1110 h, QAT of 73 CRPF was deployed at Lawaypora, near Yateem Khana on NH 44, PS Parimpora, Distt Srinagar for Naka duty.

At about 1140 h, three suspects were noticed, coming from Narbal side, towards Srinagar, on a Scooty. They were stopped by the QAT: when Ct/GD Ramesh Ranjan asked the suspected persons to step down for frisking, one of them whipped out a pistol from under his phiran and fired at Ct/GD Ramesh Ranjan. Unmindful of being hit, in a quick reflex, Ct/GD Ramesh Ranjan displayed nerves of steel and fired back at the terrorist, injuring him. Seeing Ct/GD Ramesh Ranjan injured, HC/GD Rajashekhar Naidu V, acting promptly, opened firing at the terrorists and neutralised one of them.

Meanwhile, the second terrorist attempted to snatch the AK 47 of Ct/GD Ramesh Ranjan, but failed due to prompt action of other QAT personnel. The terrorist, in a bid to escape from the incident site, fled across the road. The terrorist was chased by Ct/GD Hem Bahadur Rai and Ct/GD Rahul and the duo further in a head on battle, neutralised him from close quarters.

While the troops were engaged in neutralising the first two terrorists, the third terrorist, escaped on the Scooty towards Srinagar City. The terrorist was chased and shot by Ct/GD Totan Roy. However, the terrorist despite being hit in the chest, managed to escape. The terrorist was later admitted to JVC Hospital, Bernina by some civilians and further referred to SMHS Hospital. Meanwhile, Ct/GD Ramesh Ranjan was evacuated to the hospital, where he was declared dead and thus attained martyrdom.

The slain terrorists were later on identified as Zia-ur-Rehman and Khateeb Ahmed Das and another Umer Fayaz Bhat was injured and later apprehended. Two pistols and two hand grenades were also recovered from the possession of the slain terrorists.

In this operation, S/Shri Late Ramesh Ranjan, Constable, Rajashekhar Naidu V, Head Constable, Hem Bahadur Rai, Constable, Rahul, Constable and Totan Roy, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/02/2020.

(File No.-11020/86/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 395-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rajendra Prasad Boran	Inspector	PMG
2	Mhatre Naresh Ramchandra	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Thakur Das Kisku	Constable	PMG
4	Ganesh Pal	Constable	PMG
5	Avtar Singh	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18 Nov 20, an input was received about the movement of suspected terrorists from Samba to Kashmir, in a civilian truck. Accordingly, CTT of 160 CRPF along with SOG, was deployed to intercept the movement, at Ban Toll Plaza, PS Nagrota, on Jammu-Srinagar NH 44.

On 19 Nov 20 at about 0500 h, CTT 160 CRPF and SOG stopped the suspected civilian truck, at Ban Toll Plaza, which was moving towards Srinagar. When they attempted the search of the vehicle, the terrorists, who were hiding inside, started indiscriminate firing on the search party. The troops, immediately, retaliated the attack. CTT 160 CRPF, under the command of Insp/GD Rajendra Prasad Boran along with ASI/GD Mhatre Naresh Ramchandra and Ct/GD Thakur Das Kisku, effectively engaged the terrorists, despite having no cover and unmindful of their safety.

As the terrorists remained ensconced in the truck, a BP Bunker was deployed to further engage them. The BP Bunker, driven by HC/Dvr Avtar Singh, came under a fusillade of bullets. Undeterred, HC/Dvr Avtar Singh maneuvered ahead, while Ct/GD Ganesh Pal narrowly missed death, when the Bunker's Cupola was hit.

The fierce gunbattle continued for three hours, with the heavily armed terrorists relentlessly firing at the troops to prevent them from approaching the truck. Finally, Insp/GD Rajendra Prasad Boran, ASI/GD Mhatre Naresh Ramchandra, Ct/GD Thakur Das Kisku and HC/Dvr Avtar Singh scrambled out of the BP Bunker, despite no cover and completely

oblivious of their own safety, took positions around the truck and managed to neutralise the terrorists. All the four slain terrorists were later on identified as Pakistanis of Jaish, who had recently infiltrated. A huge cache of arms and ammunition, including 11 AK 47 Rifles, 23 AKMagazines, 440 AK Bullets, 3 Pistols, 1 UBGL, 7 UBGL Rounds, 29 Chinese Hand Grenades and 6.5 kg of RDX, was recovered.

In this operation, S/Shri Rajendra Prasad Boran, Inspector, Mhatre Naresh Ramchandra, Assistant Sub Inspector, Thakur Das Kisku, Constable, Ganesh Pal, Constable and Avtar Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/11/2020.

(File No.-11020/87/48/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 396-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Satendra Pratap Singh	Assistant Commandant	PMG
2	Arun Kumar R	Constable	PMG
3	Sandeep M	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26/06/2018, an information was received that the Maoists had ambushed a joint party of State police, JJ & 112 Bn, CRPF in the forest area of Village-Khaprimahua (Burha Pahad), PS-Bhandaria, Distt-Garhwa, in which 06 personnel of Jharkhand Jaguar attained martyrdom and 05 were fatally injured. Immediately, to reinforce, extend first aid, evacuate the entrapped/injured personnel and mortal remains of martyrs safely, an operation was planned meticulously. Accordingly, 02 Strikes; Strike-I U/C Sh. Zia-ul-Haque, DC and Strike-II U/C Sh. Satendra Pratap Singh, AC, and 01 Special Action Team were tasked to carry out this daunting & challenging task, under the overall supervision of Comdt-209 CoBRA.

Acting promptly, 209 CoBRA troopers left Bn Hqr. and reached B/112 Bn, CRPF location Murgidih by 0300 hrs. Anticipating the situation and to avoid delay, Comdt-209 CoBRA directed troops to deploy rolling ROP (Road Opening Party) to achieve the objective of the mission. Team No. 11 U/C Sh. Satendra Pratap Singh, AC, in the lead, was the first to move. The whole mobilization to Mandal area was completed amid continuous rain and on the dilapidated route. Teams traversed approx. 15 km in one stretch, despite all odds. On reaching Village-Polpol, teams dominated the hilly features, zeroed suitable air ambulance landing ground and given first aid to the injured troops. Amidst treatment, an air ambulance landed and injured were evacuated. Commanders had the directions to withdraw immediately once JJ, 112 Bn CRPF & civil police component with mortal remains is de-inducted to nearby CRPF Camp safely. Meanwhile, CoBRA troops were informed that some weapons of Martyred/injured troopers are missing.

Accordingly, to find the missing weapons; a new task of searching the encounter site was assigned to the CoBRA troops. Immediately putting away all the tiredness of the long journey and sleepless night, an action plan was chalked out by the commanders on ground. As per the plan, CoBRA teams started searching the area leaving 01 teams of each strike behind as reinforcement. Sh. SatendraPratap Singh, AC was at the lead. Moving tactically, he along with his team started searching the area. Using his tactical acumen, he decided to dominate the nearby heights around the incident place first. He tactically placed piquet and started penetrating the core area stealthily. Thick vegetation, damp ground and heavy undergrowth was obstructing the operation. While troops, led by Sh. Satendra Pratap Singh were scaling one of the height, suddenly, heavy fire came upon them from uphill. Sh. Satendra Pratap Singh along with scouts Constable Arun Kumar R. and Constable Sandeep M caught in the direct firing line of Maoists. With their quick reflexes, the trios not only saved themselves from the deadly attack but also took the cover and retaliated the attack. A fierce encounter ensued between the two sides.

Maoists were entrenched behind their fortified defence and firing from sophisticated weapons. The reverberating echo of the gunfire turned the otherwise calm jungle into a fierce battle zone and death started hovering around to get its prey at any moment. Meanwhile, the rear troops were asked to cover the Maoists from both the flanks. The trios were still trapped in the killing zone of Maoists and retaliating bravely against the enemy. Sh. Satendra Pratap Singh was well aware that his fellow troops could not support them as they have occupied the tactical points; leaving which would have jeopardized the safety of the whole team. Hence, with fewer choices and no time, he, with his sharp tactical acumen made his choice and



decided to take the Maoists in the head-on battle. Within a moment, he, defying all the fatal threats, sprang out of his cover and opened the barrage of bullets on the Maoist positions. While firing he directed his scouts to advance in a round about way to cover and counter-attack the Maoist's onslaught. Following the footsteps of his brave commander, the duo scouts moved daringly amid the flying bullets and charged upon the Maoists.

As said, "Fortune favours the brave" this day the trios were determined to avenge every misfortune happened last day and to flip every coin their way. The audacious counter-attack from the trios awestricken the Maoists. Sensing the move of trios and danger around, Maoists intensified their firing upon them to break their strength. However, the trios were not the ones to be intimidated. They, defying all the odds, continued their counter-attack and the advance. Seeing the bravado of the trios, fear crept in Maoists side as their bullets lost its pace and they prepared for retreat. Sensing the Maoist's plan and hammering the last nail in the coffin, the trios launched a full-fledged counter offensive.

With the cover fire of UBGL by Constable Arun Kumar R, Sh. Satendra Pratap Singh and Constable Sandeep M dashed close to the Maoist position and fired upon them. The ferocious onslaught from the trios resulted in the killing of one Maoist. Before the Maoists could drag the body of his fallen cadre, the trios using fire and move tactics reached close to the dead and captured his body along with one INSAS rifle. They did not stop here. After devastating their defence, the trios chased the fleeing Maoists but could not get them as they managed to escape from the site taking advantage of the ground. Soon, the rear troops after covering the flanks also reached the spot and secured the site.

Rarely have there been occasions when security forces after receiving the losses have effectively responded so quickly. In a "Do or die" situation, stepping all threats aside, Sh. Satendra Pratap Singh, AC, with Constable Arun Kumar R and Constable Sandeep M displayed pebbles of valiant soldiers and took the Maoists in the head-on battle. They not only reinforced the trapped troops and evacuated the injured but also neutralised one Maoist. The valorous act, inspiring leadership, firm determination and extraordinary courage that stunned and foiled Maoist's nefarious design deserves recognition of the highest order.

In this operation, S/Shri Satendra Pratap Singh, Assistant Commandant, Arun Kumar R, Constable and Sandeep M, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/06/2018.

(File No.-11020/172/2019-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 397-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Radhe Shyam Singh	Commandant	PMG
2	Sabzar Ahmad Bhat	Constable	PMG
3	Ajay Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19 March 19, based on the input of SSP Baramulla, regarding the presence of JeM terrorists, a joint operation was launched on 20 March 19, in vill Nambalnar by 176 CRPF, RR, and SOG, under the overall command of Sh Radhe Shyam Singh, Commandant, 176 CRPF.

The troops reached at the RV Point, near vill Nambalnar, at about 0515 h. But, due to continuous snowfall, the area was slippery, making it difficult for the troops to operate. Nevertheless, the troops managed to establish a cordon and around 1030 h located the hideout of the terrorists. The troops resorted to speculative firing on the target and searched the surrounding areas but could not achieve anything. As the input was strong, it was then decided to search, afresh. During the search, an AK 47 Rifle, magazine, ammunition and miscellaneous items were recovered.

Around 1700 h, the terrorists suddenly opened burst fire, towards the troops, which was retaliated. At 1900 h, as darkness descended, it was decided to strengthen the cordon and resume the search in the morning. Meanwhile, additional troops were called to reinforce the ongoing op.

The next day, at about 0900 h, during the search, the troops received an input that the terrorists had been noticed in Bandi Payeen vill. Immediately, the troops rushed towards Bandi Payeen village. At 1030 h, while the troops were cordoning

the suspected location, the terrorists opened heavy fire upon them. Amidst the raining bullets, Sh Radhe Shyam Singh, Commandant, along with his escort and QAT, laid the inner cordon. The terrorists were hiding in a Govt Middle School building, which also accommodates a hospital and other establishments and had a sizeable number of civilians present inside. Commandant 176 CRPF directed the troops to first evacuate the trapped civilians and then, along with RR and SOG, plugged all the escape routes. An announcement was made, advising the terrorists to surrender, but to no avail.

The terrorists were, continuously, changing their position, to find loopholes in the cordon to escape, and inflict casualties on the troops. They tried to escape, firing heavily, from northern side of the building, where Sh Radhe Shyam Singh, Commandant, along with his troops were positioned. The troops, valiantly, retaliated and foiled the attempt.

Under the cover fire of his escort, Sh Radhe Shyam Singh, Commandant, along with his buddy pair Ct/GD Sabzar Ahmad Bhat and Ct/GD Ajay Kumar, advanced towards the terrorists and engaged them. The terrorists, opened targeted fire, followed by lobbing grenades, towards the trio, to break their advance. Undeterred, the trio continued their advance and reached close to the building. Despite heavy firing, the trio came out of their cover and charged towards the terrorists and neutralized one of them, at close quarters. Meanwhile, the other terrorist was engaged by RR and SOG and, subsequently, neutralized. Thereafter, the firing completely stopped from the terrorists' side.

During the post encounter search, the troops recovered the dead bodies of two terrorists, later identified as Amir Kaboo S/o Gh Rasool Kaboo, R/o Arampora, Sopore, Baramulla (local terrorist) and Sabir @ Qari (Pakistani terrorist of JeM), along with 03 AK 47 rifles, magazines and ammunition.

In this operation, S/Shri Radhe Shyam Singh, Commandant, Sabzar Ahmad Bhat, Constable and Ajay Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/03/2019.

(File No.-11020/184/2020-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 398-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rajendra Kumar Saroj	Inspector	PMG
2	Shiv Kumar	Sub Inspector	PMG
3	Shobha Ram	Head Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Acting on a reliable input about the presence of Naxals in the area bordering PS Vasisthnagar and PS Sadar of district Chatra, an operation was launched on 3 Jan 19, by 2 Teams of 203 CoBRA to intercept the Naxals.

At around 1300 h, both the CoBRA teams moved towards the target area in civil pattern vehicles and dropped in the forest area of Makhtama village at around 1510 h. Troops advanced towards the target area and took LUP (night halt). On 4 Jan 19, as dawn broke, the two teams left their LUP and bifurcated in two directions; Team 1 to lay cut-offs at decided tactical points and Team 2 to search/hit the target area.

Team No. 1 reached, the given area at around 0645 h, when SI/GD Shiv Kumar observed some suspicious movement in his right side and immediately conveyed it to Team Commander Insp/GD Rajendra Kumar Saroj. Upon close observation, Insp/GD Rajendra Kumar Saroj saw a cowshed, around 80 meters, north of Team No 1, in which two persons had lit a fire, to warm themselves. The information was shared with Team No. 2.

Insp/GD Rajendra Saroj along with SI/GD Shiv Kumar formed two splinter elements each and advanced towards the cowshed. Meanwhile, Team No 2 diverted their route and moved southwards towards the direction of the suspected area; cow shed. As Insp/GD Rajendra Saroj and SI/GD Shiv Kumar advanced towards the cowshed with their elements (sections), two more civilians/suspects were seen, moving around. As the CoBRA troops reached close to the cowshed, the civilians/suspects noticed their presence and started running away. Sensing their suspicious behaviour, Insp/GD Rajendra Saroj decided to pursue them. As CoBRA troops advanced swiftly, they noticed the suspects fleeing in two different paths, one towards the northwest of the cowshed and the other towards north direction. Insp/GD Rajendra Saroj with his section chased the fleeing suspect, in the north direction, while SI/GD Shiv Kumar with his section, chased the other, in the northwest. A small component of CoBRA troops with SI/GD Jaideep, stayed behind, near the Cowshed.

During the chase, approximately 120-130 m, north of cowshed, Insp/GD Rajendra Saroj noticed some unusual movement, ahead in the forest. When he along with his section advanced to check the suspicious activities, a heavy volley of fire came from the north and north-east direction. Insp/GD Rajendra Saroj and HC/GD Shobha Ram were in the front and faced the brunt of firing. The CoBRA troops immediately took position and asked them to surrender but in vain. They further intensified the firing. Displaying raw bravery and sharp tactical acumen, Insp/GD Rajendra Saroj, held on to his ground and launched a bold counterattack, along with his team, in self-defence. Using fire and move tactics, the CoBRA troops kept low to the ground and crawled through the thorny bushes to reach close to the Naxals position. Meanwhile, SI/GD Shiv Kumar had also joined the advancing troops, from left side, making a "U" formation, to flank the Naxals. An intense gun battle ensued between the two sides. Sensing the Naxals may slip from the site, Insp/GD Rajendra Saroj directed his team to give him cover fire as he along with SI/GD Shiv Kumar and HC/GD Shobha Ram, dashed forward and charged towards the Naxals, with the precise firing on them. The audacious onslaught by the trio broke the ranks of Naxals and forced them to run for their lives, leaving their dead cadre behind. Troops chased the fleeing Naxals and recovered one dead body along with Insas Rifle.

On the other side, Team 2 also had an encounter with the fleeing Naxals.

They bravely retaliated the attack of Naxals but could not nab them as they managed their escape, using the favourable terrain. The whole encounter lasted nearly an hour.

During the detailed search of the encounter area, troops located a temporary camp of Naxals and recovered various items, including medicine and clothes. The neutralized Naxal was in black uniform and wearing an ammunition pouch, with an Insas Rifle (chamber loaded). He was later on identified as Chander Singh Bhokta, S/o Late Butasingh, R/o village Jaigir, PS Barachatti, distt Gaya, Bihar, an area commander of CPI(Maoist). The weapon, i.e., the recovered Insas Rifle was looted by Maoists from SAP camp at Goh, Aurangabad, Bihar, on 17 July 13.

In this operation, S/Shri Rajendra Kumar Saroj, Inspector, Shiv Kumar, Sub Inspector and Shobha Ram, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/01/2019.

(File No.-11020/228/2020-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 399-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Indo-Tibetan Border Police (ITBP) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Prabhat Mukul Martin Minz	Assistant Commandant	PMG
2	Kuldip Raj	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Brahm Chandra	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On January 14, 2018, input was received from TAC HQ, 40th Bn ITBP & SP (Operation) Rajnandgaon; regarding presence of approx 50-60 armed and uniformed Maoist cadres at village Jhilmili, P.S-Bakarkatta, Distt-Rajnandgaon. Coy commander 'A' Coy Sh. Prabhat Mukul Minz, AC/GD planned the operation with the commanders of CGP, STF & DEF. A multi party operation was launched by Sh. Prabhat Mukul Martin Minz AC/GD, Inspector Abdul Sameer (SHO Bakarkatta), Inspector Laxman Kewat (SHO Gatapar), Sub-Inspector Anil Sharma (SHO Salhevara), Inspector Harishankar Kanwar and STF officer.

02 parties were formed to conduct the operation. First Party consisted of District Executive Force (DEF)-II, Special Task Force (STF)-45 under command of SHO Bakarkatta Inspector Abdul Sameer. 02 ITBP personnel i.e. ASI/GD Kuldip Raj and CT/GD Brahm Chand were placed with the First party. Second party consisting of 50 ITBP personnel under the command of Sh. Prabhat Mukul Martin Minz, AC/GD in which 03 Jawans of Chhattisgarh police (CGP) also participated in order to form close coordination and co-operation between both the parties. The parties started from the COB Bakarkatta before day break and approached towards the target location tactically. ASI/GD Kuldip Raj along with CT/GD Brahm Chandra were moving ahead of the First party as lead section scouts. On reaching the spot, the leading scout of First Party i.e. CT/GD Brahm Chandra, observed some movement and immediately informed the party commander Inspector Abdul Sameer and took tactical position.

First Party Commander Inspector Abdul Sameer on confirming the movement of Maoists immediately alerted the Second Party which was under the command of Sh. Prabhat Mukul Martin Minz AC/GD. On getting the confirmation of presence of Maoists, Second party commander alerted another group of security forces which was operating in the nearby jungle of Singbara under command of Sub-Inspector Anil Sharma & Inspector Harishankar Kanwar. Sh. Prabhat Mukul Martin Minz AC/GD coordinated with all parties and started to tighten the cordon of the target area. Exchange of fire took place between Maoists and First group. Sh. Prabhat Mukul Minz, AC/GD showing exemplary leadership and valour, started to cordon hit. 0599 from where Maoists were firing. Seeing the cordon of security forces, Maoists started heavy volume of fire on the First group. The Maoist were at dominating and favorable height, Sh. Prabhat Mukul Martin Minz, AC/GD assessing the gravity of situation, coordinated with First group commander and decided to use 51mm Mortar for shelling the Maoists stronghold. He ordered his party bomber for firing Mortar bombs at the target area. Maoists got unnerved by the bombing of mortar shells and scattered to escape from the incident site. Unfazed by impending risks, taking cover of shelling. CT/GD Brahm Chandra and ASI/GD Kuldip Raj continued to fire on Maoists and kept on moving tactically towards the target area. Displaying immense grit and determination, Sh Prabhat Mukul Martin Minz AC/GD made heavy pressure on Maoist and provided support to the First group which was moving forward to the target area. While on move, the First Party found blood spots that indicated injury to the Maoists in the exchange of fire. ASI/GD Kuldip Raj and CT/GD Brahm Chandra also found a 315 bore rifle from the spot. While escaping from the site the Maoists had exchange of fire with the other group of security forces which was operating in Singbora Jungle.

During search of the target area after the exchange of fire had stopped, a dead body of one uniformed Maoist was found along with items i.e. Motorola set-01 Nos, 315 bore rifle-01 Nos, Electric items, daily use item, ladies under garments, Maoist literature etc. The dead body of Killed Maoist was later identified as Gundadhur @ Raju R/o Katekalayan area of district Dantewada who was Section Dy. Commander of Vistar Platoon No. 03 of GRB Division and carrying a bounty of Rs. 3,00,000/-.

This success of the operation is attributed to the meticulous planning, precise implementation and exemplary valor of Sh. Prabhat Mukul Martin Minz, AC/GD who led his troops with personal example, along with ASI/GD Kuldip Raj & CT/GD Brahm Chandra who lead the group as lead scouts in utter disregard to personal safety and acted bravely while facing continuous close-range firing from the Maoists. The operation was conducted in a professional manner, following all tactical drills & effective fire control. The team managed to get immense success without any casualty to own troops.

In this operation, S/Shri Prabhat Mukul Martin Minz, Assistant Commandant, Kuldip Raj, Assistant Sub Inspector and Brahm Chandra, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/01/2018.

(File No.-11020/208/2021-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 400-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Indo Tibetan Border Police (ITBP) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Amit Kumar	Assistant Commandant	PMG
2	Hamesh Kumar	Head Constable	PMG
3	Shakti Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An Intelligence input was received from Naxal Cell Rajnandgaon, Chhattisgarh Police regarding presence of a group of approx 7-8 Armed CPI Maoists cadres in jungle area near village Kidkadi under Police Station-Job, Chhuriya on 30.06.2020 and presence of another group of approx 7-8 Armed CPI Maoists cadres in jungle area near village Sitagota under Police Station-Bagnadi on 30.06.2020 at around 1000 hrs. An INT based operation plan Night Ambush, Code Name- 'Mansoon XXVIII' was planned.

As per ground situation and feasibility of best results Sh. Amit Kumar AC/GD (Ambush party Commander) and CGP SI Mohar Sahay Lahore briefed the parties thoroughly and accordingly the ambush party consisting of strength ITBP GO-01, SO-08, ORs-21 Total-30 and CGP strength-SI-01 and ORs-03 Total-04 left for mission on 30/06/2020 hrs.

After reaching the release point, AC Amit Kumar conceived a brilliant plan catering for coordinated firepower, surprise and tactical dominance over killing zone and accordingly ambush parties were deployed one by one i.e. Scout party, Stop Party, Covering Party and Reserve Party at their respective earmarked places tactically at Ambush Site. AC Amit Kumar personally supervised all preliminary actions before ambush.

At 2300 hrs Scout party observed 7-8 Nos. of Naxals moving towards Amoush site and signaled their commander about Naxals arrival. All parties were alerted. 02 Naxals were moving 25 to 30 mtr ahead from main body. As the main body of Naxals was about to arrive in killing zone suddenly one street dog appeared and started barking on the ambush party and surprise of Ops was lost Naxals started firing in retaliation.

Naxals could not withstand themselves against strong response of security forces and tried to flee away from the site by taking advantage of the night. Encounter/Exchange of fire between Maoist cadres and security forces lasted for 25-30 minutes intermittently. HC (CD) Hamesh Kumar and CT (GD) Shakti Kumar exhibited great courage and kept themselves staging forward with utter disregard to personal safety. AC Amit Kumar displayed exceptional presence of mind and responded appropriately to changing situation in a most competent manner, leading his men from the front and being well forward motivated his troops. Drawing inspiration from him all troops in Ops forced Naxals to break contact.

In the first light Ambush party moved and cordoned the ambush site and carried out thorough searching of site along with CGP and observed 01 uniformed CPI Maoist cadre who was seriously injured due to bullet injury and trying to flee from the scene. Security forces rushed and took him into custody. He was given First Aid and interrogated on the spot.

During preliminary interrogation, he introduced himself as David alias Umesh alias Baliram Uikey, age-35, r/o Kotra, post-Belgaon, PS-Korchi, Dist-Gadhchiroli, Cdr Military Platoon no-01, Division Committee member (DVCM) of Maoist organization. The details of Arms/Amns and Misc items recovered from him by security forces is mentioned at Part-B (5). The apprehended Naxal was carrying a bounty of Rs-29 lakh (Chhattisgarh govt-08 lakh, Maharashtra govt.-16 lakh and Madhya Pradesh govt.-05 lakh) and was active since long time in area of P/S Chhuriya, Bagnadi and Bortalao.

Ambush Party Commander Sh. Amit Kumar, AC displayed exemplary leadership great sense of responsibility, courage, dedication and outstanding command & control and valour beyond the call of duty throughout the operations. HC Hamesh Kumar and CT Shakti Kumar also exhibited great courage, bravado and dedication during the entire process of the Operation and especially in apprehending the injured naxal. Operation was completed without any injury, loss and damage of govt, property which resulted in apprehension of one injured Naxal David alias Umesh alias Baliram Uikey, Commander Military Platoon No-01 and Division Committee member (DVCM) and recovery of various Arms, Amns, Communication Eqpts and Misc items from his custody.

In this operation, S/Shri Amit Kumar, Assistant Commandant, Hamesh Kumar, Head Constable and Shakti Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/06/2020.

(File No.-11020/42/51/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 401-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Shri Arun Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The gallant act of the aforementioned SSB officer proved at 0655 Hrs. on 13.01.2019 followed by the most reliable information on 12.01.2019 with regard to planning to inflict major damage to Police personnel in the upcoming election, extortion of levy money, unleashing terror among villagers by none but the SAC member Vijayda @ Nandlal Majhi, Zonal Commander Talada @ Sahdeo Rai and their associates of CPI (Maoist), a banned outfit carrying deadly arms.

In pursuit of the information, SP Dumka convened a meeting with core commander Including additional SP (OPS), Commanding officer 35th Bn. SSB Dumka, Lalit Sah Dy. Commandant, 35th Bn., Narpat Singh, Assistant Commandant (Now Dy. Commandant), 35th Bn., officer-in-charge Jama. PS S.I. Phagu Horo & others. A detailed Anti-naxal operation was planned involving officers, team members of Small Action Team (SAT) (SAT-1&2) & Jawans of District Police. The officers were asked to lead the striking teams along with SAT (1&2). SAT-1 commanded by Narpat Singh, Dy. Commandant and SAT-2 commanded by Lalit Sah, Dy. Commandant Arun Kumar Constable (GD) was detailed to scout of the SAT-2.

The striking team lead by the commanders reached Chatupara jungle area at around 04:30 am and started operating in that area. Eventually at 0655 am, officers witness series of bullets firing upon them by CPI Maoist. The officers shouted at extremists explaining their identity as Police and asked them to surrender. Instead of surrendering, one of the sentries of the extremists again started heavy shower of bullets with latest sophisticated arms intimidating & intending to kill the police officers and jawans. His action was replicated by his associates and they all resorted to indiscriminate firing on police force. The police officers recurrently shouted at extremists asking them to stop firing and surrender, but defiant and determined extremists continued to fire while running towards a nullah.

Forced by the situation, the leader Lalit Sah, Dy. Comdt, 35<sup>th</sup> Bn. SSB, Dumka directed the police force to open the fire in self defense, intending to protect the govt arms and ammunitions and to take the ransacker extremists in command. Consequently firing was resorted to. Undoubtedly, the abovementioned police official exhibited exceptional courage and at the same time Shri Lalit Sah, Dy. Comdt and CT (GD) Arun Kumar showed exemplary act of bravery and without caring about their own life advanced forward by giving cover fire to each other. They opened the fire in self defense, intending to protect the life of team members.

Consequently firing was resorted to. Undoubtedly, the abovementioned police officer exhibited exceptional courage and zeal while bullets were passing over their heads, they defied the heavy shower of bullets and in a dare devil manner tactically moved towards extremists who were incessantly firing the SFs. This ferocious assault by both the commanders devastated the Maoists defense and silenced their action from their defense. Meanwhile by taking cover of firing provided by each other, extremist managed to escape deep inside the jungle with the help of a nullah. After sanitizing the area, search operation was carried out which resulted into the recovery of the dead body of one extremist with one loaded AK-47 weapon in his right hand. Further searching of the area led to the recovery of one more loaded INSAS, one AR-41, 175 Cartridges of AK-47, 201 Cartridges of INSAS, 45 Empty cartridges, letter-pads of receipts of collection of levy worth Rs. 1,03,000/- (One Lac Three Thousand), Mobile Set, Wireless Set, Transistor, Live rounds with Chargers, some Eatables, Pittus(f^J) etc. on further investigation, the identity of the dead extremist was established as Talada, A Zonal commander who had brutally ambushed the then SP Pakur Shri Amarjeet Balihar IPS on 02.07.2013. Usually dead body of a killed extremist does not get recovered during such operations, but this was a rare occasion when not only the body of an extremist but several arms and ammunitions were also recovered only due to courage and tactful leadership exhibited by above mentioned police personnel.

Following the operation, seizure, lists were prepared in the presence of independent witness and Shikaripara P.S. case No. 06/2019 was registered on 13.01.2019 U/S 147,148,149,307 & 353 of Indian Penal Code, 25(1-A), 27/35 Arms Act, 17 C.L.A Act and 16/17 UAP Act

CT (GD) Arun Kumar, 35th Bn. exhibited exemplary valor, presence of mind, leadership quality and ability to employ tactics with very meager force in a highly risky operation involving close battle. His courageous achievement had a highly elevating effect on morale of Special Forces (SFs) and a crushing effect on the morale of extremists.

In this operation, Shri Arun Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/01/2019.

(File No.-11020/84/49/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 402-Pres/2022—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Personnel of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Amal Sarkar	Sub Inspector	PMG (Posthu)
2	Satya Narayan Yadav	Constable	PMG
3	Manish Kumar	Constable	PMG
4	Mahendra Yadav	Constable	PMG
5	Biswajit Roy	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the basis of an intelligence input about the presence of Bidai and Batha groups of NDFB(S) cadre in the north of Kumarshali BOP in the General area of Manas Reserve forest, an operational meeting was held in the 7th Sikh-Li Army unit



Kajalgaon on the afternoon of 08.05.2017 at 1500 hrs. In the meeting it was decided to launch a joint operation by Local Police, SSB and Army. As per the operation plan, it was decided to launch joint operation from two different location i.e from BOP Kumarshali and BOP Dhaula area by concentrating the operational team of Army and Police at BOP Kumarshali and BOP Dhaula of 15th Bn at 0100 hrs and 0200 hrs respectively on 09.05.2017 to launch the operation before first light. In the operational meeting it was decided that SSB personnel of BOP Kumarshali and Local Police of Chirang will lay stops on the Northern part of BOP Kumarshali to Tri-Junction of Kuklung Nalla before first light and SSB personnel of BOP Dhaula, Army personnel of 7th Sikh-Li and Local Police of Chirang will carry out Cordon and search operation from east to west part of Agrung Nalla. As per planning and after proper briefing, troops were deployed at the designated point, in which the team of STOP Party of SSB led by E Bikramjit Singh, AC including SOS-03 & Ors-18, Local Police and Army. On 09.05.2017 at about 0100 hrs to 0230 hrs AC SSB briefed and laid out five stop parties.

At about 1440 hrs on 09.05.2017, suddenly 3-4 Militants in civil dress with arms emerged from jungle on forest beat line area where they came in eye contact with second stop party led by SI(GD) Amal Sarkar. Witnessing the presence of security force the Militants opened indiscriminate firing on the second stop party. The second Stop party also retaliated in the self defense. The exchange of fire continued for almost 15 minutes. During exchange of fire Sub-Inspector Amal Sarkar who was leading the second stop party sustained bullet injuries on right leg and chest. Despite sustaining serious injuries SI Amal Sarkar continued firing without caring for his life and gunned down NDFB(S) militants identified as Birbal Islary, Commander of 14th Bn NDFB(S). In the said operation 5.56 Insas Rifle-01 (One), Magazine-01 (One) rounds-03 (Three) were also recovered. SI Amal Sarkar has fired 35 rounds from his AR-41 Rifle. 04 (four) constables in the second stop party, namely CT(GD) Satya Narayan Yadav, CT (GD) Manish Kumar, CT (GD) Mahendra Yadav, CT (GD) Biswajit Roy had also fought bravely and retaliated the indiscriminate firing of militants with equal measure. When they came to know about bullet injury sustained by SI Amal Sarkar, they immediately approached him by crawling in the thick jungle and evacuated him in the midst of militants firing without caring for their life and thus, displayed a gallant action of the highest order. In the exchange of firing, they also hit two other militants who somehow managed to escape by taking advantage of thick jungle.

In this operation, S/Shri Late Amal Sarkar, Sub Inspector, Satya Narayan Yadav, Constable, Manish Kumar, Constable, Mahendra Yadav, Constable and Biswajit Roy, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/05/2017.

(File No.-11020/1148/49/2022-PMA)

S.M. SAMI  
Under Secretary